

त्रीयर तम् वाषय तय क्षेत्र त्रीय त्रा वो र त्रवा विय प्रत्य ता सम्बद्ध स्त्रीय प्रवास त्रीय वास्त्र या

गाव सुदु की देवाका द्ये सुव । वद ।

२०॥ क्यायायीत् यत् श्रीत् श्र

गाव सुदु की देवाबा दये सुव ।वर ।

*5्रगा*म:कवा

कुन प्राप्त के का हो ।
<u> </u>
मानुकार प्राचन प्राचन प्राचित्र में प्राचन प
<u> ५८.स्.श्रॅ</u> ब.तम्प्रा.यर्ट.क्रे.स्.हे.स्.ह.तकर.ब्रेट.ब्रियाया.२४.२.च.च। 62
বান্ত্ৰীকাশেশবার্ট্রবিবান্ত্রকাশমশ্বর্শ্বরিবা
मानुभारा मानुर देव र्श्केव प्यया देव।
५८-सॅ-चरे-च-उब-५-क्कु-चति-कु-चति-त्य-क्क्रुब-ध।
क्वु-द्र-र्थ-विदावस्थान्त्री-वर्गेद्र्य-प्यद्यपद्यिद्वान्यन्त्री-द्वान्यन्त्र त्वान्त्री-त्वान्यन्त्र विद्यावस्य विद्यान्य विद
५५ में हेब बिरावस्य पी ५ त्य चु च ।
मानुभारा महेदारा र्केमा अपने समान स्थाप स्
<u> ५६.स्. श्रम् श. हेथ.श.२४.ता</u>
मानुकारान्नो त्रनुकाहेका सु प्रकार हो सामानिक विकास मानुकार हो ।
चोशिषातात्रार्थाः भीषातूर्ते देनचो सुर्ज्ञात्र्यं स्टर्ज्यात्र्यः भीषुः इषातात्राच हेवाव्यात्रार्थः र
षद्भुःषेनुत्रानुकानुन्त्रान् ।
कुष्यक्षेत्राचतिक्षाचित्र।
মর্কমমার্শ্ব্রি: ক্রী:বান্মমান্বা

*प्रायः*क्या

क्वुं नादेशायान् नो नादेश्चानान् प्रमान् स्थान् स्थान्यान् स्थान्यान्यायाः स्थान्यान्यायाः	109
र्र्स्य अर्र्र्र चर्ष्ट्र व्यवस्था गावि स्थित में हित्य र ही स्थित विषय हो	110
चाकुरायासर्वर ग्री द्वारा ग्राम्य राष्ट्री ह्या विकासिया तर्कता चरा चर्छवाया ।	114
र्ट्स, भ्री. है उसी जा की जूब रेथ रेथ रेथ है कुर भी पूर्व रेता की राज सेवा उक्ता वी	114
माक्षेत्रायाञ्चनात्रात्राह्णेत्राच क्षेत्रे व्यावित प्रवास्त्र प्रवास्त्र वित्र वित्र प्रवास्त्र वित्र	พฃ
	121
वाश्चाराः क्षेत्रवातुषायते व्यवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात्त्रवात	126
বল্লীঘার্ক্ত'র্মুবার্ক্সুবাল্ট্রীযার্ট্রিরাল্ট্রীরের দুর্বার্নির ক্রিয়ারার্ট্রার ক্রিয়ারার্ট্রিরার ক্রিয়ারা	132
নাধ্যমানামর্কর র্রমানবিমের র্টের গ্রী র্মার্মার্ ব্যান্ত্রনান ক্রিমানা	141
<i>न्दर्भे अद्या</i> क्तुयार्देन् न्यम् सेन्यान् न्यान्यान्यात्रे सुरावान्येन्यस्य स्वान्यस्य	व्रद्धाः
	141
गढ़ेशयाक्षेरावेंदर्शयाविःग्रिदादशाद्वर्ग्यक्षेत्रात्वेंश्वर्ग्यक्षेत्रात्वे	বি'শ
বঙ্গুর্'বা	144
বাধ্যমান্যৰ্শক্ষ্ম ক্র্মিন্দ্র্বান্ত্র্যান্ত্ব্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্ব্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্ব্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্ব্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্ব্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্ব্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্ব্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্ব্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্ব্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্ব্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্র্যান্ত্ব	≀শ্বী×.
ব্যবস্থা	148
क्रेब्-बाब्युख-प्रतिकेंब-विद्	167
माद्गेश्वर्याः सर्केन् र्यात्रतुत्वरायते व्यवरायम्	180

*5्रगा*म:कवा

यादायाना मुख्याया न्यादा यादा यादा यादा यादा यादा यादा यादा
५५ सं मानुन संदिक्षिण
५८.स्. गीर्श्वर्स्ट. १८४.कु. कि.स्. र.कु.स.स्.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स.स
गुरुकारमञ्जूदकारम् वर्षेत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर
<u> </u>
५८ में औ ५ में च च दु हो र च म म म म म म म म म म म म म म म म म म
५८.स्.सं.सं.सं.सं.सं.सं.सं.सं.सं.सं.सं.सं.सं.
कृष्य प्रविष्य प्रविष्य प्रविष्य ।
মর্ক্রমম ক্রিম্ন্ত্রী নান্মম ন্বা
শৃষ্ট্রশ্নস্বাশী শ্লী সাম্বাদ্ধান্ত বিশ্বনাধান্ত বিশ্বনা
নাধ্যুম্বান্দ্র বিশ্বান্ধ্য নাম্পুর্মান্দ্র নাম্পুর্মান নাম্পুর্মান্দ্র নাম্পুর্মান্দ্র নাম্পুর্মান নাম্পুর্মান নাম্পুর্মান্দ
ग्रेशस्रेशस्रेशस्रेशस्रे व द्वे व्याप्तित्वव्यास्य
<u>৴৴ৼৣ৻৽ৢ৵৻৴য়ৢ৶৻৸ৢঀ৻৾৾ঀ৻ঀ৾৽ড়য়য়য়য়৸৻য়ৢ৴৻ড়৾ড়ৢ৻৸৵৻ঀ৾৵৻য়ৢয়৻য়ড়ৢয়৾৻য়৻য়৸ঀ৸য়৻য়৾</u>
महेशयाहेनदेशक्ष्रकारोद्धियायाच्चरायदेश्वायान्ववायाया 291
मासुस्रायः र्केशः र्सेट्स ने त्यमान्यमान्य यदेः श्रेमायान्यमान्य ।
निले पानु प्रशेष का त्या सुरात देन का ग्री ख़ैन पान मन का या

५गार:कवा

कृत्यं र्या कृत्रवः स्वैना कृत्रवः स्वैन वि न्वना तुः नमना वार्या
নাঙ্গিম্ম্ম্ম্ম্ম্ম্ম্ম্ম্ম্ম্ম্ম্ম্ম্ম্ম্ম
বৃহার্যারিক্সাঞ্জুরাব্দ্বাকাশা
বাঙ্ট্ৰশ্যন্ত্ৰহৰ্মমৰ্মান্ত্ৰীস্থেহনে বৰ্মনাৰ্মা
कुर्न्थ्र चति कें भाष्ट्री
মর্ক্রমন্ত্র্র্রিমন্ত্রীমানুমন্ত্রমন্ত্র্বা
मासुस्रायामार्थराया सेवा त्रिहें राष्ट्रमार्था ग्री न्या सेवा न्या स्वाया या सम्बन्धा या सम्बन्धा
323
नासुसायार्रेसानेसायते स्टान्तेस ग्रीस्नि सुरान्नानासाय।
नविषार्राम्भाविषापतिन्वरुषासुरामम्बाषाया
माद्रेशभार्यस्थान्यस्थ्रदावद्येदान्यतः द्वेत्रमा
নাধ্যমান্য মিন্দ্রের্বার ক্রিন্মা
नविष्यः हेदःश्चीः क्षेत्रका
नविन्यः स्वनः र्नेना निन्नि विदेशः है शर् शुः धीः स्ट्रान्। 339
न्दर्भ हेश सु धी सद वी सद धें ब द्वाया
माक्षेत्रारा हेत्रासा स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्था
বৃহ র্ন্ ক্রী বেধবাঝ শ্রী বৃধী ব ক্রী অ ত্তী হব হা

*5्रगा*म:कवा

শৃষ্ট্ৰপ্ৰ'ম'প্ৰশ্ৰ'ক্ৰিৰ'শ্ৰী'ন'ম'খি'মহ'ন।	342
নাধ্যুম'ম'য়ৢয়'য়৾ৼ'নী'দ্নী'ন'য়ৢৄৢৢৢৢৢ'য়'ঊ'য়ৼ'ন।	343
लृ .स.क्र्य.पर्स्य स्वरूपम्मुत्य चत्रे.ताब्	
त्रुवा'य'सु"रद्दायका'से'तर्तरवरवार्सेत्य'च'तदेवकाया	365
चर् _ष ्यःचर्क्र् चत्रे प्यदःयम्	368
र्रास्यास्त्रम् सुन्न सुन्न सार्केन पुः र्स्ने स्तर्भे न	
মান্ত্রপ্রমান্যার্কাস্প্রবর্ষাস্ত্রকাস্ত্রী স্থ্রির্বার ক্রিক্তর্মা	372
कृषः इषा प्रति केषा हो १।	
মর্কমঝ'ঝ্রুঁর'য়ৣ৾'য়৸ঽয়ঝ'ৼয়	
मु नशुक्षाया र्चेन वा सहरा क्रिया क्रिका मु स्थित वा मु स्थान सु र र र र र र र र र र र र र र र र र र	412
मु निले पाने द्वारानिक सामानिक सामानिक सम्मित्ता स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर	बेदः
मुंब-र्र्बेब-त्यस-द्या-तय-सर्वस्थर-सुर-या	433
<u>५८.त्र.क्र.</u> प्रमुख्या.यक्र.प्रमा <u>य्य</u> .क्र.च्या.यक्ष.च्य.च्य.च्य.च्य.व्य.व्य.व्य.व्य.व्य.व्य.व्य.व्य.व्य.व	434
महिकायामि तर्वेका द्रका चने च उदा दुः क्षे चते हें द्रिका वका	443
ব্দ র্মানের কার্যার বিশ্বন বিশ্বন বিশ্বন বাধান বিশ্বনা	
क्रेब् चरुक् चरिक स्वेत्रा	464
মর্ক্রমমার্ক্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র্র	464

*प्रायः*क्या

महिकायाननेनाउदाया क्षेत्री र्द्ध्या द्यी प्रवस्तु द्युकायते क्षेत्र्याया	470
नाशुक्षायाननेना उत् श्री विदानक्षणाया केंद्र क्षेण्येत हत् वेंचा स्थाप या केंद्र विवास	171
	471
चलै'च'अ'न्वा'यदे'लैन्ची'बानुत्य'चुदे'शेश्रश्राश्चर्यानुत्य'चर्र्श्वेद्या	495
वाशुक्षायाविदावक्षयाग्ची पर्मोद्दायाध्येदायाद्वर्षात्र्वराष्ट्रवर्षाया	499
चलै'च'लैर'चर्गेर्'णेर्'य'द्युर्य'यदे'र्ब्बे्स्'यस'चरुद्या	500
५८:सॅ:ब्रेटामस्य श्रुवेटे:पॅब ५५ व. प्येट्य खेड्य व. क्षेत्र या क्षेत्र या क्षेत्र या क्षेत्र या क्षेत्र या क्ष	500
माद्रेषायाषामाबितिः स्वाप्तान्त्रास्येदायाचेदायते र्क्केष्ट्राया	501
वाश्चर्यायाः विद्याः पित्राचित्रायाः विद्यायाः विद्यायायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्यायः विद्याय	502
चलै'च'कु'न्र'चर्क्केते'र्धेब'न्नब'खेन्'य'ग्रेन्'यते'र्क्केब'यम।	503
ૡૄ:ન:નજુન:ઌ૽૿ૢ૽ૺ૾ૺઌ૽ૼૼૼૼ૱ૡ૿૽ૺૺૢઌ:ઌ૽ૢ૽ૺૢૺઌઌ૽ૺ૽૽ૺૺૺૺ૾૽૽૽૽૽૽૽૽૽૽૽૽૽૽૽૽૽૽૽૽૽૽	505
इनामा हेदानाबाया प्ययानमनी पिदानुदायी द्वारा होदायती हैंदायया	510
ननुब्रमःबिद्योःवर्षेत्रेचेत्रेधेब्रम्बर्धेद्रायःचुषाद्वषाङ्केब्र्यायःवर्देनषाय।	517
ড়ৢॱয়৾য়য়য়য়য়ৢয়ৢয়৽য়য়ড়ৢঀ৾৽য়ৣয়য়য়য়ড়য়	·55·ai
র্ব্রাঝান্তঃ কুমঝার্ব্রাঝান্তর ব্রান্তর ক্রিন্তর ক্রিন্তর ক্রান্তর ক্রিন্তর	526
माद्रेश्वासाम्बर्धस्य विद्यानक्ष्याः क्षेत्र विद्यानक्षयाः विद्यानक्षयाः विद्यानक्षयाः विद्यानक्षयाः विद्यानक्षयाः	529
वाशुक्षायार्श्वेदायकायस्युवायदेशक्कुःचनेदाळेवान्द्रयासूत्रवाकायहेद्या	533

*5्रगा*म:कवा

५८:धॅ:चनेब्:क्वेंगःचर्हेन्या	533
मिष्ठेश्रासामित्रे स्मिन्द्रिया द्वीया स्मिन्द्रिया समिन्द्रिया समिन्	537
वःसर-५वो नःसह्वा वी र्ने द्वासर् न्वारा	538

२७॥ क्यायायेन्यते क्रीत्राची क्रिया में त्राप्त स्वायायाः व व स्वर त्याया स्वाया स्व

यर्द्धरमायोत्स्य यदेः वयः मास्य यत्त्रः स्रेतः यस्ता

ख्यःपर्वायःपङ्कः स्रेथःपत्रदः वी:बयःवास्टा

क्षेत्र द्रदः चेदिः केत्रा विदा

यहिका स्रोता स्ट्रास्त स्त्राहिका गाहिका स्वाहिका स्वाहि

विवयासेन्द्रसन् उट व्याययासे देन न्यों विवया वर्षा विवया वर्षा विवया वर्षा व्यायस्था विवया वर्षा विवया वर्षा व विनाः हुः शुरुरत्तुन ५:५६: केदः आयमायमा विनायह्न नाये नाया सिना या सुमार्सः अर्क्चित्रवार्यर विष्या मुद्धिर द्वीत कुं लेगा या रेता द्वी प्यी यत्त्व वर मी सुर वर तु श्चाञ्चराक्रेत्र र्या पर्दुणवा थेन् राया व्हेंवा द्वीत् श्ची स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स वःषोः नवादः वेद्वा वाववावाविषायवाः वः श्वदः वेद्वाः वीः श्वः वदः श्वेदः यदः श्वेदः यदः श्वेदः यदः श्वेदः विदेश यावयायावीयारवावानेरावर्षाची केंग्रियाकरायार्षाया यहीरावाक्रिया यन्तर्त्रार्क्षमारेरेराविदार्करास्यार्मीर्त्वादाया कॅटास्यामाटार् द्वादार्यः बीयार्बे्स्या देवे से व्याप्तवायात्रस्या विवा प्येवा प्रकृत्र प्रस्वा से वर्षे र विता डेबाम्बरुद्याने मुलि विमान्द्राये व्याप्यमानकुष्यान् ने त्रद्रावि व्याप्यमाने तक्षुर पर वेवा डेका पर्यः पर पर्या । देवे अर्क्सका स्रा कर सार र र र र्शे से र म मेरि दु प्रमुद्ध प्रमुद्ध मिल्या मुद्दा प्रमुद्ध प्रमुद्द प्रमुद प्रमुद प्रमुद प्रमुद्द प्रमुद प्रम वेर्-रवर्षान्तुरःवरु:वर्त्वःयदेःग्वत्रावेदेःकुवायेःश्वःविःवदेःवेःवर्देर। वेर्-नर्मन्यायायर दर्भाक्षेत्र प्रति से से स्थान्य का की नति तुमानि सामित्र का निम्ना स्थानि । त्युदः हेर्याया यद्भते द्वादा कर्या द्यी यद्दे केत्र लेदः विदः केत्र से सिद्या यदि या विद्या य क्रिंदे स्निप्रया वियाप्या केंग्रा र विदेश कर दे तुरा का या वियाप्या केंग्रा क रैवाबारुबाक्तवाविवावीं वावबार्विवावराया स्वीवायाय स्वीवायाय स्वीवायाय वस्रयान्त्र वरायात्र वर्षा क्षेत्रायात्र क्षेत्र स्त्रीय त्याया वर्षा वर्षा या स्त्राया स्त्रयाया श्चित्रयासुर्वा वहेवाहेत्यपर न्वावी स्वावाय निर्वास स्वावत विवा धेव यदे द्वर दुवहर्ष भेव क्षेत्र सेव स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्थ के स न्वींबासुरद्दिवाहेब्सीदेर्द्धेःदेवाविवात्याविवायायाहेवायास्याहेरवदेरसकेन्। खन्यस

रुः भ्रेंब या गरिया यी प्रभूव या या लुवाया यय श्वेद रहा है। प्रदेश यह रा रश्चीयायाययाः श्चीः केवाः चूरायाचेवाः प्रदायाः सूर्यायः श्चीः रश्चीयः विवरः याचेवाः यः याक्रयानु तर्हेर्यया याया सुव रवेट रवा प्येव यादी याळेन रनट खुवान्य पायीव यादी रेवा वया या नि:र्के:रेट:वुट:स्रो र्कट:यान्ट:यान्यान्, सुनाःवस्त्रः वेटयान्यान्वस्यान् विद्यान्यस्त्रान्यस्त्रान्यस्त्रान्यस् थेन। तुःकैतिहेनाः हेवः द्यीः से तदीः क्षवः प्रस्मार्वेवः मासुस्राः सुः धेवः सामा योजीयात्रसुरःक्योत्रायेत्राचात्राराचियोत्रामः यानक्षेत्राचरः री. री. सुवा सुवा स्वी स्रोत्राच्या क्ष्मास्रीत्वतुषा स्रीत्रीता स्रीत्याचा स्रीत्रीत्वतुषाः स्रीत्रीत्वत्वाः स्रीत्रीत्वत्वाः स्रीति गल्य नर ग्रंथ मुंभ द्वाया र मुंच र श्चित्र हैया छो ब्रियाय श्वरा कु हो सेत्र । हिंदा है स्वायन त्र हो त्यायन हो सुवा वहु हा यदी यिष्टेष्ट्रे त्युर्या सेस्रस्य यहिष्य या स्वाहिष्य स्वाहेषा स्वाहेषा यहिष्य या सेस्य स्वाहेषा या से स्वाहेषा य বমূঅ'রমঅ'ডব্'ধर'ঝুৎঅ'র্ঝ'শ্রীবর্ট্'ব'ব্হ'মীমঅ'শ্রী'শীব্'বর্ই'ষ্ট্রা श्रेश्वरामिश्वराम् स्वरं तः स्वरं तः विषाः विषाः विषाः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स ने महिषामादि वदः वया सादा यो या यो सादी महिष्या है। सुर या स्वार के विष्टी साव व श्रेयश्र श्रेष्ट्र श्रेट प्येट स्थेट য়ৢ৶ॱয়৾৾৻ৼ৾য়য়ৼয়৾৽য়ৼ৽ৼৢ৽৻ঽ৾ৼ৽য়৻ড়৾য়৸ড়য়ড়ৢঢ়য়ৢয়ৼ৻য়৾য়য়৽য়৽য়৾য়য়ঢ়৽ श्रेश्र श्रीत्र परि सूर पर तर्वे वा सी सुवा भी सुवा भी वा नुवा शाय र सी क्रूंचर्यातव्रीं राव। यक्ष्यः स्रवः व्यवायाया उद्यातवायः रेषाः शुक्राः शुक्राः स्रोत्याः स्रोत्य ययः रदः श्रेवः रदः वीयः वार्डेदः यः यदः ये दिरः यदः यहं यः वीदः वः ये दः यदं यः वीदः यः वीदः यदं यः वीदः यदं य ब्रुदि तर्वे र पदे अधुम क्रेम तर्हे अरुपार र्का क्रीरा अदि पने क्रीन हैं साने विपासी सुपा यतः ह्यायारेत्। वरः योग्ययाः ग्रीयने या सुवार्येतः या पीवा या विया हेत्। यति हिवादेरा

ૹ૾ૢૺ૽૽ૺઌૹૣ૱ૠૢ૽ૺ૱૽૽ૢ૽ૺઌ૽૽ૢ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼ૱ઌ૽૾ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌૹૻ૽૱ઌ૽૽ૼૹ૾ૢ૽૱ઌ૽૽ૺ૱૽ૺૹ૽૽ૢ૽૱ઌ૽૽ૺઌ૽૽૱ઌ૽ૺ૱ क्रम्या बेन्स्टा महिन्स्माटाकुया समार्देमाबेश्वाद्या सम्पदेन्द्र श्रेंट व कें तर्दे था पर्दे बेट । या र श्रूट या द व्यवस्था अन् पर्दे पर्दे पर्दे पर्दे पर्दे पर्दे व वाधीत्। युषायदे यास्त्र दुः दुः देश्वर सेदाग्रादः बोस्रायादे यास्त्र दुः हुने वास्तर द तर्नावति स्रोस्रसा दिवा न स्थान स्था ग्राम्स्य स्वार्या का में के स्वार्थ के स्वा धुः सरायर यदे विर श्चीर पदे राये राये विषा र भ्रावया वेयया र्येर यया यदे श्चीर देव महेर क्षे के के ते तर्के निविद् त्ये दिन तु को नित्र के तर क म्बर् बिया सेना धन्यर पुरं वेदाव क्रिया स्वर्ग क्रिया द्वा से वित्रा प्राप्त वित्र व <u>लटान्वींबाकी वराद्या से विंवा है जिया के लिक जिया वी वे हो नटा बरा के खेरा के जिया है जिया के लिक जिया के लिक</u> यर ह्या द्या यय से क्रेंचा स्रया से क्रेंचा ने देव क्रिया से क्रेंचा क्रेंव *ড়*ीरा के 'तुंबा क्षुवया दे 'तुंबा क्षुवया दे 'या क्षुवया के 'या क्षुवया के 'या के 'य यथ। तुःर्केषः नगादः यथः सूर्याः यस्यः उदः श्रीः दिर्वरः यदेः श्रुः यत्वयाः त्रेदः सुः यो न्यः कुरियाहेरः या भूष्या वार्षया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया स्थाप वार्ष्यया स्थाप वार्ष्यया स्थाप क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया यर हेता ५ : वेंदि क्वा की यर वेंद्रा कर क्वा त्या वा की या की या की प्राप्त की की प्राप्त की प्राप यार्बेब विन्यार श्री विराहे हैं द्वारा यो या हेर सान्द स्त्रा न्या में साम स्त्रा है साम स्त्रा है स

वियःयन्यायःयञ्चः श्रेयःयवरः वीः वयः यश्रुरः।

यवर क्रेंग वि.वंश शु. क्र्रां क्रिंग या प्रवेष त्यूरी राय देश प्रवेश प्र हैं अदि बेर अर्बेट सु नुते हैन नक्कर न्या लिया या रहा ख्या यी सूया यी तुर में विदेश हैं लिया र्वेजात्रमा वर्वेरायां वेजायो दाया प्रमान मुक्तायर मुक्तायर मुक्तायर मुक्तायर मुक्तायर मिन्न प्रमान प्रमान मिन्न प्रमान मिन्न प्रमान प्रमान मिन्न प्रमान मिन्न प्रमान मिन्न प्रमान मिन्न प्रमान मिन्न प्रमान प्रमान मिन्न प्रमान प्रमान मिन्न प्रमान प्रमान मिन्न प्रमान प्रम प्रमान प् रवाचार्राक्षेत्रान्द्रा क्रेंविद्वेश्चेश्वाहरूमार स्टार्स्याया सम्प्राह्मेया क्रेंविद्वेश्चिया स्वाहरूमा तर्वा नर्गोर्। रदःरेषःर्देव विहेरत्वर्धः येवर् प्राचेत्र र्वोषः प्रवेत्वर स्रोस्रवः स्री विहेत्व कें विश्वाक्षा विश्वाद्या विष्ठ दुर्धि र स्वाप्त वस्य श्री वर दुर्धी स्वर वा र विश्वास्य र या बद्या के ते के दिया देवाया स्वादा स्व म्रेट-र्-पर्-तर्देन-स्वा-पर्स्य-श्रीमायाद्र-पर्द-प्रायोग्यम् स्वान्य-स्वान्य-स्वान्य-स्वान्य-स्वान्य-स्वान्य-स्व रवर्षामान्त्र क्षेत्रप्रेत्व त्वेत्रात्य तर्वे द्रायर क्षेत्र तर्वे तर्वे तर्वे क्षेत्र वर्ष द्रायत्य द्रायत्य बेर-वतर-देन्दर-विगमी-देव-दुः भेव-यायय। देन्येव-रिभेव-दिः भेव-यामी-पदिः न्नरः केंबाः वैवाः बुबाः स्ट्राः देवः वृत्रायाः यतः यतः यतः यतः यतः वेद्याः योन्। केंबाः स्वेदाः यतः यत प्येत क्री देश तथा नवित्त केंश्र श्रु तथा में नित्र वु त्र रे तृ म्या क्री या प्रति व वर्ग्चे वितायदे वे कुषाणे ५ से १ वे स्मार के संबंधाय पर कु ५ व्या कुर हे के संग्री श्चर देश सूर्या प्रस्था कुं तद्यश क्षेत्र देश देश देश स्था कें अप के स्था के स्था के स्था के स्था के स्था के स रदःहेदःश्चेराःवनाःवेदःवःयाः वेत्रयात्। कुःश्चेनाःनीयाः सर्वेदः त्रयाः क्र्रीयाः सेवाः त न्वाकेट रट अर्वे रट वीश्वास्य विवास द्वीय प्रमुत न्वीया तुर्ववा दर्वेवा स धेव प्रयादर्वेष द्विष्य राष्ट्री यय गालिषा य द्वेष प्रयाद विष्य प्रवेष प्रयाद विषय प्याद विषय प्रयाद व र्देन्गुवाचुर्याने स्वराधुरानाविष्वा दतरा साध्यस्य सेन्स्य स्वर्षा ८८.व्हेष.२.विश्वात्रा हेश.वावय.भ्रा.भर्या.चर.भ.चर.४८.ल्या.

रैवाबाने बेबाव पी वार की पीट त्याय हैंट व वीट प्यट की विवा की क्रीकार विवा त्या यर्केन नतर सुवाया हार्ने र ख्वा वायुया ही तर्के हिन्दा केंद्र से नया ही व्यया गा निर्मुन्तरायद्य अर्गे क्वारान्यस्य स्रोत्य स्वाययाधी यद्र मी स्रीया स्वाययाधी यद्र स्वी स्रीया स्व रवाक्षीः अद्वितः यारवाकिषाः सेद्राक्षाः सद्यावद्दे त्रवात्यद्वात्रः सद्याद्वात्यद्वात्रः स्व तत्र सूर्य सदे कवा या दहेवा स्पेर स्वा व्यय मुन्य सर्वो स्ट के दिवा या मुर्या है। है में बिया भेत तर है में रत या गहित दुर्भिर तथा धुयाय विवा येयय उत विवायया श्रैट.र्भेष.ज.ब्रूर.च। षट.र्के.जट.र्थेच.धेज.ह्यै.अ.र्थेच.तथ.श्रश्र हींचेश.त्रर.टी.वींर. यायर पेरि। र्लेर यश्चा केर स्वावन लिया पीन नतर दिये हे दर या हैया सर्हेर श रेटा हिट्टायर ट्रिकेट यथा यावन लेवा पीन न हो रेवा या सुवाया सुट्टायलेन ट्र नर्श्वेयर्थाने। श्वेंप्टराग्ने विष्टिर स्ति प्रयादि स्थित्यो स्यापा व्ययः ग्री: वेया ग्रुवा मान्या वेश्येति तुयाय ५८ म्यून नया वदी ग्रुयान वदी वदा बिया मी क्रिन् दुः दर्भे तद्या सूत्रा सूत्र सूत्र स्वित स्वतः दर स्वी सवतः सर्वेदः चति द्या विया पर्सेचर्माक्ष्रा र मान्नेर मित्र मार स्मिन श्चेंत्यालेगाके कुराया गर्नेग्या त्या व कुर्णेत्। केंया श्चाया वतरा दे परावदाया कें तिन्धुं मिहेरामिते नें तिकेत अहसानु तिशुवाया सुर्यान्या हैं राप्या से पाने पाने वासी ति से ञ्चवाः योदाः विवाः प्रदः कुः प्रदा देः कृतः ययः श्रीः प्रदा कृतः विवेः विरःश्र्राट्यो सुन्ध्राच्या यात्रदेति। यास्त्राच्याः अपन्ध्रुचेतुः सुन्द्र्याः स्वरः विराधिः स्वरः विराधिः स्व वरःबारः धेवः बरः वर्दरः दुः दुः वर्द्वाः यः विवाः वीवाः वीवाः विवः विवः वेदः श्रीः श्लीरः कः विवाः यम् । स्यायसाञ्चीतर्भः स्रोत्रायते चुन्या स्रुवस् । स्रवतः द्भः वाहसः

यम्भवाद्में देवा प्रतादा देवे हेवा मुन्द कर छ रवा दर दे सुवा कुत श्रीयोयाः मृत्यायाः योयाः यो देवः म्रीयः श्रीयाः भ्रेतः प्रवेतः तद्देदः विः वयाः वहेदः वहेदः चेदः यावतः श्चीः देवायः भेर्ता श्रीः देवदः त्ययः श्रीरः श्चिः वर्डतः संविवाः वीयः व व सः नः प्रः। लर.य.च्रेर.झ्रेर.ज.रचैंच.त.झ.ब्रु.बुच.च्रुब.द्रय.चर.क्र.पर्येच.झंश.त.कें.चेंद्र.क्रूर.में. ख्रूराय। यरायस्यात्रात्रीलेवाधेताधाताः रेतिया द्वीया क्वायते प्रद्वापायतर से रेत व। इःश्चेरित्रं वार्रेन् त्रदे विवादिर तदायर सुवादेर से द्वादाय दे तदा से । ने तद्वी रेवा अने वाय प्रवाया वाय ह्या है । के ही अप स्ट लेवा है । यद्याचीर्याचेत्राचेत्रा श्रेष्ट्रमुखे स्थर्यायाचीत्र स्त्राविषाक्च्या स्त्रा व्रिट. इस्रम्य. क्याट. मु. मु. दे विमानमा स्त्राम्य प्राप्त प्रमानमा स्त्राम्य प्रमानमा स्त्राम स् र्वेजायम्बर्धानुबर्धाः लेजाः छोः धीवाववाः सूत्रात्वा ने स्परामने वास्तरे ने सामने ने सामने ने सामने ने सामने न २.२८.स्री.ज.सूर्य.त.अ८अ.क्रीअ.क्री.य.चवत.क्रीय। क्री.क्री.च.यह्रिय.त.रेक्री.यर्थे. च्रावानु न्यान्त्र । क्षेत्रायान्य द्वेतान्य नित्तान्य नित्तान्य नित्तान्य । व्यान नित्तान्य । अरु-दे-प्येद्-वद-वी-दे-इव युवा-अर्वेदि-प्य-वेद-दुद-। कु-द्गार-क्की-वर्गेव्य-सुद-ग्रीभामकेन् प्रमेन् प्रमाणामा धेरिका स्वाप्यान् । चेरिका स्वाप्यान्य स्वाप्य स्वाप श्रीत्र वीयाप्या न्योवि सर्केया यी मान्य प्रतेष वी वीया से नि के लिया श्रेत्। यदयःक्रुयःग्रीयःग्रदः। दःश्रेत्रःदःततः रृःश्रुदः तदेः ह्वायः कःयुवायः क्ष्यातयातः रेषाः वसूत्राः यदः त्रषाः चित्रावाः विदः वीः वसूत्रः याः वदिः वीः वोदः र्रे भ्रामु दिवा भेराया वर द्राया त्रमु द्रायम् । वर द्राया त्रमु वर्षा प्रमु वरमु वर्षा प्रमु वर्षा प्रमु वर्षा प्रमु वर्षा प्रमु वरम् वर्षा प्रमु वरम् प्रमु वरम् प्रमु वर्षा प्रमु वर्या प्रमु वर्या प्रमु वरम क्र्यानविज्ञासी सुनानासुन्या दें सानस्या हें विज्ञानहरात्रा दुसारत्या हें स

यदःर्यः सेन्द्रितः केन्द्रितः केन्द्रितः देवाः यावयः याव्यसः हेः स्वीयायः श्रीःन्त्रुवः स्वा अप्यायायाः यभैवायमभायाभैवाकिः भेरिते। देवायाराभावहैवावमार्त्रात्र्रायादित्रा नेश्वतःस्वः मृत्युदः चर्यान्सः केशायन्यः चर्वः चर्ष्वनः धर्याः स्वतः चर्वः चर्यः स्वरः चर्वः चर्यः स्वरः चर्यः ववरः व के ध्येषा वार्षेत्। । हे ह्यू र वीषा ह्ये र व के ध्येषा वार्वेव। । विषाया सूरः षीव। देव क्षीतसूव यात्र तुवायाया यो ना स्वा वी क्षूदाया पीव यया यदया क्षुया क्षी नसूत्र य से द त द में ति सर्वे मा मी सूर नवर से दा केंद्रिय व दुवा न द र सा समुत्रा क्षेत्रायास्रोदे हो दरासासह्या वर्षदायासदेव या दरासासह्या देवे होटा दुः यायर कृषाया कुर के रदाया या या सुन न के न या ते राय के या रहे या रहे या रहे या रहे या रहे या रहे या या सुन राय केंबान्दराधीः सञ्चत्रायातेः ही केंबा मेंबा उदा सदा ही मेंबान्सराने केंद्रा ही ह्या चिर्याक्षात्त्रेयात्त्रया रे.वे.धेयायाक्ष्यायहूयायद्वयात्रयस्यात्याव्याक्षेत्रये स्व રેઽૄૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૽ૺ૱૽ૢ૾ૼૹઌ૱ઽૢૹૢ૱ૢ૽ૢ૱૽ૢ૽૱ૢ૽ૣ૽૱ૹ૽૱ૹ૽ૺ૱૱૱૱૱૱૱ૢ૽ૺૹૢૢૢ૽ૺૹ૽ૼૺ૾ૼૼૺૹૼૺ૾ यन् कन् रस्याल्य प्रस्मासुस्यामुन द्यी से त्वनि द्यीति त्वनु मुर्गिस क्वेन स्री रस्य रे से र्श्व स्रित स्रित त्या निया मी राष्ट्रीत स्रा स्रिया मी तहिया हेत स्री प्युय ति ति ति निया त्या तय र रा र्थेन् यथा रूट रेते से से तिनदार मान या सुरा बेंबा की मान विमान सुरा से तिन सुर विवादर वर वर हवा यह व स्रोद स्थाव। कें द्वी स्रोदे यहे सुवा सेंद्र स्रोदे स्रोता ५ दर्भाया वर्षा वर वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा लट्रियाविष्यं वियाल्यायविष्यात् । कुरकेष्यं वियायीया हिर्स्येट से कुर्निया ही स्वया यर्द्रिट विया मु विद स्त्रुप्ति स्त्रुप्त विया त्याय द्वर्या स्त्रेद स्पेद्र द्वा ५ स्पर द्वरा श्रायदःबश्चाङ्गीवःबच्चाद्यवावात्वावा वरःब्रैटःबश्चाञ्चीचाःवश्चरःविवाःजीवावः

<u>षियःयर्गाःसःमञ्जूषःयबरःम्,ष्याःगश्ररः।</u>

गरायायकृषाग्रहा यहाद्दर्श्वराद्दरा कुर्येनाकेन सेलिना सेंहर ब्रुंच.चु.कैंय.बुच.र्थ.यांचेंट.टे.एक्ट्स्चयमाचीकेंट्रायटेट क्रीचाताटेट । ट्रेप्टस्वयमा यसन्दर्भिन्यम् म् नेत्रम्य म् नेत्रम्यस्य स्वादः स्वतः स्वादः स्व श्रेषाश्राकेशायकन् १९४ होन् श्रमः वेदः बेमः चाने। ने व्यनः विषाः वी ने दिवः व्यावेदः वे स्थितः यर में दिनेषा म्या हे देव के वर मी देव के हो वद सुर या मिका थे था त्वरःश्चितः पेर्वतरः। रेःगर्थर्षः स्वरः त्वेष्वः व्याप्ताः केर्यः केषाः विष्विः विष्विः विष् कुर्यसायोव श्रीः मावनः विसाय सर्ने व माके सञ्च स्कृति मावनः के यस विसान में सा सक्रम्यामिक्रायाम्याप्तरामी त्यायायम्या सुनासून तर्री न्या प्याप्तराम्या स्वर्था स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर् र्क्यापीवाया बोन्दित्र तर्वा व्यवस्था क्षेत्र क्षेत्र व्यवस्था क्षेत्र क्षेत्र व्यवस्था व्यवस्था क्षेत्र क्षेत्र व्यवस्था विकास गविःवर्वे हिन्यत्वाहेन गहिन्या देवे विद्यान्य स्थापेट । देवे श्वीर यद्या स्थापे क्रूँव यया ग्रुटा कुषा श्री दा सकेया सदी वया चा चलिव दा चिरा हो दसा सदी केया वर्ष्वेचर्यायराया वर्षेत्याया व्यया क्षीत्वाया स्त्राच्या स्त्री सुद्धी स्वराधेरा द्याया वर्षे क्रेंश क्रेंग पति रेते देव द्वापायीय सूया क्रां रुष प्रथा सुंगा प्रयास स्वीया नुः सर्हर् दे द्रार्के अर्के व्याप्त द्रारा के अर्थे अर्थ दे वित्त दे सुर्वे व्याप्त के वित्त हैं सुर्वे व्याप ॱठवॱ**ॼऀॱऄॗॖ**ऒॱॸॻॺॱॿॖऺॴॿॸॱऒॸॱॻ॓ॱढ़ॸॣॹऻ ॸॸॱॸ॓ॱढ़ॸॣऀॱॿॱॻॸ॓ॱॼॗऀॸॱऄॗॗऀॸॱऄॗॗऀॸॱॼॖऀॺॱ $\widehat{g}_{A} = \widehat{g}_{A} - A_{A} - A_{A}$ ञ्जयः कदः यादे यदः श्रुवाः धीवः वैः येद। नेते धुरकें अञ्चून व सुरा नगानगानगा द यावदी: येदाः सुरायवी: सेरायाः हेत्। द्याः यादिराः क्रुं। याहेत् यावत्रयाः क्रुं। बेरायास्या क्षेत्रकोरावेता स्वाकी क्षेत्रवाया क्षेत्रस्य रहे केता होत् क्षीःययःभेग निःदयः वर्षाः वित्तिः क्षीः क्षीः हेत्। गर्यदः क्षेः दिने व्यवदः। भ्रेते बुषायायम्यानम् वात्रात्र । भ्रेते स्ट्रीन् न्यम् मी स्वायायम् वात्र विष्टान्यः वस्र हैं। सुर्गोद् अर्हेग् यः रेपि दिया वहता वहता युग्या वर्षे सुर वरुव दर्शेषा रद वालव वाहेष गाद वदे श्चे देव द्या वेवाय वार्षेवा युन्नरान्दरः श्चीतः याञ्चादः युन्नरायदिः सुरायीतः ते स्त्रायायः सुः तुः विनाः स्त्रो सिरायः येवायानेयान्नर देर क्षीः येवा वायर यानेवा होतायते देव दुः केंया दूर पेट ने पीव यय। रेव ये किते क्षेर पु केंब्र पु कार्वे र पु रेव ये कि प्रवेषि पर्दे प्रगुद गुर्व प्रवेष प्राप्त प्रवृद्ध गुर्व प इ.यत्रात्रात्यम् त्राप्ते हेर् र.यं.श.जूर्य.क्षरः। द्या बरः लूर्यः वया वया मृत्रे र.यं. ख्या थाः र्वेन प्रमा र्रे वेवा देवा रुम रुम रुवा न का द्वीर प्युवा वा विर विवस्त की रूप प्रमा ५८। देनविव ५ खेव अर सेंद व स बेंस सेंद विर हे धेर वेंग य सूर हा देव ये द से द र वे न के र हो द सुया यदी न यय में सेंब द न न ह र व या के या हुव द ने ने या केंबा १५ व. देंबा १५ व. जीवा बा जी: भीव. श्रीट. २८ : भीव. श्रीट. ज्यावा बा विष्य केंबा वे वा चाव वे वा चाव वे व हेब'प्रबेब'प्रयुद्ध'या:धेबा देब'ण्यूर'याई के.प'वे केंब'लु'दुब'केंब'ग्री:केंबा'इ'प्रयः क्रमा देव देव प्राप्त न्याय वर्षा दे प्रदानी क्रुप्त व्यास्त्र प्राप्त वर्षा वर्षेत्र व्याप्त देव वर्षा यः भ्रे। देवे वाबद्वासुस्य से दिन्दास्य स्वायान दे के सातुः स्वायान स्वायान स्वायान स्वायान स्वायान स्वायान स्व क्षेर-धें धेव। देन के ज्ञायाच्या प्राप्त वान वीवायान प्राप्तिन व्यापन वान विकास શ્ચુન તર્નેન શ્રેશન તા શું શે જે શ્ચુેવાન કંશા સા ખેતા સર્જે તર્નેન શું ના સર્જેનેના શ્રામાન સ્ટ્રેન શ્રી શા

वियायन्यायायञ्चः श्रेयाय वटा वी लयाया श्रुटा

विवानी रात्री वार्य में मान्य का विवास के मान्य म्रियाग्रीक्षेत्रायारेत्। यदयाम्याग्रीहेयाग्रीतुत्रायारारेत्। देयादायदयाम्या क्षियह्र प्रस्तुवानविष्यप्रदेन। वित्तुराबरार्करावीया अस्त्रिवस्तर्भेतार्देन नुर्वेत व। ।वन्द्रसूवायमाहेषानेवायहेवाप्वीय। ।वहेवाहेवासेवासी मलम । पर्वत् धुमान् से रेरा वेर्या केरा मिर्द्य । मेरि हे सूर धीव लेवा श्रुपः श्रु केव येदि सक्व पत्र पत्र पत्र पदि देव प्र क्वि या धीव व क्वि र्ने कि. यहरे . तारे . तर्से च्या या किया चयु . चस्ते . तार हे त्या तार हे त्या तार . यन्याक्षेत्रः उत्र लिया प्रेतः यय। ने यन् नः सूयः यक्षियः गायः या में यायः विस्त स्वययः यन्दर्भः वर्षाः वहूर्वान्व्यायम्यायम् स्थायं प्रविष्ठा वर्षन् सूर्यायिष्ठा वर्षन् सूर्यायिष्ठा वर्षाः स्थायम् स्थायम्यम् स्थायम् स्यायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्थायम् स्यायम् स्यायम् स्थायम् स्यायम् स्यायम् स्यायम् स्यायम् स्थायम् स्यायम् स्यायम् स्यायम् स्याय लेयाचेराक्कुरायेदादुयायेदाकेदायेग्वादायहवायाँदुदा। वेवावीं यावादावीयाववीदा दि। ध्रिव र्रा द्वे तर्दे तद अर र्रा श्राप्त से रिया से स्वास्त्र या यह्माह्रेव क्रेंब प्रमुद्द प्येव प्यथा यद्दे क्रेंब दूर से सम्बद्ध प्रति मुद्दा प्रदेश यह्मा हेब र्बे क्रिं अं क्रिं चु मल्या बेर पारे के तर्द लिया या मसुर सामा रेट के बा विसार्श्विता कुर या प्रक्रम्य। प्रमा स्र्री मालव स्र्रीता स्मा प्रयासी मार्केट । यार्चेरास्रदेशस्त्रक्ष्यक्षेत्रे देशके देश्यानद्रयाम् स्त्राम्स्र स्त्राम्स्र रेशः श्रुवः केवा छेषा वासुर षा धोव। श्रेवाषा सवि दुषा वि रेपा वि स्व वि हो। सेवाषा सवि दुषा वि रेपा वि स्व वि स वर्द्धः वर्षः वस्त्रवः स्वः स्वः स्वः स्वः द्वः द्वः स्वः स्वः स्वः वर्षः स्वः सः स्वः । देः द्वः वर्षः सः स्व वर न्यय सूथ र्कंट विषा वर्हेन विश्वेन यदे सूट सून वर्हेन सू

यश्चिम । यत्र या यो दाये के त्यामा त्या राष्ट्री या है य तत्त्वा र्वेर वार्ष्या । सिर्मा वर्षा द्वि स्वतं के प्रविव । वर्षा स्वेत યસાવદ્યાના ત્રુવા નેયાના અદયા મુંચા શે ક્ષેત્રા સાવસા અદયા મુંચા શે ફેચા સુ लुग्रायापीत्र धुत्र। यदयाक्क्ष्याची सहंदायाङ्ग्यायात्री विराद्यायाये दियायग्र बुचा-लुद्रा अर्था-क्रिया-क्री-इंगा-वह्या-वे-श्रर्या-क्रिया-क्री-श्रह्द्रा-ध्रेत्रा-व्या-क्रिया पश्चेर्यात्रयाक्ष्यायाञ्चयाद्रम्यः स्थ्रितः स्थायः स्थ्रियः स्थायः स्थ्रित्यः स्थायः स्थ्रित्यः स्थायः स्थ्रितः स र्राणित्। यदयः मुरुष्युर्यायस्या ग्रीः सुवायः द्वीदयः हैवायः स्वययः हैः सूरः ग्रीः द्वीयः नेवा नेवे:नय:पते:केंग:तहेंब:नवेंब:वा यन्य:क्वा:ग्री:वायुन्य:पते:नय: यतिः केवा पत्रुदः द्वार्यायतिः केवा ग्रीया यो यायवा पत्रे सूर्या द्वीया यदःशह्र्यः सम्प्रमान्त्रम् अर्थः यस्यात्रः स्रोधायः स्रवः ताः स्रवः यह्रम् वार्ष्यः स्रवः त्रह्याः स्रवः वह्रम याधीत। नेषात्र तुः केषायादायङ्गा वदायदे राकेषा राकेत् यो विषायगाय केदाकेषा ग्री। র্ম ক্রাম্র-মার্কুম-মার-প্র-মার্মার-গ্রী-প্রামান্তর-মান-মেন্ত্রিকা-মান্তর-প্রিকা-মেন্ত্র-প্রিকা-মেন্ত্র-মান্ত্র यक्ष्यानुः लुग्रथायाध्येन लिटा क्रें शुन्दा से से दिन से देश भीता । यथानु न यदिवात्यः हेवा यः विहेत्। विद्यावी स्वरः वर्तु दः सुवः दुर्वेत् वरः ह्योदः वरः वर्षे वा सर्हनः मासूराकुतियार्रेयात्तुन्तर्वेत्रान्तर्वेत्रायते व्यापान्ता अर्वेत्रियां सम्भावन्त्रते सा र्रवातुः वर्वेद् क्रुर र्वे स्रोत्रास्रास्रास्रास्य स्रोत्र द्वार्यस्य स्रोत्रास्य स्रोत्र स्रोत्रास्य स्रोत्र શ્રેસર્જા દ્યારા સાથે સાત્ર સારા કુંચા જાયા કુંચા જાયા કુંચા તે છે. તે સાત્ર કુંચા તે કુંચા જાયા કુંચા જાયા કે इैवास्तान केंग्राम हैना यया नहेंग्राम स्वाप्त हैंग्राम निवास निवास है ।

<u>षियःयर्गाःसःमञ्जूषःयबरःम्,ष्याःगश्ररः।</u>

केव भेरित्र सुवाया वतर देव से दायर से त्र सुरा दे त्यया वावव दु दूर भेरित्य साम केंग्रान्द्रात्रायान्त्रेत्रायीः क्रींत्रात्वात्रात्रायायायाः त्रीत्वात्रात्रात्वात्रात्वात्रात्रात्वात्रात्री भैवा य दुर भेर सूर सूर । कें द्वी अदे तहेवा य सूवा वी यस केंद्र देश। तसवारात्राक्रिया स्वाराहे केत या नहें ता चीता होते । या निवाहे ते । या निवाहे ता निवाह । या निवाह निवाह निवाह न विवा यथा अर्थेट द्यादा र्केश र्केश चिवत दुः या चर्चेच या वे क्रिया क्री सुर दव सेट दुः वर्ग्ने प्रते कु मुद्दे प्रकामश्रद्याया सुराधिया क्रिया कुर्या तुरा स्वर्गा स्वरा स स्वरा रवा पीन वासुस्रा स्तुन वार्षवा मुद्दिय मे। से वार नुस्र वासुदेश सामा वार्षवा से साम ख़ॣॸॱढ़ऀॱॺॱॻक़ॗढ़ऀॱढ़ॸॱढ़ॺॱख़ॖॺॱॺॖॕज़ॱज़ढ़ऀॺॱग़ॱढ़क़ॕॱढ़ॖॗ॓ॸॱॹॖऀॱॿॱॺॱॿ॓ॸॺॱज़ड़ऀज़ॱॺॱ गर्नेन्य व्यव्यक्त क्षु यो द्वा दे देश ग्रह सूर यो द द्वा यो वेद्या यो वेद्या यो व्यवस्था म्चेंदिःवर्राष्ट्रिवःदुःचन्नदावयार्केवाःनुवाद्योवा देववादार्केवादाःविदानदेने केवालेदाः विन् क्षेत्र तुः नर्देश सुः वर्द्वा या कुः व्वेत्। व्याया नर्दा या वित्र व्याया वित्र या विद्या निवास या विद्या यास्वात्रक्याया । वारावी ह्वा व्याया विषया होता विषया है स्वराह्म स्वराह्म स्वराह्म स्वराह्म स्वराह्म स्वराह्म यार्थायया । हि:स्नेन:नेव:गुव:हे:चलेव:यांडेयार्थ:ध्रेन:ग्री:ब्रुयार्थ:गार:स्नेवार्थः यथ.यहूर्य। विदःरेव.ब्रुरं.तपु.यदूर्य.रर.श.रुव.भीषे.पर्वेशश.क्रीव.यक्ता.ब्रीश. योञ्चरत्रे। विद्युः क्र्यायागावायान्यायाच्या स्थरत्यक्षे स्थरायान्या स्थाप्ता स्थरायान्या स्थरित स्थर व्यवः वार्यदा । विद्यवाः स्ट्रेर क्रें वार्या के वार्ये वार्या के वार्ये वार्या के वार्ये वार्या के वार्ये |यादिवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रस्याः বর্গ্রীঝ'মার্হ্র্র'উহ'। ग्री नबूसमा । गर्ने न तमा निर्मे न तमा न श्रथः श्रुवेदितः भूषि । पञ्चः स्रवाः पञ्चः प्रदः पञ्चः वाद्येवः स्रुवः स्रुवः व्यवः स्रिवः स्रवः स्रोवः स्रवः स्रवः स्रवः स्रुवः स्रवः स्र

वहस्रान्यवान्तुरस्रावावनुन्। । नर्रे खून हिन् की सहिन स्वावेन वेर গ্রীঝা |বন্দার্ল্লবি:বাচ় শ্রুবার্ল্লনেম:মব:বমথ:ব্রুমা |বশার:ন্দ্রন্দ্রর: वर्ड्याम्बुदायुम्याद्वेषायायायय। विज्ञेषाञ्चेवयायदेःसूदावाम्सुदारुः বার্মনা । ব্রুমাবার্মান্সনম ক্রুমারমমান্তর শ্রীটোর ইবামান্দ ন্যীমা वित्रम् मुं अर्द्धते विवायन्वायगाव देव अर्द्ध्यम् मुं अर अर्द्धया । द्यवा अर्वो व स्त्र यान्यायदेवित्रयाग्रीत्यादीयायोन्यायायाय्ये त्रियार्यात्रहात्तर्ते क्षेत्राय्यायायाया कुर.त्र्यासियो.तक्ता.बुर.सैयका.शी.मकुर्ता विर्या.योवर.मुमाराक्य.समाराक्र. क्षेत्रमुद्राचीत्र चीत्रायस्त्रम् यस्य स्वर्धद्राद्य विषय । वाद्य विषय प्रवर्धिय वाद्य स्वर्धिय स्वर्य स्वर्धिय स्वर्य स्वर्धिय स्वर्या स्वर्य स्वर्य स्वर्धिय स्व र्देर्याची स्वरंत्रह्र्या यदि स्वरंत्र स्वरंत्र मात्रा हिता । । सर्व्य द्रयेदि चित्रे विद्वा विद्वा वासरः यबारक्री गुरु सेवा वी यत्त् स्रीय क्षुया । श्रुवाबा हेवे वत्त्व सागुरु द्वार मुख्य सेटा दह्माह्रेब म्ब्रुय क्री विद्यायि। । श्वा द्वा द्वा द्वा द्वा र्यं देखा व्या स्व रैदःवन्षार्स्रेदिःधीन् अर्केरःस्रुद्धा । वने व उद्युद्धार्दिन् प्रवासिन् हेरी हैर्ने का श्चित्र रत्राच वेचात्रा विस्था तुः श्चीर दुः यञ्च त्या देः तर्श्चे त्या वाद दिया तुः श्चीर वि क्षरा । भूगम्युयायर्द्रायदेःदेःवीत्रम्द्रमान्ने प्रथयाय्वरायद्रमान्ने या श्चेश । वार्यार्बे्ट्यायर्बे्यायाः स्वाप्तान्त्रे प्रदेश्वाया प्रदेशे ते देशे स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वा वर्दा व्रिमः अर्थः वर्षात्रः द्राक्ष्यः अपूरिः दर्वोदयः या प्रहेषा विद्राम्ययः द्वीदयः सु र्यरमञ्जूदेः लिट स्थूट मित्रमा । मित्र मित्र स्थूट स्ट्रेंट स्थूय सुदि दर्शे देव सह्री । गाुन सहिन केंचा की कार्य का कार्य । सहिन समा के सहिन समा की सहिन समा की सहिन समा की सा की सा की सा की स त्रया. मेवा. मेद्रा. प्रमेष. ता. योषाया. या. यो प्रमा. यहूष. यहूषाया. यो प्रमा. यो प्रमा.

वियायन्यायायञ्चः श्रेयाय वटा वी लयाया श्रुटा

तक्या विस्रवासायहिमाहेब नियम सुवासाहेदी वसुवा विर्मे नियम स श्चीर पर्वोद परि देन दर्भन सकेंग विद्येय केंद्र देन खून श्चीर केन इया वर्वेद य। विद्यायाये क्याये स्थायाये स्थायाये । विष्ट्रियाये विष्ट्रियाये स्थायाये स्थायाये स्थायाये स्थायाये स्थाया य.ही विर.जैर.वीय.तपु.रेयर.बैंबा.च.यं.र्जा विश्वर.य.यसवाश.शक्र्या.केंबा. वर्षः प्रमा विद्याया स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः विद्यायाः विद्यायाः स्थानः स्यानः स्थानः स्यानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्य यदेवया ।र्थायार्थयाः क्यायदेः श्रीयात्र्यायाः विद्या । विद्याय्यायाः स्त्रीया यक्ष्याच्याया । न्येत्रायो न्येत्रायो । व्योत्यायाः व्याप्त्रायाः व्याप्तायाः व्यापतायाः व्यापत्रायः व्यापतायाः व्यापत्यायः व्यापत्याय वयायितः हें हिराम्बेलायायनेयय। । । । । । विक्तुवार्ये । विक्ति । वेदिवार्ये । विक्ति । वेदिवार्ये । ही। । प्रमित् श्रुपः पक्षेत्रः प्रदे श्रुपः अर्कतः दिहेतः अर्हेन् छिरः। । प्रितः हतः वेरः चुदेः सहर्मा स्वास्त्र यर्चयमा विस्वायाण्यायायायायते न्यर सुना ज्ञानमा विर्यार्थे स्या वहसायवे न्वारमान्याम् साम्राज्य साम् यदुःयनेशा ।यावयःसयःक्र्यःश्चिःश्रेटःयरःयाश्च्यःयःयदेयशा ।यश्चिरःयाश्च्यः व्वैत वित नवित्यायते स्वा केत्र हिवाया । सूर नवि सवर ध्वैत केया सुति क्वा यो न यक्रेषा । मार्नेन स्रवे सर्वो द स्या स्था । प्रदेश षा स्था । प्रदेश षा स्था । प्रदेश षा स्था । सर्वेद में र महिला न तर्वे नहा । इंडि दें मा सेद हैं हैं मा से दें हैं पर महिला में हिंद हैं मा सेद हैं में महिला में महिला हैं में महिला से से महिला महिला हैं में महिला से से महिला महिला महिला है से महिला महिल र् क्रेंब्रस्ट्रयंदी । स्याप्ते स्याये स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स त्र्वी नदे में के के राज क्षुरा विस्तर या सुर लिट इता द्वीर क्षेट न यो। विस क्व नगाद र्बेन् या मा वर हैं रामा शुरुष नहा। । वर्षे देन सकेन खू मा वेर्न हों व प्यान स्था

यूरा हिंह्रस्याः वहूराकाः वहूरा सीरा क्षेरा क्षेरा विश्वा विश्वा सीरा कार्यातः क्रेंबरग्री:क्रुव्यःसर्द्रदःक्षेदःचरणे। । ग्रादःचर्डव्यःध्रेदःवयःक्रिंग्यःसेदःसुदःग्रीयः श्चित्रमा । वार विवा वार्येर सर्केन रूट प्रविव री रूप या वार्य सङ्घ र रूट सुर वंडरावित् श्रीवाद्रा । वादित्रायावित्रवित्ति वित्रास्त्रवारायाया साम्प्रवा यावर्षायते सुर्वे व्यवस्था वादः प्रवे प्रव नुःन्वातःवतःरेवाःयःवर्द्धेनःयःवारःध्येनःय। ।नेःन्वाःवस्रशः उनःवरःवःन्सःयते श्लेरः क्रिं- ध्रियः प्रतिः विश्वः श्री स्व र तदी स्वानिवायः भेवा । वादः दवाः श्रीवायः पञ्चते स्रीदः मी'यहेमा'हेब'वा । यदे'मिलेमार्था ह्येंच'सर्ध्युर्य'मार स्पुद्रम ।देर'यदेर'दस यदे केंब्रा क्रीकर त्वेवका क्रीया विषय स्पर्य देने साम्यय उन् तदेर विवय निया । त्रमामायदे सम्भागित्र प्रम्यानिया । विश्व स्थानिया । विश्व स्थानिया । विश्व स्थानिया । विश्व स्थानिया । इ. च. क्ष. या. लुपा विकायिया. शुप्तया. क्ष. यहा. यही. यही. क्ष्याया विकाय स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप म्राया स्थाय । व्यक्तिया । व्यक्तिया व्यक्तिया । व्यक् ञ्चा । पन्ना नीय श्रेव श्रेय श्रेय दिन स्वर्थ । । याद विवा या हव श्रे श्री प्राप्त । याद विवा या हव श्रेय श्री यात्र मार्केना सुराया । निर्मोत् सर्केना यात्रुस श्री प्येत महत्त्र प्रसार सिरा । निर पटा । निर्मित् सर्वेता सर्वत विराधित । विराधित विराधित । विराधित विराधित । विराधित देव केव सूर्वे विषय दिया । विषय के सिक्या प्रति । विषय अन्दर्भात्र वर्षेत् क्षेत्र अन्। । शुव्य त्यात्र व द्राप्ते व्ये अन् अन्य व

<u>षियःयर्गाःसःमञ्जूषःयबरःम्,ष्याःगश्ररः।</u>

२८। विद्यानागुन्धानुस्य स्थाना विस्थान्य सुन्दुस्य विदेश यर:बुर्च विषाः अधिवः स्टाः अधेषाः सदः श्रमः श्रीः सः स्वीः सः स्वी श्रीः श्रोधाः अधिवः सः म्यायात्रत्। वित्राचासूनाचस्याक्षीः मुः यहिँ के द्याया याद्राया है नाहत पदे ह्रियायायतः यह्या क्रीया विषदः देव दे किरावर्गेन पराद्या नेव केन नुस्कित हार्यायते । केंबाबरायान्यायदेग्यन्तुन् द्वीत्वित्त्वेष्ट्वाय्यने १६४ विष्ट्राय्यने विष्ट्राया विष्ट् नवीं बास्त्र स्वाप्ति गुत्र स्वें र चुर स्वाप्ती से सब र स्वाप्त र स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वाप गुबःक्चेन्द्रिन्द्रिन्द्रः चित्रं स्रोध्ययः नद्रः चुकायदे द्वाद्यमुक्तः क्चिकार्क्रवः नविषा क्चेन्द्रवः केंबालेबान्नायदिने देवादे सम्बन्धित होता विद्या स्थान होता स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स श्चिव गाुव वन प्पेव प्रव गाुव प्यव श्ची वी तयम प्रह्नेय प्रदेश हिंवाय प्रदेश यम्य श्चिय श्ची मुनायाक्तुन्द्र-त्र्वत्रायायदे तर्वो ना यया श्रीया तसूया यदे प्येत्र क्रिया से विवासी देव:मुद्र-श्रीशःश्वरशःमुशःश्रीद्वेदशःश्रीद्वारश्चर्यः श्रीशःशःवेशःदः र्केशःश्वरः व्यवशः यार सेन प्रमा वन्या स्वा वी सेन प्रमा सेन प्रमा वी सेन प्रमा की साम हिला है। त्या सेन प्रमा सेन प्रमा सेन प्रमा चर्म् त.तपु.क्र्या.क्री. ईषा.चथ्या.क्र्या.क्री.प्रिंट.क्र्य.ता.च्रीय.ता.च.च्रीय.ता.च्रीय.च्री.च्रीय.च्रीय.च्रीय.च्रीय.च्रीय.च्रीय.च्रीय.च्रीय.च्रीय.च्रीय.च् चक्किन् वि चि चि स्ट्रिंट ने मुश्रुट रव प्यम यम च रु महिश्र की स्ट्रेट मुश्रुट स्था मुश्रुट श्राम प्यम नेष्परावर्हेन् वुःवञ्चवायारेवायेक्षेत्रम्यावासुस्रान्दा हेन् वेन्से स्रेन् रेवायेके इस्रायाम्बुस्राक्ची वित्यास्य म्यून्य स्थाने मास्य स्थानि । सुर्य है सुरामस्य स्थाने । वेंबरबेंद्रश्यदेंद्रिक्षण्यायद्यायदेः महेबरबेंद्र्या । यद्यायदेः श्रेश्चेंद्र्वे हें विक्रिणः ब्रैंटा । १५वं अंट्याले ब्रूट तर्या यदा या हेव यं री । या रें ब्रें वें ब्रें ब्रें वें ही ही हैया ब्रेंटा व्हिन् बेट्यामि सुमायन्यामित महिन में नु विस्तामित स्त्री क्रेवा ब्रेंट्रा । द्वा वा सुसा क ब्रें स्था तद्वा प्रते वा वे वे दे प्रते । । ब्रे ब्रें द प्रते व

रैवा'वर्द्धेत् क्षे'स्रे'र्स्रेन्'न्र-'नरुरुप'य है'वि'कैवा'र्स्रेन्'वास्रुन्र पर्येन्। ने'व्हर्नेकेंस'से' त्रदः चः अरः धे छिते ध्रीरः वाशुरु अः क्षुअः त्रा 🔰 🗦 'यरः वातुः वाद्विते क्वें 'रेवा अः श्रेः त्रदः चरः रव्यूर्या में भ्रीयाची केरायचुरा के वार्यिया की जाया जार रायदा करें रे में वार्य हुए होया तर्य हुए होया तर्य हु क्रुयायात्रात्वयाः यास्ट्रियाः स्था । हि.क्षेत्राः खे.या अध्यत्र स्था याः याद्ययाः याः याद्ययाः याः याद्ययाः य तमार्टातमात्राचार्यात्रम् स्राह्मात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षात्रम् वर्षा यदे य तर्दे दे यदे क देश तर्दे य त्रीता वित है दे सूर्य श्रीश श्रवर सुवा वाहत यदे *ইবাঝ*মের মেমেক্ট্রেমরে ক্রমেন্ট্রম্মের ক্রমেন্ট্রম্ম দি দ্বির স্ত্রিবাঝ এ বের্ট্রম্ম মের ম याञ्चा प्रीतः विरा वितासार विया वितासी निर्मा के स्वास्ति । वितासी वितास र्देव वित्र राय स्वित हो वा स्वाप्त वित्र हो स्वर स्वाप्त हो स्वर स्वर स्वाप्त स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स्वर स यरा दे खे. शुरु होता क्रिया क् ञ्चरात्र दे भी तुरा। यद त्याद रेर के तदेर या रोयया ही या रोयया देश दहित्त म्ने देवाबाद्यात्रम् विष्याद्यात्रम् विष्याद्यात्रम् विष्याद्यात्रम् विष्याद्यात्रम् विष्याद्यात्रम् विष्याद्यात्रम् म्बर्याः स्ट्रास्त्रे विषयः स्वायस्व मे विष्ये द्राये स्वयः स्वायः स्वायः स्व तर्। विश्वशालश्चित्राचित्रं चित्रशासम्बद्धान्यः स्त्रीत्। विश्वान्यस्य स्तर् यरयाक्चियाग्रीयासुरावीःसहेरायाञ्चेताययार्थो । । ५५५८ श्चासूर्यस्यायायते स्रेरातया ख्रेते अना स्वेत अना गर्ने न क्वेन चित्र अना वहे न न खेत अना क्रेंबानमूत्र हे वहेवा हेत क्रीनेत सूनायर सहर है। । सर्वेत हेवा वा क्रा क्री सकेर

वियायन्यायायञ्चा श्रीयाय वटा वी लियाया श्रीटा

५८। विर्मे वायम् परम् निरम्भयावयाने यात्रे निर्मेश विद्या हेत हेत स्मून यहिन त्राचीरा विरादरात्मराद्रवा स्वयास्या स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वयास्य स यासुरस्या । विसायासुरस्यायासुराने प्राप्ते प्राप्ते प्राप्ते प्रास्ता स्राप्ते प्राप्ते प्राप्ते प्राप्ते प्रा योशर पर्यो १ ते. य. य. य. मी य. ग्री और, यह्रे त. ह. जैर त्रा थे. थे. य. य. मी य. चॅकि.धेय.त.भु.धेभारा.भू.जू.चक्कै.यपु.योषया.श्रीयथा.श्रीकै.योर.हू.हू.योरेष.री.यारका.क्रीया यह्रे.त.पश्चीश्चीश्चाचिताची.पश्चीरश्चाचरात्राचर.प्राचर.प्राचरात्राज्ञाचरात्राच्या क्चिःविस्रसःसुःवादःवानादःवरुवाःक्चीःस्युवाःवाःसूःर्क्ववासायसःवर्वोःवदेःर्देत्रसर्हरः तत्। विरयः क्षेत्रः चीरः योग्रयः क्षेत्रः विर्वः वि क्षरः बेरः श्रे भेषा व्याप्तरः । देश्याषा हेर् साया श्रेषाषा सदी मानुमाया क्षेत्रः वर्गे देव अहर मतर भेरी विषय के से बिया या प्याप्य युर १ अअ द्याद पर दे रे स्याबियाना इराश्चेराक्रेयायाबियाक्रियाक्षेत्राक्षान्यावास्यान्यातास्यान्या र्रमञ्जेषायदेःविरावद्यषाद्रा व्युषारेषाषाग्रीसावाद्रा कुत्रुषणाग्रीषावर्तेः क्रुव र श्रुव श्रेव त्यतः लेवा सहर भ्रिव प्यत्वायायर वा पालेवा प्यति। दे त्या मेविवाया यें रे वेंद्र की सूद्र ह्यू के राय लिया प्येत्। रे वेंद्र इट ह्येंद्र यी सातु व दुरिव रे हेद्र रा योश्रीयारे प्राप्त विश्वाद्य होता प्राप्त विश्वाप्त विश्वाप्त विश्वाप्त विश्वाप्त विश्वाप्त विश्वापत्त विश्वाप धीव। वे विवायायाका देराकर कुः या प्रायया यया ख्रवा या केवा विवा हुः हो। इरा ब्रॅट में या द्यात मुद्दा न स्ट्रेन यदे या स्ट्रेम या देते स्ट्रा द्वार न ता स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्रा स्ट्र यवरः येदः परः हे : पेदः स्रें। इदः श्रेंदः यः स्रुः ददः ये विष्यं योदः व वर्षे विषयः योदः प्रमाणुवाः नावतः विवाः वान्यसेन् स्र्रीस्रायाः वार्वे प्रमीयाः प्रवीर्मान वीर्मान वार्षाः विवारमा वार्षाः वार्

रे वेट भेट देश इट श्रेट था ब्रिट वाट हु सेवराय भीत देश दुश গ্রবমন্ত্রমন্থা यर:इर:ब्रेर:वीय:य:वर्दे:व:कु:इर:वें:य:र्ड्य:यर:ब:कु:क्रेर:बे:वर्वा:यय। श्रेट वर्षा श्लेट स्थे विषा साध्या दार्थ वर्ष वर्षा स्थान स्थान स्थित स्थित स्थित स्थित स्थान स्थान स्थान स्थान धीत लेखा ना सुर्याया त्रा रे से रि. मी खारे मी जा समा मु सी दान राष्ट्र र से रा स.रट.चे.ज.शूट.च.के.चेश्वाश्रश्रश्चा.केश.धे.यट.शूट.ची.यट.तर.श्चा.चिथाश.खेट. क्षवा तक्या है। वि रूट त्या हु सी सुर तर वार्षेया वा पट पट पट वा वा पट रूट रेवेंदरवीयाञ्चया। वाडेवायाचेंद्रर्दराष्ट्रियाचीवाययात्रेरहेयायाद्रयावस्या क्कींश चार प्येरी रेपेब स्पर्यः चाबका बे 'प्येब 'फ़ब स्थर से 'र्र र स्थव स्था विका विका । व में में प्रत्यान में में प्रत्यान में में प्रत्यान में वःश्वानश्वाक्ताः केवः यदिः वद्यान् । कुंदः प्रवाकाः । कुंदः प्रदः अवाक्षाः याये वयः বৰ্বাম ইতাম মাইন ইম এব মন ৰ্ম শ্ৰম শ্ৰম ইন ইনি ইবা মা ধ্ৰম। वॅट वीया ग्राट प्रयास हैं विया यह र है। याया श्री र हिन हों र त्या शे से यया ह्यया से र प्यीत दे:दैर:ब्रिद:वदैर:पतुम्बाय:ब्राय:क्रिद:बेपय:लेब:लुब्य। इर:ब्रेट:की: प्रमान्य प् ने देर र सम्बों न दुः तर्वे न श्वायम देन स्नुयान मानस्ता ने न मानस्ति स्वार्थे न वम् वात्रका हेत्र सुद सुद स्वाका सुद्धा का सुद स्वाका सुद स्वाका सुद स्वाका सुद स्वाका सुद स्वाका सुद स्वाका स विषान्चराने :८र्थायया नेयाय : देन् : प्येन् वा होन् :५वीं ८र्थायाया वर्टेयया चेरावया बेर्केंबर्ज्बर्णस्य होत्रायर श्चेत्रावर्षेत्राची सेदीत्र ५५ मुक्तेर्वर स्थाने । ५५ स्थेत ব্রমান্টামার্ক্রামান্দর ইর্নির মান্দর ব্রমার্ক্তর ব্রহ্মান্দর মান্টার্ক্তর ব্রহ্মান্দর ব্রমান্তর ব্রহ্মান্দর বিমা

ख्यःपर्वायःपङ्कः स्रेथःपत्रदः वी:बयःवास्टा

इंग रे वेद की शास्त्र अपया इंद खेंद के दे पे दिवेद परि का दे अपने प्रवाद के ધોના ब्रिन् ग्रीकान्दिः नायने विकानकान्याम् विनामी वर्षे क्रिका सर्हिन्। योश्यात्र में भ्रम्भेश्याय स्थाति । स्थ दतः खुषावदे से व्याचर्यम् वात्रवाद्याः महिना सुरा हिना द्यातः सुरा ही । येदा यात्र अप्तर्भ र प्रति व्यापार स्थाप बुषाळें। इर श्रेर वीषाळेंगा ने शिषायया सुवाया तवाया के तर शे बिवा सेव या तथा। म्मिन्याची वित्तान्त्र प्रति मान्यायन प्रति मान्यायन प्रति प न् भी तर्शे विष्ट्रमा प्रीव मार्थुर यायया रे में में महास्त्र स्वाय स्वय स्वाय न्यातः प्रते तर्हुमा सन्दर्भ क्वा साने वसा सामा त्या प्रते वा स्वा वसा सामा विकास सामा सामा सामा सामा सामा साम न्वेत्रयदेः वात्र्यास्युः वर्ष्युन् दे द्वन् श्चेतः यदः वात्रयः वात्रयः ने स्वस्थाः चतः चरेन क्रिया व्यवस्था क्षायस्था कार्यका क्षायका क्षायका स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स विवाडेशः ब्रेंबः यसः विवायम्य। देशः ब्रेंबः यसः देः सूरः यम्यः या वुरः कुयः श्रुभन्नः नेतृः सैय्याक्षेत्रयाक्षेत्रयाक्षेत्रयाक्षेत्रयाक्ष्यः स्थान्यात्रयः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान ख़्ते: द्वदः भें चक्कु द्वीतः क्वीरु दे नाधे चित्रः क्रितः क्रितः चहुवारु स्था रे'वेंद'वुद'क्व श्रेमश्चर्ततः स्वायापञ्चीतः श्चीः सस्याधितः यसः भ्रेयाने करः केतः ये विवायतः ये विवा यावदुःक्षेत्रःकरःक्ष्यःत्रात्त्रवःत्रत्रात्तरःश्रीरः दरः द्वात्तरः वत्यात्रात्रः त्यात्रः विद्यात्रः द्वारः द यहेव. हे. यावया देर. यलुयाया वया यहेव. लेया खायहेव. दु. युया यो । हिव. लेया दर श्रॅर वीशन्वो प्रते प्रवेशवाहेन रे वेंट या ब्रिन श्रेश पर्ने सूर श्रेपवया केन येंश

न्गातः श्रुम् म्द्रा प्रश्चित त्रशुषा सर्हिन या त्रमे के लिया प्रश्चाय प्रति स्त्रेम प्रश्चित लिया द्वीया या स रैवेंदर्गियरयात्वें वर्गयाययात्रम्भूवयायेद्रायमेंद्र्येद्रायदे द्वार्वेद्रया वर्ष्ट्रवायम् वर्ष्ट्रवा के मान्या के मान्या के मान्या वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र । वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र । वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र । वर्षेत्र वर्षेत्य यालम् इ.लर. भूर. क्रा. याब्यं र मीया हिर्मायर मीया स्थार हेर्यासुरदेहित रेवियालुस्यायम् रेविट वीयाग्रहायालेयावसुरस्य स्यायस्य विवास ने स्नायरा ग्री में में दिन दे राम राम्या मुखा पर्वे राष्ट्र त्यन्या ग्री स्नु ते स्नु पा स्था स्वा प्येत्। चिर-क्रिय-म्रोममान्यत्रः व्यमान्यः स्त्रीयः यदिः म्राम्यः स्त्रीयमः सुः प्यर् देः व्यवसः सूः बियान्न मन ने सेंट य दर। न्यान व के प्रकार के प्राप्त के साम के से किंद की कु केंट्र **য়ৢ**ॱक़ॱॺऻड़ॺॱक़ॗॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॖॺॱॸॣड़ॖॖ॔ॺॱक़ॖॱॿॕॺऻॺॱऄड़ॱॺॱढ़य़ॖख़ॱॸॕॺऻॺॱढ़ॏॺॱॻड़ॕख़ॱॻॺऻ नुवासी द्वारा के वासी का साम के वासी का साम का निवास के न য়ৢ৶৽য়য়৻ৠ৽ৡ৽য়ঀয়৽য়ৢ৽য়৽৾ঽয়য়ৣ৽৾ঽ৾৴৽ঌ৾৾ৼ৻য়ৼ৻য়৽য়ৢৼয়৽ঢ়৽য়ৢ৽য়৽য়৽য়ঢ়ৢয়৽ श्रुषाग्रीषायदी योदासाहत्। यदी योदार्थेन यास्राधीद्। यायायदी यदी सुवा योर्यस्यास्ट्रिया हे.याव्यास्त्रीयाञ्चास्यते।यस्याःहवायस्त्रुयायान्त्र्याक्रुवान्त्राह्ये श्रीभागित्र केंगा रे वेंत्र त नश्रीभागतित नु नर्शे क्रेंत्र सर्हन तन्त्र हैं रेट तन्ति तन्ति क्रुं केव में पेंद पेंद पापीव। दे क्रेंब दे तद्य तत्य पाय केव में पेंद या क्रेंद । तर.री.चर्जू.श्रुंच् अह्ट.रेगुंजाबुजाली.क्यांजाच्या रे.जैराली.क्यांजाचयी.त्रा महेरप्रतिन्वरम् सेर्व्यस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य सेर्वे स्थान्त्रस्य स्थानित्रस्य सेर्वे स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थानित्रस्य स्यानित्रस्य स्थानित्रस्य स्यानित्रस्य स्थानित्रस्य स्यानित्रस्य स्थानित्रस्य

वियःयन्यायःयञ्चः श्रीयःय वटः यी लयः यासुरः।

तर्ने म्बर्भराउन् सुवाया विन्दर हेया विवा वासुर या है सेतु दरा सूरो ইবি'অ'ইবিষ্য'ম'অবা'ক্ত'মেন'ইবিবা'হা'ষ্ট্রবা'হ্রম'দ্ব বি'বি'ব্রম'বিবা'রম''ৠআ'ন্ব'ব্রন' बना से देर नदे दे बर सर्स्य राष्ट्रिया व वा वा वित्र के व वित्र वित्र के व वित्र वित्र के व र्देशः गुरुवा देवः दूरः वासुरस्य विवरः इसस्य श्रीसः ज्ञवा देः त्यः इतः वाहदः दे दुसः डेबानसुरबा भ्रास्य वीबायनाः सम्बद्धस्य ग्रीबाद्या दे वामायीः विवादीः योश्यायः क्रीयोत्तार्यः क्राक्ष्योद्यादात्वात्वात्यः क्रीयोत्यार्यः क्रीदः क्रीदः क्रीदः स्वयोत्यदः स्वयाः यभूरत्रयातर्त्य स्यायार्त्रायार्वे स्वर्धान्यार्थे स्वराद्धान्याया क्षीयायक्रियायान्त्रन्त्रम् याद्वद्यार्थेद्यान्यायुर्वे क्षेत्रायायुर्वे केतान्त्रायाद्वे स्मुत्रास्त्राया यः येदःययः वाष्यवाः दः विवाः वी ददः दुः वश्ययः हे । वः वर्षेदयः दयः वयः विदः हो वः वर्षे । वर्न वार्डर गा है क्रे चलेवे विवेद व र्थेन् नेति यम मुस्य क्रिया या प्रत्येन् निष्या विषय प्रत्य निष्य प्रत्य निष्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्र विचाः सः चार्रे रः रवः विराध्याः केरार्वे विचाने वाको सूरा दुः रो वा वर्वे रायरार्वे वा लेशम्बर्धरशः हे नदः केषः यानश्चरः देः सदम्बरायः धेषा नदः केषः याः सेदः नयः योश्ट.प्रा.ष्ट्र.श्चीत्वु.यं.सं.श्रमायोशीटश्वाताः क्षेत्रत्वयः तात्रह्योशःश्चीदः याः वृयाः योशः तीयाः क्षेत्राचर्यात्वस्य वस्त्राचर्यम् स्थाने स्थ यर र्दुर त्यायर केत्रया अर्थेर साम्या स्रूप्तिया या हेर त्या यदीर विता हेया स्रूया देर:ब्रिर:पर्यायाया:र्दे:क्रु:पर्ववा:ब्रे:श्रृया:य:र्रुदे:सह्या:स:द्र्य:स्त्राय:द्र्य:स्त्राय:व्र

षयालेषार्वेदाचेरा यदाकेदायाध्वीरायदग्रवाद्यां । भूषेगायार् उत्तवायवा इट्या जीयाची पड्रेंब स्राया ने किया स्राया प्रत्या किया स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया स्राया यदैःर्थे क्रुं अन्दे तदः स्प्रें नि दे स्वरं व्यवशः क्रुं क्रिंग् अय्याय स्वरं वायदेव प्वविवः स्प्रें য়ৼয়৾য়ৢয়৽ৼৼয়ৢৼড়ৢয়৽য়৾য়য়৽ৼয়ড়৽য়ৢ৾য়৽য়ৼ৾ৼ৽য়৽য়ৢয়৽য়য়৽য়৽ৼ৾৽ৼৼড়য় NEN किया की सेवाया है हि स्मेर स्त्रीय स्त्रीया या अहरा किया की सेवाया है से या स्वायतः ५८.७२.चषु.श्रिय.२८.चकु.चषु.लुकाक्की.कुय.कु.कुर.तूका.कुराक्षाक्ष.क्ष.वी.वी.क्ष.कु यश्चित्रायाः विद्यान्याः विद्याः प्रवेषाः अत्याः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयायः ॻॖऀॱॺॾ॔ॸॱय़ॱॿॺॺॱॸॸॱख़ॕॖॸॱॸॾॣॱढ़ऻॱ॓ऄॺॺॱॸढ़ॱॿॖऀॱॸ॓॔ढ़ॱॺॺॱॺॱढ़ॸॺॱय़ॱॺऀढ़ऻ देशक्षःस्टःस्रेशःश्मेषयाययःश्चीःयन्दःश्चित्रयात्यस्यःश्चनःश्चित्रःश्चेतःश्चेत्रःश्चेत्रःश्चेत्रःस्यः क्रियःग्रीःवाश्रदः। दयःयदेःक्रियःहेद्-वीदःश्चाःक्षेत्राःवीः इयःयशःश्रेयशः उदःयः वसूतः यातर्नित्री श्रेयायस्य श्रीस्यापस्य प्रमायस्य प्रमायस्य स्त्री स्रम्य स्त्री स् अधरः धुवा वा ५वः श्रीः वदे वा द्रथाया अदशः श्रुषः श्रीः वी विषदः भ्रेवः श्रीः द्रावाशुद्रथाया विवाः योव। यदयाः क्रुयाः ग्रीयाः नसूतः पतिः द्वाः पतिः केंयाः यय। रदः देयाः केंयाः सूनः छेयाः व्यः तर्दे वे त्युर दर हेवाया पदे पद्मा केद उव लेवा प्येव प्यया युर हेवाया वाहेया गितः केंबायदी प्रमृतः मृतिया मित्राया विष्या मित्राया विष्या प्रमृत्या विषया वि नेतिः बरः मी प्रमान् वाप्तान् स्यूपाय्याः पाने स्ट्रीयः स्थ्रीतः स्थ्रीयः स्थ्रीयः प्रमानिकः । वःस्वरायान्दरःस्रीःकेवःद्वाःगैराःच्युतःकुःविवाःधेवःयःयस। देदःस्वाःस्रीःसुःवेः भूषायर्चीयःभैः ध्रेया.कृष्णात्त्रयात्राच्यायाय्यात्र्यात्रात्त्रयात्रात्त्रयाः भूषायः विष्याः भूषाः प्रचीयाक्ष्याः मृत्र्यः नेयाम् । निःयदःसुदःमीः नसूनःयः धेन। । नमेः यो यायः सूनः देनाः महिनाः सुर्यः

ष्टियःयन्यायःयञ्चः श्रीयःयवनः वी लयःयासुरः।

क्यरा । ने प्यर हे ज्ञायाय दे प्रस्ता प्रदेश । विष्य ज्ञायुर या या दे प्रस्त र्श्वेयात्मः स्वरः त्वेयायः भ्रानुतिः स्वराप्तः नियन् याः प्राप्तः नियन् याः प्राप्तः स्वराप्तः स्वरापतः स्वरापत बेर्याया वे तर्दे तर्द बिया यो सूत्रायदे तर्दुव या स्रेर्या दे प्यट त्युट यी यसूत या प्येत यर वासुरमा नवो सेसमा भून हिवा सालेवा भ्रेमा बतर । ने प्यर हेवा सारित यसूत्र'य'भीत्। भूवा'य'सूर्यायते'त्वो'य'दे'त्वो'यते'य्यायायाः वस्त्रायाः स्वाप्यायाः धिव। देवे वद वया सुरुषी सी प्रवासित हो वी विवास है देन पर से देन श्रुचा चार्ड्र - व्यूट - व्यूचा चालक स्थे - ड्रेक चार्य टक प्याचा स्थ्रिच - व्यूच - व् र्रेयान्यायो अस्त्राच्च क्षेत्रेयाः क्षेत्राच स्वराधेन के नाधेन सूयाया ने तद्वे द्वे प् श्रेयश्रवेरश्राम्बेर्याः श्रुवाद्मेश्रवः देः प्यरः हेर्गश्रायदेः तसूत्रः यः प्रवेरम् ग्रुव्य। देः वदः र्ड्याप्पटार्सीन्द्रान्वतीः स्नुन्यायाः वित्रन्या देवी यह्याः स्नुन्याः स्वर्ताः स्वर्ताः स्वर्ताः स्वर्ताः स्वर बेर्याम्बर्यस्याप्ति। देःतर्ददेःक्र्याक्ष्याःतर्द्वःदेदःद्वःदरःद्वोःस्रेस्रसःस्रीदःक्ष्याःसः क्यार्रःशुः धेवः पदः वेवः कुः ददः वश्चितः श्वतः कुः विवारदे। वदे वे दे रे सर्वो र खेटः पदः यराश्चराक्ष्मा में विरायस्त्रास्त्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रा क्ष्मात्रात्रा न्यो वर्षात्रात्रा तपुरवर्षेयायाचातार्यः। श्रुषाधिरः वरः याः श्रुष्यः परः याः अभ्याववयाः याः श्रीयायः श्रुश्यः। क्षेत्रका श्रुकातुः सुरादुः स्टार्के ध्रीः स्रायः सुरोतिः यदोत्राः देवः यक्षिरः हो दाया सुरातः । सुरातः । सुरात ष्ठीः सरः भ्रेष्यः भ्रेषाः यो कार्यस्य स्विषाः सूत्राः या । । । ५ वाः विरः ५ रः भ्रेष्यः या क्रेषः या या रः । न्वातःतन्रम्भा नेयाः विराधारः विष्यः श्चीनः ने विष्यः हेवः से स्थाः स्वातः विषयः विव हु क्क्षेत्र प्रयाद दुर प्यर बेर या गुठेग रहुँ र सी प्याय क्क्षेत्र के सार्दर योगया विया वुन्य। मुनानमृथः रन्यायः युषः स्रोधायः ग्रीस्रोदः न्दः नः मूर्वः केरः व्यवः स्राधीः नयः ने त्र को अर्था अत्वर पेर्न होता ने त्र हो स्थान स्थान स्थान होता वर्ष ग्राम्प्रिक में अस्यानित्र । अस्यानित्र अस्त्र अस्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वा वै.मु.स्य.त.त्रुव। म्यूय.त.र्टा व.चा त्रु.स.त.स्य्यायायते.स्या.पर्देश. बस्रकारुन विवाह प्रवासकात न वार्चन विकासु व्यन्ति । वार व्यन्न प्रवास ने वार वि ঽয়য়৽ঽয়য়ৣ৽ৼৄ৾য়৻৴৽য়ৼয়৽য়ৢয়৽য়ৣয়৽ৼয়৾৽৸য়ৢ৽৸য়ৢৄয়৽য়৽৸ৼ৽য়৽ৼয়৽৸ড়৽য়ৢৼ৽য়৽ श्रेवाशन्दर। श्रुवशःश्चीन्द्रदशः अन्तर्गेष् स्रहेवा वासुरायाः वास्तरा वहिवाः हेत : पर : दवा : वी : सू: त : य य : क्रुं : त द्व य : ग्री : द्व य : य : व्य य : य व्य य : य व्य य : य य य य य यरःदर् वर्गे यः श्रे सुदः बैदः युः श्रेतः गें वयदः गदः द्गवदः देश्वः ग्रेदः श्रेतः सुदः यः धीत्। यदःवयावः लियाः वीत्रः देः यः यतः वियात्रः केतः ये यो नियः तः या वे रः तह्र्याची सुन्नत्वहर् चायुराम्नव्यास्मवयानने प्यरामान्न न् सीन्ने वर्षास्त्रीर येष्ठि प्यरा चोबर्-सि.भ.चुन्य.तन्त्रो चिर-भर-र्-र-कि.स.चु-चार-त.चचा.धे.कुन्य.तन्त्राक्ष.क्रान्याक्ष. यक्षेत्रात्रक्ते प्रदेशस्य प्रवेश स्वेत्रा प्रवेश स्वेत्र स्वेत्र प्रवेश स्वेत्र स्वेत यह्रवः धरः धेवः धरः वेषः धः यविव। विवरः यः धषः याह्रवः दुः वरः द्वेषः क्षुष्ठाः धः वेः भ्रेुषानुःदर्वदःषीःयस्रास्रसःहरूर्दः द्वाःवर्डसः विवाद्वेदःश्वीःयस्रवः यः धेरा लटःश्लेटःश्लेच्यानेःव्ययाकेः बिटः यदः वाववः वाहेयानायः वद्दः क्विवाः व्यवः विवाः वीयाः चर्षेश्वः नेश्वः क्षेत्रः स्वरः म्र्योशः केः बियाः भ्रोः वर्षेत्रः मृतः मृतः वर्षेतः स्वरः वर्षेतः स्वरः स्वरः वर्देन : भेन : यान्य वर्ष वर : भेन : यर्थ्याक्षे तर्देर प्रायत्वेत यात्वत श्रीका श्राद्ध के तर्देर प्रमः यादेव के स्वा कु के कुर प्रमः

<u>षियः पर्या सः सञ्चः श्रोताः पत्रः स्त्रीः लयः वाश्वरः ।</u>

मी क्षे स्र रेट्रा द्ये रूट त्य प्रवादिया व स्थाप दे प्रयाद र पालव व्यवस्थ स्ट ही यने व्यवस्थित स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स् रदः अर्वे विरुधित्य दे सुर्वे सुर्वे सुर्वे स्तुर्वे स्तर्वे स्तर्वे स्वरं स्तर्वे स्वरं स्तरं स्तरं स्वरं स श्चेरा तुः केर येति त्यसा तसूर्वा या प्येर्वा स्टा सेति केरा त्रसा तर्वा त्या तर्वा कु वा सङ्ग्रीत र्देव दुःकेंब लुः वः धीव यर बेंबाब विवा डिते द्वीर वा शुरुवा छे व। कुः वार्कव ररहा रेतेः क्र्याक्किंट.पर्रप्रट. मुग्ना. ता. कृष. त्रुप्र. क्र्या. त्रुप्र. त्रुप्त. प्रमा क्रिया. त्रुप्त. त्रुप्त. त्रुप्त. ક્રેન એસમ ૩૧ ગુલ્વ નેંત્ર તુ એસમ નક્ષ્રુન પેંદ્ર સેન શ્રીય વક્રેન શ્રીય પેંદ્ર મયા वेषा के त. की के शायक ५ १९ व. की स्माय शर् शेषा के त. की यस सार प्राप्त राय के ५ १५ १ तथा योत्यापर गात्र होर वर्षेकाय र इत्र वहाँ वाले विष्ठ हो द ग्रीका विष्ठ विष्ठ । दे सूर्या द्वारा के होया के दे श्वीप्य सूद्ध दे दे दे दे दे दे दे वाया या रे दे । या या हे या बद दे दे व पवानर देर व नुर कुन द्यायान है या श्रीन व ने या श्रीन व से या रहत विदेर चतः सर्वे व्ययः चर्ष्युयः से सुर्या देः सुः धीतः से द्वेदः सुदः स्वदः स्वदः स्वदः स्वदः स्वदः स्वदः स्वदः स्वदः वेषा यदःहेत्देः सूरः चुः चतेः चययः ह्वे दिः सेदः सेदः सेवः से। यल्दाः यः सः चन्नुबारदायाचब्रवाच्यदाच्यदाः सदावाव्यः हर्षे विद्यापारः हेबायाच्याः व्या केंब्रा भेवः क्षेत्राचा सूना क्षेत्रा पेद्रायय। लुद्रमा लेवा क्षेत्राचुवा वृत्वा भेरत्या। कुवाबारमावीबारमावादमावर्षित्। नियमावा क्षेत्रारोरोरा हास्पुनारो रेरा बेबबाग्रीह्माहिनाद्दायुबादनानी वुःश्चित्नादावदाद्वा ब्रैविःश्चीः

दगार धेरी श्रेवा सेस्रारे त्या देतु दवा धेरी रावदवा दर्श देवतुसावसेवा परा ग्रुस व। र्रे.श्रूर्यन्याराधिवात्युकेश्वात्रेक्यानुः सर्वययायेन्यात्रेक्षेत्रा यायर्श्नेर। सेरायायत्रा याहि सिह्ने यहितायायायात्रा हेर्ग्या स्ट्रीया [युव्य द्वेत स्थित होते । वेद् सार स्थेयस या नवो व नवो वे कित से विवा सार से केंद्र या वै। नमस्य प्रमुखेस्य प्रमुख्य विश्वास्तर्भे वर्ष्या स्त्रीर वर्षः क्षुं सर्वतः क्षेत्रा ने त्रवः ध्येत्। क्षेत्रा स्त्री स्त्रा वर्षे वर्षे स्तर् त्रयानु तर्वो साध्या धुन। यया मान चुया सी निया त्रया यान सम्मान ययावर्शे यावावर सेन्। भैन्नोदे वह्य स्तु ने स्तु भी सेन पर सेन्द्र होन देश धीत्। देश त्र तु उवा वी प्यत्र हों क्षेत्र प्रत्येत र्येश गुत्र ह्यें र प्यत्र द्वीं शयः रेत्। क्रुः यर्क्तः वेवाः केतः क्रीः केंत्रः ब्रीटः यत्वेतः पेन्यायाः रेत्। तयः विवाने स्वेत्रः वयः क्रुन् व्यावर्द्धेरः यः विषाः ग्रहः द्वान् विषाः यः धीवः यः यो हेषाया यो ययाः अध्ययः उवः क्रीनेवः येवायाची विवादव्यात द्वीया क्षेत्र यह या क्ष्याया चेवा केत् ची ययायायात्तुवायात्रायात्र्याक्ष्याक्षेत्राक्षेत्राक्षेत्राचे । ने सूर्रासेन् रेवेन् ग्राम् सुर्वे व्यया न्दः ये नियम् ने नियम् ने नियम् यदेयुःबरावः वात्रात्राद्धेश्चेयाचित्रं याक्ष्यः श्चीयाः चेवः विदाः चित्रायाः हेयाययः च्चीयाः श्चीयाः श्चीयाः सेवायः याययायर्ड्न यहियाय्व क्षेत्र स्वर्ध स्वर्धन यहित यार्के सुर्छ। से सुर्धे से से सित वर वर यरयाक्चियाचिराग्रेयायाक्चितायाम् स्थान्या स्थान्या स्थान्यात्राची स्थान्या कुर्दरद्वात्रा देर्द्रात्री वेर्द्रात्री विवायायायायायायायायाची विवायसूत्र क्रियो विवायायायायायायायायायायाया बिया यहें द्वा अंध्यय उद ह्या कुर बिया यी त्र के वियर श्रेया यञ्जू या यववा दारे प्यर अट्याक्चित्रःग्रीः द्वेवःत्रयाः प्रेवा देवे के कुट्या महिम्यायर मालवः यव क्वीः वायते । ब्रे'मडिम'धेरा मदःवमानी हैंदिनादःवमानीयामान्यःवेरा हेदासार्थे श्रेयः रेन्'वा'व्य'बेर'वेषा न्ये'र'न्र'वर्च'वर'वेवा'केव्'क्की'र्केवाषाव्ययाकुर'र्'व्यु'के यद्ययः वेताः न्यवः श्रीः स्वीयाः ययाः स्वरः न्द्रवः श्रीः स्वायः यः वेवः य। स्वरः यः हः स्वरः यम्यात्रात्रात्रात्रे स्त्रात्रात्रीका क्षेत्रात्रात्रात्र व्याप्तर यात्र व्याप्ते यात्र व्याप्ते या र्ड्याययार्ने व श्री स्ट्रेट व या यो याया व ट ग्वी पीट र्स्से व र्ड्या विवा पीव। दे पीव सीव प्वटि स्ररायहवात्व सेवा द्येरावा द्विः क्वतायर्डवः ये विवार् वेरापेराववा द्वराद्वरा वन्रमार्थेराम् इत्रम्भान्नाम्याम् । व्राम्यमा इत्रम्भाना री । स्लुस्रात्रसार्दे स्प्रीना निष्ठना नीसासायक्रुमात्रा स्प्रात्मी । ने पुराखासायार्थे । इव क्रेव या ब्रिन्ट त्या विंदा विंव प्रति कृषा नुया या क्रेया केंद्र खेंद्र ख्रुया द्यापा । ब्रिक्ववः र्कें कुर कुर प्येता महें र चें र चें र चें र चें र चें र चें प्र यो मार पर कें मार पर बर्जीर्वार्वे बर्र्र्र्यायर यालेवा हुर्जेरे या वर्रे र्वा स्टर्की या याणेव प्रयास्त्रा वृ न्यार्वेन् रोम्रायान्य वस्त्रायान्य स्त्रायान्य स्त्रायान्य निरम्भ स्त्रायान्य स्त्रायान्य स्त्रायान्य स्त्राय ५८:इव:वव:वर्षव:वर्षद:द्वादेव:वेद:व्यादेव:वेद:दुव्यव:ग्रीक:वेद:। देव:वंक्यवः क्रम् म्राया क्रम् स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्व यतः क्षेट हे केव में द्विवाय रेया येद यर कंट यर वर्द यह यह विवा क्षेट्र देविया दे भ्रीयानुयान यो वेन या वे व या वेया केव । वीन किया या केवा ने अध्यान भीन । यो विषय व यो विषय ।

त्रश्रूर-दर्ग्राय-प्रोत्रा देवे स्ट्रेट-दुः द्वेत्र-तह्र्ण-गुत्र-हेव-तुर-स्याया स्ट्रेय-स्याय-मिर्याय। शुःश्चीःलुयःलरः यरयाः श्चियः शुः द्वायाः सुःश्चीयः मेः विरः क्वायायायः पश्चेर् ग्रीक्रिंग यात्त्रस्य। यार्रे या पृष्ठी वा यात्री वा यात्र र्द्धवार्केन स्थेयसाञ्च क्षीनेवानु त्वक्षुराष्ट्राणेन। तेवायारानु स्वानानिकासा त्रु.पुतेःवरःव्रवाःदेरःनुःभेन्। नःनुरःनुरःकुवःश्रेश्रशःन्धरःवश्रुरःश्रेन्। श्रेश्वरायश्चेत्र श्रेष्ट होता या श्रेष्ट्राया श्चेष्ट्राया श्चेष्ट्राया । व्याद्राया श्चेष्ट्राया । वियाणिन् न्यातः तनुवा वेया केत त्युवाया क्षेत्रः यस त्येयाया विया वी त्यस स्रे के यार प्रथम में प्रधार के स्थाप के स्थित है। प्रधार के स्थाप के स्थित है। प्रधार प्रधार के स्थाप के स्था नुषान होताय होता हेना हेना हेना वर्षा वितानु स्वात प्राप्त प्रमान स्वात वर्षा वर वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर् वर्वेरः। रियः १ द्योदः याकाः वर्षः अक्षः अक्षायान्त्रम् वरः। विश्वाः क्षेतः ख्र-परःश्चरःयःगरःथेदःय। ।देःयः हेंग्रयःयदेः सरसः क्रुशः र्ह्चे शः पेदः थिन। ।ने हिन हे चरावसूत्र परि र्देन हो ने प्यान सामारी ने विश्वान सामारी हो । त.यर्जेय.तर.ची | ब्रिज.योशीट्य.ज्री | वि.यी.यट्य.क्येय.यंश.यायां प्रतिर.यं. र्शिजावश्वाक्रीक्षेय्वारायश्चेयार्थरायरायरायीः विराधार्यरा वित्रविश्वाक्षेत्री स्थान क्वा वर्षात्र के कुदे भेट क्या यह भी में पुन तर्वे हैं वे पार सुवा हर। तत्यात्रातहर ज्ञानात्राप्य केन्या स्वात्रात्रात्रात्रात्रात्र स्वात्रात्रात्र स्वात्र धेव सूत्रा दे सूर व वेवा केव यदे रेवा य विवा मु त्र क्यूर वर द द द देव क्यु सूर य

यद्या चित्र द्वीय यथ। देव दे यद्या चित्र द्वाय वित्र चेवा द्या द्वा श्चेरान्, कुर वदीर १९४ : यर मी वाया वा प्यर श्चेनया पेर दिनाव वि केरि पीता हे ने यः क्षेत्रयः भेन् व मालव ने व क्षेत्रयान हर या या महिनाया यह हिन विकास विकास वर्ष्णायमान्त्रम् तुःतुःने तद्वे त्यमा मे ने कृते कर्म प्रमानिका वसूर वतर फ्रांगुर द्राप्ता वया क्रुव तु उषा मीय तर्दे त्य द्रायव त्यया वेया वसूद से द्रा विर कुन स्रोस्र स्वरं त्या स्वरं त्या स्वरं त्या स्वरं त्या मित्रं वा व्या तरी त्या लुग्रायाने तत्र्यात् वेतान् वेताया वेता या स्वाप्ताया रेया या तत्र्रात्वेता यो न व्यवस्थेन संस्थित। देशस्य स्वतुर विदेशमुद्धा हो स्वीक्ष की व्यवस्थित विद्या स्वीक्ष की व्यवस्थित विदेश विद्या स र्दः वी र्बे्र्याया त्रुप्या द्र्या द्र्या राज्या वी र्बे कें प्राची या व्यव विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या त्राचार्युर्यात्याः क्रेयार्या वेद्यात् सुर्वे स्त्राचार्युर्वे स्वाचार्ये स्वाचार्ये स्वाचार्ये स्वाचार्ये स् चरुतः चेत्रः द्वातः चत्रायः विषाः यः सुषाः व्यद्भाः वद्याः द्वातः विद्यः विद्यः चरित्रः चरित्रः वद्यः सुषाः चरुतः विषयान्दा देखबाबरावर्देनाधेन्यम्बिषामायाबेरा मयानेनेधेन न्वीं अन्तः तहिवा हेत्र के अन्यक्कन् तदी न्दः वाहतः तुः व्या व्या निवास न्वेर्यायाक्राक्रेंदालेवान्त्र्रया वसूत्रायाद्यययाचन्त्रवायायेन्नुहेवाया गलुर युग्रवाया व्यवस्थ उर् म्या व्यवस्थ वर्षे क्रिय हुँ र क्रेव सेंदि म्यापर यर या पर्वे र.रे मूं रा.ये. झेम.तपु. त्रात्रा. रूपा.ये त्रात्यह्म। क्षे.पर्केय.तपु. यय. रे. प्रायक्रीय. स्वयत्रा. योदः प्रीवः प्रया विवास्त्र स्थानक्षितः वेदिः चतिः देशः विवृदः वीः व्ययः देशः विद्वाः यर दर्शे रादे व्ययः वावव विवा वाया वह्ना क्षे वावव विवा ये । दे व्हर व यह्माह्रेव प्रश्ने मार व्या ही विद्यासर हुं विरादर । क्षेत्र मानाका केना विद्या स्वर् मैं केर र मुगदर् र मेर पर सम्मान वर्षे र पा से वस्त पर से दे र दे स्वार स्वार से दे र दे से स्वार से दे र दे स 'युर्वार्श्वेन'रदेर्रर'न'पर'र्वार्वेर'न'यूर। दु'तु'य'पर'र्वे मञ्जूर'य'र्न्वे वार्कुः इस्रमास्त्रीं पर्देन्तिन्त्रान्या स्नान्त्रान्याता क्रेन्त्रान्याता साहेन्त त्वरः यदः देशः वर्षुदः यः श्रें रः मदः मीशः यदः श्रेषुदः ग्रादः श्रेदा देः देमशः ग्रीशः दमेः र्कुयाप्पत्र कर प्रदा र्यो श्चेर यी श्चेयाया यद कर श्री श्चेयाया यादा लुका प्रेर से स इस्रायर द्यापालीया विता व्यापाया के प्रिया के कि साम के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स्थाप के स वया विष्या र्युक्ष स्पेर्या हेर् यन देश विषय से देश विषय है । देश व्येंग सुंग्र पति है से तर्दे द प्रश्ने देश के द द है। के शतक द द पर सुर । सुर पर्सुया स्वायापञ्चा यर्केन् स्वेव संवायाचार प्रयायार केया प्रकृत प्राय स्व यन्द्रयायार्थेन्यायार्थीःद्रवीःस्वीयायदीय्यार्श्वयादाःदेवीर्द्वेत्यायक्कृत्ववार्थे विष्याद्या यर केंबा नकुर की देव र देवेर व केंबा वही के प्रवेदका क्षेत्र केंबा क्षेत्र केंबा केंबा गिर्हे स्वर्ष्यास्त्रम् वार्षुयातस्रेष्यायाः स्वर्षायाः स्वरः स्वरः द्वोः यदः स्वायः द्वायः द्वायः विः स्वर्षः ब्रेट : यथा धुन्न यः ग्री : तर्के : श्रुटिय : यः श्रेन्न यः द्वेत : यद्वेय : यद्वेय : यद्वेय : यद्वेय : यद्वेय चक्किर वि.मृ.स्वया क्षेत्र चित्र चित यर्द्रिव:क्रेब:म् ।श्लेद:व्य:ब्रुवाययदे:श्रृवा:यश्व्य:यदे:व:र्य । यात्रुद:ब्र्यःवाह्रव: श्चीतित्व साञ्चराया विषामासुरमा विषामासुरमा विषामासुरमा चक्किन् क्षेत्र सार्श्वेद स्ट्रे चर्डेका स्रेत्र देश त्य वृद्ध चीका से तदीवसा वहिषा हेत् स्ट्री व्या म्रथा ७५ मुंबिया यो हिंद सुया स्वा दे हैं । कें स्वित है स्वा यो दे स्वा यो स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा अर्क्रम् :ग्राह्म ग्राह्म श्रीह्म :ग्राह्म श्रीह्म श्रीह्म श्रीह्म श्रीह्म श्रीह्म श्रीह्म श्रीहम श् ह्यें प्राप्त के प्राप न्दः भुः नर्शेन् छवः लेवाः धेव। देवः ग्रादः क्रें भ्रोन् वयाविदः व्यायाहें वन् छेवाः ग्रुदः स्रो वयमः योदः योषः योदः त्रव्यं मान्यः योदः । वृषः योद्धवा (योदः योषः श्रुवा मान्यसः चबेशया वर्ने सूरन् के द्वाराग्यान बन् वर्ने श्रास्त्र वर्षे स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्य स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स्वार्थ स् यात्र प्रमा तत्र त्रात्र त्रात्र त्रात्र त्रात्र त्रात्र व्याप्त व्यापत व्याप्त व्याप्त व्यापत व र्कन्द्रने नित्र क्षेत्रिया संस्तर मान्या स्वाप्त क्षेत्र मान्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वा वैवाप्पेर्यम्यनेतिः यस्राव्यवस्य सुप्तस्य निष्टा स्थित्यस्य सेत्र स्थित् स्थानिस्य स्थानिस्य सिष्टा स्थानिस्य वर्चर द्रवा दर्वो व्य दर्वो र वर्गे र वर्गे र वर्गे र द्रवा वर्ग वर्ग वर्ग वर्ग देते दर्वो र बॅरक्रे यमक्री वर र्रिवर हैर्क् केंद्र ये विष्णियीय विरायवे पविदाय विष्र विराय मृषुयाः मृर्टः प्रश्नावृत् के परायाः त्राप्त प्रश्नात्त्र व्या क्षेत्रः या विष्याः विष्याः विष्याः विष्याः विषयाः नुषात्युषास्त्रेदात्रवाकुःसदार्धालेवाः त्रवादिः येन् दार्भवाने विषेत् । या स्त्रवाने विषया स्त्रवा गरः श्रे अहे वर्षा वर्षा द्वा है अंदि व्येत्। देवे के स्वे वर्षा वह त्वी द्वीव स्ववया ग्रीया र्श्वेगःश्चेतःन्वाःवयःवनःन्वाःशेनःतःधेव। वेवःश्चेनःश्चेशयःग्चेनःश्चेःवन्ननःन्नयः हें क्याया लेव 'श्री स्रोधया स्वा केंद्र या दी। रूट 'रेटी या केंद्र 'श्री यद्दुर 'यले या केंद्र 'श्री या या चबर में प्रेन व्या देन ग्राम तर्चे ग्राम हें नाम चुर व्यापने मुद्दे चम्रम या महामान श्चॅर इ.लर भ्रेर तर्रा क्रुप्टेंद्र बर मेर्ट्स खे. मेर प्राप्त क्रिया जा क्रुप्टेंस मेर मेर न्वें बासूयाव। नेवें नेवानु र्स्चे बार्या विदायवार प्रवें निस्तुवा स्वीवा स्वी स्वीवा स्वीवा स्वीवा स्वीवा स्वीवा स्वीवा स्वीवा स्वीवा स्वी स्वीवा स् वेषा केत्र वर पति हे क्रूर प्रश्नुर प्राप्त पर पीत्रा रूट रेषा याट त्रार्केश प्रवट्या श्री

श्राम् प्रमायाया स्वाप्त स्वाप मीयायोग्ययाञ्जामावतार्देनामन्दानाचे सार्वाच्यामायोग्यायाया केंयापहेनाहेना क्चैन्द्वानामाराध्येत्राग्रारायासम्बन्धान्यान् नेरावत्। वसूनाध्वेत्रामेरान्, प्रमानवितः सुरान्नायात्रावन्तित्वा्यां राजातन्ति स्वायात्रास्यात्रास्यात्रा विवयः वः विवा वर्ष्युवः द्वीं या द्वा यदिः के सं के द्वा वा व्यव्य द्वा वा व्यव्य द्वा वा वा विवयः वा वा विवयः त्त्रीं सुर ने यात्तीं पर्वेया देयात्तीं याप्तर्वेयात् रहेयाते प्राप्त स्वाप्तीया हैयात्तीया स्वाप्तीया स्वापीया स्वापीया स्वापीया स्वापीया स्वापीया स्वाप व। जिंशत्यात्रवीत्यक्रीयाक्ष्यात्रवीतः सत्ति। वित्रत्यत्र व्याप्यात्र वर्षे स म्बर्दिन । इस्मिन्स्य क्ष्यान्त्र स्त्रिक्ति । स्टर्स्य वस्य स्त्री हिन्दिन हिन्दिन देव:पह्याः श्रें श्रेः हेन्यर पर्धाः प्रवेश प्रवेश प्रवेश प्रवेश स्थित । हेन्यर प्रवेश श्रें विषय हेन्यर दे नया द्वाद लेवा के प्येदा दे की बादें दे वा हो रावाल का या के लेवा है। या व्याया ही इस्राम्बम सुर्भार्मेम् सम्भीता सम्भीता कर्मा तर्वासर्वेन वार्सिन्या समान्य स्टाम् केते केंबा ने बार्च में बार्च में केंबा समान्य स्टाम यें क्वें 'ब्रेंग' इस प्रतेष प्रत्ये के प्रति क्षेत्र प्रति । विश्व क्षेत्र प्रति के प्रति के प्रति के प्रति के नियं त्राविक्तायत्री स्टार्च स्त्राचु प्येवा स्टायहव ये विवासेन व विकास ने प्युव स्टा भ्रीयम्बर्धायविष्य प्रमुक्तावदेः प्रस्थेदः पुः अविस् मुख्यः या श्रीश्रामिदः प्रस्ताविः प्रस्ताविः प्रस्ताविः प विदःयः त्वेवायः तुषायाषुयः युर्वे । वित्रः क्वेंदः वीः सः वः या वहवः यरः क्वेंयः विवाः ब्रेन्यकी क्रममायोब क्रून्यामाय विकास के मान्या के मान्य कुथार्था गुरिहे के त्यसा मुज्जूर की सह्या सामग्राम विराम् विया से साम हिला के सा इ.पह्नामेष.जा. ह्या मार्थ मार्य मार्थ मार्

रेते र्केश दर्गे श्रे में इत् कुं ने र्के विश्व श्रेष श्रुष विश्व श्रेष विश्व श्रेष विश्व श्रेष विश्व श्रेष्ट विश् <u>ढ़</u>ॖॱचॅदिॱवालुरॱधेवॱवॱठेॱवेथॱहे। वाहेशःग्वशःवॱऄॱक़ॕ॔॔॔ॱचॸ्वाॱऄॸॱॸऀॱक़ॗॗॿऻॱॻॗॺॱॺऻ म्ने म्नेर मी मुन सेर प्राप्त हेन सेर राम्ची तुमारे तयर विश्व परि । । वासीमा प्रतिन तु षरः वृः यः नक्षुनः यः यो नः ययः विः यो गानित् । नुः सुरः यः नवृः योः ये नः सनयः यो नः यो । द्य.क्रीट.ह्यांबाक्ष.क्रुय.क्र्ट.ब्री.ब्री.क्रुट.क्रुट.वह्य.ता.घट.क्र.वट.वर्जेबा.य.क्रुट.वा.वर् यार्थरम्बर्गक्रियामा सेन्यविवर्गः व्यास्टर हुन्या सेन्या सेन्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्व योश्रेराल्यार योश्रास्टार्स्याश्रामञ्जूरा। योश्रेराश्रादेया मुख्यार येद्रास्या यावियानपुः तार्यकाचनर तृषुः योषुकागाः अव। विः विरास्तरः वः वर्दः क्रूःस्तरः वृक्षः क्र् स्रुयायाचे तद्वे यदायाया हाय क्रियायाया सुवा वीया वसुवा वादा द्वा वदा देव ग्रहा कु सेवा रह हेद साङ्ग्रस । । या धेया सदद स्या वा या श्चा विश्वामाश्चर्यायायित्र ने त्यत् ने त्यत् विष्याय्याय से न स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य त्वाप्तारप्रद्यस्यरअदेवः प्रत्या श्रेषात्राः वेषावतरप्तार ध्रेषावाः श्रेष्टिया ञ्च ५८ शुर सम्मार्थित प्रस्ति । वसूत य यावर् श्ची:र्यायदे श्चीशात् त्यादः रें छे तद्दे त्यादः देव् के स्था देः तद्दः याययाः यावयायर्ष्व कुः व्येत्रयाय्येव। देवे कुयायवे ख्रेवाययाद्रा याव्याकुयाद्यदः श्रेयशःक्षेत्र्याय। श्रुवायानश्चेत्रःत्रयायान्यः विद्यायान्यः विद्यायान्यः विद्यायान्यः विद्यायान्यः विद्यायान के: पर देव क्षेर येदा विः यः सूना यें च हना या या सुः तुः वे देव या सूर युः पीव दुरा हेब बिया या मृतायत् ५ तर्वो ता धेव। ५ त्येव वे र ५ या स्था हि ५ त्या हु ५ त्या हि ५ त्या हि देश हेंग प्रतप्ता रे विंद दुर्भेंद द्वा विके वि कुं ते केंद्र के सिंदि की श्रीत्। विश्वाम्बर्धस्यायासूत्र। यद्वीतः देषायात्यः श्रुरितायाये स्वादः प्यदः सुद्धः योत्। ब्रे:सायमान्दरः दुःचबुदः चारदः चरार्ध्वेषास्याचारः दस्य स्रोदः वादा दस्य स्टेरः वेदा रावेषाः योव। भ्राप्तर्वेषापतिवर्षः प्राप्तरायापतिषाः ग्राप्तापतिषाः वर्षेषाः प्राप्ताः त्वीय प्राप्ता वार्षर विःसुरा वार्षे वार्षा क्षेत्र वि स्वारा क्षेत्र वार्षे वा वयातवीयातवीं वाधीवा दे तद्वे देवायायायायायायायायायायायायायायायाया पर्चयार्ज्य सुमाञ्जः साम्रुमाञ्चीः सुम्युयायाता ले ह्येत त्रमाणे । सर कराया है तर् येन। ने के निवन नव नवें वाया येन। के वें वें वा इया नवे वा के के ने विन ૹ૽૿ૡ૽૽ૼૺૼૼૡૢ૽૽ૻૹૻૹૻૹૻ૽૱૱ૡૡ૽૽ૢૼ૱ૹ૾ૢ૽ૺ૱ઌ૽૱ૹૹ૽૽ૼ૱૱૱ૹ૽૽૱૱૱૱૱૱૱ૹ૽૽ૺઌ૽૽ૼૺૺૼૼૺૼૼૺૼૹ૽૽ૢ૽ઌઌૺ૱૽ૢ૽ઌ૽૽ૺૹ૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૺઌ૽૽ૹ૽૽ઌઌૺ૱ૹ૽૽ૢ૽ઌ૽ૹ૽૽ઌ श्रियाधित। देराग्रहानेहासहामीत्राम् श्रीस्त्रीम् सामानिकार्या स्त्रीत्रामीत्रा हेब : यद : द्रवा : वी : सू: यद अ : कूं : द यु अ : यी द : के अ : यी : द्रवा : यी चे वा : से अ : दे : दे अ : के अ पर्श्वेय.तर.तथ.ब्र्याथ.२८.। क्र्याह.फेर.पर्श्वेय.क्रिंप.वीर.वयश.श्रेंर.ब्री.ब्रींय.प्रिंप. शेर न भी कर सुरा र के राजदी दारा के राजदूर निया दारा निया है जो ही निया है जो जो है जो है जो है जो जो है जो जो है जो जो है जो जो जो जो जो श्रीदःयःवयाद्दरः मुन्ने वर्षः श्रीद्वरः श्रीदःयय। । वादः ददः वादः दुः द्वयः स्टेवाः यः नेरा । वो केंवाया सुन्ति ते स्पर्यं माना विकास स्वापित स्तर् न्यार्क्याम्बुदा वियामसुद्यायायदीयादेयायेयायसुद्वित्तादेयास्या *૱*ૹૻૻઽૺઽૻૹ૾૽ૹ૽૽ઌૢ૱ૻઌૹૡઌ૽૽૱ૢઌૢૹ૽૽ૹ૾૾ૺ૱૱ઌઌૹૹઌઌ૽૽૽ઌ૱૱૽૽૱૱૱૽ૢૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺ

वियायन्यायायञ्चा स्रोत्याय स्टा स्रोत्याया स्टा

युवानुषायाधीत। वेर्नुवार्यनिवेरिक्षेत्वावर्षिनिर्देशकार्यान्त्रीत्रक्षेत्रवेरिक्षेत्रवेर्षा येवर्याधेर वदे द्वो तद्व य हे से र इस यदे श्वास वेद से र कु दर। चर्क्न् र तर्देते हें न्याय केंद्र चेंदि वित् कुंद्र की कर यदे ही र त्यक्ष्य या ह्रया द्राया हुन स्रदे नसूत्र र्स्या गरियाय विवास स्रुप्त सुर्वे स्रुप्त न्याया स्रुप्त मित्र स्रुप्त गरियाय विद्र वर्द्धन वर्षे वर्ष र्थेन्याधित। हिन्यम्नुविद्येन्यम् विम्येम्यन्थेम्यन् केवालेन्यकेन् ब्रैंव यस न्दर वर्षेय प्रवेदर प्रत्र वर्षेय स्वर्ष प्रते हैं से सु सूर्य वर्ष की रदःरेल्यः क्रेराने दः सुदेः वरः दुः वे विदेश्विषः विदः विदानि विदः अर्क्षर् चूं व्याव्य हे दुषावदी क्रुव वह वाषा क्षेत्रे या चुराया विद्याया अर्क्षर प्रविद्याया पश्चेर प्रवर में भीता अंध्रय पश्चेर पर्य श्चेय श्चेर पर्य श्चेर पर श्चेर पर्य श्चेर पर श्चेर पर श्चेर पर श्चेर श्चेर पर श्चेर श्चेर पर श्चेर पर श्चेर पर श्चेर श्चेर पर श्चेर श्वेर श्वेर श्चेर वर्नवर्षात्रः क्रेंब्रायमा क्री सर्वे स्वराष्ट्रम् स्वरूपात्र विषयमा स्वरूपात्र विषयमा स्वरूपात्र विषयमा स्वरूप हेरास्य तर्वे विषय निर्माय के विषय निर्माय स्थाप विषय स्थाप क्रेंबायाम्बायम्बायम्बाया देवायम्बाउन्याधीकाळ्न्यास्यायम्बाया वः *वैदः*केंशःज्ञ्ञवःदःर्भेन्;ग्रुदःदःवें:श्चेःस्रवेःवृःवसःनुःश्चेदःवःज्ञदशःगाःउदःधेद। वर्षश्चर वेषावर्ष गहेषाद केंगानवर्षा हदा वर्षेयावा यर विश्वास्त्र विश्वास भीया स्त्रीया स्त्र विश्वास स्त्रीय स्त्रीय स्त्र विश्वास स्त्रीय स्त्र र्ड्याया सृत्युं स्रोत्। यदाया स्रोत् वार्ट्य स्रोत्या स् नेयावाम्बर्डिनियाकारम्बर्धियुष्टियाम्बर्धियायम्बर्धाः नेतिवम्बर्धाः स्वर्थाः स्वर्याः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्याः स्वर्या यार्थर ही अपरेश में विषय में

यत विष्य अन्तर्भवा अन्तर्भव यन्द्राय्यायायात्वर विवा मु यञ्चुर मे यन्द्र दि से स्वयायस्य भी श्वर विवा धित्र क्रें धुः सरः यदे त्वर्चे वियः चुदः दरः । रदः याल्यः यद्विभः गारः यदे व्यवसः क्री धुवासः त्यः नम्भार्भे भी महित्रनित्र नित्र द्वारा नित्र के स्वर्ग में स्वर्ग म भीर्द्रायां लेवा प्येताचा वर्दी से दार वर्षे वर्ष प्रवित्य स्वित वर्षे वर्ष स्वाप्त स्वित स्वित स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वा यार्क्टा र्धेराव पर्दे नियम्बारा विमासमा विमास क्षेत्रा विमास कार्या विमास क्षेत्र विमास कार्या वी'वर्के विते वर दुः चर्या योदा व वर्के चित्र या योदा या दे । वर्षे व दुः भ्रेसिय योदा वर । त्युर्या ग्रीतर्वे निरुद्र ग्री मुनाकते नार्के निस्तर के नार्कु प्येत प्या दे से दान प्याप तर्वे न मनर्यान्ययः स्ट्रिंट नायीत्। देवे स्ट्रेट नुः चित्रे द्रास्त्र न्या स्ट्रिट स्ट्रिट स्ट्रिट स्ट्रिट स्ट्रिट स् यावयः म्यायायः व्याद्यायः म्यायायः म्यायः म्यायायः म्यायः म्यायायः म्यायायः म्यायायः म्यायायः म्यायायः म्यायायः म्यायः म्यायायः स्यायायः स्यायायः स्यायायः स्यायायः स सःरवःश्चीःचरःतुःश्चुवार्यःवतुरःवाहेशःगाःश्चर्यःथ। वेवःग्वरःथराःश्चीःसह्वाःसः चै.क्र.भ.कु.यदु.र्र.ज.यक्षेत्रायी है.भ.भू.देग्रे.ट्रे.ट्रि. ट्रेश्व.च.यर्घर.धेता. त्र्वी इस्रया क्रीया क्षारा मार्थाद क्षेत्र । स्वार हिस्य मार्थिय । स्वार मार्थिय । स्वार मार्थिय । स्वार मार्थिय । र्षेर् पदिः क्षे सुवायावाया प्रत्यास्यया स्यया प्रायम्या स्यया प्रायम्या स्याया स्याया स्याया स्याया स्याया स्य वयार्दर:रूथाक्वमाक्का वालवारवार:रूथावारर:रूपावारवयारविमात्तुः श्रीतह्याय। हाथीवरावतरावस्यविक्तिर्गेर्धाक्वापन्यार्थेराक्तीवस्यक्रियावया मुक्र-दुः शे वह्ना यर द्वेदः वेश य प्येदः य प्येव विदा शेवे वदः वतर दे वद्वेदः ह्येदः

ख्यःपर्वायःपङ्कः स्रेथःपत्रदः वी:बयःवास्टा

रवःक्वा विवानः के प्यानः से स्थानः विद्यानः से स्थानः विद्यानः से स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स यः प्रिन्। रैवायाने वाहियावीया ब्रिन् वया स्नेन रवाया वर्षेट विया सी विया ग्री विनायर र्डमामानिष्यान्त्रात्वीं न्दान्त्रम् स्वानित्रम् मित्रम् स्वानित्रम् मित्रम् स्वानित्रम् स्वानित्रम् स्वानित्रम् चर्यसार्युवासायवारकेरावदासीत्वतुवा ह्यदायरातुःवाब्रसादवाःवीसार्श्ववाःचरुदादेः रदः वी वि अरु हो दे के दिन वर्षे विहु सम्मित्ता स्वाप्त के वित्र वि नुवाञ्चयाने के निरावन ना भेवा निर्देश भेवा केवा की बरानु । निवावान्या ५२.ब्रीश.ब्रीयश.बीट.ज्या.तर्रात्रीय। ।८४.ब्रायाश.यी.बीट.ब्रीट.त्र्रा.के. वर्ष्विया । वार्षेर् मद्भाव क्ष्मिय में विद्या में वार्ष मद्भाव महिला । वार्ष मद्भाव महिला । श्रम् द्रु द्रेय तर हुँ। विया में हुँ त्या में हुँ त्या में राय विया प्राप्त स्था में राय स्था में राय स्था में योर्ष्ट्रमः क्रुक्ष्यः वः क्रुक्षः क्षुः या ब्रुक्षः विदः सः वर्ष्यः विदः सः वर्ष्यः या वर्ष्यः या वर्ष्यः या उत् श्ची क्वत व्यापा हे पत्र श्चेर्र अर्घर व्या श्चेर प्रश्चेर श्चेर श्चेर प्रश्चेर दे सूर्रपुर वर्षेति वर वी वास्व वास्व वासुसा ह्यें र स्व पर वर्ष वास्व वि वर विराज्य वि र्द्दायर्येदेवरावर्षायराद्दायर्थे वाहीरम्बा वाहीदाद्वायरख्या व्यवास्त्रात्व र्ये से से स्वार प्रेंदि साधित्। से से सिन्दान स्वार स्वार से सामे सिन्दान से व्यूरी र्रिट.र्रेर.प्रज्ञात्वचर.त.प्रवाय.प्र.श्चीर.इ.क्य.प्र.र्येवायामी १.१ वि.स.चार.पा श्रूर प्यर श्रुव राष्ट्र र सुर हिर दुर प्या र श्रूवा कवा या स श्री मार व्यवा वी या विहे शे वर्षे वयरा च्चेन याने त्वन प्येन। ने त्वन स्रोते वन व प्यन निर्मेत से के साधीवा तु से सी वर्दिः च १५२४ वर्षे वर्षा प्रमान्द्र वर्षे प्रमान्द्र स्त्र तदीयासी प्रीत प्रति विद्वासी से स्थाप प्राप्ति वा स्थाप से से स्थाप से स्था

र् क्रिंगः श्रुपः श्रुपः विवर्गायाः स्टान्सः विदेशम् द्राप्तः स्रीपः विदेशाः स्राप्तः स्राप्तः स्रीपः श्रीपः श्चेर दशांधेद यद सेन्द्र से रुट य दिवा धेद बेर यदि कु सर्दे वाट देवा यरे सुवा पेट या रे या युवा को व्यव वा किया पेट्रा युवा को व्यव वा किया गायरे वा र म्बर्नित्वरे व प्रमा विषय में किया में में किया मी स्रोधारा मुर्गित त्या द्वीति त्युर्था से स्वते स्थापते दि स्थित्। स्रोधारा स्थापति न्वर के र्शेट वश्या शुर्श की वने वा बीश की शावित वर्शे वा धीश शेस्र शी सूवा वर्ष्याः सद्भः विक्रुं वेदायः वेविषाः याः वर्षेत् स्याः श्रीः विद्याः व्याः विद्याः विष्याः विद्याः विष्याः वि नयः क्रुं क्रेव न्दर्द क्रेव क्र्रं या श्रूपा नश्या क्रें विषाणीव। श्रीर ग्रापाया उद द्वयया श्रृषाःकेः द्रशः सदःश्रेषाः योदः धरः द्वोदः द्वोद्धः यः यदः यः धीदः लेशः वोदः लेषाः द्वशः वयः यत्रदः केंबाधिवाव। दुनावर्शे त्यार्थे वाषायायाने स्रोता की यने की स्रीताय विष्णुणाया वेंत्र वेंद्र वार्च द्वा वार्ष्य वार्ष्य वार्ष्य वित्र वेंद्र वार्वेद्र वार्वेद्र वार्वेद्र वार्वेद्र वार्वेद्र यः धेवः प्रयात्रः तृत्वाः सृष्टः तृत्वाः वायुत्रः लेयः वर्हेत्। तृत्वः विवाः वः धेतः प्रयाः योग्ययः श्रीयदे प्रते त्र कुष्ण प्रकृता लेषा श्री श्रीट प्रते व्यवस्था से । केंद्र से स्था से द्रावस्था दर्भात्रम् वात्रम् वात्रम् वात्रम् वात्रम् वात्रम् वितात्रम् वितात्रम् वितात्रम् वितात्रम् वितात्रम् वितात्रम् योत्। हेन् येत्यापना कनायात्राचययापते ख्रीतानहियास लेतासाता सुत्या चेन र्वायरयाक्त्र्याक्त्र्यायायीत्। देर्वाञ्चेत्रात्वावरायेत्राह्वात्यावर्वा क्रेंब् ॲट्बाळवाबासूट क्रेंट्बावासुसाद्यी द्वाट देवा ब्रबारट क्रेट्या प्राप्ट द्वाट स्वट स्वट स्वट यरे.य.ब्रेग.ब्र्य.क्रें.लूरे.त.लर.श्रव्र.क्र्य.यर्थ.ब्रैंर। श्रीर.ययाचीय.त.लुथ। देशक्र कें वदिवे भेदे केंद्र विक्त क्रिया क्रया क्रिया क्रया क्रिया क्र र्नेन मानेर होतायां ने दुर्व त्यों त्र सुन सेर मी हायां निया प्रेना नर सेस्या सी स्वीप से स्वीस्या सी सी सी सी क्रिंग व्यक्ष होत् व्यवका द्वोत् व्यन्ति क्षे प्रोत्य होत् होत्य ह बन्धुःस। रूप्त्रीयासीक्त्रं वाल्याययसम्ब्रामित्यात्रे स्रोहित्या ही स्रोहित्या हो स्र क्र्यास्त्रित्रम् वराव्यायाः स्वर्थाः स्वर्धाः स्वरं स कुषानसूत्र यदे केंबा क्षेत्र लुग्वाबात्र वा सूत्रादे द्वो क्षेत्र लिगा मी कुंवा ग्रुवाय प्रदा नेतःन्रीम्बार्ष्याः पदःम्बद्धाः यदः पदःनेत् बिमाः छो त्रमुदाः नष्याः कुःनेने प्येत्। वुर-कुन-क्री-श-वेर्द-रे-बेवर्य-य-५८। बर-वदि-वय-स्रे-रे-बेद-स्ट-द-वयय-य-दे-न्भेग्रायायायार्थे विष्येत्। हेर्यायकुन् श्रीम् त्यस्ति न्ता नेत्र यकुन् श्री यसूत्र या मान्द स्वादी रे स्वादिता स्वादी देश त्वी स्वाद स्व यरायात्राक्षाकात्वदेते हो दे दिवाया देवाया के विषया विषया रवरायायने केंद्र वो रातु वर्ष पाने दे रेवा या वर्ष या वर्ष वर्ष पाने वर्ष या वर्ष या वर्ष या वर्ष या वर्ष या व कुना ग्रामा प्रमायविव नुः क्रीव त्यमाय प्रमाय हो न्येव हो या सामाय हो न याधीदायातर्वा प्रयास्था प्रदासुः विष्याः वासूचा यराके वाधीदा । दे ह्रस्य बुँग्रयान बुँग्रयाय दियाया में राजान क्रें राजान क्रें राज्य क्रें राज्य क्रें राज्य विक्रिया विक्रिया विक्रिया

यहूर् मुर्ने या श्रेष्म्या के स्वापित्रमा तर्ना तर्ने तर्ने स्वाप्त स् यालेवा धेता अदिगात र्श्वेन श्री सेट वया धेता प्यम स्वापारेका दिन स्वीपा वायान য়्रथःबाष्ट्रियःबाख्या मृतःयःहवाःयदेःचुःर्श्वेदःदेःक्वेदःकुरःदरःयेदःयरःबुरःयःदेः र्नेव क्षेत्रेस्ट वय केंया वे प्येन प्यादे हवाय न्या केंया न्या स्वाप्त केंया न्या केंया निवास केंया के केंया के किंया के किंया के किंया के किंया के किंया के केंया के किंया के किंय क्ष्यायश्चे स्वेश प्येन् यदि ह्वाश प्येव यश श्चे पनि दे ति वर वतः केश बुशन्द सा तुषायतः क्रेतः क्रेषाक्षेतः क्षेत्रः स्वापाय वास्तरः द्वाः क्षेत्रः त्वेः ताः यसः स्वरः क्षायः क्षेत्रः स्वापाय विषयः यदिः क्रेतः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः स्वापाय वास्तरः स्वापायः स्वापायः स्वापायः स्वापायः स्वापायः स्व अर्धर तर्वा कुं तर्र भीता रह कुंद केंग दह रहेग व व कुंद केंग दह रहेग ल्राम्यालेषा व्यक्तिम् क्रियान्य स्टायन्य स्टायन्य स्वर्थान्य स्वरिक्षा स्वरिक्षा श्चित्र देवा तशुर कुः भेत्। वहेवा हेत्र विसायाय लेवा भेत्र विसायायात्त्र स्थायायात्र स्थायायात्र स्थाय धीव व दे दे दे दिया यह वी सीया वाहेर वहें वा सी दीहा कु वार्य वा ववह वर्षे द वस्य ८८: वेश:रव: क्रीक्रिवश: क्रीशः क्रुं वार्शवाः क्रुं व्यदः यः वेश:रवः व्यदः वः वर्शदः वस्रयायार्थेन। त्युवायायेयायेयाया केंग्रायहेन। हेव वाराया मुवाय इस्रार्सेन् श्रीः देवान्यन्दरः सुद्रा स्वयं स्वय र्शेरत्र होत् हो त्रीत्र होत् भीता भी ने त्या मुल्द स्वत हो त्री मारा खुया भेत्र होत्री तुःलेवाःसदेवःसुस्रासेवाःवीःसूःस्यरःवास्ययःस्रेःदःवार्वेदःवास्ययःतःस्टःभेव। । वयःक्रुवःषःकःवदैःग्रेष्यःदरःश्चेषद्। वद्वैदःद्वेद्देशःदेवःविगःधेवःषदःपवदःयः चेन् डेयाङ्क्रयाळे त्यायया स्टानक्षेत् सेन् स्नुया श्रीन सेन्। ने दे स्टानक्षेत् विवा भेव है। ८ ४८ हिन् स्कु वि यदि भे लिया धेव य ५८ । यश ह्रों व यस वि या

<u>षियः पर्या सः सञ्चः श्रोताः पत्रः स्त्रीः लयः वाश्वरः ।</u>

ययः द्वरा यञ्जेषा बरः वितायते देशो विताय देशो विताय यरःश्चेर-र्श्वयाः यक्ष्यः दः यन्तिययः यः द्याः विवाः प्यता यः याः वायः यहेषः श्चेः देवाः वहेषः सर में तर्चुन सदे नादन स्था वर्ष निर सुन सर्चे नाया सर्चे विस्तर की सुन त्या देश तर्वायान्रस्थते भ्रेपायर प्येव विरा वान्व या सकेव नरा नवीं वाय केवा केव रेत्। ये क्रूं या चीरा क्रूं वा वायरा क्रूं रावयरा येता वेंब सार र्बर:श्रूट:बी.ज्.क्रिंग.बु.ज्.क्रिंग.पट:क्री वायवःच.व्.धेताःचीताःवी ट्रेट:चुरि. कृथायान्त्रों विर्धे प्रिवाया न प्येन स्रीमा मी स्थाय में जिमा प्येन विष्या प्रेमा ने स्थाय र्यात्राकुराकुर्यायाय्वयायत्वराया ह्यायाक्ष्याक्ष्याय्वयाय्वरायाव्यायाया ॔ॱक़ॖॱॻॖॱॻढ़ऀॱॻड़ॖॱॸॕॴढ़ऀॻॱॻॖऀ॔ढ़ॱय़ॱॺॸॱक़ॆॱॻॱक़ॣॱॶॺॱढ़ॸऀॱढ़ॺॱॵढ़ॱॺ। ॸऀॱढ़ॺॱय़ढ़ऀॱक़ॣ न्यारा बे.मुभ्यत्रच्या.क.चावचा.चुर.चयु.चेतु.चट.द्विचाया.वट.चरा वस्रव.ट्रेव. इस्रमा माळत्दिन्नमञ्जीमायमञ्जीकुत्यारतिन्तर्भेत्यादिन्द्रसम्पर्भा दे ॔क़ॣॸॱऒऀॺॱॺॱॸ॓॔ढ़ऀॱक़ॕऀॸ॔ॱॻॖॏॴॱढ़ॸऀॱॺॖऀॱॸढ़ॱॴॿॺॱॴऄॖॴॱॸ॔ॺॱॼॖऀॱक़ॕॴॱॿॖ॓ॸॱक़ॕॱॷॖॴॱॸॴॱॿॖ॓ॸॱक़ॗॗॱ वै.सं.र्याक्री:जन्मानाक्षेत्र:ब्रेट्। मृत्यायस्यस्यस्य उत्तवस्यस्य त्युत्रः संकुत्यसः यानवना या प्रवेश सामित्र स्थित सामित्र कु.चिर.केर.केष.क्री.ला.रचया.ह्री.ट.चबर.क्ष.ट्रेट.य्राट.चीर.जा.श्र्र्ट.लट.क्षेष.श्रुपु.श्रीर.या. ५८.५३। अर्रे र.व.व.व.४८.४४.७८.१३८.४५१। देव.क्रेट.२.५५५.४४.५१ नगायकेषायाः इतायेदात्र। दासू सी यसाधीषासी स्वताया वायेदाया विवारेदा थॅर्ने चेरक्कृते अर्द्धअर्थक्किं स्टाया चुर्या सदी वा न्या प्रचार ने त्य के विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या

बिट विट्र वेट्याम्भेयाया अर्केट्या क्रेंब्याया प्रदेश विष्य क्रेंब्या क्रेंब सर्वस्थान्य । रदारेते के अधिन के नाइस्थान विकास कर से दान से दा ড়৾৾য়ৢ৻য়ৼ৻ৼৼৼ৾ড়৾য়ৼ৻ড়৾য়ৼয়৸ ঢ়৾য়৻য়য়ড়য়য়ড়য়য়ৼঢ়ৼয়৾ৼয়য়ৼঢ়ৣৼঢ়ৣ৾৽ वासेन्। सेससाउदाक्षीत्रम्यापेन्।स्निःसाराक्षुरावाधिदायान्ना कुषाः श्चीत्रसूत्र यात्रा वसूत्र वहित् श्चीस्त्रीयात् वातात्र स्यातत्वायाः श्चीस्त्री से वहत्। मुम्यायलेन त्याया येयया उत्तर हिर भुन्। तर्ह्य भून हिर हिर पर्दे विष्य है য়ৣ৾৾য়ॱয়য়৽য়ৼৢ৾ঢ়য়৽ৠ৾য়৽ড়৾ৼ৽য়য়৸৽৽য়ৼৢ৾য়য়য়য়ৢঢ়৽য়৽য়ৣৼ৽য়ঢ়য়৽ৠৣৼ৽য়ঢ়য়৽ৠৣ৽ क्केंत्रायमालियाः भेतात्त्रमाः स्वराप्तात्वयाः भेताः भेताः भेताः भेताः भेताः भेताः स्वराण्याः स्वराणाः स्वराण्याः स्वराण्याः स्वराण्याः स्वराण्याः स्वराण् यट्याक्चित्रःक्कीयस्थात्रः याः याः त्याः व्याः व्याः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः याः क्षेत्रः याः व्याः व्याः व नर्वोबाधिय। वस्त्रवायायहैवासुरास्त्रेयावयायहैन्यानेयवियापुर्वादियनेयि यवरकेः युग्रयायाययम् क्रिंच हरके। वह्मान्नीर विचने विचे क्रिंकीं व्यमानी वर र् तहें वा नवें वा की प्रति कें वा कें वा की वा *६*४ ऱेते सह्या मुः क्क्रेंय त्यस येग्रयाचे त्रेत्र त्यने यया तर्ने प्यट केंग्रा स्रस्या ही त्यस त्याव विया विवा भीव सूर्य विदा शे देयाय दूर त्या मुदि मद्दा वया यायाय यद र योर्डे विर्मे रेमायाकमा वहिमानी सामावरी केया पर रेमा मानुरा देव वर मी विराय <u>२२.ययु.भर्न.क्षेयोश.र्शेर.पर्यजात्री.क्ष्रायत्री.यद्श.यीर.क्षी.</u>२८.पर्यो.य.लूटश.जा.सथ. र्वेज्ञाबाञ्च लेवा प्येव या ५८१ । वर्षे सी कुराबायर सुरावा ने के प्राया कुरी ही रायी की यातर्ने अर्केना नुस्रम् वस्या उन् क्षी स्रोधाया क्षी नुस्री माया तत् मुल्या प्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स् यन्दर्वसूत्रक्षा वर्षिते कुन्त्र वर्षेत्र यदे वसूत्र यन्ते वेषाय वर्षेत्र यत् वसूत्र याने विषय वर्षेत्र विषय व यिष्ठात्रायात्रम् देश्ये देश्येषायात्रम् स्वात्रम् विष्यायाः हैं संभित्र ने त्राप्त के विष्य विष्य के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्व व्याविषात्वीयः सूर्यः मृतिः रे तिनुवाने स्वीतः विष्ठितः स्वीतः सूर्वायः वास्वायः विष् क्रमम्मुन्यार्थे नदेः स्नानमाधिन विद्या देव दे स्मान्यार्थे स्मान्यार्थे नस्त्र साने केंग्र N.क.उर्द, क्रू.व.चर्मेय.अज.४भाग.क्या.य्रीत्र.ट्यीया.क्रिय.टय.त.त.वीट.यत्रा विवःग्रीयानम् कुःदेर्ध्याविषाःग्रुवायाः सेंदा र्क्रियानी स्वार्भिदाविष्ट्रम् वर्षाः स्वीयाः भ्रम्यश्विमान्तुः र्क्चरानुष्याय्याय्याय्यायाः नामुनिदेवात्याः स्वराध्यायाः स्वराध्याः स्वराध्यायाः स्वराध्यायः स्वरा स्रुयः श्चितः स्पेन्। स्राप्तः केया विषा केया यत्र न हे स्पार्वः स्रुयः स्रुवः स्राप्तः स्रुवः स्रुवः स्रुवः स र्थेर न प्येत्। ननर लुका त स्वर प्येत प्येत हो ज्ञा का कर्त्व हो न न र स्वर प्य बियाः वीयाः श्चेतायदिः यद्यवाः क्रेवाः क्रियाः यान्यन् विद्युस्य स्थितः यान्यः विद्युस्य स्थितः यान्यः विद्युस न्नरमिकुर्विष्पेत्। स्वयुरमात्यमम्भिकुर्विकेवित्रवरमीम्बिकाप्पेतः ययाम्याको देव ग्राम् न्यम लुखानेयान न्यम हिंदा प्रमा है लिया सेना देव केव मार्थ र क्रेंद्र श्रीव व स्थेट मोदि दि या श्री केषाया सूत्र र द्वार बु युग्न या दूर द्वार था रवाद्यारिकायां के त्रदार्थित्। के त्रदात्व्याव्यावसूराद्यां या हिस्सातुद्वां या वितः युवाया है खूर प्येत्। वितः कुं विचे प्येत्। यतः विवाया है प्येत्। नवरः वर्भूर-५८-५वट-लुब्य-पदे-वर्भुट-चु-५व्य-क्रिय-५८-। र्वेच-चु-दर्श्वय-चु-व्यव्य-वर्भ्य-५५<u> इस्प्रिंस्लेश इर्वेश अर्देस्त्रः केश क्षेत्रं वुःलेश द्वीश्वा</u> न्वींका ने त्य वेंका या वे रा इव वका ने विकान वेंका ने त्या वक्ष या रा बेरा प्रथम वर्ष हे हिन् हुन या श्वर हे ने ने हुन वर्ष हम या सुर वे वर्ष हो है थाञ्चेत्रायाचेत्र। व्रेत्रायत्रात्राञ्चेत्रायात्रुत्रात्र्त्रात्र्व्यायात्रेत्रायाः क्रीयसूत्र याने इस्रयाने न के विसायान त्यात लेगा योषा सुन क्रुं उत् लेगा साधित सूत्रा से न्वीय। वृद्यते प्रसूत पर रेवाय से वार्डी नुषासी वार्ड वियावासुर या था र्हेवाबाळेब १५८१ त्येव छी स्नुवबार्य प्राप्य से से दिन्द मुब्द मिल्र स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स मुश्रुद्रशः भेत्। द्रशः श्रेष्ट्रश्च द्रशः श्रेष्ट्रश्च द्रशः श्रेष्ट्रश्च द्रशः श्रेष्ट्रश्च द्रशः श्रेष्ट्रश याञ्चीत्रायुषायत्षाक्षेत्रायद्भ्यायदेश्ये विश्वेषा नः व्रेष्ट्राय्य केत्रायुरावदेश्वयावि ने स्वर्धना कुं सर्वन से प्येन स्वर्धन यदे यानेयाया स्नेद भे के रहा था भेदा हेन से खुरा देन केन के विका भेदा खुरा या वहा क्रेव द्र्यो प्रदेश्यक्षेत्रायित्र क्षेत्रायीत्राचीत्र चित्र प्राचित्र प्रीचायीत्र त्यूपायायाचित्र यीत्राचीत्र की त्र व्याप्तायतः कुष्तारः प्यरः सेत्। व्याप्ता स्वीतः सी सा कुष्ताः सी सा विष्या सी सा विष्या सी सा विष्या सी स धीयायम्द्रायादे किदावान्त्र यात्र्यायात्र्यात्र यात्र हिन्यार्चेकायाचेरा न्येरासर्केन्त्रन्यायर्चेराह्नेन्न्यायाधेनालेकायाने मेन्त्रिया नेवे केवा में राभे ता प्रेम केवा प्राप्त में केवा प्राप्त में केवा प्रमाणिक प्राप्त में केवा में केवा प्रमाणिक यक्ष्यः भेषाया दे 'प्रयाया प्रापेत्। देवे क्ष्याः भेषा भेरः देवः में प्राप्तः स्वरायकाः यक्षाः प्राप्तः स्वरायकाः कुर्या सुराने प्रसेश में स्थाप से सालेश सुरान से प्राप्त के स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप से स्थाप यद्रियःसुर्द्राचीःयुक्षःविताःमुः पद्राचः वृत्तुःविताः यः बेधवानाि विदः विदः देः यवाः वीः

<u>षियःयर्गाःसःमञ्जलःयबरःम्,ष्याःगश्ररः।</u>

म्योप्यायाने हिन्दे स्थाया ध्रिता क्षेत्रा हुम्याया स्थाय स्थाया स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय स नर्सेम् नर्गेम यायम् मानस्मिम यादि स्मानम् सम्मिन् यात्र सम्मिन <u> न्येरवर्गेरनुप्वन्यासूरकुषमानुर्धेवयमाङ्ग्रीस्योधेयामासूराधिव।</u> त्यातः रेषः र्ह्वेर्यः सेषः येषा देः त्याः सुगः र्ह्वेरः ततेः विः ग्राट्यः भेगः तथग्रयः त र्याय.पर्येय ययर.ताची.श्रा.ध्या.क्षेट.पर्येय लट.य.याचीरश्राज्ञेयाश्री.या. त्यातः रे तर्देवः तर्देवाः सूर्यः सम्बदः ५८ : बेरः सम्बदः स्पेदः स्पेदः । व : हेवः द्योः श्वेरः। स्वाः भ्रेरः श्चेतः श्चेरः चुरुषा । येययः श्चेर्ययययः वुः त्वेवाः वायः द्येवायः या निर्धः स्वा विवा र्श्वेर प्रदेश हेरा वार्युय कः यद्युर क्या विवाप्ट प्यट या स्वावार से के प्रवास स्वावार से किया साम में कित यें बिया भें केंद्रा देश त केंद्र सम्बन्धें र त सुमाद्र मा देश दुर्ग भा रट से त्रों द्रशायमा द्रों शा केंद्र साबेग या द्वा साबेग थेंद्र स्वत्या केंद्रा यो विसाया स्रेयसम्मा प्रेंब्र यन्त्रा स्ट्र त्या युः त्या तः विवा प्रेंन् यम् या विवास है। व्रास्त्रस र्थेव निर्मा त्रा हिन् की तुः इसमा की सेन त्या के ने साने का की मानि की सानी हैं। विस्ति निर्मा की सानी के'च'व्य'सर्दुच'र्से'चर्डुच|र्याद्मस्य दिनेदे'सेट'व्य'सर्वे देव'नेस'त्र्य तुर्याद्मस्य ह्या स्य यञ्चित्रः तह्रुं यात्र याः पाः प्रे याः केवाः तत् वाः यात्र वाः यात्र याः इत्य याः वतः याः विष्यः विष्यः मस्रम्या युक्तेः निष्ठा मधमाम् मन्यास्या स्रम् ने स्रम् मिष्या योन् प्रयानात्वत् प्रान्त्रस्य राष्ट्रे त्यया दत्र प्रते सीट त्यातः से तिह्नेत् त्वरा के सूस्रान्य या हो रा यान्युनायाधीत्। देःद्रायुंद्रयायराययानुःनःन्यादाधीतायरावर्गे त्रयायनाः नवींया केंगलुगन प्यन्तवी नया हेया शेरा सेन्त्र से हो यो वाया स्वातः रेया नया स तर्र र र्ह्ने के स्त्री के

तर्विषाद्रम् स्रायाणायो से विषायो सुर्देर प्येत प्यर विसायस स्रेति कुषाद्रयो सामे तर्वा डेश म्व तिविष्य अवीयश्य पत्वात रेश हेर श्रेन हा स्वरादे तर्वेषा मी भू रिट य र्केश देन र्केश ग्रीश या मुखा क्विंट में सूर्य ग्रीश या मुखा नर से हैं रिर रट क्रुन द्वाराय नु द्वारा यसून प्येन याने त्वाराय याने व स्नाय द्वारा सुवारा सुवारा सुवारा सुवारा स्वारा स्वार यदःक्र्यः स्रायः छ। व्यदः याद्वेयः यादे द्वादः यदः व्यवः स्वरः यद्वयः स्वरः यद्वयः स्वरः यद्वयः स्वरः यद्वयः स रवर्षास्तर दृष्टुः भ्रात्मेय दृष्ट्या श्रीयायव दृष्ट्याया स्तर्भा स्तर दुबाग्री:बेराक्तवार्वी:वेर्प्, दुदार्थिन:यदे:ब्राप्ताः अवाया द्वियः यीन:वीन:याःयानः रुट मे भे के अन्य ने के विषय में में कि विषय में के विषय के स्वास में में कि विषय में स्वास में ञ्च्यात्र प्रदानी द्वारा पृष्टी द्वारी स्वार्थित । स्वार्थित । स्वार्थित । स्वार्थित । स्वार्थित । स्वार्थित । र्कुं पः प्रदः चितः चित्रः वित्राचितः वित्राचितः चित्रः वित्राचित्रः चित्रः वित्राचित्रः चित्रः वित्राचित्रः च क्रुतार्थरा अ.च.की. धुवा.ला.धुर.चर्डा.हीर.की.धेलाचिकार्थरा प्रज्ञा.सैचकार्थरा स्रिया.वा. ध्याः सूरः जा रुषः स्वयः क्येः स्राध्यस्य स्वयः स्व विवायन्तर्त्वर्त्वातः क्षुव्यव्या सः व्यायायन्त्वाः वार्वेन् र्त्तरः यन्वाः वीवाः विनः व्या स्त्रास्त्रार्केन्यायायावीन् देशाङ्कर्या सार्वेत्रास्त्रयास्यायायायायाया गु.चंग.संग.चर्षेथ.थ्यास.योपु.चंग.संग.थर.र्?श्र्रूर.रेर.योर्थ.स्रेज.थ.र्य.वंश्वेर.धेज. वयाम्बेदानुः स्था देराबेदानुः श्वेयाने वया वर्षेना वेया हुतः श्रुषा सःभूषः दे.यदेषःतरः यर्वदः षषा त्वायाः सुः र्वेट्याः स्वाः वीः सुवायाः सः । याहर ने अर प्रथा स्वाप्ति । से स्राप्ति यात्री प्राप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । हेब:पर:वाटब:<u>स</u>्य:वाहेद:दु:प्पुर:तद्वा:बेर:व:बेवा:बे:श्वेदा वाठब:वाबब:वाद्वा: यञ्च लिया मृत्य व्याप्येन व स्वरा छिन स्ट व र नु स्याप्येन व न्याद लेया ह्यूया देव :ग्रुट :सः श्रें व :देवे :व र : सा : इव :य र :दु ट :देवे :स्रेट :दु र र :हे द :स्रें व व :दं र : व र देवे : त्रशुक्ष के रत्या रूट हिन त्रश्व को न के शामित रत्या सुट हे के शित हिंग हैं। ययःतः नदः तदः यदः यद्भारस्य स्थाः स्थाः स्थाः त्रां यक्किन् । यन् यो स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः रटायाके'नक्षेत्रप्रदान्यतास्मदानक्षाच्यास्यात्रदात्रह्याकेटानाधित्र। च्या स्वावरावरावरावीयार्थास्याया्वरियाः स्वीयाः विश्वराष्ट्रीयाः विश्वराष्ट्रीयः विश्वराष् श्चीरात्मर्वे प्रमुद्धान्य विष्य क्षेत्र भ्रिषा द्वारा के स्वेदः योदी साद्येषा द्वारा के विषय । यदि सावा विद् तर्ने यायन रेव न्दर अने यय विष्य केया केया क्षेत्र यो विष्यु या यो विष्यु या यो विष्यु या यो विष्यु या यो विष्य શુંઅ:શુદ્ર:અઅ:पन्द्र:प:क्षूर:क्षात्रीय:पर्यः सेद:सेद:सेद:सेद:सेद:सेद:सेक्:सेक्:स र्वेदिः इ.च.चरुन्। वर्ष्ठिवाः वीर्षाः इ.स.चरुन् दश्चितः सम्बद्धाः ষ্ট্রী ইঅ'দু'রে' প্রুবা 'র্ডঝ'র' ইরি 'অঁহ' অম'শ্র-ঐ'আবর' ম'র ম'রির' 'স্ট্রাম'র্নহ' অস্ট্রর 'রেল্রাম' के। हिन्दरत्व्यम् यालेगायेन याधिम लेगाया सुरायय। ने रेट हिन्दे लेगा য়৾য়য়য়য়ৼড়ৼড়য়ৼ৾য়য়ৼয়য়ৢঢ়য়ড়য়ড়য়৾ঢ়ড়য়৸ৼয়ড়ৢয়য়ৼঢ়ড়ড়ৣঢ়য়ঢ়৾য়ঢ়ৢয়য় यानिर्मियायोदास्त्रिता भीत्। माल्याचे राष्ट्रीप्यराम्सूनियायः नर्गेषा श्रुषान् ग्रुषाश्चायाश्ची ययाश्ची देयायाने देया बेदानु स्वाप्तियाया विदा ब्रेट-दुःदर्गेषायाः वृःचरःचर्गेद्रकृतेःद्वरः दुःग्वराष्ट्र। दरःधेरः रदःग्वेषः रदःग्वेषः सुकुष ८२.वर्धेव के प्रथा८२.वर्धेव ने प्यर ह्यें रापण डेवा हो । ८ ह्यु के हो न श्चैत य महिंदा अर्केन य सुवा हेत सकत पेन या नगे तन्त्र तन्य य यरःय। यद्यःयःक्र्यःयद्रियःकेःयःयय। क्र्यःयबरःदेयःवश्चरःयःयाप्रयायः

वयायर्क्षन् त्वत्यार्क्ष्वायाययायायाय्याक्ष्यान् प्रत्ये । प्रत्ये देश योदः प्रिंदः व्यवस्था देवे केदः दुः श्रीवा वार्वेदः श्रीदः । वे सुः के वसः श्रीस्था के वयस तर्वे र प्र धुमा वयस वेदा देवे केद र तुम् से वेदा क्वें स वेदस क्रुवीयाचीसूची राचयीची.रेराचीचु.सर्रायचरारेरा। क्रु.रंचयाच्यायाची. या बुवाया या हेया या राष्ट्रीय व्याया के विष्या प्रत्या विष्या प्रवेश विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विस्रयः सूरमा सर र गुरु की स्मिन् दुर्वर या महस्र यत्र देवा यर्डु र या व्यथ्य.करं.ग्रीय.लरं.रेतृ.खे.ज.पचीषं.कैं.खेंचा.चेरं.रेग्र्या.क्षेत्र.वं.याचूरं.ता.क्षेत्रा.कैं.ज. र्शेवियायाञ्चे। यर्देरावाशीत्रवीत्वरुष्ट्वरयावयादवीतात्वरुपञ्चितयावात्वरायायात्वरः हः दर्। के प्रमायमानु वर्षो चायम। के वर्षे वर्षे भीत्र में भीत्र सुमान है वर्षे नु:नवींया द्वी:याः स्थाने वित्रां वित्रां वित्रां वित्रां वित्रां वित्रां त्वींयाः तन्त्रींयाः याः वित्रां वित यरे.य.क्य.क्रीय.क्ष.स्व.क्षयात्। यर.र्यो.यर्ड.क्ष्यया श्र.र्यो.यर्ड.क्ष्र्रेर्या वहिना हेत प्यर द्वानी सुन्य कु वद्यय वह्यु योद वा धीद केया वया सुन्य राष्ट्री द्वारा न्गेवि'स्रक्रेवा'वासुरा'त्य'द्रन्य'वुँस्रा क्रेवि'त्यस्त्रस्यायर'द्रवा'यस्यस्यस्यस्यस्य न्यार्वेन् भ्रुप्तेति त्युषा हेत् विचायाधीत्। क्रेंत् त्यसायोग्यायाचीता विचायाह्य स्वायाया यानवरामें बिनानकरमान्। सुन्दराभी भी ने निर्देश कराना नाम निर्देश कराना नाम निर्देश कराना नाम निर्देश कराना नाम देवे विवादशासक्त स्वाद्धी त्याया द्यापा द्यापा स्वाद्धी स्वादी स्वादी स्वादी स्वाद्धी स्वाद्ध हेरास है त्र शुरू है से या ने नुरासी त्रुया शुरू । से देन निया वर्चे र कॅर प्राविषा छो रेर के थेया क्षे प्रविषा चुराविषा चुराविषा के प्रविष्ट हो है। प्रवाद स्थिति ॔ॶॖॺॱढ़ॆढ़ॱॸॣॴढ़ॎॿॖऀ॔ॸॱॻॾॕॱॻक़ॗॸॣॱक़ॕॸॱय़ॱढ़ॸॣऀढ़ऀॱॿॕॺॱॸॗॱॸॣॸॱग़ॗढ़ॱॴॿॖढ़ॱक़॓ढ़ॱय़ऀॺॱ म्बर्यायते न्यावर्द्धे राष्ट्री केंब्रा कें निले में किंदा देवा उदा द्वारा है। युक्रा हेदा वद्देवे होदा वयावरावावीयाविवादवीयावर्वास्त्रयास्त्रयावयार्वे याववृत्तस्त्रीरावरुवास्त्रे देयाववृत्तर्दः तव्यानदीः नवो नातवादः रे त्यूना व वेवा न्यवः श्रीः यया वया वरान विनः श्रीन्। र्दर देशकीशकी सबरायर। या स्राम्य स्राम स्राम स्राम स्राम्य स्राम्य स्र म्यायान्त्र क्षेत्र विवायम् नर्ग्या स्थाय । विवाय विवा श्चेरविर्वरावरालेवरविषाणी र्मेर्सियादीयावराउवरावासूया वदास्वेरावासूय दिवारा बेवा केत बराव बेंच वर्ने न की में ने केंग्या यदि यन्त न न विवास के तालिया है न नेति क्रुव नहव यालेगा चुर व ने के रेया वचुर केव ये लिया छ। । नेति स्ट्रेर नुः स्ट्रीर हेया इत्यायते वृत्यक्ष्या क्षेत्रा क्षेत्र हेते क्षेत्र हेते क्षेत्र के यो यो या यो या यो या यो या यो या यो या यो य श्रीयाः वरः वर्षाः सक्रीः सार्वेरः याः वियाः स्तुरः स्वा वर्षाः वर्षाः स्वा सक्रियः सक्रियः सक्रियः स्वी स्वा स पश्चेद्रादेशक्षेद्राहेशक्षेत्रभाष्ट्रभाष्ट्रभाषायाः प्रदेशकार्यः विष्यास्त्रप्राधे हेर्ग्यायाः विष्यास्त्रप्राधे त्रपु: ब्रुरः वाहेशः ५८: ख्रुवः पदि: श्रेशशः वाङ्गेनः ५२: ५वो पदि: प्रवेशः विश्वः वाहेवः क्रीः सर्वः वयार्श्चेत्रावह्याः वीः श्रृंद्यायाञ्चरयाः वीरा वश्चवायाः श्रूरात्रुयात्राः वेताः वेताः वेताः वेताः विवायाः व क्चैर्यायसेन् त्रस्य केत्र ये प्रस्ताया स्थित या केत्र ये प्रमाया स्थित स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्थ गिलि देवे र्वेचा वया वेचा केव यहें सूचाया यया शुरानुया चाराची वर दुल्वाया ग्राट रहा यद्भियाः योद्याः स्वार्थः स्व केव यें क्रून या छो क्री नयू क्रुं वे मावन केव वर मी नेव केव प्येव या क्री वर्ष्य यूव तर्षाक्षिः सर्रे त्यम् वुरक्ष्या सेस्रमः सेस्रा हिष्या स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स्थानि स

यक्षियात्यात्रस्य प्रस्ता विष्यायात् लेखा क्षेत्र हे के देवि लेखा सुरस्य या *ঌ*ॱढ़ऀॺॱॎय़ॱॸऄॕढ़ॱढ़ॱक़ॣऀॸॱॾॖ॓ॺॱॸॖॸॺॱय़ढ़ॱॿॖॸॱक़ॖॖॻॱॻॖऀॱऄॺॺॱढ़ॸऀॱ୴ढ़ॱॺॺॱॺऀॱ र्दरम्भामान्यम् स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर्त्ता स्वर यम् अन् अन् त्रिया त्रुवा स्रो या विष्या स्रो या विष्या त्रिया त्रिया ने स्रिया विष्या स्रोति । प्रशासी मार्थे विश्वे के कि ने का मार्थे के मा यक्के.ध्रेट.क्केल.यपु.जु.ध्यासंबर.क्ष्यांबारपुर्या ।बा.युव.टट.बु.झुलालाक्थंतरास्पुर रैट हु। विट्रा क्वेंद्र मुद्राय अक्षेत्र य भ्रुप्त वर्देद क्वुर या विक्वेर यद्या मिल म्याः सर्भेरः हेः पर्भेरः यरः पद्यी विसः पश्चिरः सर्गे पर्वर्धः स्वरं सर्भः सी स्वरं म्बर्यायते सुन्द्र व्ययायद्यायते में तयदायदे न नुस्तर् सुन्दे सुद्रे हे से प्र धीवाया दे:द्येराचलवाचायों हिंवा हिवा यदेवयायते द्वया दुः हुवा यराया र्वेद याय के। यर-दुःकुःयायाको व्ययरःश्चेत्रःयायायाकेयायित्रः यद्याक्चित्राश्चीः व्यक्तिवाः वाः प्यतः विवाः वा स्वारं वा स्वारं स्वारं हो वा वा के वा स्वारं वा स्वारं वा स्वारं वा स्वारं वा स ॔ख़ॣॸॱॻॳॸॱढ़ऻॱॱ॔ढ़ॖॱॶॺऻॱॺॏॺॱॸॺॱय़ढ़ऀॱक़ॕ॔ॺॱढ़ॸऀॱढ़ऀॺऻॱख़ॱॺढ़ॱॿॖॆॸॱॵढ़ॱय़ॱॸॸॱ। क्र्यःश्चितःत्रपुः क्रूचः त्र्युपुः कः मुचः श्चीः हैः स्ट्रमः न्व्या श्चेषः त्रुः वार्यया श्चीः त्रयाः श्चीः द्रयाः तपुःश्चेर्रः रचायः रुषः शुचायः श्चेत्रः र्वयः विचाः तर्चाः तयाः श्चेरः श्चे। श्चेत्रयः शुः चचः याः चारः विवाःवायवः यमः वुः नदेः केंयाः ग्रीः रेयाया दे। इया नवाः नने केवः विनः वीः क्रेवः त्ययाः यायमाः मृत्यारम् प्राप्तारम् स्वाप्तारम् स्वाप्तारम् स्वाप्तारम् स्वाप्तारम् स्वाप्तारम् स्वाप्तारम् स्वाप्तारम् चुर्यायते र्स्ट्रेन पुर्केषा रते न र पुर्केषा लु त्युवाया है त्यूर पुर पुर र वीया रवाया रेसा लेवा। नवन्त्र। केंब्रालुनुबाबेब्रायीःगुवन्त्रेनिन्द्र्यान्त्रायाः वीःगुवन्त्रेनिन्त्राहेब्रायाः वबर में प्रेन न ने दे होर नु से सहुत नु वान का कु नर । गुन होर प्या में से न न पन्दः येदि क्षेत्राया सुप्तर्रेया न्वीया गुत्रः क्षेत्रः पर्रेयात्रयः स्रेत्रः येवायाया विवासीः वर-तु-वर्ष्ठन-वेवाय-ये विवास्वाय। निर्धायात्र-स्वीर-वर्ष्ठ्ययाने क्षेत्र-स्वीत् विवास् यःभ्रः तुः विवा ध्येत्। भ्रेतः यर्डेवा यः श्रेः वार्डेटः यदे त्र स्टः तुः त्र इतः वार्वे स्टः विवास्य वार्वे स चुलैगासुगर्यास्य श्रेन्ये भ्रेत्रेत्र श्रेस्य श्रेस्य श्रेस्य स्थाप्त स्थापत स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्य स्थापत स ने निर्मर मिर धिव चे र दा वो वो वा बा के दिन वा की मान की तर्ने वित्र मु प्वचट तर्वा केंग्र या वेश्व या ने तर्ने येन तर्वा केश्य वावत क्रीश प्रश्र या वेश श्रेयाश्वासायश्वात् त्रुरायदे केन्द्र केंश्या श्रीतात्र प्येता सर्देया होन्याने हेन्या यहेयाश श्चित डेबाड्या यर देशी के दायर। हेराव गुरा वा वा वा के दिन ही हो हो र गठेग लु अ हो। क्रुव लेग ज्ञू र अ व अ हे अ अ र य र य र य र व व र अ से अ सु र र । क्रुं वित्यायायायत्त्रत्त्रस्त्रम् च्यायायाञ्चेताचेत्रक्रियायत्याययायस्य स्त्राप्तते इस्रयास्त्र नित्रात्र स्रिट्यो स्रिवायाय मिर्वाया प्रीत्र ने द्वारा स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स् यालक् त्यात्रक् त्यते मृत्यू हो त्या त्या त्या या त्या विष्या या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विषय बुचा चीय क्रेंय छव द्वाया व्यायम स्थाय स्थ्रीत प्रक्रा हिन स्था क्रिया स्था हिन स्था स्था स्था स्था स्था स्था स शेस्रायात्रम् वस्यात्रम् व्यात्रम् व्यात्रम् वितायात्रात्रे केन् न्तुः ह्यात्रम् व्यात्रम् व्यात्रम् वितायात्र यान्ययानदे मेना नदेशमाली न्येन यान्य मन्य मन्य मन्य मन्य मन्य स्थान श्चें याश्वराद्धेयायाद्वेयायाद्वयायद्वायाद्वेयायद्वेया र्था.योशीय.प्रयातार्थयोत्तर्यात्रकीर.की.र्या.स.स्था.कर.वीर.क्ष्य.की.प्रकू.क्ष्य.तूर. ষ্ট্রিবাঝ'বাউবা'দু'বাইইঅঝ'দ্র'ঝঅঝ'ডর'রঅঝ'ডর'অ'বাইইঝ'ম'র্মৌর'র্ম্লঅ'মরি'র্ম্ভাম'র

यास्याने निर्देश स्वापान वियानिया निर्यास यास्यास्य स्वापानिस्य विया है। दश्चिम स्वापानिस्य स्वापानिस् श्रृट व क्रुय के के दे चीर चर्षीयया क्रीर मुची क्रुय स्थर च क मध्य क्रीर मी च त्या यह या कुर्थार्वेतायते कुराबुरायार्थेत्। नयायात्रासुर्याब्वेशस्रेत्रासावेत्रात्राह्म केद में बिन नुषा भें दावस्थाय दा भटा सदस कुषा विवाय दे हे कु राव शुरा से विवा गुबःक्वेंद्रावीः अः गुबायिः इत्याद्यक्तुरः स्वट्याने गुबाविदाद्यात्रया केंबानुबादिया ने भूर केंबा लु खुवाबा ने बारावे वेंबा व्यार र रेवे वार वकर ११४ वें र पवे केंबा की रेवा यानने केत्र विरावी ह्येत त्या पीत विरा तने सहित या में सुरा सहिता त्युरावार ययायमुर्या र्सुम्ययापः द्वानेम्या द्वान्ययायायस्य स्वर्थः द्वानः धीव: ५८१ नवीं व्यक्ति विष्या वी देव दुः यहँ । वद्येव वहँ दि व देव विषया हैट दर्गेषा वर्वेय प्रायार्थेम्य प्रायम् द्वा अर्ह्द यार्थे सुरा अर्ह्द वेरा द्वा सह्यःत्रात्त्र्यः व्याचितः व्य सह्र-ताल्चेया अधिकार्चीयः राचौत्काशिष्ट्री खेळातात्र, शिवकार्चीया भाषात्रा क्यांकाला है. डेका नगातः ह्रेटः रेका सुःसाळद् यादी स्नावस्य विटः ग्रुवः या वहेका यदि वसूत्र तिहेत् ग्रीः श्चेरान् केर दें प्रेट्र या या या या या पर होते । श्चेर्य या या पर विद्या पर या पर व्ययायह्यायाध्येदालेदा वेदायदेन्दा वक्रीयेदासङ्घा क्षेटाहेयहू न्गरधिते अर्ने त्या सेवासाया यस वातु सामिता सर्ने ने न्वा यस वातु सामा निर्मा स कुर्गातर्रर्यस्तर्वरायम् स्रूर्रे कुर्रिन्यामी स्वित्रयास्य मित्रयायाया वित्राधित्। त्दिते ह्यद् केंब्रा झुक् केंद्र साधिक या के लिया धीक ले का वि यदे लिया के बार साधिक स्थाप धेव प्रस्य सन् सुर्वा या पश्चेत से द्वा विष्य सम्मित से स्वर्ण केव प्रस्ति से स्वर्ण केव से स्वर्ण केव से स्वर योत्। श्वीरावस्त्रतावर्ड्यास्त्रयापान्दावत्रन्यत्रस्त्राच्यास्त्रस्त्रवाचीःस्त्रेवास्त्रस्त्रस्त्रस्यः

दर्यस्थाः कार्यस्थाः स्थाः वर्षे व स्थान्यस्था मानुस्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य यत्र विज्ञायान्द्र यो या या विज्ञान वि र्थेन् यदे बन्ने विने केवा वी विने बिन में बाबुन विने वा क्राया वे सम्बाह्म वा क्रें रायर वात्या वृति सेस्राय क्रुं रायायम्य या वार्डे विराव बुदा म्याव स्वाया विवायिम्। न्तुः द्रशाल्यका सुः प्रसूका यदिः ने दि । वने या उदा नुः स्रो । यदि सुः यदि दे । विदे । के दि । विदे । विदे । त्रतः त्यया त्यत्व द्रात्र त्यवेषा यदः स्त्रीय त्ययाया स्त्रीयः स्त्रीतः स्त्रीतः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स न्दायहेबायते बेदायो दिक्के त्या प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प् यदः धेरा वद्वेतः द्वेषाया द्वे वद्दे द्वः वस्तु प्रवेश क्रिया स्वया या द्वेषा धेरा यदः <u>२२.२८.शूजात्त्रात्रायात्रायायात्रायात्रात्रायात्रात्रायात्रात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्राया</u> यरतर्देरचे द्वारा है नदे न उद्गाद क्षुं नक्षु नक्षु नक्ष्य नदे न उद्गादि है विरावस्य सु: क्रुर विद वियय दे वया यदय क्रुय विद वय या क्रिय दिय वया क्रिय दिया सु यह्नद्राने सद्यास्त्रस्य स्थित्। वदी व्याहेट द्रवेशियस्य स्वीश्वास्य देश विवाः भेरि : डे वा अधरः श्वाः सेस्र शास्त्र । इस्य । इस्य । इस्य । इस्य । इस्य । ब्रिटःश्चेत्रित्रः स्टाची व्रदः नुः प्यदः। व्रिश्रशः व्यवित्रः वर्षेत्रः व्यवितः वित्रः व्यवितः वित्रः वित्रः व्यवितः वित्रः वित्र यास्ट्रस्य यास्ट्रस्यो विति क्षेत्रा देवा याद्वेस्य यास्य स्वर्धेन स्वाप्त स्वर्धेन स्वर्येन स्वर्धेन स्वर्धेन यम्याप्य त्यम् प्रति । योशियाः श्रीश्रान्यकुरश्रानादुः चर्त्रेषः चर्त्र्याः वक्षरः वचयाः श्रीः श्रिचः ग्रीः जीयोश्राः से प्रः देः चित्राः यो विवास्त्रराद्योपासून् सीर्देव वासुसायस्य विवासराद्योपासून सीर्देव। वरादुः

सर्द्रमे नित्र में देव त्या सर्व्य क्रेंस्या सर्व्य देव त्यो या महिषाया

८८:म्राज्यस्य देवा

न्तुते लयः बुदः व विन् प्पेन् यायने नेन् सर्दन्य येते सर्व न्दः वरुषाया हो। য়৵৻৴ঀ৾ঀৢ৻ড়৻৵৻ঀৢৼ৾৽য়৾ৢৼৼ৻ড়ৄ৾৵৻৴ৼ৾৾৸ য়ড়ৄ৾৾য়৻য়৸ **য়৸য়য়৾৸ৼ৸য়৾৾য়**৻ सक्दादेव त्योवाया महिषाया अर्द्धन देवा त्योत्या वा अर्द्धन या येति अर्द्धन वीदावया बुरुप्यासूत्रप्येताचा इसान्यान्डेर्यायासुन्यापति देवा श्रीमान्या <u> २८.श.२व..कुराता ने भुर.वार्का वीष्ट्राचीय अश्वरात्रात्रा त्या. ५८.श.२वा.वी.की.की.</u> जीयारानुयाः भेरा विदा । क्षेत्रायाः सूत्राः सूत्रायाः स्वायाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयः स्वयाः स्वयः स्व रयायाञ्ज्राधीराष्ट्रीत्राधीतिराते प्राप्तायाधीता तत्त्वा छेत्रातुत्रायात्तरा द्वेतायायात्रता र्यात्यातःरेषासान्यायाध्येत्रावेषास्त्रान्यायाध्येत्रावेषास्त्रान्यायाध्येत्रात्यायाध्याया न्यायाधिव विवायासुन्याने। है सायनुव र्डसाया वसवा उन् श्री सञ्जूव सूराया क्ट्यायार्यायाञ्च क्रीमार्बेटाब्रूटाब्रूटाब्रूटाब्रूटाव्यया रटारेयामार्बेटाब्रूटा व्यः बर्रें क्षेत्रं वर्षे वरत क्रॅंग्रयायार्थेम्यायायदीः द्वायोद्यायदेः द्वायदेः विद्याययाययात्रे वा सुः द्वीतः द्वीयाः वस्तवस्यते वे सुराणे । दे सूराणे व सुरावद्या सुराय सुराय के वा की वाद्या चित्रः ब्रिटः विश्वश्वाचीः प्राप्ता विद्याः प्रमुखायाः यो क्रिक्तिः स्रायाः प्रविदः स्रूटः था अप्राप्तवा या सुरास्त्रदाविदे विदाविस्रारा भेर्ता ग्राह्म ने तदा भदासा सामित स्वराविदे वा उत्तर ही।

वियायन्यायायञ्चा श्रीयाय वटा वी लियाया श्रीटा

ब्रेट विश्वर्थ सुंखटर्थ क्विय देन द्वावा सेन यदे सूर्व क्वि श्ववाय वस्त्रीन दर सूर्व व्यय स्थित नवरःग्रीयःक्षेत्रःवितरःगन्त्यः वुःक्षेत्रः ययः क्षेत्रः स्थ्यः क्षेत्रः क्षेत्रः विस्रयः नरः वरुषः सः इस्रायर द्याया वार्ड्स बिद वार्ड्स स्रार श्च्रीय प्रति इस्रायर द्याया प्रीव प्रस्य द्वस्रा न्याङ्गायास्त्रमा पर्ने क्रेन विदालेशायात्री विदायस्याने त्याः भ्रीपाञ्चरस्यान्याः कुर साधित प्राचना सेन् त्रर नी पाने पाकेत में हिर हे त्रिहें ब्री सम्बाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्वाधित स्व <u> न्यातः यने प्रहें न् श्रे : श्रेश या न्या स्वायते यने प्रहें या केत्र से प्रीतः यश्रा यने केत्र लेशः </u> योशीट्यातालाची रे.क्षे.यी.यर्.या.यंष्ट्रेयाता.ये.योट.र्ये.ल्.रं.यं.व्यंत्राया.यं.यं.यं.यं.यं.यं.यं.यं.यं.यं.यं पतः वुदः कुवः सेस्रयः द्वस्य स्थायः सूत्रः प्रयातः हेतः प्रदः वहेतः यः दर्वेषः वः प्रदः। हेत क्रेंन ग्री बिट विश्व मार्चे में र क्रेंब मार्च कर बिट बेश मार्च र या प्रेंब । मी लेषायावीयाञ्चारहो। यदीवीञ्चेतायमायदी हितीज्चेतायमाध्येवाचे यादी हेती बिट वी 'र्बेड 'यया प्येव 'या दे 'हेट 'वी 'बेया यदी 'प्ये 'वो 'यदीया यहाव 'प्येट । ह्रेवि 'यया बेयाया वे क्केंवायायया दुः चुयावया क्केंवा चुति देवादे त्वच्चायम चेदायया व क्केंवायय। चलुम्बार्का के लिकाया है। ने स्थान्ति के के स्थान स्था सक्र चिर मी में से प्राप्त सक्र में स्वाप्त सक्ष्य स्वाप्त स्वाप्त सक्ष्य स्वाप्त सक्ष्य स्वाप्त सक्ष्य स्वाप्त न्वींबायके प्येन्के वा तयवाबाय सुक्षिय की स्मिन्यावा सामित्र वा स्वार्थ स्मिन्य स्मिन्य स्मिन्य स्मिन्य स्मिन्य व। विह्नवाहेव.सम्बन्धर्मात्रम् विद्या वि.चम्मामविष्यः यय। व्रिंगः इस्रयः सेटः दुः तर्देश्ययः सरः सर्हा विरुगः स्र्यः मुस्यः सेवाः हेब क्चि विस्रक क्ची के का बसका उदाया सेट विषा गाहब बका सेट व स्वर कुंब या गीं नहा

श्रेवाश्वायान्त्रेत् प्रत्याचात्रायाः श्रेवाश्वायाः श्रेवाश्वायाः स्रोत् । स्रोत् । स्रोत् । स्रोत् । स्रोत् । म्रेट्यायाधीतायाङ्गी भूवायायाद्याद्यायायाञ्चायायाञ्चात्रीयायायाञ्चा ने सु प्रयान तहिया हेन त्याय तन्य पति नेन ने सीट की सार्केन पहिंद त्याय तन्य पायीन षरः ने : षरः तन् रायः धीतः लेराः यदेः क्षेत्राः केताः वीत्राः सर्वेतः न वीत्राः यत्राः सीरः न् रः न सः वाः यानहेत्रप्रत्वेद्रप्षन्यायाचेत्। वहेव्।हेत् क्चीःयेव्यव्यव्यत्वः स्वय्याः स्वर् मुर्थाण्ची:अञ्चुत्याचीद्वात्याधीदाधीदाधीत्वी:यस्। व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्या याययायाः स्वायाः हे केवायाः न्यायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्व नसूत्र नर्देवा क्षी सर्वत र्सेवा या प्राप्त ने वा प्राप्त रवावद्वीर द्वावासुसाद्दर सुराव। वार वावादवर धे रवा ग्रीसासस्य सर्वेर वार्षसा য়ৢ৾য়য়য়ড়ঀ৴৴ড়ঀয়ৣয়ঀঀৼ৴৾ঀ৻৴য়৾ঀয়য়য়য়ৣ৾ৼৢঀ৴য়য়য়৻ঽ৴৻ঢ়ৄৼ৴৴ড়৴য়৻৴ঢ়ৄ৾য়৻ रवाषारियार्ड्यालेवार्ट्स्प्रियायां वीषायेषाया यास्रवरायदार्ट्स्यायदे स्वीवाषायादा नुःवार्तेवाश्वरं अविवाः वेशायाधीत्। वारा चवा न्वरा देश द्वा अधीव । प्यारा अर्धेवा अर्थेवा । नमान्वतः न्राके देरानराञ्चे नमानका नर्दयाञ्चानदे प्रति । देशाव तदिते सक्त श्रीभायसून श्रीते गर्डि में यदे केन लेट पीन लेट । यदे या उन श्री बिरावर्ने बिरावस्याम्बद्धान्यस्य माल्यान्यस्य विदानि विदान देन् अर्दे ते नवीं नया स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स नुरक्ताग्री सेसस देन में किस सुमाय हुन निर्माय है। विरायस सन्तु नुरन ब्रिया: प्रेंट्या: सु:या बुट: प्रते: केट्: टु: प्रविद:या ने या या प्रदेश : हेद: ट्वट: ख़ुया क्कुय: प्रेंदि:

थॅव हव श्रम्भ उद्यो निर्माद्या दे स्मृत हो द्यो सु द्राप्त वर्ष हो त बिंद्यः ५८१ देवे : र्राट्यें द्राट्यें द्राट्यें स्था क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं क्षेत्रं व्य विर पत्रवारायम् । दे सूर प्रसूच प्राची प्रस्वा प्रयासी राजी स्विप प्राची । रेट या वेंग्याप्त प्राप्त प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व सर्देव ने विषय मुरुव। सरमा कुरा ते निर्मा से न र्या.तर.यह्य.तयु.चन्नम.योथ्य.त्यायेषा.तयु.सैचन्न.सी चन्नाचु.मै.मकुपु.र्येता. क्ची:श्रश्रादे प्रतिवेद प्रतिवाश्याय प्रति केत स्क्षेद येति सानुत पु विद विस्थाय पा बुद प्रति स्क्रीतः रे: यदः यदया क्रुया क्री बिदः विहेना हेन क्री विस्रया द्वी वा स्वना या या स्वेदः नी ह्वा स्वेदः प्येनः ॸॖढ़ॱज़ऒऀ॔॔ॖॱय़ऄॱक़ॗढ़ॱॿॺॺॱॶॸ॔ॱऒॿऀ॔॔ॱढ़ॏढ़ॱज़ऻॿॆज़ऻॺॱढ़ॺॱॸढ़ॱऄऀ॔॔ज़ऻढ़ॱॸॖ॔ॱक़ढ़॔॔ॸॱक़ॗॱज़ॸॱ त्रश्चरावते सरसा क्ष्रसा श्ची लेटा दे प्यटा प्येता हता सुता सुता सुत्रा केंद्रीय स्मारा त्रश्चीरा वर्षेत्र । क्रेरायार्द्र-व्युवानाब्रीरवाल्य्री वर्षाक्षिवान्त्रः वर्षाक्षेत्रः वर्षाक्षेत्रः वर्षाक्षेत्रः वर्षाक्षेत्रः शेसरान्यते सर्दे यान्द स्रोकारत्या है ज्ञास्य स्रोजें साही स्वाया स्रोजें स्वाया स्रोजें स्वाया स्याया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वय यार ख्रेर प्यर दिन अर्ने निर क्षेट हे यन नगर क्षेत्र की देश ने वे त्यर वक्षय व ही

বাধ্ববাব্যমমান্ত্রমান্তর্মান্তর্মান্তর্মীর ব্রুবাবী ক্রিনিনাত্র মিবামান্তর্মিব ক্রিন্ত্র याक्का अर्के वृत्तु विवा अर्ह्ना अर्द्रा अर्द्रा युः सर्ह्रा या दे स्त्रे दा यह स्त्रे दा यह स्त्रिया विवाय स अट.तृषु:रेज.शुंट.क्रीचश्चेज.यषु:यर.टे.बुट.विश्वश्चाञ्चर्याचेट्य.टेट.श्वेश.तर. वश्चेरः रवसः रदः। देवे विवाहः वस्तरं वस्तरः वस्तरं विवास हिन्दे। श्रवर वियोग नश्चीर ब्रीव तथा देश तर देया तथा गीव तथा गीट विर तर दे तस्योग यदे विरावस्या वर्ते भू चु च बुर च पर । कुर केर य देव भू र वा केरा सु ब्रैंबायन्दर व्यानवे केंबान्वीद्याके व येवि दराने यया या विष्यान विव नु पो ने बार्य થો·પ્રદાસન્દરાપ્રેનુ સાસૂત્રેઃસદરા ક્કુસાસુઃવ્યાના વસાર્સો સેંપ્ર ફેના પાતે ખો. વેરા છી: रदः सद्दर्भः सुवः सूदः वः सम्रदः प्ययः यद्भद्देः देवायः श्रीः वर्षे वर्षे देवेदः वृदः वेदः दे हिद् वादः तर्वाचिताचित्रः मूरः हेरः श्रुवाचित्रः वश्वाच्याम् सुरः वरः वावायः सहस्रः सुर्वादे दिवा यर-तृःतयम्बार्यायते: सुम्बार्याय सुनु-१८८ द्वेति । यसा क्वीः स्वरः यहमा प्येतः यसा है सा विहा विस्रयान्त्रचुर निर्देश्वेत यस क्रिकेत में निर्मा निर्देश स्त्रु स्त्रिय विस्तर विस्तर विस्तर स्त्र खिर्यर र्रित्यवार्य विवाधित। दे प्यत्र कर् क्षेत्र विवास र रवी य सार्वी देते सक्र क्रेंस्यायान्द्रास्य देवादे वे विद्योवायाया स्वीत्राया स्वीत् विद्या प्राप्त प्रमान मालुद्र-मी-देव-धीव-व्या

म्बेश्यायस्य स्तुः द्वी स्वाबुदः वी देवी

म्रोध्यायप्रप्राप्त्रम् विद्या विद्याप्त्राच्या विद्याप्त्राप्यम् विद्या

<u>बियःयन्यायःयङ्गः स्र</u>थःय ३८ व्योः तथः यासुरः।

र्नेतः क्रेंत्रः यस दिवायम् । प्राधितायम् ।

५८:मॅं क्रेंब्रंब्राययावरे हेन्हे सूरावकट बेट सुमायान्यानु ग्रुपा

<u> २८.मू.श्रुंय.जन्नात्रम्,ध्रेर.ह.जैर.ह.जैर.वकर.बुर.ध्यानार्यारीया.व</u>र. वार्भेकार्या वर्ते केर्क्या सेर्म्स्या स्वार्थित । स्वार्थित वार्थित व नममा विकासन्यस्य विकासीमा विकासिक विकास मर्पेर। विभागसुरमाहे। यदी हैन कवा सेन स्वाम नसा सहिन हे सार्थेन <u>शरशःक्रीशःपुर्टं रेतयो.शुरं ज़ुशःशरशःक्रीशःवुःयःचियो.वियो.चक्रीःक्रुंरःस्यो.चक्रैरं छै.स</u>. यक्षियाची लेट विस्रार श्री भेरत हत योदि या बस्रार कर हिंवास यक्षिय हिं यक्षिर या प्रार । र्-र्-र-र्-अश्वास्त्र-विर्-सर्वस्याश्वास्त्रित्विर-विराधित्वास्त्रित्वास्त्रित्वासः वुःचःक्रेंदःचर्यसाक्रीसासी विचायदे देःचित्रस्यविष्यम्। सामासासी सामासासी विचायसा ने:न्वाःवी:धेर्व:हद:न्दर:न्वाःहु:क्रुं:नदी:कु:न्दःन्वरुष:यःवाय्वदःन्ययः,न्दःविदःक्रुद्यः बिट [वस्रयादे त्याः यु] चति केन पुर्वे पुर्वे होन क्रिया ग्री त्यव्य प्राचित्रा विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या चदः श्वीया र्रेचया न दः श्रेव या या श्री हेया स्या सहुत्र या राष्ट्री वा या सहुत्य या सहीता या सहीता या सहीता न्वींबायबा ने सूर्य पने पाउन वा सुनिति हुन वा सार्व हैन कि सार्क्न पुरा हुन हुः सः कवा स्यरः वुः द्युवः वः वच दः विका धोव। देः ईसः सः द्युवः वः प्यरः होवः रेः वविवः दुः क्रुवः कर्योर्यस्कवायोर्रित्यावीयार्क्षवायर्रेत्यार्यस्या वर्रेत्यवित्रः स्थिर्शीया

५५.त.शूब्र.चीब्र.२८.पव्यात.२८.। जीब्र.कीचीब्रातीब्राचिवा.२८.वजा.शु.मैंप्र.थवा.पुर. न्यवा सेन् तिवेर-न्द वरुषाया वाषाया सूद त्याषा सावायो द विवेत नु सुवाया श्रीन्याया क्षेर नी र्योभ र् केर्य नेवा रवो क्षेर मध्य ४५ यो वर वय वा वर के व ये वर् सर्हेन् डिमा डेस मसुद्रस या भेता समायात स्परादयन त्रस द्वीस लेसाय दे। য়ৼয়৾য়ৢয়৾ঢ়ঽয়ৣয়৾য়ৼঀৼয়য়ৣয়য়য়ঢ়য়ৣয়য়য়ৼৣয়৾ঢ়ড়ৼ৾ঢ়য়য়ৼয়য়য়য়য়য়য়য় भ्रम्यश्यर्रे हे तर्दे तकर मत्या क्षेण या प्रमा धार्मे तर्दे तही मत्या यद्येर.यह्या.तयमा यद्र.धेर.लीज.ब्रीयान्याद.री.यर्थयान्य.प्र.म.क.समन्य. न्योःबैदःचग्राःबैद्या योग्रयाः अध्ययःख्यःग्रीःसूयाःचस्यःयःयः वदः वदः नदः नदः वद्येयः चतःश्रेश्रश्रः इषः द्रयोशः क्रीचेवशः द्रयोशः क्रीचः श्रेतः श्रेतः श्रेतः श्रेतः श्रेतः श्रेतः श्रेतः श्रेतः श्र वयायने या उत्रानु भुग्ने यर त्युर रेलियायायुर या वा नेति धुराव तर्ने भेना तहिया हेत्रः ह्यी विराज्याः सुर्वाः स्वेदः द्वारा प्रतिः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वेदः स्वादः स्वेदः स्व षदःतवदःयःवश्चेदःदशःविशःविषःकेशःवदेःश्चेदःक्चेःद्येःकःवदेःश्चेषाश्चादःदुःख्विवः मन्यः श्रीमः भैमः डेमः मसुद्रमः यः प्रेमः नेदः दुमः स्त्रीमः यरः दृदः तसुवः यरः वः र्शेविश्वासाधीनो होता निरं हान्या क्षेत्रासार हो स्थित स्था निरं हो निरं हे स्था स्थानी यर रे हैं या बेयर प्रव भेव हो यर व रूर है र श है या है या किया प्रव केर र है र यर संस्थिय। वेर प्रदान कर सूत्रा केर र से अपन स्वाप्य स्वीया वतर स्वत स्थित प्रयास स्वीया की ह्यतःयः व्यद्भायम् । द्वारा में व्यायमें व्यवदः यवः व्यवः केवः वे व्यव्यदः यादेः देवा वायवः र्नुया म्राम्या स्थाति । स्थात ঽঀ৾৾৽ঀয়৽য়৾৻ঀঢ়৾৽য়৾ৼ৾৻ঢ়ঢ়৾ঢ়৽য়৾য়য়য়৽ঽঀ৾৾৽য়ৢয়৽৻ঢ়ঢ়৽ড়৾৾ঀ৾৽য়য়৽য়৽য়ৼ৽য়ৣৼ৽ঢ়ঢ়৾৽য়য়য়৽ उत्रः वित्रः हुः सदः से दिः द्वाः यः यत्रः व्यायाः त्रयाः यस्याः स्वरः यो स्वरः या स्वरः या स्वरः या स्वरः या

वियायन्यायायञ्चा श्रीयाय वटा वी लियाया श्रीटा

श.जीय.तर्राह्म्योश.वीर.ह्या.तपु.कीं.ये.पवीय.वपु.धुर.रय्यूश.रर.। ययोप.जा.खेश. यानी प्यरानेती नरान्या हो निवा यान्या तहीं रार्कर प्वती स्रीती खुर्या हेन उन तहीं स्रान् नि यशक्चीः सप्तरङ्ग्रीकार्येन् यातन् इसस्यात्य विवास्तरः विवासो विवासायस्य यात्रीतः बेषाम्बर्धरमायाधेव बेटा क्रेंव यमायरे हेन नसम्बर्धाय है हिट नमें बार न नमें बार यं लें राव्यानसूत्रायाधीत्। द्यां यार्डे रावर्दे रासी यादवात्रायाधीर लें या ये। स्नेत ययायर्ने छेन् ग्रीयाया वियायदे याक्ते यात्र य ইবাঝ'মন্ত্ৰ'ক্টৰ্-'ব্-'ঝ'ষ্ট্ৰৰাঝ'ন্ত্ৰি'ঐঅ'ম'ডৱ'ষ্ট্ৰৰ'অম'নেন্-'ষ্ট্ৰৰ'ঊ'নাইবাৰ্ক্স' यर चें र ख्रेय स्नुय स्नुर दो वार्डेन द्वेन तर्नेन यानव वानव तत्वय पेन व नचे याद्वन या ब्रेन्यरम्भेरन्ता ब्रिन्स्रिन्थायर्न्ड्रेन्स्थायत्यसङ्खेयान् पर्वा नर्शन् नम्भाष्ट्रियायाधीत् । विदेशासाधीत् । विदेशीत् मुन्नामानसूत्राया योदिःयानुवायान्येःयार्केन्द्रातह्वाःयरःयानन्देवःनेवःययन्त्रयानेवःवरःनेवःयोययाः यादेशासु पठुवा से से सम्भारत सार में बिवा परे पाठन र सुने प्री परि सुने सूचा परि से विवास था क्चें विश्वेषिकार्युः कुषा न्दरम्बर पिदानिकार्यो क्षेत्राची कारी द्विताय पिदाने के वासूद्राय पिदा यित्रात्तात्रव त्रियः योट्यकात्रयः यह्ते त्रा ही।

महिषायायम् पेन् मान्यषायम् यहेन्या

त्तीयसम्बद्धाः स्वतः स्

र्देव वस्रका उद्देशीय विश्व वि म्रम्भारत्र क्षेत्र प्राप्त प्राप्त प्रमान प्राप्त क्षेत्र क्ष बियायाब्रदादायायर्थायाद्यायादाद्वी अप्तर्भवाष्ट्रवायायाद्यायाया यदः वान्ययः म्वाः योन्। । डेयः यात्रे विने व्ययः वयः यदः वान्ययः म्वाः विवाः ग्रामः योः न्वींया डेदे:ध्रीर:बेर्वा केंयाचनःश्रीमन्ययःन्वामवन्त्रेवःमवन्यानःध्येतः <u>พर शे श्रेते भ्र</u>ोते म्राया न या या श्रेत्र न ते के दे शे न वे या प्रतास न वा प्रतास वा प्रतास वा प्रतास वा प्रतास वा प्रतास के प्रतास शुक्कोत्तर्रेष्ट्रम् वद्दर्भावः वस्ते विद्यत्ति विद्यत्ति विद्यायाम् स्थितः विद्या विद्यायाः श्चे चूरा श्चेर तर्वीय विय क्रि २४ क्रि यधु यश्चेयराय यह या २४ ता श्चेरा हरा ता २४ ता थे तराया वर्षा वरावियया दे ता श्रीया वया दुया द्वा पश्चीया दवा श्री स्तरा परा कर्ग्मेश्राक्षेत्रे विषयम् याय्यायविष्ट्रे ने याद्या क्ष्यायम् विष्ट्रम् याय्या विष्ट्रम् विष्ट्रा वि केंगः ग्री: सः नः धेरा विषाया वे ति देते स्मिन्या स्युक्ते त्यसा सहन् या या नाह हिन्। यार प्रस्त द्वित केंग रामा लेट विराय या की वार्ष कें या महिता की वार्ष केंग्र की वार्ष केंग्र की वार्ष की वार्ष क्षेकः वया ५ क्षेत्रा विवस्त्री वार्के विन्दा वाहिया सुः साम्रेया विनः व से न्द्रा निदः यदे निया वया वृतःसूरः वः सम्वतः समाम्युरः साकवायः यद्भितः देवायः श्रीयः श्रीवः सूर्वयः दरः न्देशः मुनः ग्रीः नन्नाः चेदिः दुवः श्रीशः रः भेः द्वेशः ग्रीः सः न। अर्द्धेनाः नास्य। वासुर्यागुर्व तर्व राक्ची दे विकाद स्रीवाय हो। वास्तुन पर्ने वास्तुन पर्ने वास वास वास वास वास वास वास वास वास र्बोद्दान्द्रम् स्रोत्रा श्री स्राया स्राया मी तद्याया तु तदी सा स्रीत्रा स्याप्त स्रोत्ता स्याप्त स्राया स्था धीत्र लेवा वासुरवाया दे सूवाया दर सूवाया दे र सूवाया दर सूवाया दे र सूवाया सूवाय क्रम्यायेन त्रमुद्रमानेयायाने प्येद्रामनेन की ने रामु रेन में के त्रदे होत्यर द्राप्त ने राम

वक्क में मुर्शेयाचा च प्रचार प्रचेश पर्दे प्रदर्श मार्थ प्रचेश प् हु : भें न : सुन : दे : या ने न : सुन : दे न व व : या ने न व : या न सुन : से : या न सुन : से : या न सुन : से : वर्से वर्म्भवाः धेवः व। देवः वः वद्दे वेः वर्दे दः देवः श्रुवः यः यः वेदः तः यथा ग्रादः व्रुवाः यः थेव। वेरानुषाकें तदिते तदें दिन दें दिन दें वा क्षेत्र के विदा तदिषाकें रवषा गहत्र श्री सुग पस्य ५८ वय है परे पाउत ५ सुने पाउत १ सुने पाय से ताय स यार्याञ्चरतिषाररायार्याञ्चरत्राञ्चरत्राञ्चरत्रात्रम् **ঀৢ৾৴৷ ৷ঝু৴৵ঈনৠ৴প৾৾৾ঀ৾৾ঀ৾৾ঀ৾৾ৢ৴৻৸৾৾** यम् न्यतः भ्रम्यः न्दः क्रिं भ्रम्यः यदः भ्रम्यः सुः युदः देवायः न्दः सीः तवायः नः लेवा इट देव दट देश देव या त्वुवायाया द्वीट्य खेया द्वीट्य द्वाट्य द्वीट्य या इस्रमास्यात्रकेषाच। यार विषा सकेषा न्या विष्या या मार्थ केषा स्वीति स्वापित है स यात्रातियोगाता वेष्र्व्यस्य स्वात्र्या क्षेत्रः म्राज्यस्य स्वात्रात्रात्र्यात्रात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रात्र श्री समुद्राया म्हा स्वापाया स्वीपाया स सर्नेर्यम्भान्यन्यतिः भ्रेन्यतः । केषाः श्रीत्वीः वा वक्षन्यतिः कुँवान्नस्य नेयान्वीय। क्रेंब्राययावनै वे वेद्रान्यवा योन् क्रेंब्रिट वी प्येंब्रान्व प्यापित प्रदेशयर्ने ५८। वक्रे: येदः ह्या क्षेटः हे: यद्गः दगारः येविः यदे विद्याययः विद्याययः विद्याययः बुषायदे सदी थे वेषासुना कुदे हिर रे वहें मुंश सदी सदे हें र ये में निर्मा स्थाप

यःश्रीयायः महो नगायः दरः नमूतः नर्डेयः यरः भें विवा वी दर्वो दयः देतः ध्रीयायः यक्ति। मृत्यसूर्यायाधीत यया वर्षे केराय में त्युवाया सूराधीत यदी द्वीरात मनाया स्वरादीन गशुर्याक्चीत्रकुर्याये प्रतयायां वितासार वर्षेत्र से सुरावित यात्र कुरुता है से सुरावित से स्वाप्त से से स्वाप वयः यदे क त्र या सर्ने कुन् श्रीन्वीन या नेत्र वन्य या। वक्र वने लिन वहेत स्थाय है। देंबान्नबास्त्रम्भेन् क्रीस्ट्रिन् केंबान्दरास्त्रम् । वीदानुः विदेश्यवान्नवायदेः वाद्यवा रवा सेन हेरा वासुरस विरा नेस द सुर स विवास सिन स्वार प्रति स्वार विवास सुरस थ। त्दिते[,]तदेव,श्री,पेर.च.श्रेर.कुश्रांतपुष्ट,श्रीश्रांत्याया,श्रीया,या,त्रीत्रांतीया,या,त्रीत्रांतीया,या,त्रीत्र थेर्यायार्डेन् क्रीस्त्रुवार्स्धियायाकीन्वीयायाकीत्वीयायस्त्रवायात्रीस्तुन्यस्त्रवायात्रीस्त्र र्ष्याया बीट त्यंत्रीया क्री देवट तीट विदेश मध्याता ख्र्याया स्वता येथा वसीय विदेश होता सर नुःच बदः बिदः सुत्रः सुत्रः स्टेनियायदे प्यत्रः त्यानाः हुः त्य श्रुदः चः दे । च द कॅर्-भीर्याम्बुद-र्देब-दर्देष-य-तह्या-यदि-यद-यया-र्येद-द्वय। द्वर-द्वर्-द्वोन्तः मलुद्र मी देव देव प्रत्य स्वर प्रते स्मानक प्रीव त्या दे प्यत् सार्दे द्र न स्मान पर्वे मान चन्द्र-स्याद्य-स्राप्ते अर्जे अर्जे अर्जे व्यापन्ते चन्द्र-स्यो स्थापन्ते । स्थापन्ते अर्जे प्राप्ते स्थापन्ते स्थापनिते स्यापनिते स्थापनिते स्यापनिते स्थापनिते स्थाप युग्नराहे। ग्रमुराधेन् सेन्। स्टारेशक्षिन्नेन् प्रस्रास्त्रम् सुराह्मुथान्स यावर् यास्यायायावर्यास्य स्टेर्स्से राज्ञे विषयायात् स्वायाया स्वायाया स्वायाया स्वायाया स्वायाया स्वायायाया स लूर्तत्राक्ष.य.त्राक्ष्र्र.य.रजा.ची.क्षेर.ली.य.यथायबीर.यपु.यचर.जीयायाक्षी.ह्यायी. तवरा कुं चले चर्चू च दर्शे संयोग वर् द्या वर् गा वर् ग्री चर्चु द व्यासर् स्थू र श्लेर्यान्य प्रवास्त्र प्रविष्य प्रवास्त्र विषय विषय प्रवास्त्र प्रवास्त्र स्वास मान्य स्वास मान्य स्वास मान्य

<u>बियःयन्यायःयङ्गः स्र</u>थःय ३८ व्योः तथः यासुरः।

यायदेश। श्रेप्ट्रिंट्। में श्लेश्चान्त्राचित्राची श्लेष्ट्रीय। श्लेष्ट्रीया श्लेष्ट्रीया श्लेष्ट्रीया श्लेष्ट् मश्लेष्ठाश्चीत्त्रत्त्रत्त्व्याचेर्त्रत्वेश्चेश्लेष्ठ्राची श्लेष्ठ्रत्या श्लेष्ट्रया श्लेष्ट्रया श्लेष्ट्रया श्लेष्ट्रया श्लेष्ट्रयाचेर्त्रयाचेर्त्रवित्राचेश्लेष्ठ्रया श्लेष्ट्रया

महिषायामालुदार्देवाञ्चेताययाद्देवा

पालनुषाधिन।

पालन

<u> ५८:यॅ चने च उत्र ५ श्र</u>ुचते कु चति या श्रेत या

न्दः सं त्रने त्र क्रम् त्र स्त्रे त्र क्रम् व्याद्य त्र स्तर त्र क्रम् त्र क्रम

कुंदर संबिर विस्राया की नर्गोर्च संप्रमा प्यर प्यर प्येत त्या होत्या

ल्लासार्श्वा त्रित्सार्श्वे सात्तु स्त्रात्वा विरायस्य श्री स्त्रात्वा हितास्य स्त्रात्वा हितास्य स्त्रात्वा स्त्र

वियायन्यायायञ्चा स्रोत्याय स्योत्त्राया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्थाप

८८:मुंस्थितं क्षेट्र विश्वरात्रीया वीता

ब्रोबार्ड्र] ब्रेबायादी दें ब्राह्म प्रति क्षेत्रा हो। दें ब्राह्म प्रति क्षेत्रा वि दें प्रह्म प्राह्म प्रति क्षेत्रा वि क्षेत्र प्रति क्षेत्र क्षेत् वलन् ञ्चान्द्रवरुषाने वासुद्रयायायदीयादे सर्करावदे देव दे लेवा वसूव दे व यदे य उत्र दर देर् द्यम से द्या से दिन दर सु भी य मेरिया भी दिन से से दिन स्थाप श्चित्रां सी ह्याया त्या देरी सक्य प्रायदेश स्विता क्षेत्रा हिन्दा प्रायदेश हिन्दा स्वायत हिन्दा स्वायत हिन्दा स यार्श्वेष्यस्तिः सूर्याः वसूर्याः से यात्र स्वाद्यः ह्याः हुः यात्र द्वेदः स्वत् रः यदिः से स्वरः स्वरः से स्व ब्रथ्यः क्रनः वाः श्लीनः हे : क्रेवः येषाः यव । यह याषाः हे : ने : इय्याया हव : क्री : याः याः याः वि . त्यत्यः श्री में तयदः देवः महेरः होदः देश। देः सूरः वः यदयः क्रुयः श्री में तयदः श्चितः द्वीतः त्यः श्कुः वार्ष्ठवाः स्रायोर्हे वास्या विश्वासः देशः वास्याः स्थाः वास्याः वा र्ट्यकुं केदे व्ययाक्षे सेवाया व्यव्यया विद्यक्त मान्ने विद्यक्ष मान्ने विद्यक्त मान्ने विद्यक्ष मान्ने विद्यक देन्द्रितः भेत्। वुरस्तुवः क्षेत्रें क्षेत्रायायात्रस्त्रवायादे विश्वेतिया क्षाक्रेवायायायाया योव ययाव प्रतः में क्रिंत्या देशायह्वा या प्रता व्यायावया या व्यायावया या व्यायावया या व्यायावया या व्यायावया य ब्रेन्यम्भेषामा बुन्मायः चर्तः म्बस्याधेत्। ने सूर्यः व बुन्मायः चने प्रवीस्मानः त्रयुवायते केन न् मेहे रायते श्रुवयान्य याची व स्ववयाये के बिन न त्यायाया विवा स्पेन न्वीबायबा बन्याक्कियादेन न्यवा सेन् क्रीलया सहया न न्या सुवा नु ना

चुट कुव सेस्रय द्रमत द्रमय ग्रीय दिट विस्याय विदेश प्रतः हु मुं व दिहें व हिट । न्वायदेलेट दक्षेव्यवास्य वर्षेत्रवास्य वर्षेत्रवास्य वर्षेत्रवास्य वर्षेत्रवास्य वेशरवायाश्रेष्वश्रायासम्बद्धाः विद्या वेद्याः भ्रेत्यां भ्रेत्याः निर्मा नेदे. यद्यतः मुन्नेन पश्चितः पदे द्वीर दुः सूर्ते। क्षेत्री प्रदेशी के सूर्ते। कें सूर्विया हे विकुषिया वर्षुषिया वर्त्र स्वित्र हो साम्रा इर मर हिवा स्त्री र व यदःदेशःश्रेयशःवश्च्यःहेःदेशःवश्चदःश्चेशुः यदःवदःवःर्कःश्चःदवःश्च्याःवश्चयः बिवा वीश्रास्त्र र श्रीत प्यें र से स्ट्रीय प्येत प्ये वा स्तर प्ये वा स्तर प्येत प्रवासित प् सृःतुःकुरः बदःकुवाःकुदः तः श्रुकाः स्पृदः ख्याः। क्रिकाः स्विदः विकासिः विकासिः स्विदः स्विदः स्विदः स्विदः स বরি:পূবাঝ:শ্রীঝ:শূম:শ্রুব:অ:শ্রীঝ:অঁব:ঘরি:অঁব:চব:স্তুব:স্তুব:ব্বা:৪৯১৯:শ্লু:ব:অঁব। बुट विश्वर्यान्तरे न उत्र वा श्रुवार्येट व दे वह वे श्रेयाय यो दिट वार्यट नया वा इया सरन्याः पदेः बिरावस्यायने या उत्र बेया या शुर्या प्रया बिरावस्य हो । या सेरावस्य ययानश्चित्रयात्र यायाश्चीयार्केन की विदानिययाने या श्चीयार्कन यमेन वियाप्यान होता व्यवःयाविव स्रो इत्युवाक्षीः अदेव विषाणे प्रायम देव महत्व विषय स्रायम स् रु: वेरि: वरि: वर्षे क्रां क्रुवा वरि: वसूव यावा सी दर्भ या त्र सम्बर्ध पर्म प्रस्ति । याम्ययाञ्चर्यायराद्यत्तित्वायाद्या ईवि वान्याहेयाद्वर क्रीयाञ्चर यद्याचुदिः कुद्राची कुर्श्वेदार्श्वेदार्श्वेदार्श्वेदार्श्वेदार्श्वेदार्थे विषय्वेदार्थे विषयः ५८-र्चेन क्री क्री राज्य राज्य वाया प्रस्त नया ने त्या क्री प्रक्री प्रस्ति । स्वापा वाया वाया वाया वाया वाया त्वृद्यति सदिव विषान्द सुव ता सेवायायर न्यद त्वीर या सुन्य प्येता यने या क्ष.क्री.ब्रेट.विश्वराजा.क्रीया.क्रीय.प्रट.क्रेट.ब्रेट.ट्य.तप्र.क्रीजा.ब्राया.ब्राया.या.

सक्रायरः शुरुरे सेंद्राया देवे दुस्य सुरस्य द्या प्रवेश विद्या से विद्या स्वर् वर्रेषायायते तुषाया प्रदास्त्र विष्णा यह या क्षुया प्रदेश क्षेत्र तुषा के विष्णा बिट विरायायायावात मुन्नेन केवा यकिवा यीया पर्योत् सुवायाया येवायाया यादि राव पर्यात प्रवास र्क्न् येन् यार्थेन्। नेयान वर्षे चायो यायेयायन स्थानित स्थानि ने या से दा में विकास या या नर्जे दार्जे देवा की के निक्ष निक्ष निक्ष में से विकास की निकास क र्शेट च प्येत्। देश द च दे च उत्र ही लिट विश्व श्राप्त द लिट दे ते वार्के चे स्वर्व द विदे न न्यमा सेन प्रतिस्ति न्या सेन मिन मिन सिन सिन यशक्रम् सेन्यायार्टे सर्करायदे स्वापीयाओयार्ने वियान्यायार्दे वापदे स्वाप्त वड्याने वासुर्याय। देव वसूयाने वत्र वासे याने वियाया देश स्वीता धिव। नेशन्तः ने प्रविद्यानियायाया अवेदिः ये विद्याना सेन प्रविद्याना सेन प्रविद्यान इस्रायर वर पाति दे स्वर्धर पाति क्षेत्रा खोरस के ति स्वर्ध पाति स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर देवे इसम्बर देवर रे सर्वेर खुवाय वासुस्र दु नसूय दय नव रे केवा या धीवा दे याश्यार्थे यादः धीतः लेख। द्याया यञ्जीदः देश्यक्ष्यः यः प्रदः याञ्चय यञ्जितः वर्षेत् रय्यायः ग्रीतह्वायारे अर्क्या ५८ विषया श्रेट वया प्रवृत्ता श्रुप्ता या श्रुत्ते हे स्वर हे या कर व स्वर्ता यो प्रवृत्त स्वर्ता या वर यःश्चेत। श्चेतःयःर्वेयःयःयःवर्वेदःश्चित्रयायःयश्चेदःर्दःत्रवर्दःयःयेत। यर्द्धेतः त्रमुषार्श्वीतह्रमायाद्दे सूरार्दे सर्वरते वा ने सूर्त्व सुष्माया सुने त्रम् वायाये के न

चिर-क्रेच-श्रेमशन्द्रपदे-ब्रैंद्रिन्य-क्रु-सर्के-सर्के-स्रोद्ध-स्रेन-स्रोद्दर्भ-स्रोद्ध-द्रशास्त्र-श्रा र्हेण्यायरः सर्दर्यः भेत्। त्वयात्ते भेत्रः प्रतः ने पत्वितः दुः दे सर्वरः पः स्रो विव : हु : इयायर : द्वायदे : विराध्यय : दर्यायर : देयायर : देयायदे : द्विर : विराध्यय : श्रचयःत्रश्राक्त्रं श्रोनःताः मैशःत्रमः त्रान्यः श्रीयवोन्द्रशः यदः व्यवान्यः यः नदः स्थेतः यदः स्थाः क्क्याः भ्रीः भ्रीः प्राप्ते । वर्षे । र्दे अर्कर निते पुरानु क्षुर निते बिर नियम दे हिन निरा हे व निबुवाम परि सर्वे व र्धे तेन न्यम् सेन विक्रन्य प्रस्ति प्रस्ति प्रदेश में स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ विंगाः सरामाल्याः प्रसादिनः सरायसम्बर्धाः सेतः हेवः लिटः विस्वारामान्याः परिवर्धाः सादि । वर्दे वर्षा है या तुम की की या निष्य की क्षिरः वर्षे क्षेत्रः पुरस्काराय स्थितः स्वात्रा । विकास स्वात्रा स्वीतः विकास मदेमञ्जा विशानश्रुरशाही वदीवशाहीयात्री विशानश्री विशानश्री रदः रे : भेंद्र : प्रते : या द्वें वाया तदेते : याद्या क्वाया स्वाया : याद्या स्वाया : याद्या स्वाया : याद्या वहिना हेव विदेशका है या दुवा की द्वींना या दिया दव या दुवा द्वींना या या प्राप्त विद्या <u>२४.४.५७७४४,तर्य, वीर.श्रेय.श्रुष्य,र्युष्य,र्युष्य,र्युष्य,र्युष्य,र्युष्य,र्युष्य,</u> लूट.र्थ.श्रट्य.क्रिश.र्वेक्च.र्वेच.तपु.खुट.विश्वश्व.पंट्याच.यं.चुट.खुश.योशेट्य.रेट.व. नेयान र्रा रे प्रेन् यदे लिट विस्राया दिन नया नुवा शी श्रीवाया सु ववा रेट सुट वी कॅन ग्रीया वालया वालया या वालया सेना प्रदेश सम्बंदा सामित के सामा सेना यदेषुः व्याद्याः योद्रायद्याः व्याद्याः व्याद्याः व्याद्याः योद्राः स्त्रीः क्षुः व्याद्याः योद्रायः योद थार्वे न से यो ते प्रमासी प्रमास का निवार निवार प्रमास के प्रम के प्रमास के प्रमास के प्रमास के प्रमास के प्रमास के प्रमास के मल्यानुः यसायन्यायते सार्रेयान स्पेन् डेसाम्सुरसायाधीन। सर्ने रान प्रेने से वया र्दर प्रदेश्युवारा ग्रीवार गादि वी प्राञ्च रह्या व ज्ञार रह्या हे व श्री स र्देश विवा तः प्रेंदः केषः वाशुद्रषः ग्रादः श्रुदः षः लीवाः त्रषः चत्रदः तः तुः सः द्वाः दः देते तुः श्रुवाः श्रुवा षात्र । यदे य उत्र की बिद विश्व शारे में प्येंद केंद्र । सम्याह या की ह्या की ह्या की हार में में में में में में में यालेगा रुदि श्वीर स्रोता प्योर त स्रेंद ग्रायुया श्वीप दिवा हेत लेया या श्वीर केत ये लिया धेव प्यर ने प्युर य न्यार या डेया यी वर न्दु रहुन य स्ट्री केंद्र या सुरा हे स्तुर न्दु रा र्शेट्। युद्रश्चन्ग्रायहेकेतुस्रार्शेट्ययदिवयदिवयदिवयदिवयदिवयविवयदिवयि वःर्यःक्षेतःश्चिःवैदःविस्रायस्यार्भेतःयःतेःत्वाःसद्यःक्च्यःश्चीःवाञ्चवासःर्स्यःवित्यःभव। यान्यानाश्रीयश्रास्त्रम् श्रीश्रूमा नेवायानुवार्श्वार्थात्र्यास्त्रम् स्रूपानस्या क्ष्यः (ब्रेवा : यः सूरः (ब्रेटः । यः यः सूरः र्क्ववा यः यो द्या स्या सूरः र्क्ववा यः यः सूर्य विवा यः यः सूर ही। श्रेमयाञ्च यायमान्य मानवानानि सुनि स्वा यायमानानि न्या यावतः रं अर्ह्यः। वर्षावः रेते स्ट्रेटः धेतः स्त्रुयः यः देः हेटः वर्षावः रेते वर्षावः रेते तेवा प्रेन सुराधा ने हिन तवात रेते सेट प्रेन। रोग्रया उन ता वा सेन्ट सुवान क्ष्यान्यात्रके प्रस्तवधुराय। यदायाया से द्राच्यान्य वी तर्ची पासे देशेन पुर्या श्रवाश्वायान्द्रा कुःवाश्रवाश्वायाम्बस्रश्वास्त्रन्ते त्यूराधित् रदावीःश्चीतायाः श्रव इट अब्रूट व देवा व वरे व अब्रु लेट विश्व श्राप्त हित स्वा देट सा श्री व वरे व क्ष्य-श्ची:ब्रिट-विराधार-देवे:कवाषा-देवी:वषा-क्षेत्र-ध्येष् । स्रेट-व्या-मी:क-वाट-ब-कवाषा-लूर्.३.४। बैर.बर्.क्रेंट.रे.यसबायातपु.लीजायायं.ख्याख्याख्टावयायायर्.रेट्टाचक्रेंट. व.यरे.य.क्ष.क्की.खेर.विश्वश्व.रे.केर.बर.कुषा.क्षेर.रे.यसवाबा.खेर.शक्च.यदु.बा.क्ष.

कवायाः भेर देयावायुर्यायाः भेरा विदेश प्रदेश प्रमुद्र सुद्धि प्रविदाय राज्यसम्बद्धाः विन् क्षेत्रयायद्वाविष्विष्विष्वाची क्षेत्राविष्यवस्थाव कुतः वन क्षेत्रः त्रव्यवायायदे यावः याम्बर्यायदेविदावस्याधेवायरासर्वेवायाधेवाय। नेव्यूराष्ट्रदाननास्रेदानु विस्रकायने या उत्रालेका क्रीतान्दर हेकाया सान्वायिक स्रोन्यका स्रायम निवायि लिटा विस्रसः यदे या उत्राह्म स्वारा स्व धेव ले वा वने व उव की लेट विस्र रा दे हैं न इस यर न्या या योश्याः यो अञ्चर्या वयरःवयुरा यापरःया रसःग्रीयावयुरः चितरे महिन् याया सेम्साया महिमा स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान गर्डर से विर में देश भूता वित मुख्य स्थापते विर चे र हेरियो है से का यिष्रितह्याष्ट्रिरायदे या वयया स्रेवायायदे यदे स्थ्रिया खुदे खुसूरा प्यवायक्षद र्स्त्र क्री मार्थ र क्री हो साय हेत्र क्रीत स्था प्रमान स्था क्री क्री र दर प्रमान क्रिय या बुट विस्तरा क्री नर्गे दिस दे इस्र रादेवी वस्त वर्वे दे वर्वे र क्री र ह्री दे इस्र सर देवा याधीत्। पञ्जनः इसायरान्यायात्री सर्वोत् सेर्विनः न्ययासीनः विविरान्यायस्याः या वर्शन्त्रसम्प्रन्त्राचेराधीसुराधे केत्राधीसम्प्रम् र्याचेर्चिर्चित्राचक्कित्या व्यव्हित्याचेत्राचेत्राचर्चर्यायस्याचन्त्रवायन्त्रवायन्त्रवाय यश्च त्रुमः यस्य प्रत्या प्रति लिया विस्वायने प्राप्त त्रुम् विस्वायने स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्व मार्या विभागशुरुषाते। यन्नानी सुन्र स्थानी सामार्थित सामार्थित स्थान

वियायन्यायायञ्चा स्रोत्याय वटा की लियायासूटा

रे के केंदि क्रु वें र पेंद्र पदे कु तुर भ्र तुरे क्षेत्र वा व्यवशक्ष्या वदिक केंद्र पे लिया की कार्वर । रदःरेतेःश्रेषाःषीयःक्वदःव्रषाःद्यषाःर्वपाः वर्दः विदःषेषः विष्यः विषाःषीः यदः व्यःश्रेः अर्वेदः विदः देः ५८ विट ब्रिअ क्रीश वर ५ केंद्र यदे न्त्र नुज्ञ शाधिव व वन हो प्यट ही अर्थेट । रे अर्झेन्द्र दें लिया यो अर्थोर त्र्र न्या सुर लेया यवर दें लिया योग स्वा रेट लिया या सूर्विया व. मुन.त. म. त्राची म. म. मामूर. ही र.व. मुन.त. मुच. व्याची स्थान मामूर मी क्षु सी क्षुत्र सी देवा ग्राम्स विद्या प्राप्त विद्या के विद्या धीवःवेषाधीः तन्त्राः स्रुवाः स्रुवाः वा वाववः या स्रीः यवनः क्रुः वा नः दे हिः वानवः ग्रामः वाववः वि वयान्त्रः भ्राम्याच्यान्यान्त्रः व्याप्त्रः स्थान्त्रः स्थान्ति स्थान्तिः स्थानिः स्थानिः स्थानिः स्थानिः स्थानिः स्थानिः स्थानिः स्यान्तिः स्थानिः स्यानिः स्थानिः स्यानिः स्थानिः स्थानिः स्यानिः स्थानिः स्यानिः स्थानिः स्थानिः स त्यूरत्वरःकुःवारहेहिःवाद्वरवे से सेर्यरत्वसः ध्वैरः वेवरः परायाः त्यात्वेवाः यादः प्येवः व्याववाः हेः विषाः ग्रामः धिवः ययाः ने न्द्रास्त्रीः वद्रः स्नुयाव। वदेः वः उवः नुः प्रमः रे व्ययायाः नृषाः यः NEN.मैश.मोड्रम.मोश्राक्तर.भारीका.मे.जीश.सूट.च.प्रभारात्माध्यात्माचे.च.त्रप्र. सर्वेद की त र्योद संदर्भ देश से सुधार मुं रहें कि सार्थी हैं या स्वीका स चल्रेन प्यून प्राप्त स्था । वया हे देर यो बन त्र या तर्हेर च या र र प्यून स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था स यदः रदः स्रूदः यदे । यः अत्रा स्र्वेतः स्रावेषा । यः सद्या क्रुयः लयः यतुष्य स्राययः <u>शर्थाः क्रीशः पश्चाः स्वतः तर्थाः श्रीः क्षेत्राव्यश्यात् । प्रात्यः प्रात्यः प्रात्यः प्रात्यः प्रात्यः प्रा</u> ठवः श्री:बिर दे गठिया सूर तर्देद छेया बुर्य छे। यर्डे या सूर्य तद्य श्रीय गृत द्यात वि ता ब्रिट् क्रीया बता से सुरावया सुवा तसेवा पर्से वा ता से कि ना वित्र से वा प्रति या यन्ता गुरुन्वादावेंबावाडेवान्वस्थायबाचनेवान्डर् छी। विदावस्थाहे वाचहेवाया र्दायक्यायाम्याद्वराविदा। देखर्याक्च्याक्चित्राक्चित्य

भ्री सूद वर सहित्। देते सूर्विया ग्रीमा गृत द्वात विमासहया वा प्रीत्। गुरु सिक्षेत्र वहेन्य मुद्दिन में प्रदे मुद्दि तथा वुरस्य विदः प्रदेश वया द्वार स्थानि । वे । ब्रिन्थरमञ्जून क्षेत्रियम स्याप्त यहिन्य । व्रिक्तियहिन सम्बर्ध श्चिराचिकाहे। हिवाकारायुः करकाक्चिकायुर् स्त्रैर दिनवा हि. योदी हिवा चिका चिका स्त्री स हुः इस्रायर द्यायाया । श्विषा तर्केया देः सर्वतः श्वीताया स्रोदायात्रा । श्विष् स्रायस्य च्राचारात्रकाः च्राचा मैया । त्युयः ५८: वेट्यः र्श्वेट् व्हेंयः यः यो ५ : यः तत्या । वियः मस्ट्यः यः वः वः त्त्रेया मितायार्ह्यायायदुःयरयामियात्त्रियात्यायायःसूरायार्था ह्यायह्याः न्यायते स्रुकानुते त्युदार्क्ना स्टानी हेवा सुन्यनायते स्री क्रन्या स्वयाया प्येन क्रेयाचुर्याहे। यान्वाकुःतुराधेवायन्यायाधेरावायाः। रदायोगयावायाः चित्रः भेन् त्याः भ्रुम् स्रोत्रः याम्ययाः ब्रेम् स्रोम् स्रोम् स्रोम् स्रोम् स्रोम् स्रोम् स्रोम् स्रोम् स्रोम वितः द्युयः या विया प्येतः विदः। अया यी या सी साविदः या प्यदः यो या यो या विवास विवास विवास विवास विवास विवास र्शेस्रयः ग्रीत्रासर्वेदः स्वरः स्वीवा वीत्रासी सर्वेदः। सेस्रयः गुतः हुः वेवात्रासे दृष्टीदः पतिः भूर देवा वादेवा ता भूर भुरा भुरा देवा प्येत पार्टर । हिरारे तिहेत क्री तुरुपार ते हो पर्या ग्रम् कुं के पा ध्येता देश व रम् वी श्रेस्य पार्थिय विमानमा स्थाप स्थापीया <u> २८.रजिय.तपु. त्री.योश्याकाता.क्रैट.योशाक्षीता.या.पुट.रत्तया.श्रट.शहूय.र्योश्राचधुय.टी.</u> चलुग्रायाधित स्वरंग्या केंद्रा केंद्रा वित्र स्वरंग्या स्वरंग्या स्वरंग्या स्वरंग्या स्वरंग्या स्वरंग्या स्वरंग्या स र्कर पालिया है। सर से भू के या विचा ग्री यो याया प्राप्त के प्राप् रेषान्भेग्रयायाद्देःस्राद्देःचलेद्दालेग्। बेदाब्रयस्योन्:ग्रामास्राकःविनेन्दाःस्राप्यद्वायम्यनेः श्चीत्र सुत्र सुत्र स्वेता स्वापा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप

वियायन्यायायञ्चा स्रोत्याय स्योत्त्राया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्थाप

कुन न्द्र प्रमास्त्र क्षेत्र प्रमास्त्र न्या क्षेत्र प्रमास्त्र प

यिष्ठेश्रायायमेवायार्क्ष्यात्रात्रीयश्राया

<u> ५८.मू.अ८४।क्रैश.ईश.श्.२४.म</u>।

देव वर्षे अप्यूव कुथ वर्षे द्राप्त वर्षे प्रमा वर्षे वर्ये वर्षे व

वयर। । नृतुःवामुर्द्धमार्भेरः ब्रम्यावाय विकासी । यस्त्र प्रमान मनेन वहें वहें विकासी महिल्या **हेदै-हुद् श्रीयाक्तुम् द्रयायद्यायायावीयाया ।**वियायायुम्यामे देवायर्ड्या र्षेत्र क्रियाचार्यर र्रम्या स्रोत्र द्रमात्र । वर्ष्ट्रमात्र वर्षेत्र वर्षेत्र र्याचित्र र्या वर्षेत्र र्या व वर्ड्याबिर येग्रायायरे पॅन प्रमुगान्द स्वन ययान वर्ड्या स्वन है। । क्रिया वर्षे क्रियाम्बर्गन् क्रियामर्दे । पद्नै सूराद्योयाम ने मुकायाम्बर्ग में बर्ग पद्ने पद्ने पा ृद्धात् विवानुः श्रुरः सेरः सेर् से सु दें से से सः वे सः यदे : यदे : केरः धेव। वे दे : द्रया सेरः डेबायादी मुन्नाबाहेबार्वेदा बेरायद्यतायबायास्यास्यास्य स्वीत्यार्वेदाद्या सेदा हेबा मस्रम्यायाधितः विष्यायाधी हे स्टिप्यायया धीन श्री मे स्वीया विरः र्श्वेर्प्तरा हेंग्राया । स्तुरा स्वीयाय विराधियायाया प्राप्ति । स्वीया स्वीयायायायायायायायायायायायायायाय म्रोत्रायाच्यास्य सुन्तुतायाची । वार्षेत्र श्ची विश्वास्य स्त्र विष्ठ विश्वास्य स्त्र विश्वास्य स्त्र विश्वास्य याश्रुद्रयायान्द्रा गुत्रायाद्वेतायदियायात्त्रीत्यीया सूत्रम्यूयायदे स्रुन्तर्या क्रिंब या या विर्देद यदे प्रेंब एक विष्ठ स्वा क्रिंद या विद्रा विद्रा स्वा विद्रा विद् श्रेव। । नर्ने न उक् श्री लिट र स्री नर लेंग । डेक म्यूर्य स स्र मुत्रे नर्ने न उक क्ची:ब्रैट विरायम्बर देर मर्क्न स्वेदि नमा स्वायत्य पायतः न्या प्रतिः स्नायमः सुर्देशः वर्षे व्यवेदः न्वींट श्रीर कुं श्रीर द्वीं नदी नदीश्वाद १९ वाट ज्ञान निर्मान स्थान है। न्या वार्ष र दे रेवा

वियायन्यायायङ्काञ्चराय वरायी ल्याया सुरा

षाष्ट्रपुर-देवीया.श्री.मु.कीजा.यारूच.ताम.यार्च्चाया.कीम.प्रोत्त्रम् कूर्याया.की.वार्ष्ट्रपुर-देवीया.श्री.वार्क्या ख़्तःतन्याक्क्यायार्वेन्द्रमण्याक्तःयोन्धन्याने क्षेत्राक्चेन्के यदेःन्श्रीयादिक्रःयावदात्वः स् न'निलेब'नु'र्वेन'न्ट'र्वेन'बेर'ग्री'स्ट्राचे सबत'ण्यापादर्धे निलेब'नु'ख्रुसार्येर'ख्रूट'रे' ञ्चन हो नद्र न्या सहया न दे दे दुवया दुवा न हे दुवा न गान है । न्वायाची कुलाचे यो यो ने न्वाया यह चेति त्वेर की न्वाया या स्या के लाकी तह वाया या য়য়য়৻ঽ৴৻৴ৼ৻য়৻য়ঢ়৾৻য়য়৻ড়৻য়৾য়৸৴৻য়ৼ৻ৼ৻য়ৣ৾য়ৢয়৻য়৻ড়ৢৼ৻য়ৼয়৻য়ৢয়৻য়৾ৼ৻ৼয়য়৻য়৾৸ यायमा व्यम्यायेन्।विक्राक्चीन्त्यावाचनान्मक्कितेवेर्वेकाक्चित्र्वेन्वेन्वेर्वे कर्यरम्बर्द्याने प्रत्याने प्रत्याचा विषाति । विषाति प्रत्याचा स्वीति स्वापा श्री स्वापा श्री स्वापा श्री स्वापा स्वीति स्वापा श्री स्वापा स्वीति स्वापा स्वापा स्वीति स्वापा स्वापा स्वापा स्वीति स्वापा स्व विगाः भेराया ग्रुमा हे ग्रुः व्यवाः मर्के र र्यादेः भेर्वः क्राम्याया वरेतमा या वे। यह्यः द्रः यदिःसर्देवाःक्रमःयञ्जित्वराद्येषायाते। यञ्चः द्रःयदिःसर्देवाः दसरादीः धिमःयः क्ष्रः यदया क्रुया वेदः द्वाया योदः श्रीः भ्रुवा श्रीद्वा श्रीदः द्वायः देशिये व्या क्रुव्यक्वायाः लेवा थे:नेश्रः स्टितः दराद्याः श्रें श्रें रहेवा यदे थे:नेश्वः सी प्रतः सद्यादि शहे देव हो र न्यर.म्.यायीर.तस्य पुर्यायात्री.वि.स्या वियायाः ह्यायाः ह्यायाः ह्यायाः ह्यायाः मक्र्यं क्ष्यं क्ष्यं निर्मा निर्मा मुन्तं स्वर् स्वर सिर्मा के साम्री निर्मा के साम्री निर्म के साम्री निर्मा के साम्री निर् र्थेषा या सुः तुः तेर्दि । द्वारा तेर्थे विदेशा विदेश विदेश क्षेत्र । यदे । देव । यदे । विदेश वि यदियाः हेर विषया था विषयः श्रीयाया । अस्य प्रवाद श्रीयाहेश प्रीप् विष्ट प्रवाह डुर्याञ्चर्या विरायाची नत्तुतान्तुंगान्त्रात्रुराक्षराक्षायादेवाया यहेन्नुः यात्रवा श्रीकिताय। श्रीकि बुटायाया श्रीके बुटायटा श्रीवायाय यद्यर करा सुन के हैं या द्वु यहें ना नी है या तू त्वा के समारामा

विचयानवित्रह्याय। भुष्णिनवयानत्त्र्यार्वेन। यन्यायानयेरासर्विन सिया. बियमा राष्ट्रियः सुप्तु भक्ष्यः देरः प्रसासिका बियमा सार्या सामा स्था सुप्ता सुप्ता सुप्ता सुप्ता सुप्ता मुं कुर्यः भीवम् तर्देयः कुर्यः वीरः तम् । सियाः बियम् तिर्यः तृत्रः स्वर्यः निर्यं । सम्राम्भा हिरानात्रमायायते विनया परावित्र स्था । वार्यमाया यामर्क्त्राचन्नदार्क्त्राकृषाद्वा देवे स्ट्रेट्युप्ये चुन्यकुत्रु हो। सुन्यवे स्रोत र्वे बर्या अर्देव दरा । अर्देव सूत्रा अर्वे दरा वे देव स्था । वे विवय दरा यविषावह्याः भ्रें या द्वारायया शेवा सेवा सेवा सेवा स्रुया सर्वे वा ८८। १र्थर.मुंब्रुयायाक्कियावीटाच्चीयाञ्चीयाञ्चा ।साम्रयायाज्ञीयादेवासायीया यः सेन्। । वः सेन्यायान्यस्यायान्दः ने न्नाः मी कुः प्यदः मातुदः से से स्यायविन्यः क्षेर्रो । निःसः तुः अर्ढेषः व व दः श्रें गिष्ठैषः द्ये : वु दः व श्रुषः श्रुषः श्रुषः य दरः। लयाम्डिमासुमामाहित्रासहरामालमासुरामाने द्वीराविदान्या तर्देते ग्रानुवानु बिरावर्दे वा श्रुकायते १९४ र र जुर क्रेस्र श्रस्य श्रस्य स्थाया उन्नाविन प्रीना ने ने नाम त्यानाम नी मात्र त्यान ने नम ने ते समान मान्य स्वापन स वियासुना न्दर क्रमानीं मारी सूदर क्रमान सम्बद्धान मार्सु दे पर्मोद्दा या सूदि पर सहेद या भैवाया नेप्परावदार्देवाह्माकामासुरुप्तरा द्वारामानेमाप्पेवायादिन क्रेंबा भु र् क्वेंबा द्वाया विवा यो १५वा वा डिवा वी अर्केंब १५वा वा खेवा वा १५वा या दे १ वनर्भाक्षेत्रहे केव भे न्द्रिक्ष स्व क्षेत्र या क्षेत्र या केत्र यो सक्ष्य विवासिक्षणा यक्ष्यापवनायहॅन सेन्याने सम्बद्धाः सेन्याने सेन्याने सेन्याने सिन्याने सिन यम् नित्रम् द्वेषायारायात्रहेवायात्रीत्रयोग्याक्षेत्रकाष्ठवात्रम् स्वयायात्रम् क्वायत्र

ष्टियःयन्त्राःयःयञ्चः श्रीयःयवरः वीः त्रयः वाशुरः।

(बेट-क्रु)य:गुट-वोर्य-बेर्य-य-बेदवी-च-बोस्य-अस्य-इस्य-य-क्रुय-य-वेदाय-विस्य-र्याक्र्यापर्वेतायद्वायस्वरायायापर्वोत्।यद्वास्यायास्याविष्यायान्द्वास्याया म्याबार्यात्वर्यं स्वर्यात्र्यं स्वर्यात्र्यं स्वर्यात्रे स्वर्यात्रे स्वर्यात्रे स्वर्यात्रे स्वर्यात्रे स्वर वींयाञ्च वींयालेयायात्रे रदारेयाळेयावींयाचेराछीत् तर्वायति ळेयावींयाञ्च वींयाञ्चेत् ये ८८। वस्नेत्रयराष्ट्रेंबायायादवीःस्त्रेंद्राचीत्रयवातःस्त्रुःस्त्रेंद्राद्युयवयायदेःस्त्रेंयाचीया बूबाः बुदः न्वरः ये। कुदः गुडेरः तुः वर्षाः कुदः विवाधः दः दः सुः बेवावा उदः वर्षाः ह्रवाका विद्रायर पुरत्ववाका या केंका वीका सबद वीका रदा रेका निसा बचका बेर बीका <u> हे हि क्षु</u>्रियःगुर् नीयः नतुन्नयः प्रतिक्रः तर्या सहस्र हिन् । ययः से नाये नितः ह्वायाः प्रेतः बेयायासुर्यार्थेन। यबुयायायादीयान्त्राद्वीहिःसूराधिताबेता यज्ञासूरासूत्राञ्चा चदःयान्त्र-सुर-तुःबेश-धते। श्वीर-देवाश-सृदःशन्य-श्वाक्षःश्वीःचतुवाशः विःवः सून्यः स्रद्धिः भेति स्वस्याहते वि। नवर साम्बद्धा विवायाया स्वर्धा यायतः भ्रेटः वी वि: वः स्वायाया प्याप्ति । हेते वटः वसा बुवः भ्रेवाया भ्रीया साम्राया यर्भर प्रमः नियर यो स्रेव त्याया या स्टर प्रमेश प्रायत है या या स्वायत स्वायत स्वायत स्वायत स्वायत स्वायत स्वाय लर्थातपुरस्रेटायः साम्यापुराम्याच्या की स्रेटानु प्राचित्राया विकास विका ग्नन्त क्री स्नेट है। वत्राय त्याय है स्नूर चत्राय प्रिंद हे दा व्यय गहिय श्चीयार्थे गुरावीयात्रत्वायार्थे न्यास्रो श्चीयार्थे गुरावीयात्रत्वायायाने तिर्वेरा

यहेवःसह्रदःदेःवेशःब्रूदःद्रःयञ्जदःश्चेःभवःहवःस्वःश्वाःक्ष्याःवान्यःद्रदःस्वःभवेःवेदः विस्तरा श्री सकेवा देवे राजा निवे दिन्त्र स्यु सुद्र स्व त्यो स्वे विद्र से देव से सि स में स्व के दिन से स्व वें या वर्षाया वस्य वस्य रमवाःक्र्नःक्ष्रेरःस्रवाःदुवा ययःवाःन्रः। र्नायाः कृरं विक्रीः विक्रीः क्षेत्रः करः ने विद्यान्त्रः विद्यान्त्रे विद्यान्ते विद्यान्ते विद्यान्त्रे विद्यान्ते विद्याने विद्याने विद्याने विद्याने व र्द्धर्वमुर्वमुः भेरिया रेप्ताकी कर्द्धर्या रेप्त्या से स्वर्धा स्वर्धित स्वर्धा स्वर्धित स्वर्धा स्वर्धित स्वर्धा स उत्रायाधित यास्रे यार्ने स्वेति द्वीट्याया वाटा व्या स्वेति द्वी देया द्वारा यादी सुत्रा श्रेव श्री द्वित केंग्र शेंग्रे पेंद प्रयाशें। । श्रे केंग्र द्विय तुः या श्रेण्य पा सुव द ल्रिंत्या वयायित्रञ्च नासूरास्य तेत्रियाम्ययानि वेत्रत्यु सेवार्ये के स्राप्ति विज्ञायायते वे रातु रेवाये के त्याता धीराय वेवा की वे रातु रेवाये के त्याता यर्द्धर् र्रेर्च्य र्रेष्ठ यर्द्ध्य रेष्ट्र यर्द्ध्य रेष्ट्र या स्थान स् यालेराचा इ.लच.ब्रेर.चेंब्र.भक्ष.ना २.४८.भी.धेया.रगरः ইঅ'ব্যু न्यम् सुःयोद्गः वः वेर्षावायाः सुःन्मः योदिः नैदः यो किः यमः यो निवायाः यदिः ह्याः नैवा हैः त्भः चः चलेवः नुः चक्कवः या नेः त्भः चुः चुः च क्ष्यः श्रीः वे दः ने देः वे काः च स्थायाः वे वा वा क्रूर मैश नक्क्षेर कें केंबर क्री क्षुर नुस्य क्ष्रव लिय तहे नय या मानाय है सिनाय ग्राव था ॿॖॻॱय़ऻॱॱॱऄऀॸॱॸॆ॓ढ़ॆॱॿॆऀऒॱय़ॕढ़ऀॱॻॶ॔ॸॱॺॏऒॱॸॖय़ॹऻॱक़ॕॸॱॻक़ॗॱऄॗ॔ॸॱऒॸॱय़ॕॻॱॿॖॎॻॱय़ऻ चुर-कुन'ग्री-वैर-दे'अर्वेर-विंश-द्वर-रेग'ग्री'तर्वी'न'वअश्वर-द्वर-रेग्नाश्वरादिर-चुर-कुवासार्वेवाश्चीप्रवरातुः स्रोस्रासारीयाप्येरावरात्तेराते विद्यात्यार्यराविदाश्चीसायाद्यायाः न क्ष्रराधेव यर वायुद्यार्थे । विदः कुपः क्षेत्रे विदः वी द्वर दे दे दे दे दे वर्षे व्यायुवः क्कुयान देन न्यम हु सेन्य ने स्यासेन स्यासया है सान्य स्यासी यर-द्याक्षर-प्रत्याकार्यः ने क्षेत्र-तिवेदः स्वीकाक्काः अस्तिः द्युकान्नः स्वेकानसूनः ने तर्से लेटः म्बेश्यापीया ने सूरान्देशस्य विषयास्यान सून् म्यायायने स्थितः इस्रायाधिनायाधिनायाधिन। इम्रायासिकायाधिन यर्सेथ.र्श्व.ध्री श्रीयाराहेपु.सैंथ.क्रीयाक्रीयायेचाताचान्याया विषयाया देश'चसूत'य'स्रो वेद'द्यम्' सेद'श्ची सुमाराधे सेर्या केत्र' येदी सुन्दुर्याम् सुर्यात्या *ঀ৾৴৻*ঀ৾ঀয়৻ঀৼয়৻ড়৾৴ঀ৾য়৴য়৻য়৾৾ঀ৻ঀৼয়৾ঀ৻য়ৼয়৾য়৻য়য়৻য়য়৻৸৴৻য়ৢঀ৻য় भ्रितः र्श्वेर् प्रायायमः रेटः तुः तद्यानेटः श्रीदः विः विष्ठिभः ग्रीः सम्वतः ययात्वः ययातः यात्वया यन्नाःश्रेम्यान्न-इनःश्रेरःश्रेराययातनुत्रःयदेःम्रान्यः वन्नः त्रायः विषाश्चेर्याया पर्देशतपुःश्चेषःश्चेश्वाच्चाया रश्चेशतपुःश्चिषाःश्चेशत्र्येर्थाः पर्देषःतपुः नेन नर्भेन केन भेर पत्नाम भेर पर सेन प्रमास केन प्रमान होने स्वाम की है साम भेर याचीत्रायाधी श्रीमार्हेण्यायदेश्यम्याश्चियायाह्यायाश्चित्रश्चीत्रायाहे स्पूर्यायया मर्शेयानानम्नारुटासानम्नारुटासुन्नासाहेतीन्नानेनासाससारी। द्वानासालेनानायाधेर् श्र्रा दे.केर.थ.लट.बार्ज.चि.क्रुथ.रट.यत्तर.तपु.ध्वाया.इ.ट्र.क्रूबायाययाया.श्रुच. য়ৣ৴৻৴৴৻৴৴৻য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়ৢয়৻য়য়য়ৢয়য়য়ৣঢ়৻৴য়য়য়য়য়য়য়য় यदयाक्चियारेन्'न्यवास्त्रेन्'क्रें'वन्ने'वान्नेर्यास्यास्यानान्ना ध्रीसानने'नास्त्रन्तुः त्रयास्रातदेव या सर्यास्रियासी देव स्वायासीययास्य स्वीस्त्रित्यातह्यायादे स्ट्र बद्द्रनाद्यायाची द्येराव हे या वया या या रहे व रे प्रविव दुः व रहे हे बेराया

श्चेर-द्वित्र-रे-वित्ते द्वित् वित्तः वित वित्तः विश्वेष्णः यः भूष्ट्वः वित्वाः वसूत्रः वित्तः वित्त

म्पाया सुन्ता स्वार्थ स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य

वियायन्यायायञ्च स्रोताय वटा की ल्याया स्टा

क्रियायाम्बर्धारुष्ण्याम्बर्धाराष्ट्रीयायास्त्रीयास्त्रीयायायाम्बर्धायायाम्बर्धायाया न्वरःध्वाः भुष्यदेवाः नगरः ये ध्ववाः वार्षेवः यनः नगरः वर्धेव। । वास्रुरुषः हे। देः यायोद्रायाञ्चीत् श्रीकायार्गेकायदे वस्यः श्रीयदेवाद्रगायः वीत्वाद्रयः सेवाद्रयः सेवाद्रयः सेवाद्रयः सेवाद्रयः न् न् न् । वयायाञ्चा स्वापायाने व्याप्ते व से किये किया न स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप तपु.ग्रुट्याः श्रेपु.क्याक्ष्य। विया यालयायाः श्रेपु.क्षाः बीयायालयायाः श्रेपु.क्षाः बीयायालयायाः श्रेपु.क्षाः बीयायालयायाः श्रीतः श्रेपुः विया स्वीत्याः स्वीतः विवासियाः स्वीतः स्वी शह्री सिया.याल्य्.त्राच्या.याक्या.याक्या.याक्या.याक्या.याक्या.याक्या.याक्या.याक्या.या इंश्रास्य से प्रति स्वाया स्वाय निवास स्वाय स यद्वित पर्रे तुषायाक्कायते ह्वाषास्य यद्वाप्त प्रायद प्राय स्थित वी विद्वार विश्वे NENT क्रा रेंदि दिन्न प्राची से दिन्न से से सुति वार्षित सुँ वार्षा सु कुवा वा बसरा उदा की साही क्रैंचर्यातुर्यायदे प्रदानाञ्च न्या या चुरा कुवा यो या या प्राप्त या या या विष्या प्राप्त विष्या प्राप्त विष्य हिना क्रिं से हे का अर्बन पदी पद्मा जायेना विकास है। क्रें का हिन की वशुरावा आर्क्त आया श्री वीवाया यदि हवाया खु झु आर्नेवा खूँदा ये। वैतृस्ति दे चेर है। तेन् स्ट्रेन् मीर्यात् हुन्यासृत्। यन वया महिमासुमा महिर्यायेन्स सुति करा उत्। <u> સૈત્રા.યોત્તરાત્ર શ્રેવરા શ્રુવ કો.સૈત્રા શ્રે.સેટ. યોત્તરાતરા ટ્યાવ પ્રજ્યા યોજીય પ્રજૂવે. શે.</u> রিমা-য়িম-য়িজ-ম-য়য়য়৻ঽঽ৾৴য়ৢ৾৾৻য়ৗয়ৼ৻য়৻য়৾য়৻য়ৢ৾৻য়য়ৢ৾৻য়য়ৢ৾৻য়য়ৢয়য়য়ৣয়য়৻য়ৣয়৻য়৻য়ৄয়৻৻ড়ৄ৾ৼ৻য়য়৻ ह्रवाबास्या ५०८ ह्वाबास्यावाबार की हैं हिबासक्ष्याय देश पद्भिता सुवाबायार यहूर्य त. धुर्या योश्रया तर्ते यश्चा रस्त्रीं या यो त्या यो श्रेश स्थित यानसूत्रा वेषायात्री में रात्रायन्यायेषुयाम्यायाम्बर्धाराम्युतिसूत्र्युरा र्याःश्चित्रयाःश्चेत्रवाःश्चित्रवाःश्चित्रयाःश्चित्ययाःश्चित्रयाःश्चित्ययाःश्चित्रयाःश्चित्रयाःश्चित्रयाःश्चित्रयाःश्चित्रयाःश्चित्रयाःश

श्चैतःश्चित्राक्ष्यः व्यक्ष्यः व्यक्ष्यः अध्याद्याः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः व

য়য়ৢয়৻য়৻য়ৼয়৻য়ৢয়৻ঽ৾ৼ৻ৼয়য়৻য়ৼ৻য়য়৻ৼৼ৻য়ঽয়৻য়৻ৼয়ৣঽ৻য়য়৻য়৻

व्यानहेव व्यापट प्रदापट पुर्येष्ठ व्यानुया हे गुराया होताया

वियःयन्यायःयद्भः स्रोतायवरः यो लवायास्टा

ष्ठ्रीय। । ब्रुवायायकेवा प्रसुद्धेन प्रतिन्त्रयायकतः यावायेवायमः । विद्यायस्य वार्षिः में ख़ुः धे व्ययाया यहित्। । हुः वसुया स्नेत्र सी या यहे प्रया वित्र या ने वा या विवा । वेशः वासुरसः सः स्रा क्वियः च वेदः न्यवाः सेदः यः दिदः क्वीः स्रासः सुर्वेः में देर् रच मुबेर देरे रेवा अर्के व्यवाययम्बाय विदः देख्य ही द्वाया विदः यर दुः ही र य वलैव द्रा गर्डे वे न्यूया श्रुया श्रुप्ता सक्त द्रयेते प्येव प्रवासक्त प्रयास्त्र प्रवासक्त प्रयास्त्र प्रयास्त तयम्बारामा अर्वेति र्ये तेन न्यमा सेन स्नु सर्वेम न्यर ये ही रुसू साम्रीया यतमा यद्वार्यात्रीत्रुत्रुत्रेत्रात्रुत्वर्यात्र्यात्रम् सुन्यरम् योत्रयायान्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यायात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या र्वेत दे अव्यत् क्रिन क्रिन संदि गुर विद स्वाय य से तुत्र अ वि तुत्र ख्रुन संद है देंदि त्रपुरियोत्रा विषयामधी क्रमान्वरमान्यनानुवाद्भवःक्रियःम् यव्रि.क्षेत्राश्राम्यविष्याम्। यवरःक्ष्रीरःश्रीवःजन्नाजन्न। वनान्नावर्षःमवरः ह्याः सुत्राः स्वाप्तः स्वाप्त ययान्दाकेत् सेद्यास्य स्थान्या । । यद्या वी श्चेत्रायसास्य स्याप्ता देस्या म् विद्याम्बर्धरम् इ.म्. १ म् विद्यानाम मुस्याम म् विद्यानाम क्षेत्रयायकतः भ्रेत्यूरा तर्वे देव क्षेत्र्युत्रायायया भ्रायद्वरायराय बुवाया प्येत् यरा ग्रथ तदेवर द्वें र र्शे । विर कुन स्रेस र प्रदे द्वे से र वे न वनुया । गुत्र ग्राप्ट वायोर अर्देवा यर्द्व द्र द्र दे ग्री द्व द्र विकासीय द्वया

मसुस्रम्बर्या दिन्से राष्ट्रेस्य हो । विकास हो वार्के विकास स्वास यनर्यास्त्ररम्यावतः यात्रे ज्ञास्त्ररम्यास्य यादिस्य यात्रावित यात्राव्यायाः यो द्रायायाः भ्रॅर-५-विर-क्रिय-श्रेशश्र-रिवे-श्रेर-वि:य-तियुश-५८-विर-क्रिय-क्रेर-विर-तिय-ति १९४. प्रतः प्रचा पर्वे स्वापे स्वापे स्वाप्त स्वाप्त स्वापे स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व इत्राप्त स्वाप्त स्वाप <u>२वी श्चेंट व्रे न त्व्या माश्ट्रा पावी की व्राप्त अरामित विष्ट्री पाव व्याप्त अरामित</u> योन् केर पॉन मन यावत योन पत्यायावत प्याया सुरोन् न्र सून विर । *ૹ*૱૱૱ઌૡ૱ૹ૱૱૽ૢ૽ૺૡ૱૱૱૱૱૱૱૱ૡ૱૱૱૱૱૱ रवास्रवतःसेन्याक्कुःसर्कें हेन्यें सूर्या किरारे विदेन रेपरवान्यासर्द्रस्याय। र्थेद्र हद अन्त्रे स्वेश्वर्य कुर्चे केद र्थे सूर्या वर्चेद्र पदे में कर वर्षेश्वर्य प्रवास रहते वस्रकान्डन वेषा परि कार्य ना केंद्र से कार्य है सार विन परि के से दी ब्रिट्यान्दान्त्र्याहेवाःब्रेवाःयराष्ट्रेन्ययायोःसृत्यः न्तृतायायायाः वर्षेतायायाः भ्रीन्भ्रीवायायात्रयायावतात्रात्। वहिवाहितान्नीक्रियायायाः हेवायइ तर्याया सेवायाया सेवाह है ने कुरा है ने प्राप्त हैं ने स्वीता है ने स्वीता सेवाह हैं ने स्वीता सेवाह हैं यदः यदिरः तर्कुयः यया श्राञ्च रद्यवः ये क्री । । द्या यदे लेट यी क्री या श्राश्य स्थाया ध्यी । बिश्राम्बर्द्रश्रा । ने मबित नु क्रियामित क्रित पर मि विकासित स्था से न्या विषाः भेर्ना अर्ने त्यमा ५५ वें व्या शिल्वि र तर्मा या प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप *इ*त्रस्थाक्ष्यःक्षीः अक्र्याः स्रित्ः तयायाः श्चीः तुः त्युः तत्ते देन तः स्रेटः याश्यायदेवाः हेवः श्चीः वयाः यावदःश्नर्याययययः उर्दित्वा विवा विवा वीषा द्वी स्त्री स्वा प्रस्ति हो स्वा प्रस्ति हो स्वा प्रस्ति स्वा प्रस्

वियःयन्यायःयङ्गः स्रोयःयवरः योः तयः यास्पृतः।

ब्रेंबाग्री:विवरमुदायावर्ष्ठेबाग्रादावर्ष्ठाक्षीत्र्यायराम्बर्ग्ययावर्षा वर्ष्ययाद्या चॅर्राने तर्न विवासर व तर् अया विवेशयान्य न वाश्वस्यायायाने वस्य तर्नुसारक्ष्य स्थार चॅदि'सर'नर्भ'नर्भे सेंद्र'सेद्र'स'लेग'पेद'सर'झूँस'स'दर्गेर्भ'स'पेद'लेस'ग्रस्ट्रस' चक्क ब्राया अस्त्र विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व विश्य लया यकुया अर्था त्राच्या अर्था अर्था अर्था त्राच्या अर्था विश्वास स्थान यो । विषयः यात्री व्यव्यव्यः उत्ती सुन्ना विषयः रोरके व की की अर्थे व किया रोट या व्याप्ता वर का रोटी अर्थे के प्रेर पुराविका परि सक्षरार्श्वेष क्रि. पुर प्रीय विचायान्दर तदानर खेर खेसाओ सहस्याय। देख्र राष्ट्री त्रेत्रत्वेत्राः व्रापहरूषः अनेतः श्रीयः श्रीयायायायः प्राप्तः तदः त्या व्यवायः याप्तः योदः स्वाः त्रहेव वयायात्रतः सुन्तुः ययायी वार्षे न्यरान्तु वयाये द्राया वया निवासी । से वदेवःसःमान्त्रेमान्यादःगर्देनः ग्रुमान्यादे स्टाम्बद्धः स्वाम्बद्धः स्वाम्बदः स्वामः स्वाम्बदः स्वामः स्वाम 'रुअ'क् अ'लिया'युट'कुव'क्केट'घेदि'यर'रु'क्कुवअ'र्नर'क्केवअ'य'अर्वोक'र्नर'र्न्युट'याहेक' इसराक्ष्यासहित्। हिन्दस्यराध्यरान्त्रास्त्रम्यान्त्रास्त्रीन् सेन् प्रसास्त्री श्रेश्रया के त्राचित्र विकासी देवा विकासी है । विकासी है । विकासी है । विकासी है । यानर्डेरासीत् विवापिन्या वे वाया के नारेन्। वा मुस्तित वे विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास

য়ৢ৽৴৴৻য়য়৾য়য়য়য়৻৻ৼয়৾৸৸য়ৣ৾৽য়য়য়৻৻য়৾য়৸ गशुरुषार्थो ।देवै:प्यव:कर्:स्रःववै:षःवठर:दर:धें:वरे:व:उव:दु:श्वे:ववै:वे वरः वी हेव केंवाया बेट वायाया वरेवया या येट वा प्येव। रे देर वी हेव प्रस्थित केंया सक्सरायदे, ये साराह्या रे सार्ष्ट्र मिरास्त्र माराह्य होता स्वाराह्य स्वाराह्य साराह्य साराह्य साराह्य साराह्य गुरुषुग्राच्याक्षेत्रेर्द्राष्ट्र्याचेत्र्याम्युर्व्याय्यान्यान्युव्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्यान्या यरे क्चेंब क्चेंक्य अर के यथ क्चें या वर्चे या धीता रे क्चेंब क्च्या दिवा क्येंब स्थान रे'र्नेब'इब'र्बेर'र्नु'न्र्राचेदे'न्र्न्'यारे'द्वेन्'ग्रीब'र्थेष'र्थेन्। न्'यब'क्रन्'र्थेब'य्यर' तदीयावर देव यार प्रमुव व देवे वर देव श्री याई वि सम्राथ उर दर। याव व्या नत्त्रायात्यात्रीवात्यायात्रवात्यात्रुद्वाचीवात्रत्यात्रवात्यात्रवात्यात्रवात्यात्रवात्रात्यात्रवात्रवात्यात्र स्रुयायदे वादर वियायर व्यापे तर्दे र द्वेषा केषा विर्धि दर र प्रविर्ध स्था स्रुय र र तचेयः परिः क्षेत्रा प्रमार्चिता दशायर्देद पुरा श्रेस्य स्था वाष्य परि दिवा पर्दे प्रसाद विवा यदेः ब्रेरिं रे रे रें किया क्रुं या वर्ष के। देव क्रिं में प्राया साराय स्थाय वर्ष या वर्ष या बियाः इतः बिरः दुः । वे अदियाः अव्याः वियाः चिद्दः । वे अदि । वे क्षा. व्या. प्रेचा. व्या. क्षा. क्षा. क्षा. व्या. व्या. क्षा. व्या. व्या थेन। रूट रेश ने रेट वी केंश विन य बेवा सर नवी व ग्रान शी ने बन ने ब्रेव शी सक्त देव त्वीय। देवसायर द्वापी या बाबर देव द्वापी देव स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्व यः वास्तुर्यः व्येन् स्यमङ्क्षुर्यः यः प्रेर्वा व्यः यञ्चनः चेनः स्वः देनः स्वः स्वः स्वः स्वः स्वः स्वः स्वः स यःथः बेरा यः वरुन्दर्धे पदे पारुष्नु पुत्रे कुः प्रवेश्यः क्रेवः या यः वरुनः मिष्ठेश्वासार्व्यक्ष्याच बुदाचित्राञ्चया के तिर्देशत विद्वाराच स्वाप्त विद्वारा ।

यद्भः वाश्वायः श्चेत्रः वायाः त्वायः परिः श्चः यद्भेतः वात्वः स्वायाः वार्षेतः वार्षेत्रः वार्षेत्रः वार्षेत् यन्दरमञ्जूराधित। यानस्दानेमञ्जूराधिते वदानुः क्रीति वदाने दिमालुदाने व र्धेरम्भः सुद्देनम् । देवे वर्षे न के मान्य वर्षे न वर यदः के याया वर्षः दृदः विदेश्येत वर्षः चतः क्रुंचले चल्दायाधेव यथा देखावदाया केषा क्रींच क्रिंच हें चार्चेव क्राया चलिया वन्द्रभाष्ट्री दर्भे हे बल्दावस्य संभित्रभाष्ट्रभाष बुतः धुँवाश्वानरे न उद्य कुँ लेट विश्वशाद्य है र नव्यवाशायते सर्वेद स्वित र वितर् विरित्र पर परकाय प्रप्त सेका द्वा येका तुका स्कूत प्रस्ति परित्र या पे रेता विरुवाय स्कू क्र या क्रुं की श्रुपार्थित। वेंत्र ग्राम तुर्के केंक्रिये केंक्रिय साम विवास्थित यदःत्र्युतः श्रुतः श्रुदे श्रुद्भे द्वो प्रति सः प्रतिवा प्रथम् यात्र स्रुते श्रुतः याः रेद। के श्री र तिदे विरावस्यान्वत्रन्रस्ये तदानरने तदा हु। ह्याना धेवावे वा सर्वोदा से दिन न्याना श्रेन क्रियान्य द्वान्य क्रिया याक्रिया मुक्ति विराधि स्वाप्त प्रमाणिक स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त विन्यम् उत्राचन्यम् सेर्वम्या क्षेत्रम् स्था विष्यम् सर्वेत् सेर्वेन् न्यम् सेन् सेन्स्य स्था स्थान ने त्र गुप्त प्रते केन नुप्त स्नुत्य प्राप्त वाद ग्रादे ग्राप्त में हो सास्नेन गरिका ही प्राप्त प्राप्त स्नुत सेसराद्यते मुन्नाद नदे हुँद्या द्या सहद्या सुनराये के वा हुँ सेसरा से राम पश्चित्रयाम् । प्राचित्रयाम् । प्राचित्रयाम् । प्राचित्रयामः । प्राचित्रयामः । प्राचित्रयामः । प्राचित्रयामः । ग्रुचिन्नः चिद्रः स्थ्रेतः सर्क्रेवाः हुः सेस्यान स्थ्रेतः स्थ्रेतः स्थ्रेतः स्थ्रेतः स्थ्रेतः स्थ्रेतः स्थ्रे म्यायाः अत्राह्म व्यापाद्याः वितायातः वित्यान्तर वित्यान्तर वित्यायाः वित्यान्तर वित्यायाः वित्यान्तर वित्यान वयवायार्क्षर्वन्तरेवारुद्वरमुष्ट्रीविद्यक्ष्म्यत्वर्ष्ट्यस्य स्वित्रः

प्रकृत्य स्थान स्

क्षेत्र याक्षेत्र यदि केंत्र विद्

মক্ষম স্ট্রিম গ্রী:বাদ্মম দ্বা

५. त्येतः स्रोत्याः श्रं स्वर्णः स्वर

तर् रेतर्थः भ्रेष्यायह्याञ्चीर त्याचालयाञ्चीर विक्रुता व रराहे या व या प्राप्त होरा न्येयते स्राथाय प्रत्यास्य स्रोत्ते । वित्रास्य स्री वियसि स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्राप्त स्र विरायात्रात्यात्रात्यात्रीयात्रीयसूत्रायात्रम् लिटार्स्सेत्रायोत्यात्रम् यात्रात्यात्रम् विरास् तर्दे उत्र केंग्र प्रमायम् क्रिन यस क्रिन या क्रिन या वस्त स्वाप्त क्रिस क्रिस वर विक्रियास्य स्टारिन व्यादेव स्टार्थ स् ब्रैंव येदि न सुवान वर पेर् ग्राम सम्यान स्वान स्व पदः नम्भयः नः स्वान्यः प्रेत्। क्षेत्रः नम्भयः स्वानः नम् नः नम् नः स्वानः । केंबा चेंद्र योदा यादा चीता यादा खी यादा सुवा वसूया यो खेंद्र वादी यादेदा केंद्र पे चेंद्र वादी तवीवा पेनि ग्राम् तकी विक्रा सेने विवासी सेने में मुद्दा म दर्शेन्याहे सूराके तुराक्षेत्रात्तरानु पर्वता विदास्त्रीरा विदास्त्रीरा विदास्त्रीरा विदास्त्रीरा विदास यांचेर्राय:विया:य:र्पाचेर्रःवृत्य:रेया:रुय:स्वरः क्षेत्रिय:स्वेर्रःस्रेर् वर्षुकाळॅराचारेदा देवान् र्रायान्य स्वाप्त्र व्याप्त्र व क्चीन्ये त्या क्षेत्रार्थे विवारे त्यार्थे क्षेत्रकारी सन्तर भ्रमास्त्र रे त्या वर्षीया वया रे: वेर चेर परेता थ कुर वर व क्षेर विवा वेर घरी वर्र कुवा छेर दरा ब्रेन् पते हे त्र भ्रेम विमाणेन पाने हिमायम स्रोहेन प्रेम वर्म हैन की सा क:न्र-प्युत्र-रेर-पञ्जाव:पदे कवायावहिवाः इस्रयावा छः प्यरः व्युः से 'न्वेन्या वदःवीःवाःवार्केषाःराविवाःवीःवदःवषार्केषाःयात्रयानुः (तुषाविद। केंकीः हवाःयाकुनः

<u> श्</u>चार्के विचा चीर्या क्षेत्र सदे स्पूर्य त्या श्चे स्वास स क्षर तुर् र्शेर प्रथम क्रुं। वे त्रुर प्रचेश म र्शेष विष्ण व ज्ञु के र्शेर जे द बेन्यम् विस्तिन्दः तुः केवाद्यिन् व्यवः रेमः कृवः यमः विकावः नः नुमः क्रिवः बोन् विन् बी देवित्वर दुः देविषायव रेप्यव महिषायामहिष्यायामहिष्य ४५ व्यापाय विष्यव द्यापाय कुर् श्रीः कः क्रीतः र्कटः प्रवेश्वेशः स्वेतः प्रवेशः ह्रण्याः र्कटः प्रवः हे प्रवः रेत्। त्रुश्यः प्रवः स्वायः र्ड्यालेगा येत् स्पेन् या य्रोति श्चेताया यो नेवाया न्यान्य र त्रुन त्ये कि निया स्वया केर त्या ५५ ৻ঽয়ৢ৾৾৽য়য়ৼ৽য়৽য়য়৽ড়য়৽য়৽য়ড়ৢ৾৽য়৽ৼয়৽য়৾৽য়ৣ৾ৼ৽ৼয়৻য়৻য়য়৽৻ঀয়৽ৼ৽ৼৢৼ৽ড়৽ড়ৼ৾য় नेया ने भूता वाकार वा द्वी प्रभूका की तन्याय दे प्रवास के विवास है । क्षेत्र:ब्रेन्:क्रीत्र:वर्षा:प्रद:क्षेत्र:बर्:काःचल्याःक्षेःव्यत्र:चक्ष्यःचक्कियःवर्षाःवःप्रदः व्याःवः र्द्धरःश्चेरिः दित्रः यद्वेदः अव्दिर्धाः यदे विद्वः ঀয়ৼ৻ৼ৾য়৻ড়য়ৣ৾৻য়৻ঀ৻ৼয়ৢয়৸৻৻৻ড়৻ড়৻ড়৻ড়৻ৼ৻য়য়৻য়য়৸ तर्रः क्विया या मे शान हो हिया केवा ये विया विया प्राया प्रीया पर हिराय विया प्राया थे था वर्षुद्रः सेद्राव वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः सेद्रावर्षः सेद्रावरः सेद्रा यदः क्रुं यो ५ या रे १ विषयः द्वीं या राष्ट्र विषयः यो स्थान विषयः नयस्य द्रया स्टा वीया स्टा वीया यहेन या भीया या समस्य ही हिया यह हा व गर्रेन बेन भेन अप्यादर्श के प्राचित स्वादर्श के प्राचित स्वादर्श के प्राचित स्वादर्श के स्वाद्र के स्वादर्श के स्वाद्य के स्वादर्श के स्वादर्श के स्वा क्रिं धुः सरादर्शे हो दर्शे दर्शे हो स्वा स्व हिन्। स्व हिन्। स्व हिन्। स्व हिन्। न्गे न न इ क्रून के न के न इ क्रून न देते क्रून न क्रिक्न के का क्रा क्रुन क्रिक के न कर के क्रून के क्रू सरःभ्रु: दर्शेषादः से वाषे विदे हिट दे विद्वेद विद्वेस्य स्विट से वाषे विदे श्रेष्टा विदेश द्वीया दे केरावयम क्वें वहरावा भारत है द श्रीया के वार वेर खेवा रह वीया यक्र-पा यात्रवायाकर्न्, प्रायक्ष्याया यात्रवाक्षीयायकर् पायाहेयासुधीयाय चुर्यायात्यार्थेषार्यार्थेषाः वार्वेद्राद्रात्यद्वेत्यायदेः त्यस्य द्वा साधितः यो साधितः यो साधितः यो साधितः य न्देशस्युःतहवान्यावान्याः क्षेत्रस्यावित्रस्याहित्रस्यस्याहित्रस्याहित्रस्याहित्रस्याहित्रस्याहित्रस्याहित्रस्याहित् श्रेवाशयश्राभावी पञ्जेराने त्रेवाया देते विवादश्री रवी पावाद रवा सूर र्क्र्यायायायर वीयाययाययायायायायाय दिन विषा वर्ष्मियाय केंद्री यायू के कें सूर सुर वयमार्श्वमार्श्वमार्श्वमार्थमार्थमा व्युक्तिर्देशमार्थमार्थमा र्वेद्रायरञ्जेर्भः दर्वेषात्रः यद्रायययाया हतः द्रद्रायञ्चययाया स्त्रीयः विद्यायञ्जेषाः न्वींया नयमायाव्यायायीः हिन्दे तहीं वास्त्र के तहेन् स्योधया से वास्त्र वास्त् यार ब्रेंबर के खेरा केर क्रेंबर या होंट प्रया अर्देर व प्यर ही वृर्हेष या केंद्र यर ही त्र क्षेत्रायान्य देश्वित चुर विदेश के वार त्वी देश या चेव पर त्वा या की वार पर विद्या की वार पर स्मृत्वुं विषाधिव यारेना ने तद्वे प्रशेन वस्र स्रोत्य स्तर्वे स्तर्वे द्वर प्रशेन स्त्र विष्य स्तर्वे स्तर स् विष्यःश्चितः स्त्रिन्त्रा सेन्यते वरः वयः स्त्रुटः स्त्रिन्यः स्त्रे। सूटः स्त्रुवायः स्वः यावः सुन-५-भूर-पर-१ सूर-रामवर-भेन्निः सदेन्द्र। वेरामन्दरम्बेद। हैः क्षेत्रः सक्त स्त्रा स्वा स्त्रीत स्त्रा । । स्त्री न स्त्री स्त्री स्त्रा स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स स्रिम् । ने प्रतिव सम्याम् या स्राम्य स्थान । प्रदेश में प्रतिव स्थान स्थान । प्रदेश में प्रतिव स्थान स्थान । मुं मुं या मेर या त्यात त्युरा विया या सुर या त्यूरा रारे या या स्था स्था सुर या सुर य

नर्मुन यन्द्रम् अहत्य। यमः भूनि न्वो नर्वे नर्वे न्वो ने न्वः नि न्वः न्वा न्वः न्वा न्वा न्वा न्वा नि न्वः नि यम्भात्रा विकास मित्र में के लिया मित्र मि ऻॺॖऀॺॱढ़ॸऀॱ୴ॸॱॸॺॱढ़ॺॖऀ॔ॸॱॺॸॱॺऻॱख़ॱढ़ॿॗॸऻ<u>ॿ</u>ऻॿ॓ॺॱॺऻॺॖ॔ॸॺॱय़ॱख़ॗॸऻ वयाधिवावावदीत्रदिवीं सूर्ययाय स्टार्से स्टार्स्यावा स्टारे या के स्यासे स्वास्य वया यन्द्रप्रिया व्याक्रियः सर्दे स्याया श्रीक्रिया याया या नियाया स्त्री पाक्री स्याया स्त शुक्कोषा १ अयथायोद नक्किट पद द्वीद क्षियाया १ अयथाय प्रस्ति प्रदानीया सुनाद केंया क्रुं न्यादः यात्रयाञ्चीदः न्वोया क्रुं वायाः युवायाः येषाः वेषाः वेषाः विषाः विषाः यानस्यान्। व्वैयायान्न्याविंगायान्त्रयान्त्रयान्यायान्यायान्यान्यान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्यायान्य मुंशनाः झुंशन्त्रा वयाः हैं व्यूचा व्यूचा व्यूचा नित्रम्य वयान्य वर्षे स्वयान्य वर्षे स्वयान्य विष् र्रट में बिया या तर्वे निर्वास्ता वर्षा वर्षा व्यस्ता महित्या हो निर्वास कर्ता वर्षा ही स्वास ষ্ট্রিলাঝ'র'রঝ'রনপর'রেরুলা'যা'অঝ'র্ম্মলা'অম'রे'ইম'র্মা'অয়'অয়'রের্মা'য়ৢলাম'নিঝ'যা' योजः कु.च.क्रेर। अरशः श्रीशः श्रीशः लाः श्रीयशः चर्थः दरः श्रीः वहवाशः यः चर्षः लाः श्रीवाशः म. मुर्यान्यया क्री. क्रीया न प्रमुद्दि परि केदा दुन्या क्रीया क्रीया क्रीया विकास हो । विकास हो न त्रुराधेष्रकातात्रप्रत्यात्वयात्वर्षपुष्टां दुस्यस्यकाष्ट्रप्राचित्रप्रकार्ययात्र्यात्व ने सूर्या देर विवा वया पर सुर्य दे सुवाया या वर्षे सुर्य प्रवा दि स्था दे से सुवा दे राया षिदः वियान्तर्दरः वर्ष्यायवाः हैः स्वरावान्तरः क्रुविः क्षुवायाः वावत्र स्कृताः क्रुवाः क्रुवाः क्रुवाः वावाः के योबर् सी.लुर्य.लट.क्र्य.मु.पर्वीय.तपु.स.य.धु.क्र्.पर्ट.झूट.भा.धिय.तथ.लुर्य। रेट.मू. विगान्यायायायायाचेन येते सूर्या हेंग्या प्रदासीयायाचेन येते हम्यायो निवाया

विन्द्रभूति। वस्यायम् द्रायानियानीयानुस्राध्ययाया सार्व्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य स्वत्यस्य रैट विस्ट कुया धुनिट अर्वे बोरा देवा विदेश गदि दर द द द हैं वाश धुना वाशुंश क्षेत्रः याधीव चे रास्त्रावव स्वराच रेत्। वेव ग्राम् में सामनित्व कुन केव से स्वराम् विष् [यः विया सार्च] स्निर्दे चुर्द सेस्र सार्ची दे विया सार्चे या दे केरा की सार्द या विया सिर्वा परि क्रिक् क्रीश रेट्। द्येर व सुनोबा तके त्य हे प्रदेश है व व सा भ्रीस क्रीय क्रिक् है गञ्जारा सर्वे राम्य से विवास विवा वाया हे सुवा संदेश वरास है । नवींबावाद वर्तेन वर्ते बार्केवा यालेवा हुत्त्व। नदायी वा वत्तर वी देवाबा विवास विवास विवास विवास विवास विवास व वेरायन्यायदे द्वेषायायाययमञ्जानिरान्वीयायायय। नराये व्याकु वेराकेवा मुख्यानरभन्नाक्ष्याभाषक्ष्यन्य विष्टुं सूर्यन्त्रम् सुर्वे राष्ट्रम् स्वे राष्ट्रम् सुर्वे राष्ट्रम् सुर्वे राष्ट्रम् स्वे यव विवाय परि यदे के या दे परि वालवा वा वा विवाय न्ययाः यर न्याः वहें र प्यतिव र्यो न याः वियो व याः यातुः व वेव हो यान्यः व यो व र्यो न याः र्केन्निवित्तर्यः स्थात्रद्यत्येष्रः यस्यायदे व र्केन् सुद्दः द्वेष्यः श्चीः सुस्यायदः विवायायोत्। देरायासुत्ययास्य विवायायोत्। यत्व व प्येत्यये वेवायायोत्। त्रज्ञुनःभवे:न्गाव:विवा:न्व:भःने:वार:धेव:बेर:वा केंव्रदे:ब्लेंब:वाहेंद्रःकी:ब्लुव:धवः वहैना हेत र्केश मक्किन था लेता याने प्योत्ता ने देश मन्दर त्रुपान स्वापन था क्रीता हे केश वैवा वश्चव दर्वोक्षा रद रेवाका श्चु केर विकाय विवाय विवाय से कि विवास देवा व यर्तः वर्षाः देरः दुःतयर्यायः भ्रः तुः दरः। मृतः यात्रवायात्ररः सेरः तः मरः हेयः सुरः यान्य दर्भ वर्षे रावलमा वर्षा सुर तुन क्षेर तयर या भू तुलिमा यया

र्देव यावर विका है। विकासी सुवा केंबाया द्वीर यर र्दर से विकासी क्वीर वीकासी क्वीर या हे। दर्ने सूर कें दर्ने देवे लेव या कुर बनस ग्रुप्त में स्वा वें व ग्रुप्त व स्थेस ने सूर यन्द्रपञ्चरञ्चरञ्चर्ता देवःकुद्रावाञ्चरवरःदर्दावी विःद्रदाययानेषायन्दरः अरः झ्वान्तुअः धेवाः विवाः वीः रेः श्रेन्दः विः विवाः वीः क्षेवाः वारः श्रेदः खेदः स्रोदः श्रेष्टः व्यवः विश्वः विवाः विवार्षः विवाः विवार्षः विवार्यः विवार्यः विवार्षः विवार्यः विवार्षः विवार्षः विवार्यः विवार्षः विवार्यः विवार्यः व म्बर्स्युः भेर्यः भर्ष्यः द्वरः द्यादः त्रमः द्विरः यदे क्रुर्द्धः व्याः दि देशे कदः यरः दक्वरः ग्रीटः ग्रीः मन्यायात्रदीः श्राप्ताप्तराप्त्रायाः भितालेशायतेः देताः भरते। सुर्यापाः स्वायायतेः तर्वोद्दार्चातर्दे तर्हे अपकेदा भेता देते सुन प्रेन त्या सन स्वामित्र स्वेदा यर.लुष.कर.श्रैष.पर्वर.रेग्र्य.क्री श्रैष.धर्य.प्रय.येथ.श्रैष.ल.क्रूर.के.क्रा.लट.या. चुरु, य. य. य. र. र. र. य. थ. थ. र. य. तमुद्रः क्रें स्त्रुवः यः यो प्यद्यः मुः स्पेदः यः यः स्त्रेव। देशः वः द्यः वर्मेदः ह्रेदः द्यावः वशः तर्वो पर्वर है। हैं हैं हैं हैं की क्रिया मध्या उद रद वीया हुआ खु त्येता रद से अया हीं द र्थे विदेश्य बेया बेया विया वर्षा वर्षा वर्षा विद्या या विद्या या विद्या या विद्या या विद्या विद्या विद्या विद्या यदे य लिया विया प्रिंदा य प्रिंदा विया विया य त्री स्वापित के स्वा चर्या से से द्वीय या विवा शार से र पद से स्वा शी हम है वा दे दे हे या सु स्वा र वा यक्षियायायायार्क्रन्यम्भावाययासूयायस्यास्ययास्ययास्ययास्य विगार्चेदार्थेरायान्या केंद्वीयाने त्ययाग्राम् सूना केनान त्रमहेया वार्थेना हे तर्देन याने तदा लेगा से के लेट। तर्देन कुट केंगा ने शा शी सूत्र वें रायु तदा याने रटा यगामु: प्रेंद्राव तर्ह्या श्चीर मी क्रुं वेंद्र प्रेंद्र या त्य या श्चीद्र केंद्र यदे। क्षीया दे विवाद यदे। देख्ररद्वाचोरेविंदाविंसाकेदावस्याउदार्वेषायाधीदा पर्वेदासीस्या

वियायन्वायायञ्चा स्रोत्याय वटा वी ल्या वास्टा

विट विवित्त सुरातर स्मित्र सेवा या सूट पार्ट्या र विविद्या से। स्ट दे त्र या स्वित केत्र ये लिया याया ततर हो त्या विद्र विद्र हो या स्था स्था स्था स्टर्मी खेळा के हुन के ख <u>२८.५र्ड्र त्र.तर्</u>द्ध्यायायाद्यात्रयात्रयात्रयायायायात्र्यात्र्यत्या र्वेजाया केत्र में प्येन्। यो में जीना मान जीके वा न्यान प्रति स्थेया मान प्रति स्थान स्थाप स्थाप चल्यान् ने प्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स ब्रुट प्रेन लिटा नवो श्रेवा बेरावा दे वार्ड विरोधिया श्री हो वार्षित है। सूर सूर थाळेत्र ये विवा चुरा दराया चुरा के प्येत्। दे सीत सूर्द्धते सीत र सुरा मेरा प्राप्त त हेबायायेबायेदायेदायेदायेदायादावायायायवादायेबाद्योप्यायस्य स्थान्यायस्य देशक्र केवियावयवाया श्चित श्चिर द्याव क्षेत्र दरा श्चित या साधिक विवास स वया वयार्क्यम्बर्गयावययवयार्क्ययोदानुःयुर्यकुः नदार्क्ययदेशेटार्व्याप्वयः यगः सूर्रः यः सूरः प्रते । देशः दः के सुतः कुरः सुतः ग्रीशः स्वीतः यश्रात्राः य श्चीतःश्चिदः रेचिदः दविषा कुः विवा प्ययायायाया स्वा यक्वे स्वर्णन्य यायायाया स्वा स्वर्णा स्वर्णा स्वर्णा स्वर कुं लिया भेर रेर अयो हेवा या या ये विषय अयो या अवा भेर कुं लिया सेरा केवा या य तः श्चीयःयः द्वाः श्चीयः यः द्वाः वः स्टेर्वायः यदः श्वायः श्चीयः स्वेर्वाः वर्षेत्राः वर्षेत्राः वर्षेत्राः व लुष् श्रीय श्रीट व्यापा २८ श्री अकूची श्रीट क्या श्री अप्रया पश्ची या ता है। लुष् लुट । श्रीट । ૱ૢૢૢ૽૽૽ૹ૽ૺ૱ૹ[ૢ]૱ૣ૽ઌ૽ૼ૱૽ૄૢૼૢઌ૽ૹ૽ૢૢૺૹ૱૽ૺૹૼૼૼૼૼૼૼૼૼૹૹઌ૽ૢ૾ૹૻૻ૱ૡૢ૾ૹૹ૽૽૱ૡ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽ૹ૽૽૱ઌ૿૱ ষপ্রমান্তর্যুট্রি মান্রমান্রমান্রমান্ত্রি ক্রিট্রা কুরি নামান্র প্রেমান্তর্যুক্ত করে ক্রিট্রা করে করে বি श्रेस्रश्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्राचार्येत् । यात्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्र

ष्ठीः या आसूर म्हार्चे वास्त्रीतिः विकित्ता विकासूर वा साम्या विकास स्वापा विकास स्वापा विकास स्वापा विकास स्व वर्चर र्केन केवा वा व्यापेन वर रर की खेसका ने मुखा वया रर मुन वर्म रहता केवा क्षेत्रान्डं सः रेडिंश ही दायदा देवा वायवा ही विद्यास ही दायवा विवास श्चित्र प्रति देव केव दे केवा ने केवा प्रत्य विष्य प्राप्त केवा व विष्य कु विष्य विष्य विष्य विष्य ৼৼ৽ঀৢ৾ৼ৾৽ঀয়ৼ৽ঀ৾৽ঀড়ৣঀ৽ঀ৽৸ৼৢ৾ঀৼয়৾য়৸য়ড়৻য়৻য়৻য়ঀ৾ঢ়য়৸য়৽য়৽৸৸ৼ৽য়৽৸ৼ৾৽ঀ৽য়৽ श्चित्र त्र प्रयास्य स्वित्र स्यु म्यु मिर्टिम् स्योत्। वित्र स्याप्त स्वत्र स्थित् स्वत्र स्थित् स्वत्र स्थित ने सामेशास्त्रास्त्री सर्वे तिर्देश सर्वे तिर्देशस्त्रीय स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् स्वर् म्र्रीक्रिक्ट अ.भ.रचम्.म्रीक्रिट्ट रच रेट चम्मारच त्याय क्ष्मी त्या र्या र्या र्या *য়ৢ*ॱय़ॖॱॹॗॕॸॱॸढ़ॱॿॖॕऻॹॺॱॸढ़ॱॹॖऀॱय़ॗऀज़ॺॱॶऄॱऄ॔ॸॱॸढ़ॎॱॿॸॺॱऄॺऻॱॺऻॱख़ॱऄ॔ॸऻॱऻऄॺॱढ़ मुर्यायात्र स्टर्स्य विषयात्र स्वायात्र स्वयात्र स्वायात्र स्वयात्र स्वयात्य स्वयात्र स्वयात्य स्वयात्र स्वयात्र स्वयात्र स्वयात्य स्वयात्य स्वयात्य स्वयात्य स्वयात्य स्वय र् हेर् कु र्थेर या अरेरा व्यक्तिया या व्यक्ता या विवा येरा ने हेन् विवा निवास वर रु.वेर वाउर वर वर्षा विर्मा के स्थाय के रु.च्या वे वर प्राप्त विष्य प्राप्त विष्य विषय विषय विषय विषय विषय ঀ৾৾৾৴ॱয়৶য়৴য়৾৾ৡ৾৾ঢ়৾৻য়৾৻য়৻য়৻য়৸ৼ৾৻ৼ৾৻য়ড়ৢয়৻ৼৢয়৻ৼ৾৻ৼ৾৻য়ৢ৾য়ৼ৾৻ৼ৾৻য়ড়ৢয়৻ दुर्या रे रे मिर्डेन् साद्याचर सम्बन्धन वाया तद्वयाया वित्र सेंद्रा देर व्यवसारी सु र्वेषाक्षीयम्बर्धायवदः विषाप्रवेषायम् विषावस्य विषावस्य विषावस्य विषयम् रदःवाञ्चवायःवसूदःहे:ब्रिन्थःन्देयःज्युवःक्षेन्नवीयःक्षेयःसूर्यःयर। विरूद्यःथःवर्जेः र्रेवाबालियाः धेन् याने सार्वे असे असे हिंदी बायर। दर्वे स्वाबाने बार्वेन की बीन सर्वः क्षेत्रायः ग्रीःम्रदः ययाः याद्वेयः ग्रायः के तद्वे त्ययः स्वतः ग्रीवः तद्वा यायः हे स्कृतः

यसगास्तरमें से सुन नसा ने नस ने से सुन तर्ने लुस द योगस ने स सुस म १८। व्यापायप्रात्ते त्युराञ्चाययाप्रेत्यरावयययययवयारायाकुतातृत्ता लचा.चलु.लूर्.बचळालुचा.चै.रूच्यालुळाड्याला रे.म.बचा.क्चिच.धे.म.र.लचा. चलुः भेन् स्याः स्वाः त्रवाः त्रवाः न्याः स्याः स्य बिरकी वर दिश्वर वर्ष वर्षा वर्षा वर्षा की छो. लूर वर्ष वर्ष सुर्थे दिश्ये दिश्ये वर्षे वर्ये वर्षे वरत ययन्त्रात्रम्याद्याचे स्वयाद्वे स्ट्रास्य विष्यात्रे स्ट्रास्य विष्यात्रे स्वयास्य स्यास्य स्वयास्य स्यास्य स्वयास्य स्वयास्य स्यास्य स्वयास्य स्वयास्य स्वय त्रमा । त्रे. द्याः श्रुरः दुः चर्म्याः वर्ध्यः हो। । व्यायः श्रीः श्रायाः यत्वेवः वे । । वेयाः योशीरश्रातानुर्वे। ग्रीयोश्राप्तवरात्तुष्ट्राप्तानुष्ट्रायानुर्वेश्वरात्त्रायानुष्ट्रायान्त्रम् वर्षे न्द्रा क्यायासूर के नदे रचा त्यायास्य स्वर नु रेवा से हेवा मी नसून नहेंया सूर त्यति भ्रिते देव केव नश्चन यते प्यव त्यव क्षित्र या देव यो दि स्वर्धे प्रति । नमून नर्रेयान्दर्सेयाधीयाने से स्ट्रान्य से से स्ट्रान्त । निद्राने से स्वाप्त से स यालवः याद्येयः र्रेवः र्रायम्या क्रिया क्रीया विषयः यान्ययान्तर। रटार्ने रटाया थी नगरान थी श्रीन प्रया के तिने रामने विषय श्रीन व्यवशन्दा केंत्रदेरस्ट हेन् क्षेत्रे वदावका क्षेत्रस्त हो। अट न्दार विदायगार र्खुयादी व्रिकामार्क्कियाद्वर विकाक्कु व्यद्भायारेद। व्रिकामार्क्कियां क्षुविक्षासार्क्कियां क्षुविक्षासार्क्कियां कु यालवः वरायावायाः वर्गोन् यादे केंबा लुकेया रेन्। नेदे रेवा बार्झे व्यास वेन् लिन प्येन थायानन्त्र। केंदिने थायान्त्रीयायी केंद्र होत् श्री केया हा या विवा हियाया

क्रियावयानियाकुः प्येत्। भ्रीतियातारे क्रियाकुरिया क्रित्या क्रिवाया क्रियाया क्रियायाया क्रियाया क्रयाया क्रियाया क्रयाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया क्रियायाया क्रियायाया क्रियाया क्रियाया क्रियाया क् यश्रभायवराम् इत्। श्लेराहे खेर् या रराकुर तह्रामी सुवा यस्या क्यंत्रमः भ्रीत्रया स्वयंत्रा भ्रीत्राय स्थानित्र । स्थानित्र स्थानित्र । स्थानित्र स्थानित्र । स्थानित्र यक्षे.च। सर.ज.ब्र्.चक्त्रमाण्यारःक्ष्रंर.ज.बीकाबेचकान्तेरं.नायव। रे.यर्चनुः वि्वा लर्थामुं कि कुषे त्र्रात्वे लूटे ता हे कूरा के चया ला प्रचया हैंटि चवर ची सूर ही ह्या ता रेपर्डवाहेरेदेरेंद्वानेयानीया देप्त्रीयायाहेत्रायादयार्ट्याहेदेयानीयागा क्यायासुर्या । रहासे दासी व्यापानु स्वीता से स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता स यनाये तथा निष्ना है में अर्थे दान वर स्निन्य की नाय पर सम्बन्ध की से स्वाप त्वतः विषा यः श्चेति छेर सा स्वरा ग्री श्चेति स्व त्या वार्डेषा स्व ता ने त्वर विषा है त्वश्चर श्चे र्थेन्याधिव। नेदेश्वीरावाधरार्धेवायार्केवान्वीका वहेवाहेवार्कीयने पदे न्दें अ'यें 'ब्रथ्य 'डन्'न्गाद' श्रुन्'त्वन्' वर्डे व 'श्रीय' वर्श्वन्य 'पेंट 'व' वा नवा या पेव। ने यस ग्राम के नदे ही अदे नने न लेग ह्यून न में साद ने गाद यस हुम बन ही न व्यानिव्या विवादिः वर्षेत्रा स्वादः विवादिः वर्षेत्रः निवादे । वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्र शुक्षःर्केषायः तन्त्वाः यः तन्ते के जि सेनः छेत्। ने ते स्रो नः के वः व्यवस्थायः विश्व वच्यात् क्रें वद्र स्त्रीत या रेदा राज्ये क्रिं क्रीं विवा वीया वच्चा व स्तर्भे क्रिं विवा विवा व चन्द्रश्चरःकुरःद्वेनायम्भे द्वेन्यम् के त्वेर्यन्त्रम् के त्वेर्यन्त्रम् कुट-दुःबिवा मञ्जूनया वया मदो माउव छी मदे श्ची दाकेव भे दि तदा श्ची टाकेवा मायदी शुर्य न्गायः यथायक्कियः वयायक्कियः यः सेन् छेत्। यम्यः क्कियः वेन् न्यायः योन् ख्रीकि श्चॅ्यायाय्याक्चीःयावयाञ्चाय्यास्या यद्याक्च्यायहेवाहेवाद्याः स्वयाक्च्यायहेवा

वियःयन्यायःयद्भः स्रोतायवरः यो लवायास्टा

य विया विया यक्क केंद्र स्वया यक्क देश या देश यो जी प्याप्त किया यो प्याप्त विया यक्क केंद्र विया या यो प्राप्त क्किन्यग्रेन् म्रम्भारुन्। कुँ देश्यभानुदा। क्वेन्यानायायहेन। र्मेयाभादेः बिनान्त्रीय। निन्नान्ययाद्विन्यास्मित्रायास्मित्रायान्यन्य। ईसान्त्र यथा यर्थाः क्रियः देः वय्याः उद्योः भेवः पृतः विदः विययः देः वय्याः उदः য়ৣ৾৾ঢ়য়ৢ৾৻৴য়৾৻৴ৼ৾ড়ঀ৾৻য়য়৵৻ঽ৴৻ঀৣ৾য়৾৵৻য়৾ৡয়৾৻ড়৻য়ড়ৣ৾য়৵৻য়ড়ৣ৻ঀৢৼ৻৾ঢ়য়৵৻ঀৢয়৾৻য়৾৾৾ঀৼ৾৻ न्व्यायम्। ब्रिटावस्यावाब्दान् स्रोध्यायायान्वो सः क्राक्रेत् याचसवास्य द्यासी यय। विद्वाययायार्थार्थर्थितः क्षुप्ति क्षुप्ति विद्वायार्थया क्षुप्ति विद्वायार्थितः क्षुप्ति विद्वायार्थः विद्वाया विस्रयानियाः पश्चितः प्रविद्यान्याने प्रविद्यान्ते । प्रविद्याने प्रविद्याने प्रविद्याने । प्रविद्याने प्रविद्य क्चितवीर योष्ट्र सार्थर मुंच्चित्र क्षेत्र स्वार्थर प्रमुख् राय्येत्र सार्थे राय्या स्वार्थ सार्थे सार्थ स्वार्थ सार्थ स्वार्थ सार्थ स्वार्थ सार्थ स्वार्थ सार्थ सार्य सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्य सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्थ सार्य सार्य सार्थ सार्य सार्थ सार्थ सार्थ सार्य स ग्रीयायुर नमूत विन म्रे या देर्या यदी त्या म्राया नाम या यो त्या मारा मृति सुर मी ही या ह्रेन्द्रम्यदे नुष्य व विद्वायस्य यने य उद्गे विषय मुन्द्र विष्य मुन्द्र विषय योचेयायाः स्ट्रान्ययाः पुः स्रोतः यालेया द्वाः यत्र यह्य स्त्रेयः विष्या प्रत्यायाः स्त्रेयः विष्या न्नोःक्षेटःकेंब्रःग्रीःवर्त्वुटःन्नव्यानेवेःस्नव्यास्यःवानक्ष्ट्रायःवानव्यायवेःग्रुटःकुवः श्रेयश्चरत्वियाः प्रेवः विदा प्रमुखायाः देश्वदास्य दि विवासी स्रेवः या यावस्य प्रदेश रेते देव दुद्व द्राप्त व्यवा वी श्वेष प्राप्त विष्ट । श्रेष द्राप्त विष्ट विषट विष्ट विस्रवासुरावायार्शेष्म्रयाद्वा र्वेषार्थेष्मावि रेते देवाद्वार्थेष्म्रया शुःचीते वर प्रमुवापा केंबा केंबा रेते देव दुः विते गेरि पुःवा अर से केंद्रिया चियाची स्रूयाः क्रां रुषाः प्रते स्रुप्ता प्रयायाः स्र्यायाः स्रियाः चा स्रुप्ताः च स्रुप्ताः चा स्रुप्ताः चा स्रुप्ताः चा स्रुप्ताः चा स्रुप्ताः चा स्रुप्ताः चा स्रुप्ताः च स्रुप्ताः चा स्रुप्ताः चा स्रुप्ताः चा स्रुप्ताः चा स्रुप्ताः च स्रुप्ताः च स्रुप्ताः चा स्रुप्ताः च स्रुपताः च स् पर्वता न्यायते केंगानेते नेता व्याप्ता व्यापता व्याप्ता व्यापता व

र्धरः अर्ह्म दुषा हेर्षः क्षेत्रः क्षेत्रः भेर्षः चुम्रः। हेर्षः क्षेत्रः क्षेत्रः भेरत्या क्रीक्वयायर्द्धवा केत्राचित्रमुद्धा देवे स्ट्रेट द्याकें या क्रीक्व केत्राचित्र से स्ट्रिट विषा हेत् क्षुः स्रुत् पार्ययायर सर्हि। यर याक्क्या द्वेषा द्विषा पक्का स्रूरि स्वषा सराधे पश्चेत प्रगाप्त सहित है स्वर हैं ते त्या सहित हैं है । के त्या सहित है है । स्वर सहित है । स्वर सहित है । स्वर यावर्यः स्नेत्रयः सुःयावि वर्षः स्वर्यः क्वितः हे दः स्वरिः स्नेत्रयः वः यदे । यः उव : क्वीः वया सः यत्रुः श्रॅट'च'रेर्। यने य उत्र की ल्या सारे था रदारे देश यह्म था या या जेया रेन या सुदस र्षेर्रायाचेत्। अद्याक्क्यातेर्त्रात्मवायोर्ग्यते स्वायाच्युति कुळेत्राये दिते सस्या यहेब ब्रथ रूट रेश द्याद ळेंग्रथ छुट टु ब्रिया यक्किय ब्रद यदे य छ्व छी यदे क्किट व्यटकार्श्वेनिन्दरन्त्रायदिः केवात्यार्श्वेनिकिवात्यादिने विदान्त्रवात्रात्रेनिन्दिना श्चीरः यदयः क्रुयः ग्रीः यह्दं पायोयया उदा ग्रीः देवा यया ग्रावदः दुः यो । द्रोवा यदः रेते क्रुं व र्श्वे अर वर्षे द व्यथा अर वे विवा वयवया है द स्वावदे व उदाया क्रुं विवे क्रुं यवुःश्रुपःश्रवःयदेःत्युर्थःहेवःविषाःश्चरया यदेःयःख्वःत्यःश्चेष्ठःयदेःवेषःयवेश्वयःयदेःर्वोः भ्रम्या विमा हेन या तरी न्त्या विदेश विभान् मिश्रे रहे या न्या विदेश विदेश न्या प्राप्त । विदेश विभान् स्था विदेश कें द्वीः स्रयानस्य स्वरिक्षे द्वा प्रति । स्राम् ल्या विष्य प्रति स्वरिक्ष स्वर् विष्य स्वर् विष्य यावर वार वार में अया पेर्न हेवा पेर व हैं या है निवाया ५ ५ ५ ५ ने तर्द से हैं सूर वर र् विवासेर मदिसी पीत तदर के दिर सी मायायाय दिने युवाया ने या कु पीर्वा दे यः इटः अर्द्ध्दर्भः लेश्चात्र्यः क्रुवः चन्द्रः श्रीवः व्येदः यः देः रेद्र। श्रीवाः योद्यः व्याप्यः लेवाः व्यः

र्थेन्यारेन्। सूराधीवासोन्यतीन्स्यान्यातस्यात्र् निवा विच प्रविचा प्राप्त प्रविचा प्रार्द्ध र या धीत्र। ने सुर प्रविचा परिवा में त्रापित विचा विचा प्रविचा परिवा न्वींका ने प्यर न्वींक प्रकार क्रम न्वींका केंका रुम ने स्तार स्ता र्नुःचःस्रावद्येत्। क्रुतःस्नुवास्रायहेवा देःद्वाःवस्रायेत् क्रीराचेरःस्रेटःकस्रा व्यंत्राधीत्। यतःम्पतः नदःम्बान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रा याः १व व । १व क्रुं केवा क्रुं विश्वा स्थान स्था र्टा रट.पर्ट.प्र.चक्कैय.य.र.कूँय.लय.कर.र.चक्कैयाय.चक्कैयाय.पर्टेर. तर् रामर्श्वेषायामर्श्वेषायामया के विषातम् वार्षा । के तर्र राम्बेरामते कु विष्य होन क्रिः धुः सरः यवः यदेः क्रें सः त्युवः सेद्रा स्वायन्। यम् नश्चेर। क्र्यायात्र नयमाया श्रीयाययात्र विराम्ह्याया रवार्डमालियाः स्वाप्तायाः यसार्वे प्याप्तायाः स्वाप्तायाः स्वाप्तायाः स्वाप्तायाः स्वाप्तायाः स्वाप्तायाः स्वाप स्वायान्त्रेन्त्रः वेयारवा सेन्ययारेन्। वेयारवा श्रीः सेवा सेन्यया सेन्यया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स व्यट्टिया व्यट्टिया प्रत्या प्रत्या प्रत्या प्रत्या विष्या विषया विषय यावयासुरवर्श्वा केयायासुर प्रते में वार्ति से न्दःस्त्रीलियाः द्वीन्द्रन्त्रीया स्रीत्रां स्त्रां स्त्रा क्र्यायाचीर् प्रमेषा क्र्याया रवायचीर माम्युयाची तर द्यायार मी माया प्रमेश नवीं यान वार्वेन भू कु उत्र लेवा धेता न भूते यी ख्या वर्ष यान वर्षेते वी लेवा या

यस्रअप्तर्ने म्हारायस्य हुराले व रदावर्देन दहारुषा लेवा हे केरासेटायायस हुदाया रेत्। देवे सुवाश्वार रावहेंबा वा इवा राधेन वारा प्राप्त वा सेना वा स्वाप्त वा स्वाप्त वा स्वाप्त वा स्वाप्त वा केन द्यामी अर्थे मिन्न म्याया मुद्देश देश देश देश देश देश देश में अर्थ में अर्थ में अर्थ में अर्थ में अर्थ में विंगा गी ब्रुव प्राप्त र विषय वर्षा स्थाप प्राप्त प्राप्त है स्वर् क्रिय कुया तु सी खुरा प्राप्त र सिर् स्वानस्य भ्रमः नर्द्रान्य स्वाद्ध्रान् भ्रम् । यद्भानस्य स्वानस्य स्वाद्धानस्य स्वाद्य स्वाद्धानस्य स्वाद्धानस्य स्वाद्धानस्य स्वाद्धानस्य स्वाद्धानस्य स्वाद्धानस्य स्वाद्य स महिंद दर्शेषा दर ये वर्देन कम्बाल ले खूद महि सुमा मसुम के बद सी खूँद ये गशुरारेत। र्शेसिट्सें में लिया याते गशुरा भ्रुत स्रुवा की वता प्रेत सेता ते याश्याः स्वायाः कुरः व्यवयाः सेवाः व्यवः स्वायः स्वयः व्यव्यः क्येः वेद्वेरः यः योः वर्वेरः यः देः वेदः यात्रे बन् केमार्वेद प्रबेरिय भेदा वी वेदिय बर्ग मासुसाभिन विद्यानी निर्देश ये प्राप्ति । श्रेवाःवाञ्चवायायाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्य वहरः ब्रे वर्दे दः द्वरः द्वेषाः वेषः रे वर्षेषः छोः ब्रुवः वर्षेषः षाः । रदः क्षेत्रः श्चीदः ववषः ददः र्मेयो.पर्नेजाः क्षेटः सप्राजाः तथः स्योगः कुषः राज्ञाते । वुः स्टरः सुः दरः राज्यात्रात्तरः स्तिः सः यः वर्षाः सुरः स्वर्षाः दुः द्वेदः स्रोदः स्रोदः । स्रा स्रोदः स्रोदे । स्रोत्रः स्रोदः स्रोदः स्रोदः स्रोद्धाः स्रोदः । <u> ब्रिन् क्षेत्रान्द विक्रित्यस्य विने इत्र सेन् यर ले सूट वी न्वट नु विराद्य प्राथम हेयास</u> बुर्याम्। वेष्ट्रमायम्बिन्यस्यम्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्य

वी:न्वर:वीशःवाल्दःवःवार्वेन्:यःवञ्चुवःवदे:र्के:वन्दे:द्वी:वाहेशःगदि:हेशःवव्याःन्दःयः वयायवरायेयायाने प्यरास्थितायाके। ने तया स्वीता हे न्दरा चुम्रयाया स्वीता न्दराहर यदेःगल्वःश्चिद्रःश्चित्रःश्चित्रःयचदःयःदेत्। यितःस्यादी। देःत्रस्यासीःवेदाःयदः वयाः सुमामेराधेराधेराभेरारेरा देवा वीषा सववा वसूरा भेराया वर्षा विदेशा विदेशा विदेशा विदेशा विदेशा विदेशा विदेश यर्ट्युवा:श्राट:श्रीवा:श्रावेश:श्रेटा वर:जश्राववट:ग्रावेवा:श्राट:श्रेवा:श्रावेश:तर वना-तुनाने तद्वः विनाधिन यातने त्यानि सुना हेरान्। नि सुनानी सुन यासेवा न्वीयात्रावेयात्रवा श्रीक्षेत्राचे रामस्त्रेतान्वीयायय। यहास्वाचितान्वी यायमः पदः चालुदः त्युवामा न्यायदे त्येवामः चन् । ने न्वाः व्यास्यः चीः क्रुनः पर्देशःशुःपर्द्याःनव्या रटःम्नुःवेशःचितःयवश्यःयः सञ्चटःव। । वस्रश्यः उ यद्वितःतात्रयायात्रत्यम् स्ट्राः । विद्यायात्रुत्या देःसूर्यायम्बर्धःवेषाः चु:रु:बेश-नवेबिश-यदे:र्नेब-नवा-बेश-यदे:व्या-वश्व-केश-केश-यद्वेब-रु:६४ स्थायब-दिया त्त्रवा चर्यायाकुळे चानुमळ्च यो स्वाप्ता कुर्या के स्वाप्ता कुर्या के स्वाप्ता ५८। क्ष्रीर हे च र्ख्य श्रीक्षा श्री स्वत् स्वरायत् दिन्द्र मा मात्रव श्री स्वरं स्व क्षीकी तयर त्यातर्वे र मुन पालेग के तथा ग्रार मुग्ने वर्षे अस्त्र प्राप्त से वर्षे अपरा ग्री अहिंग्या वुरायान्स्रीम्बायासङ्गे बुरामिष्ठेषान्दास्य सदीस्रोस्यामञ्जीन स्त्रीम् स्त्रीम् स्त्रीम् स्त्रीम् स्त्रीम् स्त्रीम् ৡ৾৾ঀ৾৾৽য়৾য়য়৽ঽ৾ঀ৾৾৽য়য়য়৽ঽ৾ঀ৽য়ঢ়ৢঀ৾ৼয়৾ঀ৾৽য়ৼয়ড়ৢ৾ঢ়য়ৼয়৽য়ৣ৽য়ৼয়৽য়ৣ৽য়ৼয়৽য়ৣ৽ वर्ष्यवायराष्ट्र। देवे केदादाकेंबालु वराष्ट्रास्त्रयायवे गावासेंदावे सेंब्रिया से स्वरा यश्चेर्रात्रयायारेत्। यत्त्रयान्तेतेः व्यवान्त्रयाः क्रियाः क्ष्याः स्त्रात्याः स्त्रात्यायायायायायायायायायाया

क्रिन लेशना जर्मा न स्ट क्रिन स्ट्रिन स्ट्रिन

क्रु गहेरायन्वो पदे स्वान्यवानु सेन्य स्वीन् साम्यान्यवाराया

र्ने देन देन क्रिया क्

वियःयन्यायःयङ्गः स्रयः यत्रमः वी वयः यास्टा

मुतः र्श्वे व्याप्तरे प्रवाणित व्याप्तर्व विश्वे क्ष्या क्ष्या प्रकृत विश्वे क्ष्या प्रवाणित विश्वे क्ष्या प्रवाणित विश्वे क्ष्या विश्वे क्ष्या विश्वे क्ष्या विश्वे क्ष्या विश्वे क्ष्या विष्ठे क्ष्या विश्वे क्षया विश्वे क्षया विश्वे क्षया विश्वे क्षया विश्वे क्षया विश्वे क्षया विश

५८ से अर्देर प्रसूत प्रत्यागृत होट की खुर प्रराष्ट्री हो त्राधुवा वर्क्या

٦١

तक्यापर द्वीत क्रुवशावना हे सुर्पेर यान्दा व्वित् योन तुः वहुन निर्मान्दा स्थान र्गेश.शुरं.यं.सैया.धे.म.यंमातक्ता.लट.वीय.प्रेंचमा.यूट.ल.क्वेट.वजीरं.शुट.व.केंट. व्रीतः क्षेत्र यह वाः से : श्रुवा कुः सर्वतः देशः वा विष्याः विष्याः वा स्थाः विष्याः वा स्थाः विष्याः वा स्था सुवा तर्क्या वे विषया दी क्वें वासुरा दे त्युरा हवा पीट वासुरा वर्षे के दे धुरलेवा नगे भे नगे मध्यय उन वहुर नदे क्वें धेव प्रयाव क्वेंद्री क्वें ग्रायुय गुरुप्यरासुन्दिः सूर्व्यक्षाले त्। ५८ में त्युरु गुरुप्य स्थासुन्दर्य त्युन्य है। ধ্রবা'বের্ক্রমান্ত্রর'র ব্রমানের অবরা দ্রীর্মান্তর ক্রেমান্ত্রী ক্রীর্মানর সাব মার্ ल्रान्युः वृद्धेशामान्द्रा ल्रान्युंदिः क्रुं क्षेत्राया वृद्धिया वृद्धिय वृद्धिया वृद्धिया वृद्धिया वृद्धिया वृद्धिया वृद्धिया वृद्धिया वृद्धिया विद्धिया विद्धिय यरा नेवयास्यात्रक्यालें रानु वायरा स्वायर्थन स्वायेन स्वायेन स्वायेन त्यायासेट स्रुर हिरानु स्वाप्त क्या पर्याया स्वाप्त से से स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप मुद्दायराया वद्गाया वर्षेत्राय व्यक्षिया यहेत्। यह्ये व्यव्याय वर्षेत्राय व्यक्षिया वर्षेत्राय वर्षेत्राया वर्षेत्राय वर्षेत्राया वर्षेत्राय वर्याय वर्येत्राय वर्येत्राय वर्येत्राय वर्येत्राय वर्येत्राय वर्येत भ्रम्यराधितः वत्रा भ्रामहेन्द्रम् मार्थरः मार्थरः स्वाधितः स्वाधितः स्वाधितः न्वेषा क्र्याक्ष्यःन्यःन्यःक्र्यायःयः तक्र्यायःन्यः वश्चेनः ह्यायः श्चेयः वश्चयः श्र्वायात्रात्र्यत्र्यात्र्यात्र्यात्रात्र्वरात्र्यात्रात्र्यात्र्य्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र यम्भः त्रिः तर् वेषः न्दः याद्ययः व ने वे ययः न्दः ये त विषाः या ने वे या र्भवाषाभेराहेषाभद्युवायात्रेवाचेराहेवाचेषाभ्यावासुर्यायाध्येव। वालवाद्यीयार्वो क्चिर्ञ्चयः क्षेत्रः व्येत्रः व्यंत्र व्येत्रः व्येत्रः त्रेत्रः व्यः वरः व्यः वरः व्यः वरः वरः व्यः वरः वरः व विकान् हेकायातवृह्यमाने विदायमानु स्वायमान्य विकायम्बायमान्य विकायम्

<u>बियःयन्यायःयङ्गः स्रोत्यःय वटः यो ल्यःयास्टः।</u>

र्ग्रीय तिर्दर वय से या निर्देश निर्दे रवा वाबर र प्रवस्तुव यदे श्ववाय र भैवाय वाबर र यव हो। केय वाबर र ववावा वी भूनर्यास्। प्रवानित्रार्केन्त्र्याः स्वानित्रात्रात्त्राः स्वानित्रात्राः स्वानित्रात्राः स्वानित्राः नुदा वार्षेवाहान्यावहेन सेवाया भून नया वेयायर द्वानवीयाया रेता तक्वापते स्निप्यासु त्युका ग्री इसावशुराद्रा पडका हे सुमा तक्या द्वीं या প্রবা. वक्तातीयोशः भैव दीवन श्रीट लट क्र्या भैट प्रट प्रट का सैवा वक्ता श्रीवा लट श वर् वरे प्रेंपित्। केंब्रा कुर वरिते सुवा वर्क्य त्युवा वरिते । न्र प्रें क्लेर विर स्वया कें श्चर। श्रीन्यायदी: द्रान्यसूत्रात्रा देवी: द्र्यास्त्राः स्टाहिदाकी: यावारः सर्वोत् चे ते त्रिन्द्रमण से न्या के त्रवि र मस्य अ क्ष्म न्या के त्रवि र वस्य अ हेत योन् विर्मन्त्रम् न्यस्य सासूर् प्रेन् स्वरं सूत्रम् से स्वरं से स्वरं में स्वरं मासूर्य मासूर्य स्वरं स्वरं स श्रेर भ्रेम स्रोप्त विषय हो प्राप्त विषय हो स्रोप्त हो स्रोप्त विषय हो स्रोप्त विषय हो स्रोप्त हो स्रोप हो स्रोप्त हो स्रोप्त हो स्रोप हो स्रोप्त हो स्रोप हो स्रोप्त हो स्रोप्त यर्वा थः व्यञ्जेषा यञ्चे प्रते : श्रुवायः श्रीयः प्रत्यायः स्र्रायः स्रायः स्रा न्वीर्याभेन्यरावयमञ्जे। वयार्थान्त्रीरावराञ्चरावान्यान्याने सर्वेद्रावेन् न्यवा सेन् तिवेर न्र प्यक्य प्रति वायर प्यावासुस श्री सेन् प्रम् सम्याव उत् प्रम् प्रम् वया देन्द्रायात्रयात्र्यात् स्टाहेद्राक्चीत्युयायाहियाः क्चित्रयायाः प्रीव स्यास्यायायाः व केत्र चेंदिः ह्या क्री चारका प्रदासक्रमाय र सुया है। या मानिका महिका क्री गुर्देश रेगाय दुग मी येयय उद मयय उद १५८ वर्ष याया धुग वर्षय क्रीत पेर्ट यदे तर्त्रायम। यमायामहैमामामाम्यास्यास्यास्त्रीं में सम्बन्धास्त्रीरामामास्रुयायार्भस्या

चबुष्-र्-ख्रुर-लूर-र्था क्रिज-च-ख्र्य-चश्र्य-चश्र्य-ध्रुप्य-जस्य-श्चितः प्येन् स्त्रुयः प्रते त्यन्त्र्यः प्रया रदः होन् न्दरः यो या या स्वरं स्त्रुयः प्रया स्वरं स्त्रुयः प्रया थ्री न्या शुरु श्री वा स्वार्थ विष्य स्वार्थ स श्र्वाबायाने तद्वे तद्वायाचे दाने विषयो विषय विषय विषय विषय विषय विषय ८८. पश्यात्रात्रुं योश्टा श्वाया पूर्व १५४. सुव । तथा ८८. पश्या प्रताय विवाय स्थाप चन्वान्दर्भेभवान्त्रत्वा क्षेत्रेत्र्वर्भेन्वा स्वान्त्र्या स्वान्त्रा कर्ष्ट्रेभवान्त्र स्वान्त्र स्वान्य न्व अवरःश्रुः वृष्यः वेषावृष्यः नवरः वर्त्ते रः वते बुषायः नरः विवास्तवषा वर्षाः म्नियायर क्रिया क्रिया यथाया । या स्था क्षेत्र या या सम्भावी या क्षेत्र या क्षेत्र या क्षेत्र या क्षेत्र या क्ष न्ध्यानः हो खारें। यदः ह्यूरः युरायरः यदका हे निर्मातः सकेवा की यो त हत हत या वयातर्वी प्रस्थान है स्था क्षेत्रा क्षेत्रा स्था । स्या वीया पर्दे पा उत्र ही लिया विस्था यः क्रीः नदेः क्रें तः ययः मद्या धेदः श्रीयः ददः मुषः दयमः योदः ददः युवः ययः क्रें योशीय.कृया.पट्टेज.वीट्री या.की.या.जा.योथियाय.येथ.लट.देश.जया.याह्यजाया. थायेवाकोप्तव्यार्थेन् प्रदेष्ट्रेटानु स्वाकायगायात्र काष्प्रस्था वयापदे सह्वा क्षेत्रायान्दर्भित्रः व्यानहेत्रः भ्रीत्रदा क्षेत्राः केषा क्षेत्रः विष्यानस्थानयः सुर्यान्याः कर्त्रः स्वा अवतः तः श्ववाः वार्षेवाः अः वार्तेवा अः अः वर्कः यः तत्रः स्टः स्त्रः वार्वेवाः वीतः द्वीतः वार्वेवाः वीतः विवा त्रमुट्रशः श्वताः स्थायाः स्थाय गितः वयः ब्रुप्तः क्षुवितः वार्ड्वाः यः वेदः यः यः यः वातृवाः प्रवेदः दुवेदः दवेव। यदः यप्तः यर्षाने वाया या विष्ठा गाषा चया से द्वीर गार च्वीराया या से वाषा या स्वरा चलेत्र त्री । वर्देदे प्यत्र कर से रागुरा धुवा वा हे रेट हिन से द खुर। । वर्वा वी भ्री वार्युया मुर्या यया श्ववा तर्कता व्यो । विया वार्यु र या यदि स्विवा मारा वाहिया तर्दिया

वियायन्यायायञ्चा स्रोत्याय स्योत्त्राया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्थाप

यात्रः श्चेरः वर्षेत्रः श्चीः देवः श्चेत्रः ययः यवदः यवः यवः यवः यवः यद्भेतः वर्षः वर्षः यदः यवः यवः यवः यवः य

यिष्टेश्रामात्राक्ष्याचीत्र्याचीत्र्याचीत्र्याच्याचित्रात्रक्ष्याचरात्रस्याच

यद्गः व्यवस्यात्रे विद्यात्र विद्यात्य विद्या

८८.मू.स.प्रस्थाकी.लूथ.१४.२४.१५.कूश.सी.पूर्ट.२नवा.श्रट.जा.सैवा.

वर्क्याय।

तक्रीत्। क्रिकाश्चीत्रात्त्रम् विष्णाम् विष्णाम्यः विष्णाम् विष्णाम्यः विष्णाम् विष्णाम्यः विष्णाम् विष्णाम्यः विष्णाम् विष्णाम् विष्णाम् विष्णाम् विष्णाम् विष्णाम् विष्णाम्

है। व्रिमः सुसूर्य प्रायम्य प्रायम्य विषयः स्थानित्र विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषय उर्'ग्रीकेंग्रिन्'केंग्रीन्दीर्ग्ने हेंग्रिंग्या मध्यम् उर्'न्द् व्यान'ने पतित प्राने प्राम्या वस्रयान्त्रम् भी स्वायान्तरः निर्वेरः साम्रह्म्याना विवा प्येत्। विन्तिन्त्रम् स्वेत्। स्वायाः क्र्याची सुदि विक्यान व्यवस्थ उद् ची सुवान विषय विदा दे सुद्र क्र्या सुवय योडीयोषात्रीर क्रैंट .च. रूयोषा जिंदु क्रैजा चंदु बेट .वेषा वीच क्रैंट .च. शघर .ताबा .क्योबा पर्चतः रेषाया ग्रीः रेषाया यहेवा यो गार्डे विदे । ति रेर हेवा सु विया पार्वे हुँ र हेवा सु यातव्ययात् क्रेंबाञ्चा विवाद्यायो वेषाक्रेंबाञ्चा विवाद्यायात्री क्षेत्राच्या विवाद्याया मी विराधर प्रेवाया अप्रवसाय देर दे त्वसातु के साम्नु त्या में दिने सा नवींका रेते सुरे तेवा वर्षे विवा नुवाका सुर्धिव या वर्षे या वर्षे वर्षे या विवास यमात्रः सुयाः सुरायहेना यायमार्वेमा सेता केते खुराले त्रा नुमारेमायायि रामा हे श्रेन नु नतुन्य याय श्रु श्रेव हे श्रु केंद्र केन श्रेव त्यय तने हेन वया तनु न यादे हुन यदे हुन ने वर्तते वेत्रान्यात् व्याप्त्यात् । ते व्याप्त्रां विष्यात् वेत्राम्याः विष्यात् विष्यात् विष्याः गुर्वा क्षेत्रे देवार्या यह वा वाह प्येत या हे हिहा क्षेत्रा वा प्यया विद्या वा प्यया विद्या वा वा वा वा वा वा रुषाम्बिम्बा बिषायाती हे सुर मैतुर षामिष्य मर्डेट सामा बिर्म् निर्म त्युषाः श्रीः मा बुवाषाः प्रह्नतः स्त्रूरः पः स्त्रम् । दे प्रवितः दर्शे स्रोधार्थाः मार्वे मार्यरः सा वा वियायदीन्तर में श्रुप्धे मानुम्यायह्न तकरा वियामसुर्याय सुरा क्रेंब्रभू क्रुवाच वेदि द्यमा येदाम बुम्बर भूर वर च देवे धुमा मूष्याय वर्ष वेदि द्यार म्रुथः श्रुवः रुषः ग्रञ्जे वाषः ग्रेः यः स्वाः यक्कः त्र श्रेट्र वाष्ट्र रुषः यः सेट्र । ययवाषः यः श्रुवः

रक्षायात्रियाकाने अर्थोव संविद्यन्त्रया योदा श्री विविद्यन्तु होते ह्यू विवादित सुवाय सहीत ह्यू त्वेषाःचन्नन्रःक्रुवःसरःभेष्येन्:स्यारःनेत्रःवःववावःचःसेन्:सर्वे। ।वन्नेत्रःम्चेःचःस्रवाः यक्कुःग्रस्यायायदे हे ले त्रा अर्केमा में स्थूया सुन् महिमा में महिया लेटा या लेटा विस्रकान्त्री तास्त्रमान्त्रमु स्पेर्दायदी द्वादा दुन्त्रमान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त्रम् स्थान्त वयान्यस्याम्द्रिया यराञ्चात्राचीः नास्यानक्षुं निष्ठमायसम्भूयानः स्रीयान्त्रीः या. तथ्या विद्यायया के असूर्य देशा यो ह्या यो यो यो या प्राप्त देशा है देश हिद्यायया पर्वट्रिकास्याम्बर्धान् स्थित्र स्थान् विषया स्थान स्थान् विषया स्थान स्थान् विषया स्थान् स्थान स्थान स्थान् विषया स्थान् स्थान् स्थान् स्थान स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्य स्थान्य स्थान स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य हु पडु मुडेम लय क्षेत्र स्याय सँग्राय स्यूट प्रति देश य से द्या प्रति प्रति प्रति प्रति स गहेन न्द्राचर्ड्न यार्थे से विस्नान गन्यायदे क विद्रास्त क्रिया क्रिया विस्तान स्वाप्त क्रिया व न्नु न्दर्भे न्वाया नेया में देशम्ब न्याया सुष्य द्युव्य वया दर्शे नेवाय हैन स्थित प्येत्। तुः के विद्राम्भिकार्करायदा क्षेत्रारेगका गर्मा सुरामि । विद्रायरा दुः क्षेत्रारका याञ्चेयायाःश्चीः यदः सुत्यः द्रयो प्रतदे प्रत्येयाया हेतः श्चीः इत्याय र श्चितः यदः याञ्च दः त्रश्चेयः कॅदः न्वो यः ह्येर नदे सहन्य ह्या हर है तद तद दे सर में पेन यह है। र प्याविक कर स्रात्त्रेयायायायात्वेत्र। । द्रियासहस्रात्तुः श्रुवः त्रस्याया विषयः ग्रीः श्रुवः यायायायाः ये विषयः क्षितः प्रेन्। धुनाना प्रति तेन् वेराय राष्ट्रीय हुन्या स्त्रीय स्त्री । विराय है। तेन नयमा येन ग्री सुमा मार्थे व या व वा तेन जे या है वा है यह व तयम वा या है वि या या यः वृ। इः पर्दुवः क्र्रीयः अष्यः श्रेअषा छवः क्रीः यहेवाषा यः क्रेवः येः प्रकृतः याः श्रेवाषा याः विः यः

५८। देःवर्शक्केवरायदेः ध्वीरः दुः क्केविया स्वीत्र स्वाधिया विष्ठा स्वाधिया विष्ठा स्वाधिया विष्ठा स्वाधिया स्वाधिय स्वाधिया स्वाधिय स्वाधिया स्वाधिय स ब्रिट विरायम् निर्मा प्रमा निर्मा निर्मायम् । निरम्भ स्त्राम् स्त्राम स् र्मेथ.शु.कर.तरायवीर.वपु। विधायाग्री.पूर्य.वर्मराजयासीजातसीया यात्री र्केशः श्रुप्तेन न्यमा सेन्यते सुम्या केंश्यी न्यीत्र स्था केत्र येति हर यथा शेंश्रिं अप्पेत्र बिदः मधीन् नः यः वर्षः ने श्रेर में विषयो विषयो स्टासन्य यांचीयाः श्री. विः श्रीरः त्ययाः यर्थे । स्वेषः श्रीः यर्थाः १३८ : श्रीरः यः याध्यः त्ययाः श्रीः श्रीयायाः । व्यार्श्वः धीवा । वार्तेवा त्यात्र्य त्युं त्या ते त्या उवा श्ची श्चा यर्षेत्र त्युं यात्रे । वादवा उवा वी । क्रेंत्र'य'क्कुव्य'च'सू*यु*"अेट'योब्य'य|वेय|ब्य'य|त्त्रुय'य'त्रुच्य'य'य|वेय|ब्य'ते'स्वूयुदे'रेय|ब्य'व्य' रैवाबासुः क्षुेर्यायलेबायाः सूर्या व्यास्त्रेर्या स्वासार्याः विश्वासार्याः विश्वासार् वासुस्रात्यावाचीया वाचेवासासूरसाद्दर्धात्वीतार्देवासादुवात्यावाचेवासायदेः वदावयायी इययाया कुरववया येदाके स्त्रुवाय देश हो रात्र खेदा दे ही तुर्येदायाया योत्रयाया योत्रयायाद्येयायात्रीयायोत्रस्यायाद्येयायात्रीयाया वातन्त्रावायासूत्रास्त्रीयात्रावार्तेवात्रात्रास्यास्त्रीयाग्रीत्रात्रीस्त्रात्रास्त्रीट्रापेट्रीस्त्राते यट्ट अप्टेंब यो पी पी अपूर्ण स्वाधित । यो चेत्र या स्वाधित स्वाधित । यो चेत्र यो स्वाधित । यो चेत्र यो स्वाधित अप বিষাধান্ত্ৰীৰ বেৰিবানধু পেজান ইপিথ সংসূত্ৰীৰ প্ৰামাধান নহাই না কুষা क्विया केव सिद्धि होत् प्रेतु पर्वत या विवाय हो। दे से दास स्वाप्य हो। सर्वे स्वाप्य स्वाप्य हो। सर्वे स्वाप्य न्येव प्रमु त्वुद् याव्यायो में या प्रमुव स्थाय व्यास्य में त्वुद्य पर्वे । । यदः सुवा ल्लाक्चिय द्ये.पास्त्रवा प्रक्री । विश्वास्त्र विश्वास्त्र स्वित्व स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व विस्थान कि स्थान कि स्थान स्था रे वि च उत् श्री याक मिर्देर द्रायर में द्रश्री क्रुय विस्रय सु सुया च क्रुव कर से द्रायर

त्वुदः चरम् मु:रु:रेव:येंक्रि:हेन:ग्रीरालयः वया ५५:यूव:ये:रेव:यर्व:यर्व:प्रान:त्वुदः बियामसूरमार्थे । मु.रु.रेदाये के तरी में नारमास्त्र ही हैं रियास स द्यो प्रमादः ह्रैदः त्यः अप्ट्रेशः यर स्य स्य क्षुर्यः क्षेत्रः यः विषाः प्येदः यः तदेः छो क्षुत्रः केतः र्येतः यगातः द्वेतः यश्याद्वीरः यः विवार् व्यास्यवः यसः वाश्यादः यो वार्यः से दाः से देवे स्वर्तः यदः त्रुरः मेशः मुदा केर। वे मुरुषः दरः र तर्दे दः यदे र स्वरा ने सः म्या स्वरा सूर। २८.मू.क्र्य.क्रीज.च्रि.झूट.कुंधं.चश्य.क्रीयाय्य.क्र्य.ख्र.च.तक्रू.चोरव.रटया.धे.क्री.यच्य. म्नदः द्रेरः क्चे केंब्रा नसूत्र प्रवार्वेदः प्युवा क्चे खुः श्चेत स्वे नक्चेदः वस्रवारु द्रार्वादः नयः ह्यायारेत्। देवै:वर्क्ययार्याओं क्रिन् सेन ये के मान्न द्रम्या हे मेन् प्यायी सुर्येन म्रेनकुन् वस्रयाउन् न्यायाय न्यायाय वस्रवाया वस्रवाय वस्य वस्य याहर्याहेराकी श्रुरास्रयाची स्वस्पर्या प्रस्वापके स्वरंपित स्वरंपि क्वित्र देत हो के त्यो हो देत हो कि देश का देश या श्री वा स्वर्ग प्राप्त हो स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग श्रीयितः भ्रीतः क्रमः वार्षेत्रः श्रीयः तस्त्रेत्रः तप्तः श्रीयः तर्देवायः वार्षेत्रः तप्तः स्रेतः त्रितः त्रि च्यायार हो। विदेशहेशस्य प्याप्त स्टार्स स्टार् तर्वतायम्भवःभ्रम्भवःश्रा । वाःवीरःवःसीयायःवःत्त्रीः तत्वः मैयायः वस्याः वर्षेत्रायः योशर र्जेयोश कुश्व भेशवा जुरे की किया प्रदेश प्रसेश भेश रेश र युज्ञरायान्यसाङ्गीतिहरः दाने नुसाद्विसायाङ्कीरान् वुराज्ञादस्यायायन् वायाधिदादेशः <u>ॿ॓</u>॔॔य़ढ़ॺॱॸॖॺ॓ॱॻऄॢढ़ॱॿॖऀॱॺॖऀॺॺॱख़॒ॱय़ऀॱॻॷ॒ॸॺॱॸॖ॓ॱॿॖॱॻॱॺऻॶख़ॱय़ऀ॔॔॔य़ॶॺॱॸॖॱॻॷॸऻ ञ्च-व-वाशुअ-धे-क्र--दुश-दवावा-दव्वे-व्वेद-ध-धेन्न । विश्वान्याः

वर्त्यक्षात्र्वायायायार्वेष्वयायोदायराष्ट्रम् देवे हेयायुहि विहार्वेदात्र्ये द्रा भ्रञ्ज अप्योत्नेषातेन याः सेवायायते यन्त्राः क्रीतः ययाः वेन् याः यस्त्रः याः न्याः विष्यः विष्यः विष्यः विष्य वरतु विद्वायानसूत्र याद्र याद्र विद्वाया विद्वि विद्वाया से द्वाया स्वाया विद्वाया स्वाया विद्वाया विद्वाया स ने प्यर खें क्रुव रेव में केवे स्वयाय प्येव यर हैं में हे रद में या मुद्द पवे प्याव यद्रम्भासाक्ष्याक्षीत्रदादुःयाम्बर्धायास्याक्ष्याम् ।देविःह्रेभासुःस्युद्रस्या तर्वा प्रतु प्रसूत्र प्राप्त स्वाद्य स्वाद स वेन् विमायमा सम्यान् प्राप्ति मार्थेन्या स्वाप्ता विमाय स्वापता विमाय स्वाप्ता विमाय स्वाप्ता विमाय स्वापता विमाय स्वाप्ता विमाय स्वापत स्वाप स्वापत स्वापता स्वापत स्वापत स्वापता स्वापत स्वापता स्वापता मीयामुन केटा देणट द्वो युग्य में हिट याया सेंग्य यया वसाये द्या देवा देता क्रियानान्त्रो तत्त्राक्का अर्द्धमा रेगमात्री मुनायते निन्दा धुनायक्का पर्वेरः। कि.चक्चैपु.चिर्द्भन्मिष.रताता.कंष.श्रमःश्ररःशह्र। हि.ह.पकर.रह्रूशः म्ने नवर ज्ञान्य प्रदे न्यय। । यू के नियः सूय प्रदे न र सह न ने यः तर्रा ।३४८८८। ॲिक्क् वःब्रीटःयदेःचर्ययाणयाः यक्रेययास्यःवयान्दाः इत्यार्धेर्यते वर्गाय वर वर्ष्युयाय यय। व्यव यदे युर वर्ष्युय यहे वियय स्तुर त्रा विष्यत्रा त्र्वीविष्यत्र्या क्ष्मित्रायक्षित्रायक्ष्मित्रायक्ष्मित्रायक्ष्मित्रायक्षिति वर्तुर मन्यान्या । दे भी द्वाराष्ट्रिय क्विया विष्या मुद्दर्भाय । विष्या मुद्दर्भाय । रुषाम्बर्ध्यास्याक्च्याः वयस्य उद्धीः व्यापास्य प्रदेशः क्चितः देवः वे कि विस्तर्यः योर हिर्चे हैं त्याय खूत खा है न ता खूया है गृत सहित हो तव र ज्या या यदि ह्या था श्रुया हे नश्रुव यदी देव सहद यादे तद धीव। वि गुर बर केंट बीय। गरया क्व नमूव यते र्श्वेय वर्षे द्रायम् वर्ष्य । वर्षे द्वा मुद्र वर्षे द्राय । वर्षे द्वा मुद्र वर्षे वर्षे वर्षे व त्रवुवानाकोवास्त्रकेत्राच । इसाम्युसान् वेराकेत्रान् स्त्राचित्रा र्चीय। व्रिमायोशीटमास्री विषयः श्रीयोमायायः स्मितमायः स्वीयमाहः दिरः स्रीयः यमः ख्रेया.तप्र.क्रीप्र.यपु.क्रीय.प्रग्नाचुयाया.र्टर. इ. पर्श्य. श्रीता.त्रा.यी.प्र.तस्य. परीट. यायया. यासुस्र रेन्। भ्रुप्याबन त्य स्यापा हे से न हे सारेन्। ही मह्या के तरह्या है सा रेना र्केन् क्रीत्रवायानक्रीन क्रीन्यन वीयायन वास्त्रवास्त्रक्षेत्र क्रीत्रवाया हो वास्त्र वास्त्र वास्त्र वास्त्र शुर्यते । तिर्वे वास्रुस तेर्वे प्रधान स्रोप्त स्रोप्त स्राप्ते प्रधान स्रोप्त स्राप्ते प्रधान स्रोप्त स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते प्रधान स्रोप्त स्राप्ते स्रापते स्राप्ते स्रापते स्रापते स्राप्ते स्रापते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्राप्ते स्रापते स्रापते स्राप्ते यः वार्क्ययः वः वः वः वः वेदे वदः पुः वद्याययः यः वदः व्वः यः व्यः यः वद्याः यः व्यः व्यः व स्रोसरान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्री स्रोत्तर्त्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त येदान्डेनायादनुषा दुःर्देशान्द्रयान्याद्रयाः कुःन्यारायाः न्वेनाः सुः योड्या । प्रश्रमः याः याद्याः श्रुरः याद्ययाः चेरः याः प्रते विष्याः याद्ययाः विष्याः याद्ययाः विष्याः याद्यया य्रीयायकुरमा तूर्-ासै त्यक्षिमासीरमा बिमायमिरमा र्जूय क्ये व्याप यसवीयातपुः तीया दे क्रियातपुर भार्या अवीया क्रिया प्रमानिया क्रिया प्रमानिया विषया विषया विषया विषया विषया विषय र्ट ख्रा वेट की से त्री की तर् द्वा की संदान के के कि की द्वा निकास की निकास की त्रा क यश्चित्राक्षीत्रयाचाचे केवाके लिट द्वा क्रुं अट वर्षाक्षीत्रयाचा प्रीव लेवा ह्वा आह्र अप्या याशुरुषार्धेत्। ।देषावासर्वावासेतिःदित्त्त्यासेत्रसुव्यामवयागावादत्यासीत्रतुः यश्चित्रः याच्यात्रः याच्यात्रः व्याप्ता व्याप्तात्रः व्यापत्रः वयापत्रः वयापत् वर्चियःर्थाः व्यव्यक्षः १८ वर्षेयः वर्षे । क्ष्यः श्रीः वर्षे र्याः वर्षेयः वर्षेयः

या विश्वयादी यर त्यावर तर्वा द्वी या क्षेत्र प्राप्त प्रक्षण या विश्वयादी व

यिष्ट्रमायाः स्वायाः सिक्षाः यस्त्रेतः प्रेतः प्रेतः प्रमः इतः हेः गुतः सिक्षः वर्षेतः दिनः न्ययाः

मेर्या श्रुवा तर्क्याचा

स्र स्मृत्या स्मृत्य स्मृत्या सम्मृत्या सम्मृत्य सम्मृत्या समृत्या सम्मृत्या सम्मृत्य सम्

वियायन्यायायञ्चा श्रीयाय वटा वी लियाया श्रीटा

यार्यातपुरम्हेर्ययग्यरयास्य विदावेयाद्यायाः क्रियाययात्र यरयाक्या গ্রহ্মর। श्वरःश्रवः र्र्यायाः भ्रेरः र्रे वियावः भ्रेष्यः दवः याः श्वयायः उदः यादयावयाः रहा विदः वीः प्रोः वियाः यविष्यः प्रतिः भेषाः क्षेत्रः क्षेत्रः यद्याः क्षेत्रः । देः सूत्रः यद्याः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः विष्यः विषयः विषय क्रीयानेयाची यद्विय हिरायाच्चियायाद्वर क्षेत्राची हिरायाच्चियायदे त्ये यद्वियाया ५८.चेल.चळाथक्षेत्रभर.पहूर्यंतर्मुं पर्ट्याकासभावर जना ह्यां तप्तर्म् स्राप्तर देवा'यदि'णे'वेष'ग्रीक'र्केष'हेद'सदेव'स्युस'द्'वाचेवाष'वेद'स्वाष'स्युक्द्रद्'यदेवि ।हि' क्षेत्रसिव स्वराधिक स पदः वेशः रवः क्रीशः वेशः वुः सम्बदः द्वाः स्विदः वेवः यरः स्वः देशः यरः सदे तः सुसः तुः सिंद्येत है सूर सिंद्येत लेवा से में क्रिक्र स्था है सिंदे ने र यक्षियानम्हत्त्वमा विद्यान्यसूर्वान्यस्त्रीत्रान्यस्य विदेशविकान्त्रान्तस्य वा विरयः क्रियः प्रेयः देवाः क्रयः वहुवा विर्यः वस्यः विर्यः वस्यः वी ૡૺૹૻ૽૽૽ૢ૽૽ૹૹૹ૽૱ૡૢ૽ૹ૾૽ૼૹ૽ૼૹ૽૽ૼૹ૽૽ૢૺ૽ૣ૽ૡ૽૽ૢ૽ૼૡૢ૽૱ઌૢૢૢૢૢૢૢઌ૽૽ૼ૽૽ૢ૽ૼૹૢ૽૱ઌ૽૾૱ૹ૽૽ૢ૽૱ૡ૽૽૽ૼઌ૽૽૾૽૱ૹ૽૽ૺઌ૽૽૽૽ૺૹ૽૽ૺઌ૽૽૽૽ૺૹ૽૽ૺઌ૽૽૽૽ૹ૽૽ૺઌ૽૽૽૽ૺૹૹ૽૽ याधीव प्रमानुषा सृष्टी यो नाम प्रमानिक सम्बन्ध स्थानिक न्यमा योन् प्यते श्चीया योन् प्यो स्वेषा श्चीश्चीया श्वीष्य श्वीष्य श्वीष्य श्वीष्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वा म्रायेयाना सेन्या त्रहेवा हेत् क्षी विस्रयाना न्या सेस्या स्तर् सुलेवा न्या सु बियाः स्ट्रा अः बियाः दवः अर्दः वया अर्धितेयाः यो व्यानियाः अर्धियाः अर्धिताः अर्धितेयाः वयाः दवः श्रॅट वा तर्शे व कर श्रेव कर्य संश्रे व कर श्री व व व श व। श्रेमश्रास्त्र गात्र या प्रस्ता ह्या हु या है या विषय विषय है। विस्रास मसुस्राक्कीःसेस्रस्राञ्ज वस्रस्राज्य त्याया स्वीत्राची सात् । त्याया स्वीता त्याया स्वीता स्वीता स्वीता स्वीता यविषयायायवायायायोदाययायविषयायवे । व्यापायवयात्त्रीयञ्चरायावस्तराया <u>२८५</u>-४.५७म् अ.शुर्-२.कुक्.अरक.भिक.कुक.कुक.क.२च.त.च.च्यक्रक.त.कु.कु.स् यः सेन्या म्बीम्यायदे र्द्ध्याण्यायान्या प्रत्याप्रस्यायाः सेन्या वेद् यद्वितः तः श्रम् राज्यस्य स्वरं यास्य त्रात्यस्य स्वरं वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः ५८ हरा विकास ते साम स्मिन् केवा वा केवा त्या साहित स्वर्धे । । साई स्वर्धा के ञ्जन देवा विका वीका देव गाुव देवा । देवा की । वा दवा यदे खूट वा । विका की । वा दवा यदे खूट वा । विका की वा विका देःसदसःक्वराश्चीःभेःस्वराश्चीदेर्दरसाद्याःसःस्यर्भेतःसदःस्रोससःस्वरश्चीःसःद्याःसदेः तिविताः बैदः दे अद्याक्तियाः क्री क्षा क्षी विषया क्षी विषया क्षी विषया क्षी विषया क्षी विषया क्षी विषया क्षी व याञ्चियात्राप्यते । प्रियेरात्रासुः याचेयात्रार्थः रेवात्राः तुवायोः तिव्यत्रासुरः तुवार्थे स्रोत्रासुरः याने सूराया सूरानु त्यारा याचे या सार्वे राष्ट्रे इससा सान्या तित्या यति सूराया धीता साधारा योच्चयात्रा ब्रूट्यासूरानु देवायात्रास्यास्य स्वाच्यायात्रास्य स्वाच्यायात्रास्य स्वाच्यायात्रास्य स्वाच्याया ब्रूटाचा यहराक्कियाग्री:विदार्ष:इसायराद्यायदे:ब्रूटाचा श्रम्भाउदा की सेरास हिदा यः वाह्रव व्यायाञ्चरः व दिः सूरः व विवाया यः व विवायः व स्याविव स्थुवायः के स्थाये । द्याः यदिः सूरः यः विः तः स्रितः स्रेटः या त्रेयासः लेवाः तः स्रेसः तुः स्रस्य स्र स्र स्रितः स्र योत्रयान्यतः म्यान्यतः म्यान्यत् व्यान्यत् वयान्यत् वयान्यत् वयायस्यत् वयायस्यत् वयस्यत्यत् वयस्

बिट से मित्रे माने माने प्राप्त में मित्र योत्रयायराभ्यात्रया देवत्यायराम्चेत्रपति केषाक्षेत्रायाने प्यान्या स्वराहेत शु.याञ्चयात्रात्रप्रदेश्ची ।यार्थताची.यांबयःस्टराताःसरसाक्चीसात्राःस्टरायः यम्भियायरायर्देन्'न्वीयायरायण्यर्दे । ।ने'श्रीव'व'यर्थाक्कियायाररासूराविव यानिन्न्यान्वतः सूरान्वेना ग्राम् स्री सूरात्र वा से ना से ना से ना से स्राह्म स्राह्म स्राह्म स्राह्म स्राह्म देरस्य बद्यावस्य द्रायातस्य साधिकः या स्रोतास्य साधिकः स्राप्त स्रोतास्य स्र यर.पर्किर.य.ज.शूर्यात्रातपुःश्रुष्टिं.पर्ह्या.ग्रु. पु.च.त्ररत्राःश्रीताःजार्थाः त्रीताः त्रीतः व र्यास्याक्चियात्यात्वव्यास्यूराप्येत्राप्यते स्क्रीत्रातह्यास्त्रस्यात् । नेत्रद्वेते नेवायास्यान्यां हे.सरसाक्षित्राक्षेत्राची व्याचा व्याचा व्याचा व्याचा व्याची व्या मूर्या के विवा मूर्या निर्देश स्त्रा स्त्रिया निर्देश स्त्रिया निर्देश स्त्रिया निर्देश स्त्रिया स्त्र त्वन्ययानञ्चनयायानेते श्रुव श्रुवान्त्रीयान्त्रीया विदाने त्यासूट वाधीव श्रीतिव्या हे सूटा यःश्रेवःव्री विश्वेश्वश्वः स्वर्गावः श्रीश्वः स्वर्गः यादः द्वर्यदे। विश्वः हेवाः यादः वर्शः ঀ৾য়৻৴য়৻য়৾৾ঀ৾য়৻য়৾ড়৻য়ৢয়য়৻ঽঀ৾৾৻য়ৢয়৻য়ৼ৾৻য়৻ঽঀ৻য়ড়৻য়ৼ৻ श्चीयायाद्र र विवायायायोदायायायोदायायो । योग्ययाञ्च गावायो । योग्ययाञ्च गावायायायायायायायायायायायायायायायायाया क्ष्या ।ह्रमाः हुः सः तद्देशः शेर् शेरः सूतः त्यामयत्। । विश्वायः दी। शेस्रश्रास्त्रतः ৼৢয়৾৵ড়ৣ৽ড়৾৾৻ৼয়৾ৼয়৾৵৻য়য়৵৻ঽ৾৾ঽ৻ঢ়ৣ৾৵৻ৼয়৻৵য়৾ৼ৻য়ৢ৾৵৻য়ড়ৣয়৻য়ড়ৣয়৻য়য়ৼ৻ৼঀ৻৾৾৻য়৾য়

पञ्चा म्याया उर् क्षा द्वा है या है या है राया दे या या द्विया पर म्याया स्थाप क्रुयाग्रीःक्षुत्रःश्चीः न्वरः येत्राम्यत्। न्येरः त्ये येदः म्यायाः वेवः क्षेत्रः विषाः ब्रियान्, पत्वमान् ब्रियाक्यी नर्देश में त्रुयश्चार्य की यो ने दान् प्रेय कि प्राप्त की विद्यान वेरिको देरावकराविता देणात्र अर्वेरामायदेशायरहिष्ववितानु वकरावा सूरानुषा यास्या क्षी: ने या द्वा द्वा या या त्वा या या या विकास व योन् यदे मुवाया यद्वित प्रसेदे प्रेति प्रति प्रति या प्रयास स्रो प्रति या प्रति स्रोति या स्री व तक्यान्वीं ने सूरान्वा वीषा ग्रामान ने सूर्व तर्ने वा येयया ग्रीया ग्रामान ने पा क्ष्राची लेट विस्रास्तर स्टास्य क्ष्रास्त्र क्ष्रास्त्र क्ष्रास्त्र क्ष्रास्त्र क्ष्रास्त्र क्ष्रास्त्र क्ष्रीय चरुरायर:धुवा'तर्रुवा'वर्रुवा'वर्रुवा'त्रुवा'त्रुवा'त्रुवा'स्रुवा'त्रुवा'यर्रा'त्रुवा'हेर्रा'रु'र्नुव' इव-नवींबाग्री:ब्रेकेंबान्दरावेवान्यान्यात्रे वार्चे यःश्रेवाशः स्वायः दशः श्रिदे । विद्या प्रत्यः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स त्देवर्यावित पेर्न या सिक्षेत्र दर से सिक्षेत्र में के सिक्ष विवा के द्वेषा विवा यद्वित पश्चेति प्रेत मृत इत में ग्रात यद्वित तेर द्रमण येर या सुना तर्र्य पान प्रसूत वित 5वी ব্যা

ग्रम्भायाः भ्रेत्यातुषायतेः प्येत् : हत् : इतः हे : तदेव : यः तेर् : द्रयाः सेर् : यः

श्चिमा तस्याया

क्रेंबर्म्यस्थायक्ष्यकायोन् मुकायायायाहित्राचाया । विष्यान् न क्षेत्रस्थायायान्यः कॅन्गुद्रा । पन्ने पञ्च ने रञ्जे पदे क्रेंद्रावयायम् । पन्ने रे मेंद्रावयायम् । देरवदेवयरम्बुद्बा विदेवयर्वेद्द्वमायेद्वयाय्वावर्द्धवावर्द्धवाव्य यर्र्यक्षे व्रियःस्ट्रियः सर्वे स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्य केंग सुद है द्रम परि केंग व वेंग व सु सुन है सुद म पत्र व न व न वेंद महें यमा हुम.सैरम.वैम.त.२८.भक्मम.मुर.कंपु.तम.चममम.त.म.वेश.पर्.य. उत्राप्तुः श्रीःश्चीः वाष्ट्रायाः वर्षेत्रः वर्येतः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्ष यिष्ठात्रायर स्वाका हेका र्ट्र प्रत्वया प्राधिक स्ट्री अवस्य स्वाका रे यिष्ठात्राका स्ट्रा ब्रैंव यय त्युव कुः पेर् य रेर्। रेष्य मान्व कर रेर् बेर य लेषा या रेर वेर्। वेंत्रःग्रादः प्युत् रेदर वे की क्षेत्रुः वरः व्यव्यः ग्रीत्रुवा क्षेत्रः के विव्यव्यः विद्याः के द्यात्रः व्य दवावाः श्वाः श्वाः द्वाः व्याः देत्। क्रिंशः दः श्वाः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्याः व्य श्चरकात्यायेजाक्षेत्रको भीतवादारेकाञ्चायो वहेस्मेन वक्षाकुत्व्यका येत्। दर्गोवः यर्केना चेरायः विना योत्। व्रेट्धाः यायाः वर्षात् यर्थात् य तर् नेयाने तर् पत्र पत्र प्राप्त स्थापते केया ता कुत क्षेत्र या पर है केया सुदा से प्राप्त से से कुर-वेबारवाववायान्। इबान्धेन्योन्यते कुर्वाक्षेत्र कुरावहरावन्य देशायाः

दे।वाष्ट्री,रु:ब्रॅंट्रायबारटार्स्ट्रेव,ट्रबाचर्ड्टावबारटार्स्ट्रेव,वर्चेव,वर्चेट्रवे,व्राक्चेट्रवेटायोबय. श्चेव संवेर र के प्रमान स्वाय प्रत्य का प्रमान स्वाय का प्रत्य की प्रमान स्वाय का स्वाय की स्वाय की स्वाय की स धुँवायारेयासुःवरुद्दिः ध्वादेवायदेद्दिन् लेवायार्थेवायायते धुँवायासुः विराही द्यायते केंग्राय मुद्राय प्राप्ता केंग्रा केंग <u>พदःश्वरादेरविदादेरदान्त्रवात्रम्भागाद्यः वर्षेतिः नासदास्यराद्येतः सरास्यराद्येतः सरास्यराद्येतः सरास्यराद्ये</u> यः भेता रदः वी सुः यः कवा यः ददः दे । यति व सुः सुः यः वि व व सुः सुः यः दि व व व सुः सुः यः व व व व व व व व व विता विकासासूरा रहार्सुनिकायानसूर्तिस्य सुना मलकार्सुनिकायासूर्त यरप्रेत्। क्रेंबायायामबदामरावर्षेया यायराद्यायरावर्षेयाहे क्रेंबा श्रुरः वी यश्राम्यवाषा तर्वे वि देवे देवाषा ग्रीषा वारः ववा या श्रीतः पदे वि रायः केषाः श्रूरः यर प्रमा तर्वे प्रतिष्ठा भूर विते मार वर्षा हैते कुर वित्रा केंगा प्रति रे बेयायदेः खुरावी केंगान्या नवी येयया स्नान हेवा या ह्या ही हेवा या यदे केंगा विवा বৰিমাপ্তাৰ, প্ৰ, আহ্মীৰ, না শ্ৰীপ্ৰানপ্তামাৰ, হাৰ্মা, আৰম্ভি, না প্ৰান্ত ক্ৰাপ্তামীপ্তা धेव वतर। केंब्र हेर् भ्रेरेवाब यय रेब्र याद्दर वाहे केंब्र भ्रेर व्याप्त वित्र स्था वित्र वित्र स्था वित्र वित्र स्था स्था वित्र स्था स्था वित्र स्था वित्र स्था वित्र स्था वित्र स्था वित्र स्था वित्र स्था स्था स्था वित्र स्था वित्र स्था वित्र स्था वित्र स्था स्था न्नायाञ्चीराभ्राक्षेत्रायालेवाय्येन्यया नेयाञ्चेत्राञ्चतयान्नायत्या धूर। दे:श्रेव:श्रेंद्राय:ग्रेंग्वेंय:य:श्रेंवाय:रे:व:वश्रेव:श्रेंद्र:व। रद:१५:ग्रीय: रदक्षित्रत्वदक्षियार्भेयाय। रैषाययासूरसूदावारेवेखर्षियसेयाग्रहितर् याञ्चीत्राया हेना वोदि देनाया सूरासूरा चरारे राजा धर्मा तमा वारा विदेश के मार्थी द भ्रीकेशयानेति रेगाया ग्रीभेट ता स्वेत्रयाया सुरावति स्वेर स्वेत्र कर वियान्। वेया रवा वक्रयाचेत्रप्रप्रस्थाय्वायार्थेन प्रदेशोग्रायार्थेन प्रस्ता विष्टा विष्ट

ष्टियःयन्त्राःयःयञ्चः श्रीयःयवरः वीः त्रयः वाशुरः।

रैवाबाधीबाग्रामाधीनाकेबायवित्युमावी हेबाखु वहाम जीन वी मन्या हेवा होना कराने जयर नेर्म् अं चौरा ह्या या श्रीमा अ.क.यवाय मुम् स्वाय प्रवाय मुका चौर अम् सम् जार्नाः कः यास्रेरायह्वाः स्रोत्राः । स्रायाः स्रायाः स्रोत्यस्याः त्रस्याः वित्रायाः वित्रायाः वित्रायाः वित्र डेबाम्बर्द्धर्यायम्बर्धराया देकुं यर्द्धर्येद्रायदर्यायेदा देडेलेदा *दे*'द्ये'क्र'चयूब्र'चत्ववा'यब'स'रेद्र'सेद्र'द्ये'क'र्क्ट'स'स'स'ययूब्र'यब'रेद्र'वासुट्य'य' रेना न्येरक्कुर्वेब्राक्षेन्किनावुरवाक्ष्मत् विरक्षित्र नेक्ष्म न्या वर्षाञ्चात्राचार्यम् वर्षात्राच्याः स्वर्षात्राच्याः स्वरं स् योशीरश्रातानुर्ये। ह्या किरा केर वु.र मिया कु. तु.र र विश्वाता हुर विश्वात हिरा किरा ति विश्वात हिरा किरा विश्व र्वेकार्ने के निर्मा के स्थार में प्राधिया के का की का की मार्चिता की का की नेबान निवास का महत्र निवास निव ब्रेन्यतिः श्रीः शःश्रेन्यः सेन्यः नेतिः वर्हेन् ब्रान्यस्यायाम् स्थायाः स्थायः स् नेयायविद्वालेषा पेर् देवायेरा देखेराययायरया क्रया क्रिया की प्राप्त स्वाया येरा न्गेंब्र अर्द्ध्या यी सूर य सेन् नुसावर्षे प्रते यदे सुन् सी सेंव्यर सुवा नवें सा ने राय लेगा मी देव रदः भुम्बरा श्रीका सूचा पेदा या पेदा विद्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत बेयायदे देवा अव। दये का कर्म विषा या मासूया वा सी मान माने विषायदे देवा पीवा विर्यम् र कुर्याया श्रुम्य स्थापन स्थित विषया स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स्थापन स यादे तद्वाम्युद्रका श्रीदार्थेद्वायम् द्वीद्रकाया योदासुन्यका याद्वाया योदास्य स्वाया योद्वाया याद्वाया याद्वायाया याद्वाया याद्वाया याद्वाया याद्वायायाया याद्वायाया त्र्योत्यायन्यन् क्रुवाप्त्रवेशा देवप्ते साक्षेत्रे विवापन्यन् स्थित के साहित् यमभाश्चिमासी वियापति द्वापा क्षेत्रीं स्थाने क्षेत्रम्भा यदान्त्रम्भात्रम्भा ।देश्यःश्चेरामदेशद्रम्भाग्नमः

हे। विश्वास्ट्रिया हेर्वा छेट द्येन यदे हेर्वा यो यो वित्य श्चेर पदे देश गुन रेट। विषाकुर नह्याय यास्रुय क्षीत्र र पुष्पर सामुष्य क्षीय यास्य सामि देवे ग्रवन् अः वेशः धरः देनः श्रदः द्वेवि । धः दनः द्वेवि । धवे । घरे वरः ज्ञाः अः दनः ज्ञाः अवे । चरः ज्ञाः क्ट्र-द्र-ब्राक्ट्र-ब्री-वर-व्याञ्चद्र-याचीद्र-यावद्दे दे देव व्यास्ट ब्री क्ट्रियास्ट वर्षा स्ट्रा न'पीत्। ने'सूर'र्केश'र्सूर'वी'यब'न्र'। अर्क्यब'योन्'यति'यब'सूर् नमन्या अपमन्या न्यापर्डस्यापम्या न्योप्तनुबादिरः वेदिः यदे । । न्याः चर्डे अः चर्यनः यः न्यः न्याः तत्त्वः त्विकः विवेषः चित्रः *इर विद्*राय शेशीन ग्राट ने न्दर कावड़ाय विद्वार कु प्येन। हें हे श्लेय नियंत पा सरेत भ्रेनिन वर्मुन निस्त्राप्त्र वर्षा र्श्वेन या नृता व्याप्त क्षेत्र क्षेत्र वर्षा क्षेत्र वर्षा क्षेत्र वर्षा भ्रेत्र वर्षा क्षेत्र वर्य वर्य क्षेत्र वर्य क्षेत्र वर्षा क्षेत्र वर्षा क्षेत्र वर्षा क्षेत्र वर्षा क् तदेवर्यायादे के व्यदे त्युवार्या क्षेत्रव्यक्ष्यर्या येदायाद्रदाक तदावा धीद्रा ५ ५५६ दे त्यर्या यार क्या के या सूर्या या शुवा या यी द्राया किया १५ स्थाया थी या है। या सूर्या के या या या स्थाया थी या स्थाया योद्र-प्रति:द्युव्य:प्रत्य:र्रे:हृति:द्युव्य:प्राय:श्रु:ह्येद्र:श्री:व्यय:प्रीत्। दे:तद्वेत:र्रेक्:श्रेदि: ५८:सर्वस्रम् सेन् नुमायासाम् विनायामा विनायान्य होन्।यान्न सेन्। गुरा । नरेन उर रेर ह्ये नदे ह्ये न्यय वर्ग्या । डेय म्यूर्य हो देर र्ममा सेन् ब्रिन् यान्न हेन मुर्गाया केन् सेना सुमा तर्क्या सकेन् यास्या मार्गिया मा ५८-श्चेंब्रायसायन्यास्त्रं श्रीश्वेस्रयाञ्च वस्ययाञ्च प्राचे पाञ्चे प्राचित्रा यदैः देवः हैं। इदेः श्वेरले वा देन न्यमा सेन यदैः सूर श्वेतः यस यह यह हैं। त्र्युवः भेदः प्रसादे त्यः ददः प्रसायार्से त्यः व ह्वा व स्तुवः स्तुवसः स्त्रदः वदे उत्रः त्यः स्तुवः <u>श्रदशःक्रीशःपुर-देत्रचाःश्रदःत्रुश्चरःत्रशःक्रीःशश्चेचेतःतःत्रश्चरःत्रश्चरः</u>

इवा येंबावार्वेवायायात्रवासे यदे या उत्तर वा स्त्री यदे स्त्रेव वा वायाया वा व बेर्केंबायान्वीया वरादेराबेंबावयां बेरादेरावदेवायरावासुरया गस्रस्भिते। देख्ररम्बेल्यायायदेवस्यायायादे प्राप्त विद्याप्त स्वर्थे नर-देर-बुँब-व्यानदे-न-उब-बुँ-बैट-देर-वहेब-य-यट्य-कुय-वेद-द्यन-येद-यया वरुत्र भूति वसाह सूर सहित्या रेत् हेत्। वेत् सर्दे वसाति सूर वास्ट्र लूर्। चैर.क्य.श्रुश्रश्रराचेतर.क्र्य.क्री.पचैर.वर्थ.क्य.चक्र्य.चक्र्य.चक्र्य.चक्र्य. विस्रयाम्बर्गान्त्री विदाययाञ्चात्र स्रोत् स्रोत् स्रोतः स्रुतः तुः स्रोस्यया स्रोतः निष्या स्रोतः स्रोतः स्रो सक्य क्षात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या नन्नान्नो क्रिंट मी न्नो तन्तु स्क्रीय मेर्ने र हे देवे त्या स्नु तद्देव स्वाप संवित्र सामुद्र नर नु: यन् मा अर्दे क् यर द्वें मा अर्थर तर्र्य हैं की कु लेख न्या यरुव यह न्या प्ये का चक्रतः ने:न्दः श्वामायञ्जीनः तर्याचायते श्वीमःनुः तर्वनः नया स्रोनः यस्य वास्रायः याद्यायः स्रोनः अट.तुर.श्रट्य.क्रैय.योषय.तय.क्रेट.क्रूयोश.यशयोश.लीय.टुट.ख्रेट.क्रे.क्र.य.शह्ट.टु. बुट विश्वरायावर जना ग्रह विहास दिया या विषाय महिता यह स्वारा स्वीर विश्वरा स्वीर विश्वरा स्वीर विश्वरा स्वीर व য়ৢ৶৻৾ঽ৴৻৴য়ঀ৾৾৻য়৾৴৻য়ৢ৾৾য়৻৴য়৻য়ড়য়৻ড়ৢয়ৼয়৻য়ঢ়য়ৣঢ়৻য়ৼয়৻য়৻য়ৢয়৻য়ৼ৻ঌয়য়৻ NEN क्षियां तेर्न 'ने प्रचा यो ने द्वीयां यो हेते तुषा पान् र र र स्वी ने न र पान् र ति तुषा या क्षेत्राया सक्रानु तर्हे स्या कें निने ना उत्ता भी सुन मान मान स्वीत कि साम मान स्वीत की साम स्वीत स्वीत की साम स्वीत स यर्देरदायाराची यर्ष्व दराङ्कादरादी । भूषायाधीदायाची यायराची दाया

लरा ब्रिटावश्रमायनुःयःक्षःर्रःद्यंयाःदव्वैषःत्रद्ये विष्यमायञ्जेरःद्यायकतः चर्सुं च स्रोतः स्रोतः । वासुद्रस्य सः स्रोतः क्षेर्यं देते स्रोतः स्रोतः वसः च स्रोतः स्रोतः स्रोतः स्रोतः स् चतः क्रुंचित्रे येग्राया संवित्रा त्व्युचा सेन्द्र दिन्द्र वित्र व यवर्। वायाने याद्यान प्यान्या प्राप्त व्यान्त्र प्राप्त व्यान्त्र व्यान्त्य व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र व्यान्त्र बोद्दाविर्द्राद्वो क्षेट्राची द्वी त्वतुन त्विर्द्राद्वाचिर द्वा वर्षे व थेव। यदःवक्रेःचवःक्रेवःवदःश्रेवःश्वःकेषाश्रःभेदःयःभवदःयश। श्वेंःवुरःभेः तर्ह्रमानी तहेमाना मी मि सम्बद्धि । या सम्बद म्राक्तियोत्रम् यो वर्षः श्रीतिह्याः सम्रास्त्रीः यः म्राज्ञीयः श्रीम् यक्षः विसः इतः स्त्रिः येन्द्रवर्धित्रयायरार्देविःसूरायात्ररानेःसुविन्त्रेयात्रात्र्याः स्वीत्रात्र्याः यात्रीय द्वार्य देव प्रति । व दे क्षेत्र न स्वीत स्वार स्वीत केन ये बिना से इ. मेट ता झूं जा ह्या ना ने ता स्थान है। जन ता से साम है। ख्रवायते खुः वाववेदाय प्राप्त स्वावायीका मुकारवा वाया प्राप्त विवास मेद न्या ने प्रवित नु न स्थित स्थान स्था न्न्यः भेन् अवितः केरिक्ष्यायः नेतिः वाकायः स्रूटः भेन्। ययः या सन्यक्ष्यः स्रीः ययः नुः प्यटः क्रीयः सुनः यः लिवा : सुनः त्रा । । ने : क्रें न मः में त्रिः यह वायः सुना वी : सुनयः सुनः सुनः या विवाः वर्वेद्रायालुष्र। रथास्याधिर्म्राश्चेतावर्ग्ना वह्यात्रास्याम्बर्गास्य हे। इव.चबचार्यं अ.च्रांजार्यः चर्नाच स्वरं क्षेत्रं विरया विषया सुः यर या क्षेत्रा सुः सुवाया हेशः इरः क्षुः वः भेत्। वरः देतिः वेशः यः दे वेशः ये दरः व्याः करः वशः कुतः वरः वाभेदः वतः दर्भार्या सूरावा श्रुराञ्चा वा प्रवेश विश्वा वा व्यादेश स्त्रा विश्वा विश्व वर्त्रेन प्रमाण्यस्य। वियानेतिन्यासुः सर्वे निर्मातिन्तिन्ति । विवादिन्ति । विवादिन्ति । विवादिन्ति । विवादिन

<u>षियःयर्गाःसःमञ्जलःयवरःम्। लयःगशुरः।</u>

यानर हेर होत है लिट नियमयाने ना छव हो र मित्र होता को न यह स्वास्त्र स्वास्त् स्वास्त्र स्वास्त

चल्रीयार्के:श्रुटाश्चेताःश्चेत्राःश्चेताःश्चेत्रियात्राःस्याःस्याःस्याःस्याः

श्चिमा तर्क्या य

वीं वियामसुर्याने। । খ্রিন্ শ্রী স্কুঠি নমুন্য নাম্র নাম । वियास दी। यर्वोद्गः ये विद्गः द्वारा से दारी स्मा स्वेदे स्वेद स्वेद स्वेद स्व स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स वन्यायालेवा धीम ह्याम्बरी विषयाची विषयाची विषयाची श्रुः श्रुः ८ व त्य राज्ञी त्य ५ त य र ५ व्यूः प्य ८ य दे । य उव व य य त्यु य र श्रुः य दे व श्रु य दुः यदः श्वामानसुनि स्थाप्य गुरुप्यराम्बर्भियायह्यत्। विषय्यत्री र्ज्जिम्बर्भायार्थित्यः विष् वीयः क्वे वियाधीन केया द्वाया भीता अध्यय है। विषय परि क्वे व्याय के व्याय है वियाधीन स्वाप्त है नि र्श्वयायबर रव यार ब्रिट र्रेट ब्रिट अश्रा रे श्रा श्रेट ख्रुश यदि तर् तुन या क्रीट ख्रुत तर् ब्रिट क्रवराञ्चवायरपुरवह्वाञ्चावर्वे । वर्षाञ्चीत्र्ययरञ्चेत्ययावर्वेव्ययः या विष्ययन्त्री यषाक्षीत्रस्ययम् श्लीत्रायास्त्री नियम् स्थितास्त्रीत् वस्य चलवालायतुःवज्ञलान्तुः वत्रा व्यवःश्चित्राव्यवस्यान्तवः स्त्रन् हेवाला स्र्वाः न्टः से थी'यह्'व्रवा'वर'रे'वर'याब्युअ'श्ची'अवय'यावुवा'र्डर'यबाग्ची'त्रुआ'श्चीत्र'याङ्गीत'याङ्गी निष्यं के अपने निष्या के जिल्ला के ज ५८। विषयम् वी तस्य श्रीकृतः ५०८ मीषा स्ति वर्षे कर्मा ने वर्षे देवा वर्षे लुब.च। र्था.शूब.पकु.प.म.जीय.पञ्चिता.त्रम.वीयीटमा विमात्म.वी रीमा. शुर्थ क्ये.पष्टु.प.पर्झ्या.ह्ये.पष्टु.रये.विर.लट.जु.पक्चे.पष्टू.बुट.ह्येय.पक्चे.शह्यट.पप्ट.रेतज. व्याववीन् श्वराधराम्बुद्याधारेन्। वक्रीयार्यन्ति विविधित्वे निर्मान्त्रे स्थानार्येन्। दे। रुषार्वेजाः तुःवीः वादीः वीदः दुः चवदः धाव्युः स्वान्युः साधीः स्वान्युः सुन् दुवाः दुवाः दुवाः दुवाः सुन यदः कुवार्ये निर्देशः सुर्द्धेतः प्यनः यद्यायो न्। न् गुः सुर्देशः केश। ने श्वा वनः सुन्नाः म्याबर्यस्थाः वर्षे त्रवे विषय । विषय वर्षे स्थान क्षेत्र व्याचित्रः क्षेत्र वर्षे स्थान वर्षे स्थान वर्षे स्थ भ्रास्त्रायायविवानु स्टेरिस्न स्वाप्यास्त्र नुषायवायास्त्र । स्टेरिस्न स्वाप्यास्त्र स्वाप्यास्त्र स्वापायाः यशः व्याः वान्यान् वर्षेत्राक्तः स्रोतः क्षेत्रः वास्तुरस्य यासूरः धीता देः स्रीतः स्राः स्रोतः यार क्रीत प्रत्य कर क्षीत्यर दुः विष्य विष्य विषय विषय विषय क्षा हो स्वा क्रियदेशम् क्रिंम् विराम अधिवयश्चिरं वयश्रश्चरम् संस्थितश्चरायः वःसवःयःभेन्ःयःवैःनेःर्केःनेयाञ्चितःर्श्नेत्वयःग्चैयःनुषःश्रीवःश्चीःवक्रेःवःवर्ज्ञेवाःश्चुःभेन्ःयवेः हवायानसूत्रायाधीता तवाताबिवातावाहि सुरियासूत्र सुरिवाराधियास्य मुर्यायास्त्रेन त्ये। रेयामुर्यातानियायास्यायास्याम्यानुर्यास्य मिरास्य मिरास्य थेवा केंदिर व्यवस्थिन यावस्यान सर्वेन ये विद्राद्म स्वाप्तेन यावस्यान तदेवराद्वीया अवीत् ये ते द्राद्या से द्राया से द्वाया ये द्राया से द्राय से द्राया से द्राया से द्राया से द्राया से द्राया से द्राया से नेविकें भे नरें व्यान्दर ही वस्त्र स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स क्रिया श्रीयाश्चालवर प्रया तर्देव व र्थेश प्रवाद स्थित। क्रिया प्राप्त स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स व्यवायते के प्राप्त विवाद र व्यवायते देवा विवाहेत विवाहेत कु प्राप्त के के विवास के विवास के विवास के विवास के दैर व्यवस् वर् सेर व्यवस् केर वर्षे का सेर वर्षे का स्थान केर वर्षे केर व्यान्यमानु स्रोन् यात्या वना स्रोन् श्री यने यात्या रेवा यति मुखा यदि सन्तर मुखा स्रोत्या हुना हे सायमार्रमायम् राम्यान्या व्याप्तमा स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् स्थानम् *लट.च.भेथ.४८.ची.जश.४८.ट्रेव.*७.च.चाड्रू.च्.चीट.चर्मभाष.क.लट.मट्म.क.पूर्व.ट्रट्रत्वा. बोन् व्यावार्केव्याचायम्यावस्यायने याउन् व्याप्तर विष्यायाचे । रूट हिन् য়ৢ৾য়৻৴৴৻য়৻য়ড়য়৻য়৻য়ৼয়৻য়ৢয়৻য়৾ড়য়৻ড়ৢয়৻য়ঽয়৻য়ৣ৻য়ৢয়য়৻ৼৢ৻য়ড়ৢয়৻য়৻য়ৢ৴৻

यालव तह्या हेव ही खे. परं अधि प्राप्त के ने ने ने अधि होता का मालव तह यो है । अप से मान स्वाप्त के मान स्वाप्त য়ৢ৶৻ঀঀৢ৾ৼ৻ঀ৾৾য়ৢ৻য়ৼৼ৻ঀয়৶৻ৼৢ৻য়য়৻য়ঢ়য়ৠ৻য়ঢ়৻য়ৢয়৻য়ৢয়৾য়৻য়ৢ য়য়ৢয়ৢয়[৽]ঢ়ৄয়ৼৢয়ৄৼ[৽]ড়য়[৽]ৼ৾য়৽য়ঀৣয়ৼয়ৼৢয়ৼয়ৼৢয়ৼয়ৼৢয়৽য়ঢ়ৣঀ৽য়য়ৢঢ়৽য়য়ৣ৽৽য়য়ৢয়ড়য়য়ৢঢ়৽য়য়ৣ৽য়য়ৢঢ়৽য়য়ৣ৽য়য়ৢড়ড়য়য়ৢয়ড়য়ড়য়ড়ৢয়ড়ড়য়ড়ৢয়ড়ড়য় ब देवे प्रवाद प्राप्ते वा वाद प्रवाद वा उवा वी क्षेत्र प्राक्ति प्राप्ते प्रवाद प्रवाद प्राप्ते प्राप् नुषालेया या प्याया सहता प्रेनि क्षेत्र मूर्य पार्ट्र सुर में वाया हो राया सेवाया या राया स्वाया स्वया स्वाया स् वर्डेबाखूबावद्वायाद्वादायाद्वायायाधीव। विष्ठेवामाख्यायायाख्वादायायाद्वादायायाद्वादायाया रदःरदः वी त्येत् देश्विष्या श्री के वर्हेत् श्रुष्यः है। विषयः ग्रीयः ग्रीयः वीषाः वीषाः वीषाः वीषाः वीषाः वीषाः क्रूंब यावियायान्न स्वायान्न वित्रायान्त्र स्वायान्न विवायान्न विवायान्त्र विवायान्त्र विवायान्त्र विवायान्त्र मुन्तिय, सैयाया स्वया त्या कर्या व्यय स्वया स्वय यःक्षेत्रयः नदः बुयः यः येवः कृतः नदः व्यवः वः नेः यः वर्त्ते रः वः येनः स्वैतः कुः वुयः वयः विदः याद्वेशागादिः भैवा दर्वो र द्यादा यत्ववा भैवा र बेदुः भैशा सद्व र या भैवा वे क्रिया है। য়ৢ৶৾৾য়৾৾৾য়য়৶৾য়ৢ৶৾য়ৢয়৾য়৾য়য়৾য়য়য়ৣ৾য়ৼ৾ঢ়য়য়ৼ৾ঀয়য়ঢ়ৢয়য়য়ঢ়ৢয়য়য়ঢ়ৢঢ়ৼৢ৾ पर्वेगायमान्नात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान्यात्रमान वत्यास्याः यर दे वर्षान्याः यात्रयाः यात्रयाः यात्रयाः यात्रयाः यात्रयाः यात्रयाः यात्रयाः यात्रयाः यात्रयाः य र्ग्भेयात्विरावन्यास्रेस्याप्राप्तात्वात्यास्यात्रात्यास्यात्यास्यात्र्यास्यात्र्यास्यात्र्यास्यात्र्यास्यात्र चुर्या दे:वर्यान्दः सें सुर्यायायादे: सेंवः याः यान्दः स्वीत्वः स्वीत्वः सेंवः याः यान्यः वर्षाद्वेषायाचीनायायायाची भूवायाच्या सर्वेषायाचे वायवेषायाचे वायवेषायाची वायवेषायाची वायवेषायाची वायवेषायाची व

यदिः स्वा वार वीषा से हिंवा पर प्रमुवा र्सेषा प्रेव स्वय त्यत्य प्राप्त प्रमुव प्राप्ते सुस्य प्राप्ती वन् नुःश्रॅटः विवा डेशः यने व क्षेवा यहें न् प्रश्रा हो वा त्या श्रेवाश्रा प्रते स्राहेन् स्राव्या यावदःवाचित्रं द्यान्याः सर्वाचित्रः सुरः। सर्वेद् सुः वावसः वास्त्रेद् सुरः सः म्रेट-र्नुक्षा अर-भेःग्रीचेस्रशार्धेन् क्रवाक्षेत्रुः पटाराधान्यः विस्तर्वा स्रोति स्त्राचित्रा मीरामलेशास्त्रात्वत्त्वमासाह्नेत्। देन्त्रासी द्वासाधीर्यातुरामक्वासीटात्वासी प्रथासुन्नेन्यायादे द्वी प्रस्नेत स्वेत्र्याया क्रम्या दे त्रयाद्य प्रदेश प्रस्नेत प्रमा लर्मा में अरमा क्रिमा पर्द्या स्वतं तर्मा मारा महिमा क्रिमा स्वा क्रिमा स्वा मार्चि । तर्वानः इस्रमाग्रीमार्डेनि विःवेः श्रुप्तः स्थाप्तः स्थितमार्डेमः प्रदेशमार्थे विष्याम् यर्गेन नुःश्चरमाने छेन श्रीयामनेन यान्य मनेन यते क्षेत्रयाश्चीया यकेन स्यापने नगा चकुर्यात्त्रव्यः यद्वराष्ट्रीः वदः दुः श्रेदः लेवा क्रेश्य सक्रेदः यः सुव्यः च्या । से हेवा द्वाः द्वाः द्वाः द तपुःक्षैजःमुःपस्रैरःयःक्षेरःयेषाःषोवपःजःपसयोबायेषायेषाःश्वराःमिषःपर्वेषाःक्षेयःपर्वेषाःक्षेयःपर्वेषः पर्वेच्या स्त्रा स्त ये द्यानु द्यानु द्रान् कु सुवान है नै दुर्ख दे स्ट्रेंट से भूनु र श्रु र हे नर्डे या सूत्र तर्या क्रिक्षित्र या सुरक्षे स्वयं या स्वयं स्वरं स्वरं स्वयं विस्तरं स्वरं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वरं स्वरं यक्ष्यः श्चीः यव्याः सुः श्चुरः हे अर्केन् : स्याः श्चीहेयः सुः नेन् ने सेन् : यया से के हिवा सुः या वा वैःसरसःक्वरायदेवःत्वर्यायीत्वतिःस्ट्रेटःतुःषेत्रय। स्वेतायीत्वातास्वितःस्य ८८.लूच.क्य.चुर्युष्ट.तू.क्रं.चं.वं.वं.क्रं.चं.वं.क्रं.चं.वं.क्रं.चं.क्रं.वं.लूट्रा टे.ट्या.शहल.चर्या.वं.शु. वययः उर् र्यादाबेट र्र ययः र्र यः क्रुवाने वययः उर् ग्रीयः यदयः क्रुवाग्रीः ब्रययः यः स्वाप्तर्या भ्राम्यस्याम् स्वाप्तर्याम् स्वाप्तर्यान्त्रेयात्र स्वाप्तर्यान्त्रेयात्र स्वाप्तर्यान्त्रेया য়ৣয়ৣয়ৢৼয়ৼয়য়য়৻ঽৼ৾৻ঀড়ৼৗ৾৾৽৽ৼ৾৻ঀয়৻য়ৼয়৻য়ৢয়৻য়ৼয়৻য়ৢয়৻য়য়ৢৼ৻

क्रम्यात्र, रचिर्याक्ष्य, याप्याय, स्रैका, प्रम्याः मैका, रम्पूर्य, रम्पूर्य, याचीयात्र, स्व मक्र्या.री.पहुर. १८८ र योष.यम. मुर्गे. सम्मान मुन्ने स्वी.पर्यं सामी प्री. संस् ल्त्रां स्थान स्था यदः वसूवः यदे विद्युदः। ववादः रेषः दे छिनः दुः न्वाः वर्षेत्रः यदे व्यव्यवः व्यव्यवः व चैयातालुर्व। देवुःसैययार्थःसीस्रीयोगातवुःयस्रेषःतरःबियोयातवुःदेवोःयस्रेषःदेया क्षरः अटशः क्रीयाः तारः देटः तारः क्षीरः देः अटशः क्षीयाः तार्त्ववाः तक्ताः वशः से अटि तपुरविर क्या में कुँच तामा क्ये कुंच तुर्विया यो या स्था क्ये त्ये का कुँच ता ढ़ॖॕॖॖॖॖॾॴय़ॳॱॾॕॖॻऻॴय़ढ़ॱॴॸॴॱॼॖॴऄॱॻऻऒॱय़ॱढ़ऻ॓ॴॱॻॖॱॻॸॱॴॸॴॹॗॴय़ॸॱढ़ॹॗॸॱढ़ऻ॓ॴॱ न्त्रम्यायावितः न्दः त्युदः तसूत्रः यह्नि स्याधित। न्योः तस्नेतः स्नेदः सूर्वयाः उतः नेयाः सः स्रेग्रायः स्रेत्रायः स्रेत्र्यायः पस्रेत्रविदः। देवे ह्यायुष्ठे तद्विया प्रस्त्रवयः ग्रादः विव ह्न हियात्व क्याप्य विवाक्त सेत् स्वाप्य क्रिन्य प्राप्य क्रिन्य क्रिन्य प्राप्य क्रिन्य प्राप्य क्रिन्य प्राप्य क्रिन्य क्रिन्य प्राप्य क्रिन्य क स्वात्रक्याने में नम्बलियात्वाराम्येत्यते स्वीत्रम्यात्राम्येत्राम्येत्राम्येत्राम्येत्राम्येत्राम्येत्राम्ये चु:६गाव:वते:क्वेंद्र:य:क्ववशःक्रेव:य:क्वेंद्र:क्षेंत्रोधश्राध्यःयदशःक्वशःग्री:य:य:वर्ग्वद्र्यःय: न्यायङ्यायदे द्वेषा या हेन् वयान्युष्या राष्ट्रीय केव दे दि तर् द्वेषाया ध्वेषा । व्याया यार प्रिव व व व अ र श्रेन् श्रीय र श्रुन् दे । बचया श्रुन् यर उव प्रेन् व श्रु व यार प्रिव प्राय त्रचुत्रकुं लेवा प्येता वेदया रे वाहेया है यह १ हमा १ हेया हैया प्रकेश हैया है यह । श्रेश्वाक्षात्रात्त्रे स्वर्थात्र स्वर्थात्र स्वर्थात्र स्वर्धात्र स्वर्थात्र स्वर्थात्र हिंदा व स्वर्थात्र हिंदा व ठवा वी क्षेत्र या वर्षेत्रा सूत्र वद्या क्षुत्रा वदि कुत्रा द्वीद सी क्षेत्र व वतुवाया दुया विवा ता

য়ৢ৶ৼ৾৻য়ৼৣ৾ঌ৻৴য়ৢঽ৻৴য়য়ৢঌ৻৴ঀৢৼ৻য়ৢঌ৻৴য়য়৻য়য়ৢঢ়৻য়য়ৢয়৻য়৾য়৻ ब्रेट्यायान्त्र्याची प्रस्तु प्रयापि केत्र में विस्ते हे प्रया हेया द्वारा चुटा विद्यार्थे योश्याः क्रियाः यात्रयाः हेशा क्रेत्राः केर्त्यः क्षेत्रः स्थाः क्षेत्राः स्थाः यथायायायाय स्थाः तस्य स्थाः स् रुषालेगाया युवाने व विः स्टानी सदत देंगा येव पवे विसार्स्ट युगाये कुर्वेर म्बर्भरस्य में ब्रिस्पेट द्रश्याचा को स्ब्रिस्पेट मा द्रुश्य सम्बर्ध म्बर्भ मा द्रुश्य स्वर्ध मा स्वर्ध मा स्वर जरबाब सरक्षियावबाबी अर्घर यासे यी बीचा क्षिया मुख्य मुद्दा सीरबाबी राक्षिया मूर्य व्रीतःत्रशःक्कुःयःचेरःश्रेस्रश्रामाश्चीया क्कुःयःचेशःप्रश्राम् स्त्रीत्वेषाःप्रहरःत्रशःरेषाशः ঀ৾য়৾৽য়৴৾৴য়ৣ৾৽ঀ৾য়৽ঽয়য়৸৴ৼ৴৸য়৸য়৸য়য়য়য়৻য়৻য়য়৸য়য়৾৽ क्षेट व्याया व्यवस्था व्यवस्या व्यवस्था व्यवस्य स्यवस्य स्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य स्यवस्य स्यवस्य स्यवस्य स्यवस्य स्यवस्य श्रुयाः श्रेष्ठ इ.च.त्यातः लेवाः वाष्ट्रयाः दुः यदवाया १४ इ.च. इस्याः ग्रीयः श्रूप्तः कः भू र्द्धेयाया १३ त राय वर्षे प्रति । या प्रत गाया के लिया प्रस्त प्रमें प्रस्ति के स्वा क्षिया यो या किया की या म्यार्थेन्। देव्हतिष्यस्य विवानीयायेस्यस्य विवानस्य स्वानिन्देन् र्दर द्रमा त्रवत विकार के जाति होता है। से द्रमा के मार्थ में कि मार्थ के स्थान र्णेन्। ने मुराव मुराव पर त्या प्येव वे रेन् केश सूर्या या वा पर विकार्येश यद्भितः वे न्या लेखायते न्या त्रवयः है त्यू र त्ये न्या त्या वे स्वया के त्या वे स्वया के त्या विषयः वे स्वया के त्या विषयः वि

ষমমান্তব্যক্তির যে বিবাদের ক্রিমান ক্রেমান ক্রিমান ক্রিমান ক্রিমান ক্রিমান ক্রিমান ক্রিমান ক্রিমান ক্র मित. वि. तर्मेत् व्याप्यवत् व स्वतः द्र्याः स्थाः त्रीतः त्रीतः त्रीतः त्रीतः त्रीतः त्रीतः स्वतः व येंबाने नायव वयाने प्यवानि प्यथय वयान्य यान्य वर्गोन् ने त्वन सुर्याने से स्थापिक व तवयःर्यः देवः व्याप्तयः अञ्चेयः द्याः ययः श्रेटः यः ध्येत। क्रुवः ये सः अञ्चेयः द्याः वि रदःवार्केन्द्रं स्टार्चन्द्रः। देःतुषःक्वियःस्वायायाः क्वियःश्वीषाः स्वयाः स्वीयायायाः स्वीयायायाः स्वीयायाया यदेषुः मुलाविष्टाया प्रति । द्या र्योजीया या प्रमुद्धारा विषया । विषया । विषया विषया । विषया विषया । वया क्रियाची साम्रीयाची स्तर्भात्राची स्तर्भात्र वर्षा क्रियाची साम्राम्य स्तर्भात्र स्तर स्तर्भात्र स्तर्य स्तर्य स्तर्भात्र स्तर्य स्तर्भात्र स्तर्य स्तर्य स्तर्य स्तर्य स्तर्य स्तर्य स क्रीः भुः यत्वः तः वितः ते। क्रुयः ये व्यायः व्यायः क्रुयः यद्यः क्रुयः यः वदेः वृत्रः लुय। याञ्चेरान्जातन्त्राप्तुरम्भात्त्रात्तेन विष्यान्यम्भानायान्त्रात्त्रात्त्रात्त्रा यर-र्वाचियानात्त्रेयात्रा रक्षियाकर-क्रियायात्रीयात्याक्षीयात्याक्षीयात्राक्षीयात्राक्षीयात्राक्षीयात्राक्षीया चर्यन् यर ब्रिन् क्री सनुब त्य विन प्यें न य प्येब यय तने त्य श्रेव की श्रेव या बिवा द्वा स्नुस बुषायम। वर्षेमायून वर्षमायीमावगवानुसाने क्वायायीकेन येविदे विद्याप्त ज्यायाः संविधायास्तरमाः स्वता क्रियाः चरः स्वरं स्वरं सासरा । सिसायरः क्रि.व.र्ज्ञेच.यर्जेल.योवेळा विकार्यर.स्यात.स्र्रीर.व.व्री विकेत्यर.खे.स्रे.यर्ट. वरः व्यवस्य विकायस्टिया क्यायः व्यवः व स्थान्यवः व व स्थान्यवः व स्थान्यवः व स्थान्यवः व स्थान्यवः व स्थान्यवः स्यात् त्रे स्वाप्तस्या ने प्रयात्र प्रयात्र मुख्य स्यात्र त्रिया स्वया योत्र्रियो. पर्नेता खु. प्रायदे. प्रायप्राय्ये व्याय्ये व्याये व्याय न्वायमध्येरवनेवरवहरारी दिव्यक्षयार्थवाययाक्याक्ष्यास्य कुथःश्चेन् श्चेरःयम हुःर्वेनःयः तन् र्वेटः न्येनः तन्ते सुन्नेन प्येनः यस तन् या के तन्नेनः यते व्यः नवादः लेवाः श्रीदः नवीद्यः केषः श्रीद्यः यथा व्येष्टः नियं नियः योद्यः योद्याः या

कुँयः भूषायम। यदः पीतः विषाद्वेषः यय। वया यत्त्वः श्रीः ययः दुः विष्य दिषा विष्य यमभा चुः केवा प्रदेश्वा बुरायर । कुरायमा अत्या समा विद्या चित्र । चे विद्या कॅर-२मॅब् श्रीयाञ्चयापि विविधालमायत्व श्री देराया क्रुया मेवि कुया श्री दाशी कवा श्री द कुषायर: चुषा:वेद: हेद: पद्दादेव: देवे: देद: त्य: ष्यरष: क्वाय: त्वेद: दि: पठषाय: द्दा । क्वियार्थे म्याययाक्कियादिव्यादिव्यायक्षायाक्कियाद्वया देवे स्ट्रेट दुः स्वयाया विगाप्तः ग्रीं यायदि प्युया क्री से स्वया द्रान्यस्य पानस्था त्र या विष्या वर्त्त क्री देरा या से दिर द्र्येत रमामान्य में मान्य प्रमाना मान्य प्रमान प्रमान मान्य प्रमान प्रमान मान्य प्रम न्याः योः श्रोध्ययः वियः याद्वयः यादः युः स्थः विष्या विद्यः विदः विष्यः विदः विष्यः विद्यः योः देवः विदः विष्यः पर्सेयायायया रेदः वयायायर्थः क्यायार्थः स्थायायायायः स्था केन ये सहिन हिन से त्वसायमा सर ये ता त्यसा से साम महिना मार पर ने पार्टी विभा कूर्र-रत्त्र रर व्राजार पक्षा क्षेत्र पर्या की ब्राया विभाविक है सि.य. म्रोन्यतः चिरः क्वायाकेषाः हुः स्रोभाषाः मुद्देशः चेत्रायकेषाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्वय यन्दरावरुवा है केंद्रान्देव रददे सावेदवायर प्यदान्वायर हेवायाय देवाया करता क्वा सा यह्यामाञ्चीत्रः त्रेमामान्यव्याम् स्विमान्यः त्रीयामान्यवीत्रः त्रम् वर्षा प्रायः देन न्यमा सेन से न्या के सान्यमा कु सेन यदि यदे सा सूत्र त्यन स्था सहस्य सुरुपान र

मूतिः मुद्दान् निक्षान् स्त्रेत् स्त्रान् स्त्रेत् स्त्रान् स्त्रेत् स्त्रान् स्त्रेत् स्त्रान् स्त्रेत् स्त्रेत् स्त्रान् स्त्रेत् स्त्रान् स्त्रेत् स्त्रेत् स्त्रान् स्त्रेत् स्त्रेत् स्त्रान् स्त्रेत् स्त्य

यार्युम्पायात्मस्य वित्रायते यत् प्यति क्षी क्षीत्र वासुया तस्याया

देश्याम्बर्धा स्थान्त्रस्य स्यान्त्रस्य स्थान्त्रस्य स्थान्य स्थान्त्रस्य स्थान्त्य स्यान्त्रस्य स्यान्त्रस्य स्यान्त्रस्य स्यान्त्रस्य स्यान्त्रस्

 न्यमा सेन्यम् स्वमायर्द्ध्या । विरामस्र्रिस्या है सेन्यम् स्वरायहेवा हेवः रवादवुस्रयाच्चरयासेन्या वियायाची सीसूरावानुवायासेन्यीप्यस्या शुःसूरःम्बुम्बर्भः भुःविस्रम्। सूरःचःवर्देन् प्रवेःविस्रमः हे।वस्रमःम्बुसः हेन् पहेनः यन्दर्वरुषायावार्रिकात्यावार्रिकायावार्रिकायावार्रिक्ष्राचार्वे विष्ट्रेष्ट्राची देवे स्ट्रेर्ट्राचे यदियाः वार्षे अः यदिः सूरिः यदियाः वार्से दः यदिश्वः य। देः यदियाः वार्षे अः यदिः सूरिः यद्भित्यार्थाः क्षेत्रः यास्यार्थाः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः विद्याः हेतः क्षेत्रः विद्यार्थाः विद्यार्थाः विद्यार्थाः विद्याः विद्यार्थाः विद्यार्थ प्रज्ञाद्भात्र विष्या प्रकृत्ये । त्रिते विष्या त्रिक्ष का विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या वि जीयान्त्रव्यात्रम् त्रुवात् ने स्थान्त्रित् विदान्यमान्त्रम् ने सुवान्त्रम् ने स्वान्त्रम् ने सुवान्त्रम् ने स्वान्त्रम् ने स्वान्त्रम् ने स्वान्त्रम् ने स्वान्त्रम् ने स्वान्त्रम् ने स्वान्त्रम् निवान्त्रम् निवान्त्रम् निवान्त्रम् निवान्त्रम् निवान्त्रम् निवान याम्भिनामी मानुवालिन प्योता नामुन्यस्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्य स्यानस्य स्थानस्य स्य स विस्राया में विश्व किंदि से किंद याश्रुरमा रवःवनुसमाने स्मरः येते देन हो स्मर्मा स्मर्भाः नवा स्मर्भः विचा श्रीः बर-र्-अर्र-रच-वद्युश्रबामा सूर्याबार-वद्युश्रबामा अर्र-सूर्याबार-प नेयानुदे रेग्यास्यूरसर त्यास्याम्याम् त्वत्यारसायाने स्वास्युन्या र्यात्वस्यासी क्ष्याः तस्याः मेरात्राः स्याः मेरात्राः स्याः स्या रम्बार्श्वम्याचेराञ्चेत्राच्येत्। तद्दीराञ्चेत्राम्यान्यम्यान्यम्यान्यम् <u> बुट (चश्रश्र वु:च स्रवा:चक्कु:लूट :घश्र स्रूट :वाश्रुअ:चब्रट :टू:श्रे:ब्रुव:घटे:अट :द्रे:ब्रुवा:वी:</u> देव हैं। देव केव श्रीयामार श्रीव या श्रीव या मया। वियाय वे। देखद वेदा

विस्रयास्य स्टार्स होता है ते होते हैं के कि स्टार्स है से स्टार्स है से स्टार्स है से स्टार्स है ते स्टार्स है स्टार्स है ते स् ৼয়৻ঀঀ৾য়৵৻য়ৣ৾৻৵য়য়৻৽ঽ৾ঀ৻য়য়য়৻৽ঽৼ৾৻ড়৻য়ৢ৾ড়৻য়৻ঀৢ৾য়৻য়৻ঀৢ৻ৼঢ়৾৻য়৻য়য়য়৻য়ঢ়ৼ৻৸ न्यमा सेन प्रते सक्त प्रतः यने प्रतः स्वा । विकास साम् प्रतः स्वा स्वा से स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स |देवेदेव्याप्यक्रित्वस्थाकेत्र्याः ।वेश्यादी। याच्चीत्राने प्रवर्शन् त्रस्या केत् यो लिया प्रस्या साम्या साम्य साम्या साम्य साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या साम्या स मदि सक्त न्दर बिद विस्तानस्य नदे न उत्र श्री सक्त उत्र विवा र्शेक हो नद्दर मिन व्यासंग्यमायापाम्बनामी सुराम् वर्षेत्रम्स्य देवे सूरासूरामसुसारवा त्वुअर्थायाः देव द्यां केर्यायगार हो होत या दीव यदे पर्याप्त क्रिया वर्षा प्राप्त वर्षेत्र वर्षेत् वययःके:नःधेव:बेयःनासुदयःयःधेव। नदःवयःनासुदयःयः५८ः। क्चितःहेत्रःक्चैःखुरःवारःधेतःतेष्वा वेदःस्येदेःखन्ना वारःतेवाःसःस्यःह्नदः बुट विश्वरात्रयात्वीश्वराक्षीत्रेताक्षेत्रक्षीचित्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रेत्राक्षेत्रा म्रया उर् नविषया हे द्वा स्वाद् नुष्य स्वाद मान्य मान्य स्वाद निष्ठ हो। पिराय रहे में के कि कि स्वाप्त के बिया यीय रेर्दर द्यया हु सेर यदि सर्वे स्टर यदे य उत्र द्यी बिर विस्था सी पेर्वे हत । तयवायाः मध्ययाः उत्राचियान् यादावादाः प्रदीः प्रयाः मध्याः स्री व्याः स्रुप्तः दे । प्रयाः प्रयोदाः वस्रयाके नस्दर्भा ने स्वीर ते निया से निया सुना स्वापा स्वीर स्वापा स्वीर स्वापा स्वीर स्वापा स्वीर स्वापा स्व वै। दे:सूरासक्तर्जंसायहेंद्रायदेःवर्शेद्रात्तस्य ग्राह्मायस्य श्रीकार्यः स्वितःयाधितः ययः सर्वे दः ये दिन् न्यवाः सेन् त्यः क्षे वासुसः वास्यः यः केदः ये यः ध्ववाः दर्कतः वे त्वे यः यासुरसायाधीता सर्वोत् योतिन् न्यायासेन् यादी सर्वेत स्वार्थेसार्थेसाया स्वार्थेन स्वार्थेन स्वार्थेन स्वार्थेन

<u>बियःयन्यायःयङ्गः स्र</u>थःय ३८ व्योः तथः यासुरः।

चर्चित् त्रम्याक्रेत चित्तवुद्द्द्र चिते क्रुत्या व्याप्त वित्रम्य वित्यम्य वित्रम्य वित्रम्

यिष्ट्रा मुक्ता मुक्ता

जर्मा सुरस्या स्वापानस्य स्व

महिना विकासकी विकासकी

यम् यद्भित्र द्या द्विया यः ५५ सः क्षुेश्व या या दे द्या दे द्या दे द्या या द्या स्था या द्या स्था या व्या स्था या व त्तर्भात्त्र्र्यं द्रियात्रयेथा क्षेत्रेर्व्या द्रयाद्रया द्विया चुद्र कुत क्रेत्र चेदिः यस यस द्विर से च्वेया य प्रेत य रेत्। तुर्के न्या वर्द्धे र क्षे क्षे त्युष्ठ क्षेत्र य ष रेत् न्यवा क्षेत् य प्रेत स्वतं स् विषा देन न्यवा सेन यदे सुन इत विषायन् र सुवाषा सा वर वा सुन दर् रहेरासा सहया विदासर्दे द्वाप्त विदासर्दे प्राप्त कर ही होत्र त्यसाया स्वीमा सामा करे होता स्वाप्त स्वीप करे होता स्वाप क्रेंबरग्री:क्रेंबर्द्ध्याय्याय्यायः देवात्रः व्याव्यायः विष् মহ্ম:ধ্রুম। रोसरा क्षेत्र हिर्दे हेन् हुन्। यन प्रमायर नहे ह्येन प्री नो वही ना हुन प्रमाय हुन हो श्चराय। युषाग्रीबाद्यवातक्याञ्चराय। दे द्वाद्यात्यात्रें राग्नीकाश्चरायाः थेव क्रीम्या हे न्यर में या कराया विषा धेव व वे तरी न्या यह या या न्र में या स्त्रीया वर्चेवर्भे भुव। ५.२५८मा में ५८मा में भेष-प्यामें ५८५५म ४५मे हे भूवा हे भे ঀ৾য়৻ঀৼ৾ৼয়ৼয়৻য়ৢয়৻য়ৣ৾৻ড়৾৾য়৾৻ঢ়য়৻ৼৼৼয়৻য়৻ড়৾ড়ৼয়ৢ৻৻৻ঀ৾য়ৼয়৻য়ড়ৼয়৻য়ঀৼ৻য়ৼ৻ড়৻ यक्ष्र क्रुं यो ५ पर ५ वा तः वदे त्वह्र्य य ५ ८ वा निवा ५ ५ ५ ५ पदे वया ये विवा ग्राप्त ह्यु र श्रीः शेषायरः द्रवाः वर्षेत्राः श्रेः वाषवाः क्षदः सुः वदः विवाः ५८ वदः वरः श्रेः सू ५ द्वरः वषः ग्रहः म्र्याज्ञीय तर्नु वा वा साम्राया स्थाप । स्थाप स्थाप । दरावर्षाचराहे सूराववर् साराबीराबीरावर्षे रावक्षिवा खेराचा वाका वोरावेर हिना हे सेवा रेथ रेथ र्द सर्वे क्वेय क्वेय वेद सर्दा केवा वें सरवस वाहेस वेद रवरावन्द्रिया विस्रुद्धा है स्मूद्र सर्वे तित्त्वा वीया ग्राट से वे व पर सुरा है वदतिःरेषाषाने वे सुव येति नयुषाव नयातः विरायसे । । यावषायते यानुव व वुषा

ष्टियःयन्त्राःयःयञ्चः श्रीयःयवरः वीः त्रयः वाशुरः।

धेव। । गर्युद्रयायाः भूराधेव। यदामाः वेदावयाः राज्या भ्राः विवा या भ्राः वर्दे नः या विवा प्येन् । स्रुं या ज्ञोनः व । नवा वर श्रू नः या वर । বহা্রথ মবমা नेन्याकी यम्दर्स्कायम् भी द्वीत्रक्षा । व्वीत्र विकायामा त्र्योद त्रवतः विवार्देव वाहेराव। । सुर्योद या धीर्याया धीर्या । विवाया सुर्याया यः इसः न्याः यो यः विन् न्ययाः स्रोन् श्रीः सस्त्रं नाहेन् सः न्यः हेत् व्यसः विन्यः स्रान्यः स्रान्यः स्रान्यः वः बरः चतेः वयाः श्रूः रदः श्वायः श्रीयाः बेवः व्येदः चः रेद। वदेः वयः यर्गेवः ये विदः द्र्याः मन्दरा वालवावयात्रक्तायक्तावर्षेताचर्हेन्त्राचनेत्राच्यत्रभुवरावाद्री न्वान्त्र्युन्यसेन्यदेःवस्ट्रास्त्रम् वस्ययःउन्स्ट्रित्देयस्यःसवाःहुःक्रुन्यः श्रीवावतरावयां विवास्त्री हेयायाया नवीरया है। यासुरयाया ध्रीवा ५५ याया स्वीवाया बूँचर्यासुः श्रुप्तात्र त्वातः रे कें तर्वयाया व्याप्तः ५५ ५५ द्वेति त्याया सेवाया सुर प्रतिः र्क्यार्मेश्वर नेदारे देविष्ठित्र याय तर्त्र याय पर निवास क्षेत्र सुवार क्षु दे द्वा की स्वेतिया श्रीयानी प्राप्त ने प्राप्त में विषया प्राप्त में विषया यान्त्रीम्यायाम् नृत्ययात्री महेन् प्रति द्वन्यायात्रीम्यायान् मन् वरायाः स्वीम्यायाः स्वीम्यायाः स्वीम्यायाः स हे.र्येश.धर.र्.जा.यत्तवात्राज्ञका.की.ह्याता.ता.सु.र्याता.की.प्राच्या.ता.लुव। दे.शुव. यः उत्रः यः स्रेः भ्रेष्टः विवाः धेतः तः सर्देते व्याः पुरुषः त्राः स्रेष्टः स्राः स्रेषः व्याः वास्यः स्राः व र्नेव यो म्याया श्रीया यह या यदि या येव श्रीय र र श्रीव या न र तर यर स्वर स्वर लि र

क्रॅम्बरक्र्यान्यस्य स्थाति हेर्म्यस्य स्थ्रित्त्रम्य स्थ्रित्त्रम्य स्थ्रित्त्रम्य स्थ्रित्त्रम्य स्थ्रित् याद्यदः মূল্মান্ত্রীপ্রবমার্রার্মান্দ্রা ইলামূল্মান্ত্রীমের দ্বার্রারা ग्रेविष्यायदिः इत्राञ्चयः व्याचे दिन्द्रणः व्याचे क्षिष्ठे विष्ठे व्यविः विष्ठे व्यविः विष्ठे विष्ठे विष्ठे वि शुःरज्ञ्यात्व्यात्रात्वेषाः यद्याक्चित्रात्रात्वेषाः विद्यात्वेषाः विद्यात्वेषात्वेषाः विद्यात्वेषाः विद्यात्वेषाः विद्यात्वेषाः विद्यात्वेषाः विद्यात्वेषाः विद्यात्वेषाः यम् मृत्याप्तिः यथयात्रास्त्र्याचीया म्रीप्रः स्वयं प्रस्ति यस्य स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स्ययं स्वयं स युदःवशुवःयरःद्रगावःववेः भेंद्रः ५५ । द्वदःयरः ५५ । श्रेष्ठः श्रेष्ठाः श्रेषः भेंदाः श्रुवः यः भेंद्र। म्ने न्दर्यक्षरायदे स्नेत्रका छन्। यर उत्र श्रीका ने न्दर्यद्वराय र त्व्रका सुप्तर स्नेन स्वरायः कुः वी चाद वा पुर्व वा किया गावि वर्ष या सम्बन्ध या सामा वी विक्रिया कुरा ট্রিমরেমার্কীরের্লীরেমার্বালী ক্ষার্কীর্মানার ক্রুম্বির্মানার ক্রিমার ক্রমার ক্রিমার ক यक्षे.यद्य.यश्चरात्त्रवीयाद्या.यद्यक्षेययाः श्रीया रवो.यः देवः यश्चरीयाद्यः स्थितः वःश्चेवःत्रयात्वायःत्वर्भ्यः स्ट्रियायः ययवायः धवः त्या स्ट्रियायः ययवायः धेवः स्ट्रियायः ययवायः धेवः स्ट्रिय यार्श्ववाषायदेःवषाद्रम्। द्वरार्धेःद्रम्यष्यायदेःविद्यराष्ट्रीषार्श्वेःवदेदेःहेषासुः द्रात्रें स्वयः वृत्व द्रात्वव के सेवायः धरावदे वा उत्रे की लेट विययः सुः श्लेष्ट यर्देवःश्रेःच। यथःहेः ५५: तद्वः ५वाः येः ५८: ख्वः वः याववः यारः थः ४वाः अः यशः यरः र्द्भग्राञ्चन्रयार्थिके कुन्दे हिद्राधियायत् यायर्थे नाय्ये । दे यानम्दायने नाउता ८८.पूर्टि. ८१वो. ग्रुटे. प्रष्ट्व. श्रुक्त. त्रा. त्र्या. त्रुक्त. त्रा. क्रुंच. त्रा. क्रुंच. त्रा. क्रुंच. व्या. व्य বৰাবাৰানান্ত্ৰৰ নম্প্ৰাই বেৰাজ্যমেৰ ক্ৰিকান ইছা নেই বাৰী কানাৰ্থিৰ কান্ত্ৰিনান योव। देशवाश्वरशास्त्रशास्त्रशास्त्रशास्त्रवाश्वर्याः योदायविष्यस्त्रवास्

<u>बियःयन्यायःयङ्गः स्र</u>थःय ३८ व्योः तथः यासुरः।

र्वेवाशः स्वायः केतः विवाः वसवायः स्विः प्रतिः स्वायः स्वि। व्यवायः स्वाः स्व

মর্মান্সের্মান্ত্রিমার্ট্রের্মান্ত্রিমান্ত্র

इसान्याः हुः तशुराचरान्य सूत्राया

स्याकृष्य वित्ति स्वाधित स्वा

क्रुयःविरःकुःवशुरःधेदःयः ५८। श्चेरःदःतुरः येदःश्चेयःयः ययः वेदः येदयायरः विरः क्रूंचर्यान्यवाचा क्रमाङ्क्षयायदे। स्टान्यटाकुटाचा ख्रमाञ्चीया युवायाग्री सेट वयावद स्वायट यादे त्यद धीव वास्तर्य यादे दा औं क्वा केव सेया पर्दुव य तर्वा विस्रका से प्राप्त प्रकार के प्राप्त प्राप्त से प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्त म्रोब-य-मृत्रेया । पुत्र-योद-याद्य-यादे-यदे-द्या-य्य-मृत्या । विय-मृत्य-ययः *ড়*ৢৢৢৢ৴ৼয়ৼ৽য়য়ৢয়য়৾৽ৼৼৼৼৼৼড়ড়য়৸ড়য়ড়য়ড়য়য়ৢয়ৢৠৼ৽য়ৼৼঢ় वसूत्राया वर्तेन्यते न्या वें प्येत्या यस्य सुरुषाया यस न्या न्या स्थान त्यायः रे दी। सः श्रुप्तान्यम् प्यान्यम् । विष्यः श्रुर्यायायया निश्चा लुराश्चा व्यापाल स्त्राचा स्वापाली स्वापाली स्वापाली स्वापाली स्वापाली स्वापाली स्वापाली स्वापाली स्वापाली स्व येर-वेय-रव-रव-विव-वा विक्य-रव-विवान्ध्र-विश्व-या-विवया विय-यासुरस्य प्यान्दा वद्गीत्रस्य सुरस्यो सुर्वे देवास्य सुरस्य सुर्वे विस रैवाया व्रथावेदे:रैवाया वार्नेय:पदे:रैवाय:५८:ख्र:रु:वुरा:हे:रैवाय:दर्केय:थे: क्र मन्दर्भेषायायार्थे द्रयम् श्रीष्ट्र मय प्यत्ये। वेद् पुः प्येम प्राप्त स्थित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स यर्ष्ट्रयास्युःदेवायाक्कृतादेताकुत्राता वावयात्रीत्रयाः श्रीत्रवाराविक्रायाः वहेवावयाः म्रीट मी प्युवा मुं अट में राष्ट्रा रवका है तद हो है हों व्याओ है हमा सूचा विकास वृत्ताः स्वापितः प्रस्ति । प्रमाणाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः स्वापाः स्व हेंब यान्दर व्रवाय कर व्रकेट या वा सेवायाय है के साम्रीय सेंद्र चरी देवाया दव या प्येव त्रमान्। प्रमान्। क्ष्मान्ना प्रमान्। क्ष्मान्ना प्रमान्। प्रमान। प्रमान्। प्रमान। यक्षे प्रविषा विदेश हैव क्षे कुराये प्रविद्या विवादि विदेश विद्या विदेश विदेश के विदेश विदेश के विदेश के विदेश विदेश विदेश विदेश के विदेश <u> दे:र्या:वे:क्रॅर:यश्याश्रा:क्रेंट्रयश्रं</u>द्रयश्रंश्रंत्रयेव:क्रेंट्रर्यो:यश्रंत्रयर:यद्यश्रंथेव: बॅर्ना देव ग्रह देवा वा नव हार पे प्येव प्येव हे वा प्रायेन ने देवा वा ग्री विद्या है। यर्नेवार्श्वेन्यावन्यरायाधीन। नेयान्यः युगायवेः युयाने नियावर्श्वेरास्टरः यदैः त्युका ध्येतः प्रका वितः त्यवा स्रोतः यदैः स्राक्षंत्रः व्यक्तः स्रोत्या स्रोत् पवर सेर क्रेंगिंगे केर राय ग्राव हैं किया विश्व कार्य में राय है। ৼৢয়৵৻ঀয়ৼ৾৾৽ঢ়ৣ৻ড়ৢ৵৻ড়ৢ৾৾য়ৢ৻য়ৢ৵৻য়ৼৣ৾য়৻য়ৼ৻য়৻য়ৼৢ৾ড়ৣ৾য়৻য়৻য়য়ৢঀঢ়ৢঢ়৾য়য়৻ঢ়ৼ৻ঢ়য়ৢৼ इट.रच.^१.वैंट.क्रे.क््ज.विश्वश्व.४श.तर.२०।.तर.पश्चेर। क्ष्ज.विश्वश्व.४श.तर. न्यायाने हैं भू मुं विया भेदाले दा कुंया विस्र से विस्तर में स्थापन बिटा यदयाक्क्याग्रीकुप्येवायाचेता व्याविष्याद्वाया ह्या विषयाः केषः ताः यहाः द्रयाः वर्षः तशुरा हि:सूर-भेगाः भेर-मानुमार्थाः भेर्द्र-भेरा । दे:प्रवितः सुर्थाः विस्रमान्येन के का से स्वर्धित । विस्रम्मान के स्वर्धित से स्वर्धित स्वर्य स्वर्धित स्वर्य स्वर बुषा । ने निषेत्र र्द्ध्य विस्रय से न्य विस्रय से निष्य मासूरयः श्री ।रव.१.वैद.४४.२४).धूर.२८.२४).कुरा.की.धूरा.वर्षेट्य.पे.क्या.विषय. चर्युद्रयायदेः यदः प्रेंद्रः केः चरः यः बदः द्र्यः केंद्रयः चः ददः चर्युद्रयः यः ददः चर्युद्रयः यः योष्ट्रियागादिः सदायित् । भीतायानुषा सम्मानुषा सम्मानुषा सम्भावा । सुदायि । स्वतायित । सिन् स्वतायित । सिन् स लुषा श्रद्धाः क्रीयः क्रीयः स्वरायारः वयाः वीः क्रुंदः यः चल्यायः या वारः वयाः वीः

कुर् भी नमूत्र या ये र से र र्स धिते स हैं र नमूत्र यदे से र ये र । गया हे र न हु वुदः र्वा तुषायदे विवायार्थे वे प्योत् द्वा द्वा विवायाः सुदः क्रुप्पेदः यापीत्। द्वी नक्षेत्रक्षेपक्षियः विस्रयः भ्रायेति त्र यो के देवाया यदि या प्रते विस्रयः विवा पश्चित्रया त्रा लट. व. क्रेंच. तपु. र्ये अ. क्रुच. तपु. क्रेंच. क्रेंच. क्रुच. त्यक्री र. ता क्रुच. ता क्रुच. ता प्राची व. ता व यमानक्कित्याक्षेत्रालमामी अवत्रक्तासुदानाने यत्राधित द्वारा देवेया केत्र ये कि युषाहेब क्षेत्रास्य वुरावी हेब वित्यार उब वित वेर केर केर या क्षेत्र की क्षेत्र या दे हिन हेबा ড়ৣৼড়য়৾য়য়ৢৼয়ঀ৾য়য়ৼয়ঢ়৾ঀ৸য়য়৸য়ৢয়য়য়য়য় व्या विष्यायात्री दे.क्षायिदात्राक्ष्यात्र्यात्र्यात्रात्रात्रात्रात्र्यात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रात्रीविरः र्कुयः विस्रमः इसः यसः द्वाः यसः वर्ष्यः यदेः यदे यक्षेवायः वर्दः दयवाः सेदः यः स्ववाः वर्क्यः ज्रुष्टिंगाचीश्रीत्याचे क्रियाचित्रयाद्रयायराच्याच्युःकेन् न्युःयत्याक्तुयादेन् न्या येन्याम्बर्धियानानम्यान् हैं नित्तेन नुष्यान्यामेन्। नवर ह्येन्या हुँया विस्रमः श्चित्रियः देश्येदः पदः द्वाया । ह्वाः हुः सः इस्रमः श्चिदः सेदः श्चिदः पदः ह्। इ.र.इ.र। यायहा षासार्थेगी हे दूँ यत यून् त वर्ने र्के हुन हीया वर्तेत्रत्रः कुंवाः विस्रसः द्वाः यरः वश्चुरः वः रेत्। रवः तृः श्चुदः स्रीः श्चवः यः वदिः वै। यश्चिताः यादः व्याः प्रदः व्याः श्चित्रः याद्यः यादः याद्यः याद्य त. रूटी अट्य. क्रिया तर्र्य केंय . यट्या क्रिया क्रीय . क्रीट . क्रीट्या ये या रूप . प्रैं . क्रिया

य. रूरी क्रीरासका यद्धार्य प्राचिका व. स्वर्ध र क्रिका या र र र स्वर्ध या क्रिका या र र र स्वर्ध या क्रिका या र यः महिषाना न्यस्टिन् ध्वेतः या सेत्। इति विषा त्या कुत्यः ये किषा त्या स्वीता त्या स्वीति । यान्वातःचालेवाः श्रुवा चुन्वायाध्येषाळेषाळीत् श्रीकाञ्चावाः श्रीनः श्रीनः वीताध्येनः यानः शहर है। ये.र्रेश प्रथमानर त.चु.इंश रश क्रिंट उर्दे केंट्र क्रूप श्रुय क्रिंश क्रिंग क्रिंग श्चेरिः द्वेषिः तद्वाकः देः वयः स्वादः हुदः कः द्वादः स्वयः स्वादः स्वादः स्वयः स्वादः स्वयः स्ययः स्वयः स्ययः स्वयः स्य याबर या लुखा यथा याबर या या दीवा वे । होवा या देया थी या दीवा या लिया पर स्राता लेवा त्या द्वाता स्रोता चेंदिःतुषाङ्क्ष्रया। ८ दे धुवा चेंदि विभादः क्षेष्ठायया रवः हः वुरावदे कः क्रेष्ठाया स्वर या ब्रिन् ग्रीयारवाति श्री श्रीरावा के त्रीया के त्रीया विवास के त्रीय के त में बार्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत त्रयात्रयात्वित्त्रप्रदेश्चित्रयात्र्यत्रयात्र्यत्वयाञ्चेत्रयात्र्यत्यात्र्यत्यात्र्यत्यात्र्यत्यात्र्यत्या श्रुराया भें बुर वसराउर देर क्रीरा बुर या श्रुर केंगायरा बिर रट दर श्रेट वियाची अनुवानु स्वानु द्वार विया छेया द्वारा वियाची अनुवानु स्वानु स्वानु स्वानु स्वानु स्वानु स्वानु स्वानु स व्यानुषायन्याः श्रेषाः वेषाः वेषाः श्रुषः वेषाः । व्युनः येः स्वानुः श्रुनः विनान्ये । येषाः योष्यार्थः सूर्रा न्युर्वेश्वयाय्यार म्यान्यात्र स्थान्यात्र स्थान्यात्र स्थान्यात्र स्थान्यात्र स्थान्यात्र स्थान्यात्र स्थान्य स्थान चि.टट.चयु.मिजातु.येत्रात्रांचयःयेत्रायसीरःच.क्षेत्रःयसीरःयेत्रामिजातुपुः बट्ट.टी.ह्यूर.पुःही. तस्यास्र र्क्षेत्रायायस्त्र हो । । नेते नुषास्य स्वास्य प्रास्त्र न्या पर्वे सामान्य । भर्ते त्याम् वार्षा स्त्रे त्याम् स्त्रे त्याम् स्त्रे त्याम् स्त्रे त्याम् स्त्रे त्याम् स्त्रे त्याम स्त्रे तर्ने र्श्वेन रवा मु बुरावते अध्व क्रेन क्षेत्रे र्शे विवाय ने प्रवाय का भीता वर्षा रवा मु

बुद्दायदेश्यश्चरमुद्देश्चेत्रायादेश्चियाक्यात्त्रेश्चेत्राक्यात्त्रेशे देशाद्दात्त्रायदेश्चर्यात्रे चडुवा यदे दवो चदे सः च वदेश। ५ उदः धुवा यदे बिराद्यः देवे। । दवुयः यदे बिसार् से के बिरा विस्तायते विसार् के स्वास्ताय विसार् के स्वास्ताय विसार्थ के स्वास्ताय विसार्थ के स्वास्ताय विसार्थ के स्वास्ताय विसार्थ के स्वास्ताय के स्ताय के स्वास्ताय के स्वस्ताय के स्वास्ताय क यर:विवा । डेश:क्रेंब्र-यम्भावनवीं । दे-दुश्व:सु:क्रेंब्र-यम:वदेवशःमावन:श्री: क्वियाचेंदिः तुः ने 'क्विर्यास्युः तसम्मायाः स्तुः ने देते 'च स्तुः ता स्तुन् स्वा स्तुन् स्वर्या वा निवासः मृयःतरःश्चेषःजत्रामृयःदरःवर्षयःभ्रतःयःश्वषा श्चेषःजत्रावर्षयःयःज्ञवर्षयःविदः क्रीक्तुं द्वीय भेटा क्रुं क्रियाया श्रेया या ध्वीय यह या क्राया स्वीय स योज्ञायः स्त्रेय। अर्क्रन्यासुय। अत्रः यया यनुत्रः न्रद्येयः यदेः यया या सुनः वुँगर्दर्देगर्स्यायायम्यायास्त्रीयःस्त्रुदःमीःमीःस्त्रेद्रःयःधीत्। विस्ययःसिसीःस्यायः क्रूयाः क्षरः प्रदः भ्रेदः स्परं खियायाः चीयाः भेः स्त्रीः क्याः क्षीत् । त्रयाः प्रदः चियाः दः प्रदः । प्रदः प्रयाः য়ৢ৾য়য়৻ঀৢয়৻য়৻ড়৾ঀ ঀ৾য়য়৻য়ৼড়৾য়৻য়য়য়ড়ৢ৾য়৻ঢ়৻য়ঢ়য়৻য়ৣয়য়ৢয়য়ৢয়৸য়ৢঢ়য়ৢয়ৼঢ়য়য়৻ चवरःक्रूमःग्रीमःग्रीःबचमःन्नमःनिः सुचःयःयोत्र। चक्रुमःख्नुनःवन्नमःग्रीम। म्रामः पिरः र्कुयः विस्रसः स्वरे। विस्रामस्य स्वरं । ने नित्र विस्रः नु स्वरं শীমায়েদার্মীর্মিরি:মঁমাঘাদ্দানমুর দিন্দানুদানমুনমার দেশী মীর্মির স্থুবানমূর। कुट रु तर्वो निरस्य बद्धी यानदे वयानदे निरस्ववो निर्मा यदे वया विया यः इस्रयः दे : स्रोदे : देव्ययः दः नाद्ययः यः द्वः तुः तुः त्वा : प्येदः त्यः स्वः तः दुः त्यः द्वययः दे : प्य यः इस्रयः दे : स्रोदे : देव्ययः दः नाद्ययः यः दृः तुः तुः त्यः स्वयः दे : प्यः स्वयः दे : प्रयः स्वयः स्वयः य विट व वावयाया सु तुर्वे विया वायुट्या यया यथिया विट वया यी विट्वा यर यो वे विवय सुः भ्रेतः दः रोषः क्षेताः स्रेः नश्चेषाषाः यदिः स्वाः नस्यः स्रेटिः देषः यः पीद। यदिः ५८ः वर्षेयानदेः महत्राकुर् केषानम् न्या वर्षः यरकुषा रक्षेत्र वर्षा विषाधिता शरशः भैयः पश्चः स्वान्त्रः विष्यः ज्राक्तिः वाराहे हैं वार्ष जा श्रेवायायर वर्षेत्र वया रूट रेया वाह्य कुट हिवा वयर वःलरः ने न्दरः वर्षेया चार्वे। द्या विद्या श्री केषाया श्री वर्षे हैं पर्वे स्वेतः प्रवेश व्रथाने क्षेत्र से बित्रात्य कुर या दत्र सायदे से ब्रिया वित्रा से दिन् । व्रथाने प्रवास से ग्रिकात्यान् ग्रिकात्यान् केन् स्वर्भेन् केन् त्युक्ते त्यन्त्र व्यन्। त्युक्ते त्रक्षास्य स्वर्धास्य स्वरत्य स्वर्धास्य स्वरं स्वर पर्वट देश सामा पार्च सामा निर्मा समा स्था निर्मा समा निर्मा निर्म यायानुयाः सूत्रा स्वतः विवा प्येव प्ययाने 'न्या त्या विविधः निविधः यान्य त्या स्वत्या । योदःद्री ।देः इस्रयः ग्रीयः ग्रदः स्नावयः वीवाः वयः यः याविष्यः गाः स्नोदः व्यदः द्र्यः द्र्यः अर्बर प्रायम् । विभाने दे स्वरायम् विभाने प्रायम् । विभाने दे स्वरायम् । शुराने व्यावे मन में नुषा सुनाने त्या यान रामें विदास विवाद रास्ता स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स या व्यत् प्रास्त्र प्राप्ति प्राप्ता व्याप्ता व्यापता व्याप्ता व्यापता व्यापत श्रीत्र वर्षा सुन् स्वापाय प्रमानित वित्र वर्षा दुर्ग वर्षा स्वापाय वर्षा स्वर त्र्याञ्चर म्याचे र स्रोट प्याधीय । व्याचे म्याचे प्राप्त म्याचे प्रदास्य प्राप्त प्राप्त । वराज्ञी म्याचे प्राप्त प्राप्त । वराज्ञी म्याचे प्राप्त प्राप्त । वराज्ञी म्याचे प्राप्त । वराज्ञी प्राप्त । वराज्ञी प्राप्त । वराज्ञी प्राप्त । वर्ष । वर्य । वर्ष । वर् म्बर्भिं वर्षे स्थ्रित्या वर्षा वर्षा स्थ्रित्य वर्षे स्वर्धित्य वर्षे स्वर्धित्य वर्षे स्वर्धित्य वर्षे स्वर् रर वीषारर वाविर वावावुषाया र विदे हे वह वे व्यवस्य विवारे हा विसार् श्रॅर कें कुर संवदे से वदान देश सबर। वुसे समाया मसस्य उर की सादे प्रविद दु यवर। दे:दैर: षर: क्युर: क्युव: विवाः वाषर: वः दे: वेदः वेदः वेदः वेदः विवाः वाषः यश्रम्भ श्रीराम्भा स्वास्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भात्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भात्त्रम्भ

यम् म्रुवःभितःश्रेषाःषीः व्यनःगामःश्रेषाःकुनःषानःषीः शः श्राक्तंश्रशः वृद्धिवः वीनःश्रान्तवः योन्यालेवा वी दुराव यरया क्रुया वर्डेया खूव तन्या रवा बुराले वितरे का खुवाया उदा ले विर-तृथानर नतुन्न राष्ट्रिय स्यर सहय। इस ने म्व रोग ने सहया सम्मानु ने दे बर्गारम्बुवार्याने र्वुवायाने याने देशे देवा मुख्याया विषया याने विषया स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त यायाहेबाहे क्रिक् मुल्योदानबिकायोग्रयायदीयम् विवायवित्र मान्यो हिंदि यदी हैं। तद्वे पद्भारम् कुरायारम्यायम् स्वी सी तद्वा । प्रायी सम्मारम् दि सी । वर्ष बुरः वरः रुषः श्चरः युः वाष्यरः श्चेः दर्वो बः यथा श्चरः स्वरः वेरः वदेः स्वयः वर्ष्याः भेरत्व भुःदवः दृदः सूर्वाः वर्ष्यः वादः यदः भेदः प्रदेः भेदः दिः भेदः स् बिगायर्गाअर प्रथम कें। पर्रमाय्वे पर्रमाय्वे पर्या मिन पर्रमाय्वे प्राप्त पर्माय प्रमाय प्रमाय पर्माय परमाय पर्माय पर्माय पर्माय पर्माय पर्माय पर्माय पर्माय पर्माय पर्माय परमाय पर्माय पर्माय परमाय पर्माय पर्माय परमाय पर्माय परमाय परम परमाय प बर-इ-ब्रेंब-हो। देन-व्य-क्केंब-मह-प्यह-योदा कुर-य-ह्व-य-योदा सुःग्रे-यनुत्रः श्रीराप्तरे विदायहः स्वाप्तायनुत्रः श्रीरापादे निया स्वाप्तायहः स्वाप्तायन्त्रः स्वाप्तायहः स्वाप्तायह मूर वेर कुं सेन्। वेर वर्ष सुर सेन्। वस ने बिन सुर रूर रूप हु हु र से र्यादःदशः देशः याश्रुरशः यथा व्याने : धेशः क्षेत्रः या वर्षाः वः विश्वाने रः वः र्रः विरायमा स्टाप्तर्थेषा स्वाप्ति । स्टाया ने स्वाप्ति । स्टाया ने स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । स्वाप्ति । यन्ना थ र्से अन्नि र से स्कु न्दर सुथ हु स्कूर से सुय कु के प्यर से न न न न न हिन् ग्रीभाहेशासुनवतुर विरासना हु जुरान विना सर्हर त। विनिस उदि श्वीर तरसन हु सी वैंट. ध्यात्रया वर्ष्ट्या जैय तर्या ग्रीया ग्रीट विया व मिया में प्राप्त हैं दिया या वार्ष्ट्र देवे स्ट्रेट दु द्वा वर्डे अ र्वेव सेट व प्येव था। देश व द्वा सेव प्या विव व स्वा व स्व व स्व व स्व व स्व व स यातुनःमतेःनुषातिः रायाः तुः बुदः वृषानक्ष्मनः यासूः रेः शुदः विदः तनुषानितेः नसूवः यरः

८८:श्रूयायाः वया यर द्वेष अप्यदे अर अक्कि अवीं के चिंदि प्रया दु से द प्राया सुवा तर्हे था वी । अर्केन्ने । भ्रुप्यासुः सकेदी । ब्रेस्यायीः प्रमास्येन प्रमास्येन प्रमास्येन प्रमास्येन प्रमास्येन प्रमास यरे.योर्वयोत्रास्त्रेत्र.कें.राकुरं विदःक्ष्य.स्राध्यार्थः यदः स्राधः क्ष्यः विदः तर्देन दे के है नहिन दर्भ अभाग्येय स्थान है अपने हिन है न है न स्थान है हैं वर्दरम्योग्रयः दरम्य कर्षय। वर्द्धः यविद्धः यात्री श्रीः यात्रे मण्डवः श्रीः ब्रीटायम्बर्भाः सुरुष्ट्रीया दे व्योद्धान्य स्त्रुष्ट्रीयाया यवित्र द्वीता । व्रिटायिता व्यवेदान स्त्रुष्ट्रीय र्कन्रक्रन्थ्यात्रेन् सर्वत् द्वीयारे देशायरानु तर्देन सुवान्वीया लेयान् देन प्यतन् ह्येन। व्यारे प्रतिबन्दि न विकास के स्वास्ति । विकास मिल्या प्रतिकास के स्वास्ति । विकास मिल्या स्वासिक स्वास वद्गःचदेःसदःभिद्रःकेःचःभिद्र। वद्गःदश्चाःचःवेशःचःदेःचेःकेदःचेःकुरःवीःदरःदश्चाः कुर धिव या विकास में के किया परे के किया परे के किया परे के किया परे किया पर के किया पर किया पर के स्त्रीय स्त्री थेंब क्षे:वर-र-,दर-र्श्वरा मुका क्षेत्रा सुवा इवा रवा केवा तर्क्या व रर वी खुका क्षेत्रा हो विवा मीन्पर क्रेम् म्रोभर म्री भागविदे स्थाम् प्राप्त स्थाप्त स्थापित स्थाप विचाडेयानासुरयायाधीत्। भ्रीःसुन्धिःसिविदान्यःसिन्।यार्केयायरायरः वी।सर्केन्।वरः वरः वी हेव वाश्वा द्यी अनुव नुः सुवा वर्किय। वरः य प्येन् वे केवा अर्केन् वरः रे द्वें वा अर्क्ट्र-त्राचिक्ट्र-त्राख्याः केत्राच्ट्र-द्र्यक्ट्र-विट्र-ह्राच्ट्र-केव्यक्षाच्ट्र-पिट्र-

कः क्रीतः क्रीं तर्दः क्रें क्रें क्रें क्रां क्रांच व्यवायाया धित्। वर्षेवाय राव वुदः क्रें रुप्त सुवा चर्यायात्रकोथान्त्रेन्द्रवेशियान्वानीयान्त्रियानुःस्री वर्षः व्यवानुः विस्तर्भवायाः सुःदविराने मान्य न्यामायायायार यानियाया नेयायार सर्वीत ये विराम्य नियाया यविष्। विरायाध्यातक्यायाधेषायथ। यद्यायाब्रास्थयास्य क्षेत्रेयाः श्रीतः त्रवाका कवाका समका छनः नवाः स्रेतुतः क्षेवाका त्रने ता छनः व्यास्रो त्रार स्विवाः छवाः वस्रस्य दस्य द्राप्त द्राप्त स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स यर्सेय.तपु.ध्रीर.टर्स्य.इंग.योश्रंभ.क्ट.यर.वैश भध्या.धे.पवीर.कंयाय.र्.य 🅞 था व-नवो-ब्रें रायेवायारी विवानी वायानु त्वें ह्यायारेन। त्वेंवाय व्यापाय हर हो नुवर नु थॅर्यावर केंश्रायकेंर्यवस्थासूनयानरे रे थेंर्यर क्रीयानर येग्यायानर । यरयःक्रियःचिरःम्राथयःक्षुःभ्राःचाञ्चवायः रेःक्रियय। श्रेःवरःभ्रयःक्षेत्रः यान्त्रः र्टायोग्रा वर्तायन्य कर्ष्यायाययायायात्रः ह्या वस्यया उर्तायना वर्तन ही बर-र-पङ्ग्यायदेवर-मी:स्यावर्क्यायदेः यवावर-मार्थयः स्री:न्युः न-र-वरुषायः श्रेंद्र च प्येत्। महिश्राया सर्केद्राया त्र तृष्या च त्र च त् ८८.जूट्य.श्चृैंट्.८म्.३४.पश्य.बुयायाययायर.धुय.पत्रेर.चेंदीर्। रट.रुयाय. ४८.२८.५.५८.वी.क्र्याविनः ब्रुवः गिष्ठेशः यथनः याः भौता यने :क्क्रेवः क्रीः क्रेयाः नेवः गिष्ठेशः गार्चेयावयायवरायाधेवायया वार्डेकेयावे वरिते वे दिवस्ति वे स्वित्वयाकुवाकी रवो ब्रैं रः र्द्वेष्य रायस्य वर्षः भीत्र स्तर्भ निष्य दे निष्य र वर्षे र देवा ह्ये र र वर्षे र वर्षे र वर्षे र र वर्षे र वर्षे र र वर्षे र वर्षे र वर्षे र वर्षे र र वर्षे र वर्षे र र वर्षे र वर श्चित्र-स्वाःम्। तस्य राज्यः प्रत्याः स्वायाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयाः स्वयः लाभुःचतः स्नेचर्यास्युः स्ट्रात्याचेन् स्ट्रेन्या होया निया चित्रा चित्र म्रम्भारु द्विया मुनाया द्विया के वा के विकास के र्थर क्रें दे भीता देव लिया छो त्या दा सुरा त्या यया निया चुया ग्राह्म देव दे या त्युवायाया भूदा व्याचेरावा रेत्। केशा भ्राद्वा त्रायश्री तायदा प्येदा प्येदा प्या हु ५८.५.५म्था.वि.मूर्यामा.क्रिम.क्राम्यत्यत्यस्यम्.लूर्यः सूर्याम्यत्यस्य नदिः सर्वेदिसः क्षेत्रे क्षेत्रा कन्या प्येत् लेया क्तं दिना यात्र सम्या क्षेत्रा क्षेत्रा की ता प्येत् किया। देवात दे र्श्वेत श्री के क्षेत्र श्री देट त्या इया वापोट कवा वा खूट क्षेत्र वा ब्युया श्रीका की के देव श्रेन्द्र्वर्भ्या रदःक्षेन्द्रप्रत्राच्याय्या परःव्यव्यःश्रेस्रयावस्याः श्रेन्द्र्यः वियाः यास्य स्टायाल्य याहिन्य देव : श्री द्यायाये : श्री क्रिया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया व्याने मृष्रियं प्रवाद र्वा की विक्रायन राज्य प्रवास्त्र के प्रवास के प्रवास के प्रवास के प्रवास के प्रवास के २८। श्चित्रः सूचा में त्या वे रायदे रेषा लेषा सवा के दाया लेवा दावर विकास वा पेट दुषा वर्षाचित्रवित्रुक्तिक्ष्यत्र । द्वाक्षेत्राप्तवित्रुक्तित्र वर्षाक्षेत्र । द्वाक्षेत्र । द्वाकष्ट । द्वाक्षेत्र । द्वाक्षेत्र । द्वाक्षेत्र । द्वाकष्ट । द्वाकष् नममान्यतः मुंद्री नमान्यत्वा त्रिन् मुना व्यापितः निर्मा क्रियानम् निर्मा स्राप्ति । याल्य याद्येयायादि तदी द्वीती देव क्षेत्र है स्कूर यञ्जूता यती द्वीयायाया व्याया विया तदी व याधित। केंबालुलेबायादी। सूरायोद्गाशीयदायदीयसूर्वालीवायोदायासूरी न्येरः व। स्वाः वीः धीनः बदः कनः नेः वावयः धीनः स्नावय। द्यः विवाः वार्ये यान्यः। म्चें वर्दे अन्दर्भ येययम् इत्या दम्यव कर् ग्री वर्दे श्री वेर वर्षे व्याप्त स्टर्से वेर यम्भूष्यःविवाःयेवः यदम्। केंदिन्द्वीःविवेषः गदिः विवासह्दः कुदिः विवासोः ह्नेन् व्राच्यर प्येन प्राचीत प्राची हिंदा रहे वर्ष प्राचीत हैन की हिन्दी प्राचीत हैन की हिन्दी प्राचीत हैन की हिन्दी प्राचीत हैने की हिन्दी प्राचीत हैने की हिन्दी प्राचीत हैने की हैने की हिन्दी प्राचीत हैने की हैने हैंने की हैने हैंने की हैने हैंने है त्रात्वेयाः स्ट. योषाः तयन् त्याया चीनः न्योंचा कुः योनः नुः सेन्यः ने साम्रीन्या विसाया विसः वयात्र्वे स्थान्त्रेयात्रेयात्वेयाः स्थान्यात्रेयाः क्रियायात्वेयायात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेयात्रेया

য়ৣ৾৾৾৴ৼ৾য়য়য়য়ঢ়৻য়ৼ৻য়য়৻য়৻য়য়৻য়য়য়৻য়ৼয়য়৻য়৻য়৻য়য়য়৻য়ৣ৾য়য়য়ৢ৻য়৻ঢ়য়৻ नवीं यान्यायीत। तुः के विवाया के तुः येति के या के वाल्याया वाल्याया वाल्याया वाल्याया वाल्याया वाल्या वर्डिकिंग्यर्याक्त्र्याक्तीं व्यवस्वर्धिवाया देः स्वर्धिवाक्तीं विद्यात्रीं व्यवस्य स्वर्धिवायात्रीं व्यवस्य स्वर्धिवायात्रीं विद्यात्रीं ড়৾৾ঀ৾৾৽ঢ়ঀ৽য়ৢঀ৽য়ৢঀয়ড়৾ঢ়য়য়য়য়য়য়ৢঀ৽য়৾ঀয়৽য়য়ৣয়য়৾য়য়ৢয়ৢয়য়য়য়য়৽ यटयाक्चियाग्री:वृ.एततट, वृतात्तर वृट्टीरातातात्त्रयाक्ची: ब्रुटि प्यायवर वृष्टी प्राप्त त्या ठमानुषाङ्गीम्बायायदिःबोय्यवाञ्च दे ह्वि ह्वि ह्वि ना हो। दे दिर म्हिमा कीयायमायाया विवापन्यन ने ने स्थर विन सेंद्र प्यर ने दे है सा सुर वर्षे स्वापन । पर सर है न विवा बीबाने सारेन विने रेन। विने रहें बान मिला के बारे विने राधेन हे बातु राह्में बातु वा क्रें प्यर देर पीत केशया बेर या रेर रूप रायमा सामुमा दुर प्रवेदा कर त्र श्रुदः द्र वा त्यत्र द्र द्र द्र द्र वा वी वा व्यविष्य वा विद्र वा व दवी क्षेट्र वी दवी तद्वा तद्वा वावावी वार्य अधि श्ववा वावेश अप भ्रम सम्मेट्र वी व लूर्याक्ट्र्या श्रीयायात्रेयायायेषाक्चियायात्रेयाञ्चेत्रायाञ्चेतायाञ्चेतायात्रेयाया क्षेत्रा.धै.रेरे.ता.शु.चुन्ना.तर्रा लर.चीचोन्ना.तपु.ड्रेन्नायचेर.यचोर.खुची.चीन्ना.शु.यर्र. न विनानामा के ने के विनाधित स्वयानी में परिने हैं। ने विकाधित स्रुवाया वा महिमायारदामी इसाद्धिदारीया है। प्याप्त महमायदे तुषाया सेदायी विद्यारी हैं के सा कुस्रयायोव क्षीयावर तयाया क्षेत्रया उसारे सेया वतर। देते प्रया क्याया रूप म्राज्यायद्वेयायस्य विषयास्य विषयास्य विषयास्य स्थान्त्र विषयास्य स्थान्त्र विषयास्य स्थान्त्र विषयास्य स्थान यमादव क्रीक्रूद लेगा पर मी विंगा वया द्वर प्रेंट प्रतया क्रीव दव क्री या में विंग बुरक्षार्वेद्यायाष्ट्री अर्देरदार्केषाञ्चयायराक्केदारदार्कीत्यराक्ष्याया नेत्रदार्वे रदार्रेज्ञायासुः वाष्यदार्थेत्। नेयावार्के तदीरारदा क्रुन् रदायाययासुः सा र्दानाने तर लेगा भेरता कें श्वेष्य स्ट्रीन दे श्वेष्ट न सर में लेग हैं त्यस रेस नर्शेन ब्रेन बेर ब नगाय य भीवा य ने वेर हे अ खु ये तु अ की य लिया भें न बेर ब ने वेर नगाय यदः यवश्यदेन। द्वेयाश्वरः हुः विवाः वीशः हेवः क्षेत्रः यो यहेः स्वयः हुः त्यायः स्वा वेर्-१नम्बाः सेर्-१यः वार्क्ययः चः चन्ननः दश्यः चरे-चः उदः दुः स्त्रेः वच्यः चुः कुः वर्देः विद्वः ध्येद। याबर क्याब क्रीक्याब ह्याब द्याब क्षाब क्षाव क्षाब क्षाव क्षाब क्षाब क्षाब क्षाव क् क्रुया न्वरत्वीदावरार्नेरार्चित्यावार्चित्। बासाधीदाध्यरासीन्यावरार्नेतिः यावर्षः स्नानर्षः स्, इत्राच्चेतः नत्यार्षा क्रवे त्यच्चेतः पत्रः विदः विस्रार्थः याच्चेनः स्वारं हराः यासुरसार्थेन्। वीव मु: न्वर रवा धीव व सी से यास्या यी नुसारी र सी नवीं सामरार्थे ५८: ज्ञुः प्रशः श्रेष्यः पः श्रेष्ट्रा व्यक्तः सः स्वतः स्वत सरस्कालेगान्दरसाञ्चनान्त्रात्रसायान्यस्मिन। यद्गीयद्गायेन्त्रस्यहान्यसाञ्चान्त्रसा यर रे बिया से र रे र विया पार्से या या है र त्या से कें साम सुत्या रहा। या कें ये र र तर्तु व গ্রীম মনম ক্রুম রৈন ন্মবা মীন অ বার্মিঅ ন স্ক্র' বাইবা দু নদন স্ক্র' নন বন ক্র অ স্ক্রু पदः यद्या मुख्या ग्री वायुदः या ब्रोटींया यो नदे वा उत्ता यो न्या विष्या यो मु चलेते वर्षो मशुरायामिन या स्ट्रिंग या स्ट्रिंग स योशीयाताचीराक्ष्यात्रकृतात्रकृताति,श्रांश्राचारीत्रीत्राचारीत्राचारक्षात्रात्रीत्राचारक्षात्रात्रीत्राची तर्व ता ह्या ता के किर हो ह्या का विश्व ता का ह्या कर हिया कर हो है या का ता ही वा तर हिया तर है न्नर-नु-अर्हन्-वर्ष-वासुन्द्रपञ्ची शुद्र-सेर-नु-दे-कु-वालव-य-वासुस्र-येद-यदे-य.१४४.७१.३९८१ अ८४१.३५४.५५५८१४४१.४५८५८१८५८४४.१८५८४

ब्रेन्यन्त्र न्वोत्वदेःस्यावस्यास्यन्त्र न्वोस्यवेद्यस्यस्यनेत्यःस्रेन्यः देव,री.पर्जूकातात्वकाङ्क्षेत्र,जन्नातर्प्रप्राचित्राचान्यस्य मीलाक्ष्याचीकान्त्री, यहे. सम्बन्तः मुन्ने कः कॅटः यालियाः वहेँ सम्भागेटः याणित्। देः ईसालियाः वहेँ समार्थे साद्र्येसः द्र्येसः ्रितः यसायासुसाया सेटा तदरा। देः या तर्वो क्याया सेवाया परिस्तर्म् सुतः इट र्डम वर्हेम मन्त्रीय। देशीव कुण विच महिषा कुषा माम्य महिषा माम्य मिषा है वर्जे न्वीं या दत्र विद्या ही न्यी व्या हो राया स्वीं या या सह्य ही वा लेवा से वा या प्राप्त । श्रेम्रश्चर्यः स्टःवाः यः लेवाः वीशः ध्रीतः कर् । द्विसः यदः सूवाः यसूवः श्रीटः श्रेः प्रवीशः यसः यदेः य.२४.क्री.बुट.विश्वराश्रीश्रीया.पे.बुट.विश्वरायाबिष.ता.चक्की.श्रूट.संचा.चक्की.श्रीया.व मी'यरे'श्चेर'र्थेर्थ्य'श्चेर्'यक्ष्य'र्'यक्ष्यथ'य'र्र'वर्'यदे'यदे'श्चेर्'श्चर'यदेवर्'यवर' અદ્યાં ક્રુયા રેવા પારે 'દેવ' ત્ઠેવ' દે' ભૂ' તુરે 'વ્યયા સ્ટ્રે' કેવ' પારે અક્ષુવ 'ક્રેનુ 'વા સ્ટ્રોળ' દ્યાર પે वरत्यः क्रुं विदेश्वेदः वा ब्याद्या योद्रायः विवा क्षुः क्रुं स्वेदेः व्यक्तिः यद्वेदः यदः विवा याः याक्ष्रया रेर स्वावाये र वी तत्या या स्वीया है सी दर दिन तर्वो या वास्या है. श्रॅवा कें र चते श्राम्या मुर यापर ही केंद्र येदाय लेवा प्येता कें तदे र देव कुर रेते केन नुःश्रेषा विरामरा अवेदाना प्यार के तद्वेत स्रामा ख्या । व्यार प्रविषा मन्दान र्नेब क्रेब सु के र्नेब कुट क्या यट सावश्वाय यर र्नेब स्रोट हु की या के वह वे सट । बः नः ने रुषः श्ची मः के सान् नः तस्त्र निते वनः वीः वने । वा उठवः त्याः वर्षे । केवा माते । व्यवः स्त्रे : बीवा नुस वा नित्रे । वा नित्रे सामित्र विकास केवा मात्रे । वा नित्र स्त्रा स्त्रे स्त्रा स्त्रे । विकास स्त्रे । विकास पर्वेग्रथःतर्दे हुँयः सूरः भुः चर्यः चर्याययः क्ष्यः भुगः त्राप्ते । यर्दे यः क्षयः हुँ भुरः विस्रयः ५८:अ८अ:क्रुअ:वेर-५५वा:अेर-५वे:प्पेर-५२:क्री:ख्र-५४:दे-५वा:अ:हेवाय:स শ্ৰুব

<u>बियःयन्यायःयङ्गः स्रोत्यःय वटः यो ल्याःयास्टा</u>

र्थे बेन न्दरव्द न लेन ने वन हिन्देर तुन्ने र वर्दे र गुरु वहुर लेन पेंद्र गुरु । विष्ट्रम् र्द्याप्पराधीः द्वीत्रायाने तद्यात् स्त्राय्यात् स्त्रायम् तद्यात् स्त्रायम् देवै:देव:प्रथम्। दे:दर:सम्बन्धवे:दवे:स्वास:प्रयम्। भ्रेव:यमः देश धीत्। यदे य उत्र श्री बिद विश्वराय य यदः श्री यदः श्रिश य येवि य व्यक्ति यदिः तर्वः यात्रञ्जेराकेषा देतर्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र विष्यात्र रेत्। वर्ते वर्तः श्वापते कुं सर्वतं वे सरमाकुमा वेत् प्रमा सेत् प्रमा स्थान पदि न्यात्र अञ्चन अञ्चन प्रति । यात्र प्र न्गायः च क्रिक्तः श्रुन्। श्रुवः यसाक्का क्रिवः यह यह यह स्थित्या श्रीयः रेन्। श्रेवः यसा यम्यः श्रमः तर्युयः स्रोतः स्राप्तः स्रोतः য়ৢয়য়৻৴য়য়ড়য়৻য়ৣ৻৸ঀৣ৾ৼ৻য়ৢঀয়৻য়ৣয়৻ৠৣ৾ঀ৻য়য়৻য়য়য়৻ড়৴৻৸য়ৢয়৻য়ৼয়৻য়ৢয়৻ र्देर-दममा सेर-र-सरमा क्रुम हे लिर विस्वा मुन बेर-प्राप्त । देवे क्रेंद्र वस्य छी गर्डे विदे । बिट देर से सिंदि ह्ये विषय पट दर दर से सम्बद्ध वर्ष द समान क्रेंबाश्चर दर अर्द्धेयवा योद वयवा वाया या वा हिवा वाया श्ची वर विवा हेवा वायुर या वा ने भूरक र्देन न्यवा सेन यदे स्वाय वस्तुन श्री सेन गाय सुन या सेन गा से वस्तुन या ने तर्वेषा श्रेश्चेर्यया व्यूट्रियन्द्रियः स्रेर्यः स्रेत्रेयः स्रेत्रः स्रेत्रः स्रेत्रः स्रेत्रः स्रेत्रः स्रे त्रम्भः वर्ष्ट्रभः मः तर्देदे वर्षः मुक्तः स्था । अर्थः क्रुषः देदः द्रम्याः येदः सदेः सर्वः क्रॅब्रासर रहा का स्टूर्याका यक्षण का यह त्य स्वाका सुन्ने साधिता है का सार है। यह दिन वस्रकारे दे सुरावस्य निवाद ही ही ने देशाया वालव न न न स्वीति विकास नदेःवराष्ट्रदःवःकुन्याद्वेत्रवद्वेत्यदःनयययःवर्षःक्षेत्रहेःक्षेत्रःवेत्रःव। क्षेदःवञ्चे त्या वर्द्देवाळे या यवाद्यवात्रेवासूया प्येदः वाद्यः केवा र्धुवायायीत्वर्रो व्ययारे पर्यवासुदि यदार्श्वायादायदार्श्ववायायीदार द्वायारी विदान कें वर्देरः या बद्धीं यर प्यदः यदः वेंबाया केंद्रः या देया देवा केंद्र देवा सूद्र रेखो थॅट नममम्बर्धान मान्य स्थान मान्य स्थान मुक्ति स्थाने हिर्म स्थान रैत से 'नवें ब'यदे तें र सर्केव 'रट य प्पेंन य नट रर वी दी नें र द्वा कुदे बनब यस बेशन ने के नहेन नुक्षान कुना प्रमा अवतः व केना रे प्रवेत प्रमान कुन व बुर हो व न येव या तर्वे प्रयास में अर्था न्या में अर्थ क्षा प्रस्था में अर्थ के स्वाप्त में स्वाप्त म यदःलदःलूर्ः सःलुर्ग विश्वायाश्रद्धाराः लुर्ग द्रसः क्रीश्वालदः द्याः प्रदेश्यमः ब्रैंट व इते द्वीर विर पर तयम्याय परे प्रव हव शे वित। या ब्रुट्य व ही या नक्की द्वी <u> ३.ज्.चम्, ब्र्ट.लट.लट.केंग.जुटी श.ध्रुंच.व.र्ट्यायायर्घट.त.जी ।ज्.चम्</u>टेट. चिर-क्रेच-श्रुभग-र्नतर-रत्तवीयातान्,रचा-क्रुंच-श्रुर-पश्चर-व्ययाविर-त्रार-क्ष-प्रयायायाः र्टान्सेजाना सक्षाव्यान्यात्रे सुर्वे तुर्वे क्रिया मान्या स्विता मान्या स्विता स्विता स्विता स्विता स्विता स्व मी बर दुः वर्ळेम् अप्य द्वर वर्षा अप्रेंच ग्री अस्र अप्य द्वर स्था स्था वर्षा वर्षा स्था स्था स्था स्था स्था स यरमा मुर्या देन न्यमा योन प्रदेश सुन नुस्ति मा विदायसमा मुल्य या सहस्र नु इतिस्या श्रीका प्रश्रीत क्रिया या ने तेन निम्मा क्षेत्र प्रति क्रिया श्रीत प्रश्रीत प्रश्रीत त्यक्षा

<u>बियःयन्यायःयङ्गः स्रोत्यःय वटः यो ल्याःयास्टा</u>

र्चीयःतर्था यर्थाराक्चीयःश्राचियःतर्यः तुर्यान्तरः त्र्यान्तरः विवाधः हे क्रियः सूर्यायः श्रीशः श्रुप्तीः पत्र्यः हो हिरावस्याने त्यायन्ने वर्षेराचायन् विषापी । ने तद्वी तयन्यायाकेवानर्थेन् वययाकेवार्था उवाइययान्दाञ्जावान्यक्रयार्थेन्यात्रि वै। न्येर्द्रात्रीः महिषाक्षीः महिषाक्षीयात्री स्रोति महिषात्यात्वन स्वराधुमार्थेर स्त्रुरायान्य। यश्चितः भूषाः श्चित्रः श्चित्रः वृत्तः द्वरः व्यतः वृत्ताः होत् वृत्तः वृत्तः द्वाद्वाद्वादः स्वाद्वाद्वादः स्व गासुगार्थे प्रीतायत् सेंदायासूत्री सेस्रास्त की स्रोता सेस्रास्त्र की स्रोतायात्र स्रोतास्त्र स्रोतास् ल.चेब्र.चब्रब्र.क्रुब्र.क्रुंब्र.क्रिंब्र.क्रुंब्र.क्रुंब्र.क्रुंब्र.क्रुंब्र.क्रुंब्र.क्रुंब्र.क्र् ववुद वर्ते सम्मुन् केंद्र कें। द्याद यश के द में से द पर से वर्ग व कुरे देंदर दे विषाः यः वर्देशसः नुष्यास्य । वर्षायः रेमानः चनः षीर्यः सन्तः नः नृतः । वर्षायः रेम् वियायामहेत्र हे सेंद्राचा विवाद रे सा सेंद्र की वसूय रेवासायामहेत्र हे सेंद्र चा तवातः रे व सामावतः व सातसुरः शुतिः रेवासः या व हेवः या सैवासः श्रीसः द्वारः वीस। तर्वो सूचर्यान्दाय्याः हे दिरावी यदे वाचरा स्री तर्दा यदे विदाय स्वितात्र विदाय स्वितात्र विदाय स्वापी स्वापी देव केव दगाव पा कुर रुष त्या पा सुव पा तर्दे वे पाने पार पाने वाषा पादे पो ने वार्ष है । वसुवार्क्षन् सेन्याने विने व्यान्ते स्थाने स क्षीत्युदः प्यदः द्रषाः यादे त्यदे त्या क्षेद्रः याद्येदा याद्येदा विद्या विदः वी प्येदः हत् द्रदः क्रियाचदः भे से सर्दर् से दाया दिर विस्तिस्य होता सुरे स्वार्थ होता हो स्वयस ययाचयार्वेदिः वराषी चयार्वे प्षेत्। तुषार्वेदः श्लीराकः प्षेत्रः युद्धः यञ्जाति सार्वेदः यम वक्रे मं से म्वायदे तर् क्षेत्रास वर्षे मं मुन्त क्षेत्र मुन्त मुन्त क्षेत्र मुन्त क्षेत्र मुन्त क्षेत्र मुन्त क्षेत्र मुन्त मुन्त क्षेत्र मुन्त मुन्त क्षेत्र मुन्त मुन्त क्षेत्र मुन्त क्षेत्र मुन्त मुन्त क्षेत्र मुन्त मुन्त मुन्त मुन्त मुन्त मुन्त मु वक्रमायायायीत। र्मेन् लेगायास्माद्रमान्त्रेयायासीयायीन् श्रीम्यायायीन् या

भ्रीसाधीत दे सार्वेद्र या या राये वा या हे या है । यो दा से या या वा विवाधीत या दर । इना देश से साधित ता हिंद श्रीका से तसाय के ने या यसा लेखा देश पर । से साधित नेयानेयालेयाञ्चया अन्द्रवाचीयाचिनायतान्त्रयानम्लेवाचिनालेयाञ्चया नि कुष्पेद यदे से सामित्र यस ने साहे। हेद विषा या पेट दस में विषय ये पा मी द से विवाःविःवेदःविवाञ्चवायवाञ्चाद्वाःवीवादेःवदःधवःयरःवावेवायरःयरःवारःवस्त्रा यदःक्रमभावामानवन्। यदः युक्तः देदः वेदः तद्नन्। तद्दः नुभावस्य सम्भूदः यः योव। देः वर्षान्त्रेवःविषाः वाञ्चाद्वाः क्रवाः क्रवः विषाः वाचारेता व्याः वाचायिवः वाचायाः वाचायाः वाचायाः वाचायाः वाचाय द्रमामीयाञ्चराया पर्मार् वेरयाओं भी त्यालेयाञ्चरायरा भी तेलियाञ्चरा दें ब ब्रिन ग्रीका ने ते के ब्रिन पु निम् लिया की क्वापा के प्येता तु तु तु या के का विकास के न न्यालेशः स्वरायम्। सीसाधितःयातः मे। विकाहिन् त्यानम् नक्किनाधिनः ने। तर्ने त्यूरायाची त्र भी विष्या ती से राजान्या याची तासी विषय की से प्राप्त स्था सुस्या यय। नःसूरःहिन्द्रीःसूरःयःननयःयःधित। नयःसूरकःसेनयःयःगहेयःयः चक्कवायाधीत स्त्रिन् स्टावीयासावी चार्त्र स्त्रिया साम्राम् वार्यसार वार्यी न्यर विन में या के यो नालक सुर क्या की ना तरी धोन। नाक त्या ने त्वर हुम स्वया हिन मैक् प्येन्। ने यान्यसम्ब्रीनिहरक्षान् वे स्वर्षन् महिषामित्रक्षान् वे वि ्च्चात्रः स्टार्स्य द्वीः स्टार्यक्रेस्य गादिः बदः बद्धाः स्टार्यः स रेटा सृद्धिद्वे विष्ठभगविष्ट द्रमस्ट्वे विक्रम् हे विक्रम् हि विक्रम्

चच कें केंबा या निर्मेष रेखा ये निर्मेष केंबा केंबा केंबा केंबि निर्मेष केंबा या निर्मेष के विषय ૹ૾ૢ૽ૺ૱ૡૡ૽૽૱૽૽ૡ૽૽ૢ૽ૡૹૢ૽ૣ૽ૡૹ૽૽૱ૡ૽૽ૺ૱ૹૡ૽૽ૡ૱ઌૡ૱ઌ૽૽ૺ૱ૢૹૢ૽ૡઌ૾ૡ૽૽ૢ૽ૼૡઌૻ૽૱ यायक्रयाम्डिमानुः प्येदः पायेव। वर्केः पार्चेमान्यः प्रयान् क्रिंगान्यः प्रयान्यः प्रयान् क्रिंगान्यः प्रयान्यः प्रयायः प्रयान्यः प्रयाप्यः प्रयाप व्याः सरायः वीः कूँदेः श्रुश्चान् राया सर्ने स्त्रोत् रुषः दुन् दे नृत्युः तुस्रान् वर्त्तुः वर्षः वर्षाः वर्षे नृत्यते । श्रुमान्द्रर ने स्वरायते श्रुम्यर व्यायत्वमा विराद्या न्त्र स्वराया है वो व्याप्य स्वराया स्वर यन्ना येन् यया विषय प्रयाद्व स्थेन् नु प्रकृथ स्थेन प्रया प्रवा विषय स्थान्य स्थान त्रमान्त्रम् स्वयं स भैवातर्विवार्धेन्याने सेवारें रावाहें राखं रावश्री सेवाया सेवाया सेन्य सेवाया स योशीरयात्रात्रीयो योष्ट्रायात्रम् क्षेत्रयात्रम् क्षेत्रयात्रम् क्षेत्रयात्रम् व द्वा डेराय सूर पीव यया वर्डेरा व्यवाय सेट डेरा वासुट्या दे सूर व वाट सूर वयय.२२.५२१ के.तूर.तय.१५४.५४.५५४.५५५ वर्ष.४४.४१ वर्ष.४५१ वर्ष.४५५.५५ कुं.लुबं.तरं.परं.सूरं.पूरं.पुबं.कीरं.पुबंबाबातरं.यःत्रालुबं क्रूबंतरं रचातरक्षःयःतः न्यायः नः स्रो स्रो म्रो नः स्रो नः स्रो नः स्रो ने स्थानः स्रो ने स्थानः विद्यानः स्थानः स्य यावर्केराया शैवर्केरावदेग्वादेराविवावित्ररायाधेत्। र्केशयाद्यस्विवाधिवा वयानेयाने से तर्रेन्य र व्याप्त वयान स्ट्रियान स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय स्ट्रिय मैशन्सुयानः सुन्तियानयस्य विष्यं विषयः नवायते सूर व भर बुदा न द नवा बीर व्याव को नवी व स्वाय नहीं या नवी व स्वाय प्राय निवास व स्वय प्राय निवास व स्वय तर्ग्रे मुंग्रु न्या अर्दे लेया मुस्याया सुर्वे न्या स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत

यत्रयात् स्वायाः स्वयाः स्वायाः स्वायः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वयः स्वयः

क्षेत्र यास्रुस स्वरे केंस्र विद्

देः पर हैं : भ्रूद : दुः गुद : यद्विद : क्वियाय : ग्रूद : केद : यय। व्याद : विद : यर : वेवा : केद : दवो : व क्रियम् भी कि । क्रियम् मार्थम् । क्रियम् मार्थम् । विष्यम् । विष्यम् । विष्यम् । विष्यम् । विष्यम् । विष्यम् । ल्राम्यानक्रीयमान्त्री । विराधियानक्रीत्रपदिः विदेशाया द्वरा विद्या त्तुरी विषयाविष्ट्यातास्त्रेरी व्यापाक्ष्यास्त्रेत्राक्ष्यास्त्राच्च्यासास्त्रेरावया योन् वित्रयाया सेन् प्रादेश हेर्या न को सः वित्रया श्रीया वित्रया से स्वर्था प्राप्त सेन् न याः स्वान्त्रात्त्रात्त्र स्वान्त्रात्या केत्राचे स्वान्या स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स्वान्त्र स स्त्रः स्त्राच्याः स्त्राच्यः स्त्राच्यः स्त्राच्यः स्त्राच्यः स्त्राच्यः स्त्राच्यः स्त्राच्यः स्त्राच्यः स्त बरावदेः ययः ब्रें लिया चेत्रायरा वुर्या हे हेर्या या पदि वुरा कुवा ब्रुवाया प्येत्। देदी केन हु न्यायदिः केवा भवायाये न्यायाये न्यायाये न्यायाये व्यायाये व्यायाये व्यायाये व्यायाये व्यायाये व्यायाये व्यायाय . यत्र कर् दुः क्वें त्रदी प्रतः वीं स्रायाः से प्रतः त्राया प्रदेश के त्रा कुष्टा विवा सावा हिंवा साव दर्गाः वक्कवासार्श्वेदा। रदादेवार्डेवारहुदादे । अदास्यावस्था दादी दे हेवार्श्वी वयमःम् वयमः इत्वेरवाधिवायरः वेषः है। विवरः वदेः क्रिं सूवा वस्यः श्रीः रहः

पर्वत्राधितः प्रमास्त्रेषा देः यथा व्यस्ति देन् क्षेष्ठा प्रमान्यस्य प्रमान्यस्य विष्ठा यशक्रुवियातर्देर् भ्रित्ते विवाक्षुयायया वरावदे यस है सूर है या दर्वे या प्राप्त । श्चित्रयान्य त्यान्त्रेत्रत्य न्याने न्याने व्याप्ते व्याप्त न्या श्चित्र प्राप्त स्थापति । ह्रवा'य'दर'देश'य'सेद'यर'वेश'र्षेर'दुशक्कें विदर'वदेरेंसे स्थाना स्थाना स्थान व्याप्यें न्यारेत्। दे व्यापित्र वाहिषाया ही वाहिषाया ही वाहिष्य ही विष्या है विषया है विषया है विष्या है विषया है वि तयदः विग प्रश्चुप्रश्चर्या सेस्रास्त्र स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य स्मान्य वर्गेन्यरमञ्जेष्म्र्ययन्त्रिक्ष्ययम् विश्वेष्ट्रम्यस्थितः । देवे न्यायान्त्री । देवे न्यायान्त्रीयस्थित्रम्य क्ष्य. व्याप्त अत्राप्त प्रमाणा स्त्रीय । स्त् देव महिरास्व सदि रोग्रयामञ्जीद दिवा प्रवा यो स्थाय सञ्जीद दे दिन स्थाय स्थाप वयानुदःकुतःयोययानुष्ट्यायानुदया देवैःवञ्चवानुःयोःक्रययायःवयुदःवःद्वोः स्राध्ययाश्चीयाचेत्रायाधेत्। हासूराचेत्रालेत्। क्षेत्रयाचेयारात्व्युरायदेः याश्रेरत्युरक्षेत्रे धेश्वे प्राचायावया स्टाया या भ्रुयाश्रास् सुरस् ने प्राच्या केता योश्रेरात्रुरावञ्चुरावश्वत्रात्वो साध्यश्चिश्चेत्राचेत्रात्राकृत्वश्योत् पुरावा र्श्वेर प्रायोग्या विश्वेत प्रायोग्या विश्वेत प्रायं विश्वेत प्रायं विश्वेत प्रायोग्या विश्वेत प्रायोग्य विश्वेत प्राय विश्वेत प्रायोग्य विष्य प्रायोग्य विष्य विष्य प्राय विष्येत प्रायोग्य विष्य विष्य नश्चेत्रप्रायाचेत्रपदिःश्चेत्रपुरात्राचेत्रश्चेत्रश्चेत्रश्चेत्राचीत्राचेत्रप्राचेत्रपादिः न्रीवायायोन्।न्यायायायह्वान्वीया न्रीवायायोन्।ग्रीःस्रावयार्क्यास्वनःसूनःवरः *न्*रावतिः केंबाति । इत्रायाः अत्राक्षेत्रः केंद्रात्याः केंद्रात्याः वित्रात्याः वित्रात्याः वित्रात्याः वित्रात्याः र्वेट्यःश्चायययः वर्हेर्यः प्रत्यवयः वर्षः वर्षः यय्वयः प्रवायः प्रवायः प्रवायः प्रवायः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वतः देवः श्रें श्रेंदिः विवा विवाः है वावदः वाडेवाः वादवतः यदः त्रवादि है वावादि वादि । र्थेन्द्रन्द्रित्द्र्यायदिःसूटः ह्येन् ग्रीया नवी सः यह सूच द्रियः स्था नेवा सः

याताक्री द्व. श्राम: त्वराप्तराप्तराची स्वर्धः द्वराष्ट्रीय स्वराष्ट्रीय स्वर्धः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः यत्व व भेर्न यदे रद क्षेत् श्री क्षेत्र प्याप्य दद व क्षुव के दवो स इस यर दवा य लेवा होत याया कुं क्रेंब हेव तदीया क्री नवर मीया सूर वति केंबा तदी समया उर वदेव यर चैंच.त.चेश्च.केंट.लूर्ट.त.म.लूर्य.त.हो। श्रु.तम.दूर्य.तु.कुर्या नुराविद्य.वसरा वःचनेवःग्र्चःगठेगःभेन्। विषःग्चःवन्तेःग्रवःगन्वःन्दःश्वःशःवश्वरः। विषः चुःवदैःगुद्रःचदेदःयरःसःश्वायःयस। सद्यतःसेदःवेसःचुदेःकेसःस्वाद्यस्यः ब्रूट प्रति: हुव देश कु: ज्ञुति: देशें पुराय प्रदे हुंद प्रतिव दुः ब्रूट प्रायुट प्रतिव दुः हुंद प्रति: र्वे भृत्युत्वरे पेर्प्त प्रवे रेट या ब्रुम्य भृत्युते स्वित्राया महित्रास्य रेस स्वीत्राया वा अन्वात्विरः वर्तः क्षेत्वासुम् क्षेत्रः क्षेत्रः वर्षः न स्वतः वर्षः न स्वतः वर्षः न वो स्वेवाः 'यर्था वि.य. प्रमाया १.वे. म्री प्रमाय वि. प वया व्यापार्श्वियायाहेरावासार्यास्यायादा विसायार्यास्य स्वास्त्रेत्रायास्य स्वास्त्रेत्रायास्य क्षर प्रदास्त्रीत की स्वापन के स्वापन स्व वन रेट में अ अर्वेट द पट देंग यस अर्वेट पदे लेख रव न माया पदे सेना रे वञ्चवयात्रयान्द्रयाम् विः भ्रः श्चेयाः श्चीः यात्रद्राः व्यवयाः श्चेदः यात्रे द्रेयाः यावे न्भेग्रायायायेन न्दरहेया सुरायश्चर यालेगा हु त्य शुरा सुरी सर्वे न्य स्वाप्त स्वाप्त विष्टा वयार्गेट्रिययेयानाधीत। देवरकेवर्षेट्रानायया वेयरमाक्त्यान्तेर्म्या याञ्चे। ।वर्षभायान्दाने विक्रियाया प्रेत्या ।दे व्यकाञ्चे स्वासाय पराने स्वासा वीर व्याचीर पुरविष्य प्रस्ति । प्रवीसः য়৾য়য়য়ড়ঀ৾য়য়য়ড়ঀ৾৻য়৾য়য়ঢ়৾য়য়৸ৼঢ়ৼয়৾ড়য় ঀৢ৾য়ড়৾য়য়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়ঢ়য়৾য়য়য়ঢ়ঢ় यहिषा न्योस्ट्रिंसकेषान्याने यात्रिया न्योस्ट्रिंस हेरासुर्वेद्रायासुरायाद्रायाद्रीर प्रवित्रेद्रायादे स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व सन्दर्भवास्य स्था । वालवास्य क्रिया निर्वास्य स्था । विर्वास्य स्था । यदः कुं प्रविदे विश्वास्य स्था । ने सूरस्य धितः प्रम्य स्थानिका पर्के क्या है। यहे प्राकुर कुर ख़ुर क्षेत्र को तयर विष्य हो न हु पर्के पर है। यह स्वार की पहन प्राय शुःरिट:हूः। विक्रुं,यःवर्द्येट:धेषःब्रुका:४ट:क्रैका:२ट:४ट:ब्रुबो:सी:क्रैंदे:बवका:वर्दे: वयरा ग्री देव दुः प्यट वर्षे की सुदः हो। स्ट देव का गरिवाया गवन देव क्रुव कर सेट दुर्याचीर-दुःशेययानञ्जीदावयान्नरयायादे हुत्रयायातनु हुत्राव्यातन्ति वित्रयादायाहे न्नरम्बर्भेर्न्म् वर्षायाधिव लेखा नन्मामी नमे न सुरार् सुरार् सुराय्य विषय वर्षा नम्भाना सुरार् सुराय <u> यश्याक्वयायात्रयायश्याचे द्यो साह्ययया हेदाक्वा यहें व्यादाद्या प्रयोधारी।</u> श्रेम्राज्य विषय कर्त्र स्वाप्त क्षेत्र विषय विषय विषय क्षेत्र विषय क् विषयः श्रेषः शुः श्रुरः दय। विषयः वाश्रुयः विष्रेरः वः देदः दयः श्रुवाः वेदः वाहिरः दयः यर्चे नायः क्रिं न्यक्षित्रः वरः क्रिंवा क्षेवा क्षेवा नायः क्षेत्रं वायः क्षेत्रः क्षेत्रः वर्ने वर्षा क्षेत्र यर्देरव दर दे के जाया दु तर्वा दुवा दुवा के या अवश्व वस्त्र अवश्व दि के विदेश हैं के विदेश हैं के विदेश के विदे चर्रानु र्केश (बु:नुश्राश्री वायोदाचर चरा चरा केश (बुशायदि:नवो:स्राय) वदा विवा শ্রীর্মমমান্তর প্রমমান্তর শ্রীর্ট্র বি বি বর্জীয় বি বি মানানার্ম্য শ্রীর শ্রীর প্রমান্তর শ্রীর প্রমান্তর या अर्वो ५८ दे लेवा दया हिन् पर होवा के दे नवी या क्रिया के लेखा वा सुर या या यात्रा हे होया केव ही द्यो प्रस्ता सुरू व होया द्यव ही द्यो स्तर्भ प्रस्त स्थित प्रस्ति प्रस्ति हो ।

मदि त्यर्थ क्षेत्र त्यर्थ त्ये राज्यविष्ठ स्रोत्। रेयार्थ ने याष्ट्रिय है स्वर्थ के स्थार्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर श्रीव स्या रूट मालव की देव केव त्वा प्राया श्रीवा द्याया मालव की की की की न्यो सः इ.ध्रेया प्रस्तिया याद्रा होया क्रिया हो। प्राप्ता या स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता स्वापता स्वाप्ता स्वापता स्वापता स्वापता स्वापता स यनर्ग्रीत् भेर्न्यायार्क्रायार्थिया।याध्यायम् रानेयाययार्थाः स्त्रीत्राय्याः स्त्रीयाः न्वेंका क्रांत्रमानुमानुका क्रुंत नुगातु नव नामान्य स्तर्भाव निष्य स्तर्भाव व्रेंबा धेनो वेब दे देंबर मन्दर है नु दं र नक्क रे व्यापन पेर व नवर । र्कर रे रेते वदाव प्यर पेंदा क्षे की शुरावारे विवासु पेंदा करेर रे विवासी था ૡૢૺૼૼૼૼૼૼૼૼૹ૽૽૾૽ૼઌ૽ૻૡ૽ૼૡ૽૽ૢ૽૱ૹ૽૱ૹ૾૽ૼ૱૽૽ૢ૾ૹ૽૽ૢ૱ઌ૽૽૾૽૾૽૽૽૽૽૾ૣૹ૽૽૱ૹઌ૽૽૽૽ૺઌ૽૽૱ૹ૽૽ૺ૾૽ૡ૽૽ૢ૽૱૱ૹ૽૽ૺ क्कु:ब्राम्मका:उन्देन्देन्द्राव:इन्द्राच्यादेन्वेषायदेःबन्द्राच्यादान्त्रःम्बन्दान्त्रः सदेःब्रायः युदःर्करःहेःसुःसःख्रःर्वयाययुष्यःर्करःयायदःर्ये प्येत्। यक्कुःरेःविषायोदःदेःप्यदःयदः र्थे प्रित्। कुलिवा बेर तुषा रदः रेषा यया केर बेवा छवा दर यदः य ही या या रेद द्या वेंद्रःकेंब्रः सूत्रः श्चीः णुव्यः शुर्वाः श्चीका सदिः श्चीताः धितः देवेतः सदिनाः धितः द्वेताः धितः द्वेति । गुर्व प्रबद्धालय सुदारदि है के स्वानक्षुदारा दक्ष्या या है वार्या के वाद्या सुवार्क्ट वीशा हेंब दर यब ह्या या हुर वर रे प्येर श्रीता वेंब ग्राम र या स्वापाल वर या पर द्वारा वर्डुन्यरः वरः वर्ने बन्धाया वर्षाया वर्षे द्वार्थितः वर्षेत्रा वर्षेत्रः वर्येत्यः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्येतः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्ष क्रॅन्यन्द्रक्षेयाःभ्रायाययायात्रुस्यायाय्यस्य व्यायायते क्रेन्न् ह्यायाक्ष्यः क्रेन् क्रीयायायः वीः स्नद्रान्तुरु हे स्त्रान्त्रद्रशासाधीत। दे के हिन द्रान्दर वीया वहिन या दरावियाया धेव। ५:५८:तर्देव:त्युवाय:वारुन:सूट्याग्री:क्ष्या:वी:तर्<u>व</u>ीय:५८:। वह:त्य:याग्रीट: वदेः श्रे लेग मेश रूट में वर्देन यावश ग्रुट द दुट मालन श्रे वर्देन यर छन् न में के व थिव। ५ व्या प्रदारित्या योव क्षी मार्डे मिंगाव प्रवास ह्या यादे विया युदा क्रांसे प्रवास है। २ दे.त्यर. ५ त्यर. ५ त्यर. ५ त्यर. च्ये प्रत्याच्यर. क्ये त्याच्यर. क्ये त्याच्य. क्ये त्याच्यर. क्ये त्यच्यर. क्ये त्याच्यर. क्ये त्याच्यर. क्ये त्याच्यर. क्ये त्याच्य. क्ये त्याच. क्ये त्याच्य. क्ये त्याच्य. क्ये त्याच्य. क्ये त्याच. क्ये त्याच्य. क्ये त्याच. क्ये त्याच्य. क्ये त्याच्य. क्ये त्याच. क्ये त्याच्य. क्ये त्याच्य. क्ये त्याच. क्ये त्याच्य. क्ये त्याच्य. क्ये त्याच. क्ये क्ट्रायाधार्याचीराक्रीयाचीया गुर्वायवटाल्यास्ट्रायी क्षाया वियावया क्षेत्राया प्राप्ताय र्रथायाञ्चयायान्वरायानेयायानेवःश्चीः वार्स्ययायान्त्रीं वार्ष्ट्ययास्यान्ययान्त्रीः तहेग्र सेन् केंग ग्रीन्तर में ते मुग्य सेन् हे केन् में या क्रीन स्वाप्त में न सञ्चलक्षात्रम्यादेवाचरकम्ली केंचर्यम्मम्यम् केंचावर्योत्रोम्स्यो वैगाः भैं तें त्र ज्ञां कें त्र त्याद विगायक्ष्या से तरसे वित्र त्र त्ये त्र यायय देवे त्याय के तरभी बेषा बिन्यम्नु पर्वेष नगम्या भिन्नेषा क्षेत्रपर्वे। व्यवदेष्यसप्रक्री ब्रम्भ उर् वा में मिडेमा केर् ग्री भू रेमा र त्युर पर वे केर्म केर्म माने प्राप्त र वेरम केंबारावदीराणेंद्राबोदावाया ब्रेंबायराष्ट्रीद्रवीदावदीवीवदीखी क्षेत्रीद्राचीता विकासी र्वेषा मु: पेन् यदे केंबा न्न या लेषा प्येष श्चिष नः वेदि व्या विदेश वर नु: की रेषा गुष्ठ न वर ल्याः सुदः र्क्यः या शुर्वाः देशा सम्मान्यः स्मान्यः सुन्तः सुन्तः सुन्तः सुन्तः सुन्तः सुन्तः सुन्तः सुन्तः स कर प्रवार हें क्षुया दय प्रवादित प्राप्त हो द्राय क्षुया कर प्रवाद्धिया कर प्रवादित हो स्वादित हो स्वादित हो स हे ह्यू प्रस्ता वर्षा वासुर सामल्या या दे हो रामा धेव। या से विषय प्रमा हो ह्यू रिया प्रमा है स यार्वि वीट वी क्रुं ह्वाया वाहिया गादि वी किंदा या धेता विदेश वाह्य या हता हिता सम्बदः ब्रोदः या सार्योदः दः सूना ब्रोदः सेदः डेसः से समा उदः क्लें साना हेटः क्लुः नाः या प्येद्। देव ग्राट अवर द्वो सदे अर्चेव रे देवे क्रुंद या श्री कुश्रयायर वेवा केया येश्रयायका म्राया उत्तर्भ स्ति हे हे स्रीयायाया महिनाया मालवा स्रोताया कि स्ति है ही इ.जॅ.लथ.कर.जॅ.चर.विद्यालुय.वुट्-लिवय.बु.चु.चु.जार्तत्य.ट्रं-राचा बुट्याचर्डूर्ट.र्टर.रेगु.

तर्व तर्कारात्र वृत्त वृत्त वृत्त वृत्त विष्य स्त्र विष्य स्त्र विषय स्त्र स्त्र विषय स् चर्चेश्वाम्बुट्यायादेगादाधेत्राद्यास्त्रम् स्त्रास्त्रमाद्या यद्येस्त्रेश्वासायस्य स्त्रीसा यन्त्राचाराधीवववा केलीवात्याचासूकावान्यतान्याचाराधीन केला हो राष्ट्रीवात्वाचारा श्लेषाः यावरः त्यादः द्राप्तेषा विष्यादः द्राप्तेषः विष्यः विषयः व योश्यानविष्यत्त्राच्याक्षात्त्राच्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याक्ष्याच्याक्ष्याच्याक्ष्याच्या ब्रिन् रस्राध्यम् स्वायान्त्रेम् र्यालेगाः धेन् त्रे रायाने स्वायायान्त्रेम् यो स्वायान्त्री र्श्वेव तर्वेदि विन धेम गुव नव मान्य स्वाय दिया थेन से विमानी से मान्य स्वर तरःगुत्रः तत्र दान्तः संतिष्यः स्टिन्। गुत्रः तत्र दान्तः सदिः तथः सुरः रस। गुर्व प्रचर ल्या युर लेया श्रूर्या अर्द्ध्व का स्ट्रें र श्रूप र में या प्रचालक न्वाः विवाः वीयः वास्त्रयः व क्रुः यळ्वः वियायः ळेळात्यः न्नः व्युयः व्येनः यः विवाः येनः स्नुयाः वयः <u>बेर क्र</u>ीद प्पेन न्दरा विदास क्रिया यय देव में के लेया ह्यूया व किंवा वा केवा वी सार हुर के प्येत्। नह वे दिया या देत्। गीय नवर खेता खेर क्रिंच देर ता के क्रिंच या है के या है। हे नय है न यह से नय यदे विराविरायदे यारेदा ध्रुवाया हैर सेरावाद्या प्रवासिया विराधिया । रेत्। त्रायदे श्लेष्ट्रिक्या प्रसम्भावित त्रश्चेत्या प्रश्चित वा वस्य सम्भावित ।

ष्टियःयन्त्राःयःयञ्चः श्रीयःयवरः वीः त्रयः वाशुरः।

यानवीं या सुन्यान दें के ना भीना से ना से न्या से ना स यात्राक्रेव व यो स्थाप इ द्वा श्वा प्रव कर श्री स्नित्र करेत्। क क्षा यो स्थाप स्व श्व श्व श्व श्व ७ब 'दर 'ये प्वतुब 'वरुदे 'बर 'ब 'ये द 'या र्के शाग्रर 'ये 'वो 'ब्वे दिया दर 'ये 'या दि 'या वि येव से नवें रायर यव या पेव। क्वें राय वुराव से लेया कुं लेवा पेन या सामा र्वेष्ठायात्रः श्चान्य स्थान्य । विष्ठाः विष्ठाः विष्ठाः । विष्ठाः योशीरश्रातार्थरा। भार्यक्षेत्रायमूर्यःश्रद्धःलरःधेश्रश्रायक्षीरःधुरः। विश्वायःश्र म्रेच.स.म्रुटर.मक्टर.पश्चर.केर। विश्वय.य.सेर.कुच.रुटु.लर.चवर.म्रुममः यस्या । पश्चिरः वः कूर्वः व्यास्य स्थयः श्वरः प्रहेतः वयः यद्या । वियः वास्य रूपः र्शे । नियान गाँन प्रचार ल्या युदा क्रिंग के क्रिंग में मुं मीन प्राप्त प्रकार क्रिंग प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त येव थे वो रे वालुर ययावर नु क्वेंच वेवा ने वलेव नु क्वेंचवया सुरया यान्र क्वें <u> इ</u>यो.क्ट.प्रा.क्ट्र.बर.वीट.ता.क्ट्राता.तो.क्ट्रीय.ते.यो.टेट.क्ट्रा.र.क्ट्रा.दापु.क्ट्र्या यात्रार.वीया. ण्यात्राच्यात्री द्वेत् क्षेत्राक्ष्यात्र व्याप्त्राच्यात्र व्याप्त्र प्राप्त व्याप्त व्यापत व्य श्री. यद्मीया चीया या वर्षेत्र त्यक्षें यद्मीया चीया विष्या विष्या विषया योर्च- तर्क: नग्नि सर्क्या यो सुरा प्रयान होया वर स्ट स्ट से सरा दिया पर होने ८५.क्ट्र्य.ग्रीम.पक्ट्य.ग्राचा म.म्मय.वश्वर.क्ट्र.ग्रा.क्रीच.पक्षा.पच्चीच.२८.क्री. लूट.य.च.संब्री.लूपी नुमानाक्की.भाष्ट्रायंवर श्रीट.य.चेटमानट यालूपी प्रह्मी. यदः रे यर्षे र कुर कु त्रे त्र कुर कुर किया कुर किया तु के वे व्या वा के वे हु८:इअष:ग्रीष:ग्राट:वर्ट:रे:वक्क्वाव:दर्गेव:य:अ:वर्दे:व:क्रे:व:क्रे:वर्दे। ખૂવા.

न्वीव वान या भूवा रेवे । वितु खुवा नयुर वा सर्वी विद्या । विर वा धिव विदा दे'प्रवित्र'तुःश्चे'यःश्चेु'व्रिप्त'यापदे'त्र'यार व्या'श्चेर'प्र'प्यं दे श्चें प्रेप्त'या यार्थेता यार्के या यरे, व. थे. खें था है, की रायरे। योष्ट्रियाया यहे, व. यह, यह, यह, यह, या स्त्री देशक्ष:सृष्ट्रेन्द्रवेषि:पुर्वाचाद:पीष्ठ:प्यट:से:से:सक्ष्य:दु:र्क्वेष्णय:यदे:र्केषाय:य:विषा:सेद्रा रदः प्यवात् । प्रचट त् प्रयात्रे विवाया व हिंवाया सूचात् यस्त्र त् प्रयाया विवासु पेर् मुं'तन्त्रयान्दरायेदिया वाल्यायायान्य योग्यायान्य स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थाना स्थान र्वेत्। श्रेःगविषाद्वाद्वाद्वादार्विष्ट्यां वर्षेत्रः श्रुद्वाद्वाद्वे प्रविष्ट्या त्रमा ब्रिट्-क्रीमानेदारम् स्वाप्ताना स्वाप्तान्य स्वापत्य स्वापत्य स्वापत्य स्वापत्तान्य स्वापत्य स्वापत्य स्वापत्य स्वापत्य स्वापत्य स्व गशुक्षाय भेता बेराय सूर रेता क्रुराय संबिधा भेत त संविधा ते का तर विवादवीया वक्क सेंट सेंट सेंट विवा यें से समार के साक्का तर विवा र्वाया वर्षेताक्रिं रक्ति किंत्रा किंत्रा विष्या विश्वाया विश्वाया हैया सूर विश्वाया विश्वाया विश्वाया विश्वाय र्येदिः सृत्युः नदः तदः वः धीत्। वः नदः अधीयः लेकाः यः लेवाः योन् ः यरः नरः कोः चुनः वर्षे वः युकार्स्ट्रिंग रदाविव युत्तिवा सी सुदार्शे । ।देशवा सी या वाह्रसार्थे द्या गिन्रायाः अवतः पेर्पः । प्रायाः निष्ठीः वोष्ठाः याः विष्ठाः वेष्ठाः वाः विष्ठाः वाः विष्ठाः वाः वाः विष्ठाः वा श्चे व्ययः या मेर्ने वायः से श्चे वाया से श्चे वायय स्याप्त वा स्वरं विवासी प्राप्त विवासी वाया से श्वे वाया स श्रीनेति देवाबादी प्राप्तका विवेद स्थापे स्यापे स्थापे स्यापे स्थापे स्थ यः सूरः पीता कें विदेशायदी क्षे स्वरं भीता रामा प्रतासिक कें पर्स् (वैया द्वेन प्यस्पर स्टायमा कु. स्ट्रिया स्ट्रिया हो स्ट्रिय हो स्ट्रिया हो स्ट्रिय हो स्ट्रिय हो स्ट्रिय हो स्ट्रिय हो स्ट्रिय हो स

यः श्चेरः हेवा तवातः रेथः देव र दुः है त्युः युते र गातः यथः विवा क्ववा दवीं या कें तदे ही। रट वालव विशेषादेव। नयायदे खुं केषा श्चितायर श्लेट र स्वा उत्तर विशेषा र्युषा सर्यास्यास्याक्ष्याभ्रीया क्षेट्रयुषायेद्रायदेशीयाः सद्याक्क्ष्याः न्ग्रेंबा ।न्ग्राद्यान्द्रः दुः व्येद्याः विवा निर्देशः विवा । विवा । विवा विवा विवा । विवा । यशःक्र्यःश्वरःश्वःतश्वतःवादह्यःहेदःषदःश्वःतश्वत। तश्वतःयवदःनेशःक्र्यः यह्रवाह्रेवःवाह्रेवःगाःत्वा्वा देवःवः स्टःवीः स्टःवः त्वः तन्दः विवाः वक्कवः वः वेदः सह्वाः ह्मर ह्मर त्युवा वी स आर्ड आर्थे दे हि त्यू म द्वार्थ एक हैवा मेन त्वे वी प्राप्त हैवा से प्रा क्रुयायेन तहेवा हेव स्वीयदे त्ययान्या विवास र दर्शे न्या केवा की यान वाद तन्या ने या र्यार्ड्यापदास्त्रेत्। देवैत्वदूदाद्वर्षादेवाद्वर्षा स्वेत्वदेशुःवादायायस्याद्वे वहरम् छेर्गाववार द्यावरेर्मुरमुर सुरास्रे येययावययायवे सुर्यस्ति क्षित्र प्रसृद्धाः स्वार्धे अप्तेते द्वार द्वार स्वार्थे । यस्ति । दे प्रस्ति । दे प्रस्ति । दे प्रस्ति । वयान्वो क्षेत्रा सुर देर रे तहें या धारवया ग्री से त्युत्र या पर देश सुत्र त्युत्र या तास्रायास्त्रीयायाने तयन या ने यो प्रायम् स्वीयास्य स्वायम् स्वीया कूर्रे क्रिंग क्रिया वार में भ्री अर सुवा भ्री रवेरियाय लेवा वक्षुर कु वेर कु विश्वा या भेरी देव:र्रमा:वा:वा:का:वर्देव:वि:सूर्य:वु:वा:सूर्य:वी:सूर्या:वार्यव:सूर्य:वा:बेर:वा:धेव। म्यवत:सूर्य: याः हैवाया केव यदी की प्रवाद यें दिहेवा हेव प्रक्षुप्रयावया वाषाया हैवा यावव के यादि । यःविर्द्धिन् यादःत्रक्रम्यावाद्यतः नुसावहैयाः हेत् ह्यायान्दः से दे हिन् नुसे द्यापान्याः इस्रान्ना होन् त्रहों नास्रम से पिन्यापित। ये विक्तान विविद्योग्या स्थित हे साही स्रेट वर्षा ट्रेन स्ट्रियाव तर ही त्य हुन प्रविद प्येन। हिन प्यन मुंब स्ट्रिया रहे वर्ष स्ट्रिय स्ट्रिय

पदिःदेश्वात्रशास्त्रवानाश्चित्रं यात्विवास्त्रेत्। देश्वात्वेवाः द्वीवाः द्वीवाः द्वीवाः विकासितः য়ৢঢ়য়৻য়ৢ৾৾৽য়৾৾ঢ়য়৻য়ৼ৽য়৾ৼ৾য়৾ৼৼ৽ঢ়ৢ৾৽ৼৣৼ৽ঢ়ৢ৾ৼ৽ঢ়ৢ৾ৼ৽ড়৾ৼ৽ড়৾ৼ৽ৼৢয়ৼ৽ড়ৢ৾৽য়৾ৼ৽ৼৢ৽য়৾ঌয়য়৽য়৽ यर्चर : लूर : स्रोयर : स्रेव : लेव : लेव : लेव : लेव : लेव : लेव : स्रोट : स्रिव : क्रीर : स्रिव : स्रोव : स्र डेबायाबियावित त्रवायाबदवाहेबादमा हे वाद्यायावित या हिताबित वाद्यावित स्थाप्त का বার্বমান্ট্রাথার্ম্ররামার্মিন। ইমান্ত্র্যমান্ত্রমান্ত্রমান্তর্মা र्शेट दुर्श विस्रक श्रीन श्री स्नान क श्रीन श्रीक मार्वे क सुवाक श्रीन त्वित्र स्वाक स्वास्त्र क स्वास्त्र क श्रीक है। <u> हॅ</u>याया:केत्रात्रया:श्रीराञ्चा केत्रायीया:याया:त'र'पीत्राञ्चर'त्रर:श्रीत्राया:वर्तुया:यापियाया: ८:बाळवाबार्वोदावबार्ट्सेवाबाळेबाळवाबार्योद्। डेबाचबदायायीवा दे:ब्रुबाया ॔ख़ॖॱय़ॖॱॺॱढ़ॸऀढ़ॱॿॕॴॱॺॏॱॴढ़ॺॱख़ॖ॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔॔ढ़ॾऀॴॱॸॖ॓ढ़ॱय़ॖऀॸॱय़ऀॱॸॱॴऄढ़ॱय़ऀॸ॔ऻ<u>ॗ</u> रवर्षाम्बर्धियाश्चीत्रसूत्रस्त्रित्श्चीत्राधिमार्देश्याधित्राचा देश्चेरातुर्वासितःसूत्रस्त्रिम् यन्तर्कर्यायरायक्षेत्रवान्तर्भेत्र्वर्षेत्रवान्तर्भेत्र्वेत्। वे विष्यय्यक्षयक्षेत्रविष् नगान् रमकार्थेकाध्येक मक्षकाक का स्थान । के के के के के का मानिक का के मानिक का के का मानिक का के का मानिक के का मानिक का के का मानिक का का मानि क्र्याधिव यारेदा वेराय है तद्वे की सरा म्ब्रव द्वराय केंद्रा क्रेवः नवर-नुःविर-व-ने-वर्षाःभिन्। भेव-वतर-नुसायाचिर-स्रितः स्वारानश्चिनः श्चेवि ઌ૱ઽઽૢૢૼઌૹૹૢઌૹૢઌૹૣ૽ઌ૱ૢઌ૽૽ૹ૽૽ૺૡ૽૽૱ઌૹૢ૽ૺ૱ૡ૱ઌઌ૽૱ઌ૱ૹૹૢ૽ૺઌ૱૱૱ सक्सरा रूप स्थाप से साथा स्थाप स है. द्रया. द्रया. यज्ञेश्व. यज्ञेश्व. जा. जूट. श्रुट. । जूष. ष्रयट. ज्ञेया. यश्वश. श्रुट. वश. श्रु. चग्चेन् नुष्यं योन् न्यययाक्तुं ने न्यायार्वोद् यार्केन्द ल्यायह्यार्थेन् कुनि हेन् स्रोयया गिर्दे वे वे प्यानित्र मानित्र मानित्र में प्रति है । वे त्य मुक्त स्थित स्थानिक विकास मानित्र स्थानिक विकास में प्रति स्थानिक विकास स्थानिक स्थानिक विकास स्थानिक विकास स्थानिक विकास स्थानिक विकास स्थानिक स्थानिक विकास स्थानिक विकास स्थानिक विकास स्थानिक विकास स्थानिक स्थानिक विकास स्थानिक विकास स्थानिक स्थान कवायायहिवान्दरायो क्रुया श्रीवादया र्सुया स्वयाया यो योदा रसेटा स्वया यो यो यो स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स देःथः ध्वेः दरः वाष्ट्रः वाष्ट्रः या स्टार्च व्याप्तः वाष्ट्रः वाष यहिंग्रां भी श्री श्री स्वार में स्वीर में हिंद इस्राय की संवीद में स्वीर स्वी वर्षराणुवावर्षावर्षायाणराणेर् श्रीत्। वारासूराणरायर्रे राष्ट्राव वराष्ट्रशे क्रॅंकेंब्राग्रीक्षाक्षुव्यान्वेव्यायाधीत्। व्यविष्यान्व्यायदिःयोवाक्षान्वन् ग्रीन्वनः विवान्दः सद्यम् वित्रास्त्र स्वरं वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः वित्रः स्वरः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स ने से व रहे व्यवस्थान स्वाप्त माने व स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स् विष्यावर्षे विषया न्ध्रायुर द्वेत प्रवेश भेर भेर होते प्रवेश भेर मान्य प्रवेश भेर होते प्रवेश भेर स्वर्थ प्रवेश स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य नस्नेतः नरः से म्बर्यया उन् केया शुः द्वा से स्टा मेया होन् केया से म्बर्यया उन् केया या रा त्रशुरा दहवाहेब भरान्याची सामाना वार्षा प्राप्त सहित्यवर वी रहा कुन न्याधिरानुषा वायषासुराम् द्वायाययायर्थे स्टानुष्यायास्य स्वायास्य देवः स्नेयमः सुःसुरः सः स्वाः हुः सः सर्वेदः दवरः दगारः धुवामः सुरः यवे । सुरः वीमः । व यर्गेत् र्श्नेट र्श्नेवाया प्रदान्त्रवाया श्रीया यहंद र्श्नेट प्रदान ध्रीवा दे रायया वावत श्रीया सूचा रैग्रथःश्रृग्।र्कन्।न्द्रभुःतव्यथःक्षेःयारे रेप्तविषःश्रेया प्रविषःश्रेन्।न्दःशुदःयाग्वेनःनुः श्रेयथार्थःक्रियःक्र्याद्भ्याःस्त्रीःच्रूरःदुःचक्क्या दुःश्रुवाःदुश्याव्यद्भायःद्वशा वीःस्त्रः रुषाम्बोरामस्यायाः विवामीयायदार्वेषायाः सुरामायी केषाः १दार्वा युवायानेयान्वीया ५५.५८.वीयात्रयान्त्रया ४८.ज.४८.ता क्र्याजाञ्चया ञ्चः स्रमः ञ्चरः मा वर्षः प्रवाहर द्वाराया स्तरः द्वे । स्तरः द्वे स्तरः द्वे स्वरः द्वे स्वरः द्वे स्वरः द्वे र्शेषायायायारे क्रेंट ये वर्गे द यदे खुट देव खुट देव खुट दु खुया है या के देव के दे के देव के

केन ये विया यी से सिका न का न स्वता प्रति । केन प्रति वा प्रति वा प्रति । के'धेय'तर्केट्या कुट'ब्रुच'कुट'वीय'तर्केट्या यर्नेट्रके'कुट'य'वर्हिवाय'यवा' क्रेंट-रु-तर्वे निवेश्यायायारेत्। क्रेंयालु-त्युवायायायेयात्र-सूत्र-तुवा-तु-सेंट-वयाळेंयाग्रीयाञ्चरादवार्येदानुत्वर्षे नित्रमु नित्रायदार्थित्। नेयावावर्षे वया श्चेंत् प्रतास्वाया श्चेंत्रया सेवाया या प्येत् या लेवा वीया श्चेरात्रया स्राप्ता प्रतास विवासीया स्रीता विवासीय स्य ८८ गुर्व ह्यें दाववट ये संदेश हु ह्ये दाय दुवा केंद्र या देवा वुवा है अदाद वें वा यार विया यात्राव स्पराद्या प्राप्त स्वाप्त प्राप्त होता होता स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्व सर्द्रम् नामा स्थान स्था देव प्रमासुरा अस्मान भी देव स्थान बुर देव स्थेव। मालुर देव देव स्थान য়৾য়ঽঽ৾৽ড়ঀ৾৽য়৾য়য়ৢয়৽য়ৢয়৾ড়ৼয়৽য়ৣ৽য়৾ঽৼয়৽য়য়৽য়ৼ৽য়য়৽ৼৼ৽য়৾৽য়ৼৢ৽য়ৣ৽ यदः मैं यद्धः त्रुं राष्ट्रेयः क्रूयाः चैयाव। हेवः मैं म्यूयाया राष्ट्रेवः चियावया सेवः वर्षेतः ह्येन-नु-चन्द्र-वया गृष्ठेयायाकुन्वो सन्धनानुः येन्या क्षेत्रः याक्षेत्रः याव्यवा सावकन्यतः स्रीतयाः शुरेता देःयः पदः वदः वार्ययः श्रीत्र श्रीः त्रुवाः पेति। दुवाः येतिः वादः प्रेवः लेखा 'षवः'यना'ननुवः'यदेःवरः'नी'नङ्गें नःयानिन्न्यायः'नेदेः श्रेवः श्रीःषवः'यना नुनाये ने 'षीव। नर्भेन्यः या चर्डन् से से राष्ट्र या द्या पर्वे पा उद्या हु सुने प्रति । स्वी पर्वे प्रति । स्वी पर्वे प्रति । देवः क्रेनः क्रीशः सुरानु प्यत्न दाः धेना देः सुराधनः धनाः दुवाः वीः नदान् सावः स्यतः धनाः स्यतः ।

म्बेशयास्त्रहित्यात्त्वयानवेष्यम् विष

यन्वायी स्थापन्द स्थाने स्थापन । प्रदेश सुर्वे प्रविद्या सिंदि स्था सिंदि स्था सिंदि यक्ष्यमा । विन्सूवायमानीयाद्यम्यात्रवायात्रेवायात्रवायाः मर्सूर न्यस्य वहेवा है। विरामित मिर्मिर मिर्मिर मिर्मिर मिर्मित के विरामित मिर्मिर मिर वेंदबः ह्युंद्र म्वयब उदः गुद्र। विं धिष म्वद्रबः हे वेंद्र द्रमण येंद्र वाः प्त्या | प्रम्यायायत् श्वीरः स्वाधा हेते स्वेत्र श्वीया श्वीया | वियाया स्वर्धाता हैते स्वाधाता । यर्केन्यातत्वायानवे प्यवायमा क्षेत्राने न्या मीया यसून त्या वने त्यान् हो ना न्देशस्युत्वर्द्धेरःचवेरसर्वेन्यः। धेन्रश्चेशस्युव्यःचवेरसर्वेन्य। वार्नेन्वशःव्युवः यदः यर्केन् यः न्दः वाशुयः श्रीः भ्रवान्य याशुर्यः नतिवः प्यन्यः प्रवेषः नेदे वदः वयः यक्या । नर्द्रमासुः तर्द्वेरः यदेः सर्हेन् : या के सर्वे स्थान विश्वद्रमाः स्थान यद्वित्रः श्रीत्रः तसूत्र। श्रेष्ट्रास्त्रं स्वर्यः श्रीत्रः स्वाः मृदः दृः दे स्वर्ः याः से दः स्वर्षः याः से दः से द वैषाः यः बेरः वः प्येषः श्रेः वेषः श्लेषः श्लेषः श्लेषः श्लेषः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषयः श्लेष् नवो स्र रावरुषावाष्ट्रहरूपा भू नुति र्वेवा भू रे वे माराया रे वे । । ने वहा नि वहा नि वहा स्र वे र्वे वि गोर्वे । स्वाप्त्र वि प्रति स्वायाः स्वायः स्वायः विष्यः स्वायः विषयः स्वायः विषयः स्वायः विषयः स्वायः तर्यायर में ब्रियाया क्रिया मुख्या माया प्राया प्राया मित्र त्योतु त्या क्रियाय प्रायत क्रिया क्रिया मित्र त्य ल्रेन्यः स्त्री यन्त्राची त्युर्यान्द्रः त्येत्राः द्वीत्राः स्त्रीत्त्रः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्र चर्नुदःचतिःचित्वेच्यस्याः वेर्यान्त्राः चर्त्वःचित्रःचतिःचित्रःचित व। पन्यायीर वहें व द्वान्येर व नवे प्येव लेवा पहें न के नवें बर्म का कर ही

तर्वो र प्रते लेखायते स्वा केवा वासायन्वा केवा यदि स्वा स्वा र हे स्वा वी तर्वे स्वा र त्या वयान्यान्यरारेपा ने हिन्यो रेना वने प्रते रेन हेया प्रते लेया प्रते हिया बीयावायव्यात्ववात्वयात्वयात्वयाचे चनवावीत्युयार्थे विने चित्रवेयात्वयात्वया विषाः येत्। वद्गिवि वदे दिव द्वाप्य चिष्य स्थित । व्यवस्थित । वद्या विषय । 'लॅंश-चुषा,तृष्ट्रीयो.लूपे,लट.श्रुष्टाश्चीशाने,खा.चनेयो.चर्चेट.चैश्वात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रां जंता वर्षान्त्राह्मनाङ्गेन्द्रम् स्वाकाः श्रीः स्वत्र स्वतः स केव हो न यदि यहि यह दे त्युष पदि धेव। दे त्य न वे विषय पदि यहि यह क्रमार्चीमार्भानुम्। इ.वे.स.स्वानम्बुमा वार्यसम्द्रियात्यः শ্রীব.হ.নামা र्शेवायायाचेत्राकेत् क्षेत्रचेत्रायाचारायेत् ग्राटायायाचेत् क्षुः विवायेत् यायायाया येत्। श तर्ने नः केन विना नीया नानन ही यना नः में मैया मैया येनाय में विना पेन ग्राम ने ने देश यना वयाओं वेव प्रसूषा है पेद क्षेत्र के प्यट सेद ग्राहर के वा या होद विद्वा पा पेद । र्थेन् र्येते वार्षेर न्द्राः हु बेंग येन् र्येते रया विन्द्र सम्बा के प्यट सेन् सार रश्रभूत्रयाप्यतः केत्रप्रस्थात्रया देवा केत्रा वार्यवा व्यविष्या वार्या विद्या श्चित्राक्षीः वाहितः वाहित्रा स्थित्। वाहित्वा श्चित्रा स्थानितः वाहित्वा स्थानितः वाहित्वा स्थानितः वाहित्वा स्थानितः विकास स्थानितः वितः स्थानितः विकास स्थानितः विकास स्थानितः विकास स्थानितः विकास स् तु.क्री कु.म.र्थम.वीर.क्षेत्रामकूर्या.धे.मुममातमुने.नु.हू.यामासुर.क्रीर.वीर्यातमा या पश्चेर ह्वाय पञ्चय पहेर्। र्गोव सकेवा यासकेर या येसवा उत्तर श्चेव या मृत्या केव यह होता विकास स्वाप्त स्वा यवःकर्वत्र्युर्याच। मृत्ववःद्योःचरःचश्चृत्यःचःवःश्चेत्रायःचःदरः। हुरःयः वयानययायानवरारी उत्पादरा द्वी योग्यया स्नुद् उत्वाया रे स्नुयायाय कर्यी न्वो र्केवाया यर्ने रत्य पेर्या सुप्त बुर प्रति वाली वासुय ये नि न्दर । <u> इर्ट्स त्रुं र क्वें सर्कें द्र य क्वें स्थित</u> व्यक्ष प्रकें यनुवार्श्वेषा स्रम्भो द्वेष्ठया लयात्रमा देशसंत्रार्थेवारामधीत्रमः याबर चतः देवाबासु शुः शुः चतः पदे विषाचे स्टा हो प्रश्चेषा विष्या स्टिम् सुषा स्टिम् श्रीया क्रुयायदेवया । वेरावारेदार्येदा वर्वेराविवेदाकेकुटाद्दाकुःवेदाकेकुटाविवाः यारेद्रा वर्षयायात्र्यायराद्रवात्वायार्केद्रायात्र्यायराद्रवायाः धेवा वर्षयायाः इस्रायरास्यान्वावासर्केन्याइस्रायरास्यान्वायाधित्। सर्केन्यावनुत्यायादीस्रोरा स्रूदे महेत में प्रीता अर्केन या इसाय सम्प्रमा सामित महिं में से स्रूप पेन सेन ल. चीय मैजाय श्रेयायक्याल देन स्ट्रिय खेया श्रेषा मुर्द प्रदेश स्था से प्रामी स्थापा यर्न-र्ना व्यट्याङ्ग्रीन् त्यवराववीयाः स्वानित्रीं वात्तर्नान्त्री क्रियाः वास्यान्यस्यास्य स्व भ्रोत्मर्डदः<u>स्</u>चारुदःविमामीयाग्यदःद्वीःसूयान्चीद्रायांभ्रीःवतुमानयसायावदःविमाद्या। न्योः केवाया द्वयान्या दे देव सेव सेव स्थान स्था याधीत। रदावी प्रकार त्राया वार्यापायते केन् नुरदा होन वाराया नवार प्रविद्वार र्ये प्रत्यास्य स्वान्त्र विष्यास्य स्वान्त्र स्वान्त्र

देव ये के वेद स्थाय दु त्र बेंद से वा बेद दुवा वेद सी के वा वेद स्था के । देव यें केश नवसाय निर्देश नेंद्र अनेंद्र श्री हों व यें इससा श्रीका से राष्ट्र में राज धीवा श्रेरःश्रुःवेरःचवितः व्येर्पः या अद्वितः तथा श्रुः चा चा चो रः वा श्रुरः था है। चुः या श्राः स्थिताः स्थ्राः यर रे न्नर से यवर र्षेट य र्द्धर र्षेट वयाय स्थाय यथाय ये रे पु क्षुर वया र्षेट्र योदःर्येषायोदः बेरःवषायः व्यव्यात्रम् व्याद्वाः कुःर्येदः यायाः योव। देः व्यवः यर्केदः श्चीवः याः स्वाः पते'न्त्युव'र्येते'त्युष'ञ्च-ष'पष'न्'नुर'पर्येन्'क्रय'य'यपा'व'हेष'सु'नेष'ग्राट' श्रृषा केषा त्र व्युर देश या धीता अर्केन यदे धी चीन क्रिक्त केष ये विद्या से स्वर से से स्वर से से स्वर से से स त्राबुचा.लूर्.च.क्.चाक्र.जात्र.क्.च.क्रय.क्या.च.लूचा चावप्य.लीजा.बुचा.च.वित्रा. यनमाञ्चूमार्थे व्यट्यार्श्चेन क्रेन चे उन लेमायाम्यमार्थेमार्थी माम्यालेमार्थेन। द्विया र्कट कुं के या क्षेट हे से द छेट से र स्रूप के या लेवा प्येत। वार्ष्यवा से स्राप्त या विवास र्केन्द्रमः केन्द्रमः ग्रीमः यमः प्रवितः योदः ग्रामः वसः वः यः यमः योद्यः श्रीव। वीदाः श्रीवः श्री वोग्रयार्थिकी क्षेत्र ५५८ देवे क्षेट ५५६८ त् कुगावर्डेमा वित्व व्याप्त्र वासूया वर्गोवाः द्येतः व्येत्। कृतः लेवाः स्वतः स्वाः वस्याः स्वाः वस्यः सः वस्ति। वर्षेतः वर्षेत्रः वर्ते वर्ते वर्यः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत न्वींबाक्ष्मवावबाकुःयोवःब्रेन् श्रीत्वायाः हिराहे कुःयोवानु स्विंदायाः रेन्। कुःवराधेवाहे दुवाववानसून्। यसवावायाया गा. ५ . त्यावाचे वया हिन् इते स्वीराद्व वेवा वासुर्वा यय। र्वे रूट वीय वे कुष व्ययय उद लुय यय तयवाय यय क्र क्र वे वे वे हिंद ही: न्तुयः पतिः सूर्याः पस्यः इस्यः पर्वेदः स्रीः प्रहेषाः य र के द्वेन् : यः प्रीतः य सुरसः नुसः स्व र्वेषासुर्या हे सुराय हैं दिया प्रति । हे सुराय हैं दिवेषाय रेत लुखा हे प्यार दुवित यसूत पर् तयवायाययावासुरयाया न्त्यायान्त्रभान्त्रेन्त्रेत्रकेवायाचेना हिन्सर म्रीयायायायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्या श्चेव य गहें र पेंद सुते सु अव य अविर ये लिया ग्राट से र से र से र ग्री सुसाय वर्न वे निर्मा में क्रिंग ने निष्ण के। वसम्याय स्थित क्षेत्र सूर महेत्र स् यार्वर आविया प्रदेश देश र ता सुर्थ प्रदार विर वीश श्री देश क्षेत्र श्री प्रदेश स्था ता विरा वर्तेन सर्देन नस्त्रा मन सेन सेन विषय विषय मान स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं विवान्यानञ्जनायावादर क्षेत्रपर्या क्रुया क्षेत्रपर्या क्रुया क्षेत्रपर्या क्षेत्रपर्या क्षेत्रपर्या क्षेत्रपर्य यरयाक्च्याग्रीः यद्भन्यहेत् यदे खेत् क्त्र प्रदानम्यायायहेत् यहित् स्तर् हेत्। तर्वा अति वर या के तर् प्येर् वा शुरू अर्थे व मान श्रेम श्रेप तर्वा अर्थिया प्येर् या थायुन्युर ने तर्वे सेर नु क्या तर्वा की येन लुषाया येव। तयवा ष्या येव हिन रदः ध्रीरः वः सेटः। स्रायतिषः तुः वस्याना वस्य से द्यादः यदे स्रूरः यः साम्रीत्। चन्नाः स्थाः क्याः क्रमः नुस्यानाः यो सङ्गोद्धिसः ने निर्मेदः वित्तः चन्नाः स्रोतिः । वनः यदेः ङ्गीतिः यन्। *ॸॖॖॱॾॖॖॱ*ॻऻॗढ़ॕ॔॔ॱॴख़ॖऺॻॱॻढ़ॖ॓ॸॱॺऺॴड़॓ॸॱॻऻॿॺॱॾऀॱॴॸॱॴड़ॺॱय़ॸॱॴढ़ॴॹॗॴॵॸॱॎ॔ॶड़ॺॱ चर्ष्य-र्रे.ध्रेज-र्ष्या-क्र्य-यास्ट्रिया स्व स्थ्रा-तस्यायायायायास्य स्थानास्य स्थानास्य स्थानास्य स्थानास्य बॅरियार्करातुषायार्येरावहवात्रषाङ्गिष्ट्रीयात्रिःङ्गायात्राङ्गायार्वरायात्रीयात्रीराङ्गादेवी स्रेट:नु:यटयाक्क्यापीन:यान्च्याने:व्यानस्न्नापीया नेते:नर्गेट:स्रेर:क्वरंसेंटें: यन्नाः श्रीः प्यमः प्रमाण्याः श्रीः म्बान् श्रीः विष्यम् विष्यम् । यम् विष्यम् विष्यम् । यम् विष्यम् यथ। विर्वेत्वेत्रभूवायार्थे हिन्देर्न्य स्थापाय म्यायाय म्याया स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य क्रीतर पुर्व त्वी प्रविष्य स्वा स्वर्ग स्वरंग स्वरं

में इसमा क्रीमा के कि विवासीया सुरापुरा मुंखारा पीवा से मारापीवा । नियम में हुवार्या हुवार्या हुवार्या क्षेत्र के कार्या क्षेत्र के व्याप्य प्रमुखा क्षेत्र क्षेत्र कार्या हुवार्या क्षेत्र ययाः स्वेदः यने यम् स्वायाः द्रयायाः द्रयाः याः या हिन्या स्वातः कुः क्रेतः वे लियाः यीयाः सुः प्ययाः नुः स्वेयाः त.लुच.भारचेन्ना ट्रेप्ट.सैयमार्श.चै.सुप्ट.यी.सीमार्शे.सी.सीमारीमारी, येथीया विंद्र मित्र सुद्र मित्र सिंदि सुन्य सुद्र स्था सुद्र सुत्र सुत्र सुत्र सुत्र सुत्र सुन् सुन्य सुद्र सुन् सुन् र् नुत्रम्भवयामहर् प्रयानेयास्त्रम् यास्त्रम् यास्त्रम् यास्त्रम् यास्त्रम् यास्त्रम् विष् तत्त्रवारात्रान्त्रान्त्रात्र्याक्ष्यावार्युट्यान्ते १६५१५याः मृत्राविः स्त्रीतः स्त्रीतः स्त्रीयाः स्त्रीतः ॱढ़ॖज़ॺॱॹॖॱढ़ॿॺॱय़ॖॱॿॕय़ॱॾॣ॓ॱॺॗऀॱॱख़ॗॱॴॖढ़ॻॱॸॖॱऄ॔ॸॱ। ॸ॓ॱॸज़ॱॺॿॕॸॱॺॺॱॾ॒ॸॱॿॖऀॱक़ॺॱ र्येदे न भेना हो न रवे न न न से त्या र्येन या से हो ने त्या में हो त्या है । तयम्बारायतीयम्बार्वे वार्के वार्क्ष्याकृताने विविद्यास्य विविद्यात्या विविद्या वार्के वार्षे वार्षे वार्षे वार् શ્રેસશ ફ્રસ યર દ્વાત દુર્વે શર્યે દેવને કે સ્કૂદ ત્યા કુવાયા સાધીના येन व्हेन न्दर प्रसुत हे पर्येन त्रयय ने सूर गर्ये गन्वें या गर्ये ग कें या या थॅर्-यॅर्थ थॅर्-र्केर्-र्-प्रमुद्द-हे-पर्शेर्-द्वर्यश्चर्या वर्षेत्-र्वेत्रा स्रूर-पर्शेर्-द्वर्यशः ব্যবাধার্থান্ প্রেম্প্রেম্প্রেম্প্রিম্প্রিম্বর্মান্ত্র্যান্ত্রম্প্রা यःवद्गःयःसर्केद्गःयःस्या श्रुवःयःस्यानहदःवःस्रूरःनसम्यायःश्रीःनसेद्वस्यसःस्वरः चु-दे-बद-क्रे-ज्रिट्य-क्रुंद-खु-द्य-व्य-ज्रेद-प्य-य-ज्रेदा यट्य-क्रुय-वर्ड्य-र्षेष.पर्यं भी यो र.पूर्य. श्रप्त. श्रप्त. थे. पर्वेषां श्रा. स्था. श्री यो प्रा. स्था. स् वेंद्र अदि र्ढ्या क्वी प्रस्तिवा व प्ये द्वाया के क्रिया व्याप्य व्याप्य क्वी र्व्य विवा क्रिया वया वीया वें र्नेन् त्वर्वेन् श्रीक् क्रास्मावति विस्रायाया त्विम् क्रायन्त्र वास्राते वाक्रासा होन् प्रमाणेन्या तसम्बार्या स्त्रांत्र तमाया श्री सुर्या महिमारा है। तसम्बार्या सेत्रि तमाया श्री सु हे हुस्या श्ची:वर् दुर्चित्। धी:द्रवाषाः इराषाः तसवाषाः यदिः सर्तुः दुः पिटः स्ट्रेः क्रिवाः सञ्जरः यषाः वर्देः क्षेत्रःश्चेत्रा ट्रेन्द्रम्यत्रःश्चेतःसूध्यित्यःश्चेःशूर्यः द्र्येत्रःक्षेत्रम् श्चेःतान्त्रन् वहिंत-८८:श्रेर-ब्रु-के:वश्रासकेंद्र-य-५८:श्रुक्-य-ग्राद्याः याद्याः ग्राव्याः याद्याः व्यव्याः श्रुक्-रः यान्युन श्वेत्रायान्तिरायारेरार्चेत्रातुषान्वेत्रायायेत्रायतेर्वेनातृतिहेत्र्ययाणी द्वायालेगाप्रपादरावरावारायराचेत्रायेप्रायालेगायीयप्रवाचेरावयाप्रवाच्चाया पर्वेष.त.कृष.त्र.कृष.त्र.कृष.द्रेप.कृष.वृष.कृष.त्र्येष.कृष.त्र्यंत्र.विच.ष.लूर.त.ट्र.कूर.ट्रेप.व्या थै:दृष्यशयः श्रुकः हे:श्रृष्यः तश्रृषः श्रृदः वीवः थेदः यदेः यश्रः श्रुवः दरः यङ्गः यः योश्रीरुषान्त्री ने:न्याःकुःतद्यव्याःयाःधीन्:क्रेषाःक्कीःन्नःयदेःयात्रव्याःयायोन्।त्रव्याःव्यायः क्रिशन्दरन्त्रोतन्त्रन्त्रायान्द्रस्यायास्याने। देन्त्रस्यश्यीकेन्त्रः प्रेत्रायस्या ৾ঽয়৾৽৻৻ৼ৾য়য়য়৾৾য়৸৻৴ৼৼ৾৾ঽ৻য়য়য়৽য়৽৻য়৸য়ৣঢ়৾য়ৣ৽য়য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়ৼয়ৢঢ়৻য়ৼ৾ড় नेषा र्वेतुःतन्यः श्चीःतुषः देः इस्रयः श्चीः हेः तद्येयः दन्। यः स्नुदः वस्नुरः हेः र्कटः सः योर्शेटकारा.लुची छे.च.र्यकाराज्ञेका.क्येट.टेट.जुच.वैका.वेका कट.छेच.कटका. क्रियात्विर्यातक्याक्षुत्रातदेव कुं प्येत्राया। र्यात्रात्वायाक्षीत् स्वात्यस्याप्ता लुष्यम् लुष्यम् अराक्षेत्रम् अराक्षेत्रम् अराक्षेत्रम् अराक्षेत्रम् अराक्षेत्रम् ८८.यञ्चाताः श्रीय.यद्मेय.श्री. त्रीय.त्रा वि. द्रेया.या. या. वि. द्रेया.या. या. वि. द्रेया.या. वि. द्रेया.या.या. यन्दा भेन्त्रम्थासुङ्ग्रीयायाने नमायाने नुषार्थिमान्दास्य वितासारे नुष्या यास्त्रा हे.च.इस्रयायापटाने स्रूप्तास्त्रा द्वे हेत क्वी यात्वाया केंद्राया

सह्र्यंत्रम्याच्चित्रम्या यीत्रम्या स्थान्नम्यात्रम्यस्यस्य स्थान्ति स्थान्ति स्थान्ति स्थान्ति स्थान्ति स्थान सर्देवः भेषः ग्रीः स्वा केः व्येदः ग्रीया ना ने नाया है । व्या का स्वा वा स्वा वा स्वा वा स्वा वा स्वा वा स्वा मुत्र। देवे वे कुंश वर्डे अ खूद विद्या था लुका यका वर्डे अ खूद विद्या कुंद का मुद्र का है। ६४.ब्रूम.२८.४८.म्.क्रूम.क्रु.म.यम.वर्षायदेशयदेवा हेत्रक्षी विस्रमासः र्थे प्रिन्य रेत्। ते त्र दिवा वा प्रेत्वा या प्रेत्वा या सम्मा सम्मा वा सम्मा विकास के सम्मा विकास के सम्मान র্বের শ্রেম দ্বি নামীকা মারি স্ট্রিনেম শ্রী রমম তেন মান্ত্রির মারি মৌ কীম শ্রীম নারী বাম । क्रियायारेता देवित्रम्नित्रम्नित्रम्भवित्रस्य हिन्स्य हिन्स्य स्थानित्रम् ररः वीषान् वो तत्त्र न्यसु नते वाह्व सुरः विवा डेबा वासुर षाया रेत्। वाह्व नसूर षाने नवी क्षेट वी नवी तन्त्र वस्याय उन तन्या ने नवी व नु प्यी नु व व राष्ट्री न क्याया है। न क्याया व धीनुवारात्यासुन्यरायादीः सीवात्वरान्वान्दरायस्यायासून् सीवातनुरा ने वर्षा चर्ड्यात्वेय.वर्यात्मी.र्झ.वर्सेज.कृष.त्त्याकृष.कृष.त्त्रीय.क्रीय.त्त्रीय.क्षेय.त्रीय.र्थ. क्किंगरविरावरुषाग्रीषायहित्याविषाविष्याप्तित्यारायविषायविष्याचित्रायारायविता। वित्तस्यवाग्रीनिष् र् हे न इस्र भी साम का की साम किया हो साम की साम त्रायहर्। नेतर्युः हायस्यायस्य। नेत्रयाधीन्त्रयायस्ययानेते स्वरानु ॲंट^ॱचॱरेट्रा देतेॱॼ॒॔॔॔ॱत्र्याः त्रराः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स्वार्थः स श्चेत्रयायदीः भी प्रसेत् त्रस्यायादा। ।दे द्रवाणी द्रवासा हेसासु सेत्रा । भी द्रवासा यह्रवा.मेंब.रच.यह्रवामा.लमा । ने.रचा.श्रीर.री.घर.बीर.क्रुच । वृषा.चार्यरमा वयः दवो वर्षे सहि । वर्षे दे त्यः वर्षे व हे दे दि सम्बन्ध स्तरे के या सुद्र या वर्षे

श्चित्रःकृतःह्रत्रः नः सृतः याव्याः यास्यायः यान् यात्राः में सी स्पृतः व्याः याद्याः याद्याः याद्याः याद्याः थानाशुर्याते। ब्रिन् श्रीकापी नृजाकासर दे खूदी नामका यान में नियाने निया सन् न्वींदःददेःवावयःसुर्वेदःह। दयःकेयःवसूवःवयःनेःद्वययःयःवद्वयःनुःवेदःवयः धुराञ्चाप्यायार्थेटाटी ब्रिन्शीयालयाम्यानुयायाने ने नेव केव ये निटाञ्चव ने येग्रायार्थियायार्थित्यायाचेट्यार्थेद्रायार्थित्यायाः चीत्रायायाः चीत्रायायाः चीत्रायायाः चीत्रायायाः चीत्रायायाः म्राया कर्न क्षेत्र के नाम्या ने नामित्र के निष्ठ के निष् पर्ट्यायुर्द्दात्र्वाद्द्रिः द्राप्तरुषायायायायात्रापुरः श्रीः प्रुष्ता दे द्रस्य श्रीकार्यः रूटः मैश्यनभेद्रत्वस्रश्राश्चीस्यम्य। देश्यत्रसम्बिद्धाः वेद्दर्द्द्रम्यम् स्रोद्दर्द्दर् तत्वा नर्देशत्वे राष्ट्री सकेन प्रति भी मुन्ति है त्वे राम्य सकेन नुषाम्य स नुःचर्यवाषायदेःनवोः सन्दः विनःयरनुः नः द्वेतःनवोः सन्दः चनः रेतव्युवःयने। नवोः इ'वर्दर्'यदे'कु'वर्षेश'द्रमे 'इ'वर्देशश'स'र्शेट'र्मेट'यर'वत्व्य'द्रमेंश'य'रेद्। सुवान नवर न रेत्। दे कुन वे सार् से प्रवेशिय र सावन्। नवे सार्वे र त्रवे वा नुतर तर्जे न रेन्। नर्रे अतर्जे र जी अर्केन य लेग सुरा न विया सेन सा यः भेतः ययः इताः क्षुत्रः हे। शुर् ग्रीः क्षेर्याः न्दरः ययः श्रीः वः याः वृः तुः वार्डेवाः याः कृताः याः त्रयः तह्वा नव्या र द्वारा द्वारा के त्या के

श्रियाधवायारेत्। वस्रसायात्वात्रात्ते हेर्स्सायाहेवासात्रवीसायासारेत्। वेदिःवीः न्देशचें चेन् स्त्रेन् न्त्रों व सर्वेना सर्वेन् प्रवेश्व स्त्रेन् वस्राया स्त्रा विष्ट हुन्। यने विष्ट हुन् यर वर्देन यया व द्रोवि सर्वेवा सर्वेद द्रवेचि वा स्रुट्य या रेट्। सर्वेद या वत्या या वर्दे या नगाव निरम्भ या में दास इसायस प्रदेश में रासी में मास प्राप्त की ५५-पः प्रेन्द्रिः व्यक्ति व्यक्ति । प्रकेन्द्रिः यक्ति । व्यक्ति । व्यक् तत्यः द्रुषः रदः मी द्रवदः येदिः अदेव स्युष्ठाः क्यीः सुद्धि । प्युषः द्युष्यः द्युष्यः स्वतः सुप्ता व्युष्यः सर्वेदः हेन'गशुर'रय'वर्दे'द्या'य'सकेंद्रकें। दे'द्र सक्सद्रुसद्रुस्सुस'शुस्रुक्टें याश्चरावतः भ्राम्यस्य श्वायाः हेरा ५८ । ध्वियया वर्षते वर्षाः हेरा श्ची वर्षाया र चर्षयोग्रानपुःग्रम्याः मैयान्दः चिदः क्षेत्रः श्रोत्रायः त्याः श्रेत्रायः यात्रायः यात्रायः व्यात्रायः व यर्केन्'न्न्युय'र्ये व्यय्य'रुद्'त्य'द्येन्या'हे। दे'व्यय्य'रुद्'त्य'यर्केद्'य'त्व्युय'वदे' श्रेश्वराश्चित्रायसेत्रायाने हिराद्वेश कुवायाश्वराद्रायस्यायाने स्वीरायाश्वरा मदः बिरः नरः चर्चेन् वस्या ग्री बिरः च्चा व स्मेन् या रेन्। सर्वेन् या वस्य वा स्मिन्या बुद्दायावदीयकेद्दित्रस्य स्टेन् ये प्रित्ता स्टेन् या स्टेन या स्टेन् या स्टेन्य या स्टेन त्त्रियः नवेषा प्रवाक्ताक्ष्यायम् अष्यः वत्रायन् वर्षः वार्षः यार्षेषा पनुवः क्र्यात्रामित्रहेषात्रवात्रापुरभी वर्षुवार्श्चेवा तुषाग्रामा स्वरास्त्राम्या स्वरास्त्राचा स्वरास्त्राचा स रु'तर्वे पॅर्'य'सू तु'क्षेत्र'यर। कु'नार्डंट'नी'पॅत्'क्रव'न्यथ'त्नीन'र्के तुराद्रश यन्यया यनुत्रः कॅरव्रः वी कुं है सास्यः येरासायहेषायरावान्स्यावरा म्यानाकम्यान्यान्यान् त्याने त्यन् सी सुदारे । । नेति मिन् सिक्ना मुस्यान्या अर्केन् श्चेत्र श्चेत्र मानुस्य प्रदायमा या स्वापन स्वापन स्वर्णन स्वर याद्रः अ. ध्रुया. स्थ्या स्या स्थ्या स्या स्थ्या स् वर्कयाने। हैन प्रतिन हिंदा हैं या होर या रे प्रोत हुपान है वह दे से प्रवाद राज्या श्रमः भ्रम्भुः सुत्राः नुष्याः भूत्राः द्वी वर्षः स्वर्षाः स्वर्षः स्वर्षाः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्वर्षः स्व व। न्रोविः सर्वेवाः रेवः केवः इसः गश्यः हेवः न्रः पठशा । पर्वेनः वस्यः चर्यवायायदे:बुटायक्रेवाचलुवायावार्यवायावक्या । ।यायुयादे प्वागाुदाग्रीःश्चुदा त्रमान्। विष्यान्यम् स्राम्भवः स्राम्भवः । विष्यान्यः । विष्यान्यः । वया ।गुवःमद्विवःभोःवेयःसूरःचः व्याःसरः विवा । डेयः न्राः नेदीः सूरः नुः न्हूं गाः थः छ। दुं हे इसर से त्व्युस दुं त्युर न्यर वेवा इडेश क्वेंत : यस स्वाया दर नरस यार्क्रम्यनुत्रारेष्पत्रकन्द्रार्व्यन्यस्त्रकृत्वराक्षेत्रम्। न्गेःश्चेर्म्यात्रस् सह्याः हुः नर्श्ये नः प्येन् : नर्शे सार्च : स्थ्रे सार्च : स्थ्रे सार्च : प्येन : प्येन : प्येन : प्येन : प्य नर्मा निर्देश विद्यालिया विद्याप्त विद्याप्त विद्यापिया विद्याप्त विद्यापिया विद्यापिया विद्यापिया विद्यापिया इस्राम्बीम्याग्रीस्रकेन् हेत्रलिमायासे वेट न्दर्श्वरासे केन्ना पर्वराम्बर्धाः बिट-सुन्नावर्मयः हेर्न्स्नेत्रः यसः निन्नायः सेद्। सद्यः सुन्नः सुन्नः सुन्नः स्वतः सुन्नः स्वतः सुन्नेदः । ब्रिम्स्येम्स्युदिः वाद्यास्युः ब्रिद्धः वायेम् स्दिन् छेया चुः वम्स्युः वास्तुन्या ने स्वदिः यहः नुः भ्रीयायाम् मा हिर्दे क्षेत्रा में दिन हो र मा र तर्म मार तर्म प्राप्त हो स्वार मा मा स्वार हो स्वार में स्वर में स्वार में स्व वेयायर यहूरा चेट जूर या श्रुँ र संय श्रंभा कूर्या या ख्रेया यी तीया यी स्था हैया सी अट्याक्चित्राक्चित्राचार्यात्राच्यात्र्यात्र्याच्याः अष्ट्रितात्रवीतार्थेताः योल्. भैं यो ने स्थान स्

यःस्यानःयनः विनः स्वाप्यरः केलिया सकेन्यात्व्यान्ति नरें सार्वि। गर्गम्य स्था सुस्ता देविया रेस्यरम रेगानु तह्यामा यर्देरवः भेदःदुः वेदः चवेः दृदेशः यो ग्रादः सुवा वः सवः भेवः केः चः रेद्। यदशः क्रुयः इस्याचीचेन्यायद्वादेवादेवादेवादेवाद्वायाया वित्तुनाद्वस्याद्वराचीकाचीकाद्वा केत् भेरिकोन् यर अदे स्वित्रा वाष्ट्र या किवा है बात्वा कु वार्ड र अ वार ह्युवा वा गर्भरक्षि:तुर्द्धः गर्डमः व्यद्धिः सन्देते वदः तुः तयदः स्रो से व्यदः गर्डदः सन्विमः मीर्थः देवै व नगन दश्य द्वी व दुव य थ खुर्या द्वी व दुव य व व व रेश हु व श्वे य । ववायः रेषः विः चन्या ववायः रेषः सूरः च चे नः विष्ठः चुनः चुनः च चे वे च के नि र्थर्या श्रुन्य र श्रुर र य रेन्। य पर वितु विवा वीया ने य विद विवाय विवाय या वर्षेन् श्चित्रवार्त्रोट र्नु पर्योद रेस्से स्वराया वर्षेत्र पतित्व रायोद रामा स्वराय साद्वर प्राप्त रामा स्वराय साद्वर श्वत्याश्चरः वादः व्यद्भारः वाद्याः वा ख्रूद्राच बेद्र भ्रीत्रद्र दुव्या विषेषा श्रुवाषा गार विवा सेद्राच सेद चबुदुःचन्वाःसःज्ञानकुन्द्विरःचुरु। चकुःचुव्रःस्युयःस्रुःस्यन्त्वःचह्र्यःयदेःचरःयः मुर्यानुयास्या वितुतिवियाचीर्यान्यातिविद्यान्यात्रात्रीयः यात्रीयायात्रीयाः चर्यात्रम्याक्तियाम् स्वास्याया हितुः वर्षे । चर्षे न् स्वर्या वर्षे । वर्षे न् स्वर्या वर्षे । वर्षे न् स्वर्या यरत्रह्मान्द्रभूति नुप्ति हुर्या क्षुरावदे कुया में बिया मुख्यूर। नेदे नुषा सुने विवर मिनेम्बर्धिः भूमित्र मी अर्केन हे ब हो मिलेम मिलेम लेखा सुर म्बूबर या रेन्। वुं,याया अर्केन् हे वाचुं,याय लेट्या यायवाने में साध्या प्राप्त के वाय याया था छै। वर्शेन् वस्रमास्रोन् व न्यायदे स्त्रोसान् प्येव वद्यास्य विष्ट्रा वर्षेन् स्त्रा वर्शेन् के स्तर प्यापित तर्वा विवास्त्रेत्रात्रेर्ह्ह्यास्त्र्वायाः सहर्त्त्र्यात्रेत्वायाः विवासाः श. मूर्य. तर. पर्द्रा. त. जै. पर्से प्रमी पर्से प्रमा पर्यो यस्रेवः भरः दर्भः ग्रीयः भः ग्रीवरः। वस्राधावतः भः तस्र रः हे स्वाधायः वस्रवः भरः 'युवाक्षे'न्न्याकाक्क्षुका हेव'विवा'वसुराहे'गेंद्र'देंगिका'डेवा'व्यायेवकापेंद्र'नुका यावतः र्वेव साधुयाया ग्री है विति स्क्रुप्ता स्तर प्रस्था विया या विवा विवा विवा विवा स्तर प्रस्था है। गिर्देर श्रीत निर्देश श्रीत त्वरा श्रीरा श्री निर्देश श्री स्त्री सार मिलिया यी साद दा मानुसा है । तर्से ना श्री रा वैवायान्त्रावर्डेबायाञ्चराद्धरावेदायावेवार्येन्यारेन्। क्षुराद्धरान्त्रावर्डेबाया वितः स्टि नः सेन ने व्यक्षः श्रीन्त्र न विष्णा वात्र स्कूष्ण हत्व स्वायः व्यवसः वार व्यक्ष ग्राम्य विकास विकास वार्य स्था विकास नेश्व रद्या वर्षे वर्षे द्वार्थिय द्वार प्रस्तु प्रविष्ठ स्वित्र स्वित् प्रदेश प्रदेश प्रदेश स्वित् प्रविष्ठ स्व देःगयः केः यः रेदा देशः वः सकेंद्रः यः यत्या यः यदिः गयः केवः वदः गीः देवः केवः रेदा देवै'दर्देश'सु'वर्चेर'ववै'सर्केद'य'वसूत्र'हें। । गार्हिश'य'भेद'ग्रीश स्थुव्य'यवै'सर्केद यात्री भीत्रञ्जूयाचगाःविषाद्यसम्माषाःदेवाकेवाचतुवा विषायदेवेःकेवादिषाः यर्चेष.त.पुरी ्र इंश.प्रक्रीट.क्रै.पर्टेष.ट्रेट्यो.लूट.क्रुंश.क्रींज.क्षा.श.लूष.क्रेट.क्रीज. श्चेन श्वरावत्त्व नर्देषा सुद्धर वन निर्माय साली तत्वा सामा हिर्माय स्थानक्किन नर हिर्माय वक्करनेर्नाअग्रम्रन्त्रव्यान्। धरन्तेर्म्यनेष्ठिरधेरन्त्रभन्देशत्वेरित्तेन्

केवा नममान वित्यामा स्ति वित्यामा स्ति के कि कि स्थान व्ययः क्रेवः भें उवः क्षेः क्षेत्रं प्यायः दुः क्षु रः यः या वा हिवायः रदः द्वारः वर्षे रः क्षुः विवाः येवः यः अम्मेत्। अण्यान्यक्षायाञ्चेषायावद्गेळें क्रिंत्यान्भेण्याहेत्रक्यालेणाचेत्। देन र्क्ष्य अङ्ग्यातन्त्र्या कुति अङ्ग्या क्षीत्रे निमानम् । स्वाप्त अङ्ग्या अङ्ग्या अङ्ग्या । स्वाप्त अङ्ग्या यह्रेब हेब हो न स्वाप्तक्रा देव ह्या म्याप्त हो लिया व्याप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स क्रिंग वेरिया सुवा सुवि विराविस्या सह्या दुः वत्या प्राविष प्रति स्था विषा से । ने न्दरम् केषा या सेषा विषय प्रति स्थान क्षुन्य सर्वेद्व दासे विन्द्रम्य जाञ्चायाता र्जून यद्या क्रिया या व्याप्त विष्या या श्चेश'नक्षुनशा देवे'सर्वेद'ग्वेद'नशेद'द्रस्थानशेषा'यवे'केद'द्रु'स्ट'रेश'वर्ठन' ब्रेन् भ्रीत प्यानेन। यह या क्राया विकास विकास विकास विकास के विकास विका यःभूर। रदःरेषःग्रादः दृद्धः दृगारःश्चेः सेः वेदः दृद्धः वैदः वाष्यः वः वः दृशेवाषः हेव नुष्य हे से व्येट सुव्य व। रट मानव से सम्य उत्र मस्य य उत्र प्राप्त के दिया है व र्धे वित्र व्यान्देते त्र व्याया तुः न्यायते केवा श्रीने वाया त्र व्याया वाया वाया व्याया वित्र वित्र या वित्र षाष्ट्रीतास्यानयानेदादे तहित्राष्ट्री वर्षात्राच्यायान्द्रा व्याद्यायान्द्रा वर्षात्राच्यायान्द्रा वर्षात्राच्या सर स्यान स्र में में सर स्यान का हेंद्र स्य प्र का परि द्वर होता होता होता है से स्व वर्केट मीया सुन्दर नासुवाना भूरादुराना सुवानया स्रोतिक निर्मेषा सुन्ते से देश स्रोति । देव्या से विष्तु रामा रेत्। देव्या मुखामा रेत्। विष्य मे स्थित हेवा चैवाचास्वाचास्याचास्वाचास्वाचयाहेत्रावद्वेवाच्छान्।हेरात्युवाचास्वाचास्वाच्यास्वास् विष्यानस्यानस्य म्हरम् स्यानमार्केषा ग्रीक्षान्त्रम् क्षेत्राचा प्रमाने शुः पुरुषः गारः रेत्। धुः गारः देः हेषः पुरुषः गारः सुः यः यश्यः सुर्वे वर्षः सुर्वे । सुसार्क्षेत्रासायन्ता देवसार्याचेत्रात्वेत्त्रात्वेत्यायाचेत्यायाचेत्रायायाचेत्रायायाचेत्रायायाचेत्रायाया वर्षार र्रा. व.र्र जी. वि. बाहेश या. लूरी यी. व. क्रेंट व्या. वेश बिर्श संजा थ्री वि नियम बी स्थारेन। ने के स्थान समित्र नियम के स्थान में नियम के स्थान में स्थान में स्थान में स्थान स् यर. भेवा प्रथम वर्ष अर्केन प्रवेशिय प्रेन भूवा प्रमान स्वाप अर्थ मानुवाय नक्ष्यात्रीक्ष्यात्रात्रीयात्रीयात्रात्रीयात्रात्रीयात्रात्रीयात्रात्रीयात्रात्रीयात्रात्रीयात्रात्रात्रात्रात्र योक्यायान्त्रा लेखियायकाप्ट्रियास्त्रीयस्त्रीयस्त्रीयस्त्रीयस्त्रीयस्त्रीय न्'त्रमूर्'नर'मः मान्या मान्यास्य स्थान्य स्था ब्रेन्यर्वे ।नेयबेन्द्राच्याःबेशःह्याश्चान्यक्तन्यःवे। यानुवाशःन्दःवाश्चेरःहः बेरावारेत्। गृतुग्रथात्रायार्थाग्रथेराष्ट्रीः युःचारुद्रार्थेय्वार्थाः ग्रीत्यसुराष्ट्रीता याच्या देव द्वाकुष्य म्यान्य व्याच्या याच्या व्याच्या व्याच्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्या ञ्जूनानी सर्वे नद्भारति न निष्या स्त्री स्त् थॅर्न यन्त्र विकास [य:क्क्रुव:ठव] व्हिट:कुव:बोख्य:द्रवत:बाल्वव:द्रेव:दु:क्क्रुं:व:विल्य:विक्य:विक्य:विक्य:विक्य:विक्य:विक्य:विक्य पश्चिता अटमाम्मिमाग्रीः स्वामामाश्चितः परिः पोन्नामिटः सम्बतः सेट् स्यास्त्रेत् स्वेटः

रेव केव न्यया क्री चेतु तहत तेन् क्री यह नविव क्वा मनुवाय न्य वार्यय र मुख्य य यन् यानुरान्गारान्यवानेतुः कुवासर्वन रेन्। श्रीतुन श्रीन् यदी कुवानुः श्रीन्तुः तयर न्यार व्यवायो निर्वे से तुराय दे हुवा सर्वे । देवे से र नु विकास के नि विक्रां विक्रां विक्रां विक्रां की विक्रां विक बुषाग्रीःश्रेटावषाष्ट्रायरार्षेद्रायारेदायषा। वद्वीतः विद्वीद्वीद्वीत् श्रीः सुद्वाः यहतायाश्चिताया ह्वायावश्चराश्चीत्रदावीत्वित्रावीत्रीत्राचीयाचीया कुरु सी कर यर ब्रेरिय विदेश वह हिना या भीना प्रता विदेश या विष्ठा विदेश सी सामा वतः सद्यः वदः विवायते द्वदः ह्वा यः विवारेद। स्वावत् वः वीः वदि वर्षे दे विवाये विंदर्भे क्षुराविः कुथाये दे केँगावर्षे द्वया ग्रीक्ष्रेवया ग्रीया गुवार्थे दावा कुथाये यर र तर्वे तर्रे र पदे र पदे र पदि र वे र वे र र याम्मर्यास्य स्वर्धेर प्रिया विषय प्रिया स्वर्थेर स्वर्थेर प्रिया स्वर्थे स्वर्थेर प्रिया स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्थे स्वर्थे स्वर्ये स्वर्थे स्वर्ये स्वर ञ्चन्या भी वित्र यस बीया मी त्या हिया दित्य हिया दित्य में स्वर्धिया दित्य में स्वर्धिया दित्य में स्वर्धिया स कुवार्यावा विदायर पेदि। विदास क्षुर क्षेत्र विदायर देखे की की पेदाया रेदि। यन्तः स्वायदेव द्वेन या सेन स्वया क्षया श्वीन स्वायन्त्र देवा विकासी स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया न्दः वे रामुः रेव केव न्वों वा वर्देन गाव व्यव्या न्युं वा वर्यं वे विकास विदास विदास व श्रुवायातुर् सेर् श्रीकृत वकुर र्र व्यापा क्षेत्र ये दिन ये कि वेर सार्श्वेर र्र वर्त्तेर न सुत्र सुत्र केंत्रियाय। न्नूट में देत्र में के न्नूट केत्र सवा न सेंट में सेंत्र या प्र

व्यवःय। हः अर्केना रेव केव उदः वेषाय क्षेट्र नाशुक्ष प्युन् क्षेत्र ना न्यंत् रेत केत क्षेर क्षेत्र क ने भुन्तु त्विर वे क्षुर प्रते कुषाये वा प्रपर प्रते कुषा श्रीत रेव केव प्रत्व प्रतः हो प्रते देव केव मनुव थ सेवास मने के निसेवास हेव में धेर व ने थ माली मानुमा से प्राप्त धिन ग्रीस न्यम हि सेन या सुवा हे सुवा द न सेन दसमा सेन में न सिन या रेन। तयम्बायायात्त्रातुः तत्र वर्षादेश्चेर्यः द्रयम् तत्र स्वरं सर्वेदः स्वरं सूत्र । देते सर्वेदः ह्याक्षुरेरेरेते से त्राणट तें द्वेर सर में तिर्धिय हे देते तें देते से से से त्री क्षे से त्राणट गुक् हु चबर ये रे रे खूय। दे प्यर दयम हु सेद यदे सकेंद्र खूँक बद य सेद य स्यानासूर। ने निर्देशहरास्य स्वर्धा स्याप्ति स्वर्धाः स्वरं स्वर्धाः स्वरं स्व इसा क्षेत्र अर्द्धन हे प्येन सुवा क्षेत्र अर्देन या सु अदि विद्या हे व क्षेत्र विवयस सु प्येन स्ट्रन ने नग क्षरा र्या हैन की बार मान्या के अपने कि स्थान के स्था के स्थान के वर्त्तेर पाष्ठम् अर्थाः सुर्थाः सुर्थाः स्वर्थाः सुर्थाः सुर्वाः सुर्थाः सुर्याः सुर्थाः सुर्थ स्रोदाविराद्यात्रस्यायायायुवादास्रोत्रस्य स्रोत्रस्य वास्त्रद्वात्रस्य स्रोत्रस्य स्राप्ते स्रोत्रस्य स्रोत्रस् कुर दिविच दर्ग द्वीं या या या ये द्वा कु विचा यो या या विचा चित्र सीत्र विचा सीत्र या विचा सीत्र वि यर्चर-व-तिव्य-तार्च्य-क्रि-र-तर्थ-ताःबुवा-क्रु-बिवा-भ्रेर-म्वाय-रेर। देश-व-त्युयः रवा वी तर्वे र प्रते र देश तर्वे र स्कुर स्कुर तथा। धेर सुवा प्रथम की या स्वी र स्वा प्रथम स्वी या प यर्केन् श्रेव श्रेव अन्तर्भित्र श्रेव विषय स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वर्य नवींबायायायेन। रदावरेन्योन्यरान्येवाबायोन्यीकाचेन्यायेकन्यान्याः हु त्व मुद्राय देत्। दे भेषा दर्दे या वर्दे दे भेदि सुवा मुद्राय मिष्ट से विकास के व याशुक्षायायार्देन् त्रवायुवायदे त्राकेन्यात्री यार्देन् त्रवायुवायाः क्रेंद्रायाशुक्षात्रहेवाः हेब छी। । ब्रीट पति रे राय है ज्ञा द्वीपाय है। । पूर्या शेषी पे दिया हुँ र वस्र या उर् गुरा विं धेयान्तरयाने तेर्दानयमा योदाया विद्याया यद्याया विद्याया विद्याया विद्याया विद्याया विद्याया विद्याया हेरी क्रेंचरा ग्रीया विषया विषया बुद्या है। वार्ने न्यया बुद्या या के वार्ने न्या विषया विषया विषया विषया विषय त्दीःष्ट्रवाषाःचीःष्म्रवषाःवषाःवासुरषायदेःवादेनःयदेःवावषाःस्वाषाःदेःयाःदेन्। वर्देवे महेंद्रास्त्र वर्दे वर्देवा हेत्र क्यायाय वर्षे भ्रेंच्या स्राप्त हेता स्राप्त हेता हेत्र क्यायानुषात्रयायो कुंतियात्यायों कुंत्रेन। याने न्यायायायो वित्रा हेता क्यायायो र्टार्ग क्यायायदुः चस्रीयाया ह्यायायया चर्चा स्रीति स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीयायहिया हेत्। ह्रेट वस्य दे वेट दु चत्र प्राप्त प्राप्त स्थान विष्ट स्वाप्त स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स स्या प्रमु त्यते भ्री र तहेवा हे द भ्री क्या य प्री प्रया य स्वा त्या स्वा त्या स्वा त्या स्वा स्वा त्या स्वा ने न्या वे यानुत्य नुते क्वें न्या वर्ळ्य यस या सुन्या यो ने विषय या विषय यो विषय यो विषय यो विषय यो विषय यो व चिन्यासारेन्। कॅन्स्यायारवाचनान्त्रान्ति चनावी सुर्धिन्यायायाची वायासासान्त्रान् यक्षियात्र न्या पर्यः स्रूटः यः नृदः स्या पर्यः स्रूटः य। यहिषात्रः यद्युयः सार्वाद्याः श्रीः विन्यम् वा सेवास्य प्रदे मेन् हेरा विस्त विकासी सेन्य मुंदा मुंदा स्रोता सेन्य स्रोता स्रोता स्रोता सेन्य स्रोता सेन्य स्रोता स् यर वी र्क्त रेवा प्रया श्रया श्रेवा वी र्श्वेट क्या श्वेट हे नक्ष्य द्या तु स्वा वात्रया प्रति या यित्रियर्दे रियार्के विया मुखर्मिर यारेद। र्केट 'तुषा ग्राट 'दर्देश खुरियार्के दे 'ब्रेसिर केया' यारेत्। ने ने दे दे दे रायने वायारेत्। गुवा ह्रियायने वायदे कः व्यव्या व्यव्या व्यवस्था तह्याञ्चीर वी याञ्चर तर्रे हु र्रर स्नेयाया विषायया हु धीया यर पारेर्। वया यावर सुर या यहेव वया विवर क्रीव प्येर्ट या लेवा रेर्टा इंट या यथा यावत या क्रुदः यहेव दे त्या कु पी सुद से यहेव। ।दे त्या या केव त्यदे यहेव दे त्या वर्शे या वहेता । वासुरस्य याने न्दरक तर्सेन प्येर वारेन नुस्य तिस्तर स्यारेन या यभिषानाति तहेया हेत कवाषा न्धित्या भे ज्ञते त्विर त्विर त्विर त्विया है। क्ष क्षे त्या क्षेत्र प्रत्य प्रत्य स्थित स्था स्था प्रत्य क्षेत्र स्था प्रत्य स्था स्था स्था स्था स्था स्था स श्चेर्याय मुद्यात्रा विष्यात्राच्या विष्यात्राच्या स्थाप्यात्र स्थाप्यात्र स्थाप्यात्र स्थाप्यात्र स्थाप्यात्र स्थाप्यात्र स्थाप्य स्याप्य स्थाप्य स्य स्थाप्य क्ष्रः श्चीः विश्वास्त्रः स्त्रेनः संस्थाः स्त्रेनः स्त्रेनः स्त्रेनः स्त्रेनः स्त्रेनः स्त्रेनः स्त्रेनः स्त्र क्रीः सर्दर् यदर : क्रिंन् सा सिक्षा : यो विषा : यो विष्य : यो विषय : यो तीयोग्राम्भीतह्यो हेष.क्योग्राष्ट्रियादी हियाग्राम्बर्धाः स्वाद्यः सम्बर्धाः समित्राः समित्राः समित्रः समित् यार्वेदयादान्नेतीयदयाक्क्यान्नीयान्नितानेदानेत्राम्बद्धान्यानेत्राम्बद्धान्यानेत्रा रदःरेषान्वन् भ्रीतः व्येद्धः या दे स्कूदः मासुस्रास्त्री स्रोदेदः भ्रीक्षेदः विस्राया सुना वर्त्ता वर्त्ता वर्ता वरता वर्ता वर यावदी देवेवराषीकाम्बराकुराकुराकेराष्ट्रयाष्ट्रयाम्बर्यान्यस्त्रस्त्रे न्वीद्यात्रयायावतः वृत्तुः सुन्दः प्योत्येयातन् त्वायायो न्यतः न्योद्यायाने त्यया हैदःयःहैदःवेदसःह्युँदःयदेःदेन्।याःयःयोःवेषःयःयःदःयुदःवःयोदःय। देःयसःहुः ग्रया देर् ने र प्रया श्रीया से विष्य पालिया होया है या है विष्य सुदि लिए प्रता स्था सुरा र्भमा से न दुः हुन्। ने न मा रे रेस ग्रम् हुम से सम मा मा सम सम से न श्री है न यहूर। जूर्यासी र्ट्यासी र्ट्या संस्था संस्था स्था स्था स्था स्था संस्था स्था संस्था स्था संस्था स्था संस्था श्री विचाय र्श्वेस है। सूर्य सुराय स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स् योन्। यथा श्रीका यो श्रिया यदि देवा या है देवा वर्ष या सूर सहर ग्रीम बिर विस्थान गेरिने वर्षे देव सहर सुर्था दे मुर याया समार्से यहराम् के त्रदालिया प्येम ले मा वीरा दुः यम दाया स्वया यदि के मा सुदे दिवीर भारता बूर-बून-धेन्नर्गेन्यन्त्रा थे:वेबार्यः बूर-नदेः देन्याबाख्देन्द्रः नी:इब्राबूर-नी:

मुज्ञार्थां मान्य र देन ने र स्रें या है। वाले निर्म्स से से से मिना की या की समस्य से सिर्म विष्यमा क्रि.क्र.क्री.क्ट्र.वह्मा.हेब.क्री.विष्यमायवीत्रास्या.टीया.क्रुप्र.रेजा.सा.रच.क्री. ग्रम्थान्तायक्रम्यायदेःवितायम्बर्भस्यायम्यमित्यम्यस्ति। नेःसूर्यम् केत्र ये दिते स्ट्रेट त् इया सूट वाट्या केत् या केति सु स्त्रीता गुट वार्डवा वीयाय र सूट विवा यर नतुवाय वया भ्रा के नदी नर्गे दाय शे वार्षे सूव न्यून मी कुंवा दानतुवाय विदा श्रुदिः वाश्रुदेः विदः वुः रेः रे व वा ग्रादः श्रेवा कुदे कुव द्व सववा निर्वा केव स्वर्धेरः वव। दे য়য়য়৽ঽৼ৽য়৽য়ৼয়৽য়ৣয়৽য়ৣ৽৾ঀৼ৽৻ঀয়য়৽য়৻ৼয়৽ড়ঀ৾৽য়৻ড়ৢ৾য়৽য়ৼয়৾য়৽য়ৼয়৽য় ঀৢয়য়ঀ৾য়ৢঀ। देवेॱয়ৢৼয়৾ৠয়য়ৼয়য়ৢয়ৼৼয়৾য়য়য়ড়ঀ৾৾ৠৼয়য়ৼ৾ঀ৾৽ सह्री ट्रे.लम.क्रट.विट.तर.टे.बिया.भभम.चलया.यी.बिट.यी.बिया.भभ्रत.टे.ब्रिस. क्षेत्रः क्षुः सक्षेत्रः प्रतियान्तरः वर्षः न्यून्यः स्त्रीयः वर्षा देवः यद्वतः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः यदः ब्रेट : नृत्वेद : विस्राय के : वृ: सः यु: य के वाया स्राय विस्राय के वाया स्राय विस्राय है । व गस्र म्रावाय वित्र मित्र स्वेत यय स्वेति तर मी स्वाय हिते स्वाय सी विर विस्या रदः रे भेंद्र राज्ये अहेद् ग्रीकेट तदी ब्रह्म यर केव मेंति केद भीव प्राप्त ग्राय सूत्राय हैं हैं। बेवा या कें वाडेवा वी बोवा वती केंबा दे त्या वेंद्र बा क्षेत्र पुरिया दे तदा पीवाया सेद्र । न् बेर्यामें रिन्न्यम् प्राप्ते रावहेत्र हेत्। वस्याधी स्त्रि रेन् न् बीययायने रेन् हेया वनामार्डेन् व्याप्यालेना ध्येत्रायाया सेन्। यन् नायावनाया सूरामर्डेया सूत्रायन्या र्जर्याक्षेत्रिक्ते में निर्वे स्वरं स्वरं दिर विर्यं स्वरं स्वरं स्वरं विर्यं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स नुः पदः साद्धियः याद्ददः सेदः सार्थेद् यासारेद्। सर्देरः दाद्रसः स्वायतः साम्रदः स्वरः स्वरः साम्रदः साम्रदः स यह्नवाह्नेव क्रीतिष्रका लेका यहूर। क्रेंट वार्बिका द्वीय स्वापकी रूटी यहेतु क्रेंट यञ्जन्याया वयायायतः व्यास्त्र विष्त्र विष्ते विषत विट इस्र मार्चीट द्राया स्थान देश प्रति । विदेश । ब्रून् पञ्चन क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्याया व्याया व्याया विष्ट्र प्राया विष्ट्र विष्ट्र विष्ट यन्द्रायाधीत्। देवे वदावयाद्दराये हिवामिन विद्युद्धाया ह्या स्थान हेन रे या सेवासाय प्राप्त पहेन या सेससा उन या प्रमुद्र भीना से प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त में प्राप्त से स युर द्र स्य य सुरा स्वाय या सुर पहेत है ये च सुर में पहेता । वा सुर स यासूरा वस्त्रयाचाळ्यायाव्यायहेवासूर्याचितेत्वर वीसूर्यायते वस्त्रायाः यर.पश्चेता.धे.वी.ह्याया.तपु.राष्ट्रश्चाया.वी रट.तु.तीवा.शीवधः देश.तर.र्या.ता. यर्नेवानगरमें वेन नराखेवाळवाळा नेवे सेन न्यून की न्यीयाविन की चारा सुद्धित ह्युया से उत्तर होवा कवाया देते होता तुर्वे त्र होता होवा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त न्याः यीः क्रुः सर्वे क्याया ने त्यः या केषः तद्भे नहेषः ने त्यः त्ये नियः विषयः गर्युद्रयायासूरा देवे स्ट्रेट दुः द्वर केंद्र ग्रायोर क्वीया विक्रम्या देव स्ट्रेट ननुब अर्के ननुब नाये र रे रेवा अर्के न्दान्य या कन्या निद्या निर्मा स्थान चक्किन्द्रन्यरुष्ययाळवाषायाने त्याहेब क्षेत्रेष्ट्रेन् क्षेत्रका हेब बेषाद्या वहेब या बहा चकुर् क्षेत्रोत्रोत्राया क्ष्या प्रकृति वाव्या वायुरा चित्राया विष्या विषया विष वर्दे द्रषायर्केन्यायत्रन्यते स्नूत्रषारेन्। युः सु से भी वेदिषा हुर्ने वर्षे वायत्रित व्यन्यारेन्। नेषान्यार्श्वेरेषाक्षीन्यार्थात्रीति वहिनाहेन्येन्। न्नीयानि निया यन श्रीक भेरी नावका प्रति श्रीता साम स्थान स्थान का का साम श्रीता प्रति प्रति स्थान प्रति प्रति साम स्थान स्थान पञ्चन्द्रियाची क्षेत्रियान्याचे । अझे देश श्री यात्र व्याप्त क्षेत्र यात्र देन या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप

या बुवाया विस्रया या वया देया चुवा वर्ते दे खुवे वदा वया दे दे स्था वस्त्र व्या के व रैवाबायबिदे ख्रुपीव यारेत्। दे इस्रवायाद दुः कवाबापित छे व। रे स्वायी वदः रेवायिक में मानवासीय की सेटावाक वाया में विश्व के वाया में विश्व की वाया में वाया में विश्व की वाया मे रवाश्ची हे 'से व 'पेंद्र' पदि स्रुस हु स व स्रुस ही ख़ु व व स पेव 'प रेद्र । हे 'द्रवर स्रुस' कुं श्रे.चिष्ठेश्रान्तर स्त्राचि द्विष् न्दर स्रीयाक्षेत्र चिष्य चिष्य चया वया स्वयं स्वर्धिया स्र कवार्यायाची वर्तते स्वतः स्वतः यावि व्यायहेत प्यते वर्ते न ख्रा से व्याया स्वतः वर्ते न व्याया स्वतः स्वतः वर् वर्चे रामासुन सुमार्केन सामाधिन यारेन। नेते स्ने रामु समाधिन याने ने प्राप्त स्वाप्त स्वापत स वर्रेन् भ्राप्तवी यार रेन् चेर वा अर्थे या न्याय स्वा वस्य न्याया म्बर्यातस्य नियम् होत् सुर्यास्य । स्यातः स्यात्रे स्यात्रे स्यातः स्यातः स्यातः स्यातः स्यातः स्यातः स्व लेगम के मुस्य मास्य के मिन म्बर्यत्य्यान्यम् होन् सेन्। स्वर्यायानहेत्यायानहेत्यामहेत्यामहेत्रामानहेत्रामानहेत्रामानहेत्रामानहेत्रामानहेत् यावतः नदः याः या यहेवः यदे तदेनः भ्रुः देवायः द्वा छेयः यहेन। देवे स्रेदः नुः वयः यविदःद्रयः परः वृत्र्वयः विययः वृद्यः रेयः वृद्यः द्रद्यः कव्ययः पेर्ः यः रेर्। यविषावह्वाः भ्रें याद्यदाया न्दाये राजेंद्र यादेवा स्वेद्र यादेवा स्वेद्र यादेवा स्वेद्र यादेवा स्वेद्र यादेवा यस्या । यस्ट्यायास्या प्रयामान्त्रा प्रयामान्त्राप्रयास्या मशुरादी कॅटबारीबार्टा कॅटबायायातुन्तातर्देन। कॅटबाकेनार्टा मशुसार्थे। १२वे विमानु महिषायर विन कुर केन सेन विन विन यानाया । यान्युरमा यान्याया विषयाया विषया विषय ক্রিমা ।বার্থদেমটো বলমাবাচ্ব বার্থমান্ত্র স্থাব্য বা ব্রাক্তি । र्व्यन्त्रम् न्वो क्ष्याम् स्वास्त्रम् न्वे स्वरं स्वास्त्रम् न्वे स्वरं वस्रयाञ्चेया विद्ययाद्युक्तेः वस्रुयादे स्ट्रेट वावस्यावर्दः स्था विश्वके से वाद्या विव हु : सर्वेद : य : द्रा । क्य वेद अ : सूद : देवा : स्रीव : दर : य कथ : य । य । य । य । य । य । य याह्रव, त्वल, त्रवे, याव्य प्रमान क्षेत्र, त्रवे विष्य या श्रीत्र या त्रव्य प्रमान व्यव विषय या श्रीत्र या व्यव गहर नले यर श्रेर में रहेर्। नर्भेर रम्भेषा वन्न मुर्म वन्न मुम्म देवे स्ट्रेट दुः तथवा रायवे वा तरा वा र्वेट स्ट्रा स्ट्रें से से से वा से वा दुर वा वी त हुः अर्ह्यता क्यार्च्यासूता देवाः भेदाने पक्कात्रीता । प्रमासामा क्यार्चिता सा यानुवार्यात्रयस्यावर्यः देवार्यः वर्षुः वर्षु वर्षे । । देवेः स्ट्रेटः द्रः वानुवार्यः सेदः स्ट्रेटः व सु:पर्व:क्रम्ब:प्रेन:पर्दा म्ह:रेन:क्रम् व्यास्त्रस्य स्वर:प्रब:वेब: सम्प्राप्यान्ता । के.लार. भूने.स्ट्राप्ते. भूने.स्रीत. स्रोत्या । यान्याया स्रोत्या । यान्याया स्रोत्या । भक्रेन् स्राप्तवि विभावा हो। नि स्राप्तस्य म्यास्य स्राप्तस्य । इसः यश्रियायास्या वयायावतः यवतः प्रयास्त्रीः क्षेत्रे यकेत्। इयाने वायवतः प्रया ग्रीः क्षुं अर्केन्। रें प्यम् स्रोन् प्यतेः क्षुं अर्केन्। प्यन् स्रोत् स्रोतः चलि से दि च त्र च तर्षायारेत्। सूरात्रासी सूराधेत् सूरावीत्मार्या वार्या सामित्री वें ब वर्ने न विस्रकायाया वा सुवाका व्येन या सेना स्टारे व्युप्त व्योधिव व वा सुवाका व्येन

तव्यान् द्वारान्ते ना बुनाया क्षेत्रात्र स्वार्था ना स्वार्थी ना स भीत्रायमा न्यत्रायान्वावायते श्रुश्चुराने तर्ने नावस्यायाया वात्र्वामा श्रीश्चासा श्चरयारेत। ।ते सुन्तुः सूरिनासुसायहैना हेतः श्चीः सुन्तुः सीः भीः भीरसा सुनि हो नामकुः गशुरुषाने। स्नेटाञ्चाणीयर्देराणेव। वेवाग्नाणीयर्देराव। वराश्चीणीयेर्षा र्श्वेर। क्रेंर गर्ययायहैन हेन श्रीप्ययाशी त्रीर पति श्रीपायका राज्या है। मुःर्श्रेष्वशःग्रदः देः तदः पदेः द्वेः पः स्वाः पक्का देवेः द्वाः स्वेदः ग्रीः वहेषाः हेवः श्रीः वस्रयः बन्यः योन्या नेतिः ख्रुः त्युः योः योष्याः योष्ट्याः श्रीतः योः विष्यः योष्ट्यः योष्टिः योष्टिः योष्टिः योष्टि गुब्र-हु-च च र वेदि: सकेद्र-पदे: श्रुव्र-दु। सर्वेद्र-वेद्द-द्रपवा: सेद्र-दिवेद-दर-वरुषायाः य त्त्र्य न प्रेत्प्य । प्रवाय प्रत्य भी र ख्री र ख्रुव य हेते स्रेविय ग्रीयः चबेया बियाम्बर्या नियाम्बर्याच्या वियाम्बर्याच्या वियाम्बर्याच्या वियाम्बर्याच्या र्या के या की व्यक्त किया मानिता है। या क्ष्या की मानिता विकास मानिता कर त्या श्चेशहो देवशळ्यक्षक्षत्वयाश्चेद्दावदेव्वर द्व्यायाश्चेत्रहेद्द्रहेद्द्रहेदान्यया चरुरायात्रित् लेत् श्री हेरायेत् स्रोत् श्रीता स्रोस्य स्त्र श्रीरास्त्रीयास्य वर्षायाः श्चीतःयः सञ्चिदः तः वदः वदः वे ज्ञीत्स्रात्वरः स्रो होतः यः दरः। स्राथः वर्षः स्राथः वरुषः स्रोधः सर्दरः यः श्रेवः ययः ने सेसयः उवः श्रेः यावदः नेवः ययः सः तन्यः यः विषाः धेवः यदेः श्रे रः व। नन्ना उना खेसका उन वसका उन त्या बुनाका नर्से न केन सेका न्वीर का है। नन्ना क्वा वी स्वाया ह्वाया पदी स्वीर प्राप्त विया रेवाया श्रीया क्या विया क्या विया स्वीता यदे:ह्याव्ययाउट्-देयायराट्-द्वायायायाः स्वाप्तेत्रचेयावहेट्-श्रेष्ठ्वायाटा । श्रेश्वराश्चीत्र्वेश्वराष्ट्रभूतः हेता हेता हेता द्वीया द्यीत्र्या वार्ष्ठ्या यशादित या ग्वापाय दिता विदेश बेर-सुर्यात्रया र्विषायायो निर्वाचित्रया निर्वाचित्रया निर्वाचित्रया निर्वाचित्रया निर्वाचित्रया निर्वाचित्रया

वस्रकारुन् ग्री सर्केना प्येत प्यापेत्। है खूरात्वा त्रात्रे वा वस्य प्यापेत्। वा वस्य वस्य वस्य वि व। ।५गार:धेंदि:केंब्राय:५श्रेग्रवायदर:५े:५५र:क्युय:वर्षायुर्व। योशीरश्राक्षी वित्र क्षिरा दिवा सामु मुक्ता विषय स्त्र मुक्ता विषय स्त्र मुक्ता विषय स्त्र मुक्ता विषय स्त्र म वी भैवा त्यम नु पीन नु तिंद पति नु देश देशि तिवा महित व नु न पान्य व्यासमा महित केंवायरेत्। कुवार्ड्यसाविवाद्यसाधिवायाधिदादुर्वेद्यसाविवार्श्वायाधिवाहः म्यायम् वात्रायम् विवान् वात्रास्य स्वायान्य विवास्य स्वयान्य स्वयाय स्याय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वयाय स्वया श्चेन् र्रोतिः क्यान् कुं नतिः श्चे ने ति क्यानक्षन् या। नेतः मुर्गिन् क्यान् कुं नितः व्यः रे. देवाया क्री. सेर्या वयायायतः ह्रीय. दया रही द्रायः उत्रा वहतः हेर्यः वर्रः सन्दर्भवर्षेत्र। दे के कि सामद्रेय भी दा दे दि स्वर्भ के क्रेंबायरेन विनयरम् से के बिन विनय के से कि बिन विनय के बिन विनय क वितः श्रेम्या प्रसुद्धि । वित्य स्राह्में द्वित स्रोति स्रोति स्रोति स्रोति स्रोति । वित्र स्रोति स् क्रेंबायारेता श्रेटार्नेबाबाहेबाया सर्हेटबायारेता वाबताहेबाबा क्रेबात्या स्वा नवो सुवा सुर्केट वीया युदाया विदेशे वट वी सुँदा वहवा क्रें र है सुर्केय विवा वासुदया विटा वेरिते श्रुंत्र वह्वा वी सेसस्य मुद्देत्र सके सूनसस्य से से के किया से स क्रुव.पर्यय.वा.की.पर्वे.व्यक्ष.प्रमी.वाव.कर.क्ष्य.वार.त्रा.सी.वा.कुर.प्य.प्री. रेप्ट.कुर्व.री. र्षेर् या या रेर वेर या रेर्। रेरेर विषय प्या देते विषय स्वयं भी या विषय इस्रकाश्चिकासे हिंगासङ्घरस्या नात्रा रूटारेकासे प्याप्तकासे हिंगासे रास्त्रेता

सुवानामहिषामात्रम् मासूर्यापेन्यारेन्। हिन्दिहिन्यवासूर्यापेन्यानेन्त्रः र्थेन् यदे से नेवा बट देवा रट रेदे वि स्नून वा भी वी बुर कवा व्यापित विकास ने रावा वर्दे क्वायार व र्षेद्राया अपनेद यावा श्रीद क्वाया र दु र्षेद्र व विद्र वी वादि र र वा वो र सूद्र । वयार्भे द्वाराषासुरस्य यारेत। न्ह्य रश्चीत्रासुरस्य रेवेन् श्चीस्य कावास केवार्थे त्वती भे में वा वीयावगावा के प्येन प्या वे त्या से रासू प्रता विकास सामिता से विकास सामिता है। बिट विरायमाधीन प्यट सकेंद्र ह्या क्षेत्र ह्या के दिया होत्र की के विषय होता होता होता होता होता है विराय है। न्दें अर्थे वार्डर अप्येत परेत्। न्द्यीत्र अत्र विक्रिया दे वार्युर प्रस्था द्वारा वार्षे र्देशः तथा ग्रादः प्येतः प्रतः स्तुतः स्तुतः स्तुत्रः स्त्रीया यहिषाः हेतः श्रीः द्वादः प्यादः प्यतः प्येतः प्र वुन्त्यर्केन् प्येत्यारेन्। यन् कुयाये केत्ये विनानीयायनात्यास्यायारा थीः तक्रायाणेन्यायायेन्। तथनायायाम्नामुन्द्वे केयातयनायायास्यान्यान्यान्यान्या नवर वीषा हे नर्जुत वुरुषा सर्वोत सहया तुषा नर दे के हिना वाहें र हे सर्वेन या वुषा रवर्षाभेत् यारेत्। वैदावस्या द्यात्रा क्षेत्रा वार्षेत्रा विद्या अःसर्केन् प्रतिः क्रीकास्त्रान्त्र्वाण्यम् स्रोतिष्यत्वत्याः प्रमः सर्वन्याः सेन् देवाः सर्वेतिः वयानेः भे के नामी भेराया भे केनामी कुन तसुर मुराके तसुरा न केना या रेता भे में वा तत्युय मुक्ष क्षेत्राका पकुरि बिर व पत्याका यारी में पति व वा के वा का यारी परिवर की र्ग्भेयाविराम्यस्य उर्पा भ्रास्य ग्रीमे क्रिस्य ग्रीमे विष्य प्राप्त प्रमान कुन्दसुरःवार्श्वेष्वश्यरःश्चरःहै। देःद्वारेररेवश्यश्चरःदेनःवेरिकेदेशेःहेषाःवाः मुर्यामा तथः कराश्चीमा विभागायतुः विभागायमा सम्मान्तरः वारायपुः तुर्वे सुन् स्वर

यः सेन्यः दिवायाः हे ने दिन्यः प्युतः ने दः नुः वात्रयायमः सुन्यः हैवा हैया वयसः निवा चर्ड्याः भूतः तद्याः श्रीयः गृतः द्वातः चें त्या विदः विद्याः स्त्रुचः श्रीः स्वीताः स्त्रुचः त्विदः वयायो हेवा वाहेर वया ये ह्येर वायुरयाया वर्षेव वे । । यर रेया ग्रह युया हेव तर्देते विवान्त्रयान्येन् त्रस्यानायेवा यदे लेट स्याद्धन्य र उत्तर हेन्यते स्नावस्य पर्देश वर्शेन् द्रम्था क्री मार्चे दिन्ने वा विषय विषय स्टार्थ मार्थ स्टार्थ स्टार्य स्टार्थ स्टार्थ स्टार्थ स्टार्थ स्टार्य स्टार्थ स्टार्थ स्टार्थ स्टार्थ स्टार्थ त्रवीं क्षेत्र हिर हुति विवाद त्रया वार्यवा द्या प्राप्त सेता देया व से व से विवास स्थाया ग्रव्य स्रोत्रया उत् व्ययया उद्देश्य विष्ट्रया वर्ष्य विष्ट्रया वर्षेत्र विष्ट्रया वर्षेत्र वर्ते वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्य वरः विवादशः क्रेवाशः वशवाशः यदि। वदवा विः वर्शेदः वस्रशः शेः वृद्धः वयोदः क्रेदः दे। । सर्केन् पदे र्वे र मल्बन प्यन्मा या उटा सामकेषा । मासुर या प्रेन्। र्ट्यारीक्वियाके.लट.क्वियाच.ब्रायाच्याता.र्ट्याचेट्याचेट्याचेट्याचेट्याचे यर-द्रमायसायहें ब्राय-द्रद्रायाचसायद्रायाचा से ब्राच देश-व्राचन व्याचन विकास त.सेरा वर्या.योषय.शुत्रश्चा.इय.दी.हीर.श्चाय.तुर्य.हा.दूर.रत्या.शुर.शूचीश. कुलानाञ्चरान्यस्या श्रीसानलेखाने। वदीनाद्यानाल्यस्योसस्य स्वर्धास्य स्वर्धास्य स्वर्धास्य क्र यः श्रु नदे श्रु र दशुर नर विवाक्षिण क्रेया क्रेया नर्या र विवा क्रिया स्वाव स्व श्लीर श्लेप्र राजेप्त मुखाय श्रुयाय श्रयाय स्थाय स्थित स्थाय स्थित स्थाय स्थित स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स बॅरि-दु-चनद-यासूर-दुर्शाह्म निक्तिकान्तर स्वापनिकान्तर स्वापनिकान्तर स्वापनिकान्तर स्वापनिकान्तर स्वापनिकान्तर परुषातार्था केट.ब्रायेब्राज्ञका,विष्ठाचीर.ज्ञ.चपु.सीटी.क्र्ये.कटी.क्रीजाच.ब्रोब्राचरुब्रा. ता.भक्ट्र.ता.पर्वाता.तात्रेय.स्रेभातपु.व्राभगावीश्वाक्योशासी.पर्वाता भक्ट्र.

यन्दरःश्चेतःपर्दःदर्शयायायायायाय्यः विराधानुदा देशातःश्चे विश्वेतः क्ची:सर्द्रायसम्बद्धिया कें क्षेत्रायकेटसम्बस्य दासु क्रुं सेद्रा दासूराक्रमासालेता क्चैर्यायकेट प्रेट राजेन से लिया येद सेंद सेंद से द्वीया या जाने क्याया ने या या सूरासूर वि:श्वरावश्वरावर्षा यर्केन्श्वीवायामहिन्दिनाचेर्यासुयानुरावायाचीमा यक्तिःश्चितः व्यत्रास्त्रास्त्र स्वर्षात्रेत्रः वित्रः श्चीत्राः स्वर्षः क्षेत्रः स्वरः व्यव्याः स्वरः र्थे बिवा या क्री हे या या प्रवास होता है व्हार न्याया क्री निहर वा प्यवास है । त्युकार्या तदीर है प्यर दिव हो र को दा कु दिर्दे कार्य करने के ने दिन दा दिन है ने का कु व क क्कें राहेवान्याः वीयाने प्रयाप्युत्रा रेटानु प्रोत्रा केन्याया येन्। वर्के प्रति त्यनु स्वेया याने हि भ्रीवा पर्श्वरास्त्रं र पुरुष के प्यार प्येन प्यार सेन्। प्रश्नेत्र त्रस्य या वर्षे वा प्रार विकास प्रश्ने के जिल्ला से प्रश्ने के प्रिके के प्रश्ने के प्रश्ने के प्रश्ने के प्रश्ने के प्रश्ने के प् यिष्ठात्रातिः वर्षेत्रा स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रात्रा स्त्रात्रीत् स्त्रीत् स्ति स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त्रीत् स्त् वर्शन्वस्य श्रीस्य स्रासेन्द्र वित्या हेर्न् श्रीन् श्रीन् विष्ठेषा हेर्न वित्य वित्य क्रिया स्रासेन्। तुःक्वाःर्क्वे र्रोश्चे याःकेटाःकेटाःकेटाः स्वारः स्वारः प्येतः याः सेद्रा याः स्वर्तः याः तत्वः याः स्वराणाः धेव वे रेता नवे श्रुव श्रुव श्रुव श्रुव विव त्वा श्रुव श्रूव श्रूव श्रूव श्रूव श्रूव श्रुव श्रूव त्र्वीं च रेन्। चर्यसः क्लें ने त्रदः च हर द्वा ने चर्यस्कुर स्व स्व स्व स्व स्वे स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स श्रीयां केंद्र विकास केंद्र विकास विकास विकास विकास विकास किया किया विकास विका गुत्रःक्षेट्रिंद्रःबोस्रयायान्द्रम्यायाय्यम् स्वाप्ताः व्युवारवाः वीत्रम्याः विवादिः वर्षस्यायाः विवारेत्। यःकवाषायदेःतषयायःत्वोत्वःयेत्यरहेत्रःतुःतवरःयेतिःस्यवीषः चर्नुरः। द्रम्थान्भेविः अर्क्रेवाः वासुस्रात्यः वियः तह्यः श्रीकः व्येनः यद्भाविषः स्री

चे में च लेख प्रति चगात गानुस्रका प्रति न्वो प्रति प्रलेख गाने में लेवा प्रेन् प <u>₹</u>₹? देन। नेशःमश्रुद्रश्चः सुदः स्र्रेशः श्वः पदः तद्मायः विमः स्वः पः प्राप्तः त्रशः र्क्ट्रव:नु:नु:गान्द:ख:वानु:बेर:वयायेट:वयायेवा:खेन्:वाह्यव:ववन:यावद:बेवा:वीया भीरुदारे लिया वासुद्या वारेदा अर्केद्रायते दिया वीत्रायति । यमभाराष्ट्रभारार द्यात स्थाना स्याना स्थाना वर्षाक्चितायदुःक्चितावुराक्चित्राक्चितायात्राचित्राच्या यम्र्ये अन् अन् अन् क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र अर्था क्षेत्र प्रत्य क्षेत्र प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्रत्य प्र क्चिलाचेर्जीस्वाबेरायदेश्चेर्जिर्द्यादेश्चर्यायिराय्याय्येषायाय्यायराप्या योश्रर्भेर.वै.च.चक्के.सेयो.शर.त्र्तितंत्रा.चष्ठःश्रेचश.ट्रेर.कैज.चष्ठःचश्रश्चेत्रां.धेयो.चेर्ट. व्यार विवास्यावर्थेन व्ययावयवायाय ने दे यर्कर के क्रुं भे वनुवादय स्रे ने यह र्ये विषा यायव प्राप्त विषय विषय हो इसका ग्रीका ग्राप्त प्रवेष प्रवेष केवा विष्तु न स्वाप्त हो द न्वीं बार्स्स्र स्त्री युवा सहन योन् यो बार्स का का विकास का का विकास का वि वस्रयानियाः वार्ययाः कुतः व्यवसाय। सान्तेतः कुताः वार्ष्ययाः नेतः कुताः वार्षाः व यार देवा न्यून्य राष्ट्रेत रेवा या द्वारा है होता नत्त्र खी सर्वस्य या द्वारा निवास स्वार्थ हो साम स्वार्थ हो स योर व्यवस्थित श्रीया दे प्रवित यानेवाय पर पर प्रवित रहत स्था स्था या सर्वे प्रया केन ये लिया तत्या नति केन नु सूर ये के त्य लेन न मान पति तत्या में राम सूर मार पेर वारेत्। र्कटास्रसार्याः स्टार्याः वर्षेत्रात्वेसान्दावसूत्राने विसाक्त्रात्रास्य र्ट्याया:श्रेम्थायदे:अर्केन्द्रयुवाके:येन्स्कृत्येन् क्रिया वित्स्र्याययाव्याव्यायः सव-प्रमुषायायरे केन्द्र, योव-सर्ह्न, या रेन्डिय प्रसूषाया सुष्या । सियापन्या

यदैःतत्त्वाः वेरः सरः येः तसूषा देवेः स्नात्रवाः स्वात्रः सेतः स्वतः हः द्वायः सेविषः वीषः ञ्च प्राम्युर्यार्च्या श्री प्रमः व्यादपर्यं स्टेक् में व्यादगादाव्यवायम् प्राप्ते व्यवागादी म्यास्त्रे दैवःरश्रः खुवाः विदेवाः विदा विदेशः विदायाः विदाये विदाये विदायाः विदाये विदाये विदाये विदाये विदाये विदाये विदाय नेषा व्रिया यन्त्रा यमेरि यो न व्या श्रीत क्षीया वत्या या यशु यदित पेनि या यशिन व्या न्यो नक्षेत्र यात्त्र य त्विया य दिश्व हि श्रु यान्या अर्थोत् अन् वश्चीत् स्थान् तृति स्थ्या ये म्बर्यायायम् यदि केन् न्याये म्बर्याम् स्वर्थाम् स्वर्थाम् स्वर्थाः स्वर्याः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्याः स्वर्थाः स्वर्थाः स्वर्याः स्वर्या र्वेषायययार्त्ते विवायहरस्रो रयारे स्वेष्ययव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यव्यक्तिस्रो न'वर्ने'व्य'वर्ने'वर्दवे'न्त्रुव्य'र्से'बियाची'त्युर्याञ्चर्यार्थेर्-च'र्मेर्न्। र'यार्डेयासु'व्य' वैयद्यामुयावविरावस्यायाम्बेयावाविषाद्यरायवेत्यायादेश्यायादेश्यायदेवी वर-तुःवयःवर्नवयःविवाःरेयःयर-द्यःन्वीयःश्लयःवयःररःयःवार्रवाःवसूयःयय। युराने न प्येन याने सूर की त्यरागाये ज्ञा करे रेन। रसा प्यापारा वानिवास सुवा प्येन कुं वियः सुन् यं लेवा स्यार सेना वस्य से लेवा यह र वस्य स्याप्या ने स्याय सेना ট্রিমান্রন্যামর্ग্রির মৌর রমাষ্ট্রীর ব্রথ মঁরি গার্টির মির্নাথ মের্ক্রমটি বর্থ মঁর গ্রিমা ५८:क्वतःकः सदः विद्वा देवसः स्वतः देदः सः तर्वो रः तरः दत्वः विदेशः के स्वसः हे स्वसः इ.स.चोर्थभाक्ती.क्रे.लीजार्ने.स्रीमा स्रीमानार्यर मुस्यान्नीमाक्र्या.क्रेप्राचीप्रमान्या या येदाया प्रदान्त्रीया या व्याप्त विष्या विष्य नेयाने पर्वत व्यव व्यव म्यू मुक्त स्वर प्राप्त । देवे वेद ग्रीया कुया हो द ग्री क्या स्वयया उन् विच सेंट च रेन्। वर्डेस खूर वन्य क्षेत्र नेवे वस्य न्ट सम्बन्ध पर्व केंस नमूत्र हे ख़ुते तु स्र हुत् लुग्नू या ग्री तन्न या मुन्त व या मुन्त खुर ख़ु या या नु स्र हि 고회와.

यान्वायमाम्रास्त्रम् सुवाव क्रुं के कुरान्दान्देश ये सारा कुरा स्रोत्रा ने तद्वे पर्योत्। वय्राक्षत्रः मृत्युद्रः स्तुदः स्तुदः स्तुवः स्त्रिवः सः सेद्रा ५ व्यूतः स्नूवयः यः यद्यः स्तुयः सू नर्देशः सहयः क्रुः सेन् ग्राटः नेतिः सिद्धेतः पतिः भोन् श्रेषः विषा विषा विषा विषा विषा सेन्। सुरा से हेवाःम्राटःवाङेवाःस्रारःस्रोसस्टेन्गोदःवादःस्यादःनेदेःसन्द्वःसःस्रार्क्षस्यःद्विरःवङ्सः चलुम्रार्थ्यप्रस्ता महालेगार्थ्यस्थार्थन् होन्या । नेर्ध्यस्त्रम् सुनाया चर्षयाया विषयवार्यस्यार्या विषयः मुष्यः मुष्यः स्थाः स्था हेत्र सर्वत प्रवित प्रायोधाया उत्र या या जीवाया येष्ट्र प्रया यो यो या अस्य उत्र क्षेत्र कुष्ट प्रया या दरक्षिण्याद्वेष्णयायदेःसुद्दुःयद्वेद्यादेःवस्यादेःसुष्णयाध्येयावदेयायादेद्या । यय। हेन विन्यरञ्ज क्षेत्रयनुन नु नालन के यर सेन नतर सु नार्कर सेन यसी श्चीन् यया कुः वार्वनः याननु वार्कनः वानः विकासुवा वतनः वर्षान् वया वर्षाना वर्षाना वर्षाना वर्षाना वर्षाना वर्षाना रेत्। न्वोःतत्तुनःतत्रःवदिःवार्डुवाःयवाः।वटःन्दःहेनःवार्युयःयतुवाराःयदेःस्रावटः वर-र्-वार्डर-स्व-र्-वार्-वार-रेन्। सर्ने में व्ययः इस विदे व्यय। सुना निर्मा निर्मा स्थापितः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं रेटा गर्मियायाचराया स्वानस्याया सहस्याया स्नानस्य देव:क्रुद:ग्रीक्रम्याय:सूद:मिंह:स्वाःय:स्वाय:य:स्वाय:य:स्वाय:य:स्वाय:य:स्वाय:य:स्वाय:य:स्वाय:य:स्वाय:य:स्वाय:य योशीरश्राचारुरी योष्यराङ्ग्रेषात्राञ्चेतात्राञ्चार्याञ्चेत्राच्चेत्राच्चेत्राच्चेत्राच्चेत्राच्चेत्राच्चेत्राच ग्रीचेग्र्याक्षित्राकेन्द्रम् देवा व्यास्यान्द्रयान्द्रम् अति क्षित्राया स्वर्धे व्यास्य स्वर्धे स्वाया है तिवर स्पूर्वा वी या वार्डर सा द्वाया स्वीर ह्वीत त्यसा वहता स्था स्वीया सु NEN कुष पूर्य श्वापित प्रते दुष सु शु वा चे किंद लेग मी तु रु क्के पा हा र या है।

यात्रुवार्याः सहित्राः स्वीत्राः स्व यार्च्य तर्चे न। येट्यार्च्चे नतर्चे रामास्त्र स्त्रार्च्यायायास्त्र तियायाः स्त्रीर्येट मार्चे । र्थावयात्वेयाः वायर्थाः क्रियायर्थ्याः व्यवादयान्यायायाः स्वर् देव:प्रसूद:या:वा:बुवाया बुवाया:या:ववा:ह:क्रुव:बुवाया:व्रेवा स्वा:देद:या:ववींरः वरःन्ज्ञावर्डेबाः परः वेवार्वेदः वारेन्। नेवावायर्केन् यास्यावायने वर्वेन् वर्वेन्येन् वर्वेन् वर्वेन् वर्वेन् ञ्चवायम् के यामेत्। वहिवाहेव प्रत्येवाहेव व्यव्याप्त व्यव्यापति स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास् য়য়য়ড়ঢ়৴ৼৼ৾ঀৗ৽৻য়ঀয়৽য়ৣ৾য়৽য়য়৽য়ৼ৾য়ৼ৾ঢ়ৼৢয়৽ড়৾য়৽ঢ়য়৽য়য়য়৽য়ৼ৾য়৽ঢ়ৢ৽য়ৣৼ৽ঢ়ঌ৾য়৽ वित्राधीत स्वाप्तेत्। विद्याः हेत्र 'त्र दित्र हेत् 'त्य व्यावत्वा स्वेतः 'स्वेतः स्वुतः स्वुतः । र्द्भवायायात्वेवा वितानवीयाध्वेता द्वीवायाययायाया ब्वीता ब्वेट यायाय बेताया स्वाप्ताय हेताया स्वाप्ताय हेताय हेताया स्वाप्ताय हेताय है है हिताय हेताय है है हिताय है है हिताय है है है हिताय है हिताय है है हिताय है हिताय है हिताय है है हिताय है ह क्रीतव्यक्षः तुःतवुदः भ्रेःश्चेद्रा विः याव्यकाः याद्रवः वः र्योगः याव्यकाः वयः द्रावः वः देद्रा यीत् यादः श्चीतः श्चेंद्रित्यः स्ट्रित्यः प्रवितिः प्रम्वायायायः यायायायायः स्ट्रित्यं म्यूयः श्चीः द्रवोः र्केन्य क्षा क्षेत्र क देः पर दुर वदायायाय सहरया उदा विवा प्येद द्वीयाया सेदा स्वीयाया विवास न्देंबावर्द्वेरक्वीं अर्केन्याद्वेन् नर्वोबाद्याद्वरावर्द्वेरवार्वेर्याद्वेन्याद्वेन्याद्वारायायायाया वेजातर्केन्द्राक्षेत्रस्थायत्रेषायान्तिष्याम्यान्त्रात्र्याम्यान्त्रात्र्याम्यान्त्रात्र्याम्यान्त्रात्र्याम्य म्नें में राष्ट्रयानदे रेग्या उद म्येया पर प्याप र त्या र राष्ट्रया पर प्राप्त र या पर्वे राष्ट्रया ख्नातन्याम्या यमासुरायायान्त्रीतन्त्रायते सकेवाख्नमाधीत्रात्रम् । यसक्रिन्यस्पर्दे में भू हैं खेरानयुः लेवा वर्षे यहिराक्ष्या स्पर्दे से साम हो है से स्वाप्त से साम सा रेत्। देवे हेरासुनर्देव खून वन्या ग्रीया देश्या सक्ष्या खुन बिरानु स्था सुनि देश चल. बुर्यात. बुर्यात्वस्त्रयर्था रही र चित्रः झायाशुर्यात्यः सुर्यात्रस्त्रयः सुर्याः सुर्याः सुर्याः सुर्याः यक्ष्याः भ्रुयाः भ्रुवायः भ्रुवायः भ्रुवायः प्रवायः विषायः विषायः विषायः विषायः विषायः विषायः विषायः विषायः विष . वेषःयरः याः वदः देवः स्वरः वेषः हे। स्वः वदेः षः स्वः यीवः हेः वदेदः कषाषः म्या ।यार्श्वेषायायकेत्त्र्वर्ष्ट्रियायदार्स्ट्रियायेश्वरादेत्वर्षेत्रयाययायायुरा श्रॅर न रेन्। तयम् श्रायते यथा श्रेश श्रुन श्रेय होता ने न्या नर्रे श्राय श्रेन श्रेर न रेन्। देशन्तः दवो तद्व तद्व प्वतः वार्ड्वा त्यवा विदः ददः हेव सः क्रेव प्वतुवाशः श्रदे वाव हे त्य । भ्रायात्र्वायायार्केन्द्रहेत्रायार्येवायायायारायत्वायायात्र्यास्यायायार्यायात्र्याया वं यव 'प्यव 'प्यव के न रेट्। कुं केंवाया विश्वाया दे रेवाया या हैया या केव 'प्यविवा सुर या न्वीं अप्यश्चिष्याय्यान्वा वाद्वयायर न्वाया विवा प्येनाचारेन्। श्वीरावान्त्रीं वा याधिन् स्रोत् त्यासुवा यास्त्रेत्। वदावी क्रीवास्त्र स्टावी त्वी क्रीवासास्त्र वीसावसूत्र सामे चनर वया सेंबा व्याका कार्य देशे से सम्बन्ध कर में स्था वर्ष कें के स्था सम्बन्ध कर स्था सम्बन्ध कर स्था सम्बन्ध कर स्था सम्बन्ध कर समित्र कर समित् योश्यानः योर्ङ्गाः व्यया। विदः दिदः स्थः विदः स्थः स्थः स्थः त्रद्या स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थितः स्थाः त्राच्या अर्क्ट्र विषाया रे क्विया व्यव्यक्तिया विष्ट्रेट या वा स्ट्रेट विषया स्ट्रेट यहत्रा ब्रेट्याक्ष्यायहत्याच्याक्ष्यायात्राक्ष्यायाः व्याधिवाधारात्राक्ष्यायाः रेता क्रेंब यस है लिया क्रिया क्रुया क्रुया के स्पेत्र व हेव क्री सात्र व साव सा क्रुव क्रिव यस हिंदा वन्यः श्रीः वयः वर्देवः वासुरः विरः दुः वा शुरु सः सुः रेः वावरः वः स्वः विः सीः वा शरः रस्य। कुः सेवास नवीं सामस्यात नवें नित्र स्वर्थान स्वर्यान स्वर यः क्रुंदिने वार्यकात्रः प्यतः वर्षे द्वायका वर्षे वाद्वे वार्यका वर्षे वाद्वे वाद्वे विष्य वाद्ये विषय विषय व

स्नुवः व्यवायाः व्यवाद्यात्रयायायाः याद्यातः वयायायायाः वर्षायाः स्त्रीयायाः स्त्रीयायाः स्त्रीयायाः स्त्रीयाया रदःवाववःवाहेशःयवःश्चेः वरःवदेः ययः श्चेः विवाः चेवः द्वीर्यः वर्षयः वददः वर्षे द्वययः श्रूर में ब्रम्म उर्ज ता श्रूर व्या ब्रिस में जा ना सुर मं त्य मार्केर मात्त्र ये प्रह्मा दर्ज । रेत्। वित्यायकेत्रस्यावययकग्यायायारेत्त्रे सूर्याद्वययाग्रीयाकेषाया चलवाला रे विलालेट व नवीं दला है स्त्रीट हेला विवेच लाया रेता रूटा रेला ग्राहा प्रता युरः विष्ठवाकी से या वसूर्यात सुवा चेंदि क्रु र्वे र वात्रसात्रयावया पेंदावासा रेद। न्त्यः र्यति कुर्वे रः विश्वा वीषा वर्षे या श्रेरः वा स्वा श्रेरः की स्व स्व श्रेष्ट्रा वा स्व स्व स्व स्व स्व योद्रायाः श्रुवाः याः येद्रा वित्रायाः याः विद्यायाः याः विद्यायाः याः विद्यायाः याः विद्यायाः याः विद्यायाः य र्केव प्रयाय प्राप्त के प्रयाप के विष्य स्थाप के विषय स नक्षातर्वाराने क्रीवायकारेता यका बेरायाने यका है। तर् विकासेता ५'ब्रेंब्'यम'नवर'र्ये'सेन्ब्'न्व्म'नवुर'नसेन्ब्समान्बेंब्'न्दर'वर्दस'क्रीर'यम'ग्री' याचरञ्जेयापारेत्। पर्यत्वस्यार्थाप्ययापराययारेत्। पर्यत्वस्ययाञ्जः रदःवीयानुयाद्दरःकेवायारेद्रा न्नेदःदवीयायवदःरेद्रा देःदेदःकेयावविरेद्रा क्रेंबायान्य देते हेत्र वस्य वास्त्र नियान क्रियान क्रियान क्रियान क्रियान क्रियान क्रियान क्रियान क्रियान क्रियान बिया पर्क्रियाया कुरिता रूट रूट यीया स्वया कुर पर्देया या सुट वाद रे रे द्रारा या स्वर का रे हिर विवाय बेर व्यवस्त वर्ष केवा वर्षिर सकेवा वा ब्रह्म पर रेरा र हिर वर গ্রীক্রীবাঝ'নেবিম'নেবিম'ন'ডর'র্মমঝ'ঝ'শ্লীম'নব্বা'শ্রিব'র্'ঝ'নন্ত্রা'নম'র্কর'মঝ पर्याद्राच्याया क्षेत्राच्याच्याच्या क्षेत्राचाद्रमुद्रीक्षेत्राचेत्रेत्रेत्रीयाः वीत्राचीः वदः दु विविद्यास्त्रम्यास्त्रम् स्वेदालियाः स्विद्या वास्त्रम् स्वायार्थम् सामे हिम्से वासम् यायह्वाङ्गेकेचारेत्। यदाकेवावकेवाकीश्चा यदाङ्गराविवावादेत्त्रवेवा श्चैत यक्तेत ये बेर कु लिया कु अर्के केत ये वे तर दु वे र दु रेत ये के वे रेया वा व्यव व्यव तर्वो नते केन्न्। अहम पेन् शी द्वी क्री केम में मान्य निर्मा ही स्थान केम वर्क्नुद्रावयात्रवी विविद्या देन द्राव देन द्राव स्थित स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स्य वयार्वेरात्मुत्तरयाने श्वीरायातर्वो र्चेवातर्वययार्थेरात्वेरानुयारयाञ्चीतराययाञ्चीत्या तर्दे के त्यानु का में दे के दे विवा हो दे देवी का नक्ष साम का नहीं के देवा के देवा के देवा के देवा के देवा के चॅरतिवर्षरणेट वरेत्। वर्षेर पेट तुषार्शेट व्रिस्श्ची वर्षा वर्षात्र व्या क्रेव संख्युत्य प्रमः शुक्रीय स्वाप्त सक्रेन स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स स्ट रें किन रें बिन सूर्य है। दने हैं दिर दर व्रया हे गुन रहे हु द्वारा सेंट्य रुन र्था मूर्यमाना मी.माझर.जामकूरे.म्रीय.मीर.पथ्य.लूर.तमा मरमामिनायकूम.र्जय. वन्याध्येयानेनान्येवाने ज्ञावायोनायवे द्यान कुना तुः चर्डुनान् वेषाय रानवे नियाने। यरयाक्त्रियादिरावर्थाः क्षेत्रिकेतादे विकुत्त्वराष्ट्रीता विकार्यदे । क्षेत्रायास्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स् विवा श्रुक हे देव में के अर में बरका क्रुक वर्षिर वडका ग्री श्रुवाक स्वा विहेर के। र्रोक्ते यहिर कर्ने अरब क्रिका क्रीक्षेत्र क्षेत्र दे वित्वित वित्वित हि क्रिक्ते । बरबा क्रिका बुँब'ब'सक्रस'र्नु'त्र्नु'त्रकों 'च'स्रह्मा क्रुस'प्तुवायाब सक्रस'र्नुवाया देवा 'हु' खुँर । नेः सहयः प्रयानेनः न्येतः युवाः तुः नवादः श्चेषः न्यः प्रमुखः नेः सदयः सुखः दिवेरः नदः परुषायाञ्चापाम्युर्वाश्ची देटावाञ्चव प्रदेश है । प्रेस्ति व प्रवासिक प्रवा विषा भ्रेषः श्रमः स्ट्रान्यः वर्षः स्ट्रान्तः स्ट्रान्यः वर्षः स्ट्रान्यः स्ट

रेवायार्थेष्रायायुवानेन्नायायेन्यवेन्चरात्राच्चरात्राङ्केषाय्यावनव। देवास्रावयायु য়ৼয়য়ৢয়৾ঢ়ঽয়ড়য়ড়য়৻ঀৼয়য়ৣয়৻ৼ৾ৼ৻ৼয়য়৾ৼঢ়৻য়৻য়য়য়য়য়য়য়ৼয়৻ঢ়ৢ৾ঀ वृर्यात्रायः तत्त्रात्तरः हूर्यायः तत्र्यः यर्थः योष्यः याष्ट्रयः शर्थाः भ्रियः पर्याप्तरः त्रश्चेरः वेश्वः त्रीरः प्रश्नेत् । स्रीरः प्रश्नेत् व्रश्नेयः प्रश्नेयः प्रश्नेय थॅव के न रेन बेन हिन पर नु बर बेदी बर्केन पर ने नवा न बेन वसके न रेन। नक्षेत्र'न्यादर्श्वे लेकायदे'न्युयर्शे लिया यीका सम्याक्किया क्रीया क्रीया सम्याक्किया क्रीया सम्याक्किया सम्या रेदा हेरावयायदयाक्क्यायराये।यहँदादुःयदयाक्क्यार्थेदायारेदा वैः म्बर्धित महिन्य मदि केन् न्तु मर्केन् न्यू सम्बन्धित । मर्केन् म्यू सम्बन्धित । तर्वोदःचगार के होत् या नर्या देश हो केंवाया नयवाया समया कर था दे । नया द्वाद प्येद या यारेत्। व्वियार्कदार्कदाय्यारदारदार्यायायकेत्।यन्ययारे प्येत्।यराव्वेया वेवाः वर्रः रे: यः विदेवायः येदः ग्रादः यदयः क्वयः ग्रीयः रे येयय। देःवःरवःग्वर्षः द्वींय। द्योःवर्त्रं वर्तः द्वीयावदेःवद्वेः स्रव्यः द्र्रं ग्राय्यः बिर्न्यर उत्र क्षेत्र युन्द विर वेषि वित क्षेत्र विष्य विष्य क्षेत्र प्रमाण चलुग्रराधेन् स्नुस्रायदे तर्तु र या द्वीन् स्त्रें या यो न यो वित्र स्वयं लुग्रस्य हो या ये न अ८८। क्वियायाय विकास विकास विकास क्षेत्र या देवा क्षेत्र या क्षेत्र या चेत्र या चेत्र यो यरः यरः ये विषा प्रमुखाया यर् पावु वर् सीत् हें या है से दिवा यो राये की ता यर पा रेत्। अर्वेदः स्ट्रां अर्वेद् यदे वदः दुः अत्वर्देषाः अषा विषयः दे द्वस्य शीयर्थेद् वस्य । क्रमायक्रीयरेन नेम्ममायान्त्रीत्याप्तियरेन क्रिन्यरायम् क्रिन्यरायम् र्थेन्या अपने नेति वर्षात्र विषय देशी वर्षात्र वर्षेन्य अर्थेन्य वर्षेन्य अर्थेन्य अर्येन्य अर्थेन्य अर्येन्य अर्येन्य अर्येन्य अर्येन्य अर्येन्य अर्येन्य अर्येन्य अ ने: पेन्त्रन्त्रं क्रियायात्वीर प्रयोग्यात्वी प्रयासा । व सी क्रुवा कर यो न्या प्रयासा देश। अर्केन्यानम्यानुषासकेन् श्रुवाश्चीमञ्जूद्यावर्नेवालेन्यन् मिया। यर्केन् यार्क्य व्यास्त्र प्राप्त क्ष्या व्यास्त्र प्राप्त क्ष्या क्ष्य ॔ॷॱॺऻऄ॔ॺऻॱॴॺढ़ॱऄॕ॔**॔**ॺॱॸॖ॓ॱॺॺॱॹ॒ॸॱऒऄ॔ॸॱॺऻऄ॔ॴॹड़॔ॸॱऒॱॸ॓ॱॿॖॆॸॱय़ॱॺऻॎॵऄॱॻॱॸ॓ॸऻ ठवःश्चेः अनुवःनुः पर्वेषाः नवेषः यः येन्। नश्चयः नश्चयः व्यवः वयः धेवः ष्यदः वदेवेः वार्ड्वाः त्रवा विर वी वर वर्षा वार्षावा केवा तरेते हु। वर क्व वर्षेत्र त्या वाहेर वर है की अर विवेषा मीयार्क्वेष्ययाम्येषाः रे.मुन्यवे काम्मेन त्या प्रयास्य प्राप्त विष्या हेन न सहया प्रयास *५गोव पति हेव वाश्यास केव देव घर वाल्या ये ५ हे सेवा सुवाश ग्रीश वाहु याश्या वा* तह्याचीर वालका भूर वक्किव व तर्रेष हेव स. कुव तर्रे क्रू तर्र वर्ष वाहिका विर ल्ट्र के अप्रान्त होत संस्था के अप्रान्त के अप्रान्त के अप्रान्त के अप्रान्त के अप्रान्त के अप्रान्त के अप्रान यमयामान्तर्यानवीमाञ्जातानुहेन सः केनायन्त्रीमानव्यामान्याः हेवामानाकेन येतिः क्र्याक्रुव ५८ वित्कृत वहेना हेव क्रीविस्यय सुर्धी सुव सदि केत् दु नयस्य स्री र श्चेन्युतियने श्चेन् क्रिन्कियानह्न अथा येन् रेश्वेया यदि हे वावि विवारेन सेन् वःस्त्रुयायाधीव। यदेरावायोययाउवाधीयदेःस्त्रुदाधीकेदाद्गावरा ययान्यम् नायाः भेर्याया वर्तते वार्ष्याः ययाः वर्तते सेययाः उर्वः वययाः उर्वः यः केंग्रायाम्यम्यास्त्रन् श्रीम्रायस्य विभान्नेन् केंग्रायायेत्। श्रीयासकेन्यायदे वास्त्रायायेत्। यदे सकेर्न य न्दर । सुन्न सेन यदे सकेर्न य महिषा की नही न प्यान प्राप्त सामेर

थॅर्यंत्र अर्केर्यं ने त्यावर वार्षात्र श्रीत्वेता वर वेर वी अर्केर्यं प्रत्रा व्याव यदः सक्रेन्या विश्वा ५८ स्वाचित्वे विष्यक्रित्या व्यवत् सुवा ५८ विष्ट्रेन्या स्वाचीः ইঅ'ম'নপ্ৰম্ম'দ্ব'বেনুঅ'ন। নদ্ম'মি'ঊদ্ম'ম্যুঅ'ন্ৰুদ'নবি'শ্বম'ননুঅ'ন। यीन सुवार् सुवि सर्वेद या व्युवा विद्याय ने ने ना प्रवेद या से ना सुवा विद्याय सुवा यदः सर्हेन् याया ख्रेदे श्रुप्त श्रूप श्रूप श्रूप श्रूप श्रूप श्रूप श्रूप श्रू वहेंत्र व्ययः तुर वर्ष वर्गेत् ययः अर्केत् यः ने न्वा रेत्। त्रु त्र येत् यदे अर्केत् यरः <u> हॅ</u>ंच-वुद-कुव-ग्री:शेस्रश्नय:वर्ड्सेस-य-दे-रेद। स्वर्थ-यश्नर-कुव-सेस्रश-वर्ड्सस-व। क्रियामञ्जयम्दरामस्यात्रा । यक्रेन्यमे देन्यमञ्जी । विषा मुश्रुद्रश्नाते। । वित्रायम् प्रत्यम् स्वर्थन् स्वर्थन् स्वर्थन् स्वर्थन् स्वर्थन् स्वर्थन् स्वर्थन् स्वर्थन् स त्तर्वा भेर की देव पश्चिम हिम्म माम स्वाधिम स्वाधिम स्वाधिम स्वाधिम स्वाधिम स्वाधिम स्वाधिम स्वाधिम स्वाधिम स्व रेत्। तुःस्याः र्केशः यहेयाः हेवः श्चीः क्कृत्यः ये न्निवः येन्त्र येन ॐॱतद्दिरभ्रें :योव:न्दः <u>चा श्</u>चेताःॐवा:नवींशःतनुवानेरःयःचनःयाचींवःयेःवात्यःळेवःविवाःयोवः क्षरःयाचयःयाचयःवीद्रःवित्यःवीदःयःदेद। अदशःक्षशःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेत्रःक्षेः तदेव य तहिवा हेव की भेवा भ्राचा खानु साम रहे से हेवा भ्राच सर्कर रहेस बेंबर पर न्गातःचान्। तिर्वरःन्दाचरुषायाःश्चुनायन्नेनायाः सर्वेन्।याः सर्वेन्।याः वर्चेराचर। बैराया ब्रिनायर उत्राप्ते वर्षेत् चबैतातु चर्येत् त्रस्या वर्षेत् । स्वर्थेत् । स्वर्थेत् । स्वर्थेत वःतुनःवर्धोः सुः ववः विवान् दरः वदः वः देन। देशः वः अर्केनः यः वदे रः द्वशः वादशः अदः येः बिषायम्द्रायारेत्। दर्श्यासुर्वर्द्धिराचतिःसर्हेद्या धेद्राग्रीसासूत्याचतिःसर्हेद्

वियायन्यायायङ्काञ्चराय वरायी ल्याया सुरा

लय.जया.यार्शेत्रा.त.यत्वयात्रा.तपु.लय.जया

तर्ने या महेत् में क्रेंन्या निते क्रेंन्या नित्र क्रेंन्या नित्र में क्रिया क्रेंन्या में क्रेंन्या नित्र में क्रेंन्या मे

५८:ये वाहेब येते क्षेत्रश

महेत्रचित्रकेत्रम्बर्धाः हेर्यायाः हेर्यायाः हेर्यायाः ह्यायात्रम्बर्धाः व्यव्यान्त्रम्यात्रकेत्रम्यात्रम्बर्धः व्यव्यान्त्रम्यात्यात्रम्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्यस्य

नेशायिर नये सूना नस्या की कुनी वें न नने न यमें न विता मुस्या की कुः क्षुयायाय दे दिते ध्रीराधी राष्ट्रिया द्या विषया व रेनां नेश्वातान्ववायायायनीयानीत्र्यायीयानेत्राचीयानेत्राचीत्रावीता क्वेत्राचीनयानेत्रा र्रो क्षेत्रयान्वते नेयास्त्रुमः द्वाक्षेत्राप्यते क्षेत्रम् सुत्राक्षेत्रम् यो प्रदेश्वयान्य चॅ-नुष-५८-गुब-र्श्चेट-वी-र्श्चेम्विष-गा-चन्न५-ध-रेन्। ।य-स्रय-र्श्वेवा-५८४-चन्वा-यःरेत्। यः यः चुरूषः यः बुरूषः व्याचुरुषः व्याचुरुषः व्यतः व्याचुरुषः व्यतः व्याचुरुषः व्यतः व्यतः व्याचुरुषः व्य तर्याभेषायारेत्। देवाग्रामाञ्चेमाहेताहेताहेत्रात्यायहेत्यायाहेवाचीयायायायायायाया उत्रः ङ्क्षूष्णः ग्राम् । देवः श्रीषादः त्रुदेः या या द्रमः श्रीयाषा उत्रः वया या उत्रः वा देः द्रावः नयाम् ५ त्यूते या यदे से दावी वर्षे वर्षे वर्षे स्थाया स्थाय स्थाय स्थाय वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व हें क्रें क्षायान्द्राचित्रवाक्षात्राचरायम् विवाद्याध्याची स्वाद्याचा स्वाद्याची स्वाद्याची स्वाद्याची स्वाद्य यः अष्वित्रः क्षेत्रे क्षेत्रः इत्यः प्रदेश्य प्रवादा । अर्था या विष्य विषय । अर्था प्रवादा । अर्था विषय । अर्था व मृत्राः मान्यः स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्यः विष्यः वास्युर्यः हो। विषयः वास्यः स्थान्यः तर्ने रेन डेबाय लिया प्येन या या रेना ने प्रतिव नुष्य या पर पर रेने रेन डेबाय लिया र्षेन्यास्त्रेन्। नुस्रायन्यायन्यास्त्रायायास्त्रायास् शक्षात्रम्वानिश्वरायानिश्वरायेन्यारेन्। नेत्यायराविश्वरायेन्यारेन्। वि NC.किट.वर.लट.बर.एक्ट्रांच.खेबा.लूर्ट.ता.श.पुरी टप्ट.वि.क.ट.ट.क्रीश.वश.धेय. सर बन तर्शे न प्रेन न स्वा कार बन कार बन कार बन की वि सर ने दे स्वन न प्रेन स ५८। देवे ग्रन्थम देवे विस्तर स्वत्या देवे विस्तर स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्या स्वत्य नुः विन्याधीन । ने तद्वी स्वराधाने ने केंद्र स्वराधाने ने स्वर्ण स्वराधाने स्वर्ण स्वर्य स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्य स्वर

वियायन्यायायञ्चा श्रीयाय वरावी लियाया श्रीया

तर्वा निर्म्य प्रमुद्द निर्म्य निर्मय प्रमुद्द निर्मय निर्मय प्रमुद्द निर्मय निर्मय प्रमुद्द निर्मय निरम्य नि

गहिरायाद्वराम्बर्यायहिन्यान्दिरायान्त्रा

देःवःदःविकायः द्रदः श्रेष्वेषायदि विव सार्शेषा विकाय विकाय

८८.स्.रट.यथुष.क्री.धेय.त.हू.चेय.त.स्यय.यचयाय.त्रा

<u> ५८.ज्ञु.च्याच्युः श्च</u>रःचनव्यात्रः या

ने या युष्पारमा भीन मासुसा द्यी देश विषय वसमाया या यदी निर्देश ना भीन यदी निर्देश विषय स्था

ब्रॅवायर्डिन याद्वीत योद न्दर की क्रंद्रका ब्र्रेन्। युका क्रीकी नवी यासुका में क्रिकी यो यनम्बा विषयासुरसाने। श्रेवायार्डेन्यादन्स्रीयसादन्र्रास्ट्यादिन्श्ची हेबायरावन्दायाधेदाय। वब्रयावन्दिन्दायर्द्धेदाद्दाद्वाद्दाद्वायाया র্মবাঝ'ন'বাঝন্'রবঝ'ঝু'র্ক্রবাঝ'শ্রীঝা বাঝন্'ব্রির'ঝিমঝ'ডর'গ্রী'র্ম্রবা'বী'ন্বন্'র্ম' तवावाःतरः विश्वःतर्ते । तदीः वाविः वश्वः श्चेरः चः श्वरः श्वाः श्वर्थः स्ट्राः वः व ब्रॅम् मुर्चेन् मुर्चेन् मुर्चेन्य प्रत्या मुर्चेन्य मुर्चेन्य मुर्चेन्य मुर्चेन्य मुर्चेन्य मुर्चेन्य मुर्चेन याबर वि.श्रोधाबा १ वर्षा वाबार वि.वे.चे.चे.चे.चाबार वी.वे.चे.चाबार वी.वे.चे.चाबार वी.वे.चे.चाबार वी.वे.चे.चाबार वी.वे.चे.चावार वी.वे.चे.चे.च योश्रूर्यात्राक्ष्याः क्षृत्रायाः क्ष्युं द्वारायाः विष्याः वि र्ष्ट्रेर्यानु वार्षन् चुति श्रेवा तवावारा पति देव श्री क इसर्य स्ट पति । वार्षे पर्या ब्रुॅं रायायवर सुवा वयया उदार्केट दुया श्रेवा वा उदि रही हेया या तहीं रावेटा। देते वरा वर्षाची न वर्षा के व लिया था। र न वीर्षा थया न सूर हे न स्वर्ष के सूर्य से दि याबर ता. या गूर्ट . टे. पर्देया. ता. टे. ट्रा या टे. ता. ता. या क्रिया या. टार्ड्ट . ता. गूर्या या. ता. या. यी या. हे ने प्यर श्रें न न केंद्र श्रे के या ततुर न या तह से । यदेंद्र या यहेंद्र या या

न्यवाः यः सेवासः यः नेवः वार्ष्वयाः व्यवस्य उत् होनः यः ये वार्ववः स्वत्। ब्रिश यासुरस्यो । श्रेवा यार्डेन त्रने त्य यान यासन द्वित रेस त्र सन्द्वी ता শ্ৰম্মদ্র वर्डेबानबर्याः भूत्वः केव्यो क्षेत्रः विष्टाः चर्यन्यास्यास्य स्तर् । चर्या स्तर्या स क्रेंबासुः सुरावा न्यवः वे जायुवानु । चयन व सुरायुवानु सुरो प्राप्त । ज्यान्तरः क्रमायान्त्रायान्यस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य व्यवस्य विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य वि न्वर वीय वयन या वर्ने न कवाया की भ्री न या में राया समय या न दा वर्ने न खी न की नयर दुः स्ट्रिंग् त्र रा देवे देव दुः यालव क्षे क्षेया या केंद्र या क्षे दे व्या या खुळा दर वर्षेयायदे। ब्रिन्यर प्पेन् छेटा श्रेणाया छेन्। यदेवाया ब्रियाया ब्रियाया ब्रियाया ब्रियाया ब्रियाया ब्रियाया विवाया विवा वरुषान्दरम्पतिबन्धी।वादायार्वेचामहिषामायह्यानुत्वीदाय। नुनुदार्श्वेमः गर्रेन्द्रन्द्रवियानवे केयान्स्रीयायात् सुद्रम्भेत् मी न्द्रवे स्था ने स्थितः য়ৢ৾ঀ৾৻য়৾ৡ৴য়ৢ৾৴য়ৢ৻য়য়৻ড়ৼ৻ড়য়য়য়য়ৢয়৻য়৻ৼয়৻৴৻ঀয়৻য়৻য়ঢ়ঢ়য়ৢঀ৻ঢ়৾৻য়ৄয়৻য়৻য়ৢ৸৻ড়য়৻ रे.ज.लर.यमुज. १.वकर.य.त्र्या. श्रीय.श्रीय.श्रीय.वर्षेत्रा श्रीया.या.श्रीय.वर्षेत्र.वर्षेत्रा. ब्रुच। पश्चीरा प्रश्निया श्रीत श्रीत श्रीत प्रश्नीय प्रश्नीय प्रश्नीय । हे से ये विरावत्रुयासर ये वासूना वसूया ह्ये र दर्गे या पार्टर । ह्ये रावा ह्यु सह्य क्रीयारव स्त्र्रात्ययायाया हे वरावतर स्त्र्यायव स्यायक्क तहवा नर्याया प्राप्त स्त्रा वर् श्रेष्यश्रान्द्रन्त्रक्षे व्यन्त्रम्व स्वतः देषायासु स्वीतः योष्ट्रम् । वाया हे सी खुर्या वेदा ग्राह्रः ब्रिवा वर्ष्टिन या नवाय वर्षः भव साया स्विवासाय स्विता स्विता नवान वर्षे । स्वा वर्षे स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा

<u>श.ब्रीयोश.योट.र्र.श्रीश.योट.श्राटरश.र्यट.योज्ञ.याह</u>र.श्रोट.ता श.यक्रेट.तील.यक्टेट. योदाया द्याह्याम्त्रायार्मेदार्चेदा। श्रेयाची वहेयायाया के या श्रुपायी वहें <u> तीयाक्षेप्राचीयाञ्ची भुष्याचीत्रीचेत्राच्यायायाचेत्राच</u>र्यायान्त्राचीत्राक्ष्याया तविर्यायात्मेरात्ययात्रीतविषात्युकुरायो वायराविर्यायो स्टरायी स्नेरात्या स्नेत्रार्था भेत्र'य'द्रद्र'। तस्रवात्र'य'त्रेतु'तवात्य'क्की'त्'द्रश्चात्य'त्रेवात्र'य'त्रेवात्र'य वर्षेत्र भेर्न या वाश्वरूष हे हुँ वा सहत् सीत्र भेर्न या हैत वा हैवा वहता दिन देवीं दे वर्षो वा जायाञ्चयायाञ्चीराञ्चा याद्वेद्वातयायात्राच्चीता क्षायद्वितात्रायायात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचात्राचा सूर्विष्यार्थिन्याथय। १५ सेन् वे स्वादे कुर्सेन् केन्येन्या व्याप्या स्वाद्या स्वाद्या कुर्मेन्या स्वाद्या स्व र्वदःयःद्रयम् व्हदःहेयःहेदःख्रमः हेमः व्यद्भःयः व्यवःयः व्यवः व्यदः व्यदः व्यदः व्यदः व्यदः व्यदः व्यदः व्यदः व त्रवर्भाः से त्युका ग्रीः निकुर ज्ञानाका निकना क्रमा क्रमा क्रमा कर्मा चक्रा रेतिः चरा मुस्या स्थाना क्रमा स्था बर या रे रे यु ५ दुया वि र र वी यय यय सुराय दे यो दे ५ सुद ख़र यह से देया वयाः यात्रार्थः रेरासूर्रे स्थानक्ष्यः स्थानवीः नदुः वोः मुक्याः येर् न्यानवीतः येर् स्था लट देश्व क्रांच वर्षे त्राच के त्र क्रांच क् अर्क्ट्रक्रिय संत्वियोया वया विया अर्द्र्या है। वश्चर प्रविदः स्त्रिया स्तर क्रिया स्त्रिया स्तर क्रिया स्त्रिय ची:ब्रॅचा:कवाया:ब्रय्या:उन्:ब्रॅच:व्यय:ब्रूच:चर्चन:ने:ब्रूच:वरूव:ने:ब्रूच:वर्च:व:व्य:व्य:व्य:व्य:व्य:व्य:व्य:व सूना नीय हमा सदी योग्या उन लेगा पेंट्र यर ना ने नय न यो यो योग्या उन देते. यश्रक्षेत्राच्यवायाचाराव्यावर्ष्यायेरायर्ष्यायेरास्त्रचेत्राचीयास्यायेरास्याया हे म्बेबम्यासा रूपा र्याच्या वर्षा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व

स्वयाक्रीयाने क्रिट क्रिट या विदेवायान्दर ये त्यया वयवाया यदि पा सम्बद विद्वार योच्चियात्राच्यत्रात्रास्त्री देःदशायर्ड्यात्र्यत्रात्रत्रात्यातुःदर्गित्राद्वीर्याः सर्वेदि त्या साने त्र साहु त्युवा क्षी सामी सूराय रास है नि । सुवा सहन से नि केंबाक्षेत्र प्रवित प्येन प्रवित क्षुत सूर केंद्र तथा वेसवा उत्तर नेवे प्रवादत क्षेत्र कुरी रेन् डेश देश कें। वर्डेश खून वन्य ग्रीय वास्ट्य है। बूँन ग्रुट व वन्य पवे दुषाश्ची'तद्षायते'दुषादेदार्श्वेवा'वी'र्श्वेद'त्यार्ट्टेवाषायते'ष्यद्षाः कुषादे विषाद्याः व वहिना हेत दुर्चित या प्राप्त विश्व विष्य विश्व व वयाष्ट्रीराभ्रात्देराची तद्यकात् व्यापान्या देते से विभाग्नी सुराभावा विभागन्या শীমান্ত্রুমান্ট বিবিমানউমান্ত্রর বেদমান্ত্রী মনুর রমার্কদমান্ত্রীর শ্রীনান্ত্রীর মানির নারি দ্বরি र्कूरायाञ्चरकाक्र्यायाधेरा ब्रिन्स्ट ब्रियायकायक्रम् यात्रकायिकायाद्वेराया श्चेत्। व्विमः वनमः बुरः दमः तहित् वतरः वित् रर्रः के त्वादः क्वेम। वित् त्यः के न्वीयायते विन्याक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विन्यः पश्चेषः पग्नीरः ५८ विषयः श्चेष्टी ५ । या या या श्वेषः विषयः यद्याची सुवात्त्र हेर् स्थावेर्य हुँ दिन्ने रेप्पेद प्रयाधी सर रेप्तिया चीया है स्थायस्य ब्रेन्-चलेन-धेन्-धन्न। नयालेगान-क्रुथ-धेन्निन-धेन्नियानीयानययान्नालेगा चर्चर स्रो विभावन्य तर्ने सेन्यर विभाने तर्ने ते विभाग्ने से राजविर प्रायस्य त्रातस्यात्रमान्याः स्त्रीत्रान्त्रमान्याः स्त्रीयात्रमान्याः स्त्रीयाः स्त् ब्रिस्पेर्व्यक्षान्यर्थे वर्त्वत्रम्मका क्षेत्री सम्बद्धाः सम्बद्ध न्वो नक्षेत्र ने या वाकोर न्द्या द्वाका वाकेया या न्दा केत्र वाकिया र्येवा का वाकिया या न

योन्यर प्येंद द्रवाया वोरान्द्रवायव्यवा उन् श्वीर त्रुद्ध त्राची त्रुद्ध हो द्रवा श्वीर विकर योषु त्यया त्येष त्यः द्रभा श्रीका तसूर हो। क्षेत्र योष्ठेया सूर श्री द्रभट हो द्रपट हो द्रपट हो प्र क्षेत्री इसमासक्रम दुः विदानमा कुया में क्रांट की दुर्गी रासर्हेंद क्षेत्र कु वे राहिंद या वर्षया इस्रमा हिर वेचा डेमा झुमा निचान सेन छीया स्रमा छी हैन विचाया हिन छीया हिर सेटा वेयःश्चराग्यरः। ५५८:घे[.]५८:५५:६ग्यःसेन्:५२:५२:धेस्यराग्नेःसेटःदयःसस्रो ने वयान्यो प्रस्नेव कुया चेंदि चें ब्राम्य विष्कृत विमाय वमान्य विष्य विमाय विषय विषय विषय विषय विषय विषय विषय स्वा वी स्वा वी राज्य प्रयास्य स्व स्व वि वी राज्य वा से वि प्रयासी स्वा से वि से राज्य प्रयासी से वि से राज्य न्वो मङ्गेत्र या तुः यो न प्रथा सुर या सुः वे र र न र म सङ्गेत् ये व वि या न म र म र र र र र र र र र र र र र र श्रुया कुर स्रयः श्रुयः हे दर से दिवो नस्रोदः श्री रुषः सः श्रीदः नस्रोदाः हैवा श्रीदः दुः तह्नाः दरादे वर्षा भी वेराविक रादावर राजक्याया सुर्वा राजा द्वारा सुर्वा सुर्वा राजा विकास सिन् राज्या है। विषालो ता सार्द्र ने द्वेत से का नवी विद्वेत की सुष्या हि स्वर्ण नुस्वित वर नुस्वेत स्वर केत र्धे लेग सुर हे रुष या वर्षे वा वलेब प्येन यर। वुन सेन ने प्यन हे स्ट्रीया सेन पर म्चित्र भेतुः स्वेत्र त्यन्ते त्याः भ्रेत्र स्वेतः । ययाने ते त्यस्य स्वेतः स्वीत्ययाने सेन् रहेया पहेंसा ॔ख़ढ़ॱढ़ॸॣॴॹॖॴॹढ़ॴऒ॔ऻॴढ़ॴॸ॓ढ़ऀॱॾॖॴॹॗढ़ॱॹॖऀॴऒॴॶढ़ॱॸॗॹॖॴॸॱक़॓ढ़ॱ त्र्राक्रियाः यक्ताः क्रुंदास्याः सद्दार् क्रुंदा। देवस्य दुर्वेद्वातिः वद्वेदिः वदः दुः स्वदस्य सदः च्.भ्रेश.४४.क्रेय.पर्कत.५५.५५.केय.श्रेट.लट.२.२८.लट.लय.३८.१४ यर्त्रेत्रभूना नर्ष्या यर्त्रभू में ना सर में बिना या श्री र त्र सा सवत सहना सवत सहना सेना यः र्रेषायायदेश्यरयाः सुयाधीदाव वरालु वालीवायदेवाः हेवः दुः ब्रिवः दुया देवेः क्रेः तदेते वया द्वा वेद वद्य वया ये त्युया हैया त्युर्य हैया त्युर्य हैया त्युर्य हैया त्युर्य व्या त्युर्य हैया विवा विवा कुः भेदः याधीवः वाब्युद्यायय। व्याः अत्यदः ये विवाः विविदः यविः वाव्याः याः क्रीं याः क्रीयः विवाः विविद्याः विवाः विविद्याः विवाः व शेसराउदासर ये विवासीद उर में वायर सहित्य रेता में की वायर सहित सामे की वायर सहित सामे की वायर सहित सामे की वायर हेबायाकेलेटाबीयबद्याबीदायदायात्वरीत्रीतृत्वावर्षेत्रीत्युवावर्षेत्रवर्षेत्रवर्येत्रवर्षेत्रवर्येत्रवर्यत्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत्रवर्यत् वतर रर विवेद क्षे हेरा यदे क वर्ष श्रेषा यहिन क्षेत्र अप श्रेष रद वर श्रेर प्रे रट रे दर्गेन पुरा से मुख्य छीय तुषाय यहमा दुर्द्ध द्वा या से कु हैन विस्रय वहेंग प्रवित्र प्येन् प्यर प्र क्रिंते प्रें का क्रांकी प्रहेश का या सुप्रकारी सुवित प्राप्त क्रिंत प्राप्त कर के प्र रेन्-सूर्यात्रयाञ्चेनान्सुनयान्नेवायरायाः अन् सुनयाः भ्रीतायरायेन्। यार्डेन् सुर्यात्रयार्श्वेषा प्रसुप्रयात्र प्रयोग्वित त्ययाय्यया केत्र ये लिया प्येत या प्रा शेसरा उत्राया साथित प्रति श्ली राहे दिरा द्वीया तारी प्रताय से दात्र साथा केता से विवा देवि बिरायान्यो दे स्थ्रिया दे सी बेयायवि हैं बाया इस्रयाया यह के हारी बिया स्वाया स्वार लेव। दश्चायायदे वदानु त्यवायाचेया या से वर्ची यदे स्वयं स्वयं विवा से व दो इसमाया यतः विवाया केतः विवाप्तरा। देते यो स्वाया उत्तर हेत् या देता या स्वाया स्वया स्वाया स् च्चा अर्चे अर्चेद र्येदे चायर अलिया दश अर्केट च्चय अ च्चेट र्येद र्येद रें अर्केट ट्यू अ प्रवीतार्यर प्रदायर प्रवीका के प्राची के के कि र हुए मुख्य प्रकार र अधुः स्रेट क्यारी द्वाया वायन द्वाय स्वाय रे.रेयाबाबीर क्रींच्याचेर तायर तर्हायह्याचीर मी.प्रांच्य तीय ब्रींट क्रींच्याची हीया त्या न्दःसञ्ज्ञस्यन्दः। देःस्यम्बन्नस्यन्तेत्रस्यन्त्रेत्रःस्यान्त्रःस्यान्तःस्यान्तः। न्तरः कः में वात्रयः उत्रः केंयाः युः नमें या युरः। अयः कुरः त्रे नम्याया यो नने सूना या वेरः

यानम् नेरायराष्ट्रराष्ट्रराधेमा श्रेंचा चार्डेन त्यने साम्राची वा नामा नामा साम्राचा त्यने ते विद्या वयायर रेखिया वर्षुर पतिवर पेर्द धया तुः क्रीर मात्रवा यो। वा वया वर्षे स्वया यो। रवर्षातुर्षाने व कुदे में अरार्श्वय दव यालेगा से राष्ट्रा में से से से दायर केंद्र साथ कग्र रा चनवामान्या देशाचनदान्यः स्त्रीचनवास्त्राच्या स्त्री <u>ब</u>्चिया:क्ष्रुं:बर:ब्रेन्:य:दे। ब्रूं:बर:ब्रेंयाया:ब्रुंया:यय:ब्र्या:यय:ब्र्या:यय:ब्र्या:यद:ब्र्या:य श्रेम्बर स्वास्त्रभार्ने पक्षेत्र हे. पं. पं. पाच र प्रजिता थे. प्राप्त र स्वास्त्र स् য়ৢয়৾য়ঽ৾য়৻ড়৾৾ঀ৻৻ৼয়৻ৠ৾য়ৼ৾৻ৼৢ৻ৼ৾৻ৼ৾য়ৣ৾য়ৢয়৻ড়ঀ৾৻য়৻৸৻ঀ৻৻য়য়৻ঀ৻য়য়৻য়৻৻য়৻৸ৼ৻য়৻ योषट्राभ्रायोषट्रयोषट्रायर्भाष्यभूरा रवापुः मुद्रायात्रुस्रसायायायात्री स्रीत्रुट्रा चर्रात्र्याचन्द्रन्त्रेश्वाम्बुद्रश्वार्शे । विश्वाचन्द्राच्याः स्थाप्याः येषाः योषाः यद्राः तर्वम्याञ्चानाः भेत्राञ्चे। युषाः ग्रीतर्द्वः मञ्जूनः ग्रीकाः भेः तन्दानः ने सामानिकाषासः र्यासर ये विवा होते लिया राज्या । नियार अस स्ट्रीत स्वार थेट व ख़ूवा हु:व से द्वव या रेट थेट या दटा। अट यें रास वें राव वा स्वव हुट व केंद्रः भ्रु:बिद्रा यदः के प्रयार्शे या केंद्रिद्रः भ्रुदः मीया यक्यया रे माउदः ग्रुदः। याक्त्रया देर भी केर् केंद्रायर हे सूचा व्यावर्धी वार्शेवाया अर्देर दाद्यर वस्पावर हे साम हे स यरः अः चन्द्रः देवा वास्तरः देविवा विदेवा यद्भेनः श्रीतः स्पर्वा । से स्वरः देवाः चठन्व कुट कुट वीका केंन् क्षुप्तकाका कानेति की धीका वा बादी आपेन् बेपा किया कुटा

व दवो वसूव दर सेवा देवा से संस्था क्षेत्र से से दार विवा कु स्व र स्व स्व स्व स्व स्व स्व सेव से से स विषाधिताया अर्देराताचेंसायुतायद्वायायाया रदावी युत्रायाद्वी सूर्वा वया | याववः वः यावेदः यः याचेदः हेवा । हेवः याबुद्यः यथा । वहेवाः हेवः वद्वेदःश्चेन्।क्रम्यायः पेदः र्क्ष्ट्रःश्चेयः माडेयः यः प्रदःश्चेन्। प्रेयः प्रदः माः प्रदः मीः व्युयः वः द्यत्र केंद्र स्राविषा त्रुषा दत्र देश तद्विष त्रुषा धेर्म स्रोस्र स्वर्ग वावद ही श्रेषा त्या ही । चलम् व स्रोधारा उत्तर्भ स्त्राची त्यासून चर्चया दे दें सालीम् के च स्ट मी त्युरा त्या द्योर न्नदःश्लेर्द्यवादया रदःवाडेयायाकुः सर्वतः दुः नुष्याने वाववाया वार्वेदः या श्लेयाः से र्दः या भीत्। रदः वी अरु त्यवा यया वसुरा स्रे द्ववाया तर्वे तिर वाहिया वास्रु अ हिवा मी कें त्या क्रेंन् प्रदेश स्वर्ध स्था सुमा लेगा भेंन्। मी प्रदास स्था सम्बर्ध स्वर पे वद्वतःविःशः द्युवः यदेः सूवाः वसूवः के र्डमः हुँदः सः रेद। वृः वः षः षः प्रेतः से रेस् त्रु व्या युर्जे अप्याधित ने सहे यात्र या पेट की। वेदु सुवा तु सुवा धित ने स र्ग्रीय रु तहें वा की। देश या या तें र या श्वी या विष्या या विष्या वी या श्वी रा यरतःसूर्वार्थेर बेरावारे तद्वे वे कुषार्य मुज्य कुर्य कुरा कुरा के वर्षे द्वीय तर्वाय। र्केन्द्र-वार्रवायाध्येत्रयम्भेर्यायस्य स्थान्त्रयः स्थान्य स्थान्त्रयः स्थान्यः स्थान्त्रयः स्थान्त्रयः स्थान्यः स्थान्त्रयः स्थान्त्रयः रदः क्षेत्रः श्चीः त्युकाः व्रेवाः व्यापेदः वाद्यदः सूचाः वस्वयः वाद्यवाः व्यक्षेत्रं व्याप्येद। द्योरः वात्यः वबर बें बिवा बीबा रदा वी तु दूर तु बें दि भाव पर्दे द की क्री वा दूर है । कुर्-पवर में लिया यीयाया यदि सायी वाया सुरा याया योयाया उत्तर की देयाया सुर्कुर यदः अल्लेषाः षा प्रवास्त्र व्याः अते दिन् रहे हो या जी विषाः प्रवास वि कुर्या भेर्प्य स्वीत्रम्य स्वाप्य द्वा स्वीत्र स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य चलैब दु चेतु हैं त्ये सुवा वार्के द द्वारा प्यार द्वार प्ये द स्वेर स्वीरा द्वार के सुर वि

च्यायायात्ववर्यः यात्रुयाः वया तुः द्वीत्रीः वियाः यीयायाद्वेयाः व्यतः योः यः यात्रवीः वर्द्धेययः क्रीत् सुवा तर्सेवा वया सुवा वार्ये र द्वाया है रेते वा स्नाया गुवा क्षार तर्सेवा वास्या है। र्क्याप्पेर्-पायाध्रेंबा क्षेत्रियां क्षेत्रियां केषायां या हिष्यायां वयायम्बायाग्राटावे व कुतिवयाञ्चायायस्य त्राद्यो प्रदाष्ट्रिया या वर्षे र व सूवा यस्य से र्ड्याप्पेर्। भ्रीन्यर्व श्रेवाविर्ग्धित्र व्याक्षेत्राधित व्याक्षेत्र व्याक्षेत्र व्या याह्र अक्तुन्ते न्दर्भ दे के विदेन स्थय न्दर विदेन क्याय की न्यद वीय प्रयान या ५८। लेख्र-५८ गृहे स्यामी ५व८ ग्रीयायय ५ व दे प्रतिव ५ दु इस क्षेत्र श्रुर वर न्गायः चार्श्वेदः नवीं या या या नवा चार्वेया चयन व त्या की का ची व व ववदः भ्रुप्याविषाणेन्या विषावषन्त्र। श्रेषा वार्षेन् ग्री भ्रेषायषा श्री केन्याय য়ৣয়য়৻ঀয়ৣ৾য়৾৽য়য়ৣয়৻য়ৣ৽য়য়৻ঢ়৾৽ৼয়ৗৢয়৻য়ড়ৣয়৻য়য়য়য়ৣ৽য়ৣয়য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়ৢঢ়৻য়য়ৣ৾য়য়৻ র্মা.কথ.গ্রীপ্র.নেম.গো.গ্রা.বেপ্র-থ.পেশে শ্রীপ্র.বর্দ্রধ.নেধ্র.শ্রে.বর্দর্প। नर्म्नान्न तर्केट यावन से निट स्वाया वार्य या की सेंग्रान्य किंवा व्यया क्रया सेंट ना धीना रव हु जुर व लेवा वीय दवी क्वेंट वी केंग्र वले यय वदव से छुद लेट । दवी क्वेंट वी क्रेंबायबि:र्यायार:प्रेव:बे:वा यावे:य:य:श्चर:श्चेयावे:य:५८:। विंब:य:य:श्चर:श्चे: विना परेवायायास्त्रमासीरेवाया सर्वतानुष्यायायास्त्रमासर्वतासीय वर्ते । अर्दे थया रव हु बुद वस माल्य या मोर्वे र य र र । । माल्य य म्नद्र रदः मी तुः कॅ में श्री लीवा मीया ययदः सेंदः यदे सूवा योग्रया द्रदः यः में यः यदि या या है। वर्षेयायायायर सेर्न् इरा रेवायार्यायाङ्गायी यो स्वायाः करायाञ्चा यायाः करा यः भ्रेंत्रः या चित्रा त्यः भ्रुत्वर्या सुः सेंदः चतिः सेंत्रा दिनः या। युत्यः भ्रें चित्रवाः चीः ददः स्वरुयः र् भे विवा भे कुर्र र वर्के व अक्षा क्रीय विवाय पेत प्रकार कि र वा कुर र विवायी केर र ब्रीय के यर में 'सूर्व 'सूर्व म्यां अंदर्व र स्रोद 'याद कें र यर में ब्राच से द्वार स्रोद स्राप्त स्रोद स्रोद स्राप्त स्रोद स्राप्त स्रोद स्राप्त स्रोद स्राप्त स्रोद स्राप्त स्रोद स्राप्त स्राप्त स्रोद स्राप्त स्रोद स्राप्त स्रोद स्राप्त स्रोद स्राप्त स्रोद स्राप्त स्रोद स्रोद स्राप्त स्रोद स्राप्त स्रोद स्राप्त स्राप्त स्रोद स्राप्त स्रोद स्रोद स्राप्त स्रोद स्रोद स्राप्त स्रोद स्राप्त स्रोद श्रेवा पर्द की श्रेवा पर्दे के श्रेश्वा श्रेवा था विद्या पर्द वी श्रेश्वा स्वा श्रेवा याठन् पति सेन न् यावत् त्या श्रीया यार्डन् श्री होव्य न श्रीया यार्डन् श्रीम पति पत्र हे:रदः नुवायः ग्रीयः क्षेत्रे विदा दगारः द्वेवायः ग्रीः द्वेयः स्ट्रेटः र्वेवायः सर्हित्। सें स्टित्। वर्षात्रेत्। यद्यक्षात्रेत्रात्रः वीद्यात्रयात्रा वर्षेत्रात्रात्रः कर्षात्रात्रः कर्षात्रात्रः वर्षात्रा न-१८। श्रेंना मर्डेन श्रेंट नदे नट न न ने श्रेंन थय है न न प्येन न लेन नु त्यायाम्बर्का । निषायुषायीक्षीत्रमान्द्राधीमाम्बर्काः यो भ्रीताम्बर्काः श्चेंद्र मेथा नश्चिता निवास नि के'बिटा देवे'बट'वी'केश'दर्भग्रथ'के'चेंब'बे'हेब'ग्रथ्य'क्के'क:क्केबा दर्गोब' यर्क्यायर्क्ट्रप्रतिःह्य। द्योत्द्वः ह्युत्रः वीद्योदः योद्राच्याः यः यदे अर्थे द्रास्तुः यः दे के हिषाद्रीयाया के पादरा अके दारादर विषय हे या प्रसेत प्राप्त हुया के दे न्वा प्युत्य वाह्य दे प्रिया स्थान या सुरा चारी राज्य स्थान श्चितःविश्वाययरः दे से राष्ट्रेशाया के या प्रवेदः ये विष्ठा विष्ठा विश्वाय विष्ठा विष् यरयोदया श्रुरम् चुरात्राच्या राधितयाधितयाधितयाभ्यत्म (बेर्यायादी भ्रेविन द्र्या विराम वि वरावत्रात्राह्मप्रस्टा याद्वीवायेवावेषायावी नवरावीषायेवाया सञ्चरायेत्रया गर्भे श्रुकायेत्रयाया सेंग्राकायायेत् सुंवासरा में पेर्दायापेत् प्रमा म्'त्रस्वा पर्देश मध्या स्टूर विस्वाय स्वाय प्याय स्वाय प्रमाय स्वय प्राय स्वय स्वर स्वर स्वर स्वर याद्यराचेत्रायाद्या याववाद्येवास्याचेत्रास्याक्षेत्रास्यात्रेवास्यात्रेत्रायदेशायदे याद्वीतः योत्रः सुरः <u>चायाः सूर्यः द्वारः प्रात्यः सूरः वीः सूर्यः याद्व</u>ारः याद्वीताः वीत्राः सा वुक्तमञ्जरक्षरक्षात्वरत्वद्वरिष्टि। ई्यायः स्वावकावह्ययावर्षे वाधिक। म् प्रति ग्रिके से म्राज्य के र प्रीय या । प्रमास स्ट हिन पर्के श्वीर म् मेरास क्रिया । प्रियःर्ट्यः द्रवः वदः क्र्यः चः वश्चितः चर्या चर्याच्या । यवतः व्यवाः चर्यायाः व म्र्राचरुषाः सद्व्यार्थेव। देशायाशुद्यायाः सूर्व वदीः यावि वयसाः र्सेट्राचाः यवरः व्याः क्रिं र द्वेषा वितर वी केरिय वी केरिय वी केरिय वितर वी केरिय वितर वी केरिय वितर वितर वितर वितर वितर रेव वर हे लेवा कॅर प्रवेशिय ने या या मुहु या व प्रवेश का यमुष्य । पे प्रमुख र्ख्या विरायालेगायर वशुरा । वर्षयाय रहा हेन वर्के धिरानु मुल्येयया सुवाया स्टाया ययान्ववर्थान्त्रुवायर्थेन्यायर्भन्यान्यः सूराधराम् प्वदेष्ट्याययान्देर्यायेन्त्रियन्त्राये - ५८ (व.चेल. ५) . ब्रुच. मुं क्रीका तपु . चरा देर . चीवी . चरा या श्री र. च. या बर . ब्रुच। बरा या अरा . ब्रुच यः भेरा कुंवः विभग्नः नरः व्यान्या भेरः पदः नरः वनः वीमः विष्वा भवाः नरः कुंवः तर्केशया सेवाया सम्प्राम्हेर् या स्टार्ने वाया न सुनया वाने प्यान सम्प्राम् वाने वाया विवायो वरः तुः च क्रिंचा वा व्यापा व् क्रिंग'यहिर के राटे का लेग'यदी धीन नगे क्षेट के राउन छीला राट मी विराध से गा

यदे केन न् मुक्य ये या क्रुक्य न् मुक्य या कर्म्य या वा क्रिक्य या या विकास या व सूर दर वरुषाया सर्दे या दर्। दर्ने या सेवाषाया सामा विदेशियार सुराव वसून यासायात्रमान्त्रमायाधीता वीरामायाद्यायात्रमायावीतानुमाने वीरामायाद्याया योशीर्याल्या पर्युष्ठा स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या ५८। श्चिरकोष्ययायलेवाणेवाण्यस्योत्त्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वान्त्र्वा वायर प्येर रु से प्रकृत । मृत्य सार्वे सी रे सालिया सीता हो र से से प्रकृत सी सी विया यः श्रे लेग में ह्ये निवार पें निकेट श्रे ते वाया नुः श्लेन रमा वन नुः वर्षे र श्ले त्वी नुया कः क्रीतः प्रतः भ्राम् व्याः व्याप्य विष्याः विष्याः व्याप्य विष्याः विष्यः विष्य हतः दें त्याचे दिया है या है अपाया वात्र अधिता देवा अधित से दिया के ता से प्राप्त के ता से प्राप्त के ता से प्र कुं भेर्राप्तरायम् राज्या के तर्वा के तर्वा की वार्षित स्थारा नात्र राज्य स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान धेवाः क्षेत्राक्षेत्रः अविष्यः ग्राटः वर्ते रः स्यटः सः वः तुवः विदः क्षेटः व्हेरः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क रें। ।५.केषु:श्रेचकाताः कें.बुर्राः जुर्राः कें.विकारविता यक्षियाः जुर्राः जुर्राः विरा શ્રીઃર્કેન્'યાલને'વર્શેન્'ન્રયમાત્રા'વશ્ચનાશ્રા'યાન્દ'સાગ્રીનુ 'ચેનુ'શ્રીનુ પ્યેનુ 'ચોનુ धी-द्रवायात्याः क्रीः प्रवेश्ययायो स्थान्दाः वर्ते द्रावेषः वीत्राचीः प्रवायविषः क्रीः क्रीं क्रीं क्रीं क्रीं यः मुरायदेः इत्रः श्चेत्रः भेता भरः सेत्रः त्वावाश्चेः मुः नरायाः श्चेताः नरायाः श्चेताः मित्राः गा.मी.प्रपूरु, प्रचित्र, मीर्थ, मीर्थ, मुर्ग, मुर्ग, मुर्ग, मीर्थ, प्रचेत्, मीर्थ, प्रचेत्, मीर्थ, मीर्थ, प्रचेत्, मीर्थ, मीर्य, मीर्थ, मीर्य, मीर्थ, मीर्य, मीर्थ, मीर्थ, मीर्य, मीर्थ, मीर्थ, मीर्थ, मीर्थ, मीर्थ, मीर्य, मीर्थ, मीर्य, मीर्थ, तर्यः विष्याः वाश्चेत्रः तुः सरः येषा च लिरः सी स्नूतः यदेः स्नु केतः ये ज्ञायाः चलितः व्येषः यति याः ८८ मुवादर् हे रेट हे य है य दुयादर् हें ब्रह्म कर दे वो हो र दिवा वर्ष हो त्या हो दिया वर्ष विवाप्पेव। वनैविन्वोप्त्व की कुष्ट्राया र निवासी करिया कुन ने केंट्र में वनै या कु

वः त्वर्र्या स्वर्तात्र । दः तुरः स्टः वीयः द्वो त्वतुत्रः यदेः श्चे स्या वियायः या सेवायः यरच्चैत्रयाने द्वस्याश्चैतात् पदि 'न्यायाः श्चेराने स्टानेन चायवैतायेन यायने सेन्। द्वित्र वर्षा से वर्षे राष्ट्र प्रियाय स्रेत चेति वर दुन्य वर्षे दिवी पर्वे प्रायम्भव वास्ट्र या ५.२५८.लु.२वाय.सूर्र.वाध्यात्रायायः वाध्यात्रायाः क्षेत्रायः विवाः विवाः विवायः केव में उव विवा सूर सुर निरान प्रताय भीत या सीत या सिराय कि न विवास विवा क्रेन् व्यायो प्रवास क्रीया व्याप्त व्यायो व्याप्त व्यायो व्याप्त व्यायो व्याप्त व्यायो व्याप्त व्यायो व्यापत उदायर में प्येर द्वार देवे प्रायक्त हो अन्त विदायें दाया अर्क्स या रेर प्यर सेवे यानुवाबान्डन तहेवाबान्धु रुटायाबादायाधितान्वाराम् वीत्रीत्वातान्वाराम् देवार्थाया विवा क्रेंन् नडन वर्शेना वाडेवा विवाय वाडेवा विवाय वाडेवा विवाय वाडेवा विवाय वाडेवा विवाय वाडेवा विवाय वाडेवा ने तर विवय स्वाप्त स्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त यः र्वेतुःतवायः श्रीःतुषः विश्वेषात्रो देतेः यथः श्रीः श्रूः वहवायः यथः प्रदः वीः सर्देतः बृरयेवयात्रयादेवीययाणीमु लुयार्के। वर्डेयावृत्रप्रणीयाव्युरयाहे। য়ৄ৾ঀ৾৾য়ৼয়৽য়য়য়৻ঢ়ৄ৾ৼয়৾ৼ৻৴য়য়৾৻ড়৾ৼৢ৽ৼয়ঢ়৽ঀৣৼ৽য়য়৻ঀড়৽ঢ়৽য়ঀৢ৾ৼ৻য়ৣ৾ৼ৽য়৽ৼৼ৽ वर्दे विया मान होत् स्मानका वर्देश द्वो स्मेर को त्वा वर्द्ध प्रमान का साम का क ८८.क्रेट.त.चक्ट.ट्र.ट्रबीय.वाययात्रथ्याः स्था र्वीय.व.चखेवाया.हे.वाययः चरुतःच द्वराया क्रियों व्याद्य होत्राय वर्षा दे दिव्य यात्र वर्षा या द्वराया दे वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा व ने मिन्ने अगादि होत् प्रदेश्वर विषय चन्ने ने स्टर्मी अयो न होति । मिन्न मिन्न स्था 557 ने तर् नुष्यायते द्वयाञ्चीदा श्रीका तरिते सूचा चस्या तरी प्युदा रीटा ये लिया या হীবা

नुः व्वेतः क्रें यया वर्ते न वार्ते न वर्ते न सूवा वस्या यया वरावराव शुरावा धीता लेया यश्रद्या श्रुच-२र्ग्व-ग्रु-श्रुवा न्वो-श्रुवायार्ड-श्रुव्-य-५८-न्य-प्रविचा ता विरः वया वया चेत्र इसमा सुप्त नियम होता विराधिक विर ब्रेन् क्रीत्र तर्मा यात्र त्याया स्री न र विना नास्ट्याया यया ने स्रीत न ने तर्म त्याया ब्रेन्यायायासुन्तरार्वेषायासुन्यायासीयाते। नेप्नोपन्यासुन्यायासून्यायासून्याया युवानुः श्रुरावाने वद्वे श्रुप्ता योदायर विवा वेरान् विवायवाकी र स्टेंबान् वो वनुदा तपुःश्चेषुःजन्नःगाःश्चेरःश्चेपन्नःश्चेःह्नार्यःयोः विस्यायाःवश्चे सार्व्यत्व। स्याप्तायन् वरुद्देश्यरत्याञ्चर्याद्वर्या यर्ष्याञ्चर्याद्वराय्याच्चर्यात्वर्यायद्वराय्याच्चर्यात्वर्याद्वरायदेश वदः विरायान्या। बेरकारेरा अर्थेव श्रेष्येव श्रेष्येव श्रेष्येव श्रेष्येव श्राया विष्येव श्रेष्येव श्रेष्ये वैवा:ग्राम् यान्तेन व्यवयायेन मुख्या कुं वाम यम प्येन याप्येन प्यम्ग्रान स्वेन वार्ड के स्रो देवॱळेवॱख़॒वॱवॱॶॖॺॱॸॺॱॺ<u>ीॱ</u>ॺॸॖॖढ़ॱय़ऀॱ॔ॺऻढ़ॸॱॸढ़ऀॱॠॖॸॺॱॹॖॸॱऄऀॸॱय़ॱऄॿॱऄऀॸ्। यर सेर कें प्रयंश संख्या दीर तार्य याता के या लोग वाय पर कें किर रेश सेर अपूर यावर में श्वान्वाद बेर न लेवा न लुवाय पेर माया न देश में लेवा खेर गा खिर था तत्वायायाधीताधीतामान्यो।तत्तुतायावात्वायायाधीताचेरायादीयाचिताचेताचेरायावाया यक्षिराण्ये देरास्रेन साबिया होन् सरस्य बन् निर्मा होन् रही रस्य बन स्विया स्विया प्येत प्यान तर्यक्षेत्रायहर्म् क्रुं ने तर्यस्याया वियान्य। प्रार्थितास्याया स्वयास्य लुष्टान्नान्न प्रित्ति विष्टान्त्र कार्यान्य कार्ज्याचित्र विष्ट्र विष चलुम्बार्या रेत्। चलुम्बार्या या स्ट्रिंट चर्मे बाहे सार्वा स्ट्रिंट स्ट्र स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट स्ट्रिंट

वयायवियोगाल्येन्यान्ता ह्यायाक्ष्याक्षीयान्त्राच्यास्यान्त्रीयाक्ष्यायान्त्राच्या यवर ने वद रेन्। श्रेर श्रुश्पीत त श्रुवियात्र श्रुद व प्राप्त । वें र ज्ञायका की त्येव या छन् यर नु न् गेवि सकेवा वी न् गेरि हेव स वेरका स रु सुया: पेर वा ने द्वा हो वे की ववा परि विक्वा या सार्वेर साविवा वा वे ववा देश के से द तर दर्शित त. तुर्वे व्याया विष्य । विष्य विष्य । विष्य विष्य । विष्य विष्य विष्य विषय । विष्य विषय विषय । विषय क्र्यावयावीयवी प्रत्ये प्राप्त हो बेरया महिया मी सूर्या प्रस्या दरा दर्गी र दे ब्रस्य या दीवा व नम्भव केव सर में व विक् विव साव वर नुत्तु न सेव स्व प्राप्त स्व प्राप्त स्व । क्रेंब खुर्य प्रति देव द्वी न र प्रेंस ने क्रेंबिय न वीषा वाषा वाषा विद्या प्राप्त है । न प्राप्त है । क्षेत्राबार्याचेत्रवार्यात्राच्यात्राचित्राचित्रवाचित्रवार्याच्यात्राच्यात्रवार्याच्यात्रवार्याच्या वित्रदात्रकारो त्वराधीत व्यन्ति वित्रासीय। क्षेत्रित व्याप्त स्वर्था वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र वित्र क्रूय.जम.भ्रेय.सेचा.चैय.पर्यंग.बिर.४मम.ग्रीम.३.सुचा.चैय.चोर्यंट्यो विर.४मम. क्षेत्रान्तेः प्यम् सामुकालुका विवासीका यह वाका सका सके दि से से सुका स्विवासिद स <u> ५८.जयाक्षेश्च</u>ीयायाद्यार्थे र्वेयायाम्बन् कुटान्टासूटायेन् स्रीयहर्ने यापीयात्रा क्रूबान्त्रेयायबाक्र्यायबाक्कुत्व्वबायायात्रीयमुद्राया विनायम् दुर्वार नुप्तविन प्रवे र्गोर्यः अर्क्याः मी र्गोर्ग सः अदे र्बेर्ग यः अदे कुः हर्यः इस्याः ययाः र्वयः याच्चीत्रायाञ्चरात्रायारात्र्युयायाराञ्चीत्रायात्र्यायात्रा देः इस्रयाय्याया विर्यम् उत्राधित प्रमासी वित्राम् मार्गिताम् वित्राम् वित्राम न्ग्रिः श्चीः श्चीतः यथा यो वाषा यदी धिंदा कृतः वाषा यः न् द्राधीः दर्शितः श्चीदः श्चीदः या प्यदः। यावतः स्ट्रेन् :ग्री:ख्रुं रूप:बीयाव:न्यो:यवेष:स्यायर्थ:यावहरू:न्याय:न्युट्रूरू:याःसी:न्ट्सी: ययः यः चल्रेवः द्वेदः क्रेवाः यः लेवाः सेदः यः यथा अप्रवाः विद्यः शहराक्षें भ्रेट.शूट.च.टेट.। कॅर.क्वे.ब्र्य.त.चश्रश.कट.चर्ड्रट.वंश.शू.श्रांच्यात.वंया. हु-शुर्रेर विष्य विरास्य विष्य क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विषय क्षेत्र क् थानेरासराहेन्यानगुराहेषारार्यापेरावितान्त्रितास्त्रितास्त्रा यन्दा र्वेदायायेन्यायरन्द्रह्नेन्यायेदालुयायया हिन्यरायीयान्त्रीयाय बःचरः छैः तदः प्येषः चाँछेषाः वेर्द्धेषः प्रदः वासुरस्य। प्रोगिरः सः बेर्षाः प्रस्यः प्रस्यः प्रस्यः त्रश्चरःवदेःवें कुषःवेंदःयःवेद। रवःश्चरःरुंवःवर्क्षयःवर्क्षयःववानवरःश्चेरःश्चियःयः यम्रमायबर विवानी हेमाय हुर य दरा थ्रम श्री य श्री य श्री य विवासी स्वापन लेगा-भेत-त-५८:वर्षा-प्रभःगर-वेर्ष-त-इर्ष-द्रम्भेत-क्रेट-त्य्यु-र-तुर्ग्रेट-५र्गेष-धर-पास्ट्रसः लूर्न.त.लुषा चकु्त्र.जॅब्र.पर्यं क्रींच्रांचुया.चुया.ज्रांचकुंपु.चर.र्ने.क्रीया.त. *ॺॣॱ*ऄॕॹॺॱॺऀॹॱय़ॖ॓ॸॱय़ॱय़ॺॱक़ॖॕय़ॱॺॖॎॺॺॱढ़क़य़ॱय़ढ़॓ॱॹॸॱॿॴॱॿऀॴॱॹऀॺॱॸ॔ॸॱॿॺॱॸ॔ॸॱ योत्रीय:ब्रम्भावसायाद:ब्रम्भायस्य यास्युद्रसाय्येद्रयाय्येद्रयायाः दे:द्रीटावःस्रदःहेस्यायक्कादः पर् स.चोरीयाकी पर् था विषया श्रीर श्रीय सर वृची श्रीर ची पर स्त्री विषय पर ব্রিমমর্স্করার্ম্বর্মার রেম্বর্মার রেম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রেম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রেম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্ম ক্রিম্বর্ম ক্রিম্বর্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রিম্বর্মার্ম ক্রেম্বর্মার্ম ক্রেম্বর্মার্ম ক্রেম্বর্মার্ম ক্রেম্বর্মার্ম ক্রেম্বর্মার্ম ক্রেম্বর্মার্ম ক্রেম্বর্মার্ম ক্রেম্বর্মার্ম ক্রেম্বর্ম ক্রেম্বর্মার্ম ক্রেম্বর্ম ক্রেম न्वीं या वेर्न्य या के व्यापित सुर्वे या प्रमुख्य या प्रवेष या विषय या विषय या विषय या विषय या विषय या विषय या ग्रीयः क्रेंयः ग्रायुद्धयः त्र्यः पत्यायः प्रेंदः स्मानयः विगः या स्वः यदेः व्याः त्रयः चेतः विगः चलम् याद्रा र्सेन सार्क्र सम्मानुत्र तस्र प्रेर द्रुम निर्मे त्रुम चर्म स यते कुं के प्रेन देश यथ। द्यो तद्व सर येते कुं स्थात् वु देया य स्या

ल्रेट्-त्रःज्ञान्नेद्रुश्चावस्यान्दः व्रिट्नेट्यस्ट्नेद्रः मेन्द्रः मेन्द्रम्यस्त्रान्द्रः मेन्द्रम्यस्त्रा हेत्।वः वेदः यः रेदः विदः देः वीका यत्युरः यः वीका यासुरः वा। क्रें.चतु.क्रुं.ब.पर्या.तपु. <u> २चॅब्'चॅकॅश२्वर'वीबासाचीबायाच्चर'वदे'हेबा५सेवाबाचीबाधीताधीत्रवाबाचीबर'नु स्र</u>ी यः सरः संग्रेन्य। देः सूरः सञ्चेदः योदः श्चीः हेयः द्रीयायः वेयः द्रायाः यादाः स्ट यान्त्रीत्रायेत्रसूरवात् यार्षे देवात्यासुवाते व्यान्यात्रम् व्यान्यात्रम् व्यान्यात्रम् व्यान्यात्रम् व्यान्या ब्रुॅन्थ्य सुष्य ग्राम्य विद्याय सेन्य सम्पर्य प्रमान्य प्रमान्य स्थित यर दें। । ५ दे न्यू स्थान स्थेन निर्देश स्थित स्थेन दि स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स ત્યુઅ: શું એ ન ને ના ના સ્યુઅ યાએ ર્સ્ટર અર્સુક્ પ્યેત્ | એ ર્સ્ટર અર્સુક્ લે સે રહ્યા અપ योत् यमः हुँद् यदे व्यक्षः क्री व्यक्षः वदे स्वा हु नुद वदे हूँ का विक्षका यक्षः वदिदे त्र स्वी दर ग्रॅन्टा वर्नेन्नोर्श्चेट्यवटरश्चेत्रवेरवन्त्रेशस्ट्राधीः विस्तवन्ते व्यादेनास्सूट् यहूर्यातपुः विरम्भः यम्भः यक्षः याम् स्ति। मूर्यः याप्तिः स्वापः यादिः स्वापः यादिः स्वापः यादिः स्वापः यादिः स रुट हुट चते रुष ने वया स्नेट डेवा या वडेवा या तकत वया वया वयट व स्वेया या स्वापार योद्रायराम्बर्द्धन्यराद्वोद्राययात्रास्त्राचात्रीत्रम्याचात्रात्रीत्रम्याच्या मिष्ठेत्र मेर् राम्रह्मे सेर पर्वेद्या प्रकाशित्र त्राया प्रविश्व मिष्ठे र स्वाय प्रविश्व स्वाय प्रविश्व स्वाय र शुरावाबादाविवा हेवादे त्या शुरावाकी सुदार दुविकाया तकवा ओदादादा के रास्तुदाया और য়ৢঀ৾৾৴য়৻ঀড়য়৻য়ঽ৵৻য়ৣ৾৻য়ড়ৄ৾য়৻ৡ৾ঀৼৣ৾ঀ৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾৾ঢ়৸ৼ৾৻ড়ৼৢঢ়য়ৢয়য়৻য়৻য়৾য়য়ৼয়ৢ৻য়য়ৼয়ৢ৻য় चकुःचासुरसः यदेः स्नाचसः सुः त्युसः ग्रीः सीः चासुसः यः विचा चायसः प्रीतः यो दिः वयाधीः र्क्षेट्या ह्येत्रिः भी स्वीया वायुद्याया दे । पेट्या हेवाया दवो वास्नेद वया र्क्षेट्या र्श्वेर-र्नानक्षेत्र श्चेन्दर-र्नु श्चर्या हे न्यहेर्न न्यनेत्र र्ख्या श्चेर्या म्युर्याया धीत्र । यालेशः ब्रेंदः च ब्रिसः यदे विस्रयः दर। वदे त्यः यदः दुवा वस्साया वदः स्टरं वीयाग्रामः

वयानञ्चरयायते वया वेदाया या युद्या यया वद्ति हेयाया के वेदा मुद्राया युद्रा यार्बे्राविस्रयाययाष्ट्रस्यायरावेत्याते प्रतात् वर्षायायरावेत्याच्या वःरेवाबाग्रीबाशुरावादरा र्केबाग्रीबाशुरावावार्वेवाबायाद्वीःवाबरायेंग्रीदाया वेजा जायो या की तह्य या नुष्ट वा सेंद्रा जा सुरा नुष्टु प्या प्रमान प्रमान के ति प्रमान के विकास में प्रमान के विकास के वर्षतः श्रीयः यव र। वेवा वायेयः सुरया व कें तर्ने वा गुवः श्रीयः वर्षवायः व हेन् हिन्। ल.रच.रेश.तपु.जीथ.शी.पमू क्र्य.रच्या अथ्य.कर.री.क्ष्य.प्रियश.शीर.चर. न्वात। वाद्याः स्नान्याः सुः सुः पुः पः तः सुः न्याः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स खिया यादपः लेवा या द्यास से स्वाया क्षेत्र स्वाया स देवा हेवा द्वाया स यरयाक्चियाग्री:यर्व, वयाक्चियावेषा यरयाक्चियाविराचक्यायाचस्रेव प्राप्ता चैश्वस्थितःतः त्राप्तः पर्यदेशायदः त्रवः त्र्यतः त्रस्य स्थितः वर्षातः वर्षातः वर्षातः वर्षातः वर्षातः वर्षातः र्टा सुर्या सुर्वे स्थान त्तरायाः श्रीयानान्दरः श्रीव नादावयात्रयानाः यात्रीयायानावयाना स्वायाना स्वायाना भुः तियाययाः याद्याः य मिर्या मिर्यायम् यात्रम् कृषा विषया याः मृत्या यात्र्यम् यात्रा स्वापायाः स्वपायाः स्वापायाः स्व वर्षेषा हे खुः प्युवा दुः क्षुवाया देवे कुं बर्मा वह सार्देव विवासीया विवाह। खुवे हुः तस्यापसूत्र हे पर्ड्यासूत्र तद्यापतुवाया पर्दे स्यर प्रेट द्या पर्ड्यासूत्र तद्या क्रीक्षुत्रक्षत्रक्षत्रक्षत्रक्षत्रक्षत्रक्षत्रक्षत्रक्षत्रक्षत्रक्षत्रक्षत्रक्षत्रक्षत्रक्षत् । देवेः वयानश्चेम्याने नुराविन नेते वरानु नुराविव व्यन्ति याया यामव स्रायु याम्यान

यानेकायर्देवानेकाग्रीकाने याभेदावकानेते स्रम्यकेंद्र स्रे हिंदा स्रूपा से प्रवेकार हिंदा ग्रीया वर्शन् वस्रमायम्यायायात्रीत्वर वीषाः भ्रुष्यानुः भ्रुषायायने सेन्। देव.टे.ब्रिट.क्रीश क्रेया.चर्ययात्रा श्रा.टेब्र्या.ब्रिट.प्रट.श्र्ट.व्या.श्रट्या.क्रेया.वर्श्या.क्रेय. ञ्चतः तन्या श्रीः यनुतः नुः सेन् वया सेयायान्यातः प्रयाः सेयाः क्रेयाः नुतः प्रवेतः सेन् प्रायः ५८। देवशावर्ष्यायुवायद्वायायीयार्द्धराविषाची वस्त्रेवायार्द्धवायाः हेवायाः हेवायाः हेवायाः हेवायाः हेवायाः हेवायाः यस्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम्भात्रम् য়য়য়৻ঽৼ৾ৼ৾৻য়ড়ৼৠৢ৾য়৻ঢ়৾৻য়৻য়ৢ৻য়ঢ়ৢয়৻য়ৢঢ়য়ড়ঢ়৻য়ড়ড়ৼয়য়৸ योष्ट्रेयान् त्यूरायान् तत्यायते त्यावतर न्याने वितुति तन्ने यायायान् रायाया भ्रमान्त्र स्तुमार्क्षेत्राक्षेत्र स्तुमार्क्षेत्र स्तुमार्थे । अट्याक्क्षेत्र स्तुन स्तुन स्तुन स्तुन स्तुन स् र्यास्यत्रीयिक्ष्यामायदायायाय्येषाया याने स्यत्याक्ष्यायान्तर्वसञ्जीत्यायम् २८.चर्षयःतपुःयवि.कॅ.धर्यातपुःपर्यंत्राचीत्रातीकातीः स्त्रीका ट्रे.र्यंत्रात्रार्योद्धः श्चैरा-दुःवर्तेद्-विद्-विद्व-प्पेद्-यायया अर्वेद-द्यान्तु-क्रेयाया मञ्जूया नुरायापी द्यापा विरःश्चेत् वया वहवा प्रयाद व्याप्त विष्या भीत्र विषया विषया श्चित्र विषया विषया त्मुंदुःकू्यायान्दानक्ष्मनायद्गाविष्यानक्ष्मराद्यायान्त्रयाम्यान्त्रयाम्यान्त्रया लूथ.कु.च.२८.। श्रीचर्यायमुष्टुं र्झूश्रातायर्टु.बेट.च.श्रट्याश्चीशायपुरुष्ट्याश्चीराविधाशा त्त्वयाः त्रुपः क्रुप्ताः त्रुप्ताः अप्तान्त्राः स्त्रान्त्राः क्रुप्ताः स्त्रान्त्राः स्त्रान्त्राः स्त्रान्त यार्चियायाध्येत्। यञ्चयायदेः याद्वेत्यू विद्यार्थे हेर् श्रीत्र तर्वेदे विषयः याद्वेत्र याद्वेत्र विद्यार्थेतः

वतर सू विदेवा हुँ दियाय सेवायाय हूँ याया सर हिदाग्री विस्वाय दर वसूत है 'यो ते हेवा' यन्दरा देशेव प्यर्ग्यक्षेव नव्याप्यवायम् द्राप्य द्रिया विस्रवा की यमतः उत् श्चीः भूति। यः ये सुदः मुदाः तदरः यतः प्येतः क्रेतः ये प्येदः यः प्येत। दे 'दरः दर्वेषः चदः गान्याकुर् केगानम् । अन्याभी गायायर्थाकुषा चर्चेया स्वर्गास्त्र र्थेन् क्वी:ब्रेन् विराव प्रत्वाया वया भ्रेन् क्वा त्या भ्रूपा विषय क्रिया क्राय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय ५८। सु ने गहिषा ग्रीमा सुमा ग्री तेर्न ने मा ग्रीमा क्रिशः चर्ड्यः ख्रुवः तद्याः चलुवायः यदेः विदः स्पुवाः वस्य य उदः स्रूदः चरः चुरायः दरः । ख़ॖॱॸ॓ॱज़ढ़ऀॴग़ॱॎॴॺॸॴक़ॗॖॴॻऄ॔ॴख़ॖढ़ॱय़ॸॣॴॹॖऒऄ॔ॴॻॺॢढ़ॱढ़ॴॸ॓ॱज़ढ़ऀॴॹॖऀॱ धुवा तर्क्य हे धुर खु प्युय दु र्योट । देवे धु हे द वर्ष्य खूद तद्द्य ग्री सुवे हे वाद्य गुत्र-द्रवादःवेर्याञ्चादे विष्यागितः स्रेत्र-कदःवया द्वे विवाप्यवाया हे दः स्राद्यया युदेः तर् स्रार्थी विया यी वार्सिय स्प्रिं या रेट्र विष्य स्री या वर्षे वा वर्षे वा स्री वा स्री वा स्री वा स्री वा स्री वा स्री वा वा स्री यरयाक्चियातेन् सुरावहैषा हेव र विंत्र वया सुरक्षा द्यार्थ वया स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वय स्वयं स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं स्वयं केंशर् त्राया हे प्रतिद प्येन पुरा निया या व्या ने यहिषा ग्रीका हिदालया यहिया था पश्चेत्र म्वत्र प्यत्र त्यम् न्यत्र न्यत्र नुष्य विषयः विषयः विषयः हो। मुर्वा मेश्र सुर्याः प्राप्त स्था त्रमार्रायम्यायात्रा कृषार्यादेवामुः श्चेष्याचेराम्यव देशस्याद्वेममा ज्यायास्यायस्य त्यायात् स्यात् वित्रयास्य वित्र दे विसाया सेट दसाट साटे देट दर वित्र वि वित्र से कि साटे सेट वयानक्षेत्राम्बर्याभ्रीः क्षेत्रायान्तराक्षेः क्षेः क्षेः द्वेः दिः विश्वयाक्षेत्रः वयान्तरान्त्रयान्तरान्तरा

बयाबाबी:रुटालेयामन्दायया कुटाययाङ्क्रयाने:ब्रिन्:ग्रीयामायाने:ब्रिन्:बाया উপ-2.প. মুখ্য প্র্যুগ্রি এ প্রি নালব ন্মা প্রুল প্রীপ ট্রেই প্রাপ্ত প্রীপ নার্যু নালব প্রশ্ন প্র ध्यायालेगाचे दायाधीयाचे स्वयास्त्रयास्तराया वित्रदास्त्रया वयाच्याच्यायया र्कुवाविस्रमादिया हो द्वाप्यवाया साम्नेमायर मुप्यवाद मुन्या स्टि भ्रम्यार्य्यं क्रियार्यर स्रुव्याया दे स्री त्याया ने व्याया स्रीत्य स्रुत्य स्री क्रियार्यर । स्रीयार्यर यवतःविरःवीःरःयःविरःहेवाः सूर्वेवावाः सुकार्धेन्यते सुरावाः केवः ये विवार्धेन्य रा रःशुरः प्रश्नाकेतः रे:प्रलेवः द्वाक्तायः विदानेवाः श्वाः केवायाः वादः प्रवाः प्रवाः प्रवाः प्रवाः प्रवाः प्रवा यद्रा क्षेत्र लेग कुर वर्ग लेग गी तर दुः वर किंग गा सु। यक्त है दें यार बद द्रश श्रीः स्वाया श्रीः विद्या विद् हेन्या व्रुयः रखुर वर्षे वर्षे वर वी क्षेत्रुर वर्षे विष् यास्याळे। क्वयार्यमाने ग्राटानमाब्रियापेट यापीन बेरानमास्य प्राप्त यास्य व्यारस्युरम्यवित्रयः व्यानुवार्येदः चः दृष्णः । रस्युरः चः क्रुवार्येदेः सद्वः दुर्वेयः दयः दवःववतःविदःषीः रःववःवदःवदःवदःविदःविदःर्तेषायेषायः येषिदःवविवःदुःदःयः श्रेः तत्यान है पीत लेश दरन्य। रखुर नया थे क्रुया इस्रयान वन ग्राट में सार्केन यम है सने रेट यम केंद्र बिंद्र खैंश केट हेंग दे तद कुट कुट बिर स पेट कें बिंद्र वर्षाः अरः अर्दः व्याञ्चे स्वायः नदः दः वर्षेत् व्या नेतः दः सुनि सुयः वी अरिः चः नदः। युन् से बिया या सुया वया ने रातें रासे हों हिंद के या दु पाणीव विया देश या दूरा विराद रा

वियःयन्यायःयज्ञः श्रेयःयवरः वीः वयः यश्रुरः।

मैश विज्ञु श लिय के रामन रामन सुति सुवाय रे रे दे सक्सा श से सूरायर विरार्तेना येना वार्या वास्त्रवा नी वारामार व वासी दे त्या सुदारी सुवा सुवा सुवा या श्चर्यायाद्या वाह्रवाचे विवासम्भूयायायेदाचे वा क्वर्यायाचित्राद्या विवास तदेशकेश्याधीव लिटा र्श्वेव तुः विश्विभागाव हि क्युं धीव दुशावट या श्रदश क्या यदि न्वो तन्त्र क्री अन्तर् न्युव यावया अव अवा यक्किन यदि नुषा विष्ठा या अव अन्तर स्वा य.र्ट.। ब्रिट.क्रुअ.क्रुअ.व्रिभश्यायम्य.त्रर्येट.यम.ब्रिट.प्रट.च्री.क्रुॅंच.लम.यर्थ. त.र्जेर.क्रैज.त्र्र्य.क्रैश.त.रटा रश.श्रृंज.प्रिश्य.ज्यायायायायायीत्र्य. - दुःश्चेरार्शे। । । दर्या ग्राम्सर्द्धयः विस्रयानसूदः दर्या शुर्या वदे । यस सम्मानस्य । विन् ग्रीय हैन लग गरेग गी विस्रय न कुन ग्री के ग लेग ने य सर नु र या हुन नु गर्भेय। गया हे ब्रिन् ग्रीशानक्षेत्र गत्रशास्त्र यगानक्किन प्रते के गिरी सी हो सा वुविक्तं द्वार् विक्तं क्षेत्रका विक्तं क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विकाय दे विक्षाय दे विक्ष्य स् ५८। रखुरावरावीं क्रुयाक कॅरा५८ विटार्नेवा वार्ये रखी वार्वेट या५८ वर्षाया क्रियाचेंद्रिक् चरार् विरावयाक्याचे याच्या च्याचे व्याचे याच्याचे विषा निष्टाव्यायहर्षा क्रियायहेवा हेव दुर्शनित्वाया विदा प्राप्त के स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित यस दे तद बिया यद दस्य विवा । सार्य द द सुदे र सुद्धा दस्य प्राप्त । सार्य द द सुदे र सुद्धा दस्य प्राप्त । सार्य द सुदे र सुद्धा दस्य प्राप्त । सार्य द सुदे र सुदे बुेन नमसान्यान्यायान विरास्या स्वास्त्रीत्र में क्रिन में सम्यान स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास विगानीय विचित्र प्रस्ने नावय भीत्ये क विगासे त्यी। ने नावत के प्रावेशक विगासे वि क्चिताः श्रीन् क्वारा वहेवा त्या स्वाप्य वित्र केता केता वित्र श्रीरा वाया हे हो सा व्यव त हिन नामन या धीव चे र व मानगाव न उत्तर हैं। दीना न सुवा न मान हिन हैं। श्रेयश्राचने चल्रेन नृष्टियाया श्रेट हैं। ज्ञेन ये ने या न मन मन विवासिन या देशक्र्रेवःकन्त्रः व्रिम्रायाणेनः नुषायह्र्यासुयायो मानसामन्त्रः सुर्वेषायो पेन् ग्रामः। न्देर दें तर्ह्या मनमा तनुमा या के प्येन लेखा है या यथा। वुषा स्नान का कर विना प्रमा सम्मद्राश्चित्राञ्चर्या विर्धित्रयदिःगानालेगान्नी से दर्दि से तद्रानालेगा तर्देश्चित्रति, तर्या ने के प्योत न त्रा लेया द्वाया कर्षा स्याय ने प्या सक्त कर लिया से न ने ने <u> ३.लुच.शु.चेबा.बुबा.मा.च.चीचवा.झु.चन्त्रंबा.कू</u>। चझुच.चाचबा.लब.लबा.चक्चेट.तपु. विगानी वर र प्रमुख हे मुंजिय मुंदर वा मुंख देव यव र देव के अर में सुवा हे सुन्दरक्वयाचे महिषामा सम्बद्धा स्वा स्वा स्वा क्रुं चुर्या महिषामा सम्बद्धा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्वा स्व विंट मी सुन सूर पेंट न्या केंया लुया यया महिया गार सुन लुग्या ग्री तह्य या तु सेंचा न्या दवःश्रेटःगासुस्रान्दरःप्येट्सासुः न्याः । सुन्दरः स्रीतः व्येट्साः ह्येन् १ १ स्रास्यः सुन्ति । स्त्रमः स्त्राप्तः व्यवस्य स्त्राप्तः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स्त्रीयः स বক্সুব্রন্থবর্ত্ত্বর্ত্ত্বর্ত্ত্বর্ত্ত্বর্ত্ত্বর্ত্ত্বর্ত্ত্তর্ত্ত্বর্ত্ত্ত্বর্ত্ত্ত্বর্ত্ত্ত্বর্ত্ত্বর্ত্ত্বর थॅर्न है नहें न क्रीय से यह न लेग थेन। यह न उन या क्री न के के के के के के रवा विषय प्राप्ती क्रिव विषय । रवा.जर्ञात्म विभागवयारवाचिरावश्चेत्राह्यायाविष्यावाद्वेत्रायाचीरा

वियःयन्यायःयज्ञः श्रीयःय वरः वी लयः याशुरः।

स्वान्यस्य स्वान्यस्य

क्षेत्र प्रति प्रति के राष्ट्रिम्।

सक्सरा ह्यें र श्री मान्सरा र मा

यश्रिक्ष। श्रुप्ति श्रुप्ति श्रुप्ति । श्रु

वर्ग् बिटा अधर ध्वा मी वर्ष्युव पुः हेवा या प्रदेश यह या क्रिया ग्री में विद्या पर्या के या ग्री में विद्या में विद्या के या ग्री में विद्या म यर्ज्जे उत्र स्वासार्या प्रति तहिया हेत् त्यु । । यर्ज्जे त्यसा स्रोस स्वासा स्वास स येत्। । पर्ह्ने सूर्यः स्वारं भारत् । न्यह्ने स्वारं स्वारं स्वारं । । पर्ह्ने से प्रारं स्वारं स्वा यः अर्वेदः यरः तशुरा विश्वानाशुर्याः हो विदः दुः नशुर्याः स्वरः वर्षः त्रभार्षे, ध्रिया मुध्य प्रशासित क्षेयाय है, ज्याया का मुद्री प्राया है या स्थित । देते[.] येवाबानुबाग्री:तर्नुदानते समुखादन तर्नेते वानुबास्य सुतर्ने से दर्नेबा निरा नाया हे व्यवाद्यर ह्येंचा सेन् श्रीका तर्वो र्डमा रे द्वीका दतर वर प्रयासी व्यवस्थी बेब प्येन प्रते ब्रेनिक क्रीक वस सुबित। यने त्वीं क्रांबेरिक क्रीत्र्वे महिन हिन् सुन् र श्रीते त्युर्य म् सूना न्नुर्य हो। हेन देते हेना न्या द्यो पते हा पायहेन हे सर्देन सम्दर्भ देश विषय के देश महत्त्र प्रमान के सम्बर्ध स्थान स्था बेशया वे प्यते पाउवा वे पाउवा की बेर पायता के विषय के किया में पायता के प्रति पाय यमः भ्रुमः स्रोधारम् वर्षः ह्रित्वाः यः स्रोदः हेषः यः द्वी स्रोतः प्रदेशः यस्यः यः इसः यरः द्वाः प्रयानेश्वराचार्यः प्रवादितात्वरायम् । पर्द्वात्वरायम् । पर्द्वात्वरायम् । पर्द्वात्वरायम् । बेयायात्री यर्ज्जे.पर्ययात्रास्त्रीयाग्रहातर्याश्चीही.ययायाम्यायात्रमा यर्ष्यरा यदः देः सम्भाना विष्यं विष्यं विष्यं विष्यं विषयः स्वाप्तः सम्भाना विष्यं विषयः स्वाप्तः सम्भाना विषयः विषयः स रतता.श्रुचाश्राक्चितायात्राक्चरायरातक्चिरा खेश्रातात्री तर्ह्चेतुःरतताक्चितायात्र्रेतः न्यम् योन् स्वर्मेन् त्यः लु नः न्दरः । नर्देशः सून् सुव्यः नः तेन् न्यम् सोन् त्यः सेन् स्वर्मा स्वरं । मुँग्रायात्रुते सर्या कुर्या ग्रीत्रया सहया सर्या कुर्या तृत्रे स्वा कुर्या कुर्या कुर्या स्वा कर्या कुर्या नि ६५ में राज्यसारीयानर्थे न शिक्षेट द्वारा हुता या होता या का की का शिक्षेता हो।

रदः वाल्वतः देवः वाहेशः सूवः श्रीशः श्रीयः देशः वाश्रीदशः यः रेदाः । देशः वः वरः वर्षः ययाः श्रीः दें सालिया चेत प्रवेशि द्वीत प्रतासिया केत केंग्रिया यस कुर पुरी यस त्रालुया स न्वींया ने या या लुवाया प्रत्या होवा केंद्र केंद्राया या या कुट र दुवे या या खेरा हो वा स्वर चदिःचरास्त्रे चेत्राराधिताः समित्रा चे निर्मेश्वर सुन्ने सम्बन्धः समित्र वस्रयान्दरायोः वेषाश्चीः र्वेषायास्रवतः द्वाः वश्चुवः याः याः वह्वाः याः र्वेषायाः यस्ताः द्वाः ने या यह्या यम द्वेन या या बेया केत द्वान कुन सकें या हु स्रोधारा सामाने ने प्राप्त केता है । धैवयम। वेवा केव सेसमा मुद्देन वास राष्ट्र सुमाय दि हेव वाद धिव या देसा *चे*म् केर सेस्रयानक्रीट्राट्र प्राचित्र रूथ के म्यायस कुटाट्राया दह्या तुरा ग्रीप्येट्र। धेवः प्यटः बोब्यवः बर्केवः चक्क्षेट्रः यः बोः वार्के क्षुवः यः वार्के वाश्वटवः यः प्येवः यवाद्यटः कुवः म्राज्याकृताकृतात्वातात्वात्रम्यान्त्रेत्रकृतात्वम्। क्रिन्याययात्व्यात्र्याकृता श्रेम्याक्ष्याद्वर्यान्ते, प्रस्ताविष्यान्त्र विष्या क्षेत्र प्रस्ता विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या यविदासुन्दर्। हेयार्वेन ह्युयासुन्द्विषाणी क्रिन्थ हिंदर्ग ह्युर्ग स्थाप्तर स्थाप्त ह्युर्ग स्थाप्त स्थापत स्य स्थापत स क्तुन्यः क्रुक्यः यदीः नुष्यः नुद्रः स्राटेषायः नेदिः क्रेन्यः यस्यः क्रुनः नुष्यः स्रोतः नुदेः क्रेनः नुष्यः न्याः श्चेरः पत्ने पञ्चे स्याः हे सी न्योः प्रते से स्याः सी न्याः प्रतान स्याः प्रतान स्याः प्रतान स्याः प्रत कः र्ह्येदः याया सुदः यद्वे वे राया ध्वेषा सुराया स क्र्यायाययायविदा देवे स्रेटानु तत्तु वार्से वार्ययाया स्रेन् प्रवेश स्वाया क्रीनाय स्वाया क्रीनाय स्वाया क्रीन यानिक्षेत्रयाने निरादे तिहेत् क्षेत्रयान्द त्रम्यायायद ये प्रत्कृत्या वेताया के ने या र्श्वेर यया रदः श्रुप्त या श्रुप्तेर राष्ट्री या प्रेर्प्ते या प्रेर्प्ते या या केत्र या वित्र या श्रुप्ते या या श्रीप्त या प्रेर्प्त या या केत्र या वित्र या श्रीप्त या या वित्र या वि यो:बेशक्तुराय:क्रेंशर्वेश र्वेश र्वेश र्वेशरात्वेर कुवाक्तिशेश्वरक्ष्याक्ति वात्वात्व हिंदा

चिर-क्वा-क्री-भ्रेम्भान्दर-देश्यक्षीत्-द्रम्भा क्रियानाः भ्रेम्भागाः सर्वेद्र-त्यस्य स्थाः यरकी हेंग् यदे 'खे के के देंब 'द्रक' चुर 'कुव' क्षेत्रका वा के बाद 'खे के का वा के के कि के कि के कि के कि के क धेव प्रयापाता वर प्रति त्या भे लेगा हो व प्राप्त स्वेता का स्वर स्ताप स्वर प्रयाप स्वर प्रयाप स्वर प्रयाप स्वर वह्रवान्वीया इवायाक्षेत्रस्यववायायविदेश्चीत्रुव्यायायायान्त्रीत्वा न्वो इस यर न्वा स्रे पर न्वा यदे यस य से स्व य से स्व य से स्व य से स्व य ब्रैंदि प्राया वेषाया केत्राया केत्राय केत्राया केत्राय केत्राय केत्राय केत्राय केत्राया केत्राय केत्राया केत्राय केत्राया केत्राया केत्राय केत्राय केत्राय केत्राय केत्राय केत्राय केत यद्रम्यायदेः वतः विद्यां विद्यायर विद्यायद्या देवे वस्य यादायः विवास स्थाप्त देवे त्यायह्वाःक्रेवाःमद्यःवान्यावःस्यायाः सुः स्वित्। स्वयः मुत्रा देः धिरक्वें ५८ खूर यदे क्रें के सम्मा १२ रेट के ५ तम के राय के नियं में हे। ।५वो:वेंब्रब्स:धे५:व्य:बेु५:य:वनव:बेवा:वीब्य। । इर:व्यव्य:व्हेंब्य:व्य:वर्हेब्य:व प्रमु:त्युःरर्ग । इत्राम्युर्यायया । तिर्वर:पत्रस्याः स्वाप्ताः स्वर:पत्रः बर'व'खे' ख्रुव' की ख्रुव'रूट' व्यारमा व्यायका । क्रिं द्र व्युव'या द्युट विमावट व श्रेम्बरास्त्रिम्स्त्रिम्स्त्रिम्स्त्रिम्द्रिम्द्रिम्द्रिम्द्रम्यस्त्रिम्द्रम्यस्त्रिम्स्त्रिम्स्त्रिम्द्रम् र्वोबाञ्चातुं विवायावासुरस्याप्तरा नवो पासावसूत्रवाद स्रायसासी से दारे पा श्रीचित्। न्योत्यत्रसूत्रयायायसूत्रस्य न्यूत्रप्ति। त्युत्रपायायर्स्स्र त्यायाचीन न्यों वर्षेत्र त्यायाची न्याने वार्षेत्र लेवा क्षेत्र विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास व्याधिदाया वो व्याधी प्रचा देवे सर्वेद स्वराधी केंद्र प्रवेश महेंद्र प्रच्या की की कार्या की न्वो न न ज्ञुन य ने प्रूर ज्ञूर र्ज्यान्द विया व र्षेन् र्ज्या दिवा या प्रीत प्राप्त न न वो न है। वरःवयःर्रयःवर्षेर्ःग्रीयःग्वरःद्यवःयर्केषःषीःगेःवयरःवःवर्षेर्क्रुवेःवर्रेदः त्रवश्र देवःश्रेश्रयः विवायः देवावदः श्राचेयः वीयः वीदः विद्याः विद्याः विद्याः प्रसीदः रवः यः रोदः हेयः योशीरश्रातात्रेत्। रे.योर.यथेर.क्रीर.पर.प्र. प्रेश्वश्रात्रप्र. स्री. योशीयाः ५८। धैर्वायर्दर्द्द्रावर्शे महियाया श्चेराया स्रोत्रायह देव विवाद् श्चेषाया धीवा श्रेते त्युशा हेत त्या कवा शालेत लिवा प्येन प्याप्येत प्यान श्ली का त्य तकेते सूचा प्रसूचा श्री तनेन यय। कुं सेन्यन्त्रास्य स्याप्तस्य स्थाप्तस्य स्थित्र स्थित्र स्थित्र स्थित्र स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स यदः स्वाप्तस्या म्याया उद्यापा स्वापा स्व विया न्दर कु: प्येत व क्रूत प्यति प्रदानित उत्तर विया प्येत प्या प्रदानी केंद्रा केन प्येत। सूया यर्थायः स्रोतः स्रीत्रात्वेषाः योषः द्वीषाः स्रोतः स्रोत्यः स्रोत् वेंद्र-द्रवें राचे राच भू तुः द्वीवा धेदायरा दे वेंद्र व्यवसा से दार धेदा कवायान्यान् स्रोते वरान् स्रोते यरान् स्रोतिका विषा वर्षान्य स्रात्त्र स्रोतिका वर्षान्य स्रात्त्र स्रोतिका वर्षान्य स्रात्त्र स्रोतिका स् वङ्ग्ववसःद्रशःवदेःवःसःवश्ववाद्याः दुःस्वाःवसःख्रुवःयदेःस्रीःश्रुक्षःस्रीरःपेदःयःदेः क्रूम् सार्यम् यात्रिमार् क्रूमार्यम् यात्रामा स्थापार स्थापार्थमा ग्रदःश्रेवःपरःश्चेतःवयवात्रारोदःतःविदःयःश्चेत्राःवश्चेतःश्चेःसुदःये उवराधेवःपवः र्शे । । दत्र स्ट्रिंग सुराद्द सेती ति विद्या हेत्र हे पति सेर्स है प्रदेश से प्रस्ति स्ट्रिंग होता देःतर्वात्रारेत्। भ्राणुयानुःत्युयाहेवातदेतेः स्ट्रेटावया स्त्रींदाय। स्त्रीया

र्श्व स्वराधेर्यास्य स्वराधेराधेव श्वीराधेन श्वाराधी द्वाराया नेयाव स्वरी निर्मात स्वरी स् त्रद्विष्वारेद्वेरस्रीः वेषाग्राम् । देः यदः चदेः चरः विष्वाषाः यदेः वास्रुदः रवसः यः चर्नेश्व क्षेत्र र्वेच चर्नेता त्यर हेता त्ये क्षेत्र विष्य हो। व्यक्त क्षेत्र व्यक्त क्षेत्र विष्य नर्यानेता सनी में त्यों है सामतुन ता तके सूर्या के न्या पन से ति स् सूर यर र वीय वेय या प्येत त्या सूर्त प्याय ही है। या पत्त हैं सेते वे वा प्याय ही हैं नेरावाकी के वार्षिया के वार्षित विवादा वार्षिया वार्षिया वार्षित के वार्ष्त के वार्षित के वार्ष्त के वार्षित क वञ्चवार्याया हेत्रवनुत्राचेन्द्रियायोन्देवायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायोन्द्रियायो श्लेप्तरुन्यात्रे बेट्याम्डिम् विपार्चयाययान्युयान्यस्युद्धान्यदे देयायायोन् सेन्। तेंत्र ग्राट स्थ्रमात्री स्वी सार प्रसुय पाया या सुट पाये मायी हा सार के पाय सुरा प्रदर यीव। ने सूर तर्वो न रेवाय दुवा सर्वे न सर्वे न र दुवी या स्वाप दिवा यमा यो न्या विश्व विश्व विषय विषय विश्व वि यः विवाद्यां विव्यायः सूर्वा वस्य प्रमायः विवादेशः स्थायः स्यायः स्थायः स्यायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्थायः स्था क्र्याञ्चीयःमः ने त्याच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या यासूरासूराया विवाधित। केंगायासूत्रायासूत्रायासी याती याती केंना क्रीरायी वत्र ने ने ने के के ने के के ने के न वर वया बर पर्देन भी में बिया मुक्ताया देवे की राया देवा वयुर बिया मुन्ता देवा वयुर र्टा वैट.क्वाक्चित्रम्भात्रात्रा स्टान्नायदेख्यान्टान्यम्भात्रात्रा विरक्तास्त्राचारित्यमान्त्रीमार्देनिस्मामास्याप्ते । विरामामार्टिस्स्रीमान्स्या

वर्ष्याश्चीः स्टाविष्यं भेषाये सामेषाये सामेषाये हो । विषया स्टाविष्ट्री स्त्री हो हो हो हो हो हो हो हो हो । श्रव लिया प्यूर श्राट श्रिय श्री यो यो यो या या श्री या व स्वया केव स्वया या या स्वया या या स्वया या या स्वया य ब्रें र्डम प्यतः वित्र सेत्। देः सावितः व्रीतः वीतः नुः पतिः वरः प्यसः क्रीः ब्रें सावितः यरव्यसंवित्तिः सर्वे विदेशस्य म्त्रियात्रिया रहेर्यात्र्यायदेरस्यानस्यात्रमानीवरात्र्यात्र्या वर्चे विव से नियान्या सुवा वस्था स्व व व स्व वयान्यस्याविषाः व्यान्यस्य स्यान्यस्य विष्णस्य व्यान्यस्य विष्णस्य विष्णस्य विष्णस्य विष्णस्य विष्णस्य विष्णस्य विष्णस्य विष्णस्य स्यान्यस्य स्यानस्य यार त्यात्विर हे स्वयं है तर्र विश्वयं वर्ष त्ये र्योष्य प्रति यावर हे विश्विर है। यावर तवावा न्द्र तस्त्र न्द्र अन्दर क्षेत्र वायव क्षेत्र अपिन यदि नदेश से निर्वेद स्रोता विषय कःविषाः यः नधे रः चवषाः वः श्रीः वृष्य यः येवः श्रानः श्रीः येवः योनः यः न रः। अष्याः वषाः तुः त्ज्ञीं सैचरा र्ज्ञेचा र्ज्ञेच रेज्ञेरा रेज्ञेचा सैचरा रज्ञेच राज्य र रेज्ञेचा हरा रज्ञेच रोज्ञेच रेज्ञेच रेना अर्नेरत्यसुत्रत्वणाः ज्ञाययः श्चेत्रासेन्यः नरः यस्रासीः सर्वेदः यः श्चेत् सान्दः कृपःक्षीःशेयश्वास्त्रेन्द्वः व्यरः प्रदेः व्ययः स्त्रेः चैदः स्त्रेनः यथ। वुदः कृपःक्षीः शेयशः स्तृदः व्यः यःश्लेदःहेः व्यद्रः द्वीया वेषा यः क्रेत्रः येदिः यसः श्लूवः यः यः विष्यः प्रवदः वरः वास्तुसः दुः क्ष्रीर हे : ब्रोन् : त्र : व्राच : व्राच : व्राच : व्राच : व्याच : व् ततुःर्थात्रयार् क्षेत्राचरार् यायराष्ट्रयायते चार्याणाया क्षेत्राचेतिःस्या चार्यायया श्राम्यात्राचाने व्यापाद्वा व्याप्रमान्यात्राचे व्याप्यात्राचे व्याप्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या <u>इ</u>ैबॱळेबॱक्कीःसःसःसःस्वाधिबःसःस्यादःसेशःहै। स्यतःसेशःईबःइबःईबःधवःयास्याः

वर्देन क्षेत्रें वर्डे या श्रेव लिया क्रुन वया वर्षाया श्रोन या लिया हु क्षुर हो। न या बेन क्र्यायालेवा हु त्र शुराया हे लिटा ने या बरायया शुः श्रे खेवा हे दावटा बटा। *क्षेद्र हें कुँद* त्य येद क्षेत्र ज्ञु त्याया च द्वाया या च च त्याया च च त्याया च च व व च च च च च च च च च च च च च च ८८ वार्वायार्वा पञ्चेवा वी देवा व तर्वा यावव लेवा धेव ग्राट क्षेट से डिप्पट यो । रदावीयान्तराययायाने वाचीदावात्वरायाययाने वाचीदायाने विदाययायी वाचीया वित्र वस्यारमान्वयान्त्रेयामास्यवरावर्गान्यस्यान्त्रमान्त्रेतान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रम नर. ह्र्या या तर त्युर क्वा या या श्लीर है। या बुरा स्वा या स्वा स्वा स्वा स्व वयमायायायायायासुनेयात्तात्वेद्धाः सुन्यायायात्यायायायायायायात्यायास्याया द्वींबायाधीत्। रदारेद्वायदेकेंबायवादुः तुवाबा केंबारे वालेवा खोत्या्वा थारे अविदास्त्रमा धेदायदे द्वार दुः चहरात्रा तुः चुः केर्या केषा की या केषा था येदः वः पेदः यदेवाः वसूवः ययः येः यव। पेवः यदेवाः व्ययः यर्थयः वीयाः वेदिः वेदि। सर्देर्यसूर्यात्। यसाओयम्बर्दियोयदेयवेर्याम्बर्दिर्दा स्वायस्यतेः यालुदः त्युवास्या याद्रसस्य स्वर्तः स्वर्त्तः स्वर्ताः सः स्वर्ताः सः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं वर्चे वे रद हेद रवा वर्षाया धेव। कु छो केद वर्दे च ह रेद। विदुद छो ह्येव यन्वारी रूट पीत्। अर्देर व र्रेक ग्रीक्षेट रेव प्टर क्षुय ख्वाक हैं साबिवा नेक क्रुं दे

য়ৡয়য়ৼয়য়৾য়৾য়ৼয়৾৸য়য়ঀয়য়য়

हुव द्र द्र ख र क्रिया हुव द्र या प्रकथ या । द्र या वी सी द्र ये वि से सि से सि यो वि

ख्यः पर्वा पायञ्चः स्रोताः प्रचारः वी ल्याः वास्टा

यमम्बा विषयास्ट्रियाते। हुन्ते प्रस्य स्टाम्हेरायादि स्तर्य प्रस्ता रतः हु चुदः च लेगा गोशाश्राशंचा वले व दुः सः व्यापाद्या गुवाया आविषा चले व दुः गुवायार्चेवाया गहेरान्न्य व्याप्ता न्वीरवायाहेरायवार्धेता वीर्वेदिन्न्या *॔*वेयःवादयःवादःददःवादःवेवाःयःचुदःशेदःवेयःयःवेयःवेयःयदेवाःचुयःहेःहुदःचवदः व। यो:क्र्याम् यदि:ह्रव ययानिविदे वर्षा मिर्ग्यानिवान्ता ह्वा श्री मिर्ग्या विदेश स्थानिया र्नेव के कि स्वाप्त विश्वास्त्र के अवश्व के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स नेयायार्थेनयार्थेदान्दार्वेनया नियेदाग्रदार्थेदार्डयात्चाययाह्यस्य या विषय: श्रुवा वालव श्रीय हुव हे वी विषय । विषय वासुरयः श्री विदेशक्षेर्यानियारायामहेन्द्रम् स्था विद्यास्य स्थानिया स्थानिय स्थानिय स्थानिया स्थानिय स डेव। युवायम्बायाङ्ग्वरम्भानम् नम् रवातुः वृद्यायदे रवो ह्यूरावम् वास्त्री केंग्रामु अदे हुन हुन या प्रेन प्राप्त हैन है पर्याप दें। विदेश महिन या से प्राप्त प्राप्त हैन प्त तर्रः भूर प्रात्वेषाया विषा यो र ग्राप्ट प्रदायविष श्री हेषाया प्राप्त स्थिताया केव येषा विषा प्राप्त श्री यथ। ब्रियायथार्युतार्चेतान्दरायात्रवार्योच्याधीत्राचीरायान्दरायाद्वरायेवार्येतान्त्रवार्ये तर्क्वाबिटा क्षेत्राम्यवरामेन्द्रातर्क्वाक्चेरातर्द्रात्वाय्येवाया वित्यरास्त्राचाराच्या त्यु भेरा भे मुन् पर्रेय में मुन दर्गे रासूमा दर्श मित्र में स्री र तर्देन रामी रास्त्र में स्री र श्चेंर्-देग्।चुरु-गुर-। यःर्रेश-र्येन्ध्र-युर-यर-यः बर्-र-कुश-र्र-यर्गे तयर-श्चेंत्रयः यः

हे के र तर्जे क्रिय दे शाय क्रिय प्रदेश प्राया से दास क्रिया या क्रिया से स्वर्धे माया क्रिया सामित्र स्वर्था इंशावश्रान्, बुवा ब्रेन् या केंश्रानेन प्यावता इता यही या है से स्वावनी से साम से साम से स क्षर वि. प्रत्यो प्रमाय प्राप्त प्राप्त विषय स्थाप विषय स्थाप विषय स्थाप विषय स्थाप विषय स्थाप विषय स्थाप विषय स्रदातवातः विवा वीत्राञ्चवाञ्चवा छेत्राया स्रदा देवः त्या सूर्वः यत् व दे छेत्राया स्रेत्। विके रवर्षा वर्षार्यमा विर्वस्थान्त्रवात्वर्षाहे सुरावर्षा देःवा न्त्रायार्क्ष्याचेरावार्वे हुवायवन् चेरायाय्वियायर्क्ष्यारेन्। नेगाुवार्श्वेरारुवाया र्बर क्रेट्य म्युय मार मेया मार्च वया मुद्रा मेर मेर मेर मेर मार मेर मार मेर मार मेर मार मेर मार मेर मार मेर म श्योत्रात्ता हियावितात्त्री हियाक्षरात्ता वित्तियात्रात्त्री स्वात्तियात्रात्त्री स्वात्त्री स्वात्त्री स्वात्त यः स्टाबीयः चन्द्रायः द्वा वान्त्रायः चन्द्रायः वान्त्रयः वान्त्रयः वान्त्रयः वान्त्रयः वान्त्रयः वान्त्रयः वा सर्ब्रह्मार्ल्यन्या विषयात्रियायन्याः स्वात्रीयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषयाः विषया ने प्रतिष्ठ न् द्वार्य श्रु भी निष्या वा वा व्यवाय प्रत्या विष्ठ श्रुवेष बिराक्ट सुवा ये दे त्यात् दे त्यात् दे त्याव हिवाया ये दे ताया विराह्म स्वाप्त विराह्म स्वाप्त विराह्म स्वाप्त अदःदेःभेदा देःदुषःषद्यःक्षुषःवर्ड्यःस्वःतद्यःवहेषाःहेदःश्चीःवस्यादः चर्त्वायाः वर्षेत्रायम् चर्षेत्राः युन्तर्यायाः नेते क्षुः त्यायम् चर्षेत्राः युन्तर्याः ग्रीभानेतिः यभाग्रीः कुः तनिः सूरामासुर भाषा स्थित। सूराविभार्करा लेगाया तुः महिभा र्षेर् हरा वुविकावी सेर वा श्वेताया वुविकावी सेर वा स्वास्था हैया वन्दरा बितुःसुदाने विदेशस्त्र स्वादेशस्त्र स्वादेशस्त्र स्विताः विदेशस्त्र स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्वाद्य स्व तर् श्रीयः हुन् भ्रीयन्तर्या श्रीन्या महित्या या निवासे द्या स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स

सेन्वःर्म्या वन्त्रः कुः वन्यः कुः वन्यः विष्यः देःचाहेरानाः व्यदः कें श्चीतः हे 'देवा चात्रराधितः हतः वा श्चुद्ररा चादेः हेरा खु। धुवा देवेः कुल र्येष दे महिषा मा विस्न द्वेर पान क्रिया देते स्नाम स्वाम क्रिया में कि साम कि ঀ্রিমমান্ত্রীর্বার মুখ্যে মীন্ত্রার্বার মুর্বিবার্থির অবাক্ত্রী বুরিমার্কর বিষ্ণার্বার্থির মান্ত্রী করা ক্রিমান कुं निषर कुं हो र स्नियम। लय हो यदम विसम र में त ही सर्व र हो सर्व र हो स्वर् ব্রিমম্মন্মন্ব দ্বামান্ত্রীমান্দ্র দ্বামান্ত্রমার ন্ব দ্বামানার ক্রিমার ক্রিমানর विस्रयाधेन् केटा स्निय्याकीयात्यार्केटायालीयाः ह्यास्त्रीते स्टानु केटा स्वर्णेन स्टान्ये वरव्हरायाने केंद्रियानेयालया थेवातु वित्रया विराया चित्रया चित्रया विराया वर्षा वेद्राया देश विवायश्चेराने सुर्वे विवासे वासी के साम महास्त्रीय स्वाप्त का के स्वासी स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त बुरायाविरात्राक्ष्याकुत्राचुर्या स्वाधिर्याच्यायाच्याक्ष्याक्ष्याच्याक्ष्याच्याक्ष्याक्ष्याच्याक्ष्याक्ष्याच्या व। विषाक्नु विराधी देवा ने र्स्तुराया सूर स्नावका तु स्तुरावि वा सूर केवा केवा सुवि श्चेत्रयायायम् पर्वेत्रया सुर्वेत्रयाम् मे स्थाप्यम् मे स्थाप्यस्य स्था यातम्राचराष्ट्रिययायार्ष्याष्ट्रियाष्ट्रिययार्थीः सेराचान्द्रा। हेरियाः क्रुप्यां स्वा याचेटरा:बीया:बी:वि:रट:बीट:बोय:बीया:वा:याचुट:बरा:बीया:वर्गी:बीव:उर्गा:बीया:बीरा:बर्गा: ध्वीरायाचेत्राबिरा। विभागन्यानि यदि सुयाची त्रुक्तानेत्राविरास्टरायी याने याचिरा <u>इकारदी प्राप्त प्रमुक्ताया भेता भरा। वदी या प्रमेर स्वाप्त सुक्ता स्वाप्त</u> स्रुयात्रया चेद्रयादेरायात्रस्रवायाः वेदा। यदार्सेदायादेयाचे व्यवस्थाने विवासी व्यवस्थाने विवासी विवासी विवासी वयार्न्यायर राष्ट्रियान्तर क्षेप्यर क्षुप्यर क्षुप्यर क्षेप्यर क्षेप्य क्षेप्यर क्षेप्यर क्षेप्यर क्षेप्य क्षेप्यर क्षेप्य क्षेप्यर क्षेप्य क्षेप क्षेप्य क्षेप्य क्षेप्य क्षेप्य क्षेप्य क्षेप्य क्षेप क्षेप क्षेप्य क्षेप क्षेप क्षेप्य क्षेप्य क देरवें र त्ति रेग्राका अर यें वें द का अर्गे वेंद्र तर्क अका यें र धुर वा दिवर वेंद्र वेंद्र वा द विषायष्रयायराष्ट्रीत् करार्देशादविषायादे त्युत्वदेशायाहत् त्रासीयसूयायायरावदे दे

नुषाकुर प्रषाप्तहेन सेर प्रायाधीय यथा सुष्रायया मुख्या कर्षा केवा सुर प्रषापहेन सेन यर वेषाहे। विषादेश देश्विर या श्वेषाद्यीय प्रति विषय विषय विषय होता द्या स्था श्रे। वेतःगरेगालयायुः याश्चेतायदे स्ट्रास्य स्वातः म्यान्य स्वीतः तयाने त्यास्य वेत्रास्य स्वीतः स्वातः स्वातः <u> चुत्रः हो वित्रः क्चेन् नेत्रः लेगः मीत्रः लयः ख्रेः चरः स्मानुत्रः। लयः ख्रेः चरुः ने स्रोः लेत्रः ।</u> <u> इ.स्ययंत्राक्षेयाः मेर्याक्ष्यः भ्रम्या</u> हेत्रः भ्रमः श्रमः विद्यास्य स्था स्थाः য়য়৽ৼৼয়ৢ৾৽ঢ়ৣয়৽য়য়য়৽ঢ়ৢয়য়৽ৼয়ৢ৾য়৽য়৽য়৽ঢ়ৢ৾ৼ৽য়ৣয়৽ঢ়ৢয়য়৽ৼয়৽য়ৼ৽য়য়৽ঢ়৽য়ৼ विवा से ने या वे या सुरा ने विवाद में या सुरा में विवाद से विवाद सुरा मा वैंबाने सुराह्य प्रमान केर से ने ने सुरा हो से का है बाह्य स्वाप्त केर सा विंदा विंगिने निया ने बिंद ग्रीया दे त्यूराया निदार के दिरा में बिंद ग्री तु दे तया दिया है। $x \in \mathcal{B}^1 \cap \mathcal{B}^$ त्रअ.क्यर.विक्राज़ुर.र्र्यूका.र्र्या रे.वेका.व्रिक्ष.यर्वा.य्री.य्.र्र्र. स.चाहुका. गार्ने अर्छी: स्रेट व्यार्केट व्यार्क्षा स्रेलिय खेरवते विस्रास्त्र प्राप्त व्याप्त्र व्या श्चर्यायार्केट यायदीयार्विदेश्यार्थे द्रात्तुया श्चर् वेद्रात्ते त्यद्रात्ते त्यद्रात्त स्त्रीयार्थेट याद्रात् रदः क्रुः अर्के विदः दुः सेदः वशायवीं सः विवायते विवायः विवायः प्रति। दः सः तर्ने याञ्चर कुं प्पेर ग्राम विवित्र या क्षेत्र विषा यादेव स्या महीत तर्ने मानवित प्पेर या तर्ने रेत्। तुःथेंबः त्वेंबाधेवः तेःषातुः हिंतः ग्रीयानेषाया पेतःयय। तेः युवाषा ग्रीः यदेव:इट:वी:ब्रेंबा:वर्थ:ब्रबा:वांकेंट्:क्रेवा:ब्रेट्:रेंबाय:ब्रीय:वेय:क्रूय:यथ। ব্রিমম'ন্র্র্যর ক্রীম'র্ক্রিম'র্ম'র মার্মানম। ক্র'র্ন্র-ন্র্র্মানম। ক্র'র্ন্র-ন্র্রাম্বন'র ক্রিন্র্রান্তর বি बिरकुं वेर र्श्वर प्राथेता विभागन्या धुवा में र्कर वी तु नगर में इस खेर सेर प्रते *ॳॱॿॕऻॿॕॱ*ॿऀॺऻॱऄ॔ॸ॔ॱय़ॱढ़ॸऀॱॸॆढ़ऀॱऄॣॸॺॱॻॖऀॱॾॣॺॱॸॺॸॱॴढ़ॺॱॿॎऀॺॺॱॸऄ॔ॿॱॸ॓ढ़ऀॱऄॗॗॱॸॱॸ॓ॸॱ

म्बर्द्यायान्द्रा देवेः स्नाययाः स्वाद्याः सेन्द्रियाः यो स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्वाद्याः स्व शुः श्रुका हे सूर्वा प्रस्था सूर्या का श्रुद्धि विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या क्षेत्राबन्देशेर्युत्राह्मरायाधेदादाष्परा। क्षेत्रुपात्यायक्किरायरानुत्वदेशद्वेरित्व मुद्दायते स्त्रुप्तान्त्रदान्दा देवे स्नावशास्य स्त्रुव्यामा मेद्दाया महिद्दाया वाद्याय स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया वयाधिवाधितादिति। वियादि श्रीकादि श्रीका नवो श्रेवा वे नुषा र्केन सेटा सेटि स्नूस र्केट प्यट स्रोत र्श्चे क्रुं सेन सन्दर। नेषा व स्रिव स्रोत र्रः हे बिया मार्थित्या में जिस्सित है है या साक्ष्या है से सामा क्रिया है से सामा स्वाप्त है से सामा स्वाप्त बैवा वीया से से से महा सदी हुत प्रमृत्त में से साम बिवा में सुर वार्यों से सुर प्रदेश स्त्र प्रमृत् सुर बिरा विभागाणीवाणराने तद्विश्वायाकेवायोक्ति वात्रात्वि स्थापाने बर् कें तर्दे यतर ब्रम्भ कर् क्रिया मह्म्य पर्क्य प्रोत् यत्र प्रति वा मन्द्र परि वा मन्द्र परि वा मन्द्र परि वा वश्चुवायते अद्यद्येन्य। वश्चर अदे त्युर ५ स्तुवा अदे अद्ध अन्यदे अभिन्य वर्षात्तुन तर्जे न लिया प्येव। यवतः में व स्था लिया ता सुव स्था ने राम लिया न र र र म तहेवायाचेरावदेः से विदेशायें नार्था विदेशाया से ह्या मुखाविद्या विदेशायें नार्था यिष्ट्राच्या स्वर्ध्या स्वरत्या स्वर्ध्या स्वर्या स्वर्या स्वर्या स्वरत्य स्वरत्य स्वर्या स्वरत्य स् भ्रीयायः विष्युति विष्युते विष्युते स्वीया स्वायः स्वयः क्रीयः ह्रवः ययः क्री: त्रां विष्ठेयः गाः ह्रोद्धः यः क्रुयः द्वताः छेयः ह्रवः ययदः यय। देवे: इयः श्चैत श्चैत श्चेत्र श्

ब्रेटा इट ब्रॅट चनेब क्रेंग चुच या धेब प्यट हुव कुट क्या चन्द्र प्रथा खुषा क्री वेदि क्रमार्थाद्राचित्रे के मार्थित या प्राप्त व्याप्त विवाल में मार्थित मार् यः विवादरः व्ययः बेः ह्य योदः बेरः यः विष्ठेषः ग्रीष्यः क्वायः ये किरः वीः यः देः क्वेरः व्विः विवादकेषः ॲन्। यःने:ब्रु:धे:यर:वी:ब्रु:यर्केन्|ब्रु:यर्केन्।न:रे:बेर:व:वेन ।स्वृते:स्5:ब:न। कुरेन्द्रस्यायात्र हरिता। बेर्ट्स्यासेन्द्रियो स्थान्त्रेन्त्रेन्त्रेन्त्रेन्त्रेन्त्रा पस्ट्रन्य स्थया হন্ শ্রীপ্রধি এই বা প্রাপ্তর্ম প্রধান প্রাপ্তর প্রধান পর্বান প্রধান পর্বান প্রধান প্রধ श्चिमायादेन महिमाग्रीमामाने व्रिमास्यापायमान्यमा समानिमाने सामिता स्थापन रैवाबाप्त, ब्रीबासूबा हे तुःवाहेबागाबा ब्रु सर्केवा प्रबद्धा स्वाक्य सेति वेबा के कर्पाय केत्र र्रोबियाः यारुन् विर्मयाः धेरायया तुः यार्थे सामायाः सुरान्यन् निः ह्याः याधानायाः स वयासूर से वी मया लेया प्रवास दर्शीया प्राप्त से स्वास है या व्यास से स्वास है या व्यास से स्वास से स्वास से स શ્ચુેયાનયાના વર્માનું દૂધ લેવા વનના સાર્શેન લેના વનના નેયા ગ્રાન શ્રેપોલયા ક્રુયા हेत्र महिमा द्वा महिलामा क्वा स्टिस्स स्वता स यदेवयाष्ट्रियकेंग् दास्रावकेंद्रयालेयाद्रयाकें। रेग्याद्रवाध्रीयाण्याद्र्यास्र निःश्रेंदःबेशःश्रुश्यःयःद्रदः। व्रथःवेशःग्रीशःद्भुःश्रेर्धेनःदेदःनिष्ठेशःग्रीशःवश्रदःदेःवेशः विस्रमानकन्ने खेरवकन्यान्य। वस्राबे ह्यू सेन् खेराने तद्वे वायाववावाया श्वाःग्रदः ह्वास्यान्वदः यस्यद्रयः द्रायम्बास्या स्वाद्यदः स्विवाः क्रेवः योदिः त्यः यः यक्ष्यः स्रुक्षः है। ह्यः श्रुः व्रेक्षाः वयः यदेवः यरः स्रुवा । व्ययः वेः वः द्यादः यर्षे देयः वर्वेच। ।रेवासारमान्धेप्रकर्रातमान्त्रामा ।रेप्रसाह्रमान्द्रिम्सानरेम्प्रमः ब्रैंगा वियायदे स्वाने ब्रुटाय धेवा हुव यव दाने वह दे हे या के या है। शु. यर्ट्रेट. त. लूट. क्रैं. श्रट. त. लूपे। क्रैं. श्रेट. क्रेंच. ध्वेच. तरा श्राचर. प्रकृ. च. श्रुंच. जा. ययः ग्राह्म वाष्ट्रियः गार्थः द्वीद्रायदेः श्रीः बियाः ध्येतः वा श्रीः देरः वीदायदे विवादाः गर्भेद द नने क्रुन वेन यने क्रुन्य व्यवस्य निक्षु सेन क्रुन स्थित। र्यः श्लेयायाः यदिः श्लेपयाः युः यस्ययाः रेरः ययोः पर्ने सूर्यः सुर्यः वियावयः त्र्ययाः सीयाः है। यः वियाने ने वा तत्वा स्रुयाय पेट वा पेट ग्रामा वा विषा स्रोत्य ग्री स्रूप स्रुवा स्याप्त रा विक्रिंशः क्रेंत्यायकान्गाराधीरी प्रवाद्याका क्रेंद्रिया ने स्वाद्या ने दिश्यकेन त्रवाद्या श्चिर्-र-र्हेन्य यः श्चीन नया स्ट्र-प्राय हो राया भीन हो। यया यहाया हो हो हा नया हुन एक ञ्च महिष्य मास्य स्टा पदेव खुर या महिष्य मासु समा सुर पादर। <u> न्यात वी विवा है सातु पात्र स्था । साया वि वी विवा है वि देश स्था हु सात्र स</u> रात्रश्चरत्र्ये च लेग गहर दशसे श्चेर्या भेता ह्व से चन्या स्वर्ध प्राप्त से प्राप्त से स्वर्ध प्राप्त से स्वर् भैपर्यासीलर व्यवादर ग्रीयालेट क्रियायायायायाया गीय ग्रीयालेट ट्राप्टर योषकारमः भूटः वका शावरः वीयो हूर्याका तायुः काटका क्रीका ग्रीच्यो तयदः व्ययः देशा यदेवः तर्यासीर्थातपुरक्षियोत्रात्रीः अक्षात्रवा वर्ष्ट्यात्रियः वर्ष्यात्रीयः अर्ट्रात्या देव दिन्हे वस्त्र अन्तर के स्वरं वर्ष स्वरं देव स्वरं हेव स्वरं से के सके मार्थित । क्रिक साम्यरं उन् भी तर त्र या पाने त पाने र स्थित सामार्के या प्यान पाने त स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स म्रोत्रायालीयायीयायासूर्यालीयात्रयायायायायायात्राहेत्यायेत्। श्रीम्रोत्या

योव यया कुं दे दे रहेया या नेवा यया देवा वित्य देवा देवा वित्य देव र्वेदिन्दर्दृष्ट्विरत्वरार्श्चेषारार्थिन्ने रेषा उत्वलिषा व्यद्भवाने व्यवसूत्र हे वदि उत्तिषा रेद डेबाइबायबा तदीवाबोरारेदाडेबाङ्सबा तेवादाराद्वारायायार विप्येदाडेबा भूषायम। ग्रेनिमार्याभूटायेदिमार्भूषाय। तेत्वववटावीटारटाविभागामा मुबेरत्वर्भे मुक्त सेट होत् त्वहें माओ सेट हो साम हो का साम स्वाप्त समाने विषानी स्र राव सुर या है। वया दर्शे या वा विषाना या यो वा कु हो दे उरे या सुर्या व्यविषार्थि क्षुर भेरिका तुर्व भेरित तुर्व है। विषेत्र विषा क्षुर हो। विषेत्र तुराधः यदार्च स्थान्यायात्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र प्राचित्र क्ष्यायम्ब्रियानम्ब्रास्टाबेयाक्चयार्यदे विस्रयायानियोटार्ट्टाक्चयार्यायावर्ट्टायाकटा त्राच्याः याच्याः विश्वास्य विश्वास्य विश्वास्य क्षेत्रः येषान् निर्वानिष्ठ विश्वास्य यमाच्चेत्रत्में बाह्मा व्यास्त्राच्या व्यास्त्राच्य बेयाञ्चय। कुयार्थेयाने केंगायन् गाउँयाञ्चयान्य विदावी खुर्यायन् निरावी खुर्यायन् निरावी खुर्यायन् निरावी खुर्यायन् वुषा भै:क्षुर:भेंदिष:विंरर:यायःम्वनम्नवंगिःविगार्थेद्रःयःदेःयःपक्षप्रथःहे। विरार्बेर विवारियायारे विवार्सेर याचिया लेंद्र प्रया विरादेश वरा देश वरा भ्रम्यार्यास्यानमञ्ज्ञात्वित् ग्रीयाम्यारम्यानम् यार्यातम् यार्यातम् यार्यातम् यार्यातम् वर्षात्वेयान्यस्य ५८। देवरादुर्वार्केन् क्षेत्रेरादुर्वेदाद्वराध्यादेवे की सराधे तत्रुर्वा के क्षेत्र व विरिद्यान्य विराधित विराधित विराधानि स्वर्था मुख्य विराधानि । विराधानि विराधानि । विराधानि विराधानि । विराधानि विराधानि । इैर्यायाम् वेर्टायेदीन्दान्याम् मनाव्यायम्यायान्यान्या सुनाव्येरायनः

हे सीन् यदि वान् म्यालिया द्यापाय वाया यन् वाया यन् वाया में याया वाया विकास विकास विकास विकास विकास विकास विकास श्रेंबिशन्तवर्भमा भ्रेंक्षिरःम्बर्भस्यः स्ट्रेंशन्दःस्ट्रम् अभागेंक्षुःवर्दे से देशसूयः यव। क्रियार्थेकाश्चरादे पदेवायारेदा छेका देवे पद्यक्षा ह्वायवदादे क्री ब्रिन्द्रसम्पाननेत्रः तः वर्षेन् राध्याननेत्। सुःस्री नित्रं तिरामी सुः तर्ने स्री नित्रं ययान्दार्याद्याः भेदावी खुः वदी से व्याचर्यमित वया ब्रिन् स्ट्रिया विवया से निवा होना निवा व <u> दे.श्रीशः नेशः स्त्रूषः स्त्रीः स्त्रूषः या वद्यः स्त्रः ध्येतः यशः स्त्रः यो व्याप्तः स्त्रायः स्त्रायः स्त</u> ब्रिन्:रदःवाश्चीर्द्रदः बेर्यायम् । श्चेराययः श्चेर्याय। 'नःग्रयन्रदः यस्त्रनः व्येनः व्येनः यदे से बिया या नेदे कंच के चदे सुर कु नर से सुर कु बिया यार व पेर क्षुर व्या विरस्र अर में सूर से सूर सवया ये या वर्षा वर वर्षा वर् र्वेज हुन्सूर । तर्वातः लेवा यी या खुन्ते से दारे हेया खुया वर्वातः लेवा यी या खुन्या से द श्रीम्बर् लेगारेन डेशानवन। भ्रोब प्रशास्त्रन केव प्रशासम्बर्ध स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्य म्येत्रप्ते, जार्जुंबर के बाराया वसका उदा के में देश के बाराया विद्या के प्राप्त के बाराया विद्या के प्राप्त के बाराया विद्या के प्राप्त के बाराया वयासुविषाचीयास्रिषायायवदायहेदाया ५७४८ स्त्रोवायास्रीवायास्रीवा ।५७४८ यविरात्तायविरात्ताय्रीय। १५७८ यविरात्तायविरात्त्रीय विरात्तिय विरात्तिय विरात्तिय विरात्तिय विरात्तिय विरात्तिय मर्थर्थर्था विष्यः स्थान्या देवया स्थान्या विषयः स्थान्या स् यःम्बन्यालवः न्यरः उवः नेरः क्षेत्रः यः नेः वदः श्रेः केः लेत्रः स्यायात्रात्रे स्युत्रः यायानः ने स्युवः र्ये त्याञ्चर त्र वार्चे तार्चे तार्चे त्या व्यवस्थित। ने वात्य हुत प्रमान वा स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान याचर ख्याया परि स्नून कान्दर प्युव स्टर से स्टर स्वास्त्र ख्याया स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास *ह्*वःर्श्वेरःचःवर्नेःम्यःके। कॅरःस्रसःह्वःवर्नेःसमायःविमःसेवःसरःवेसः

न्वीं भ न्वानी से न्वोन्य विश्वास स्वास लेखा सही सहस्य विश्वास विश्वास स्वास विश्वास स्वास विश्वास स्वास विश्वास स्वास विश्वास स्वास वर-दु:द्रगुवा:विर-द्वर्थ:हे:दे:विहेश:द्वे:वहेव:य:य:य:य:यावासुद्रश्रय:धीत्। वदे:यः के'वर्द्वेट'कुट'ग्रम्थुम'क्की'द्रद्वे'च'भेद्र'य'थम। के'म'न्यम्भानसृद्याः पर्वनाचित्रची स्वां प्रवेषि पर्वेषि परिवेषि पर ख्र-पर-तृ-ष्ट्रम्था श्री: त्या क्षेत्रा : त्र द्वेषा यदे : दव्या या वाली के दारी दे : या के दारी यदःश्चीः नः हुन् व्यास्यादीत। स्थायित्र स्वर्धातित। यार्वेदः वर्षो वर्षेत्रः त्यों हो न प्राप्ते प्राप्त हो सामा प्राप्त हो न प्राप्त हो हो हो हो हो हो हो है । प्राप्त हो हो हो हो हो हो ह र्ये लेग मु तर्हे अरा भेर पाया सेना सर्वेर पायु तर्दे से सा भेर सर्वेर स्वापन लेग मीरा चन्नुरुप्यथा तर्ने लेगायीयापायादे न्यायाया सेट त्रया इपते (वर भ्रेमा मानसा सुरु। ट्रॅ.चरःस्नेचर्याः वैवाःवः कॅटः याञ्ची (वः तज्ञ्च र रेया ग्वयः हैं : से रेतिः त्युटः चः वाटः चववा स्वयः बेर'वदे'र्थे क्रुंशर्रे स'पेर्'स'पेर्। रुश'र्द्र क्री स्नवस्था सेदे'वर्सेर्'द्रस्य यद्यान्यत्रान्द्रे म्यान्यात्रयात्रात्रे स्त्रे न्य्वाः विद्याः विद्या यन्द्रस्यायान्त्रेत्यायान्येत्रायदाक्षेत्रस्य स्वत्यान्त्रेत्रस्य स्वत्यान्त्रेत्यान्यस्य स्वत्यान्त्रम् वलैक् भेर्न भवे हुन्य भेर्क सम्बन्ध निवास मान्य निवास मान्य स्वास मान्य स्वास मान्य स्वास मान्य स्वास मान्य स्व वादेव सूर्यक त्वाका को दा से स्कृता वा विदा कि ता वादि है सूर्यक के वा वादि है से विकास के वा वादि है के वादि है के वादि है के वा वादि है के वादि है क

वियःयन्यायःयद्भः स्रोतायवरः यो लवायास्टा

के.चर्या देश.व.क्ट.शर्यान्चेव.चित्राच्यक्य.वर्ट्य.वाचच.रचे.या संबारचा.लूर. यासुरा क्षेत्रे स्थान स् त्वियाची यावश्राने वश्रान्त्रया क्र्येन स्त्रमः स्त्रित त्रिक्त स्त्रमः स्त्री स्त्रमः स्त्रमः स्त्रमः स्त्रमः तुः शेरित्वेतः सरम्बर्द्धाः स्वाप्ति । शेरित्वेतः सुन्तुः निष्टुः सर्केताः वीः सुन्तुः यभिषामात्राम्भवान्त्रीत्राम्यान्त्रीत्राम्यान्त्रीत्रा क्रियामीत्रम्यम्यान्त्रयायाः सम्पर्वित्रायायायाः क्रिक्षात्र्वे व्यायीया विर्म्पत्यी वाष्ट्राचा वाष्ट्रवा स्थिता स्थापा स्थापा विष्या है। देवें प्रस्थास सम्बन्धा मुर्था स्थान स व। कुर्यावर्त्तेवर्द्धत्रावर्त्वेत्रावर्त्वेत्रावर्त्वेत्रयावर्ष्वेत्ररहेर्ष्यम् हेर्यस्वेत्रयाम् व यर में प्रिन्ध मेन से सम्बन्ध पर प्रमें में में प्राप्त सम्मानीता तर्वोदः ये देन वुः रवः तर्वः विश्वेषः श्रुवाः तुषः द्वितः श्रीषः वाहेरः हे द्विः श्रुवः यः यः रेदा स्वाःस्वान्त्रः ववतः दर्भः स्वाया अके ववतः विष्या गाः स्वीदः स्वाया अक्रयः दः विवयः पदः म्रीन्याया भित्रः भवतः स्वतः स्व वया शेट वोश सुर सुवा विश्वा वीश सक्त सु सदि सदि त्यस नु सदि सदि स्वा रास्त्र सु स्व स्य स.क्र. र दे । से बिना विषय या विवेद साम्या है देवे म्या वर्ष विवेद र देश हिंद या डेवा डेवा तर्र लेवा बेरा रहा रे त्या सुवा सुवा तर्र लेवा तन् र पेर डेह्या सर्रे र वःसःयःयर्देवःभ्रेताःगिष्ठेयःगाःवयःग्रेदःयःदेःभ्रेदःद्वीयःयःरेद। सःयदेःरेषायः म्रम्भारुन् होन् मुन्नायाकेषायाने । नेषाम्भारतेन प्राम्मायान्य । स्राम्भारुन् होन् पा रेत्। त्वातः ब्रेन् बेरः वतः श्रेष्या स्वात् कुः यः त्वातः विवाः विवाः विवाः विवाः विवाः विवाः विवाः विवाः विवा

र्रेभेर्केचरकुवेर्वर्वरुद्धरिवर्ष्ट्रप्विम्भेर्यर्वेर्द्धराष्ट्रभावेर्वर्या र्नेव विस्तरम् विष्य के विष्य में विष्य के विष्य के विष्य के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के विषय के वि कुंकी वित्विर्यस्य वित्वत्वरा सेरकेत्यसामित्रकार्वर ब.इ.लार.श्रेटी ट्र.श.चर्बर.ब.च्र्राक्कि.क.ट्र.ज्यूच.चक्किय.व.बेट.बुट.बुट.वर्टेब. डेबाङ्क्ष्यायारेत्। क्वयायाङ्क्षीयाद्यात्रयाक्ष्याक्षीयायात्रात्त्रत्यतार्थे विष्यागादीयरायाः विवित्यासूत्राचीत्वत्त्वायालीवाय्येन्याने। वराव्यात्तुन्वत्राक्चवायेवववारेः यिष्ट्रभागात्रचीयाः व्यवशाद्यसायारेत्। देःतुषाः सुः स्नुसायाः वर्षाः च्यायाः सुदायाः त्युतः डेबायदीन्ये सुरा सामायत्व न्यायाचेन सीमानचेत्र न्यायावायाच्यायर नेवावया स्यायायम्पन्त्रात्रेरायाविययाक्रास्यास्यास्यास्यान्त्रात्रे । वयाने याक्रियाया र्टात्यतः रेजिहेराणायायायायाराष्ट्राच्याच्यायात्राच्यायायायायाया यालव तर्श्वेन हुमा हुमा । भु पठन पव र्येन यावया सु सुन । । व्यया ने हुन त्र्रम्यायवर्त्तेम्। विषयेम्याय्यायः क्षेत्रः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः वैंदः र्ट्रा सक्र्यः स्त्री सि.स.सुर्या यायवयः सुर् स्रिममा विवासयः सुर्या देशः <u>बुद्दाचारेद्री साम्रास्त्रहरूषा क्रियाका में इत्यान में ज्ञान क्रिया में साम्रास्त्र क्रिया में स</u> कुपः संभित्र भीत्र स्तुः त्या सामित्र विष्या सामित्र स्तु स्तर्भ स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त क्षेत्रास्त्र ने देवास्त चेत्र प्राप्त है प् व्यापान्दर्भे सेस्रस्य त्युवा तर्वे चात्रिवा चन्द्रा पाने राष्ट्रवा सुचा से सामा র্ক্তরাল্যবর্ষান্তর্বান্বর্বান্তর্বান थेव। वान्ययःनवाःवीःयर्केवाःयर्क्नःविवाःमुःविवाधःथेवःवेयःवासुन्य। क्<u>ष</u>ीनः

सक्र-ता.सूर्या.ता.चर्चर.झा.प्रेट.हूर्। सक्र्य-ता.हूर्या अक्र्य-ता.हूर्या अक्र्य-ता.हूर्या थेंद्र हद की सर्वर । युष्य की की द्वीदाय की वार्ष की देश क श्रेश्वरात्वियाचेत्.क्रियान्यात्वाक्ष्याः स्वास्याची स्वास्यास्याः स्वास्यास्याः क्षिञ्चाया दर्गोत् अर्केगायी हेता द्यो र्ख्य ह्येट द्विस्रस ह्या द्वासा स.भाजूर्यामान्त्रम्। क्रीयायहूर्यः यहेन्। यायमान्त्रमान्त्रमान्यमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त्रमान्त र्के वा विद्यान में विद्यान मे रोमयानेन क्रमया ने रेना निहास मानेन किराया से ने निहास में निहास में निहास में निहास में निहास में निहास में म स.भाष्येश.प्र्यो.ज.पश्च.पर्यो.र.२८.योङ्ग.श्रेंश.श्रेंट.तपु.पी.कींट.धु.शवर.कींय.ज.पर्यो.य. यारेत्। क्षेत्रास्तात्वीरावे। क्षेत्रांविर्धार्थाः स्वाप्तात्वीरावे। क्षेत्रांविर्धार्थाः स्वाप्तात्वीरावे। द्भुवार्खे व्यवन्त्रा व्यवः नुनः वर्षे विवाधिवः यानः स्रीनः वर्ने वाषान्तरः मनः स्रीकः योः स्रिवाः . इ.च.चन्द्र-द्र-च.अ.रेद्रा क्र्या इ.च.च.लुश.अ.चन्द्र-सूचा व्रवा व्रवा व्रवा व्या ह्या स्वा ह्या स्वा ह्या वर्षाक्ष्यक्रेवाकेवारेत्। देःदेदावास्तरक्षात्रवादारेषाक्ष्याः सुदायस्यस्त्र सर्द्र-विकाने स्त्रीया नेकाने राष्ट्री नेकान्या हेंग्रायाय सर्वा स्वाया सर्वा सर्वा सर्वा सर्वा स्वाया सर्वा सर्वा सर्वा सर्वा स्वाया सर्वा सर्व सर्वा सर न्धन्यामहित्यते बेला बुका है लेवा खेता हेवाका क्षेत्र केवा क्षेत्रा हेन् चुन नु बेका तन्त्रा त्रायदीक्ष्यामा हुन्याद्यामा स्वाप्तान्या स्वाप्तान्या स्वाप्तान्या स्वाप्तान्या स्वाप्तान्या स्वाप्तान्या स्व ने यशक्त कर के निषय प्राप्त कर हिना की विक्र कि निषय का कु स्पर्त के रेत्। स्पर विवाद रेबान् र्ड्याक्षेत्र ग्राट बुर वान्दर स्वान्देवा वीवा गुत्र त्वा वङ्गादबाने। रट वी के वा

क्ष्यः व्याप्तः स्त्राच्या क्ष्यः क्ष्यः क्ष्यः व्याप्तः व्यापतः व्याप्तः व्यापतः वयापतः व्यापतः वयापतः धुरा । ने नग ने में भ्रें मुं मार्था । विषामा सुर या मार्था न न मार्थ से मार्थ चर्चर क्रूर अर मालेवा ल्रेर्च वास्त्र क्रूर यालेवा या क्रुर वा क्रुवा या वास्त्र वा केव मिलिया यीया नयो पर्व इसस्य विश्व स्थापित स यस्र महीर यारेत। र्वेन लिया या भी ने नयो यत्तुन या सर ये निरास समानु वर्वी वितर्भेर्प्या वितर्भित्रे मुद्रिया रेजिया मुस्या हिन् श्चैतः प्येन् यायन् विषाञ्च्यायान् मा ने त्रयायायायात्र केयायायायात्र विष्यायायात्र विष्याया यर्वे रेत। मूर्याम्बेर्यामायद्वरात्तुराते सुवायह्वारेत। तुवासुवाववा र्ये बिवा हु: शुरु हे ववा विश्वा यो ववाया वायेवा वायेवा हु व सुवाया येटा व रेटा वे यया क्चाकेन प्रमामामामामामा सम्राम् क्रिया ही हार हो साम्या है हो तह ते स्रीन प्राप्त प्रमास ने देर विस्तर क्षेत्रायाय स्तर पुरारेन क्षेत्र केंद्र या प्रति क्षेत्रायाय है ते वर वया क्षरात्रे केर में भी यात्रा या विकायया स्थान कर्। क्षेत्रायः देश कवायः सूरः वीयः नृद्धायः नदेः वावयः यः वयेवः यः सरः नः रेर्। र्केर वर् महैश्रामा सेर्पाय देश सामा प्रतास के मान्य मान्य मान्य स्था मेर् नेषाग्री देवाया इति प्रका वहिवा हेवाय विकास विकास विकास वाय विकास क्रेंबायायहेव हे क्रेंबा सूय यथदावा अर्देर क्रेंबा सूय वे विंद विंद र यहुवा तर्। व्यायहराष्ट्रम् वेरायेर्याक्ष्रिंत्यीयवात्रं राधितात्रातर्। दरायेर्दितः येदः राद्दः देवः कुरः राष्ट्रीया वया वयया दवः श्चीः त्याः देवे व्याववयाः त्या क्ष्यान्द्रवन्त्र्यात्र्यत्रः स्ट्रान्तः स्ट्रान्त्रेयः स्ट्रान्त्र्यान्त्रेयः स्ट्रान्त्रः स्ट्रान्त्रः स्ट्रान्तः स्ट्रान्त्रः स्ट्रान्तः स्ट्रानः स्ट्रान्तः स्ट्रानः स्ट्रान्तः स्ट्रान्तः स्ट्रान्तः स्ट्रान्तः स्ट्रान्तः स्ट्रान केन में ह्विर पेर न रेर्न देश हैं नका क्षेत्र कुया निरुष्ट के में रेर्न का है र होया केंद्र र्शिजः विश्वश्रात्रात्रम् व्यास्त्रियाः स्वास्त्रियाः स्वास्त्रीयः र्वेर्यः व्यक्ति। सूर्यः सूर्यः द्वेर्यः या व्यव्यक्ति । यात्रवः सूर्यः व्यव्याः विसा ह्म दिन मिन का सुरा विस्तान का स्वर्ध किया हो साथ हो स बुबाङ्काबाद्यात्राचरायाः १५ । याः स्वतः श्रीयाः स्वतः स्व विषायदे दुः दर्वेद् होदाय के प्षेत्। ब्रिंद् द्युयाय श्लेषा चेराव्याद्युया श्लेर्द र्शेट दुर्था क्षेत्रायायायायाट र्शे सेट सेट से हेद या हैवा स्वरक्ता या लेवा दुर्था ही श्चेतः भ्रेतः महेनः सम्मार्थः लेगायीयः प्रश्चेः स्ट्रान्यः पहेनः स्ट्रा प्रश्चेतः प्रश्चेतः प्रश्चेतः स्ट्रान् यदिया प्रतिशासमा द्रमा थर मा निष्या मा स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्य तर्वो न तर्वो विकायका स्रार्थ र स्पूर्य तर्वे विद्यान में स्वर्ध म हे द्रमार्देन द्रमायमाया केया में रायमा है यम ही द्रमार ने मायम हो स्वापन या अर्थेटा विदेश्यन ने प्यान्य स्थान स यर्तेनाश्राक्षात्रात्र्यात्रेन्। देवशाञ्चयान्दरशादिवाश्रायाश्रुशाद्येदः त्यिक्षेत्रभास्त्रियात्रमानेनाने स्वाप्ति स्वाप्तियाः स्वापतियाः स व्यायमार्करामानुः व्यायम् वर्षाः व बुवानुदानी क्षेत्रायार्क्यायार्वे रावद्वापालेवा मुर्ग्येदा। द्रार्थे से यायायायाय्येया ब्रिन्। न्दर्यार्क्रवात्यर्या हेर्चरात्युविष्ठ्या गाः भ्रुवा वीया व्यवाद्या यहेन् केर्येदः यथ। यरःश्रीयथःभेगः हुःचेदः तुःगहेशःगाः क्रुवाः क्रुवाः वीः द्वाः यः क्रेद्रशः हेः हें क्रिः वयाविष्टरियम् श्रे व्याप्त स्वापित स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्व नव्या विद्या विद्या द्वीत क्षेत्र क्षेत्र स्वराष्ट्र विद्या विद्य [याद्दी:क्विंगावहराषा:या:याःविंयावेंया] षायायःविंविंयाक्वेंत्रावेंदावायक्षुराने या सदीयायासी हेन। यासायाद्वेन यान सीद्वायार्के यसायसायासायासीन यात्वे यः संदेत्। ज्ञास्य प्राप्त दे त्ये स्त्री स्त्र स्त्री स्त इर्यत्रम्यक्षायाः केष्यं विवार्षित्। वृष्यं व्यायक्षयः विद्यविष्युः कुरः वसूत्रा वृष्टुर्यः पवनायाविनानीयार्सेन्यासुर्याते स्वीत्र विन्यासी सुनायार्स्य स्वीति स्वीत र्चे.क्टर.र.क्रैज.सुँग.५.५५.जम.र.मधमा.पर्येग.यममा.यम। व्रिम.८.लर.मा.स्मा वि:बेर:व्यादव:क्रेंद्रिव:द्रद:याष्ट्रय:द्राव्येर:वायुय:विवा:बुय:पेर:वय। देवः ब्र्यान्य अस्तुः स्रेटः या सः लेया युद् न्य अस्तुः सः यात्र या देया देया है कर स्वराय विद्यास्त्र विद्यास व्यन्यारेन। नेप्तुन्यार्क्षित्यीर्क्ष्यार्स्टन्क्व्यायाय्यारेन। स्वायारी नियर लुका है हिं क्षेत्र नियं निर्देश स्थित । सुर्वा के साथ स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थ याप्पराधरापेर्पायारेर्। क्षेत्रासूनार्श्वेरादारदार्थरायाश्चे हो। क्षेत्रदेधिः

महिषामार महे स्क्रीत त्युदाय रेता विभागी स्वामी स्वामित स्वामि तवेथा सेन् ग्रीमानस्यायम्बाया बूदाकुषान् स्त्रुपाने त्यादवा तविया लेखा वु विया क्षे : क्षे हेश्यायाळे नारेत्। ह्यत्यारातुः केश्वादीत् क्षेः स्नान्यास्, स्नात्यत्वत् स्रीः सुद्रा यरस्य वद्यार्थे व्यविष्ठ द्या वी १९४ यर यर कर दु १८ क्यू र तर्वे वर रेद्रा दे १ सूर व केंबा हव पाया सव प्येव प्रदा केंबा प्रदानी बाबा हव पा प्रदान पाया हव प्राप्त प्रवास व प्रवा यञ्जायदेःहेश्रयाम् हेश्रयाम् अत्यानुः त्युद्धान्य स्वाया विषयाम् विषया स्वाया विषया स्वाया विषया स्वाया स्वाया भीयादायहरी देवाबाउदा धीदा लेखा दें कें सेन्या दर वाडिवायो वि उदा दर वाडिया नवा सेन् स्वाया सूर के न न्या नुस्य विषे के विष्ठ निवाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स रवाः दरः श्रेस्रसः वस्यः सुद्धः चः दरः वः वस्यः विद्यः चत्रद्यः चत्रद्याः विः चद्याः स्रोत् सी द्रोदि वदः सर्हेत्। । वाहसः बुदः कुषः क्वेत् ग्री सः व। । वो सः वः सुर। देःवायहेवःहेःकवाराष्ट्रद्यो इयाहेवाः प्याययेवाहो रदावाववः वहिषागिते।वा तर्देन द्यो श्वेर क्या तर्वो च रेदा प्राय विष्य की न देन स्थर के च च द्या प्रशेष यालवः र्श्चेन्।विन्तः प्येतः यः रेन्। अर्क्तरः अर्करः यावाः प्यवाः प्यनः यालवः र्श्चेतः हेराः ब्रुम। ।याद्यरम्यायास्य स्वायवियायम् स्वामास्य स्वामास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास वयायाधेराचाविषाधेरायायाचेर। देयावाद्वयाञ्चीवारवार्येराषायुवाषाराचुराचु श्चेषा म्यात्वयाद्राचश्चेषाते विभाषाये विकित्या है प्रित्य प्रित्य स्वर्धे व स्वर्ये व स्वर्धे व स्वर्धे व स्वर्ये स्वर्धे व स्वर्ये स्वर्धे व स्वर्धे व स्वर्ये स्वर्धे व स्वर्धे व स्वर्धे व स्वर्धे व स्वर्ये स्वर्धे स्वर्ये स्वयं स्वयं स्वयं स रेत्। क्राक्षश्रेर्वेश्वान्नेश्वास्त्रम् स्ट्रां स्ट्रां क्रित्रम् क्रित्राम् स्ट्रान्य स्ट्रान्

सक्रान् प्रमान्यम् वेषा प्रमान्यम् वेषा विष्या विषयः श्री विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषय क्षेत्रा नेते स्नेट मु:कन्य स्ट्र की विस्तर स्ट्र स र्नेव स्थेन निव्या विषय के त्या विषय के त्या क शह्या.मु.४भ.भ.४८.४८.मु.भकूरे.विट.४८.४४.मश्चेज.४। रेट.छातूर.सूर्या. दरकेंबालुःबरःबेंदःवःदवाःवरुद्युबावःवत्रद्यःदेद्। व्यःकुरःव्रब्धःश्चेंबादरःवें वि:चक्कियो:चन्दर्भवित:बुद्धाः वि:अक्ट्ररःझुःश्रुःचन्दर्भवितःबिलावित्रा। श्लेच्याःताझि:इः 'दब्रिया'स्रे'ऋया'रव'क्रीय'क्रीया'रेय'व्रीता रया'दब्रिय'ऋयास्त्रय'य'व्याऋयास्त्रय' विट वि. या ज्या विट वि. बेट या तशुरा नुषा अपया विषा या बेट वि व्या प्रकेट । र्शिजायरायम्, मुर्गिज्ञाज्ञार्यात्राचारात्राच्याः साम्रीयाः स्वाप्तान्त्राः स्वीपः स्वाप्तान्त्राः स्वीपः येन्यरेन्। वेत्यरद्वययन्यर्थेयर्थर्थाद्वयय। हेन्यतिनर्देन्येन्तुः विष्याविष्यावर्षाविष्याविष्याचिष्याचिष्याच्याच्या मिल्यान्याच्या यविरामे विष्याचे स्थाय स्थाय विषय स्थाय स् विवानस्यात्र विभागे विभागे विभाग्य विभ गाः सेनः वः रेवाः वावसः श्रेहेरस्य। वः धेसः वर्नेवः यः श्रेवः। वयाः वीसः श्रेरः वः श्रुरसः। พ.रचळाक्कीचि.चर.चि.शुचा.लर.कीचिर.टेब्ब्रिश.त.पुरी श्राल.प्रचळाक्कीचित्राचा.टे. वहस्राये विमाधिक यारेत्। धेर्क मृक्ष के वहते धेर्म करने वहते हर कुन वहस्राये ५८। यव श्रेम्या केव या छव प्राप्त स्थान स् विद्रयो वर्षा वर्षा देवा में का में किया में किय

थः वाडरः क्रुः सेंद्रः स्राप्तेदः स्रुधः द्रशः वत्रुरः विः तद्वाः दर्वोषः यः विवाः हः सेंद्रः यः सेद्र। ल्यं भिष्याने स्वाप्ताने स्वापताने स्वाप्ताने स्वापताने स्वापतान था बेरावा या रेत्। क्षेया वेंचा क्षेयां केंचित क्षेत्र क्षेत्र या क्षेयां केंचित्र क्षेत्र क्षेयां केंया क्षेयां केंचित्र क्षेत्र क्षेयां केंया क्षेयां क्षेत्र क्षेयां क्षेया यारेत्। देःश्वराञ्चेताचीः धेव क्रवाह्म उद्भव द्राद्रा देश विद्या या विद्या विद् यश्चित्र हिंग्येर्ट सासूर। सूत्र स्त्रीया श्चित्र विषय सामान्य सामान्य सामान्य सामान्य सामान्य सामान्य सामान्य न्वायवाया वर्षेत्रवयायात्रिवयावर्षेत्रवेष्ठयायात्रेत्रवेष्ठ्या इसन्धेत्रिः नेयः रवः व्येदः य। वुः वः वस्रयः उदः यः क्र्रेवः स्रवदः श्वेः सवदः सर्वेदः विदः। वहणः न्धन् अविषया वहवान्धन् क्रेंब्राया अर्थेन् वरायशामा औद्वीन्या सुवाने वःल्ट्रवःच्यायःग्रीतरुद्। व्रःश्चित्रवा ययान्नःचयानःन्ययाग्रदःवस्ययःस्ट्रि षारवर्षाधेत्यारेत्। क्रुरार्वेताश्चीतेरारवावराक्रुरार्वेताश्चीधेर्वेत् हत्रस्य उद्देश देव खद उव पीव या रेदा बुद केंच्या ग्री पीव किवा पीद ग्राह खूव क्रुंया क्षीः विष्यान वराये विष्या येदावा व्यवान वय्यादर द्रा चर्च क्षी सुष्या यथाया तर्दान्तरे हैं त्राधिया सर्वे हें ज्ञाया स्रोत्या स्रोत्या स्रोत्या स्रोत्या स्रोत्या स्रोत्या स्रोत्या स्रोत्या स्रोत्या स्राप्या स्रोत्या स्रोत्य रेत्। न्येरः व ने रेट के अट लेवा वीवा तर्केट वि वक्किय है सुवा वेव वाट वेव होन श्रां विषा त्या स्वाप्त विष्टा स्ट्रेंब त्या स्वादा है सात्य त्या से साव स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप यःरेद। यञ्जिताःयःदर्शेषःकुःदेःवस्रयःउदःयःदर्शेषःयस्र। स्रेःवस्रयःउदःश्चिषः ८ क्रिंत साम्चानकी साम्या से हे साथा तत्वा साम्य सी महिना महार सिन्य सामेत्। रैयायानकुरान्में यायालेगानु हे सूराद्या रदावरें र केवाये उव लेगामेया है। नर्भरा द्वीत्र देश के त्रहेवा हेत् क्वी विस्था त्र विष्ट्र माईवा सुः सावित्र स्था विष्ट्र विस्था विष्ट्र विस्था

यार विराया से प्राया के प्राया के प्राया के प्राया के प्रायाय के प्रायाय के प्रायाय के प्रायाय के प्रायाय के प र्थे प्रति प्रतर प्रति श्रीत्। श्री तवात से श्लीत । वस्र श्रीत । वस्र रेत्। श्रीकॅरायाथीर्केन्रिरेयारुवालियायार्वेवातुयार्वियाःकुःहेरुद्रान्दरःक्षेक्षिःसुरायाः वर्चे श्रीन्य मेन ने वह वे वे वे के निष्य के निष्य के निष्य मेन विषय के निष्य मेन विषय के निष्य के निष यक्षियाः मृत्यादायाः द्वार्याः स्वर्षाः स्वर्षाः स्वर्याः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर व्यातस्तर्र्त्रुष्यस्त्रुर्म् स्वार्याध्येष्यः स्वार्याः स्वार्याः स्वार्याः स्वार्याः स्वार्याः स्वार्याः स्व व्यः श्रेष्या वर्षेत्रा वर्षा वर्षेत्रा वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र योष्ट्रियाची हेर्या यो सेन्य र सुन्य सेन्य त्रीत्तर स्वीत्य तरे स्वार्य ने त्या यो सन्य त्या यो त्या त्या त्या नुषासुम्राष्ट्राभार्येन् भारते नेषावित्यासुम्राष्ट्राभ्येन् भवेत्वित्राम्बस्य स्ट्रम् स्ट्रम् ने तद्वे रेवायाया वातुवा रेव पेन या सरेन वाया हे ने तद्वे रेवाया ने सुवा बतर न्यतःश्चिरः के प्यमः स्रोत्। सर्ने मत्रात्यः स्तुमः स्त्रीति । स्त्रात्यः स्त्रात्रः स्त्रात्यः स्त्रात्यः स्त्रात्यः स्त्रात्यः स्त्रात्यः स्त्रात्यः स्त्रात्यः स्त यन्यार्थिष्वे दे रेन्। रैयायर्थयार्थयाय्याः स्ट्रियं वित्रं श्रीयेन् स्या या ब्रिन् इस्रयास दिन्या वान्या ब्रिन्स सामित वान्या प्रीता सामित सामित सामित सामित सामित सामित सामित सामित साम श्चेंद्रायमायायसूर्याने साम्याय स्वास्त्री स्वासाय स्वासाय स्वासाय स्वासाय स्वासाय स्वासाय स्वासाय स्वासाय स्व तर्ज्ञीविः भेर्ना या देन विकास के विकास के निर्मा विकास के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्म के निर्मा के निर्मा के निर्म के विंट वया श्री तत्तु न्यादी या स्वया ह्यें निया स्वया ह्यें प्राप्त स्वया ह्ये या निया ह्ये या र्दर वीश वाशुर्श्य प्रश्नम् वत्र विष्ठा वाष्ट्रम्य वर्षे र वार्ते विष्ट्रम्य विट : पट्या वेया कुं के च विवा द्वीया यो देन या विवाय विवाय

मुवा वुषा हे बर तहेंद वेद तर्वा य देवे रेवाय वे सुवे वारेय सुवा प्येव प्यट से दव रेना युवार्हेन रेना येन सेंदाव नयया कुछ उव योव वि रेना नयवा कुवा र्कर यो मर्बिन तुः क्रें खून छी देश यन यश यर येश दर्गेश कुं बिमाय शे यदिये हु बोन्। बीर्या रेरेका सुवा विवास सारा देश यने विश्व वर्गोन्। बीर्य रेरेका सुवा हो यर में न्युवा किर ब्रेन य के व्येन वासुरस्य य रेन्। न न्र ने विर वीसा व्यर ब्रियासायबरायान्यात्राचारात्रव्यासाय ब्रियासायस्यापान्यात्राचार्याः वर्षेषः ययः श्रेषियः वर्षः यायः के यायुर्या सः यः न्यः यः यः यः वर्षेषा न्योः वर्षः ग्रेमिशर्से दिर त्यों मिलका तद्यका क्षुं को दाला भी दिन के का दी दारा भारतका क्षेत्र वा वार के का सर्वर क्री से कें तर्र क्षेत्र महिष्णा वाहे प्या हे प्या है प्य है प्या है प्य है प्या ने १९४ कु : व्येन या सम्मा के त्या विषा वी सम्मा विष्ठ के निष्ठ । विष्ठ विष्ठ । विष्ठ विष्ठ । विष्ठ विष्ठ विष्ठ े विषाः भ्रीः विषाः विष्यः प्रस्ति । विष्यः प्रस्ति । विषयः । व वुर्यायाचेत्। यदाश्चीमाल्यायाल्यामीयामबुदाय्याद्यामञ्जानेयाम्याय्याच्या रेता ५.२६८म् यक्ययायायवयायरक्षायाद्वरान्त्रम्या हेवायव्यापयो ह्ये वैगानी सरम् सरावहवासेंदावस्य ५ मे सेंदानीस समेंदावस सेंदावावस सेंदा नरेत्। बेटन्नभ्रेत्यः क्रेन्स्य भ्रेत्यः क्रेन्स्य क्रेन्स्य क्रियः विकास क्रियः विकास क्रियः विकास क्रियः विकास व्यान्ते यायर येति प्रस्तु मुं कु यायर कु यान्ने याया येव प्रस्तु या सी वापर हे रव नु:शुरु:शेर्प हेन्द्रलेगान्ची:यालेगान्द्रायध्ना न्नी:यायाम्बेन्द्र्यायस्रुयाने:स्नेन् त्वी के क्षेत्रा क्षेत्रा च व्यात्वा विष्याचिष्याचिष्या च व्या के वा व्या के वा व्या विषय के वा व्या विषय के व श्रीयथः श्रीयाः यः तर्त्योः तर्त्याः स्ट्राः संदितः स्ट्रीन् या स्ट्रीयः स्

त्रकें राष्ट्रीत्र प्रसूत्र प्रसाद्धी पारा समुत्रा प्रसाद्धी प्रसाद्धी स्तर हिन् स्तु प्रसेत है सा से सि र:ब्री:यदी:नवो:नक्षेत्र:बेर:न:ने:धीत्। रशःक्रेंत्र:कन्:ब्रेंवा:नठन्:ब्रुश्रःय:नेर:दर्बेंन्: वयान्नो क्केंट विवानी यनुवानु केंट वया द्वीव कन क्षेत्राया की द्वीन यदि क्केंयाया ज्ञान्याया थेवा ङ्मानार्डेन्'यदे'त्रकॅचरुष्सुः स्यान्दः इ'च'म्हिरुणान्यरुन्'य'धेवा न्नोः श्चेंद्र सुम्रायाद्र क्रीया है। विंद्र मी सुमा सेद दाया द्र दिन त्या मन्दर ना धीन लेया समें सिंदर ही। क्षेत्राने के त्वन्यम्याने । वे व विन् ग्री त्युषा ग्री व स्नुष्यायाने त्वन प्रवित्रा वीषा क्रेव क्रियरेट रेय देय है। रय मासूरय है दगाय पासूर प्रया है व दें व ब्रिन क्षेत्रा व त्या के लिया व प्यविव प्येन केया देश प्या व स्वीन क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र केया श्रुषा वि:नषाने:ननेव:मरानवुर:वषावि:वानावें कुंख्व:रर:वी:प्युवावाविन्देर:वि: यः बर्भश्रञ्जन् श्रीश्राचगुरः श्रीन्द्रिन् निराहेना सुवा विदाहेना स्थान्य स्थान्य सुवा र् सूना नी प्येत्। क्षेत्राया क्षेत्र इसस्य क्षेत्र प्रवेत प्र स्रोत्र क्षेत्र प्रवेत प्र म्बर्यायात्रयाः मृत्याद्वात्रयात् हेः प्यत्यात् स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः याद्यीयात्रसम्बद्धाः वाद्येत्। त्रुवाः भ्रेष्ट्रीयात्रस्य क्षेत्रः वित्रः द्वीः वादेशः वादेतः वित्रः वित्रः वि शैयार्डर प्रायार्दिया मुस्यया में के श्रीस्वया प्रायम् । विष्या हे मुस्यहे मुस्यहे स्वराहे के स्वराह क हेर्चेरेन्प्वत्यत्स्रियम्। हेन्विग्याद्वीपाध्यम्भरम्रहेर्यस्याहे। द्वीः यदः क्रुवार्धेकाञ्चकाया र प्यायिक्तः इस्याहे हुर रेता । द्रवी यस्ने व स्नुवहित हे के. रेर्। विश्वःश्चः ज्ञान्यायः यदः यद्भवः हे. द्वैः व्यवः द्ववः यर्थः यश्चः हेर् दे व्यविषाः चर्षेत्रात्त्राच्ची:श्रुवावराव शुं प्रेत्राच्या चिःवत्राक्चितायेत्रा चत्रात्रां वेराहेवाचा यःया । व्युक्तःसःसुः उक् ग्वारः क्ष्यः वेदिरः। । विषः सम्यवः उत् ग्रीकः समयः विषाः महेतः यन्त्री व्रीः यदे स्रोत्यः द्वेयः यद्वेयाः यद्वया यद्वया व्यवस्था देवसः स्रोत्यः यद्वयः यया

*चुै*ॱतॱॾॆॣॺॱॺढ़ॎॱॿॸॣॱॸॖॖॕॱॸॖऀॴॱतुॱॺऀॸॱॺ॓ॱॼऻॺॱॳॺॱक़ॕॸॱॺॺॱॺऻॗऄॺॱॸॷॎॺॱक़ॕॱॿॖऀॱज़ॱॺऻऄॺऻॱ वर्द्धत्रम् वात्रम् वर्ष्ट्रम् वर्षा वर्ष्ट्रम् वर्षेत्रम् वरम् वरम् वर्षेत्रम् वरम् वरम् 'क्ररम्पे कुं 'ठव' क्री में म्याप्त के स्वत्य प्राप्त हो देवे प्रमाय प्राप्त हो व के स्वत्य के से प्रा क्षेत्रायह्याये न्दरः स्नेदः कः प्यवायायायाः सुः कुः प्येदः या या येदा विवायः दरः हे द्येदः यहेबाबात्तराबाताका रेतताः श्रीताः क्षराक्ष्यां स्वरास्त्रीयाः स्वर मुनेबातहमा युबामदी बेमबामदी वक्रीकेबामहिन्दिमार्गेरावनद्वा यालेवा धोत प्रवेशिया सुद्र साधेदाया सेदा क्षा के साहिवा व्या के त्र प्रवेश स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र श्ची कें सह्या यी त्रस ज्ञा ने केंब्रा श्चीया वन नित्त ह्या निर्वाय पर मेना वित्त केंद्र वविरःवविः चुःवाववाः श्रुवः यः रेत्। श्रेः रवशः वदिवेः वे विवाद्यात्रे स्थानः श्रेः स्रेत्रः तुः स नुषारेत्। सूनान्गातः व्यषाः श्रीषाः सीत्र स्वषाः हेषाः स्वतः द्वाः वसुन्यः सावदः रेत्। रैवा वात्र वार्से के स्मानका वार्षियाया रेता वित्र ग्राम्य वित्र स्मानका वित्र ग्राम्य वित्र स्मानका वित्र समानका समानका वित्र रेन्। क्षे: या न्याम्याया या या विष्यं विषयं विषय यावतःश्चीन्याः देवाः दिवः हेन् श्चीनः श्चीः व्याप्तः यावाः देन्। नः प्यानः देवावाः याववः यावाः हेः त्वेग'यर क्रेंयाच्यात्रा त्वातः रे क्क्कियत्यः स्ट.व् स्ट.वीया च वाय्यावात्वतः समयः । उन् होन् कुते क्रेंब ह्वाया यर्षेट तन्वाया वने रेना ने या कवा की वाव या कुता मुद्दाया सेदा देश वें वें वें कें कें स्यूचा चुक वें वा वा कें चें ना वा कें चें ना गर्बिन प्रयामन प्राप्ता क्षेत्र कुं प्यारमय केंब्रा या बुदा की क्षेत्र प्राप्ती देन द र र ग्राब्द पर ही

নৃষ্ঠান্দ্রমান্দ্রী মান্দ্রী নানাম্রান্দ্রন্দ্র

यद्भवः स्रोध्यस्य वर्षेत् स्रोध्यस्य वर्षेत् स्याः स्रोधः स्याः स

श्रेम्यान्त्रान्त्रान्त्रान्त्रान्त्राच्याच। कःश्लेम्यान्यानिःश्रुम्यम्यत्रेन्त्रान्तेन्त्रान्तेन्त्रा ब्रैंचर्या ग्रीया तद्वेव श्री प्येन्या देन्। तद्नेन्या के केवा लेया योन श्रीव सी नवीं या सुनिवा र्थेन् या अप्ता वी अर्थेन् अर्थेन् पूर्वा अप्ता विष्यं अप्ता विषयं केन येंबा के लिया प्रीन सामेंन प्रोम प्राप्त केन के बाद के निया है का केन केन के लिया है का केन के निया है का श्रम्भः भ्रमः भ्रमः विष्यः द्रमः विष्यः प्रमः विष्यः विषयः वि रेन् डेस म्सूर संतर्मातर्ने न सुर स्वाप्ते संस्था सुर से स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान धुनार्ये भेता वर्दे दः केतः केनाः वेषाः यो दाय दान क्षेत्राष्ठा स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान धीतः प्यान्येययाः सुदः सिंधीत्। नः भ्रायोनः सुदः स्वरः ने या पान्यत्रः त्या पत्रः स्वरायस्य स्वरायस्य स्वरः से यरमास्रोसमान्त्रीत्र मुन्दान्त्र विषयास्रीया पर्वेसायान्तर सम्भान् निर्वेसास्य स्थान र्वायास्य तर्वायाः तर्वायाः तर्वायाः स्या वर्षायाः वर्षायः वर नेयायहेत प्रोंयाया सुन्ही द्वियाया में सिंदी धीत । धरा सेवा नेयायहेत ता दें राही। यर्केषा धीव। वर्षवा येवा यो स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वा न्यो अर्थेश्वापन्तरमी सन्दर्भन स्थी क्षापनि स्थापनि सामित्र स्थापनि सम्भापनि सम्भापन ल्रिं याने तर्दा रेत्। यदा वावत लेवा या प्राया सूर्त्र हेते वाव वा विकास्त लेवा या नुः क्रेंब हे या महिया क्रीया पारेता नुः क्रेंब या ते या विमान पे पित्त त्या सामुन तह या बैट देशयालेवाप्पेरायमा चुदेशस्यायायायास्त्रस्यानवामा चुह्रस्यायुस्यतः र्थेन्-तुषाक्तुन्-विविद्यातृत्रानिवान्तुः क्तुर्य्येन्-त्रष्या तुन्नेतिः स्रेद्यः केषाः स्रेद्यः यम्बाया युःबाहियात्रात्वरःश्रेवि में अर्द्धिः वरः पुःविरायुः योवः पुःविदेशके पुः तुःगिरुषागान्रेन्द्रेन्याविक्रात्मुन्यकुन्द्रेन्येन्यम् वुषान्नेन्त्र्न्येन्यान्त्रेत्। कुःसर्वेदिः

त्रज्ञरानु त्यसाम् निर्देशस्य स्तर्भे त्रास्य स्तर्भे त्रास्य स्तर्भे त्रास्य स्तर्भे स्तर्भे स्तर्भे स्तर्भे स भ्राम्मकात्र्वात्रम् । यो कात्रम् । यो कात्रम येवायार्क्षेराक्कीयात्राचार्ययाचारायया यास्रेरयात्री सराद्यार्वे स्वराद्या स्वराद्या रैट य बिवा व विट क्रेंट विर क्रेंब की वार्षेट य अर्वेट वया विट देवे वाया दु केंट । र्बे्ब किर प्रबर में देव स्वाव कु से मा कुर कुर लिया ग्राम पेर्न प्रस्र। कु दे त्वस् बिट व्रुषा चुषाया व रञ्जाणेषा स्रोटेव स्तुसा नु र्योह्य स्वीट रवने वि स्थाया मार्केवाषा स्वीवा निट याटा तर्रेर्न्याम्मभाउद्गत्वुदार्दे लेथायुदावसूत्रायथ। योग्यार्सेराग्रीभादे सूर्यः ययः वा वा हेवा : वरु : यरा वहुर : व : वहुर : वहुर : वहुर । यर : ययः वा : म्बेश्यानकर्मयायात्रकार्यम् । देनबेशः *ॱ*ॸॖॱॺॊ॔ॺॱॸॣॸॱॸऀढ़ॱॺॖॱक़ॕऀॺऻॺॱय़ॱॿॗऀॸॱढ़ॺॱऄॺऻॺॱक़ॕऀॸॱढ़ऻॺऀॸॱॸॣॸॱय़ड़ॺॱय़ढ़ऀॱऄॸॣॱ क्रमा देन्बराहेबरकेंद्राकेंद्राहें। विदायदेवरायानारेदेनवरुद्धासुर्वेबायदे तद्वै के नम्मामान तर्दे न केमा ह्रेन प्येन मा नमामान विन तर्दे सामान मान ने नया भ्रुवा या लेवा होने या तह स्रुया वया निया या त्या या निया होने या वा हिन या या यक्ष्याताचा जुर्चाराक्ष्याक्षीयाचा स्टार्झ्ययाक्षेत्रायाक्षीयाक्षीयाक्षीयाच्यास हे:बी:क्याचेन:ग्रीत:पॅन:क्र्रान्यःश्चेंना:न्दःय:व्याःबेदःव्हेंन्यःक्रेंचायःक्रेंचायाःक्रेयानादेवाःव्यः श्रेषार्थेन ये तर्के मुनया भैदातदित देन येदातर्के या त्र या मिया के प्रमेश न विकास की स त्रवात्रायाङ्ट् द्रेवाङ्गवाता विषया विषया विषया विषया विषया कॅर क्रिय केर देव केव वाउर यर भ्रायी तरेंद्र दें लिया सुया है यो वाया केर देंव वायेंवा. য়য়য়৻ঽ৴৾য়ৄ৾য়৻য়৻য়ৄ৻৾৻য়ঢ়৻ঢ়ৢ৾ঀয়৾য়য়য়ৢয়৻ঢ়ৢঢ়৻ড়য়৻ঀঢ়৻য়ৄ৾ঢ়৻ঢ়ৢঢ়৻ वयावयायवर्गमय। वैरार्बेराग्री सामवयाकुः वयावेराववुराववुरावाः वेर्श्वेवार्धे तहेग्रास्तु,रूट.च.कृ.चकु,चुर्वसानेसार्क्रूर.विर्ट्य प्रसानस्यात्रीसार्स्य स्त्रीर चारेर्। तर्नेन्यकेन्त्रमान्यक्राक्ताया स्वाप्तिन्तु तह्नान्येयासूरः वरकेने तद्वीयासूरः वर्षे त्वूरकुः भेर्भेर्भेर्भरेर्। वहवारोग्रयाञ्चरयात्रञ्चे वार्ष्वीः यार्थे यार्थे यार्थे यार्थे यार्थे यार्थे यार्थे क्रेन मुंभू न रेम्। सुर्ध्या मुंभू न सुर्वे न सुर्वे न स्वर्था स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वयं स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स याः क्री क्रुः वाः क्रीं वाकायायवाः व्यविः स्वरः याः येदा विदः स्वीः स्वीः याः वाहिकायाः वाहिषः श्रेयश्चरेत्। वार्वेत्रश्चेयश्चर्तः स्टाश्चेयश्चर्याः वीशः श्चेवाः वीतः श्चीः श्चेत्रः स्टालेवाः ८८.४२.य.५८। रश्चित्रायदुःस्वियोत्रायस्त्रोयाःम्।यायोद्धात्रायदःस्टरःस्वे स्वःत्रायदेःद्वे स्वः योर्चर स्रोध्ययात्वयाद्भूदा देः प्यर हेर्च स्रोद्या नुवानी स्राध्या द्वा ने निवानी गाँव वया श्चेंद्र चः वश्यके चः रेद्र। व्हेंद्र श्चेंद्रशास्त्रवाः देवा वीः क्कुंद्रः वादः श्चेंद्रः विदेशे शेदितः श्चेवाः सूत्रः भैःमाल्यन्तिमान्यःभैःवर्देन्।यःभिरःमान्ने ने स्टम्मीःमने भ्रीनःभिरःभयःभावन्। सूनः र्बेतर प्रेवस रेत्। यर्रेय येत्रिकेरर या महेत्र मङ्गुय ह्येर मते त्रा में प्रेव न्वींबायायारेन। सुःवाकीतर्नेन्यात्तुम्बान्वातायारेन। व्यवायरान् वेतावी याक्नुतर्द्धिरावायर्क्तास्त्रवाचायाञ्चराविचात्यायायात्रीतर्दिरायाविचात्तुरावाचीर्त्रयास्त्रीत्रविद् यःरेदा यद्वेः प्रवासुवाः सूयः उवः विवाः द्रष्या क्रेयः गाः इवः खुवायः यदः यः रेदा सेन से बिना नसे बाद तर से या नार्वेन नसुवाद बादे बार रास स्वाद हैना या नरा। श्चेत्राः भूवाः भेट्टायः वित्रां द्वार्ति । वित्रां वित्रां वित्राः वि श्चेंद्र-द्रवदः बदः तर्वेद्रः वः क्रुषः वद्वाः धरः वे दः देवाः धरः वश्चरः वर्वे विदेशे वार्वेदः स्रोत्रास्त्र प्राप्ति द्वी महित्रामार प्यमाय प्राप्ति द्वी सारेत्। महित् स्रोत्रास्तर स्र

यथा यट.धुया.टे.पर्टपु.कैज.श्रम.श्रीय.यर्या.जा विज.प्रे.टय.श्रमम.श्रीट. यर हो न पर विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व यरः वाद्यस्य स्वरः त्र व्युरः लेषः श्रुतः स्वरः वाद्यस्य । । विदः त्र व्युः स्वरः त्र विदः स्वरः स्वरः स्वरः स यदःश्चेदःहेवे:श्रेशशाधिशःसदेवःश्चेदःश्चेदःश्चेदःश्चेदःश्चेदःश्चेदःश्चेदःश्चेतः। तकर द त्या वर्षा त्या वर्षा वर वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा <u> २चा साम्राम्बर में बार्य साम्राम्बर प्राप्त साम्राम्बर साम्राम साम्राम्बर साम्राम साम्</u> योन् यालियाः यतः योषाः द्वारायः येन्। न्याः कें त्याः कें त्रायः कें त्रवारः न्याः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः *ब्रुच*ॱयःअःरेट्। लैॱचॱख़ॗॺ। ख़ॗॺऻॺॱचॺॖ॓ॺऻॱॺॱॺऻॡॱॺॖॱॵॺॱॻॖॺ। ।ऄॱ क्रियायाने निया यादा त्याया सुदा । । निया निया स्वया स्वया स्वया । स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स लुष्यम्भव्याम्ब्राच्या विषयम्ब्रीट्यामान्त्रमा क्रियास्त्रीयः विष्यः श्रे श्रुदः सुवा रेदः श्रेदः च लिवा ददः। व्या बेदे च श्रुदः सुवा दे र या लिवा ददः यक्षित्रायक्ष्यान्, विद्यायाया क्षेत्रात्वेया द्विया प्रमाण्या स्वापार्थीया स्वापार तर्तु यायाय स्रोत्राच गुरा हो द्राची स्थान प्राप्त स्थान याम्बर्ययाहासाह्यस्याह्यस्याह्यस्य स्थान्यस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्य स्थानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्थानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स्यानस्य स तर्वायायाद्वर्यास्त्राहेषासुपन्नाद्वर्याययात्रयास्याद्वर्याः *য়ৢ*য়ॱঊ৾৴ॱॸॖॖॺॱक़ॗॖॖॖॖॖॖॖॖॖॺॱय़ॖॺॱय़ॖॺॱॿ॓ॱय़ॖॱख़ॱॿॖॎऀ॔ॸॱॻॖॖऀॺॱॿॺॱय़॓॔ढ़ॱढ़ॺॱॿ॓ॺॱॸॗऀॺॱय़ॺ। देशयाथित्रप्रश्विद्धातित्रप्रमुख्याय। याथाति विचित्यायाद्वपायित् वर्षा ध्रींट द्या यी अयो ये दुन द्र राया उदा दे विया द्र राया अया तरक । क्रिया ये तिया सूर्या या वायाने प्रत्वाया प्रत्वर लेवा प्रति व नेव रेप्तलेव प्रत्या क्रिया प्रति र प्र यक्यायायात्वयात्रसार्वे प्रत्यात् प्रत्यायक्षेत्रस्त्रीत्रस्त्रात्यात्वे साम्यात् स्त्रीया नेव्यक्षेर्यः व्याने प्रविच्यात्र्य। यद्गियात्राय्यतः व्यान्यतः व्यान्यत् व्यान्यतः वयान्यतः वयाः वयान्यतः वयान्यतः वयान्यतः वयान्यतः वयाः वय याक्षेत्रप्रा याक्षेत्राणायाक्षेत्रतुष्प्रयदेश्चित्रव्यक्षेत्राच्या याक्षेत्रव्यक्षित्रहः यन्यासेन्दियायद्यायद्यस्य स्ट्रियास्य स्ट्रियाय्य स्ट्रियाय्य स्ट्रियाय्य स्ट्रियाय्य स्ट्रियाय्य स्ट्रियाय्य इ्टर्राया प्राप्त कर्ण के विकास के स्वाप्त करा है । इसे स्वाप्त करा है । इसे स्वाप्त करा है । इसे स्वाप्त करा है । यहन् पेर्न क्रीकेर न्येन लेगाने नयाने प्यान् यो पर्येन नया केन ये कर बिगानेते तुः तर्क्या हुः यर्कया व्यानेते क्कुना वर्षेव तुः वर्षेवा न्वीया विया यर्कया यबिव प्येनः रुषानियाया क्वायासुदासुयानिदासूदानीसुदार्दान्तानीसुदार्दान्तानीसुदार्दान्तानीसुदार्दान्तानीस् रेन् व्यट् वी व्यन् ग्राह्म विद्या वीत्र वी वीत्र स्राह्म स्तर क्षेत्र वा स्वाह्म स्वाह्म स्वाहम स्व म्रीयः सः क्वियः पुरिः त्युरुः म्रीयः पुरि म्रीयः परिष्यः प्रेयः प्रेयः प्रेयः प्रमेषः प्रसेषः प्रमेषः प्रदेशः नर्भेन् त्रस्य केत्र भे उत्तर्भे निमारेन् त्रनुमा डेस केंद्र न्येत् स्नुमा भे कंद्र मी सदत बद ক্রিমার্বিমান্মান্তমানাথানের্মিন স্ক্রিমামাধ্রথার্কমান্তমান্তমানার্মার্মানার্মানার্মানার্মানার্মানার্মানার্মানার্মানার্মানার্মানার্মান্মার্মানার্মার্মানার্মানার্মানার্মানার্মানার্মানার্মান্মান্মান্মান্মার্মানার্মার্মানার্মানার্মানার্মান্রমার্মার্মানার্মানার্মানার্মান্মার্মার্ क्रुअः भेरि: रेरा देशकः द्वो स्थानि । इस्य अन्य स्थानि । यदे य उद्गाय अने प्राप्त विष्य भीता अने प्राप्त के प्रा शेसरावे व प्येन व पने पाउन पुष्ट के सर्वे रेश पूर् से दे त्युरा हे व कंस प्यान प्राया रेत्। गर्वेत् स्रोधाराधेत् छेट यद् स्रोधारातकट द र्शेन्या माना द र्शेन्द स्रुवा हे यर ५८। सुवार्सेन रेसेवेरमधीन याउन ५८। वायर वस कुप्तवे द्वारेवा ५८। रे-द्रवाबारी-बेंदि-त्युबारुव-द्रदा। दुबान्नुवाद्यान्त्यान्चीबादन्त्री-ह्रोप्टेवाबाकी-तद्य-विदे

য়ৢ৾ঀ৾৾৻ড়ঀ৾৵৻ড়৾৾৾৻য়ৢয়৵৻য়য়৾ঀ৾৻য়৾ঢ়ৢয়৾য়৸য়ৢৼ৻ঀ৾য়৻ यित्रामान्त्रित्रम्भात्राचित्रम्भात्राचित्रम्भात्राचित्रम्भात्रम् यक्रिया स्वार्टेन रेसेंदि अधीन या उन तिर्वर दर यक्षाया द्वा क्वा धीक्षाय सुरा त्वातः रे तसुर ज्ञव द्वेद दुष सुवा रेंब रे सेंबि सज्ञी व या उब दे दियेंब ये पी ब या व ब्रिन्द्रस्य ने स्वरं साम्रीन के विष्ट्र माने स्वरं माने स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं है सूर वुषाव ब्रिन इस्रया श्रीया ने सूर श्रीया वेया के स्पूर । विरास र पुरा यो रासूर पर्या विज्ञा विज्ञा विज्ञाबर या सम्मा ३८ यो ८ दे तो प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त विष्या शुःवहेंत्रःस्रायत् श्चेःस्रोःस्त्रानुःत्र्यःश्चःत्रस्यः। ५:५णःत्रेः बर:श्रॅट:च:रेर्। वु:इस्रय:दस्राव्य:ब्रेव्यय:दी:ब्रे:च:र्वेवा:स्व:ब्रे:श्लें[वर:वव] র্ম্রাবাম দ্রান্ত্রীন ন্ত্রীয়া প্রের থে র্মিয়া ব্রীনে ন্ত্রীয়া পূর্ব র্মর দ্রিন ক্রম মার্ড ইন্ রেথা <u> बुरान्नेश इर मेशकान्नीकुत्वर दर र्यंत्र्यं स्था इर मेशका स्थान् नुसामका</u> बर:बय:ब्रिन:ग्रीय:ब्रु:क्रुय:वर्डन:प्पेन:य:वर्न:वाठन:र्रेवाय:वेय:क्रुय। ग्रीवाय:पे: न्वैमाः स्र क्रिया वुः मञ्जूनः व्रेनः क्री स्रूनः या इस्य या या यनः रेमिया वुर्या है। यस यह माया तर्वो वा ने न देवा हु तर्वो नु रा द्वी त्या दीवा वी या द्वी र से दि । ने या सून के देवा वी वा या म् इत्रम्भारतः श्रीताः श्रीत्रम्भारत्यम् । स्वार्म्यः श्रीभावीः वर्षः र्रम्भारतः रेन्द्रम्याक्षित्रक्षरः वर्षाः द्वीः या क्षवः येदिः सूवः वर्षाः विः विद्वां ने न्द्र्यः द्वीः या क्षवः येद्यः

र्था.सैजा.यथवेषा.येथा.कै.री.ह्य.लूट.कृ.सीचा.रूप.ब्रिट.क्रूट.येथा.र्थेश.सैजा.क्री.क्रीट.ता.येथा. वर्द्धः तस्र विवा देवयः रेप्त्रायः अराधर्मः वेवा वेवा वेवा वेवा व्या रेन्यायारीसेंदिः सुयाउन सेंदानयाद्वी त्यामन सेंदि समेंदा यानिया है। स्याप व्या व्रै:यःम्व र्ये: इत्रायः दे: प्रकाळे: लेवा:यह्यः वेह: रुकः स्रुयः प्रसुयः प्रसुरः हे: देव्यावः विः भेर्नः स्वरः सुः रुः वेर्वः भेरः स्नुयस। देवेः वृत्यः वसः सुनः रेर्वः रेरे वेर्वः सन्निवः यः उवः *ૹ૽ૢ૾*ૹ੶૨૾ૹ੶ૹ૾ૻઌ૽૽ૹ૾ૢ૽ૺ૾૾ૺ૱ઌૡૹ૽૱૽૽૾ૺ૱ૢ૽ૡૹૻ૽ૹૡૡૢૡૹૹઌ૽૽ૡૡ૽ૺ૱ૡઌ૽૽ૢ૱ૢૺ૽૱૽૽૽૽ૢ૽૱ૢ૽ૺ૱ ॔॓ॴक़ऻढ़ॱय़ऀॱॸऀॱॸॗॺऻॴॹॖऀॱॺऻॴॹढ़ॱॴख़ॕढ़ॱॹॖऀॱऄॣॸॺॱॶॱॸऀॱॸॗॺऻॴॸऀॱऄ॔ढ़ॎऀॱॶॴड़ढ़ॱॴॸॱ यर्थाने अर्केट ख्रैट त्याद बिया द्वाया वया द्वाट त्या वेटा दे सुर ख्रीवाया से सुद ख्र मुंबायवियान्यत्रः स्वायाम्बारान्यत्राम्बायान्त्रात्राम्बारान्यत्राम्बारान्यत्राम्बारान्यत्राम्बारान्यत्रा र्ये दे प्रतिव दे में विषय प्रति स्व में प्रति व में प्रति प्रति व स्व प्य प्रति व स्व प्र र्ट्रत्यर्भ्या विशासम्बद्धाः में स्रोत्यानम् विष्याः विषयाः विषयः विषयाः विषयाः विषयः व पर्सैय। ।त्रायग्रीय.य.लट.शह्य.तपु.भैं। ।षुर्य.योशीट्य.श्र्। ।योषय.ग्रीय. प्रसुर्भेर्भ्याभ्येता हेरावयावर्श्चर्यायश्चेत्रायात्रीश्ची ग्रीवयाव वर्षाय्याय वर्षाय्याय वर्षाय्याय वर्षाय्याय सम्बन्धियान् मान्यस्य स्वर्धियान्यस्य स्वर्धियान्यस्य स्वर्धित्यस्य । स्वर्धस्य स्वर्धस्य स्वर्धस्य स्वर्धस्य स वेजायराक्ष्यातादीः व्यापादीदारीकायावीं वायावादीदारीकातावादीदारीकात्वातावादी बेयाच्या वर्दे द्वा वासुस्रा वाद वी गाुत होंद्र वीयाच्या या धेव लेव वाही स्वा हेंद्रया के.चदःन्वरःब्रीयःब्रुटः। वेजाःभ्रःकेःववरःकुरःबर्युयःनुःचःवय। वेजाःभ्रः केन में है। यस कुरवास कें सृष्टी लेस मालिया सेना नगीन सकेंया यासुस सेना ने ता यने दे अध्यक्ष से प्राप्त दे ने स्था से स

तक्ष:यःक्ष्यःशुःश्चाया न्योवःयक्ष्याःवीःन्यःतयरःश्चनःया ह्यनःयरःनुःवायरः र्मयायाः सूर्यः त्राद्धः सूर्यः त्रायावे विदः सूरः यायदेवयाया सर्व्यः यावि वि र र र र सरः यवन में भू पुर्वे | त्वेर दी अकेर बेंग्या बाय दी येस यह । য়য়য়৽ঽঀ৾৽য়ৼয়৽য়ৢয়৽য়ৣ৽য়ৣৼ৾৸ৼ৾য়৾৽ঽয়৽ড়য়৽য়৽য়৽ঀ৾য়৽য়৽য়৽য়য়য়৽ শ্রহমান্তর্বা মানুষ্টার্থ প্রত্যান্তর্বা প্রত্তি বিষা বাষ্ট্রহমানা প্রত্যা वच्यायाः भेनः क्रेयाः योनः प्रवेशान्यः वन्तः भेनः प्रवेशा भनः न्वाः प्रवेशः वन्त्रः। थीन् केषायाञ्चेषाश्चीत्रप्रमुन्ने सम्बर्धान् वस्य अन्तर्कन्ने क्रुन्न वर्षे राधीन् राष्ट्र १९८५:५:वश्रुरा दर्भ: भर:श्रेवाय: ८४:२४:२३:४४:३३४:४:अ८:८३:३८:१ ५५: यदैः सः नः श्रे नहत्र यदैः श्रे न्दः वे र्के शकुन् व्यवः क्री श्रे वा वे ना व्यवः क्री सुः न য়ৄ৾ঀ৾৾৻য়৾৻য়ৣ৾ঀ৾য়য়য়৾৻ৼ৾ঀ৻য়৻য়য়৻য়য়ৢয়৻য়৻ড়৾য়য়য়য়ৢ वर्षानेतिः विवास्त्रात्वार्थावार्षात्वार्थात्वे श्रुवितः यदः हिनः वातवीर्षाः विदः वात्वे वा व्यदः हेर्सः यर रेन स्नुयावयान सेन्वयया वन्ति । वास्या वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता वित्ता वित्त वेवा सूर्य प्रसुद्धार प्रवेष विवाद रेया वाद स्थान स्था बुचा चक्किय क्रिट क्रिं पर्वेट क्रिं चिष्ठेश गा. शु. पर्यचा श्रेश बर्गा चर श्रेचारा बुचा है. केंबायायेंबायुप्तम्त्रायायायेंबायुप्तिन्यावदार्यन्यारेत्। नेकेंकेंबान्यात्र् स.स्चा.क्ष्या.चीर.वंश.ह्यय.लूर्ता शूश.चीश.ह्यूश.री.श.वंर.चयु.चोर.वचा.र्वश.

षियःयर्गःसःसङ्गः श्रेजःयबरः मीलयः गर्युरः।

र्थित्। अवस्त्रम् मायोदः योः विदिन्दरः तुः विद्रान्त्रमार्के साहेत् तुः विद्युस्य विः हेन्। वा थेन्यरेन्। द्विययर्थेर्येय्ययर्वेर्व्यत्या गर्हेन्ने सुरेया श्चीतःश्चेरः। दर्ने:सःचुर्यःत्रयस्यायःविषाःसेन्:सेन्:सेन्दर्नःसूःन्त्र्युःसेःपेन्:विषाःसेः वर्षाःश्रमःवयः दर्वाष्ट्राधः स्ट्रा कुःवद्यमः वर्षे द्याः स्ट्रिं कुः वयमः द्रिं यर्चरः बर्चरा चुः कुं प्येदः यः रेदा कुंवा उत्रः दक्षियः चरः कुं। वरः वर्श्वरः त्रस्रा करः यःवययःवययःव्रेदःकुःर्भेदःयःरेद। देःकृषःयश्चमशःश्चःयर्भेदःष्रश्रशःस्वरःयःविमः र्थेन्यने अह्म हेंन्य यन्त्र रेन्। हेंन् मेंन् हिन होन होने स्त्र होने अहम होने स्त्र हो युःगर्डुगःस्ट्राञ्ड्राःक्रुयःस्ट्राय्वयाःदुस्यःक्षेत्रं संस्याःस्ट्रस्यःसःग्रिस्यदरःदुःपर्डुद्। देः यहिषामात्यान्यन्य केत्र संसूत्। व्हेत्र संयव व र वे किषा व्हेत्र यहिषा स्ति। म्चेत्र ये प्रवाद प्रवादि र प्रवेश सूर्य र भीत्र मुखा (प्रयाद विष्या) व्याद प्रयाद प्रयाद प्रयाद प्रयाद प्रयाद য়ৢয়য়ৣয়ৼৢয়ৢয়ড়য়ড়য়৻ঀৢয়৽ঢ়৽ৼয়ৢ৽য়ড়য়৾য়য়৾য়ড়ৼ৸য়৽য়ঢ়৽য়য়য়ৢয় व्यवात्वर्थात्रज्ञ्च्यान्व्यात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात् <u> र्या पर्क्स प्रमार्थ सम्भास क्रम सम्भार प्रमार्थ सम्भार प्रमार प्रमार सम्भार प्रमार सम्भार प्रमार सम्भार सम्</u> तयम्बारायाम् द्वात्रवात्र्वात्यम् वात्रम् वात्रम् वात्रम् वात्रम् वात्रम् वात्रम् विवास्त्रम् विवास्त्रम् विवास विंदर में क्रेंब नर्भे द्वस्य नस्य नस्य स्थाने क्रेंच्य देशे के क्रेंब नर्ब के दिन में म्र्रिः वृदः त्रयः श्रेः वार्ष्टः वादेः ह्याः यः श्रेवायाः यस्ययः उत् स्ववायाः वाहेत्रायः यः श्रेः हेवा वी करायवा वासुरायाया वींचा क्षीर्करायवा वले याया दहुया क्षीर करायवा ख्रयायाम्बेराक्कीकरायम। दुनायायार्येदायेक्का क्रेंन्यायाक्कीकरायम। ५.५८. न्वीयायर्नेन् क्रीकराने यद्या सूवायवा क्रुप्येन सूदा वराने वसूया वसून यया *ৡ*ॱয়৾৽ঀৼৢৢয়৾৽য়৽য়য়৾৽ড়য়৽ঀঀ৽য়ৢ৾৽ৠৢয়৽য়৾৽ৼৢয়ৼৢয়ৼয়য়য়৽ড়ৼ৽ঀঀৣ৾য়৽য়য়ৼঀৢয়৽

শ্রেদ্র মান্ত্র শুক্র মান্ত্র মন্ত্রী ক্রিন ক্রিন ব্রম কের্র মান্ত্র মান্তর মান্তর দি, মব্র ম্রিদ্র ন रेत्। र्हेशः र्ह्मेन् गिर्देशः याः सैनिसायसः गूः हुन् दिः युदः तसूनः यः ५नः नसः सैनः सैनः देशक्षात्राचा सूत्रे हेशाद्री वाषा या यस्र स्ट्रेष्ट्रे विचा सूत्रे स्ट्रेष्ट्रे स्ट्रे वद्यश्रायदाद्रमानी वृत्यायह्रम् विदादेशाने श्रायदे द्रश्याय विमारदा कुत्राया पेत्राया दे। केंबायारें वालिया धीव वीव प्रताय प्राचाय वालिया होता विश्व वित्र व यह्याहेबर्याधायराद्यात्वा । क्रेबर्यासायार्ये क्यूराया । देवीयस्रायाः स्रेटर रु: ५: ५: १८४: १३ १८३ । १३४: १३६ । १३४: १३६ । १३६ यमः मरमः क्रियः पर्द्रमः स्वरं तद्या स्था । यदः द्याः स्वरं पर्दात्वा विदेता । वें दे द्वा अर्बे देश दर्बे विश्व वासुद्य या सूर् वदे वा उत् दु हु वा या हु त्व्रमाधीन केमा ग्रीम्यन न्वापित स्वापित स्वाप यः उत्राथः सर्वस्था से द्वारा या विष्यः से विष्यः सामि विषयः या विषयः या विषयः सामि विषयः सामि विषयः सामि विषयः म्रम्भारुन् स्रोतः रेन्। ने विदेशामा विदेशाम्बेदारे सम्माना ध्वेत विदेश स्वापास प्राप्ता *झु*जाः र्भेन् भारते । वित्रः प्रमुखाः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स नसून न्या दे हिन नोर्देन एक्टिन की स्री न्यान न नाया रहें या न न न या न सून्। देवः यतः श्रीयायी प्राप्त स्त्रीय प्राप्त स्त्रीय प्राप्त स्त्रीय प्राप्त स्त्रीय प्राप्त स्त्रीय स्त्

यिष्ट्रेश्चराष्ट्रेश्चराष्ट्रीयाष्ट्रीयाष्ट्रायवाषाया

यः दरः वार्यायः सुरः चः यदेवयः या वर्षाः युः च्वाः तुः च्ववायः चर्षा। व्यवाः सुरः व्यवायः चर्षा। व्यवाः सुरः च

५८-द्राष्ट्रियान्स्रीयायाःवीवाषुःकेःयास्यर्क्ययास्येन् खूदेःव्ययाद्यस्यादेः

র্কুমা:ম:বন্ধমাস:মা

या श्रुप्त न्यं न्या पर्दे प्राप्त प्

ल्रियः तथा व तयवा व त्यादि वा द : चवा तवा द यदे : यक्त्यवा यो द : यो : या व केयदिवर र मुक्तायदि स्रुप्य दव योग्यय स्रुप्य प्रदर्श विष्य विषय विषय प्रिय प्रदेश वर्डेशन्वींशत्त्वावश्यावीरेन। श्चीरत्वेंबार्डेवार्डेवेवरन्त्वार्डेशत्वेंबान्वींश र्यायन्त्वाःस्रुयाः कुःसदः सिःसिन् सेन्। वेत्यायदः नेःसूरः सूवाः वर्वो नः सेन्। वतर क्रांत्र अदे त्वाव स्वेर र्वेन त्वर विना या भी त्ववाय शासून तर्वे वा छो धीव स्वया मैजायदुःश्रीजार्यः श्राभाश्रीयातायोश्रीरभातात्रीः क्षेत्राः वीत्रः श्रीयाश्रीत्रायार्दे तयर त्र मुवानार्ह्यायायदेश्वरयामुयाग्रीःश्लुवार्वार्याः सेययाग्रीयाविवादिवेदार्ह्येरानारेद्र। दे[.]क्षु.चु.क्षुष्य:च्चित्रःचार्शेत्रःचार्शेत्।वरःषःचाषाःहे.द्युत्यःचतेःस्रोत्नरःपुत्रःस्त्रेतःसेटःचःक्षुरः कुवायतिः श्रुवायाद्यात्रेयायाः श्रीयायायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्यायाः विष्याय ब्लेंब प्यमा क्री केंबा बेब प्रदेश या सम्मारमा सेन प्रवित्त क्री क्री क्री क्री की प्रवित्त प्रवित्त प्रवित्त ञ्जुः वः दत्रः त्रोत्रावः ञ्चेतः यः द्वः वात्रुद्वः वर्षः दवः <u>ज</u>्ञते । यर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः व विष्रः विष्ठः क्षेत्राः मृदः बिषाः वद्देवः कुः व्येदः यः बिषाः वः वदः व्येद। वद्देवः विषाः यः क्षेत्रः ववःवःवव्रुषःदःकर् सेरःवःद्वेषःदरःस्टरःसेःवद्य क्रुवःवदेःसुःवःददःसेसयः श्चेरायः हो । अर्क्स्ययाये दृष्टाधी वेराय विषा वी वी वा नुराद्या द्या दिया विष्ट वेंदिः न्त्रीतः सुम्रायः मञ्जूतः श्रीः मिलिः दिस्तः यदिः या स्टिन् स्वाः ययः दिस्तः या स्रोन्। ब्रस्नेलेयायर्डेयान्वीया यदावायावयावयायर्डेयान्वीयायावद्या केलिया यसूत या पीत ले त मों र मी अर्के अषा ओर मलि र र र मो तर्त त विकार विकास मा श्चिते वर र र प्रश्चेषा वतर त्वीवा प्येर तर्वा पायर । रेषा वर पर रेषा श्चे लेषा पर्छेषा यः यश्चर्यायः लेयः पर्वेरादार्थः योगयः ययः सूर्या क्वयः पर्वेरं सुः यः पद्वार्थयः श्चेश्वाच श्वाचा । व्यक्षयाये निर्माणी व्यवाच व्यव्याची । यनवाया वियावासुरयाहे। देःसुः तुः यया राज्यः क्रेवः क्रेवः वयवाया वः वरः र्-रूर्याया मुलक् या चुर्नि मुलक् या चुर्नि मुलक् ख्रीया चुर्नि ख्रीया चुर्नि स्थाप हेरासुः धीः प्रदान्न साम्याया स्वर्था स्वर्भात्र विदान होति। या द्वा स्वर्था स्वर्भात्र स्वर्भात्र स्वर्भात्र स योर-दर-स्रयानस्याक्तान्तरे सुन-स्रयास्यान्यानम्यास्याः । सर्वस्ययासे द्वीः यावासुयास्रो न्वापर्डयावसन्यान्दा क्वायावदेःसुवादनासेयसाग्रीसा विया विद्येष स्था नयो वर्ष वर्ष स्थित विदेश विदेश या सुरा से स्था सुरा है से स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था चर्तवार्यास्त्रेन् स्वरं मुन्यास्य स्वरं से स्वरं स चैकात्तः रटः मुभका ३४ विषयः क्रीका चैकाता समका ३२ विष्य प्रतिया चीका विषयः स्रितः स्राप्तयः येव येन या रेना नुषा स्वीवाया स्राया या या या या या विका यो निष्ठी न यदः त्युका या नवादः वेददः को या नवादः दे । या या वादः दे । दवादः दे । यहः की वाः यदः वी वाः गर्रेन् या हे या दे राजर्बे अर्था अर्थ में राजी या अर्थ है या हे ता दे प्रात्ते प्राते प्रात्ते प्रात्ते प्रात्ते प्रात्ते प्राते प्रात्ते प्रात्ते स्वा पाना क्रिया त्या स्व त्या स्व ना पाना क्रिया त्या स्व रा है। त्या निक्का त्या स्व रा निक्वा त्या स्व रा न यः वुरुषः ग्राम् स्यायः द्वेतः त्यत् से स्योत्। या केत्रः यो ति दे दे ते के स्यू केत्राया स्यायनामः श्रेषायर द्वीत ततर देव देव त्यव से सेदा हैव वयर दर्म वया मृत्यु दर्गीर वया दवःयाने द्वयवारीका देवायवा की केन्याया सम्यासन देवायवा येवायहार सम्यासन नुःतस्वेत्रःवहेंगायः रेत्। वेर्वाक्षेत्र्यात्रः द्वैतः व्यवः स्वेत्रः यारेतः चेरात्। यास्राकेत्रः क्षेत्रायर्ङ्ग्नास्त्रयात्राद्वेत्रायत्रात्रेत्रायारेत्। यदायासायात्रेत्रायस्त्रययात्रवायेत् र्केश र्र्जेर पर्वन पर्येत्। द वि ज्ञासाय विष्युत्य क्षुत्र के ने से विना धीता

स्रमाद्रात्म वर्षे वर्गुर होत्व द्वार्या संपित् वर्षा सुर्धेत् स्राप्त स्राप्त वर्षे स्वाप्त स्राप्त स्राप्त स ब्रिवाः यः तुः अविषाः यः श्रेः श्रेदः वाष्ठ्रयः यः वुदः यः व्रिवाः येद। श्रवषः विवाः यः यः म्बर् ब्रियायन्यारयातुः बुदास्रेषात्याविष्यायात्रयाचुदारे देन स्वेदा। स्वाम्बर ब्रीसानवीः तर्तु सदे यथ मुर्थ हे हे द महिन द्याद द राम् स्व म्याद स्व म्याद स्व म्याद स्व म्याद स्व म्याद स्व म्याद स्व म श्चिमान्द्रात्वेषाञ्चर्या तुषाञ्चर्यामा क्षेत्राययायोदायो सुर्वायायाया यक्षेत्र'यगुर'की'वुर्ते'यासुरस'यस'सी'रुट'टे'बिस'सी । प्रस'क्षेस'या सेट'यो' स्युत्यु स्रास्युत्युत्वेषाद्वेषायय। न्नोक्केट्रियाय्युष्याय। टानुःधेद लटः क्ष्या विषया नटः क्षेत्र प्रकारोट को स्मृत्त्र्त् । विनिष्य भीता सम्बन्धः वक्तान्यासाम् तृते वृते विषास्या । । याम् व सान्वादान्यासाम व सामान्यासाम नुःवा नुःनवरःर्यःबोरःनोःवदःनःबुद्दःसुःनुःक्षुेषःष्रमःबोषःक्षुषाः नर्द्वसःस्वरः तर्याश्चित्रान्यम्बर्यम्। यासाहित्यूरात्वाध्यत्यास्त्रित्यराष्ट्रीत्। सम्याद्या बुद्रा नगुरःक्षेत्रुःदर्शेषःक्षेषःमधुद्रषा ज्ञुःषःमधःकेःमःदेःसर्देःस्माषःमहिषः रवर्षायदी के स्वाप्त में स्वाप्त के स्वाप्त য়ৢৼয়ৢ৾ৼৼৡ৾ৼড়ৢয়য়ৼয়ৄ৾ঀয়ড়য়য়ৣ৾য়ৼ৾য়ৢয়ড়ৼয়ৢৼয়য়ৼয়য় यनवायायात्व। सुः साययद् यायर विवायह्रयाय देया द्वार्था सुः दवः सेसयः श्र्यायाः स्रोत् द्वयाः याद्याः स्रोध्याः याद्याः स्रोतः द्वर्यायाः स्रोत्यायः स्रोत्याय विट्यी मुर्जा याया यद्या याया र्या सूत्राया उत्या श्री या विट्यी सुर्जे दे र सुर्गे सूत्रा या है। चदःन्जाः यदः सः चनुदः दुः दुष्ट्रन्यः सेन्। यदः ज्ञाः सः चुः च हुनः चः लेवाः यः श्चेनः सः लेवाः व्यत्यने द्वीरेत्य हु सेत्वम विस्त्रस्य विस्त्रस्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य विद्यास्य

वयःक्र्यःचन्दःश्चेत्रःयदःश्चेत्रयःनेषाःय। ज्ञःयःवुःचह्दःचःखःर्द्वदेयःस्त्रः लेग'भेर'मर्था देते'विंग'क्की'सम्बद'देर'वेंद'द्रश'सुग'ठेग'सह्दा ह्येंप'स'वि' स्रेट वी वार्वायालययाय पेर्न ययाञ्च स्रया स्रवा सहर् या स्रवेट प्यट विवेद यह विवा व सी सर पेंदि वर वया विदे के पा कुसया दर्शे पर से समा के साम कि स्वीया गुरा विंसाक्र सार्चे वाक्र म्पूरा द्वारा पर्युषा द्वारा प्रवास विं वाक्ष मार्थु है। र्षेत्रःयर्थाःश्रीश्राक्षियाःश्रीत्रःश्रित्रःश्रित्रः । व्राक्षियः त्यस्यः यः व्याः वः व्याः व्याः व्याः वः व्याः वः व्याः वः व्याः वः वः योशर क्रियोश क्रीन्यर खेर ब्रिन्याश्रुम स्ट विवास दे विवास दे ब्रिन स्ट ब्रिन स्ट विवास होता होता यदेः श्चेतः न्यं तः न्यः अवा यदे दिवा भ्वेतः श्चेतः या प्रायः कनः वा वा वा या वा र्गीयातायाचीयायाकुर्याताकुर्या क्रिटाजया योटायीयाकुर्यायायकरायाकुर्यात्रय या |दे.लट.में.श्रप्ताचर्दिया ।ब्रि.सु.श्री.य.चश्चिःधट्यावया ।श्री.व.क्र्य. र् श्चेरियर त्युर्ग विश्वायाश्चर्याश्ची विश्वाद्य स्त्री स्वायाद्य स्त्री स्वायाद्य स्त्री स्वायाद्य स्वायाद्य यार वया ता ख्रे प्रतः श्रुर अतर प्रतु प्रतृ त्यु राज्ये । अ क्वित केत से या याञ्चायदिद्वेरायाभ्रायञ्चीत्र्या ।भ्राप्तरायुत्यायप्तप्त्व्यायाद्व्या ।बेरा यमार्थियम् मुरेदा रुषार्केद्रमान्नेष्ठ्रभावदालिमावर्गेदार्श्वर रुषार्वेदार्श्वर प्रमानेदा बेर्विरविरविरविरविरविष्याविषयात्रियायारेत्। रविष्यावित्रविषयित्रकर्विर धुःशासरः मृष्टुयोःजायवरायः लटः विसायः लूट् क्रिं सार्र्या क्रांत्रायाः स्वार्थः विसायः

हे हें ब्र-५८-इ८- चर्डिया पर्देश देवे प्यवस्तर हो स्याप क्षेत्र च ची च्या है चया है चया है चया स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वय्य स्वय स्वय्य स्वर्य स्वय स्वय्य स्वय्य स्वय स्वय्य स्वय

यिष्ट्रात्तः भ्रत्यः अक्ष्रभ्रात्रात्रेत्रः भ्रत्यः भ्रत्यः भ्रत्यः भ्रत्यः भ्रत्यः भ्रत्यः भ्रत्यः भ्रत्यः भ

नवी क्वेंद्र नवी र्खुवा नव्यन नद्र नर्खुव स्थायन। अञ्चान्त्र नवा अञ्चान्त्र स्थायन । यम्बाबा विकामास्ट्रिकाने। न्योः स्ट्रेन् चेराचायने हेकासरायनु राचवित्राम् वयानञ्चरयाने तयाया क्रीतारे याया साम्राज्या स्था स्था स्था सम्बन्धीय स्था सम्बन्धीय स्था स्था सम्बन्धीय स्था स ब्यद्याः क्रदः चतेः यतुत्रः तत्या व्यायाः वाश्वयः देयाः वेदः व्याः क्षेत्रः चत्रः व्यायः व्यायः व्यायः व्यायः व विस्रवार्द्धवायत्वेत् सुरावराववान्नरवाने प्रसेत्यराहे विस्रवायराहे विस्रवाया देवी सुरावी दिस्याया व्यात्यासानुस्रस्यायत्राचारा वया हो त्यान्यो क्षेत्रा लेखा व्या । नयो सुत्यालेखाया है स्वियासा र्श्वाप्त्रम् । वर्ष्णेष्ठाः क्ष्रियायते स्टारम्बितः स्ट्रेर पुर्वे राजाय राजा स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त तुः न्देशयाबि तयाया क्रेव प्रस्कन् क्री केंबा प्रवेत न्याबित साम्राह्म क्रेव ख्रां केंद्र प्रदेश हो वयःश्चित्रयः तर्वे र्हे यः वेदः दुः वुषः हे : द्वो रहेताः क्वीः वश्चवः यः वित्वः व्यवः व्यवः व्यवः वि र्बे्बायू व द्वो र्द्ध्य विषायहेंद्रा दे यू र द्वो र्सेट द्वो र्द्ध्य प्रथद य द्वा पर्दुवः सायपायायदे पेदिः यापस्याञ्ची पहराव द्वापने स्वीयासाञ्चेत्रास्व पद्विपायास्य मानेष्यात्रात्रम् व्यवस्थात्रम् स्थान्यस्थात्रम् स्थान्यस्थात्रम् स्थान्यस्थात्रम् स्थान्यस्थात्रम् स्थान्यस्थ पर्देव पा प्रश्नेपाया थाया केयाया प्राचीन प्रवर ने प्रवित ने के प्रवित स्वर्थ या यो प्राची थाया र्शे । दिवी र्खुं शर्श्वेट द्वयायर दवाय दी यटया क्वया वसूद यदी साव धिदायया

न्वो र्सुय श्चेर प्रथम् व स्थान्य म्वो यनु व व विषय मान्य विषय प्रति व व व र्ब्रुम:विस्रयायस्य वाद्यादे वे व्यूराद्य हेर्यायात् वृत्यादे । । स्यास्य क्रिया क्री वायव विद्रा श्चेया यी क्रुया सर्द्ध्य तकटा या लेया यस्य द्वा या से दिया यो से दिया यो से सामित से से यो यो सुसा ही सु दिया रेन्'वर्चे'च'रेन्। वृ'य'वृ'क्रथ'स्रद्यस्थिन्'य'दिवा'व'देश'अर्द्रस'अर्'क्र्य'यर' ८:५८:ब्रिन् डेब:ड्रूब:वं केव:य:के:व:देन्। वु:कंवें प्रेव:याप्रीव:प्रेन्:याय:देन्:ब्रूव: <u> २८.पर्श्व.भ.ज.खिभ.तम्बु.भ.खे.भ.खे.च्यू.भ.तम्बु.भ.तम्बु.भ.तम्बु.भ.तम्बु.भ.तम्बु.</u> वरः यवः दुवः व्यवरः ले वालुः नवीं वायः येत्। ने वे के वात्र राम्यूयः यवि के यात्र देवः ब्रेन देन नेश्व न्वो वन्द्व याया गुरुष यान्य न्या ब्रेन या वानि वार्या विन या न्दःदन्भेरायात्रकदः भ्रीत्रुदः। वेष्यायातुषान्दर्दन्ते। तद्नुनःयाया नेष्यायाः यारेद्राचेद्रारदान्नेद्राण्चेसाद्रान्त्राच्याच्याच्याचायाच्याचात्राचायाच्याचायाच्याचायाच्याचायाच्याचा है। यर्ने यया येयय उन वार विवाद वो श्चेर वे या रूप श्चेवा श्चेत या या रत श्रेश्रयाच्युद्रित्रःश्राद्रेश्वे द्रुश्यावाश्रुश्राश्चीश्रयत्याः क्रुश्याद्रद्राः स्टाश्रद्रश्राः क्रुश्याद्र चर्ड्यायायात्रद्रम् स्रोध्याचर्ग्चेत्रत्रे च्यायास्याच्यात्र्यात्र्यस्यायात्रात्र्यस्यायात्रात्रस्यास्यात्रस् त्रश्रुवी.तपु.जर्गाव.य.त्रा.सू.चपु.पच्या.यी.कूरे.त्रारी.ता.सूर्य.त्रार वर्षीय.सू. विश मश्रुरुषाओं । निमोःश्चेरः निमोःस्याप्तर्यन् निमःसः विदासः यदैःतयम्बारायादः सुदः वार्मो क्रुः दृदः। दमो क्रुंवा क्षेत्रः क्षेत्र सुदः क्षेत्रसादेशः यावकान्द्राचेयान्त्रावाञ्चेतायदेःतययाषायायान्यन्त्र्राच्येवावान्यःत्रीवः य्यर्थास्यास्य स्वाप्त वर्ष्या या वर्ष्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप

र् द्रेर् प्राच्युवार्यास्य सुवार्यायाः स्वित्रायाः सुवित्ते हो यदे यद्रायाः विवार्यायाः सर्वेत्रायाः सुवित्ते स्व हेब : वर रमा सु विकाय त्वरु र दु दे दि या त्युवाका सु त्वुवाका या त्या सेवाका या सुवाका शिहेबा भ्राम्यास्ट स्वास हेव मत्याम स्यामेश्व स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास स्वास र.च.ज.श्रुच्यात्र.च.च्युर्यात्रया यहेतु.श्रुच्यात्राह्यर.ची.यर.टे.च्येशेर.रच.ध्रुच्या नयःक्र्यःश्चीःस्ट र्ये नविनाव हेयायः के न रेत्। तत्यानुयाश्ची द्वी स्वस्ययाययः हेव गर्यु अ प्र विद्या कु त्र दे प्यव प्येव के प्र प्येव प्यया दे प्र विषा व हे या दे या या या यह दे से र दे के य अदे कि दे र र अप या बार र अप । या बार र र य स्त्री यो वी वी वा वर्डेट वयारेव यारट वर्डेट क्रीयार्चे यात्र हेयाया के वारेट। यदया क्रुया वुट योगया क्षेञ्जुः पद्भः तर्रः द्वाः क्षरः पर्वेः श्रुवः सुदेः धेदः वयाः सुः वरः प्राः कर्ष्यासाः वसः स्रेकः सुदः वितायति ग्रावर्षा स्नावरा व स्नाप्त स्वाप्त स्वीपित स्वीप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व ঽ৾ঀ৾৾৾৾৾৾৾ঀয়৻ঀ৾৻য়ৼয়৻য়ৣয়৻ৠৢ৾৻ড়৾ঀ৾৻ঢ়ঀ৾৻য়৻য়য়য়৻ঀয়৻ৠৢয়ৄয়ৢয়য়৻ৠৢ৾য়ৣঢ়য়য়ৼৼঀ৻ৼ৻ तर् भीत भर देते देत बर मी ब्रिमान या कु ते र की तर्द ने या की तहें मायर। यर या क्यान्द्र्याश्चीतर्वे अत्यह्यान्व्या अर्केन्द्रेवन्त्रः भुतन्यायरः वर्षेट्यान्द हैद य लिया यार्थी ही द व स्वत स्पेत के हो। युई यार्रिया यीया की यार्थ सदया क्राया यदैःवें क्रुंबःसूरःरें । । व्यानियाक्तुं दिनायन् दिन् स्रेवःयायर्थाक्त्यायह्व श्रुवायालेवा श्रुवा वीकाया ने श्रुवाया न दिन्द केंद्र की यदा अहेर् वदा वका वाके राष्ट्री म्नर्धे केते सुन्तु लेवा सुरावया स्ति क्षेर्या सार्थे केता सुराव स्ति केता सुराये केदि:ह्रम् यायावस्य उद्गम् सेराधेदाया देत्। वरःस्नितस्य विमायानु दृत्तः सूराधे के यहिषामान्दरार्थेद। देते स्मूद्राका देश क्षुया देश समुख्य द्वारा स्वापन क्रियाचेरात्रमा क्रुरायात्राने त्राज्ञान चेर्का तरी तर्वेषा यरा वृते स्नुमा स्नेषा क्रिया त्रामा श्चेरान्ज्ञयाञ्चराञ्चेरान्तान्त्रयाम्। वानम्तर्याने यानयन् प्रयास्यस्य सर्वस्य स्रोतः स्रीत्यसः यक्तियारी त्रीव पाने प्रमान वर्षा वि रदाने ते किया स्वर परी रहे है व लिया स्वर र्थे क्रिंद अनुतर् तें वा ठेवा वर्षा क्वा या रेता व्याद र्थे क्रिंद रेते अनुतर् वेंदर वर्षा विंद શું:ગ્નુદ પેંજે:તર્ને ર સુવા વા એદ અ બેવા કેમ સૂચા ગ્નુદ પેં સુંદ વી માર્જી વા પેંતિ नगतःन्देत्रनुः ज्ञूरः चे के कुथः चेदिः चे न्वरः की त्ररः नुः सुथः त्रशः धुरः केरानः नरः। नुषाण्युव दिराधेरायावर्षे रायराञ्चराधे के षावेषा पृष्ठ्वावषाञ्चराधे क्रींटाणेंदाषादेषा भ्रेट-दु-चु-दु-दे-विश्वभागाः सहस्य-दु-दिसायाः द्वीत्र-यात् । त्राट-ये-क्केट-वीव्यायस्त्रे बेवानिहर्वयाक्वयार्थे यास्रुयान्वाक्वयास्त्रीन्द्रियान्वेव सुर्वेद नदे क्वयार्थे बेवायाध्येत नुःश्रेंबाःर्वेरःवदेःहेदःवःर्येन्कुःरेन। नेःवर्यास्यः क्रुयःवर्डेयः वृद्यः वन्यः वः श्चित्रवास्युत्वर्त्ते वरामुर्वे सुरावया वित्रवाया सामाना वरामानु सामाना स्वापन त्र्व, यं या क्रिया चपु, क्रिया चुने रक्षी. क्ष्या ने अर या क्षेया चक्र्या क्षेया प्रचेया प्रचेया क्षी. स्री. या वि श्रूर.हू.। यङ्ग्रज्ञंच तर्याता प्रयापि वीराया विराय त्याप्त विराय विराय विराय विराय विराय विराय विराय विराय वि लट.लूट.तथा हूंच.तथ.क्र्यू.स्वृचा.च्रीय.पर्छंच.तर.हूंचाय.हे.क्र्य.पर्छंच.वय.ट्या. वर्डे अ'यदे वी' तयर विव। वाशे र क्षे वा को र क्षे वा के व सक्त 'पॅन्'य' वस्राय 'उन्'वायो र क्षि: क्षार 'चें'के 'ने 'वा 'चत्रु' 'चति 'क्षेर 'वन्तु या है 'वन् 'वहें स्रार यरक्षिरयात्र। यर्ड्यास्त्रत्रात्र्र्यात्र् र्ये के क्षुर दुः ब्रेटिय विवा डेया नगाद खुरा यथा दवो ब्रेटि वीय ब्रुयाया नदवा

बीयास्य से त्र त्र देते से दाय या स्वाप्त त्र त्य स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स् बिवायारेन् डेयाबुयार्से। बिन्यम् वीयान्नम् ये के यामधीत्र कन् क्रीयासी योगया द्येत कर द्विर से र में या लेया यदा मासुया क्षेत्रा भी मार्ट से दायर विद्युर से लेया यश्रियायमा न्योःश्चिर्यायायाराने त्यूराञ्च्यायमाञ्चराये के सार्वेया पृत्तुया वें। ।देरद्वीःर्सेट्स्स्रम्यन्द्रिट्स्स्रम्यन्द्रित्त्रम्यः ।देर्द्रम्यः वर्षेत्रः स्वर्त्ताः वर्षः वर्षः वर्षः विवाः यः यदयः क्रुयः तेर्दः सुदः तहैवाः हेतः क्रीः विस्ययः सुः क्रितः तया देः सुः दतः ययः तन्यायते तेवा हु सेट वर्षेया की सर्वेद हेव सट द्वियाया याया सर्वेद हेव विवा मी.यर.रे.वीर.क्य.मुभग्न.रेतय.मुम्या.भ्रम.रेवाय.क्य.की.वायमायम्भातम् योर्नेयोत्रान्त्र्याः क्री:स्रोटः योः क्रेदेः यो बुवात्रान्त्रीयाः योद्गाः योद्गाः योद्गाः योद्गाः योद्गाः योद शुराय दर। भ्रेमें वे दिन साउन विवा वीया समित न या वहें साथ सार्श्वर वार्य की हों दिन र्रेषाग्रीयाञ्च्यायात्रयायद्यायात्रेर्यायते द्यायात्रम्यात् हिन्देर्यायाय हिन्देर्यायाय हिन्देर्यायाय हिन्देर्य क्वेंद्र वद् श्रे लेश्य पद्र व्यव पर लेंग केंग वेर व्यव क्वेंद्र व्यव प्रति वेर विशेष्ट्र हैं वर्षेयावयायार्वित्रेयाः शुःष्ट्रमञ्जीयाः विदा देवया सेवे विद्याः हेव दुः स्त्रीयाः विदा यर र श्रुका स्पर के देवाया पर्द्व लिट व्येट्य श्रुद्धि दर प्यूव प्यर स्था वर्षा या व्यवाया सह्यान्तराष्ट्रियाच्याचायाचार्यस्त्रीत्र्याः स्त्रीत्राच्याः स्त्रीत्राच्याः स्त्रीत्राच्याः स्त्रीत्राच्याः *ॼ्*राहें। ।देवे:क्रुं:पाहेशायाच्चराधे:क्रुंटावदे:धीव:हे। देवे:दुंब:कद:दु:ख्रुं:बी:याद: नुःश्चेराग्रदःवेदराःश्चेदःकेर्द्यान्दरः वृत्रः यदः श्चुरः वेदः। न्त्रीत् सकेवाः वास्रुयः वाः गुरु:वेद:वर्ष्ट्रे:वर्ष्ट्रद:वुरु:वदे:वव्यरावु:द:क्रु:द:दर:वर्ध्यद:दे:ददे:वर्ष्ट्रद:ध:व्य:दव:हु:

वियायन्यायायङ्काञ्चराय वरायी ल्याया सुरा

याल्य स्थान्य स्थान्य

মরিপ্রান্স্র্র্ প্রসূত্র ব্রাণের বর্ষ বর্ষ প্রস্থানার প্রমানার প্রস্থানার বর্ষ প্রস্থানার বর্ষ প্রস্থানার বর্ষ

न्तित् अर्द्धन स्वाप्त निकासित स्वाप्त निकासित स्वाप्त स्वाप्

वित्याक्षीत्र र पुंचीया चरि पसूर्व या कवाया सूर र र र र ववार प्रया न गुवा से । या से । स्री स्री स्री स्री स्र ब्रियायार्द्धेत्रायारे पालीयाः कीयाध्यायाः याद्यायाः स्थान्या स्थान्यायाः स्थान्यायाः स्थान्यायाः स्थान्यायाः तर्, क्व विव्य राव बुर व्या वेद व्या वा बुवाया वा श्रु राव व्या वा राव राव विव्याया यर्सूर्। यालय.क्री:ब्रियायाया:सूर्या याल्यर.जीयाया:स्थाया:स्रायाया:पर्राव्यय: सर्वर। कियायास्टरावी नियरावीयास्टरावालयास्त्रीयायास्यास्टरा । स्विनार्क्या न्ध्रिन् त्युव के व्यक्ति त्यवा प्रवास्त्र प्रवास्त्र । वास्त्र ने वास्त्र ने वास्त्र ने वास्त्र ने वास्त्र ने यसेया बिर्याम्बुट्यायासूरा तक्यानते वेयारमा क्रीयापर प्रमानाबयाना मुन्यम् द्वेयाग्रम् वेजायदे व्ययावायम्य हे केयावायक्षेत्र त्याकेया येत्र व्यवायम् बुद्दाराधिद्दारारेद्र। द्वायाः श्रुवारेदार्थे क्षेत्राच्छेत्राचेदायाः श्रुवाः श्रुवाः श्रुवः चिद्दार्थः विद्वा ह। । शर्नु क्रियोश ज्योग यन् ने त्युं र योष शर्कुर । या । । विर्ध्य ह्योश यस्त्रे र सदुःश्रदयः यर्गः ग्रॅहः क्रेषः लयम। विद्याः श्रृह्यः यह्यः पदेः न्युह्यः न्यः स्थः स्थः यश्याधित। विषाशी विवासाञ्चर यहितासाञ्चर यहितासाञ्चर यहितासाञ्चर यहितासाञ्चर यहितासाञ्चर यहितासाञ्चर यहितासाञ्च योशियाः योच्याः तपुः योषिटः जाः जायायाः ह्रीहरः यो । जिट्याः ह्यायाः हैवायाः हैवायाः हैवायाः हेवायाः ह्यायाः य द्रवःद्राक्षी हिःश्लेदःयाबुद्यःददःश्चेत्रयःयदःप्युत्यःदुःदब्रुद्रा विवागसुद्यःयः क्षेत्रःचैत्रायः विष्टः जीवात्रा सम्रम् अर्थः विष्यः सम्भितः समितः रेबावदायाबदबाक्कुबायदेखेग्।याब्युवादवादेखेंबायीकेवायीःवदादेव देवायाबिकायाद्या वे बिर वर रेवा पर क्षेत्र वर र् या ५व वया वहुंया या क्षेत्र या बिवा वीया बिया वहुंवा वी क्ष्याचित्राः हे. भ्री. वित्रः चक्कियोत्रायेत्रा ज्ञायाः स्त्राचाद्वः क्षियोत्राच बद्धः चार् ने क्ष्यः योश्वरत्रायाः रेन्। ने सू मुते यय ने में केंया में मान यय में ते प्रयान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान चदुःर्स्चेचःचर्रुजःश्चार्यास्यःस्रोदःरास्त्रीदःरचेत्रायस्यास् चर्चाःस्र्चास्यास्यस्यः

য়য়য়৽ঽ৴য়ৣ৾৽ৢয়৽য়য়৾৽য়৾৴৽ঀয়৽৴৽য়৽য়৽য়৾৽য়ৼ৴৻ৼ৾৽য়ৢ৽য়ৢ৻য়৽য়য়য়য়য়ৼ৾৴৽ यनवार्यायाधीत वियावासुरयायाचेत्। देवे स्ट्रेट तुः स्रवायसुर्यात स्रेयाया सेवाया स्वीया यद्यायान्। य बेशयतः देव रेदा ५ ये र व दर्गेव सकेवा व सुरा सुरा तु बेवा या संद पर्ह्या या व न्गोंब सकेवा वास्त्रा सुरवाकं राया रेत्। न्गोंब सकेवा वास्त्रा श्रीका हिन् सेंद या सा रेन् स्त्री हिन् रद्भीयान्गित् सर्केना श्वेट यत्वना यारेन्। नेते श्वेट त्वयाहिन न्गोंब सकेवा वासुसा क्षेत्र क्षेत्र स्वावस्य त्युन सेट प्य प्रेता देव देव से साम स्वावस्य स्वावस्य स्वावस्य स्व विना वर्षा केरा या दें या लेना नीरा क्षेत्र या महिना नी सुनरा देना त्यरा दर्ग स्वेद या लेना रट अक्र्या या शुरु द्वार त्या तहें या या वत्र लिया दि त व्यों या त सुन्य त व्यों दि य सुन्य वि यमानुसमारत्वे निर्मात से त्यादारे माने से निमाय सम्बन्धिया स्वीता सम्बन्धिया *विगाः* भेवः सेवः ५८: सवतः भेः वरः देवः चेः भेवः उसः भरः वेशः यः सद् वदःवयायवदःवञ्चव्यक्षेःभेद्ग्यादःवीःविःभेद्ग्यायादेत्। यात्रवयायदःयदेश्यःकः वयायवतः न्दः स्नेन् कः यश्चिया गायिया नु तिहेया विराने स्ववतः सेन् व यो प्रहार विन् क्षि: स्नू ५ क न व ५ र से र वे र य र दे र व द दे व न र स्व न न ने र के ५ र य र सू र ने र ये ५ र र र र र यगाय:पर्सेष:पर्धेर:ज.क्र्य:पर्देग्राय:प्राप्त क्रिय:पर्सेष:पर्धेर:पर्वाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स्थाः स षरः या श्चेरः चतिः श्वेरः तुः ने न्यरः धेरः चलवा व ने नश्चेरः स्थिरः स्थानव स्थे या श्चेरः व.लट.झॅट.चवचा.त.उट.बुचा.लुच.तपु.झूचा.ज.झॅट.बुबा.चस्.इश.च.च.इश.त.चबुच.झॅ. यःवादेःवद्वतः सृक्षुः के व्येद्रा वत्रुयः दुयः यः दृदः स्पुयः दुयः यः वत्रवादः देवा वावेदः स्पुयः यञ्च यत्त्व क्षी द्वी द्वा देव द्वे वा स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वापत

रेन प्रनेम लिया क्वें यानमाने सुम्यानया सुमाय वित्र सुमाने है। विवासीना য়ৄ৾ঀ৾৽৻য়য়৾য়য়ড়ড়৻য়য়৾৾ঀৼৼড়ৣ৾য়ঢ়ৢ৾ৼৠ৾য়য়য়ৠড়৻য়৻য়ঢ়৾য়ড়৾ৼয়য়ৼ৾ৼ৻ न्यरहे ह्या वयायायर हैं व यें। ह्या यायर हैं व यें। न्दः सुना दे के वस्त्र उद्दर्भ व्यापत्र निष्य देश हो सुना या तुर से राष्ट्र राष्ट् (अर:रद:वी:क्षेत्रा:य:की:ब्रुवा:यर:द्युव्य:य:अर:वर्त्त्र्वे:वादरक:वर्त्त्रे:विवा:धेद:द्या इस्र ने स से ट मी स सुट विस्र मासुस से स्र स उत् की से माया हिमा कु लो रेट्रा सर्वतः व्रेषाचः श्रेषायाः क्रेष्यरः सावनः सर्वतः पश्चित्याः वतरः श्रेषायाः क्रेष्यः यो सर्वेनः देंबान्यान्यतः सर्वतः न्दान्दः न्यांबान्यतः स्रोदः वका वार्षावः नदेनवाः स्रोतः त्यसः श्रीकः त्यसः श्रीकः त्यसः म्रैयोया मुं लेवा रेट या वाहेवाया वर्षया र वर्ड्य विट कर विट स्ववा विट वि विवया क्रॅंट वाम्या द्वेद या स्वा देवाया स्वा कर्त त्यया या तया स्वे वा सु देवा या से दा यर-तुःम्याय-त्र-तुन् सेन् क्षेत्राय्यवतः मञ्जूत्यः त्रका क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रः स्पन्। अर्थेत्रः स्वर्षे नक्षेत्रः श्रीकाः स्वतः सुत्यः से स्वरः न वो स्वारः न वो स्वरः न वो स्वरः न विकारा से स्रवतः सञ्जीया यो हमा क्षी की की की स्थान क्तियास्यवतः व्यवस्थितं सालियाः द्रोति सार्यदेश देशावः स्टार्थया सार्यदे दिनाः स्टार्थया सार्यदे दिनाः धेव ध्वेत रदः कुर यः वी देर यह वाया नधुर वाया है केंया है दिया वी खेंवाया सुवाहि वाया यहे ययने के मिर्व वावया भ्रावया दरायम् स्वाप्या वर्षे वया वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे व

वर्त्व या चुर स्रोस्रया या सुर तर्वे वर्षा शुः स्रेवा या वर्षाया या

विषयाम् विषया क्षेत्र क्षेत्र

व्यञ्जर्मरायान्त्रम् । दिव्योर् श्रीया केव्याययायाया विष्या । विष्या ने म्याया उन् भी श्रीना परन व श्रीना पाया नावया मनया निना प्येन या या रेन श्रीना ने नर्भः ग्राम् क्रिया या के या दे त्यादा प्याप्त विश्व विष्य विश्व व नयानुराद्धवायोग्रयान्यवाचित्रात्यान्यासुरावादीत्राचनवादादेशयायाके देश योशीरकारी भर्ने तका वैर क्षेत्र श्रेष्ठ रायर क्षेत्र हे होया ता क्षेत्र से र से स्थान याविदावित्वत्रेत्रोध्यवाञ्चीयादेत्वाचीताद्या भ्रास्त्रवाचराञ्चावावाच्याद्या र्योषुःभीत्वीत्राक्षेत्रः यथ्यात्राक्षेत्रः यक्षेत्रः यक्षेत्रः यक्षेत्रः यक्षेत्रः यक्षेत्रः यक्षेत्रः यक्षेत स्रोधायान्यतः नृतः स्रुवः स्रोधायान्यतः स्रुवः वावायान्यतः वावत्यायाः विदः स्रोधा ने तर् श्रे ने या न विवा वी या यू र रहुँ या या न वृष्य है : सूरा न विवय श्रे रहा। वृह रहुन য়৾য়য়য়৽৴য়য়৽য়য়ৣ৾৾য়য়ৣ৽য়য়৽ঢ়য়য়য়৽য়য়য়য়য়য়য়ৣয়য়য়য়ড়য়ঢ়৽য়য়ৣঢ়য়য়ৼঢ়৽ क्षेत्र भेर्प सम्म वु प्रत्य मेर्ग्य मार्ग्य हिस् ह्ये प्राप्त मेरा कर तर्वेद था र्शेन्यश्चित्रंत्रः सहद्वाप्यद्वाप्येत्। ज्ञास्येरः श्चीत्रदात्रः देश्यायः ध्येत्राया वित्यम्पत्रुप्तर्वे वित्याम्याञ्चरम् विवास्त्रेत्रायाम्या लुषं त्राचा भार कु.च. ख्रेचा कुषं त्या शुर्खा त्राचु , द्रची बा क्षेत्र , त्राचा कुषं , त्राचा कुषं , त्राचा कुष श्चरः च च प्रचार व के राया व व द्वार च र च च च के त स्थेत । यत्र कर र दु व द के या राया स्थेत । यान्नुरयानायोद्राययासुःपीद्राद्रास्त्रुरानातदेनयायीः सुदानराया वदान्द्रायान्त्रवानाः विदा क्रियमार्विद्रादेमाञ्चराधीवायारेत्। दवायावित्वायायमार्भेत्वात्राह्मेत्रात्राद्रव तर्भरत्रत्राचराच्छ्याः सर्भाः क्रुषः क्रुंकुत् उद्गः नुष्ठाः द्याः सूरः सुर्भाः

वयानवर ये विवायानययाच्चे निहर व द्याया अर्जन निवायान सूचा यान रहे ज्ञाव सेविः ब्रिक्श्यार्यस्यविष्यायाष्ट्रस्यायाः स्वात्यायाः स्वीत् क्षत्रस्य क्षत्रस्य क्षत्रस्य स्व न्नायान्वनाः में ज्ञायायानमेवार्कराष्ट्रीवाष्ट्रीयात्राः में वास्त्राचार्यात्राम्या वर्नवर्षात्री रूट। सूराष्ट्री कुंवव्यरासुरावर्शे वारेता वारासुवाधीता वे श्रुरः वा सावनेवसः श्रुरः विवादि स्टार्स हिताया विदिया सिताया सिताया है विदेश गुर्दायाञ्चरायाञ्चीयादेवाञ्चे। । वादार्वेषादे यायद्द्रायराष्ट्रा । विषावासुद्रया हे। । वस्रमाउद्यासुरायामायदेवमार्यायाचीमायाम्यान्याम् रेन प्पेन मसुरस्य परेन। नयय सुर्य स्ट मीसा नस्नेन सुन महिसा सी हैन यःवाशुक्षःभेर्दःदेःवाशुद्रश्रःयःष्ट्रःतुःदेत्। देःसूरःतुःद्वोत्ततुत्रःयःथःश्चरःतःतदेवशः क्ष्यायात्राचेत्। ह्यन्यमानुःनवोःतनुषायाञ्चीःत्यातनेतेःब्यायातनेःकेषाविनःषायोनः न्वीत याना नो र्रोलिया यी खु यदि विदान स्रोत् रवस ने तर् यन स्री रहा यार वया रे रे याहे शरे दे हें नित्त निया दे ते पर हो विया या या या वा हे शरा ख़्या यर के'च'रेन्। ऄ॔तु'तवाथ'क्की'तु'न्सुय'चते'स्युय'नु'क्किं,श्लीवर्भवर्भवा'या से'लेवा' वीःसुर्यः से नियवाः कॅनः वाडेवाः र्डसः स्पेनः याः विवाः वीः स्कुः नियवाः कॅनः वाडेवाः र्डसः विवाः नक्रम् प्रति होत् होत् निष्याचेत्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्यास्य स्थान् । या विषय स्थाने । विषय स्थाने । विषय देःजर्भान्ने प्रमुचारम्यास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास्त्रास् ৠৢঽ৻য়ঌৄঽ৻য়৻য়৻য়ঢ়ৣ৾য়য়৻য়ৼ৻ৠৣ৻য়য়৸য়৻ৼ৻ৠঽ৻য়৻য়ঀয়য়য়৻য়য়৻৸৾৾ঽ৻য়ৼয়৻ য়ৢ৶৽ঀ৾৾ঽয়৾৽য়ৢঀ৽ঀৼয়৽য়৽৻ঀৢয়৽য়য়ৢ৾৾য়৽য়৾ৼয়ৢয়৽য়৾ৼ৽য়ৢ৽ৼয়ৢৼ৽য়ৢ৽৻য়ৼৢয়৽য়৾৽ तिर्वार्स्य विस्रायक्ष्यायायि इस्स्रायाचे यायाची वर्षा विद्वार्श्वी वियाया वश्चरवायक्रवायदेःवयायदेशययायदेन। दर्नेःश्चेष्ट्रवायक्षदेःवयारेन्द्रन्द्रव्यव्यः

<u> वियापन्यायायञ्चात्रीयाय वराषी ल्यायासुरा</u>

विर्यम् सुर्याः सुर्य

क्रियार्ज्याक्षेत्रमार्ज्याक्षेत्राक्षायम् या

यदिःयम् प्रिम्दान् भीः द्वोः स्थ्रेषाः यदिः यसः यस्त्रः प्रदः प्रदः प्रदेशः स्वानिः स्वानिः स्वानिः स्वानिः स्व वुषात्र हेषात्र भेषात्र प्याप्त स्वर्षात्र । त्रुषा प्रवेश सूर्या प्रस्था या अर्केत त्र सं नुशुवान्द्राच्यान्तुश्वाचीः वे वे वे वे वे व्याप्त्राच्याः व्याप्तः विवास्त्रीयाः वे वा व्योधाः वे वा व्याप्त तर्रः स्वाप्तस्य प्यापेत्। क्राप्तस्य क्राप्तस्य क्राप्तस्य स्वाप्तस्य स्वापतस्य स्वापतस्य स्वाप्तस्य स्वाप्तस য়ৄয়৾৽য়য়ৄয়৽য়ৢৼ৽য়৽ড়ৼ৾য়৾য়ৠড়ৢয়য়৸য়য়ৣ৽ नेतः सूना सेन पति सूना नस्य क्षीरा से केंगिक्या या सर्म पति सिन् की सूना <u> चर्चयः देशः क्रूटः स्रेटः कर्ष्यः क्रीः स्र्वाः चर्चयः क्रीः स्रेटः गाः प्रेटः चः यः रेटा क्राः क्र्यः स्याः</u> ॱ८्रुक्ष्यः पः प्यतः श्रीश्ववा विष्ठवा ध्येवः यः सेट्रा दे सूरः पश्चिरः प्रकृतः केवः सेवायः चर्तते ते व्याचित्रा त्वा दे सुरा चक्का द्वा सुरा सुरा दे ते ते विष्य क्षिया दि । स्व यःरेदा देःवदःख्यकुःदक्ष्यःवः ष्यदःश्रेशःक्षेत्रः विवागिर्वेषाः प्रवेदाः प्रवेदाः य.लर.मूम.ग्री.बया.य.क्या.यं.यं.क्षुप्र.म्रा.जू.च्रि.र्या.यक्षी.रर..यर्यभ.रर्योज्रा ।रशीजा. नतः सूना नसून्य न्दर कें कॅन ने नना बेंबर कें ने नद्दर धीन न या श्रीन नदेन न या श्री नदेन स्रुयायान्दा रदाविव क्षीयम् र्केन् र्केन् र्केन् प्रेवायायेन् स्रुयायायार्थेन् स्रुयायायार्थेन् स्रुयायायार्थेन् मुःतव्ययायायेषाः सुः व्ययायाद्या अर्क्ययायेदः यदेः ययायायाः व्याप्तर्याययदः याययाग्रहात्रेयायाके वदि त्यया विवा वयवाया क्रुं से दार्से न दार्दर देवयाग्रहा सु चर्तः ययः हतः प्रवेतः वासुरयः यः येत्। वर्तः सर्वस्ययः स्रोतः त्ययः सुचर्तः ययः हतः प्रवेतः गर्यस्यायान्ते निर्वासाळन्यति वन्त्रयान्यस्यायारेन। इयाञ्चेत् क्रीतियान्या यक्ष्रयायान्यतः स्राप्ते स्राप्ते न स्राप्ते स्थाने स्थाने

<u>बियःयन्यायःयङ्गः स्रोत्यःय वटः यो ल्याःयास्टा</u>

यॅराबरावाओन्।यदीप्ताओंटात्रश्राद्यार्वाओंटानु।वक्कुनानेश्वावश्र्याः श्रीदान्वींशायदी। ययः दवः प्रयायः प्राययः स्वर्थः स्वर् । यदेः द्यावः यः विष्यु । यदेः द्यावः यः न्वावाः ञ्चा ञ्च रात्रे प्रवास्ति । स्वास्ति । स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स्वासी स बीद हों कुरव्यवाधीन केवा ग्रीस्पर न्वास्ति सुन्वा व्यवान हों वी वी हों वी वी स्वासी स् यरतिष्ठभायात्यः देवायाचाहेया द्वे। क्षेत्रभेवायाया द्वायात्र स्वायाया श्चीयायदिःस्री ने:न्दःश्चित्रयात्रानेत्र्याःश्चीयाःश्चेत्राःश्चित्रयाःश्चीयाःश्चित्रयाःश्चीयाःश्चित्रयाःश्चीयःश्चीयाःश्चीयःश्चित्रःश्चीयःश्चीयःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चित्रःश्चीयःश्चीयःश्चित्रःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चित्रःश्चित्रःश्चित्रःश्चित्रःश्चित्रःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चीयःश्चित्रःश्चित तर्ने यो न् क्रुं तर्व्या यो न केया सुरावा तर्वे वया यदी रेवाया वर्त् रेवाया या सुर्वित सुरवा करा याद्यायां प्रति देवा विद्यायां त्रियायां त्रियायां त्रियायां त्रियायां के विद्यायां विद्यायं विद्यायां विद्यायं विद्याय र्याया यदयः क्रियः ग्रीः वायुदः क्रियः चतेः वयायः वययः उदः ग्रीः सः चः ययः क्रुं व्यवयः ब्रेट ज्ञूट लर्देर यो व क्री वट दु या तर्या या विषा दट दे या या खूषा यदि कुराया या यो व ज्ञा विषाः भेर-पाराधिव। <u>क</u>्षाया प्रतिपारा सुरानु स्टावीया याषा यो वा सुराने १९ स्राया सुर येव कुं विवा यय वर पदी यय या दहेव वर्ष वर्ष विवा कुय परित या प्रेर या या प्रेर भर्त्राया रमानुः हिन्या वरायदे वयमा यसून होमा वराया रमा या ययान्त्रेत्यम् अहेन्। वियानास्य वर्षा । १५५ यदे सूर्वयाने वर्षाया ८८.जराश्ची ब्रमायर श्चीव या जायर्षे व यर यस्त्री राप ने स्त्री श्ची श्ची व्यवस्था जा स्त्री र केश योद्दर्भाष्ट्रयाः स्वात्र्याः स्वात्र्याः स्वात्रयाः स्वात्रयाः स्वात्रयाः स्वात्रयाः स्वात्रयाः स्वात्रयाः स्व वःनेःचर्यासुन्वतः श्रेवाःयः लेवाःवहेवाः हेवःवः श्रेश्वेनः। ननेः चः ठवः व्यः छोः श्लेः नयसः

यावनः त्वेयाः प्रत्येयः स्तुत्वयः याः प्रदेः प्रदेशः स्त्रियः याः स्त्रियः याः स्त्रियः याः स्त्रियः याः स्त्र यावनः त्वेयाः प्रत्यायः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्र यावनः त्वेयाः प्रत्यायः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्रियः स्त्र

यथ्रियायायस्यासूरावी सूचायारे स्वियायायवायाया

दे.ज.चोर्येश.क्षें। क्र्येश.क्षेंच्यः च्ये.चश्याः चेर.क्ष्यां चेर.क्ष्यं अत्रः क्षेंच्यः चिर.च्ये व्यव्याः चिर.क्ष्यं अत्रः क्षेंच्यः चिर.च्यं व्यव्याः चिर.क्ष्यं अत्रः क्षेंच्यः चिर.च्यं

ব্দর্ঘর্মান্ত্রমান্ত্র্বান্ত্রমান্ত্র্বান্ত্রমান্

यक्षिया ने स्वय्यास्त्र व्यक्ष्यास्त्र व्यक्ष्यास्त्र स्वयास्य स्

वियःयन्यायःयञ्चः श्रेयःयवरः वीः वयः यश्रुरः।

न्ध्रमा सुर-वेता र्यर-प्रमाया हेया व्यय-राष्ट्री सुर-वेत् था रैवायाविष्याचेर् व श्वर्यावयायायवायारवीयायाश्वराष्ट्रर दरा कर्'यश्यः क्रेंबरक्षर्भन्वेंबरम्य विद्युद्ध होत्र त्वत्र लेवा यालेबरहा यय ख्रेवा विद्या विद्या ये दिर हैं रित्र है या शुरुषाया दे हु स्राया दे हु स्राया दे है स्राया दे हैं स्राया दे हैं स्राया दे हैं हैं स्राया स्राया है हैं स्राया स्राया है हैं स्राया है है स्राया ह <u> इ.सेर.र्ग.श्रॅर.यू.प्रिष्ण,धृषायक्र.कं.पव्यः स.यर्थे प्राक्तियः क्रियाजियः</u> नश्चनःयःश्रुदःनदेःद्वोःश्चेदःवीयःश्चेःरेः६स्याःग्रुदःसःनववायःदःहेयःयरःदश्चर। नेतः स्वायायस्व वान्वो स्वेट यदि वियय स्यायक्ष द्वा द्वा द्वा स्वाय ने निविद द् नवे क्षेत्र अन्दर्भवे क्षेत्र अदे विस्ता नवे क्षेत्र क्षे विस्तार वा प्राप्त क्षेत्र क् म्बर्यायन्यार्थाः वर्षायाया नवीः वर्षेत्रः श्चीः वर्षेत्रः मृष्ट्वः श्चायरेतः वर्षेत्रः श्चीयाः श्चीयाः स्वीया कर.रेर.चश्य.सेर.च.ज.शूचीयाताचर्त्रेया.लूरे.त.लुरी शू.घर.क्या.विश्वया.वक्या. यः अञ्चर्यः व्यानविष्या । विष्यः वासुरस्य देः सूरः स्वाः वरः श्रीः वर्षः विस्वरः द्वाः विस्वरः द्वाः दम्यायति हेराय विमासे द्वारा द्वारा द्वारा प्रति । यस विभागा विभागा विमास विभागा विभाग याशुरुषा र्सुयः विस्रयः सम्बुदः चितः हेषः दस्रेयाषः दरः चस्नुचः याहिः तयादः देः वसुरस्य व दरदेते सेट दुस्य स्याक्त्याय दर्पाय स्व स्थेत की महस्र कुर केया वयद श्रम्याक्षित्रायद्भात्रेयः तर्यायाः सेर्यः याच्चित्रः यस्त्रितः यद्भायः स्त्रियः व ब्रेट्र नी ज्ञुर चे के। ज्ञुर चे के रे द्वाय श्री द्वाद से दि रे द्वाय के ना से द तर्वा देवः रेन्वाराक्ष्यां देवा देवा देशेरा वो त्या स्त्रावा वर्षा स्टावी व्यापन्य देवा है। र्वे विवाद र्केट सामहमानु प्येन प्येत नुषानिवाय। नेते वट द्रषा मुद्द पे के वार्के वे नेयायरयाक्रियावर्ड्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात्रात्यात

लार्स्नेराचानुषा विदानु मित्रे विष्याची स्वापनि स्वापन वर्डे अप्युद्ध तद्द्या क्षेत्रुप्युद्धार्थ अर्थ है। यह द्वारी क्षेत्र द्वार हो। चक्रिं स्वतं तर्या श्री द्वी चलेव र तुरा वाद र वाद्य दिया त्या वाद्य स्वता स्वाप स्वतं स्वतं स्वतं स्वतं स्वतं हे[,]श्चैरःवःश्रेरःचःरेत्। ज्ञुरःश्चेरेश्चैरःश्रेरःश्रदेःवस्ययःवरःदशःशेरःवोःदरःवश्चतःदेः चर्या क्र.पंत्र्यातार्यर क्रीलीयार्य क्रीया र्यायाय्या व्यायाय्या क्रीयाया য়ৄ৾ঀ৾৾য়ঀঀয়৾৻ঀয়৻ঢ়৾৻ড়৾৾ঀৣৼ৾৻ঀয়৾য়৻য়ৣয়৻৴ৢয়৻য়য়৾৻ঀ৾৻য়ৼয়৻য়৾য়৻য়য়ৢয়৻য়৾য়ৢয়৻য়য়ৢয়৻য়ৼয়য়ৣ৻ १४ ४ ४ मुन् ५ दुवायायदे तद्ययात् वितात् । सूर ये केदे सुन सुन सार्वाद विताये सर्दराद्राच्याने पर्वेसायून तद्याया हिन् क्षेप्राचात देन तदी त्यूप्राचाया त्र<u>भ</u>ुट्रयास्रयास्य स्त्रुट्रयास्य स्त्रुट्रयास्य स्त्रुट्रयास्य स्त्रुट्रयास्य स्त्रुट्रयास्य स्त्रुट्रयास्य स क्रियायन्या विद्याचित्रा प्रतिवृद्याय विद्याय क्रीलियायम् म्रिका सर्वेद प्रमायदे तद्वेत तसम्बाद्या स्क्रिया परि ले प्रदेश तसद लेगा म्यात्रात्रीय त्रेयायसूर्यायाय स्ट्रिन्युया विषयाया सुर्याप्तर्यया हे सुरासुर्याया दु येत्रमा देते भ्रेष्ठे देन देने ह्ये देन स्थया ग्रीया देते व्यया ग्रीकु लुया प्या ঀঀয়য়ৢয়৻ঀ৾ঀ৻য়৻ঀঀয়৻য়ঀ৻য়য়৻য়ৣ৽য়ৄ৻৸ৼ৻ড়৾ঀ৻য়৻ঀ৻ড়ৢয়৻য়ৣৼ৻য়ঀ৻য়য়৻য়ৣ৽য়ৣ৽৸ৼ৻ र्थेन् यारेन् वासुरस्य वन्यायवे व्यया ग्री कुं के विवा व्येन् के द्या के द्या स्था क्रियंदर्भ्यूर्यं नसूर्ययाया लुग्या है से स्टा क्री से स्टा से स्टा से स्टा से स्टा से से से से से से से से स मिले के ख्रायमाय रे १९ अर्थ हे र् ५ तर्मे र क्रियम् मित्र मिल पर मिल्ला मिले प्रमाय रे ঐবাপান্যম্বর্ষ্রমের পার্ন্ধীর অমানদ্বান্তর শ্রীন্ত্রমান্ত্রীর দ্বিমান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্তর প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান প্রত্যান্ত প্রত্যান প্রত্যা यरेव.त.भार्युर.। र.जैपु.श्रेयकाशीचिकातपु.जन्मु.धीर.त्रुपु.जीकाजुव.श्रेयका

वियायन्यायायङ्काञ्चराय वरायी ल्याया सुरा

विद्राया नक्षेत्र नगुर नुष्ठा हे यो या या विद्राया निर्देश स्त्रीय या विद्राया निर्देश स्त्रीय या विद्राया निर्देश स्त्रीय या विद्राया स्त्रीय स्

यिष्ट्रेश्चराचुदास्रोस्रासाचीत्रुष्ट्राचायविष्याया

यमग्रमा विभागश्रम्भा वुरास्त्रमा वुरास्त्रमा स्वीतास्य स विना गलक र्नेक रुद्देनिय वुर मी सुन या विन यर उक् की यविक या नार लेगा से यश्याश्ची हेयायायाय्यायार्थे रावदेश्येययाया विराधेयाश्ची रेवि देवा स्वायाया यम् यया वृद्धः या विषा द्रदा सामा क्रिया क्रिया क्षेत्र । या प्राप्त हिना प्रमा स्था स्था । स्था हिना द्राप्त र्ने ब न्या क्री क्षेत्रका मङ्गीत द्वारा मा क्षेत्र त्या प्रहें वा प्राप्त स्वा ग्राप्त हें वा क्षेत्रका नश्चेन् श्चेर्र तह्वा वी नन्या हेन् कें या त्या हिन स्व न्या न्या केंद्र त्या ये अर्था नश्चेन कें यात्वाक्षात्र्याम् स्थाप्य स्य स्थाप्य नश्चेत् श्चेत् तह्वा वी नन्या केत् उत् श्चेया यक्तिया यातः स्ट वीवा स्ट्रान्य हेते नश्चन यते ग्रिकास्य न्या था र्कुया प्रतिव न्या प्रस्ति । प्रतिव प्रस्ति प्रस्ति । प्रस्ति । प्रस्ति । प्रस्ति । प्रस्ति । वर्शेर् सेर वर्शेर पायश्चेर। । रस पर श्रुर वरेवस वर्शे वर्शे वर्शे वर्शे र्श्वेन। विवार्यदेश्केरायविष्ट्वरयाविरः ह्वेवायावी विवार्ये केरायविष्येव यये नर्भेर हे अर्केर देश नर्भे न। वेषर पर्भेर नर्भ वेषर भारत में स्वाप्त केरिया

वश्चेत्रपुर्वाय। वृद्रस्त्रुवास्रोस्रस्यस्यः स्नुरःवः वदेवस्या। वदेरः वृद्रः कुतः रोस्रयः न्यतः म्युरयः यः तदीः रोस्याः नश्चीतः द्याः नश्चरः स्रो ग्वरः कुतः रोस्याः नयतेः श्चातह्वायाधित। शेस्रशास्त्र यावाधिः श्चेतः स्वावीया स्वीतः स्वावीया स्वीतः स्वावीया स्वीतः स्वावीया स्वीतः स्व निवन्न में ते के प्राप्त में प्राप्त में म ख़॒ख़॒ॱॻक़ॖॖॸॱॻऻॶॸॺॱय़ॱढ़ऀॱॿॖॸॱॺ॓ॴॺॱक़ॗॴॱय़ऀॱॴढ़ॿॖॸॱढ़॓ॱॸख़ॎ<u>ॗ</u> न्गिरःवर्द्धम्या र्क्र्याः क्रिंगः क्रिंगे क्रिंगः क्रिंगे क्र यक्तर्या यह स्वीत्राया विष्या स्वीत्राये । विष्या स्वीत्राये । विष्या स्वीत्राये । विष्या स्वीत्राये । क्षेत्री ग्रीट क्षेट्र क्षेट्र क्षेट्र क्षेट्र क्षेट्र प्रमुख्य प्रत्ये प्रमुख्य प्रमुद्र क्षेत्र क्षे यतरः र्ह्नेतः येरः देशः याः यू। विश्वागशुरुषः है। क्वायः याः याः वर्ह्नुरः है। याः दर्शः चलितः स्रेट दुः में दः र्योट र्योट रिक्ष में दिन र्योट रहेश खुः या रिक्ष या रिक्ष या रिक्ष या रिक्ष या रिक्ष य यक्ष्रभामभार्केत्। विकायाकावर्वितः भ्रेतायक्षितः ग्रीभार्काकावक्षितः रहे। वकायः यातविरान्ने प्राचित्र हो। याचित्र हेर् हेर् नहेर् हेर् क्या हेर् हेर् हेर् क्या हेर् चिर क्षेत्र भ्रिंचा भ्रेया देशव श्रेशका यभ्रीत पर । ।श्रे भ्रास्थित श्रेया भ्रेया भ्रे ८८। विष्युं व्याप्तया कवाया स्वाया त् सेन्यर मुखा । अया देवा नवर बीका वनवा वर्सेन्या वका सेन्द्र । । हेन् न्दःचगुरःक्षेतेःकेन्द्रःचन्वाःवर्केदःन्दः। ।न्वोःक्षेदःकन्ध्यःवार्केन्वःवह्वाःख्वाः तत्यान्ता । श्रेत्यते व्येत्रा श्रेत्रा श्रेत्या । विष्यावया वर्षेत्रा । यवायात्वीर र्म्याचक्कित्। वि.क्षेत्र विर क्षेत्र श्रेष्य श्रेष <u> यश्रात्यायात्रमञ्जूरावते यश्रायाद्र पञ्चीश्राया वस्र शास्त्र अर्थे वर्षे प्रति वर्षे शास्त्र श्री श्री श्री श</u> मस्रम्या र्श्वेन तह्मायया ने सूर्य है सूर न्यायस्य प्रवेता । प्रन्या

वियःयन्यायःयद्भः स्रोतायवरः यो लवायास्टा

मैशम्बर्धस्य वर्षेत्रस्य वरस्य रि.एक्. प्रमारक्किम् । ब्रिमाम्बर्धम्यामास्त्रम्। विम्रक्षिपानुस्यामस्त्रीन् यया पश्चपः व्युः स्रीतः स्राध्या पश्चपः स्राध्या व्याप्त्रा व्याप्त्रा विष्टा विष्ट यनवार्यातात्रायक्कें रे. प्रमुखा चिर क्षिया खेश्रास्य प्राचन स्वापार विवास यान्त्रें वायते वा त्रमा क्षुन् केवा नवन वा स्रमायन वा स्रमायन वा स्रमायन वा स्रमायन वा स्रमायन वा स्रमायन वा स ब्रॅट व्रिस्त क्वियारी केंद्र याया द्वीत लेयायया क्विया ख्रीत ख्रींद प्रते स्नावया क्वियाया য়৾ঀয়ড়৾ৼৢয়য়ৢঢ়য়৾৾ঀয়য়ঢ়য়য়য়য়য়য়ঢ়৾৽য়ৣয়য়৾য়য়য়ঢ়য়ঢ়য়ঢ়য়ঢ়য়য়য়য়ৢয়ঢ়য়৾ঢ়য়য় नु वे र तुरी रेषाया योव यर येट वया हेर तर्के यो द यर श्वेर या तर्वी र्वेव तर्क्यया येर त्विरः वयः प्रशेष्ट्र वय्याः स्नुवः यापायः उवः विषाः रेषाः स्नुपयः देरः योदः विरः पाववः यः सर्वो सर्वेद प्रश्नेद्र प्रश्नेद्र प्रदेश प्रश्नेद्र प्रवेद्र प्रश्नेद्र प्रश्नेद्र प्रतेद्र प् ब्रिन् श्रीभानेन निर्मेत् ब्रुभाने खेर भाषा हैना वर्षो निर्मेश की भाव प्राप्त माना निर् न्येंब् न्युंवान्वायाञ्चर्यायाचेन्यायाचनुब्याः क्रुः यळेँदि बन्दः वयानेव त्या्वायायायाः बिना: पेर्नः सार्श्वेदः त्रया सर्वो वितः नुगायः क्रुः रेरा वितः स्वरः स्वितः इसयाः सी त्रयसः स हॅग्या केन निष्ठेन इस्राया की तर्ने निष्या निष्ठेन होना होन इस्राया की होना होना होना इस्राया की होना होना होन द्युय डेरु प्यत्न दे। देन प्रयेष प्रयेष प्रयास मेलव प्राप्त से विन दे महित्र राज्य स् बियायाययाम् मासूर्यं पराने स्त्रात्त्रेयाची स्त्रात्त्रात्रात्रम् स्त्रात्त्रात्रात्त्रम् स्त्रात्त्रात्त्रम् सर्वे वित्र तक्ष्र राष्ट्र वित्र पदि ह्वा राष्ट्र सक्ष्य सावा नित्

न्येव-न्ध्रिया-न्याय-देव-ये-के-देव-ब्रह्मयार-यो-के-च-त्याव-विया-रथ-श्रुकेत-वर-न्-नुम्याय-हे रदः वी स्नेदः यायादग्रीयादया वालदः या स्वयाया स्वयाया स्वयाया स्वीदः व्याप्तदे लियाः तर्रार्श्वराव्यान्यायार्वेर्पायर् जेरा वर्षात्र स्वाय्यायायाया वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र व देव्याः स्टार्व्याच्याः स्टार्व्याः स्टार्वे स्टार्ये स्टार्वे त्यातः वियान् र त्यन् ने शुंग्वी र र यो कि स्वान के ने ने ने प्राने स्वान स्वान ही या न्यादिः त्युषाः चेर्रः तद्यव्यातन्त्रा न्युवाः न्यावाः सूत्रायः स्थायने स्वयाः स्टरः हेन् वार्येदः चबुर्य.रे.के.अष्ट्रपु:त्र.रूज.रे.चश्चेज.धेय.कें.अ.रुट्र। के.अष्ट्र.क्ष्य.त्र.रूट्र-जिंध.क्र्या. য়৾৽য়ৢঀয়৽য়য়৽ৼ৾ঀ৽ঀ৽য়ৣয়৽য়য়৾ড়ঀ৽য়৾৽য়য়৽৻ঀঽ৽য়য়য়৽য়ৼ৽৻য়ৣ৾৽ঢ়৽ৼ৾ঀ৽য়ৢয়৽ঀয়৽ঽ৽ ब्रिट्र इसराया स्मित्र हिता खेसरा यहत ये. ब्रीसाट्टर ट्या के सक्टुर स. ट्रा हु ब्रिन् इस्रयानने सेरानसुवा केन कु सर्वेदे यारेवा हु ख्रीत स्नानयान दे व्युवा वर्ने देरायात्रहेषान्दरादविःश्लेद्रायात्रायकराधिदायविःस्त्रीयोक्तेःस्त्रायदाक्त्रायाः धित। देः इस्रयः ब्रिंदः केर्यः पर्वोत्रः द्रयः व्यद्यः क्रिंद्रः द्रव्यतः क्रिंदः इस्रयः क्रीं स्रे स्पर्यः यर्व यक्क र र्कुंब कर् र्रु रवर्ष र वर्षे या भीव र लेखा हुआ हे त्या है र र वे ब र र ही या ययायन्य के अर्देन हेन ये क्षेत्र यान्य स्वयं स्वयं के स्ट की क्षेत्र यह हो। ॥ क्रु अर्देनि ग्रु चार्यर स्रो ७४ द्रमारा ग्रीय रे कि प्राप्त हिं। यद्या मा श्री वर विवा वा व्यव प्राप्त रेता देव्यानेन न्येव स्थायेत स्थायेत स्थाय स्थापित स्थाप स् नेन न्येंब न्युका न्यादे यानु दाया सकेंन त्यस्य सुरुष न्चिमान्नातःने पन्माञ्चा मी स्रेंब पास्चिपायायया सेन्द्रम् स्रीयायायया स्रीमा स्रीमा स्रीमा स्रीमा स्रीमा स्रीम यारेत्। तेःसूराद्यतःस्कृतःसर्केनाःकुः स्रोत्रास्त्रोत्तः तेःश्चितः योःश्चिरः प्यतः याल्यः ह्येस्यः स्रोः वर्देर दे नदे न उन् वा क्रीका वर्षा विद क्रुन क्षेत्रका दिया के निक्रिय नदि न वर्केन हे अर्वेष में विद्नान्यवा ये द्राष्ट्री कुया क्वा द्राष्ट्री स्वा विद्या वी चर-तुःश्रेश्रश्रान्त्रवः श्रीः तर्शे दिन्दिन् प्रदेन् प्रदेन् स्थितः स्थितिः स्थिते स्थितः स्यतः स्थितः स्यतः स्थितः स यश्चेत्रपार्ड्यान्यावन् विदाक्ष्याक्षीयायत् व्रेतान्त्रपार्याक्षेत्रपार्याक्षेत्रपार्याक्षेत्रपार्याक्ष लेब व तर्रा केंग विद दर तर्क्ष्म या तर्क्ष्म या यदे स्मानय लेब व तर्रा ष्राष्ट्रभव्याः क्षेत्रभव्याः वर्षेत्राः वर्षेत्राः क्षेत्राः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्र યસા વસ્ત્રા હતું છે સ્મૂનરા સુપ્રોસરા શુરા કે લેવા નચસા નવે રાય મેન કે તા रदःद्वदः सेर्दः यदेश्यवस्य स्मूचसः सद्देश द्यः द्विरः देवः स्ववः विवा ग्रीदः द्वीसः स्रुयायदे प्रययाय प्रतः र्ह्येन् या महिषामा प्रतः द्वाया से स्रुतः महिष्याय । र्श्वेन पुरवक्ते कु विवाप्तर विरिष्ट धोन प्रकारी विकास है। यह स्वाप्त प्रकार धिन प्रकार धोन स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वा क्यान्दरम् तीर कर श्रीय नेया सः यार्ज्य ता ने न्दर ती कुर कें ता ने श्रीय ग्रीटर वेषायामाधीत। जायाश्चेनायामारीः श्रृतायाम्यात्रीनायामा विषायामा जानुः सेन् क्षेत्र कर् सक्रानुः वहेँ स्रायाः क्षुः स्रोतः स्रोतः वासुसः वहेँ स्रायाः विवाः हः वश्चारः कुःरेन। ने'नस'नु'कुन'भैद'द'र्केस'नेन'सरसेंद'न्द'र्र्द्रिन'य'र्केस'भेंन्'स'स' વાનુ:ખેંદ્ર: શ્રું રાશ્ચિયા વાર્ચેદ ત્ર શુના ફ્રું :ખેંદ્ર યાલેના દુ: શ્રું રાદે :ખેંદ્ર નાશુયા અફયાદુ: त्रहेंस्रराया विवा प्येटाया प्येता वात्रता क्षा वा या या की किया विवा वी ख्रारा की साम वा ष्णया वित्र क्षेत्रा कें रवत्रा महत्र क्षेत्रा या त्याया यो दिवा यो प्रमाणया या कें ति दे ते प्याप्त प्रमाण

৾ৠ৾য়৾৽য়ৢ৾ঀয়য়ৢ৾ঀ৽য়য়য়৽য়ৼৢয়৽য়য়৽য়য়য়য়৸৽৽ড়৽য়য়৽ৠ৾৽য়য়ৢ৽য়৽য়ৢ৽ त्य्या सेन् केन् वें र्यायाया वेया सुर्या नेया व से तिन राम्य या सुर्या या स्थाप विषाः याञ्चा याविषाः वी यानुवानु स्वेदाः वया के या के वा या या या विष्या विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः व र्वेषायाञ्जा प्येन् वायास्यायाचा सी सुन। यासाप्येन या लेवा प्येन वास्यासासा व्यः केंब्रा सेन् सेन्द्री सेन्द्री सेन्द्रम् वाल्वन वाहिषामादे नेवास वर्ष्या वर्षा यसुरायहर्मानु वर्देशयाया होया सेन्यायया नासू केया ग्रीने वायान वीवाया से विन् न्वीं भारत्वा स्वान्य तहूँसमाराध्याल्याल्या वाकूरायेष्ट्रमानमार्थेष्ट्रमानमार्थेष्ट्रमानमार्थेष्ट्रमानमार्थेष्ट्रमानमार्थेष्ट्रमानमा म्बर्गाययम् मृत्यार्थायायाः संयुष्याः स्वीत्र्यायाः विष्याः स्वीत्राः स्वीत् केंग हो द तरेंद ले व पेंद ग्राद त्या व कुते त्या त्या त्या तद में लव पेंद य पेवा देश व वय्य द्वारा वार क्षुवा ग्राम हेया वया वर्शेन या यो न या विवा होन न विवा किया विवा विवा विवा विवा विवा विवा व हेत्र'विकेश'८८'अध्वे'य''''''रवर्ष'८स'दस'देश'स्यु'तह्व|'द्यवर्ष'क्री'व|८सर्थ'८व|'भेत्। ५:उट वर्देन यके भे १९४१ मुं वेंद्र अर्धेन की सम्मान मान मुं भेता र्श्वेन क्षेत्रकेर वर्ष क्ष्या कर ने त्य सुवा के वर्षेत्र स्थित स्थित स्था रे व्यापित विरेदेते स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त वित्र स्वाप्त यहेव हे भे तरेंद्र या सर ये पेंद्र या सेद्रा यावत सूर से विकास में की की विस्तर वर

वियायन्यायायम् स्रायायम् वियायस्य

मृः र्रो विवा व या तुः र्रो वा बुवा या या हैया या विवा वेंब प्येट या रेटा विवा की या की विवा की विवा की या की विवा की बेर ब्रिंट या प्रेंब फ़्ब के प्रेंट के यादीयायया दिये की दाया प्राप्त की यादी की स्थानिया वर्नेन न्त्रा वेंद्र अ क्रेंन वस्र अ उन क्रेंन लिट या र केंद्र वा या विकास र होन डे अ क्रुओ ब्रिन् ब्रिअ यः सेवा न्दर ब्रिन् हे 'अवा या धेद 'यनुवा हेरा ब्रिअन्, वेर्च यया बेर ब्रिंद या प्रेंद एवं के बिवा प्रेंद के या देश स्था दिर सेर सेर या दीर सूर दवा से बिरा ર્થેન ક્રિક અન એન ગ્રામ્યુન અવ્યાસી તર્નેન સૂંન ગુર્થેન ત્રીન ત્રાસી ત્રીયાયમાં ક્રીન यायम् विया प्रिम विया श्रुया विन् स्यायम् या स्विम स्वर्म स्वरम स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वर्म स्वरंग स्वर्म स्वरंग स येन्यमन्यम् क्रियाम्बर्धन्यम् स्थान्यम् क्रियाम्बर्धाः स्थान्यम् स्यान्यम् स्थान्यम् स्यान्यम् स्थान्यम् स्थान्यम् स्थान्यम् स्थान्यम् स्थान्यम् स्थान्यम् स्थान्यम् स्थान्यम् स्यान्यम् स्थान्यम् स्यान्यम् स्यान्यम्यम् स्यान्यम् स्यान्यम्यम्यम् स्यान्यम् स्यान्यम् स्यान्यम् स्यान्यम् स् सुव भीव ने तर्वा नवीं बाद रायर तर्वा नवीं बाद रेन र तवीं नवीं बाद ने पर तवीं न्वींबायारेन् डेबाङ्क्ष्या ने व्याप्ता विषाञ्च वे व्याप्ता ने व्यापता ने व्याप्ता ने व्यापता भ्रुया दें न महिषामा तर्मा की न में कि लिया है ते हैन महिषामा सुर मलमा या रेता नेति:ध्रीतःकन्। ध्रियःक्ट्राने क्ट्राया प्रवास प्रवास विषया । यह स्वास विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषय विया रेन : श्रेन : यन : ने : श्रेन : द्वीय : क्रेन : यावन : विया : योश : ने : या है श्रः या : यवया : वयःकृद्वे नगाःवियाःकृषाः भेषाः भेषाः भेषाः भेषाः । विषाः नुषाः । क्षेद्वे द्वेरस्य वना संस्था व स्थाने के विक्ता व स्थाने स् देःकॅटायायदेःयदेःहेदाय्रियाः स्ट्रास्याः स्वा देवायदेदाः स्वाप्तेवाः स्वेषाः स्वाप्तेवाः स्वाप्तेवाः स्वाप्तेवा तयम्बारायते हेर है से से दि हु ने दे हैं से दे हैं से स्वायया हिन् नु तयम्बाराय हिना प्येत यारेत्। देःवानक्षेत्रत्वान्यायदेः व्युक्तिं वाद्यत्। देदेः सानक्षात्वयः क्षेत्रायदे ने या रवा रवा के कि स्वीत्र के स्

व्यन् व्यन् व्यन् क्षेत्र व्यन् व्यन् व्यन् व्यन् व्यन् व्यन् व

क्षेत्र ख्राचते केंग्रा विद्

মর্কুমঝ-য়ৣ৾ৼ-য়ৣ-য়ৄ৸য়য়৽ৼয়

हे स्नून नुः स्नुवार् स्वार्ये केया धेन सम्बन्धे से प्युवार्ये व्याप्त व्याप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त तर्भावमा । वर्षे मर्ट क्षमार्वात पर पर पर दिवात स्वेत तार्रेया यहः। ब्रिंगः येदः स्ट्रेंदः ययः इयाः ध्यानस्य स्यानस्य स्वानस्य विष्याः स्वेदः स्वानस्य स्वानस्य स्वानस्य स्वा योश्यर् सूर पर श्रे श्रे र्र प्राय्या श्रे र । विश्व योश्यर् श्र र प्राय्य श्रे योश्यर वर्झेक्यायवे भी द्वाप्तहेवा हेव भी प्यायावदी रामक्रमातु वतुका है। या मामी द्वीरा शुक्र-५८:४१हे। तु:५८:र्क:र्वे:र्क्यवाकाःयःवर्वय। यव:र्क्वरःवार्डवाःवीकाःवार्डवाःयः यक्के:नुर:न्र्रायः लेका अवालेक्षाः संलियाः स्वीतः वात्रः निवायः वर्षे विवायः वर्षे वरत् वर्षे वर अवायाधित्वादेखा विषया विषय यम्भावमा तर्रात्रात्राचा हेर्यायमाञ्चात्रमालेषाः वर्षात्रात्रेया न्यासीयासीसमान्येता न्यासा स्रमाणीयात में प्रमित्र विसायासात विस्वी नर-तृःयतः र्ह्नुतः गुरुगः गीर्था गुरुगः या शेर्यस्य राद्योदः विदः। यो निक्कुः या सहस्य तुः वर्ष्ट्रन् ग्रह्मान् त्रात्र्याः श्रीः सेर्न् प्रदेश्यक्षे यात्राह्मान् वित्रात्र वित्रात्र वित्रात्र वित्रात्र मीयानरूरयार्थित। देव ग्राम् र्ह्जिनायोन र्ह्छित त्ययान्या मी माना माना स्वीति स्वान्त्र द्यरायानक्वियायान् क्रीतायान्त्रेयात्रीयायान्त्रसान्तरान्ता निर्वाटान्द्रीद्वेतिन्त्रीत्रान्तान्त्रात्रान्ता ब्रिंदीर त्रवेष से ब्रियाय सूर्या वर्क यन्यायिष हेते यस्य सिराहे से साने स्ट्रेंब न् नक्षेत्रनुषा दते देव के नते या वे व्यास्त्रीत कर्केना महिनायव देत नते वा वे व्यास्त्रीत योष्ट्रभाष्यं योद्धया वास्तुतुः यञ्चतः ञ्चा द्वीर्ट्यः र्यायायाः याद्वाः यञ्चतः योद्धयाः योद् यस्तर्न्वार्यात्र्र्रः यस्तर्यात्र्येत्यरः द्वर्यास्त्रत्यात्र्येतः व्यवितः हेते विवासः द्वाः स्रोत्यः वर्स्नेतः वयःवीःवार्थवःसूरःच।वःविद्धेयःहेःवद्यवःसूःवदैःधीदःरेःश्चेष्वित्र्यःयःरेद। दः दुर विर वीश वासुरशाया सूर विवा प्युत देर विशेषाय विषय अदर वाहेत यसेया । पञ्चे यातुरः श्लेरः या पठयायायानु या दिया प्याप्ता । पर्वायाया र्थेन् तिन्द्र स्थिन् द्विम्बायाया निम्नेन्द्रम् । भूभेन्द्रम् विन्द्रम् स्थितः स्थायायाः रटःश्चेति वियागस्ट्या स्र्रायहेगाहेन्।वस्याग्रीस्याकःश्चेत् वेरान्या येन् विर्मानिक वित्राम् वित्राम् वित्राम् वित्राम वित् श्चीर्यायाः सृवायः सृवायद्वेषायदेशः स्रवेषाः हेवः वद्वेषा स्वर्षः स्वर्षा सन्दरः स्रायायद्वेषा नु: न्दः कें विरः तन्नेवा सुनः न्दः श्रीदः श्रीदः वी: तन्दः वीयः रे: विदः श्रीदः श्रीदः ययः विवा रे: श्रीदः व्यव्यव्यक्षेत्रं येत्र येययायययायविष्या विव्युत्वेयायविष्येत्रे नुरन्नर सेन्द्रस्या के से हिला है। सदि त्या सेन्द्रस्य प्रेन्स्य प्रेन्स्य प्रेन्स्य प्रेन्स्य विद्रस्य प्रेन्स्य भ्रम्ययाम् विवारि सूर्यात्रेया विषयः रूपुः स्रम्यया सी स्रीया स्टर्या सी स्वार्था सी स्वार्था सी स्वार्था सी स अर्बेट भेर्। वै वार्के द्वाया के त्वी के देव के देव के देव के त्या के कर्-रुषा वाबर्-वार्डर्-श्री-स्वा-वस्य-वाबस-स-र-विवा-वी-सूर-व-रुवर्-वर्-विवा-न्यार्थेन न्युवायायर्नेयावादाष्ट्रीयायस्यानेन्यायात्र्यस्यात्र्यस्यात्रः नरत्यः इस्र वेस्य नक्कियः नुस्य केस हिनः सरः देः वेस्य यदेः मन्स्र स्या से हेः ते त्या से हा तह्रवारायदे:स्वापति। यारायदे:वायरायाय्युयायायस्वेतरानुरा सुन्दानुः

यान्गित् यर्केना नीया सुनया सर्वेति सुन्य सर्वेति सुन्य सर्वेति स्त्री स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स् तहतः तेर्रः श्री वेरः वया क्वाया विति द्वितिः स्रुतिः स्रूरः यः न्यरः तुषा स्रुतिः स्रूरः यशः स्रुयाः बेरक्विः तेर्नक्वियान्दरया सेराओ सेर्ना हे त्यन्तरम् मन्स्ययान्यस्य स्वाक्त्रस्य स्वाक्त्रस्य स्वाक्त्रस्य स्व म्बर् दे सेर् प्रमा दे भी व तर्र भी व सेर्प प्रमा निष्म व निरम्भ व निरम्भ व निरम्भ व निरम्भ व निरम्भ व निरम्भ व श्चेन्याचरार्न्रावावव्यवार्थेन व्यवार्थेन नेन्त्र्यात्राचनमार्थेवास्त्रमा अक्षे याम्बर्भियामान्द्रान्यसूम्बर्गराने दुःतर्वेद् द्वयामुद्रानेते क्रयायमानी स्रोधसाया हे सुनि सूम् श्चरः परः श्रेवाः बेरमः वाद्यवाः करः पदः श्वाः वश्वाः वार्यदः श्रेः पुतः श्रेः श्रेः पदः सः कन्दरन्द्रराधीन्द्रराधान्यस्य यदिः सहैतः यवेषान्दराधान्यस्य सुरावेषान्तरा विष्याः क्षेत्राञ्चेनात्राचादात्रात्वेनाः व्यादेदात्रेदाचाद्या वर्षात्र क्षेत्र च्यादेशके क्षेत्र हेनात्रा सक्षरायाः वेत्रायाः देवात्रः देवात्रः देवात्रः वेत्रः विवाः यः इसः वेत्रः विद्यस्यः सेटः येट् स्वा नुवाकी इसमाग्रीमानवी नदी रासन्दानुवामान्दा सुमाना के पिन् सुन विवादीमाग्रामा ने व्ययः न्ययः विवे न्युरः वीयः वसूरः य। अर्क्केवा यये वरः वीयः यने नः यः से नः यम रदःक्षेत्रः स्वरः व्यविः त्वरः स्रोतः तस्रा विः स्वरः स्वरः विः वार्शेतः वार्षेवाः वसः यार्डियाः सूर्याः सेन्। वेत्रः स्यारः यार्शेतः वर्ने वर्षाः हैः उत्यासूर्याः स्वाः प्युवाः प्यतः प्येतः परिना विष्यम्कृतःयः सेंद्रः स्वाप्तः द्वाप्तः वृष्णः विष्यः हुः सेंद्रः से स्वर्धः देवेः स्तुदः सुवा देवः र्श्चिर मीव प्येन स्नुस्र नुस्र सोस्रास रे क्रीं तिनु मा मा सुर साम रेना न न न न न न मा सुर साम रेना न न न न न <u> त्रियाञ्चायात्र्यात्रात्रायदेशस्याञ्चनायीः रेस्यो । प्रक्रियन्याकुः रेशायाययायदे ज्ञ</u>त यित्रः श्रीयायश्चात्रः व्याप्ति । वित्राप्तः व्याप्ति व्यापा व्याप्ति वित्र वित्र व्यापा वित्र व बिया

याश्रुद्ररूपि। याश्रेव त्देवा हेव शे प्युत्य व प्येत् पुरुष देव प्य अदे याश्रेय व सुः दुतिः श्लीर मा विषायहितः वेशिष्टी क्रिन यहिषा वेशिषा विषायहिता । यर र्के न्रायानन परि युषा सहसा सूना नी रे से बुर प्युया ही खुर या त्वा न पा सुन नी वकैयन्वाकी अनुबन्द्राचर्स्रोयरा हे सूर्वा स्क्रीट वर्केन क्री अके अवे सूर्व वार्वे र दर अह्र अ रु:ब्या याश्रु अ यत्तु केंया दर येदि अर्क अर्थ विया पुः तुर विद् अ दिख्या यी से द रु चुः वि <u> </u>
हार्य क्षेत्र क व्यःरेन् केंद्रः व रदनै यः वषया द यन्द्रः मैं क्वै यय स्वः वुः वुः विषाः रेन् ः षासुद्रयः पर्दा |दे:सूर:पर्यायाया केंसी:ह्या:व्यायदे:वहदःकेंब:वहा विरासी: ह्रमाञ्चरञ्चेत्रचेत्रायायत्वेत। ।मार्युद्रयायायदीः व्यमार्यदः क्रुद्राचीः स्नुद्राक्षवाध्येत्रायाः यारेद। रदारदार्शे सेंदिरदार्श्ववावया से सेंदिर्शे क्रुयाया द्वीप्वसूया रे द्वया वा वर्ष्ट्र-व्यक्तिः व्यक्तिः वर्षे वरत वर्दे वा सेसस्य क्रीक्षुत दे वहेत तथा दे सूर वात्र स्वर प्यत प्यत वा वें स्वर विका सेन्क्षरभेन्त्रीः व्यस्तिवाः वर्षेष्यर्थाः सेन्द्रिन्। क्रुवियः वरेन्द्रन्यः वत्रः वत्रव्यक्षः न्यम् नरम्म् सुरास्य विदेशस्त्रेर नुः कुः मल्वमः स्पेन् स्वर् न्यार सेन् स्वर सेन्य स्वर सेन्य स्वर सेन्य स्वर क्रमाध्यापादी रास्री रास्य स्वाप्त स्वाप्ती स्वाप्ती स्वाप्ती स्वाप्ती स्वाप्ती स्वाप्ती स्वाप्ती स्वाप्ती स्व त्रम्डिमार्सेट द्रम् प्रमुख्या । रे.रेरप्रमुख्य द्रारेते सुमार्ड्य प्राप्त द ययान्नित्रं हुमाम्म्यास्यास्यात्रः व्यक्तिमः स्त्रीत्वयाः स्त्राम्याः व्यक्तिमः स्त्रीत्वयाः स्त्राम्याः यालर मी तर्वर त्या क्या राष्ट्र प्रात सूचा मी होता होरा हीर मी राक्षे हैं साहर प्रात सा बर्। जर्मास्त्रीयायदे विराम् विराम् विरास्त्र स्वाप्तस्य विश्वर्

विवायित वर्ष सेस्र स्वीवा पेर द्वित प्रस्ता ही लिवा से तिवर वर्ष से देन म्रोहेन् सुर्वा महिमा मी से त्याया द्विमाया ने स्यन् प्रवा महिन् स्था प्रवा से त्या से त्या से त्या से त्या से योत्रातर्मा स्रुवायावे र्मातः सूराये रामा स्रुवा विष्या सूरामी स्री यावाय रे स्वर वयमः भ्रीयाः न्यादः स्थाः स्थायः स्थाः न्यातमः स्रुमः परिः प्रममः स्रुविषाः द्विरः त्रा द्विरः परिः स्रुवाः पस्यः या स्रुः स्रुवाः वर्क्यायदे वर्षे दर्भे तर्भे तर्भे देशका वर्ष्म् वर्षे श्रूवा तर्रे या ले सुत्र या मुद्र या लेवा वी साम्यत विवास से दा से साम सह ता वर्ष साम होता है। दुषाग्रीकेषान्त्रेन्दुशुराने वार्षादायारेदार्षेदाया इसमाग्रीदेवाद्वा सुवापर्यवा वयःश्चेंगित्रः वीः अक्टेः अः वः सूचाः वर्ते वः यः विवाः वीयः ने द्वययः यः यवः वेवायः व्येन् यः यूः के मार्वे न क्रिमाबी अपने मार्थे क्रिक्मा मीया ब्राया है स्वाप्तीया ब्राया है स्वाप्तीया है स्वाप्तीय है स्वापीय है स्वा क्षेत्रायदेर विवासी क्कियाय विश्वामा सेन् स्रीयद्वा दे प्रवास्य वावत विश्वास्य । बिया। रवः धेतः तः श्चैः सः वदेः वः उत्रः श्चीः बैदः विस्रसः सुः सहसः दः श्चेरः हे से हिया प्रज्ञतः वर रु: अ१ अ१ रु: तिबुद्यान विवा हुर व रेते रुया सुवर रूर व रेते सुवा नसूय। विःवार्श्वतः विःवयः वदिः रोग्नयः वदः श्रेः नविंयः यदिः स्ट्रेन्टः नुः स्टें व्यान्यवाः स्रोनः श्रीः देनः वयः यदयाक्चियावेद,देतवी. भर्यः सद्धे. भर्यः भ्रष्ट्यः अध्याप्ते भर्यः भर्य तसुवाक्ची:क्रेन्याक्चीयातहेवाहेदाक्चीलेटाव्ययातदेरापेटाद्यातदेवीयाकापुवारेया न्वातःवाहेन्यस्त्रवास्त्रयायायायाः हेन् रे होन् हेवा वी स्नयान्य स्टायायायायायायाया न्यद्रशाधरायात्रभून्। रदारे भ्रुःशावन्ये व्रेत्रह्रं तह्यान्नीदायशाम् । म्रेन्यान्तृ सुर्वा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र या सुर्वा सुर् तव्यूट यात्र या दर या है केत्र वी साधा सी है स्वीया श्रीया या या र स्वीय सी विरावर्भेरा देरामा अन्यासुवि विरामा स्वाप्ता विष्टुरामा स्वाप्ता स्वाप्ता विष्टुरामा स्वाप्ता विष्टुरामा स्वाप्ता विष्टुरामा स्वाप्ता मशुरा है वे है निया सुर । जगद मन्य माय मिया कि । विवास यनेयामहेता है:पर्ड्त रेंद्र वि:याप्यायायाया हिन्यर नुग्तु सहित रेंद्र हिंग ही: য়ৢ৶ॱय़॔ॱয়ৢ৶ॱ**ॸॱय़ॖॕऻ**॔ॸॱक़॓ॺॱय़ॱ୴**ॸॱ**য়॒ॺॱॸड़ॺॱय़ॱय़ॖऀ॔ढ़ॱॺढ़ऀॱॸॺॣढ़ॱढ़ॸॺॱॺॖॱऄॗॗॺ। क्र्याप्तरः श्रीयायायवायवे अवारवा वी वर्त्त श्री वर्ते वर्ते वर्ते व्यक्त व्यक्ति वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्ष यम। क्रमायन्त्रास्त्रेन्यःक्षेत्रस्यास्युक्तेल्यायःस्वराधेन्यम। नःस्रिक्तेस यम् कर्षायदिवे में मान्य यहिषा हेन कें त्यदिव चुन्य यात्यन पर्मेन चुन्य यात्यन यहिष्य स्था वर्षाः मेरा श्रीयः स्राप्त्यः स्राप्तः वर्षाः वर्षः व्याप्तियात्रेयायात्रेयाः स्त्रीत्रायायायेत्। त्यापारेयायात्रीयायात्रीयायात्रीया यक्यायक्यायीयान्स्यायाधीत्रःस्रुयास्रोतिर्वेरायदेः चुःयवियास्रोटाक्रें लेदायापिटाद्या र्यम्यादिष्याः विष्याः स्टर्स्याः स्टर्याः वर्क्यायविःम्बिरायाद्येवायाद्येवायार्थेदायारेदा वेद्यायाद्येवायाद्येया श्चिषाधेरातासीम्। देख्यान्नरावदेन्त्रवय्यान्वेषान्वर्ष्यान्वेषाः देन्द्रवेषान् क्चिताः चतुः चगातः न्दः अविषाः पदीः मुस्यः न्याः पदीः मन्यायः चाः मीः क्चूतः प्येन् स्यायः स्रुकाः यदे देव। या वदे व केंया भेंद्र ग्राम्य केंया येद दु ग्रुया व विशेषा ये वद्या क्र्याश्चीत्रकृत्रस्य भेत्रश्चेयायेव यस्य स्था है। क्षेत्रस्य म्बाद्यस्य स्था है विक्रास्य स्था है विक त्रम्यायाः विमानस्य विभावत् वि वया । वार व्या क्रिय क्रिय है र र र वी क्रु र र र र वशे । । विष वा सुर या । विष विर्मानमात्रियस्य प्रति स्रुप्तान मेर्या न्यस्य प्रति स्रुपा निर्मान स्वर्णा स्वर्णा निर्मान स्वर्णा स्वर्णा निर्मान स्वर्णा स

मुद्भारयात्रायायायायायायायाची ब्रियाकी ब्रियालीयात्राप्ता पूर्यात्राप्ता पूर्यात्राप्ता प्राप्ता स्थापत्राप्ता म्बर्याचर अद्यय अर्थन स्थ्रम् निष्य स्थ्रम् स्थ्रम् स्थ्रम् स्थ्रम् स्थ्रम् स्थ्रम् स्थ्रम् स्थ्रम् स्थ्रम् स्थ योद्रायमा व्यस्यादे त्याया स्रूप्ता चेत्राया तदी त्यूप्ता स्राप्ता स्रीता स्रीता स्रीता स्रीता स्रीता स्रीता स लट.रेचा.ब्रुम.तपु.शुचा.दुचा.चे.यपु.चपु.चपुम.चाहेष.तम् तम् व्रूप. ततुःक्र्याने प्रदःमी क्रिने स्टानम् अथावया वर्षः मुर्या द्वा प्रदः मिन् वर्षा पर्द्वा या स्वा व। श्लीट हे नदी सहंदर नवेश श्लीट न्यार उव कें दिन दे श्लीट मी या सुव श्लीट नट तर्मनरञ्जीतारेजायायारो देनविष्यः मुजानेषानेषायायायारो देनविषा र्थेन् यया वस्य या उन् वने वर्ने न सूचा वस्य क्षिया स्व या स्वीत व्येन् या न सूचा रेन्। देशक्रशेस्रश्राक्षक्रात्यात्र्याः महेत्राद्मः धुँवाश्वात्रेशः स्वीत्राः स्वी सूर्याः भ्रे। गुत्रायाः सूर्विययायदे प्राप्तः प्रम्याः सूर्वे स्वयं स्वय क्रीस्वानस्यायास्त्रीराहे:वयासीयाहेरामालेवास्त्रीयासीयासीया यदः विरः कृषः भ्रेषः याः यः देवः यान्ने रः भ्रीः तर्वतः यान्त्रे । यान्त्रे । यान्त्रे । यान्त्रे । यान्त्रे । र्केंब. देवी बार रूटे. श्री शाही श्रीट. इंबा टेट बात पुरी दिया ही खेता ही खेता ही हो है हैं हैं हैं हैं हैं हैं भ्रीयःविदा वीत्रयात्रः तीयाद्यां वी. ययाद्यः साम्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः য়ৢ৵৻য়৵৻৴ৼ৾৾৻ঀঽ৵৻৸৵৻ঀৢ৾৾ঀ৻ঽৢ৾ঀ৾৻ঀ৾৻ৼৢ৾৾ঀ৾৻৸য়ৢঀয়৻ড়৾ঀ৻য়৻ঽয়৻য়ৢঌ৻ৼ৻ড়ৢ৾ৼ৻ঀৠৢঢ়৻৸ वर्षेत्र-दुःस्ट-वीषाग्राद-क्रींद्रयायोद्दायाययायायायायात्र्याद्वर्षेषा श्रीर-क्रेन्योद्द्रया यानिके से निराधित के त्रा व्याया सम्मानिक स्थित स्थानिक स्थानि चलिः कॅन् ओन् यालेवा क्रुन् त्या क्रुकान न वार्वेन व्ययः न मालेवा यात्रा व्यवः यात्रा व्यवः यात्रा व्यवः यात्र या स्वाप्तस्य प्रमानम् वया वर्षेत्र या स्वीत्र हो ते विदेश गाप्तर से विद्याप्तर वर्नेन्यन्ववाया न्यायाहेब्रक्षयायास्य विवायास्य विवायस्य विवायसस्य विवायसस्य विवायसस्य तर्देन् या नहर क्षेत्रया रूप्योप् निविष्ठयया सुर्येष क्षेत्रया निविष्ठयया प्राचीत्रया निविष्ठयया प्राचीत्रया निविष्ठयया प्राचीत्रया निविष्ठयया प्राचीत्रया निविष्ठयया प्राचीत्रया निविष्ठयया प्राचीत्रया निविष्ठयया निविष्ठया निविष्ठयया निविष्ठयया निविष्ठयया निविष्ठयया निविष्ठयया निविष्ठया निविष्ठयया निविष्ठयया निविष्ठयया निविष्ठय निविष्य निविष्ठय निविष्य निविष्ठय निविष्ठय निविष्ठय निविष्ठय निविष्ठय निविष्ठय निविष्ठय निविष्ठय निविष्ठय निविष क्षेट हे महिषामित्र वट द्वान्य के हिष्य स्तुन्त के मार्थ के मार्थ वट विषय स्तुन्त के मार्थ के मार्थ वट विषय से स्तुन नुःतनुषाने। र्कन् स्रोन् प्रविते वर वी स्थाया सुसार्या पर्वे प्रवित् पर्वे प्रवित् स्थाया स्थाया यत्र पति द्वीर्याय। अर्देर त्यं प्रदायन पति पति द्वीर्याय प्रयायाया स्वापा विवा विवा सर वसरा उर भी केंत्र दु वीं र दु लुरा या नलित हो केंवा इसा नलिया र दिन् हु र क्षु र स वरः वुष्णः हे : बरः वदे : व्यव्यक्षे : बेदः दर्शेषः यः धेदः यथ। दिरं रवः दर्दे : वः क्षेरः ये स्वेदः ब्रेट्रा श्रुप्तावदीरावस्यानुः ध्रीप्तवना योन्यरावने वास्त्रवा श्रुप्ति स्त्रिप्ति श्च्रवादवीकाक्ष्रयायदे केंद्र क्षेय्रकाचह्रव ये स्वायाद्या वर्श्वेव हि स्वेदाय विवा वीकाद्या यमायर् हेरावकर्याये स्मानमारेता यर्गायां मानवान स्तान स् यय। देःवयः दर्भे विराज्या विषयः प्रमाणिकः विषयः म्यायात्रम् क्षेत्रे स्त्राच्या प्रमायन्त्र प्रमायस्य स्वर्था प्रमायस्य स्वर्था प्रमायस्य स्वर्था प्रमायस्य स् याम्बेर्यामार्थराव्ययाम्बर्यायायाः स्त्राच्यायायाः ने व्याप्यराया स्तराया स्तराया पदः वित्र सः में निष्मित्र स्वर्भः स्वर्भः स्वर्भः स्वर्भः स्वर्भः स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स

यासुरायायास्य त्रायदेवा वर्षेत्र सूर्याया ग्रीत्या स्वाप्त त्रवायाया

বৰ্গমান্ত্ৰপূত্ৰ

वियायन्यायायङ्काञ्चराय वरायी ल्याया शुरा

सम्बन्धः क्षेत्रः क्षेत्रः व्यवस्थाः सम्बन्धः सम्बन्धः व्यवस्थाः वर्षेत्रः व श्रुश्रश्चायो यश्रश्चायविष्यः द्वीयः या याव्यः श्रीयः सम्भावः व्यास्त्रीतः ता श्रेज.शरे.ज.योशर.च.श्रेयाश्राता सेर.त्र.के.बेय.चर्नज.रे.के.च चल्रेव क्रीय न्या परि क्रेया था क्रेक्स वा विष्य चर्रे क्रिया चर्ति क्रिया चरिति क्रिया चर्ति क्रिया चर्ति क्रिया चर्ति क्रिया चरिति क्रिया चर्ति क्रिया चर्ति क्रिया चर्ति क्रिया चर्ति क्रिया चरिति क्रिया चरिति क्रिया चरिति क्रिया चर्ति क्रिया चर्ति क्रिया चरिति क् ख्व क्षेत्रें क्षेत्र साथवायर देराय। दुषावाययर यह समस्या से विषा रवाक्षेत्ररावित्रव्दान् सेन् सेन्य सेन ब्रून् सेत्रायायायार स्वायायाय निर्माया हिवायायते यो जेया सेन्य वित्र मुख्यायाय र क्वें अपा स्वायाया से प्रत्याय के देश प्रत्या स्वाय के देश प्रत्या स्वाय के देश प्रत्या के देश प्रत्या के देश प यानक्षेत्रया कुन्निर्देशयात्रुत्यते रेषायाययार क्षेत्रया क्षेत्रया कुन्निर्देशयो र्देवायायविरानुयासुर्सेनाया र्यूनाय्वरायाचायरास्वायासीस्वराया ५५.त्रश्र.क्र्य.वर्द्य.वा.क्र्य.वालय.क्र्य.ता.क्रे.क्र्य्य.ता.क्रे.क्र्य.ता.क्रि.ट्री १५.वं.स.वे.स.वे.स. चङ्गचलि:न्रायम् । यम् । स्र्रीय चिन् । यः स्रीय स्यायः स्रुन् स्रे स्रीतिः स्रीयसः स्रायन्तुः । यदः यायर या स्वाया ग्रीत्या स्वया याया हमाया विदाय वाया या सम्या स्वर्णा होता यनवार्वार्था विषदःस्वार्धः न्या स्वार्धः न्या स्वार्धः स्वरंधिः स्वरंधिः स्वरंधिः स्वरंधिः स्वरंधिः स्वरंधिः स विवाः पेर्नि के वा व्याक्रियसः देना सम्बदः क्रीनि नक्षुः दुवा वास्रा । सुरू व के तर्दे तसः वक्रीवानरार्ने । विष्यार्थराम् मुनायम् नामान्यम् । विष्यार्थियानम् । विष्यार्थियानम् । न्द्र्यः चीयः विश्वत्रः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विषयः विष्यः विष युवा । डेश वासुर्य या भूरा अर्केवा ५८ खुर सेंट वी ५६ स युव वें विवास ५८ । विर्यम् नुप्तम् नुप्तम् अप्तम् अप्यम् । विर्यम् ।

यह्मा हेव श्चिर प्रदे श्चेर केव से ब्राया उर श्चेय ग्चर मुया विर प्रमार । यह या क्चिया ব্রদেরীয়য়'দ্ধর'রীয়ঝ'রব্রিম'য়'য়য়য়'ড়ঢ়'য়ৢয়'য়য়'দ্দ'য়ৣয়'ঢ়ৢ'ঢ়ৢয়৾ঢ়য়'ঢ়৾য়ৢয় क्रीयानम्पनायरायहर्नायते । । न्यान्ध्यान्त्रयान्यस्यान्त्रहे हि विवालहरानीयायान्तरानः व्यक्षः हे न्युव्यः यः यव रः यो दः या विष्या वर्षे । यो वर्षः या वर्षे या वर्षे वर्षः या वर्षे । वर्षे वर्षः य नवर नर्देश ने अंदर्शन वाहिश गा अर्क्त हिन नर ख़्त य लिवा नवीं शता अर्क्त हिन ५८ ख़्ब यदे हें हे क्वेंच ५ येंब ४८ केंद्र क्वेंब केंद्र क्वेंब केंद्र क यक्त्रीत्रायाः भ्रम्भाया सम्प्रात्मा अम्प्रमा अभ्यात्रेम् अभ्यात्रेम अभ्यात्रेम अभ्यात्रेम् अभ्यात्रेम अभ्यात्य य। गल्दायान्वरावसूरादायार्थेयात्र्यत्यक्षेत्रस्यात्राचरारायाचरारराहेराग्रीद्वा ॱख़ॖॺॱय़ॱॿऀॺऻॱऒॺॱॺॱॸऺय़ॸॱॸॖ॔ॺॱॹॖॱऒॱॿ॓ॺॱॸ॓॔ॱढ़ऄॗ॔ॸॱॸ॓ॱॸॖ॓ॺॴऒ॔॔॔॔॔ॱॾ॓ॴॱक़ॸॱॸॖ॔ॱढ़ॿॗॸॱॿॗॗॱ लूर्तान्ता लर्षाची श्रामान्याची सार्वान्ता स्थानिता सार्वान्ता स्थानिता सार्वान्ता सारवान्ता सार्वान्ता सारवान्ता सारवान्त युर-द्रमः क्रिया सी या हिंदः चालिया प्येतः ध्रीतः द्रवदः यो द्वीतः क्ष्यया यह्या छेदः। देः सूरः देशःयभ्रिषःग्रीःथस्रास्रवराष्ट्रीयः हे :बुदः तह्याः वीः वीं तस्य रास्रदेवः दुः चीदः श्रुदाः सर्वे । ।देः र्यव। यान्ययः न्याः क्षेत्रं यो व्ययाः वर्क्कृतः वेरः वः प्येतः येत्। क्षेत्रं यो यो विषाः यः बियाः ययाः वीयः पञ्चरः दयः देः यञ्चियः वियः ग्रीः ययाः तुः यवयाः स्वेः यञ्चियः वियः ग्रीयः दे । ब्रीरः श्रूर.ष्ट्र.सीयाय.क्षेत्रा.धे.श्रुर.त.पुरी व्वीय.श्रूपशाचीयायायार.व्वीया वीयातायार. ल्रेन्यने ब्रेंग्यवनायम्बर्धायान्यम् स्वानि स्व रदःयाः सेदःवर्शे वाः विषाः दः दुदः द्वदः सुरः ववः राः सेदः याः सेदः याः सेदः याः सेदः याः सेदः याः सेदः याः सेदा देः श्रीव प्यट द्वट श्रुर प्वते न्नु अते क्रुट य द्वट देव क्रुप्ये वेष वृष्ठ श्रीट हे यव बोशया

वियायन्यायायङ्काञ्चराय वरायी ल्याया सुरा

य्या स्वर् स्वा स्वर् स्वा स्वर् स्वा स्वर् स्व

योश्यायार्टे यानेशायदे रदायनेष भी श्रीया सूरायनिष्याया

 श्रॅं अप्यास तुरु की दिया सुरा प्राप्त के प्राप्त के

यङ्ग सः वार्षु आश्चीः तत्तु या विरायः सुदः क्चुः या स्वेवायः प्रदेश यङ्ग प्रदेश वार्षः वार्षः वार्षः विरायः स्वेवाः यः बेदः बः प्यदः। बेर् ब्रह्मद्वारः करः वश्चदः व्यः व्यवायः वा । बेवायः वी। श्री: क्रॅंट्या श्रुंत्र, प्रदासी वार्य क्रॅंट्या यदि । यदे प्रदाय विवास वार्य या विवास वार्य वार्य वार्य वार्य पर्चित्र.ब्री.कर.पर्वेट.च। कर.पर्टु.क्री.र.ध्रेश.त.क्र.चर्गा श्री्य.पर्चेत्र.ध्रेश.त. यस्यायश्चराय। । भ्रुप्तर्भवा मीयाग्रह्मा । ब्रियाम्यह्मा वर्षेयायय। रवः हुः बुदः वः वः वागाणाः विदः स्ति। स्वः हुः बुदः वः स्रीवः ग्रादः कदः वदिः हे सः दसीगाराः के'च'रेदा कर'वी'हेश'द्रश्रेषायां वे'डे'त्रद्व'विषा'धीव'वे'वा श्रेषा'या द्रश्याय ह्या वर्चूर विरुषा सूना नस्वा समामा सन्तर समामा नाम्या स्वा नाम्या स्व न बी'वर्देन'य'र्षेन'र्क्रन'य'वद्देश'वद्देश'यर'द्वेन। श्वेन'र्द्व'त्वेन'यदे'त्यवा'वार्षेव' *चुेन्'य'रेन्। त्रवचर्सेन्'ग्रे'*यय'न्ट'स्नेट'वी'स्तुन'य'से'=न'य'वेवा'तने'पीव'य'रेन्। चोषयः क्रूंषः आधुचो त्यः आक्राकुचो पुः प्युत्य । विषयः क्रूं त्यय र आद् र विषयः । विषयः । स्ट दर्शे नदे राज्य के लिया पेरि । स्रेदे न न र रे न की ही व की रापि राज्य हिंदा व राज्य स्ट न र स् बिना नुषाया से। सुषा प्रति से देवे प्रना तुष्ठा प्राप्ता निर्म सुष्य से ति बस्रकारुन श्रीस्रम् व श्रीत्वसास्रावर केट स्रो कट वी मुस्राम मस्रव है वदी है वसा बेर्यायञ्चवार्यायः येद। <u>क</u>्याञ्चेदात्रुयस्य ग्रीयादेते वदानुः हे बेवा येदा हेर्यादेशयया श्रुयाचानेयाश्रुयायावनेवीवनानुनेवाया नेवान्यया श्रुवा सुरास्त्रा तर्नै न्दारवर्षन् व वे रावन्यरा होन् केरास्य मालवा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा होन् पर्वा हे हिंह र्जाकुः स्राया अस्या श्रीकार्ययुर्वे क्रिया ने स्वापनि <u> श्</u>रेप्तपरश्चर्यापञ्चात्रम् । त्र्यात्रेप्त्यात्रेष्ठ्यात्र्यम् । त्रेष्ठ्यात्रम् । त्रेष्ठ्यात्रम् । त्रेष्ठ्य धेव वे सूम्रावया ने देव धुमा स्वाप्त क्षेत्र सुम्मा विवाद स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप

म्रम्भारून् यने यम् श्रुम् कर वने वस्य सम्बद्धान्य स्ट स्युम्भारम् स्वीमायन्य स्मार्थः स्वीमायन्य स्वीमायन्य स त्रशुराने। यर र्श्वेन लेगायाम् न सामित्राश्रीयाश्रीयाश्रीयार्केर लेगामी श्रियास्मायायेन न्वीं राष्ट्रभाष्ट्री व्यान्य र विकास्तर ने त्यान्य र विकासिर कुर्णेन चर्मः देव्यात्रास्त्रसम् स्टिनः यावा तहनः श्रीताः स्वया वदः वता चर्दया । स्वययः विवाः यः करः वस्नुवः व्यदः स्वतः स्वाः केषः देखिवाः दरः वस्ताः करः वीः वासः वः स्वरः स्वेः कर सुरबादबा पर्वा प्रवास्त्र वा हो वा हो वा ना वा ना स्वास्त्र सुव वा सुवा वा ना हो वा यन्तर्यात्रदेष्टर्रेन्तर्वा लेखायारेन्त्र सहरात्रेषा विशेषात्राष्ट्रात्र ত্রবান্ত্রমা প্রবাদারীক্রেই রবমার্মান্ত্রমান ক্রিমান র্বিমাপের র্মিরা याया हे ख्याया स्याया स्याप्त स्यापत वयापरावरुषाने वस्य वराष्ट्रिवया वराष्ट्रवया विवाया वस्य स्वरा स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता स्वर्ता गर्डियाः विकाशीका श्रुकाया विकासुग्ये व यक्षका विकाशीका श्रुकाया ब्रिन् क्रें च प्येद द्वार वन्त्र विकासी कर्मा के वाले वाले विकासी विकास श्रुया याद्याः स्यान् स श्चनप्रस्तुः स्वरुष । कर्षायक्षायक्षानुषायद्भायद्भा । विनयान्यायक्षानः ई'तर्द्र'बेस्रा बिस'त्यु'त्वरस्य प्रस्य वर्षा वर्षे 'त्विव प्रस्य प्रमाधी स्ट्रेंट की स'र्मे सेंट ' यःरेट्। व्रियायम्याः योग्यिषाय वरः विदः क्रुप्तः यह्यः वियाः प्रेवः यश्रामृतः यायिष् यर्हेन्यश्चित्रात्वस्यायायारेन् देशःस्यूयाहे स्वर्वाः वेदान्या स्वर्वाः विसायन्याः कुर प्रव लिया प्रव द्वीव मृव या या है या गा कर यी या य वे प्रेंट प्रयाद में र केंग्रेस कया हैं रदावीयार्ने देया उत्राचेत्। कदावदी के विदेशसूदा हो दायेता या सामान ही सामा

न्युयानम् तर्वेनम् क्षुत्रम् विन्नम् क्षुत्रम् विन्नम् क्षुत्रम् विन्नम् क्षुत्रम् विन्नम् विन्नम् क्षुत्रम् विन्नम् विन्नम् विन्नम् क्षुत्रम् विन्नम् यः भेदः प्रथादः सुः स्रेतः वेषः यः रुकाः भर्षः सुषः यर्षे अद्यः सुषः यर्षे अद्यः सुषः यर्षे अद्यः सुषः । तर्याज्ञीयाकर तसुर र प्याहेया तह्या येदा लेया या सुरया । यर या क्वीयाजी हेया वह्वाः म्याः इस्रयाः श्रीयावश्चरः वाःवाः सुरः सेन् सीः सुर्वे सी वीः वीतः सी सुरः वितः हेयायः ५८ क्रींब क वींट ५ प्रविद्या सूर दें। विदेश की केंद्र का क्रींच प्रविद्या स्था चक्र्यायसूर्याऱ्दरायाश्रम। वि.र्ट्राङ्गार्ट्रा क्.स्रयायक्रियावक्रयाक्रियाय नमा सेन् श्री क्रिन क मलन नमा सर्ने रान गान क्रिन क्रिन से र सा उन श्री साम क्रीन क्रिन য়য়য়৽ঽঀ৽য়ৄ৾য়৽য়৽য়ৼয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়য়৽য়ঽঀ৾৽য়৾৽য়৾য়৽য়য়য়৽য়ৼঀ৽য়ঀ৽ वयर। ररःचवेवःश्चीः वित्यः संचित्रः स्त्रेनाः सन्ने। वित्यः मस्ट्रिसः हो। चरुरान् प्यतः स्रीयाया केन यो उन प्येन यारान् न स्टायनिन स्री स्रीयाया प्येन। देशान दे न्यावययान्त्रपृष्टियायान्त्रपृष्ट्रपुषाग्रामान्त्रीत्राचीन्त्रयान्त्रान्त्रपान्त्रपान्त्रयान्त्रीत्रसूयाः नमृषार्भुदानदेग्नवदायानेयायय। भूनायाभूनातृत्यानेयायर्थे यनवार्या विराधार्यस्याते। क्र्यायाध्येत्यायाक्र्यायाध्येत्यायाध्येत्रायाः चैयातास्थ्यान्दर्भास्यान्तरान्त्राच्यान्तरान्त्रा सुराद्यान्दरान्त्राच्या इन् ख़ुर च त्व हुर च ते क्षे च ते के के का सम्बद्धा विकास का क्षेत्र सम्बद्धाः विकास का क्षेत्र सम्बद्धाः विकास या हेंत् सेंट्रायास्य ना हो दे हुस्य राय रा सुद्दा स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्वापित स्व केर क्षे क्षेत्र पदि द्वर वीष क्षेत्र सूर वुष पा अर्वे व वि व व व व व व व व व व तदेते स्मानमा सुर्भे केंद्र महिंद्र भी स्मान स्म यसर्यदेशस्त्रस्यस्यस्य सेर्ची यस्य प्रमास्य स्ति से क्रिका सेर्पा देश देश देश

कर वे हे या या ब्राया उद् ग्री त्युर विदया धीव या में रि. दु प्रवृद या प्रविव वे मियायक्षातियायर्थातीया राजासुर्यात्राप्राज्यात्रयात्र्यात्राक्षात्राक्षात्राक्षात्रा ग्राम्य प्रमाय स्थानि । या विषय स्थानि स कर वी श्वेत या वाहिंद की सुदा दुःच श्वः हा दे के किया द्रावा का के वा वाहि रायुद स्वार में यस नासुरस प्रसा वाबन सामस्यान तर प्रस्ती स्वीन प्रस्ती संस्थान से सामस्यान मुॅं चतः इस्वात्वर्षात्वावात्वे चारेता विवावी मुंदार्वा विवासी स्वाति स् क्रि.वयावयाक्री तथारीक्री श्रीय तर प्रकीर । रे.वयार परीयया परक्राती विचा सः मानः नवः वरः वरा तवानः ने मानः विचा वर्षे अवशः वे वर्षो चः ने द्वे स्वरः आयरः द्वेः यन्त्रेन्यत्रवेत्रयत्रित्यत्रात्र्याय्येत्यायत्यारेत्। नुपात्रवेत्यत्रेत्रायात्रवेत्या श्री बेच म्यूर्य यस्य अवत्। दुः तबेद म्यू क्या भ्यू द्वा देवे के या सदेवे दूर द्वा भू द कॅन्यामविन्यते सुम्रामीत चेत्राय हो निर्मात हो स्थापन निर्माणिता रट बट वी पर्दुवा भी पर्दुवा वी दें या वया प्रति । दुः त बेव विवा वी वि सः वया तर्वा यायमार्चे रायार्वा यो हेतायुर तर्वे मार्जन वर्षा मार्जन मार्जन वर्षा सुमारा हो त्रिवा त्त्रेव। यदःक्रियाः इस्रयाः ग्रीयः दुः तः त्रेव। कदः त्रश्रुदः। स्रवतः श्रीय। देः न्वाचिन्यति विसार्क्य लेवा या श्चीन् केवा सर्वेद सुः सेन्य यस्य प्रस्य स्वर्भ सुँद वास्य प्रस् क्रिंदी अदिसूर्या प्रस्था द्वारा होता देश द सुका कर सम्मे यः भू: नुन्। करः छः रवा वें सुवाः कुः श्रुवायः वहें वाः कुः ने कें वाडनः नवें या ব্রিমামী দ্বর্দীম দেশ নহর্ষর মী নহর্ষদাম মৌদা নির্বাহ্যাদা সদেশ মৌমা শ্রীমা স্থীম স্থীদা न्वींया क्यान्यन् द्वीन्ययायक्ययायीकेन्। वियायोव्यवायावाने क्यायाने प्रया न्यक्तुः येत्। श्रैवायदेः यथातेः यश्चिवायम् यात्रववायात् प्यायसेया पेटावीः व्यन्याधिता हैतारे नाउन स्वात नेति हैंन की नायर तथेया हु व्यन्त येययावन केन् कुरेन इन्यम् सून वर्ने रेन अयदे तुलिन सेवर्त्य <u>रास्ट्रेट दयास्रुवायते सुरादेशकारीयाय विषाणी दर्शना सुरादेशका श्रीदट दुर्शेका द</u> ब्रॅब्ग गुर्हेर होत हो सुरा देवाय स्वाय स्वाय स्वाय देवाय देवाय होता हो स्वाय स्वय स्वाय स ब्रूट.य.ड्रीयवृत्तुर.क्यर.लूर। बरम.क्य.क्य.क्येच.क्य.क्य.व्यत्तुव.क्य.रट.ह्येव.जय. য়ৢঢ়য়৻ঀ৾৾৻য়য়ৼ৻য়ৄয়ৢয়৻ৠৣৼয়৻য়ৢঀৢঀ৾৻ৠয়৻ঢ়য়ৣঢ়য়৻ঀয়৻ৼ৻ঢ়য়ৢঢ়৻ৠৄ৾ৼ৻য়৻য়ৄৢৼ৻ঢ়৻য় नर्द्राञ्चेते क्रुवार्रम् याष्ट्राय्येत्। देते वदःवयात् नात्रदे नर्द्राञ्चेत् स्रोत्राञ्चेव यसः तर्ने तर्वत या भू के विभानु यत्वा ता स्वाया ग्री भू के अया कु वे या वया व स्वाया ग्री भू के अया कु वे या वया व यालेवा प्यत् त सुवायाया वारू राया या रेता नेया त राया विवाय स्वीया स्वीया या विवाय स्वीया स्वीया स्वीया स्वीया श्चेर्राप्त म्याया स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत श्री सुर्वेश श्रोत्राश्चर्या प्रवेश वर्षे ता होता वर्षे ते हित्र प्रवेश स्वेत स्वेत स्वेत स्वेत स्वेत स्वेत स्व न्यम् योन् यदे सुम्यान्य न्य न्युरे स्योन् न्युरे साम्यान्य स्यान्य स्थान्य स् वर्वे न की बेन कुं रु र विबेद रे न रे न रे न रुद की दर रु व्यय विवेद को र पदि हुन्य प्येत्। देवे श्वेर-दुर-विश्वेर-पेर्द-द-द-केर्द-द्रशायनवायाया श्वेरा-दर्ग यनवाया र-द्रवाया श्रेषायदे थें ब हुव से दा

यक्षेत्रः में अप्येषः यदेश्यक्षः सुदः यय्वाषः या

श्चित्रअर्थेयान्वरःश्चरःवार्थवायार्थेवायास्यः। ।नेःवीःर्वेयायान्यार्थवाःश्चरःयः नेषा | प्रकायते सूर पर्येषा या अर्थेषा विषय मिष्या | विषय म्युर्य है। श्क्रित्र र्ह्ने प्रत्य प्रमुर या र्शेन्य र्ह्मित र प्रदा विराध है। य वर प्रश्नीयन प्रमुद्धि । वर प्राम्य प्रमुद्धि । वर प्राम्य स्याम् न्या प्रमुद्धि र 'बुग्रया नगेवि' अर्केन्। यासुरा'याः स्तुन्यः सुः सेटः सेटः स्तुन्यः याब्ववः इ.र.व्याः सेटार्यः । श्चित्रयात्र्येतिः द्यायाः श्चितः कः अञ्चतः द्राद्यः प्रक्षाः प्रदे त्यश्चतः वुः श्चुदः श्चुः प्येतः वियाप्ययः मिर्या हे भ्रित्या वर्षेत्र में या विया किया यी स्वर्ध में स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य याचार्ययान्दराचरुषाया निवरानुषा निवरानुषायीन्त्राचीर्यस्य स्वित्राचीर्यस्यायाः चल्रेत्र लेश विश्व स्त्र हो देश देश स्त्र र्शेन्यश्चरित्रदः दुः चुदः रुवः योग्ययः र्बे्यः चुद्यः ति । देदः त्या चुदः रुदः स्वीदः वेदिः वरः रु: सेस्र अं उत् क्षे देव वुरा हे मालव देव सुन या प्रेव। मालव मार्वे द माले दर नडरा यः र्ह्येदः वाल्वतः यवः वाले द्रदः वरुषः यः श्रुवः यः धीवः लेषः विषः विषः ह्यः यः धीवः ग्रुदः देः भ्रः क्र्यायान्या अत्या विषया विषया । क्षेत्रा विषया विषया विषया । क्षेत्रा विषया विषया विषया विषया । क्षेत्रा विषया विषया विषया विषया । क्षेत्रा विषया विषया विषया । क्षेत्रा विषया विषया विषया विषया । क्षेत्रा विषया विषया विषया । क्षेत्रा विषया विषया विषया विषया । क्षेत्रा विषया विषया विषया । क्षेत्रा विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया । क्षेत्रा विषया विषया विषया विषया । क्षेत्रा विषया । क्षेत्रा विषया विष यदै: द्वर वीया वरुय यदै भूर व र्षेष य सर्वेष ये विषय विषय गर्यस्याने। र्वेर विर स्वायाग्र्या की स्वीति स्वाययात्र्या विर वी हेया

तवावानुदानाम्या अर्थान्य विषया गशुर्या क्री खूँर्या या यो वा या दी या या पुरत्या क्रुं क्षा केरिया चेरिया चेरिया चेरिया या प्रदर्श तर्च परः श्रुपः रेनेते ज्ञायः चुः विका सेट पाउँ सान्दा साम्यास्तरः पान्दा परः नुअर्रे अर्भिन् अर्वे व्यानविन् रेट् कुं बेन् न्वेन विद्यालय कर्म केंट्र न विना अर्थे । त्रश्रुट-चु:न्यःक्रेंग्'त्रश्रुट्यःत्र्यःक्षेत्रःचुःद्रञ्ज्यःचःक्षेत्रःन्त्रोयःयः रेत्। न्वटःतुः यह्यायहा न्याक्ष्यायुहायह्याहरात्। क्रुन्स्ये दुवार्या वाहरात्री न्यहा थेव यदा सुवा द्वाद तिवालु विदेश दिन रामा क्रिया स्वाद रेखा सर्वे र द् नवरः ज्ञायः नुः तनुः वायः तन् हेर् वायः यदेः वसूतः यनुः वयः यदेः हवायः यो वः वायुः द्यायः येन्। 'र्युट'हेर्ग्यायाहेर्यायादे प्रसूदायादुवानुयायायाया क्रियायाचे वायायायाया है' देन। श्रेःक्षुःदेश्चित्रसम्बर्धाःक्षेत्रःन्दःभेति । क्षेत्रः विनःसुत्रः वासुद्रस्यः । लबाक्निवर्षकार्सुर सुर वर्षेर लोब क्री जाबर नेबा स्ववा वेबार पर्या क्री सेवा नाबर य लेग सुन यदे केन रेन्। केंग विन की स्रायम स्रान्ने रे स्या रे लेगा चिर-र्ञ्चायाम्बर्धयाची:र्ज्ञ्च्यान्याक्ष्यामी मन्द्रान्द्रन्त्र्चे त्युवायानेयानेयान् ५ यार्चेन नगर विया वृष्ण व वृष्ण यारेना वेषा हे वृष्ण याने व्यार्चेन क्षे प्रेर ह्या विया वर्ग्चरवर्ग्च विषयो । श्रुष्येरवेर्ज्यस्य अप्याप्तराम्य । श्रुष्येरविषया बुषाहै। नःगर्नेनःशुदायायाययनःनर्गेषा नेषात्रःसराम्बदायोग्रयाः য়য়য়৻ঽৼ৾৻য়ৢয়৻য়ৄয়৾৻য়ৢৼ৻ঀয়৻য়য়য়য়য়৻য়৻ঢ়ৣয়৻ড়ৢৼ৻ৼৄয়৻য়ৢয়৻য়য়৻য়য়৻ঢ়ৢ৻ ঢ়ৄ৾য়য়৻ वितःश्चीर्देवायायम्बायाद्वार्दरायम्बायाद्वीत्रायेदाश्चरा। गुवार्द्धवाङ्कीयाद्वारी

वियायन्यायायङ्काञ्चराय स्टान्त्रीयाय स्टान्

यनम्बार्यस्थात्रस्थाः स्था स्थान्त्रस्थाः स्थान्त्रस्थाः स्थान्त्रस्थाः स्थान्त्रस्थाः स्थान्त्रस्थाः स्थान्त् स्था । पद्गः प्रवास्त्रस्थाः स्थान्त्रस्थाः स्थान्तः स्यानः स्थान्तः स्थानः स्यानः स्थानः स

यिष्ट्रेयायात्रसायमास्त्रमायद्वीतायदे स्रेतिसा

यक्रियं प्रत्यविष्य विषय्वसूर्यक्षि स्रुव्यास्त्र स्वर्था सासर्वेदः चल्रेन दुर्मे मारा मुकान महिमार्चे वाय होता है। द्री विश्वास्य स्था हि.क्.यह्यस्य स्थितः स्थान्य क्रियः प्रस्यापनियाः विश्वा यदे दें के तदे चर्या या अक्षा की द्वर दु वुषायदे सूचा या वादें साया दरा वहिनाराञ्चन वर्दे वहिन हेत् श्रीन्तर नु सुरान्त्र विया पेर्प या हो। हो सामा चलेत्र-दु-चन्द्र-चन्त्र-वा-वा-व्यावसूत्र । विद्यान्द्र-दु-व्यावसूत्र-दु-दु-व्या-वी-विद्या-विद भ्रीमा मी श्रासी स्थित में विश्वामा सुर्वा स्थाप स ग्राम्य अर्थेन अर्थेन स्रुवान्य विष्यात्र वा स्वान्य अर्थेन स्वान्य स्व वयार्वेयाग्राद्यायत्रार्वेषायार्थेद्रायायारेद्रा तृषार्वेयायदेश्यायात्रायाया रेता मलक्रतमामीयासर्वेदासेत्रानेयासेत्रास्त्रसम् सुन्दाद्वयादर्वेदास्त्रमः इस्रयाची इस्रान्याची सेयाची यासी समें स्वान्य विया पेना सम्याची स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य वर्ष्याम् प्रदायाञ्चीतार्यादायायीत्।

गुरुषायार्थेर कुन्यदे सेंचर्या

ध्रितःकन् र्बे्स्स्रेस्स्रेस्स्रेस्स्रेन्द्र्यः स्टब्स्या । ध्रितःकन् र्बे्स्स्रितः । विरुप्त स्टित्रः स्टब्स्स्रेन् । विरुप्त स्टब्स्स्रेन्य स्टब्स्स्रेन् । विरुप्त स्टब्स्स्य स्टब्स्स्रेन् । विरुप्त स्टब्स्स्य स्टब्स्य स्टब्स्स्य स्टब्स्य स्टब्स्स्य स्टब्स्स्य स्टब्स्स्य स्टब्स्स्य स्टब्स्य स्टब्स्स्य

वियःयन्यायःयञ्चः श्रेयःयवरः वीः वयः यश्रुरः।

श्री वितःकनः र्द्धेसः स्रोस्यास्य नित्रमः वित्रमः स्था वितः कनः र्द्धेमः व्यानयः स्थाः श्रीन्वेदिःयय। विषाम्बर्धन्याने। नेः क्रेव् व्ययापन्य प्रमायाय पर्वेद पतः भ्रीत्रभावन्यम् या व्यापादा प्राप्ता प्राप्ति । प्र रे'यनवार्यायहेवा'सूर्यात्र'वर्वा'व्यर्यायेत्। शे'वर्वा'यर'यः वर्षेवा'य'र्'तुर' ञ्चवायर खुँ य रेदा विते खुँर लेदा दवी प्रमादिन है से दवी या वित्र है श्रेश्वराच्यायायायायाया विषानासुरमा भ्रेनायायाध्रीत्रकर भ्रेंगा शेसरायहर्वा देविया से दार त्युरा श्रीरासा द्यारा श्रीरा श्रीराध्य रासे देविया বমবামারের্রীবার্থা ই:য়ৄরান্ত্রমার্কমাবারমমান্তর্বার্কমার্থা মীরেমারা ५८। श्रेम्याया वर्षास्रेन्या हेन्स्स्रिस्स्रस्य वर्षेन्यस्यीयः हेबायार्वेराष्ट्रा बेटबावदीत्यायनवाबार्क्याहेबा नुवानेबायलेवानुः सूर्यः शे त्र इत्या सूर्य क्षेत्र कर्ष त्र के या श्रेषा या या या स्थित । यस स्थाप ब्रेन्या न्द्रश्यी पश्चित्रश्रेश्राया प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्र प्र ह्में र रोग्रया हिंदा पार्टिया विभया श्री सकेंद्रा प्येत्। दे प्येत्रा स्वेर स्कूर पारी स्वेराया प्रवर् ব্যা

नले'य'हेत्'श्ची'क्रेन्या

चेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र व्या विकास क्षेत्र क्

वयात्र्वीत् यात्र प्रवच्या हे ते सूरायनवायात् वते प्रयापनिवायायाः क्रियायार्वेतः न्यवाः सेन् : सुर्थः न्यः वरुषः यः वस्रवः स्थान्यः स्थान्यः । वस्रवः वाल्यः सेस्रवः स्थान्यः । वस्रवः वाल्यः सेस्रवः स्थान्यः । वस्रकारुन् ग्री:कुन्। ज्ञानायावादायकार्येयानायत्वेतानुः पेरिकासुन्यार्रेटायार्डेटा यनवाराणुताहेत् क्वीः हेत्ररासु पत्रुत्त त्रायनवारा द्वीरा दे स्रायाहेत् से ब्रैंचर्यायदितः ब्रेंच्यायययययाया च्रियाय द्वीयाय है। सुरक्षे स्वर्धिय स्वर्ये स्वर्य स्वर्ये स्वर्धिय स्वर्धिय स्वर्धिय द्रन्श्रीयर्न्या यर्म्यायम्भयायः सूर्यस्ययास्। स्थिनायः विदार्भयाव न त्रश्रूर। विश्वानश्रुर्वाराः भूर। दुवार्भरः र्यानभ्रवानः सूरः स्वास्तरः र्यार नयम्यायायते स्रीमाया से मान माने स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा स्वर्धा स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर क्र्यायदुः श्चे व्याययवायायः देदुः श्चेयाः या स्थया उत् चित्रः श्चे त्य या या या स्थाय नभूताना भूट वी सुत्र त्वा प्येत प्यट स्यट सेते ते दिन विवा वीया सेता सुता प्राप्त स्थित । म्याया उद् । चीद : स्रे : द्वा : स्रो <u> न्याय तर्म संभाव व संभाव व संभाव व संभ</u>्या स्थाय स्था स्थाय स्याय स्थाय स्य त्र । वितःह्वायारे रेदे यदः शुद्र यो । स्निया वया श्रेवायदे स्नेदः दुश्वाया श्रेवः શે.ર્2ા ફ્રેંચ.ત.વુંટ.ર્યાસા.ત.ક્રેંચ.ક્રીય.કુંટ.ર્યાટ્યાતા ક્રમ.કુંચ.ફ્રંચ.ત. ब्रु-रे-धीद-ग्राद-प्रवाशक्षीयाधी-विपायाधीर-पूर्वीयायासेत्। वाद्यास्ट्रीद-याधी-सुर-श्र्यःश्रुप्तः स्वर्वः श्रुश्वः श्रुः नृत्युः पश्चः स्वर्तः प्याः पश्चरः । इयः परः श्रुरः वित्र पते भूवका भुस्रका सुञ्जू दका है भूवा या दवा वका दवा वर्षेसा पते वी वसदा विवा

बिद्यमदे चिद्रामद्रम् स्वर्ष्य स्वर्ध स्वर्ष्य स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष्य स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वरत्य स्वर्ष स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वरत्य स्वर्य स्वर्य स्वरत्य स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः क्षीतव्यव्यात् वित्रा वार्ड्स् नवार वे त्युन् स्रोन् त्या कवाव्यायते स्रीवा उत्र लेवा प्येत प्यान ৡয়৾৻য়৾৻য়য়৻য়য়ৣ৾য়৾৻ড়ৢ৾ৼয়৾ৼ৻ড়ৢ৾ৼ৻য়৾৾য়ৼৢ৾য়য়৻ৡয়য়৻য়ৢ৻য়ৢৼয়৻য়য়৻ৠৢয়৻য়৻ৼয়৾য়৻য়ৢ৾ৼঢ়য়ৢ৻ यक्ष्यायपुः यद्यमायुः विवा क्षियायाः मोवायाः स्वायम् । यद्यम् । यद्यम्यम् । यद्यम् । यद्यम्यम् । यद्यम् । यद्यम् । यद्यम् । यद्यम् । यद्यम् । यद्यम् । यद्यम हेत् क्षे क्षेत्रयाष्ट्रययास्य सुः ह्वरया हे र्थेया या द्या द्या द्या स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य स्वरास्य यर बुच कूर्यकर यया श्रद श्रुप्त यथा । श्रिष्य यया प्रतः स्वयः यप्त श्रुप्ते लरा अन्यास्त्रियास्यास्यास्यासे । निर्यादास्यास्यासे ब्रेन्-चलेवा । लेबानासुरबार्बा । ने इस्रबान्न न्ये मुन्स्रे स्वेनायान्नायार्वोदा र् प्रवर्धियायायर्गकुः विराधित्यायेत्। हिः सुराद्याले वाज्ञायाञ्चेवाद्याया यःभुःतुःभेदःगस्दर्भ। सूनाःयःस्त्रेदःभुःतुषःत्तुःयःस्त्रेत्रयःहेःश्रेःयस्त्रयःयःतुष्ययः स्रवास्त्र में भूवासायववाबावान्य में भ्रीवाद्य राष्ट्र में मार्थित त्या में विकास स्वास्त्र में स्वास यर.पर्किर.में.लूर.कुरा.योशीटको विस्तर.में.चिस.कीय.की.काशाका.कुरा.चुर.में.की. तायर्यात्राङ्गेत्यात्रेयात्रप्रभूते क्रियाञ्चयात्रिया देख्यार्यो प्राप्त कुर हेन् था ह्वा । स्थ्रीय या स्थ्रीय या केवा स्थेत या केवा स्था स्थ्रीय या स्था स्थ्रीय या स्थ्रीय चुरः कुनः बेस्र व्यवेदाया । द्वो या ब्रद्भानः वी वा चेद्राः चीवा चीवा या वेद्रायरः वश्या विषयो । भ्रेषाया भ्रेषाया भ्रेषाया । भ्रेषाया भ्राप्त । यिष्ठात्राः श्रीयः यः द्वाराः स्त्रीयः यास्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्राः स्त्रा यर्-दरा यर्-वानेवायःश्ची-यनवाया यनवायःश्चिर्-क्रेय-द्वीरयः रयः

यद्यभयात्रान्त्रें त्रम्यां स्त्रित्वा स्त्रें त्रम्यां स्त्रित्वा स्त्रें त्रम्यां स्त्रित्वा स्त्रें त्रम्या स्त्रम्या स्त्रें त्रम्या स्त्रें स्त्रें

नवि'यः श्रवा देवा वी वाहेत ये हिषा शुः धी रदः ना

ने त्या विष्ठेश है। हेश सुः धी स्टा वी स्वदः धेर्व : इत्या स्वदः धेर्व : इत्य : इत्या स्वदः धेर्व : इत्या स्वदः धेर्व : इत्या स्वतः । इत्य : इत्या स्वतः धेर्व : इत्या स्वतः । इत्या स्वतः धेर्व : इत्या स्वतः । इत्या स्वतः धेरा स्वतः । इत्या स्वतः । इत्या स्वतः । इत्य : इत्य :

<u> ५८ से हे अ शुः धे ४८ मी यत धेर्त ५५ या</u>

यदः स्वायायाः सुन्त्रादे यहेन सून सुन्यायदे यसून या रेन ये के ही ने राहीन यदे केन नु ইন'নমম'শ্বীম'নাম্ঝম'নেকন্'শ্বিন'শ্বীম'নাম্ঝম'শ্বীম'শ্বন'মন্থেন'শ্বীম'শ্বী' नन्ना हेन् उद्या वहें त्यु र खेवा न्यु या मुख्या की सहें न्या सा से न क्री र निव र पेनि या हेन'यवि'यर्जुया'यया'विरःदरःगान्'द्रावादःरायःयाच्याच्याचार्यःद्रवो तद्नुन्दर्यःयदेःयङ्गेः यवया नवीं तर्व त्यानक्षेव नगुर क्षेत्रे के न नुप्त विस्थान न निव स्थान क्षेत्र स क्षु तह्र्यायायतः स्रेत्यासः तह्यायायायायायायाया यद्रायायस्य स्रोत्याया स्रोत्यायस्य विवा समुद्द यदि द्वो स्र के कुट वाट म्रोद ग्रीक व्येद या में व्या में द्वा विवा ने व्या भी द्वावर वराखाविने सन्देशने त्या वर्षात्र वर्यात्र वर्य वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र वर्षात्र व दर्वः प्यतः वित्रः व्यत्रः के सूत्राः यदेः स्वतः देवा ५ ५ ५ ५ ५ ५ वितः यः केताः वित्रः चलेट्यायर्वा देन्रकॅट वी न्वेंब्याच्यानेति प्यत्याने चक्वा व्याप्ते स्वत्या स्व श्रेमश्रीमन् मन् स्वाद्वानी स्वाद्वानी श्रेमश्रीम् स्वाद्वानी स्वा वयान्वातावयाहेयासुःधारमात्रा । नेःधावर्यन्वययास्यस्यानुः विवायमः यात्याहेशासुःषीप्रमानुष्याद्वादेवीप्राच्यावस्यावतुमानुष्याद्वीप्रमानुष्याद्वीप्रमानु व्यायर वासुरसार्से । विराधीत सूरायाया क्रींट वासुसारी स्वाराया याबयायमार्क्रन्या ३८ तुरा । हेमासुध्धार्या राष्ट्रे विष्या । विष्या याश्रद्धाः विकुत्रेयायादाययायात्रियाः स्वाद्यादायादाययात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रा केव नर्शेन दर्गे राज्यसम् स्थान स्था

म्बेश्यासाहेशासुःधीः सदः दर्देशाचन्द्रास्।

नःवास्त्रमञ्ज्ञो क्षुत्रयम्भःक्षेत्रन्ते न्वाः क्षुत्रयम्भःक्षेत्रन्ते । व्याः क्षेत्रः क्षेत्रः व्याः व्याः क्षेत्रः व्याः व्याः क्षेत्रः व्याः व्य

५८ में क्रु तथवाया ग्री ५वो च क्रु वा धी ४८ वा

 देश्वीर त्ययाया स्वयस्त द्वास्त स्वर्धा क्षिया
 | द्वास्त प्रकार प्

वियायन्यायायञ्चः श्रेयाय वटा वी लयाया श्रुटा

म्हिरायाचेषा केत् क्षिप्तमे पायाधी स्टाम

मुंशेन स्थान स्था

यययः विवा त्या त्या है त्या क्षेत्र त्या विष्य त्या विवा विषय त्या विवा त्या विवा त्या विवा त्या है विष्य त्या विवा त्या विवा

गर्युयाया सुत्र सेर्ट की द्वी या स्तुष्य प्याप्य स्टाया

षियःयर्गःसःसङ्गः श्रेजःयबरः मी ल्यः गश्रुरः।

यदः में या तद्देतः स्ट्रेट व से या से म्याय स्ट्रेम् क्वा साम दे से विमा मी सहस रु.पर्क.वोष्ठाः व्यव्यः विष्टः विष्यः विष्टः विष्टः विष्टः विष्टः विष्टः विष्टः विष्टः विष्टः विष्टः म्बेर्यायाचित्राधितायाचेत्। देवित्वताचीत्रुत्तुः क्वेंब्रीवित्र्वान्धित् श्रीक्षायाधितः प्रमानवरावातर् प्रमान्त्रीया वितायरात् क्षेत्राक्ष्मायाव्यस्य स्थया क्षेत्राक्षी ঀ৾য়য়য়য়য়ৢড়ৢঢ়য়য়ৠঢ়য়৾য়ৼয়ৼৼয়ৢয়য়৾য়ড়৾য়ৼয়ৠৠৢৼড়ৢয়৸য়ঢ়ৼৼঢ়ৢয়ঢ়ৢ৾ঽ ग्रीरेवा वालुर ५८। अर्वे र अप्तव्यायदे यस पर्वे अप्तर्भ स्त्री देवाबारुबायबाक्यायदाविदादुवार्क्यावासुमाधीरविदासीसारकेवा श्वीरावदा क्रमान्द्राध्यान्त्रम् विष्याचेत्रा केत्रा क्षेत्रा क्षेत्र क यवात्रेष्रायात्रदेवसाद्गदुरायाद्यायाद्रा विभाग्रहेषायाविदे राद्वासाद्राद्धावदः मैं अर्थे वर्रे न्या है र्रथा सूया दवर रूर अवे सूर नु सुर हुँ य्या विवा स्वान में या रेना श्रॅवा गर्डेन सुर रायदे सेट नु श्रेवा वसुवरात सुदे तु ग्रुत न्वादे वा हरा सुन सुन तु त वैरःविषाःयःचनदःयःचनिषा सुःश्रीवःश्चीःविष्वरःदुःसुंदःग्चरःश्चीःवा सुःवरःदुः सकेट्रान् कुरा हुर दु से हिर पर छेन दु हिर पेट पा सकेन छीरा प्रकृत से से क्रेंद्राया व्यवास्मित्रं वर्षास्मित्रं स्थायाद्रात्त्रं स्थायाद्रात्या स्थायद्रात्त्रं स्थायाद्रात्या क्ष्यायाने तदावर्शन् वयया उव क्षीय सुतव्युव क्षुण्येन या रेना के वार्षवाया व वया वक्रीक्षान्त्रीत्। क्रेंब्रत्स्यम्बिषाक्षीत्र्याक्षीत्र्यान्तरः। न्रीयायाक्षीत्वर्यस्ययात्रयः वयाधेवाधरादेश्यामववातर्वाधा य्रीनवीयायावयावयावर्वादेना क्षित्र तर्वा या वर्दे के व्यवदा के बरा श्रेवा सुद्धे दायश दवाव लेवा देया श्रे विद्याया से दा

श्चेत्रयानिहरानित्राकेना ग्रामा श्चेत्रया सुन्या ग्रीश्चेत्रयानिहरान विदेशीत हो। इन य हेर प्रविद्या त्या हुंय विस्य शीन र न सम्मित्र स्पृत्नी परि सर्हेण हैं पर्दे धेव हो। वदे सु हो। श्रें वा ह्वेव सवे हैं वा विश्व श्रें विश्व श्रें विश्व श्रें विश्व श्रें विश्व श्रें विश्व श्रें क्रैंब पति क्रेंब प्रत्या याया विद क्रिय सेस्य द्राय देस या क्रेंब प्रत्य क्रेंब प्रति स्व ब्रॅव्यानक्रुवयायान्द्रा व्यवस्यावस्यात्राह्मयाच्याचेत्राक्र्रस्याक्रीत्राक्रियायद्रा ह्र्य.तपु.श्रुच। पश्चीयश्चातपु.ध्या. वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः श्रुच्यः वर्षः श्रुच्यः श्रुचः श्रुच्यः श्रुचः श्रुचः श्रुच्यः श्रुच्यः श्रुच्यः श्रुच्यः श्रुच्यः श्रुच्यः प्रशादियात्राच्यात्राच ययायार्श्वेतान्वेषा वर्नावयार्रा रेषार्श्वेवायकेत्रार्थेतावान्यास्त्र् अट्याक्चित्राचर्ट्यात्त्रव, यद्याक्चिता. तृष्ठि, विचा ची. क्चेंट्र, तृष्ट्र, तृष्ट्र, द्वेंच्येंट्र, क्चेंट्र को. द्वें वर्षः चक्किःस्वाःस्रेनः नरः चरुः वास्त्रः नरः सहसः न्यविवासः सेनः स्वान्या वर्डेब्राव्युद्दावद्द्वराधीयाम्बर्द्द्रवाय। दाम्बराधीःव्येद्दायवाचक्रीदावगुराद्येदायदेः यार्थवा डेया दर्वो अर्थे ले अर्यापत सुर्थ यथा गुत्र ले अर्गो है हु दूर । दें द्रसूर ५८। वृ देते चु ५८। बेतु त्वाय क्षेतु त्या श्रेषा श्राय कु च कु र्ड अ लेवा वीशा विंदः इस्रयः क्षेत्रः प्रस्नेतः प्रगुरः द्वेदः ते लेखः देसः प्रापः प्रवेतः दुः पर्वेद्यः सूत्रः वद्यः व्यालुखः यथा वर्डेमःसून्यत्र्यःश्चीमःसुः पदःयायान्तरः। देवेःक्रेंसावनानायमः यद्यः चेत्राज्ञित्राचर्र्याः स्वतः तद्याः ज्ञैत्राः स्वायाः से वादः त्या वा ५५ : पेदः पा से द्योद्याः जीतः थेन्यायम्बाबार्केगात्रान्वादार्वेत्यान्वीन्यायेन्यानेवाने। यर्केवा सुनाविष्यामा गुरु-द्रवादः वेदिः बद्-द्र-बेद-द्रवाद्येद-श्रीवादर्क्याः ध्रुद्र-तद्वाद्यः वस्त्रेद्र-वगुर-द्याप्य-द्र-द्र-न्यानर्देयाः सूत्रात्र या श्रीयाः श्रामः विनायन विषायः निर्मान्याः विषायः स्थान गुरु द्वाद वें रावद्या दे वर्षे राव्ये राष्ट्र व तद्या या व स्ने द्वाव व स्वाद स्वाद व व व व व व व व व व व व व

वैव ह न सून पर दगर्वे । पर सें तु त्वा व स्तु त्वा व सुव न सून व स्तु व न सून व स्तु व न सून व स्तु व न सून व स देशःङ्क्षर्यायः दायावर्देद्धाः वासुस्राधेद्दावर्डसाः स्वतः व्यक्ष्यः देशान्त्रसान् वास्त्रदानानुसः चुःलेबालुबायबा वर्देन्यामधुस्रायामाले वार्वे भ्रीम्मवन्याम् सम्भादाः वाच्यान्याः वाच्याः वाचयः वाच्याः वाच्याः वाच्याः वाचय व्यवाद्यायाव्यव्याद्या वयावर्षे वर्ते न्यर्के यथ्व वर्षा श्री सुरायद्वी व गायानर्डेयाः स्वाप्तान्याने विष्यामान्या नर्डेयाः स्वाप्तान्याः स्वाप्तान्याः स्वाप्तान्याः स्वाप्तान्याः स्वाप योग्राशं त्रिया केंग्रापदे प्रमाद त्या प्रमाद प्रम प्रमाद प्रमाद प्रमाद प्रमाद प्रमाद प्रमाद प्रमाद प्रमाद प्रमाद यन्त्रोः श्चेरिः गुरु न्वादः विदेशम् । वया अविष्यः यः प्येत् । यथा दवादः रेषा वया विष्यः श्चेरितः ॱॸॖ॔ॱक़ॣॆ॔ढ़ॱय़ॱख़ॱॻक़ॢ॓ढ़ॱॻग़ॖऺॖॖॖॖॸॱॸॖ॓॔ॱढ़ॊॺॱॾॣॖॱॻॸॱऄॱढ़ॻॗॸॱॻढ़ॱॺॗऀॸॱॸ॒ॸॱ। ॸॖॺॱढ़ऻॺॱ विट रुषारेषा यायवाषा हे तदी वे दे सर्वर सुद रु बुद वते केंबा के विषावगात सुवाया व। वर्विरात्त्रस्याक्षेत्रेस्य पुराते। न्योः श्चेरिः गुत्रान्यावः वर्षे केवे श्चे केवे श्चेतः श्चेतः श्रीया रुषः सेर्दः या सावयाय र श्रीयः चेर्यया वर्षेयः या स्रीयः या र्केष्यमञ्जाला वार्या से देवा वी संदेश के बीट विरास रे मिलेया वा वार्या से बीट र् द्रवर क्रुर वरि क्रुय में बिवा भेदा क्रुय में दिव स्र अर्के द क्री रेवा वा भीवा साम स्र स कु:म्रीं हु:बेर्या द्याप्ती व्यय हे म्रीं हु बेर्या द्यापा दे हुया द्यापा प्रमुद् म्बार्क्स क्षेत्र विश्व क्षेत्र क्षे र्भे इस क्रिंग् क्षेत्र स्थाने विष्य स्थाने विषय स्थाने स् पश्चाहेराक्षेत्रक्षात्राचरम् व्याचार्याचा विष्यामुक्षाया ने सहिराक्षित सुर्वा या लेवा प्येन्। तुरी सर्वेद त्या यह वा साम स्वीद त्या हुन या

केत्र ये प्राप्त निष्ण क्षेत्र प्राप्त केत्र ये त्र प्राप्त त्र या विष्ण प्राप्त विष्ण क्षेत्र प्राप्त विष्ण यानुराकुपान्नेपविरायराधेयानन्निरावयान्निरावयान्तिरानुरान्नेप्तिरानुरान्नेपान्निरानुरान्नेपान्निरान्नेपान्निरानु श्रॅरःचन्दर। सून्रसंस्त्रुः रुःश्रॅरःक्वें स्रीःवड्नःदरःश्रेःवड्नःस्ररःस्यायश्रव्याव्याद्यः न्दरःश्रेः वर् अर में ब्रिन् चलेत प्पेन पर अर्थेन। नेवे तर त्र महूर में हुआ बना य वनाव रेकार्क्केट के बिदाया विषय प्रत्याची कार्केषा क्रमाका कर में प्रकार है समाका या प्रत्यु यः ५८। विराधात्रुस्रयाश्चित्राविरात्त्रेयायदेः वृत्यानु ग्रुष्याद्युत्रस्य विष्याद्युत्त ८८। ४.८.४ अय.ग्रीम.४.मै.पर्श्वायाययात्रेयारात्र्यास्यायाः श्रीट्याययात्रेयायाः য়ৢ৾য়৻ঽয়ৢ৾৾৽য়ৄ৾য়৻য়ৢ৾৾ঽ৻য়৻য়৻য়৾য়য়য়৸৸৸৸য়য়ৢয়৻য়৾ৼয়৻য়য়৾য়য়য়৻য়৾য়য়য়৻য় यशसूर्वेष्वरायास्य संग्वरायम्यायात्वेदायेद्वरायस्य स्वरायेदासूरि हेतेः श्रेययः भ्रेयः हे द्वियः दुः ध्वेदः दया वियः द्वीः यः यः वादरः वः दुः यः हे वियः दर्गेरः यहिंदः श्चीत्रदात्र राष्ट्रीत या विया या हिटा द्वीया विया विया कें यया यात्रदाय ये विया ये हे त्र या श्चीत यानहरानहरासवराञ्चनसाविषात्यायते प्रतिरास्त्रीं रास्त्रीं रास्त्रीं स्त्रीं साम्रास्त्रीं साम्रास्त्रीं साम्रास र्शेट्। देवराद्गेर्यस्टिन्धेनिहेर्यात्र्यस्याध्यायाः सुराहेद्वावर्षे विद् व्रें र इसम् क्षेत्र सर्वस्य स्विन द्वारा क्षेत्र नातः तस्य दिन दिन त्या हे त्य दुन विष्य ह्यूस डेबाङ्गरायमा देवयादे द्वाचीया व्यवसञ्चर्से केवाया ग्रीया सहिद क्षेत्रि देवाया सा ब्रेना तु:श्चेत्रायाकेत्रायेकायदी:इस्रकाश्चिकायदी:सूराब्रेन्यायदी:स्वायाश्चेत्रायासी यर देश भेर । यर अय ग्रीशन्गाय प्रश्नाय श्वाय प्रश्ने के के रित्र स्था से देश ब्रेन देशमनदर्भाषीत्रम्या ने प्रयाद्यया मुल्द लिया पर्याप्त के प्रदा व्ययन व्यट्या ह्यें न त्यन यो न न त्यव्या स्वया स्वया

कःदेशःयःरेद्रा श्रेःतवादःरेशःबिदःयशः ग्रुशः दःद्रवादः बेशःरेदः श्रुशः र्रथालट.क्रूट.जयाचित्राय.ट्याय.खेत्राङ्गीत्रा लट.प्याय.र्रग्रसियोत.च्या.सीताय. देशन्वादादयालेशाङ्कुरु। देग्धूराददाधीदावस्य अन्तः द्वुरु। यादादेश न्यातःतन्याः स्रुवाः यविवाः वार्ववाः यानः त्यानः त्यानः विवाः वीवाः स्रुवाः सर्वेतः वरःवरावेरःत्युत्त्वरःवःत्वादःलेराङ्क्ष्याळेःतेःधीतःवात्वतःवर्यायःवात्रेर्यायाव्यवरःवः बुषायरायायायादीयात्रायाक्ष्रीयात्राक्षायाक्ष्रीयाक्षेत्रायायात्रायायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्रायात्राय चर्यस्य तदी चर्त्वेष स्यावर्षी चर्त्वी चर्त्वी चर्त्वा स्था स्था हो। वर्षे चर्ति चर्ति वर्षा स्था वर्षा वर्य त्र्वाः वीः चरः च वतः च तृदः वरः सः वर्देनः चर्याः विरादेवा स्वाः विराधिकः व्यवदः व्यया सेन्यया हैत विद्या विदाय विद्या ने त्या से स्था स र्था ।देवसायर सेंदावस श्रेंदा वस श्रेंदा वस सेंद्रावस से गान्ची यो लेख प्रति विकास्तर सुवा पे स्तर लेवा ५८ वस्त वस्तर वस्तर वस्तर वस्तर वस्तर वस्तर वस्तर वस्तर वस्तर व व्ययः वे :क्ट्रं वी यः त्रदे : दे : रटः प्रविदः स्रे यः त्रुः यः येदः स्रुयः दयः प्रविदः प्रविदः यः प्रदः पः प्रदः पः प्रदः । तर वेश हे वार्यर खर खुर खेर खेरा है र खेरा के स्वर्ध करें के सेरिश्वर द्वीर वार्य के स्वर्ध के सेरिश्वर कर सेरिश के सेरि थाबुवायाने सेटावयारेव ये केदे त्रीटार् प्रत्येवया केटाया समयायारेव ये के वाटा मी प्यया प्यया प्रयाप रेवाया द्वाया है दी द र या दी र तह सा तु ही ट र र स्याप सर्वे वित्र मुर्द्धिर प्युत्य त्या नश्चेन स्वर्भर । श्चेन या केन ये तर्दे न न व्या त्यान सेन मु वहें नदे भेर नदी के के रें रामु दिया सामहेर नर मुंधेर खुवा वा से वर्षे सूसा क्या युति कुल र्येते त्यम वय वे र तु ह्ये र पते के द र दु ह्ये र ह्ये पर के व रे प ह्ये द र दे

नर्वः व्यक्त्रम् स्वात्र्यात्रम् व्यात्रम् विषाः व्यव्याः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः व्यवः बुच तर्वा मालीया हु : ब्रॉट । यदालया यत्वा त्या तस्या सर्वो स्मतः स्वतः त्य्वा स्म वियापक्रायाच्यावर्षास्ता देवयावयापत्त्रायाकुक्त्यावयास्ता देवयारेविया वी:स्ररावर्श्वेवया रे:देवे:देर्वावा:वर्ष:देवाया रे:सेरावर्श्वेवयावयाः स्र नुः त्वा यनु तुः याययायया कुः त्वा या त्वा तृः यञ्जेयय। कुः ने ते व दः नुः योः ने वा यन् याः योश्रेरक्तिः अर्देग् उत्र क्रीसः वरः दुगः स्रुवः क्रीशः द्यीशः वरः अर्थेदः तृशः वुदः कुवः शेसरान्यतः ने श्चीया गुदः विवा परुषः ने ग्वस्यायते निदः दे त्वहें वाय बुवायायया युन्दिन्यामी ले सूद ले लेट मार्वे द्याद्य द्वाया देव या कुने देव यह मी यो हें मायह दि श्रेट दु र्वोक्ष या श्रेंका हे प्यट ल्वा या यद्व या खेट । दे व्याय द्वित कु यहेंदि या क्वा क्षे:श्रेव:सेंदि:स्रीट:रु:बेंबा दे:व:श्रेव:सेंप्दिष्णय:स्रु:सुट:प:सट:सेंप्पेद्रा दे: इस्रयासीयासिदः सार्स्टरायस्यामस्यानास्यानास्यानास्यानास्यानास्यानास्यानास्यानास्यानास्यानास्यानास्यानास्यानास्य न्यराद्युस्रसायदे सेस्राय सुनि हिना निर्देशसाय स्थाने द्रस्य स्थाने सुनि हो। ने वयायहरा सेंदि स्वा चीया होन् चार वया वेंद्र । चार न् पर्वो हैया यथा । नेया वि वें बैं : भेन विव : ब्रें वें र तु रेव : वें के वर्के य तु : भेर व : भेर : य वें क्रू य क : कर : य व न ने इस्रया ग्रीयाय ने प्रताय विवाधी से विवास प्रेन प्रताय विवाधी से विवास प्रताय विवास विवास विवास विवास विवास तर्ने तर्दति क्षेट क्षेत्र केत्र में द्रान्य प्रकेत त्र स्वाप केत्र में उत्तर विवार में तर्दुवा के या क्षूत्र वया नगतः हो सुति से न्यान निर्मान निर्मा निर्मान स्थान हो सुर से निर्मान हो न शूर्यात्रमः क्रिमः क्रीया वि. क्रूयायामः त्यस्या त्येया त्यायस्य त्या द्या द्या द्या द्या द्या त्या त्या व्या यायतः वर्षाः व्रिरः हेः नधाः स्वरः पत्निः पत्तिः सः रेतः नुः पत्ति पतः रेता नेः वर्षाः सेन् पत्रः . प्रुवः रेट : या तर्वो र : वर : नृत्या क्षी : या वर : विवा : या वर : य

सूर्यासे मा हे सर सेंद्र प्रमा यावर देते ही रेवा द वेंच सर से साम पत्र ही ही स वर्ङ्गेर र्षेर्पाया वेवमा बसमा उर् सुया वर्षाया उत्र श्रीमा वर र्षेर या र समिता देव्यापट व्यव्यायदेश्येयया मुद्देन व्यासुदि विद्याप्त विष् प्रथानहरू व्याचार व्याना निर्देशक व्याना व्यान में मुख्या विष्या कर्षा विष्या कर्षा विषय कर्षा विषय कर्षा विषय युषार्थेषान्ग्रीषाचक्कवात्रषासर्वी विषेषागाःसविरः क्षेत्रिया विष्ठन्ते वसून प्येन विनुवा श्चेत्रायाकेत्रायात्राव्यात्रात्राच्यात्रात्रात्रात्रात्र्वासूत्रायसूत्रायेत्रात्र्वा चुर्ययायदे:युर्ययायक्षेत्रायस्रोदःस्राचीय्यर्ययाय्यय्ययायः स्राच्यायः अर्वो यानहेरा हे अवर क्षेत्र र दुर्शेट । अवर क्षेण्य विवा वी वार्ड वे देव के दुर्श नर्तु भ्रीका नावया सेन्। यर नी क्रिंस केत क्री तर न् मूर्ति क्रुया से विना पेन्। श्रॅर कें ग्लू देश चुर कुव श्रेयश्रय द्याद यार्चर च द्रा व्याप द्रा कुरा विषय प्राप्त कें श्रीय वर्तेत्। देवस्यायुर्वः क्वायार्थेस्य विदायदेशः दुर्विः देवः दुः वादः वसः व्यदः वादः वसः विदायविद्या र तह्याच्चीर वी सी पीव प्रया तह्या तु च्चीर वया पीर पा पीव। वह्या শ্বীশরী:মান্তমান্তন্ দ্বার্থি জিশের ক্রমান্তমান্ত্রী ক্রমান্তর ক্রমান্তর করে ক্রমান্তর করে ক্রমান্তর করে করিছে रुः भूरः च रे र् वा व्यः श्लेरः च से व राव्या व्या श्ली र वा व्या व्या व्या व्या व्या विष्या व विषय विषय विषय केव ये बिन या भीन पतिव की वें रात् रेव ये के ब्रेस् नु भेर पार्थित वें रात्या रोका से स्वार्थित विकासी स्वार्थित स्वार <u>२५.ज.स५.च२चेश.तपुर.चशूर.पश्चराज्ञीश.शरूर्य.तपर्हूचेश.तपर.श्चरश.क्</u>रीश.तप् स्रुथः दुः वार्श्वयः तेषः स्रुक्षः यथा स्रुदेः क्रुवः यथः स्रुक्षः य। धेदः प्रति व स्रुदे र स्

रेव ये के वे क्षु के बिया भेव या या रेट क्रेट ट्याव के भेव यथा । ब्रिट वरे वे देव या <u> न्यायः यश्चार्यः विषा प्रक्वायक्षयः व्यायस्य प्रवाधितः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्ध</u> वर्दे व्याञ्चानाम्ब्रियाः यानतुम्याः हे नद्याः मी सर्वेद् यानत्ये यानि सर्वेदाः सङ्ग्रदान् वेदाः सु रेव में के ह्वेव लुषा इंट कुंच सेस्य न्यय ग्राट ने चलेव न्य विषा ह्वर्य वया ञ्च'न'गठिग'गै'कें'य'५४'प४ ने राम्यवग्यते केंया ग्रीद्रमा ग्राम्य राम्य विरादेते हैर यः मुदे क्वयः र्येषः सर्वेदः यः श्रुः व्येषावायः सुवा देवषः क्वयः वार्वेषः व्यवस्य मुदेः कुथार्थे अयार्ड्या यी वें रात् पर्योव्याव अर्ड्डिवाया केवार्थे व्यायस्था अर्डे अप्ता केवार्थे हिन NEN.क्री.तपु.चेषत्र.सीचल.सी.चटचे.विट.क्री.धे.चेषत्र.क्री.षष्ट्रचे.पै.क्री.दुवे.क्र ब्लेंब यस निवासी । ब्लेंब या केव येंबा वें रामु तरी त्या बुबाया है तर लेगा यें रामरा इैर्यायमा वर्देयान्यवार्स्नाहें स्वीतिवर्षेत्राची स्वीत्यायी स्वास्थ्य स्वासीया यार द्येषा सम्राम स्त्र द्येषा पर्दे र कर प्रति दुर द्ये प्रमान सुमा सुमा सुमा कुनः बोधावाद्यः सुनावाद्याद्यात्रः वर्षे राष्ट्रः वर्षः व याधीन् प्रवितानु सुवाकी तुषायर प्रवित्या ने त्रायुति कुयाये प्रवित्यक्षा ग्रीका श्चीयायानुयाने प्यटे स्वेट स्वेट स्वर्म अन्य निषाया ने दुस्त स्वेत स्वेत स्वर्म स्वरंग क्ची:द्र्यश्राताःश्र्वाश्राताताशायस्टार्क्रमःस्याता क्रमःयुष्याच्याश्रास्याःश्रीस्रा पञ्जीययान्यान्दर्द्वा कुलायेदियाः स्वाप्तान्यस्य स्वीत् स्वाप्तान्य र्वेर.प्.श्चेर.प.ज.ञ्च.प.महेश.श्.केंश.पसूत.व.प्रप्यापरःसूश्यापाववित्। यक्षियायानत्वायाने स्वयुवाक्षीम् रायदे केया यस्त्रायाम् वार्ये क्षायाम् वार्ये श्चित्रें र.त् रेत्र ये के न्यवा क्नि प्रवि श्वें र व्यक्ति विकास विवास <u> अट्याक्नैयातपुःभूत्रे, योषया श्रीक्रैंय जनायध्या । लट्ट्र्यायाभूत्रया स्ट्रा</u> चलेत सेंद चर्या वार्य र क्री स्वादर चर्गे द या सृष्य सुर तु लेवा प्यें द या या सूर क्री र क्री जीयां भी संस्थान स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स यदयःक्वियःपदेः से : यावयः देवाः हुः त्युः स्वयः स्वेदः यसः यह । वेदः युः तदियः न्यमा र्कन् नक्किन् स्ट्रेन् मी तिर्वर प्युमा मु के तिर्देन् भी कर तिर्वय स्थर स्ट्रुक प्यमा चिर-केच.श्रभन्न-र्ना सैयोग-यनभाषुयो.ययर-र्जु-सैयोग-र्नजुन्न-४ म.पह्ना-र्यः सैर-यो. हिंद: नु: न्यमा र्कंन: यनुदा सेंद: या या यो नेंद्र: ये के त्यन या मी तर्देर्-यानञ्जर दे स्रुयावया सृष्टिय हेर्-यते वे यात्र के र्वे या यह मार्था हे द्वीर प्युवा वा विवा केर सुवि क्वा वे विवेर यह वा सीवा हो वा वा वा विवा विवा विवा विवा विवा बुदःकुवःश्रेश्रश्चःद्रपतःदेःवश्चरुदः बदःदैदःशः विषाः दशः दिशः दिः द्वाः देवः वे किः लट.रेचा.त.धुचा.लुष.य.चरेचा.येषा.योचय.जा.यसीर.धीच.तर.कीर.कुचा.कुण.श्रीर्य.जषा. सह्र-त्रमा दर्तरः धैयायालेगा है : ब्रेमा ने समामा स्वाप्तराया दर्तराहे : क्री য়য়ৣ৻৽ঀৼয়ৣ৽য়ৢয়য়য়য়য়য়৽ঽঽ৽য়য়৽য়য়৻ঢ়৽য়৽য়য়ৣয়য়য়ৣয়য়৻য়৾য়য়য়৽য়৽ ब्रेट मुनव द्रया द्रया दुर बन् देवा वार्येय यस नेदे के वाहेन मुण्य सेट वया स्रमः इयमः ग्रीमः ग्रीमः ग्रीमः या प्राप्तिः क्षाः या स्रीतः क्षाः या स्रीमः विद्यान्ति । स्रीमः विद्यान्ति । यानिन्नयासेन्ययान्याने तदीः नासुस्रासीः तदीयाद्वीरः सेटा तसीः योन्नयायसाद्वीरः याः म्। दर्गे अः स्रुवान्व अः श्रीरायम् अः श्रीरः। व्राटः स्रुवः योव्यवः योव्यवः योवेदः यदः द्वार्थे य त्रु रुष्या यो न्या वर्षे क्षा वर्षे क्षा या वर्षे क्षा या वर्षे क्षा या वर्षे वरते वर्षे यर्वा.ब्रीयार्थेयाता.लूर्य.कूर्य.क्रीयाक्षी.कष्ट्रुय.क्रीयार्ये.पर्देवा.र्व्यायार्थ्यार्थ्य. तुःवमायासार्येद्वःश्चीःवरः दुः विश्वीरः वासीः दिविरः वदेः दसः वरुषः वद्वमास्रो

स्रिया क्यी विचा या हीर वा लीवा सार्क्ष विचा सार्क्य सार्व स यदःश्रीयमा कुःमर्द्वदिःस्रेन्यःश्चीत्रःयःस्रेत्रःस्रेत्रःयममःस्रेमःनेमःनेमःनुस्रान्त्रमः য়ৢ৾৾৽য়ড়ৣ৽ড়ৢ৾ঀ৾৾৽ঢ়ৣড়৻৾য়৾ড়৻য়৾ৼ৻য়৾ৼ৻ঀ৾৻ৼয়য়৾৻য়৾য়৻য়য়৾৻য়৾য়৻য়৾৻ঢ়৻ৼ৾৻য়য় ট্রিস্'মী'বাউবা'ঝু'উ'ট্রিস্'বের্ছম'ব্'ক্লীম'বী'মী'রমম'ডেস্'ঐন'রম'বড়ম'রবম'মুম' য়য়য়য়৾ঀ৾৻য়য়য়য়য়ঀ৻য়ঢ়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়ঢ়৻ড়ৢ৾য়৻য়য়ৢয়৻য়ঢ়৾য়য়৸ঢ়৻ रेट्-डेब-ब्रुका वुट-कुत-बेबब-द्रवस्य नस्ट्रिय सः के लेग-वीब-टे-ब्राले-क्रेट-वी: क्रुयायरावर्देरादे। देःवायोगयायातुयावायुगायीःक्रुयार्वेदेवेदाद्वेराञ्गयायीःस्वा डेबान्यस्य। देते स्नायकारा सुन्धित तह्ना वार्यन्य वार्यास्य स्वाप्त वार्यकार्ये। चिर-क्रेच-श्रेभश-र्नाव-श्री-चिश्राचीश-क्षि-भक्षे क्रेब-संवि-क्रु-चर्डश-प्रे-वर्जी-च-श्रर-संवि-देव-ब्रेन्-पत्निन-प्रेन्-प्रासर्वेद-न्या भ्राम्यया उन्-सीयान्यिनानीयान्यम्बन्निन-प्र म्रम्याः स्टर् म्यून्यः स्टर्मियाः स्टर्मियः स क्रिंत यास्त्र त्र व्यक्त त्र पर् द्वा हो द्वीर यात्र रे सिर वार्य वा व्यव स्वा वार्व वा वी वा ही । श्र्टा यम्यस्याञ्चेरान्यम् स्निन्न स्निन्न स्त्रिस्य स्र्राट्यम् सुद्रस्य भूगावयानुराकुतायोययान्यदायानुन्। व्याप्तायान्यदेश्वानुन्। ^{कु}या कुरा सुरा स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप त्तु इसरा भ्रीया श्रुयाया बिन भ्रीया वें राम् देव में के तिवा न वें या ने या श्रुया देशःङ्क्षराया शेस्रशः उत्रायतः विषाशायदेः देतः पीतः विश्वायासुदशा ग्रैश.

ष्टियःयन्त्राःयःयञ्चः श्रीयःयवरः वीः त्रयः वाशुरः।

श्रीयाया द्राया श्रीयाश्चीया अध्याप्त अध्यापा विषया क्षेप्रः श्चेत्रः श्चेत्रा । श्चरः स्त्रेत्रः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स्त्रेयः स् क्ष्यः भेर्त्रः भेर्त्रः भेर्त्रः भेरत्यः प्रमुखः स्थान् । वर्द्धः स्थान् स्यान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान् स्थान्य स्थान् स्थ उत्र न्त्र्य में प्येत प्यम क्रु ते र क्रि नेत न् गठिया यीम गठिया या या ते न प्रसुव प्यम है। न्वो'च'चर्डुःह्वार्यायर द्वार्या हे दी दर्यान् ह्यायायर हुने दर्वी प्रयोग विदः वीर्या हे इस्य याक्षेटाहे हो देव रेक्टिओ येव प्रसुषाया धेव लेखा यासूट्या सुन्वस्य सीका सेस्या हेर रे वेर त्या मुखा थे हिर पेर वया हीर वा सुवा ही सकेंदि हा रेका स्वार अरका क्रिश्रायदः स्रे.च.धे.चार्याः क्री.मक्र्याः है.स्रेर्यः यमायन्य। १५.यमा है.यमा है.यमा न्यर वेर न् देश के के कि में र में म र्ष्ट्र क्षेत्र क्षेत् च्याचे व्यव्येत्र ख्रात्र ख्रात्र ख्रात्र ख्रात्य व्यव्य क्षात्र क्षात्र ख्रात्य ख्रात्य व्यव्य च्या च्या क्षात्र ख्रात्य ख्रा र्यश्रार्देरात्र्रेत्रार्देक्ष्यात्रुप्तश्रुष्रश्रात्र्यश्राद्वेष्ठात्रुप्तश्रायश्रा देर्क्रात्र्वेष्टर यहूर्वस्थान्त्र्यं स्थान्यात् विष्याचारा विष्यूराचीमाञ्चात्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राचित्राच यानक्षेत्रावगुराकुळेत्रायेषा न्यूटायेळाचकुत्राचकुत्राचकुत्राचकुत्राचे श्रेम्यान्यतः विद्यान्य प्राप्तान्य प्राप्तान्य स्त्रान्य स्त्रान्य स्त्रान्य स्त्रान्य स्त्रान्य स्त्रान्य स् केत्र चेंदि या या गिष्ठेया गा चु ५८ । ज्ञाया यथा सूत्रा प्रस्था श्रीया हुया हु। हु या यथा गिष्ठेया गादिः श्रेषाःग्रेट्। त्रुष्टीरःयः भ्रेव्यव्ययः याष्ट्रियः गाःयः श्रुषाः तर्रूयः बिटः देवेः ययाः यव्यः चर्न्द्र-क्षेत्राचर्द्र-चुर्याययान्तुःधेद्र-यादेर्वयाने हिंद्-यीयायायानीक्रामा-वृत्यद्रयान्तुम्रः हे[.]चुन्:बॅट:चब्य:नुब्य:नुब्य:ग्रीव्य:बेवा:बॅट:बॅट:। हिन्:क्वु:बर्कें:ब्रट:नुःबॅट:ब्र्य:डे: विया हेन दिया हो। वेर प्राप्त के विया के अपने क

वर्ने हेन ने लेका हुका प्रायान प्राया का स्वाया स्वाया स्वर्ग स्वरंग स्वरंग स्वर्ग स्वर्ग स्वरंग स्व वी अर्हेर्न क्षेत्र स्व के तद्वे अर में प्येन ब्रिन नेते नेत नु श्रेवा पानश्चे के नवीं शालेश चिर-कुन-भ्रेम्य-द्रम्य-यायायायायाय्यकार्ये राज्य-विराज्ञर्या स्राप्त-स्र-स्राप्त-स्राप्त-स्र-स्राप्त-स्र-स्राप्त-स्र-स्र-स्र-स्र-स्र-स्र-स्र-स्र-स् र्ष्ट्र-पतिषु प्रतिष्ठु र पर रेषिव । देवा देवा देवा देवा देवा देवा प्रति । यस प्रति प्रति । यस प्रति व । व । व ययाग्रदान्ययायाविमानुः शुरा यायामन्त्रयाप्त्रयायाययाविकार्याः विकास न्यायारेन्'तन्याडेसान्चायाधी'रम्'नुषा श्वेतायाळेत्रायसार्वेरान्युरीतायीळे यत्र्रः श्रेष्यः यदे विवादि देवा विवेदा विवे ययायन्यस्य है यन्यस्य विष्युत्। दे सुर पुर्द्वेत ययायन्य से यर यहें प्रस्ति से र याम्रम्या अन्यात्र विष्या विषया यञ्चेयात्राहो वया.यर्थ.क्री.अक्त्रात्राच्या.क्री.वीर.च्यात्रात्राच्या. याधीत्। वस्रयाउदाशीयायदायदार्थासिति उत्तर्देत्शी स्त्रीत् इस्ययास्य विषा नङ्मन्या देवयानुयार्केन् श्रीस्ट्रेन् दुः दुः दुः दुः दुः दुः दुः द्वयान्त्रेया द्वयान्त्रयान्य स्ट यः श्चेंत्र त्रमा वर प्यरमामानियाः हुन्य सर्वत्र त्रियाः यर्ज्यमानि हेत्रे से स्टिन वलैक क्षेत्रें के स्वायन क्षेत्र क्षेत्र विष्य क्षेत्र विषय क्षेत्र विषय क्षेत्र विषय क्षेत्र विषय क्षेत्र विषय तह्यानुन्नीर वी सी मस्य राउद दें दिनुवा सेंद्र राज्य मुना हो। दे दिना वा स्वर दिना तर्देवार्यायते केन नु प्येन पति । की विकासी के त्या के विकासी विक त्रपुर्योग् क्यां या स्थाया उद्गुर्या स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया বার্ক্-বেরি:৪০:৪০:রমমান্তব্যপ্তবাকা ব্রিক্সাক্রমান্ত্রী রাজিবাবের ফ্রীস্থাক্র ब्रदःचरःवुषा देव्याव्याः सराववतः वर्तृदः रेवकुः दरः ब्रुवः यः श्रुव्येषा

वयात्र वृति देवाया देवया वीया श्री देवाया देवया देव से के सूर्वे वाया करा नवित्र नु नन से तह्यानु सी र मी या का समया उन कु वे र खीया न र से की समया उन कु र्वेरःक्रियःक्ष्रिययःसरःक्रुर। ।देःदयःतुरःकुतःयेययःद्ययःदर्यःतःतुःन्नीरःवीःश्रेः वस्रयान्तर्भायदी स्राप्ता वित्र स्रया क्षेत्र वा वित्र स्रया क्षेत्र स्रया वित्र स्रया क्षेत्र स्राप्त क्षेत्र यायार्थेन्यायार्थान्ने नते यथान्त्र स्वराधित्वा यथायार्थाने नेते द्वार्श्वेद न्द्र स्वर्थेन्त् वर्ग्च निया वर्गा वर्गा वर्गा के दे त्या क्षेत्र हे वया वहिन्य या सुना पर स्वाप स्वा ख्र-्न-प्रमान ने क्रि. महिता में क्रि. महिता क्रि. मह इसरायायेटरार्ड्डेन् क्रियायेटरायास्य डिन् इसराक्षराङ्गीयास्यास्य नःवस्रयः उद्दानस्रयः हे द्वो नः नरुदैः ययः श्चीः ययः यः नर्से दः दशु यः श्चीयः विषाः योशीरका.धे.ब्राच्याक्री.क्रूयोया.क्री.ब्री.च्या.क्र्या.यक्री टे.ब्रथ्यय.क्रट्र.टे.चे.चटु.लया.ला. पर्देव या प्रश्नेन पु पर्देया श्रे पर्देया श्री र वी भी वस्यय उन स्निपय ने र वी पर्देया वया सर्वे देशक्रीख़्यायुवादुः स्रुवाक्षेत्रः वाक्ष्यायेत् । ब्रेषावर्डेव्याय्येतः वद्षयाक्षेत्रः वाक्ष्याक्ष्यः स्रुवाक्ष म्बर्स्या देते स्मान्य ग्री स्रुव या केव येति या या मित्रा गा दासूते प्याय स्था मार्डिं ८८.लीयाक्री.या.केथ.या.कुरा.या.कुरा.या.कुरा.या.कुरा.या.कुरा.या.कुरा.या.कुरा.या.कुरा.या.कुरा.या.कुरा.या.कुरा.या. कुः अर्द्वेदिनंदः नीः ख्रुः देः यादनानायाया दद्या न्या की यावरः दुः विद्यासी स्त्रा देश् रैते नु: ५८१ वैदुद्धते अविरविर दु: पेर्पि पति सु: दे सेत् पताय श्री नु दूर म्बोरक्षीः व्यावरत्वर दुः विद्याद्वर स्वावः स्व न् स्रेते चरानु तुषा वेषा वेदानुषा वाषा या प्रवेदा प्राप्त विष्ठा **लट.चर्राश.त.केंट्र.चेंच्ट्र.च.केंच्र.च.केंच्र.च.लंच्याचेंच्याकेंच्याचेंचेंच्याचेंच्य**

वन्यायानक्षेत्राचगुराचेनायरावयान्नरया वान्यानुनावरेते उत्तेतासर्वेताया वुट कुव सेस्र द्राव इस्र प्रीक क्षेत्र या वस्य की वाद का सूत्र की द्राप्त का की विद्रापत क्षरायम्भवाने ने वयायर स्वार्थिय स्वार्थिय में स्वार्थिय में स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय स्वार्थिय याम्बर्हेरायाने प्रदाप क्षेत्राया श्रुराया था की बरारे मात्रायतुक प्रद्वी या धीन प्रकार है वे त्रपूर्व । प्रश्नुद्रश्चात्रयम् प्रवेति । प्रश्नायते विद्याप्रश्चित्र । प्रश्नाय । प्रश्निय । प्र्य । प्र्र्निय । प्र्य । प्र्य । प्र्य । प्र्य यक्नै.क्रॅट.सेय.शर.तृपु.क्र्.ज.क्ट्य.क्रैंट्.ग्री.क्र्य.त.यशेंट्य.य.जय.पट्टर.के.ट्र.खेय. থার্যামার্মান্ত্রমাধ্যমার্যান্তর প্রমায়ান্তর শ্রীনির দুন্দের দিন্দ্রীয়ার্যার বিষ্ণুদ্রমার श्रेश्रश्नात्रम् तात्रम् तात्रम् त्रीत्रीत्रात्रम् स्त्रात्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् <u> अरशःक्रीशःवीःचःविचाःविचाःभक्रेन् यःचशःग्रामःन्यःश्लेषाश्राधःवर्षः वर्षेषःयाव</u>ः अप्रयाताः भेतावा विष्या प्रदेश । भेरा विष्या विष्या विष्या । भेरा विष्या विष्या विष्या विषया । भेरा व र्थे के ता सर्ने विषय विश्व द्या विषय । स्टाक्कुन विषय विश्व ता स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान गलन क्षे ने ने न सूर्रे कुषाया सर्वेद र्वेष क्षुट रहें स्था सुर्धे रूट की या हे। व्रिम्मायमा द्यात्रम्मायसुद्रमःभेदःधेन्वे येग्रम्मम् ढ़ॆऻ ज़ॎऀ॔॔॔॔ॹॶऀॱॹॖॱॸॻ॓ॱॸॻॱॷढ़ॱॹॖॱॿऻ ज़ॎॴज़ॴॴॹ॔ॴॱग़॔ॱढ़ॸॖऀॱॸ॔ॻॱॾॺॱ श्रीरकारी सिट.ब्र्राट.बोर्शट.चयु.जन्न.बु.ब्र्च.त्रन.वर्कीमी विषा.स्टा क्या. विस्रमायर प्रमुखायदे स्रोतित्या है सुरसीय से प्रमुखाया से स्री

क्षियःयन्यायःयङ्कः स्रोत्यःय वदः यो ल्याः यासुरः।

दर्शन्त्रम् । नि.चर्ष्वयःक्ष्यःविष्ययःश्रेनःवःक्ष्यःश्रः यह्नदः। ।हःस्रमः स्रोनः यमायह्यायायायुषा १५ प्रतिवर्क्याविमयामेन व वर्षाय विषा योशीरका.हे। विदे, च.क्ष. दें श्री. च.जा. श्रीव. जाया देशा त्राम्य स्थाया स्याया स्थाया स्याया स्थाया वः कुः चालवः नचाः प्रेनः क्षुः से स्वा क्षेत्रः यसः वर्ग्यनः से स्वा स्वा स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स्व स रदःरदःवीःभ्रेंस्यःयावादःविश्वाञ्चदशःविद्वाद्वेदःविञ्चस्यःयरःदवाःयःवश्रुदः। म्बर् कुर्यंत्राचात्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्रात्त्र यदःचलदःवःचदेवःधरःङ्कादवींका हुवःश्चीःकेषाद्यीयावार्वोदःदुःचलदःधःक्षरःदेदा हुर शेष्वन्यरविद्यरम् स्थान्य हो स्थान्य हो स्थान्य स् ब्रेंच-देश्व-तायाद-व्या-वेद-त्वव-क्ष्य-ता-भ्रा-भ्रान्त्रम् ति-त्विन्त्रम् वि-स्वयम् त्याः रदः वीषात्वन्। वाल्वः श्रीषात्विवः यः सूत्राः वः देशः सुः धः यः द्वः दविषा हेशसुः भैः प्रदानुश्वानः देः व्याद्वाने प्रायद्वायद्वात्यः व्यादः भीतः प्यादः व्यक्तिवाः सर्द्ध्यः प्रदेत्। विविद्यायाम्बर्ध्यात्रायम् प्रदार्विद्याः चित्रव्यव्यायाः के विदेद्याच्यायाः विदेद्याच्यायायाः विदेद्यायाः विदेद्याच्यायायायाः विदेद्यायाः विदेद्यायाः विदेद्यायायाः विदेद्यायायायायायायायायाय ब्रेट र् इट वें र व र वें र व व व व र य र र कु बोर १९ व र वी खेट र वें र व वें र व वें र व व व व.र.क्षेत्रः धेः यात्रवादः विवाः वार्ते वस्त्राः व्याः व्याः व्याः विष्ठात्रः त्याः व्याः व व्याः वयः व्याः व्यः व्याः व्य यरक्षेत्रातवातःविवाचीयादेवैःयोःयन्दरम् कुःतत्वयाविवरः विदःयादेत्। क्षेत्रः व्रा श्ररःश्चित्रःविविश्वायस्तुते वरात्रुत्वर्यस्य स्री स्त्रुत्वर्यस्य स्त्रियाः स्वरं स्त्रीयाः स्वरं स्त्रुत्वर श्रेर। स्रश्रास्ट्रिंग क्री क्रिंग प्रमुत्र स्राम् स्राम्रेरा स्राम्रेर व्हिमा हे म क्री प्राप्त स्राम्रे स्राम् में बोन् या लिया बोन् नुष्या विद्या हेत्र है तह लिया त्यून ग्रीत पेन् त ने ते केन् ग्रीया देव क्षेत्र मह्म सान्यायदे के या क्षेत्र या व्यापे के या क्षेत्र क्षेत्र स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप

देव :ग्रुट : द्रशे :दिषु वा या दिवेव । वा केया द्रशा श्रीया वावव : क्रु : दे : कें वि गाद : द्रव : के। कवायासूर वी वार्वेद प्रकें सेद व सेस्रया क्रुंद प्रह्मा में प्रीता विद्या क्री क्रुंद प्रसा रदः भुग्रवार्श्वीय विद्यारेत्। बिद्येदः तुवायवे क्षेत्रिया गृह्यः इदः विदायम्। इर-धॅर-वन्द-द-द्वाः पर-अगुः बेर-वर्षा वदेवः यदेः ॐगः वेः वदुदः ॐः म्रे। । पनेब पति क्रेंग वे ज्ञान अने। । वेर्याम्युट्य पान्नेरा वानुसाम्यन । र्देव से द क्षेत्र चित्र विकया महिया क्षेत्र या से द विस्त क्षेत्र या से द विस्त विस यावतः विरिन्न वेरात्राने त्याराञ्चराधीत्रायात्र या यानुसासकी स्रीतः स्रीत् केन्द्रतायारा ঈবা'অ'মর্ক্রর'ক্র'মীর্ন'শ্রার'মীমমার্কর্য'বর'বার্ট্রর'র্ব'ব্রবার্ট্রর'র क्के: क्षेत्रायह्म वार्षा निवासी हिता है । क्षेत्र प्राप्त निवासी है निवासी है निवासी है । क्षेत्र प्राप्त वाल श्रेश्वराश्चीरे पाञ्चीदाची अप्तेश्वरायायायञ्चयाञ्चीत् प्रद्या सार्वश्वरायायास्त्र क्षेत्र चुेन तुष्प त ने प्याप्य प्रेन्। स्ट क्षेत्र केत् वित्र चुेन स्यास्त्र स्ट स् ळेत् :बेर्याक्कु:ठत् :ब्रीर्यासी मालत् :या स्वत् :बोर्यासी मानस्य मानस्य स्वत् :बीर्यास्य :बीर्यासी स्वतः स् बेना नेते स्ट्रेट वया वर्नेन या स्ट्राय संबेन या स्वीता वेया श्री वाली सारेना वर्नेन कुर केंग् नेश तथवाश यदि वें र यत्व ही वर वश रेत्। वर्ने न कुर छव ने वथवाश यदे देवाया भीता विदाय देने या चना ता त्या या प्रति । यदेन केता की सूचा ख़देचें व्दारनी वर द्र उंड्रव छी कु पश्चिय निर्मे छी व प्येंद्र या सू प्रति हिंद स र पेंद्र वर्नेन् क्षेत्र व्हित्र व्हित्र हो ते र व्य ह्युन् यदे यने यने त्र नेत्र वर्नेन् कुट केंग नेत्र हीत्र

तयम् अर्वेरायाः सुन्यते प्रने पाने स्त्राची वेता स्त्राचने पाने के त्रम् विमाधिताया वर्तेन कुर उन्नावि रद वीयाया वाहेवाया वेया या या रेता वित्य र तु रवा हु वुद यरायगातः यान्रस्यायते 'नवो 'यदे 'यने सः याहेत 'इससः ग्रीसः यास्ट्रसः यदे याहनः याति यास्यायायर्क्याकुने यावन केवार्याणीवा व्यायम् राष्ट्रीत्यावीयायायाम् नायायी व्यट्ट न्वीय न्यस्य प्राप्त न्या प्राप्त न्या स्थाय स्वायाञ्चरायाजात्। श्वरास्वायाने त्याचात्राची ने स्वाचीना स्वेर्यायाजात्र यश्चेयाः व्यवायास्या यादः वयः स्वरं स्वरं यायः वयः स्वरं यायः स्वरं यायः स्वरं यायः स्वरं यायः स्वरं यायः स्वरं विज्ञायानुः स्नेम मदः वितानुः सुः ज्ञायाः वितायाः स्ने तद्रे त्यात् नु तस्नेमः वितामास्याने सा ह्ये ज्ञाय लेखाय है न्याद खादहिंद य लेवा या होरा धरायगाद वान्याय परि न्वो यमेश्राम्यायान्यान्त्रायान्द्राची देति याने विष्यात्या देति वास्त्रायान्या विषयान्या विषयान्या विषयान्या विषया हे न्यूयार्थे नाट प्रीवाले वा विचायोदार्दे हे सूच त्या निहा हिया योदार्दे हे से स सुतिह्य थे:वेश हें हे: प्रत्य प्रति हेश वास्त्र थें प्रति हें हे वेश यार्के र्ह्मे बायहर हे द्वेब यदे रे वा ब्रुव या हो द दुवाय या गहेब यवे बार्वे ग्राम्य या गहेब यवे बार्वे वा वी बार्वे त्र्वीलियाम्बियामम्प्राप्ताम्बियाभी सेवायाया सेवासेन् हे हिल्या व्या केविया यायिषेयायित्यायात्रम्भित्याने वियायेत् रेत्रे रेत्यायवीयावयाखे वेरावययात्रया ने त्यम् त्यहें समासी त्यम्यायाया विवासेन हे हि हो मा धे ले महे हि ले माया है यर्हेर्यात्राचीयः याववरः याववरायः यावदः दह्यः व्यवदः यावदे व्यवदः यावदः व्यवदः वयवदः वयवदः वयवदः वयवदः वयवदः वयवदः वयवदः वयवदः व उन्'सुरमायते'तहें न सेन्'त्रेन्'तमस्यायायमान्त्रमान्त्रे त्रेन्'यरासू प्रेन्'यरासू प्रेन्'यरास् यःरेद्रायस्याद्रसादेःधीदायायल्याः स्रेकेंसासायित्रमायस्य क्रुंसेद्रायादेशः

र्देहिलेश्वा देखात्र्देहिणशुरुद्धात्मात्र्याद्वात्त्र्यात्र्वेषाः वितानाशुरुद्धात्र्ये र्थित्। याल्र सोस्र राज्य ना से ना स पदः रेग्रायाधी वेगायाके र्योदे के यायायाल त्रायायाली यायाया विज्ञा यीया चुर्याया से राहे चिर-किय-क्री-मुभम्भर-द्वया-क्ष्मा-प्रचय-प्रचया-भ्रा-र्देश चिम्मस्भिर-है-यिद्वेशः यश्चिम्रयायाद्येत्। येम्रयाउदायाद्येत्रयायदेव्ययाया द्वेयाया रश्चीयात्रात्रः विषयात्रा रश्चीयात्रात्रात्रात्रः विषयात्रास्रीः विश्वया श्रीयात्रास्त्रः वार्मभ्रम्भारत्वे मुस्यार देवे दर्दे स्थार्थस्य मुक्ते स्थार्य सुर्वे स्थार्थस्य स्यार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्यस्य स्थार्यस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्थस्य स्थार्यस्य स्याप्यस्य स्थार्यस्य स्यार्यस्य स्यार्यस्य स्याप्यस्य स्याप्यस्य स्याप्यस्य स्याप्य ल्र्यान्यान्या क्रेंबावान्त्रीम्बायायते मुस्यायाने स्ट्रीन्यावा बुम्बायाये मुस्या श्रेयश्चरत्रव्यक्ष्यश्ची कुन्या भेन्यान्य । न्रीष्याया सेन्यते वुस्रवाया सी स्री यदःक्र्यायायव्यन्ताव्यायदेवित्यायायायायायायायायायायायायायाया तर्दरः वुस्रयः यः दरः ये स्रिस्रयः उत्रः व्याद्रस्यायायते वुस्रयः यात्रे विरः वुस्रयः । न्रीम्बायायते प्राया बेर्यायक स्वाया स्वाया स्वाया निष्या स्वाया स्वया स्वाया स शेसरा देहे सूर क्वेंस दर्गेर ले द सन्दर्भ दार्च दायाय रगायश्या धेदायश য়য়য়৻ঽঀ৾৾৻য়ৣ৾৻ৼঀয়য়৻ড়ৣ৾৻য়ৣ৾য়৻ৼঀৗয়৸ য়ৢয়য়৻য়৾য়৻ঀৢয়য়য়য়য়য়য়য়য়য় शेयशक्त व्यवशक्त व्यासीयात्र विवास मार्क्त सेन निर्मा । मारा पर्ने पर्ने निर्मा येदःयरःश्चुरःहे येययः उदःवययः उदः यदे वदेदःश्चीःगुदः ह्वेदः विषाः यः वहिष्ययः येदः रुषाचुस्रयायवेदियायवेर्क्नार्दे । विस्रयायवेदियायास्त्रीर्द्रावेदियायाया <u> न्यातः व्यक्षः केतः ये प्यत्रः यात्रा नेत्रा क्षेत्रः हो व्यक्ष्यक्ष्यः व्यक्ष्यः यतः क्षेत्रः हो</u>

क्रेंबाव्यानुक्रीयाव्यायतिःक्ष्मेदाह्य नक्षीयाव्यायाच्योन्।यतिःक्ष्मेदाह्याव्युव्याव्येन्। नेः ययःश्रमयः उत्राप्तिवायः पदिः श्लेटः हेः श्रेमयः उत्रः त्रमयः श्लेटः वीः सूर्वाः वस्रयः तासूचीयाताभाइतः चयास्त्रीतः इंस्युवानत् । विश्वेयाताक्त्यातान् सूचीयायात् स्त्रीतः इंस रट तसम्बार पति प्रदेश पाय विष्य में अस्य रूष कुं तर्वर भी तर्वे खुन्य से सार्या कुं.पर्यकाशुःचेकाताक्षेत्रकादुःपर्यप्रवाचिकाक्षेत्रक्षेत्रवर्यो प्रवासकात्रवःक्षेत्रहः उद्राक्षेद्रान्ते द्वारा स्था अध्यया अध्यया अध्यया अध्यया अध्यया स्था । ૹ૾ૢઽ૽<u>ૄ</u>૽ૺૹૢૢૺઌઌ૽૽ૹ૾ૢૺઽૹ૾ૢઽ૽ૹ૾ૢઽ૽૱૽ૺૹૢ૽ઽ૽૽ૼૹ૱ઌઌૡ૱ઌઌઌૢૡ૱ઌઌ૽ૺ૱ઌઌઌૹ૽ૢ૾ઽ૽૽ૄૺ श्चेराधिवाव। श्रीयवायदेराकोयवाउवायाद्यीयावायदेश्चिराहेर्ययावाववाया उर् श्रीय रद सेंद नी सून नस्य होंद न दे य ही द हे न न हैं नेंद्र हुय पया र्यम्यायात्रः प्रायाः स्वयाः स्वयः स्ययः स्वयः स् उद्दर्भ व्याप्तर वर्षेद्र प्रवेश्चे क्षेत्र व्यवस्य स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप्तर स्वाप श्चीर हे त्वेरिक प्रति केंद्र के त्वर विया धीत वित्रा रूट या केव ति हैं र देश के वाका क्षेर हे तर्त्वेर राजवे कॅर दें। क्षेर हे नक्षेया व सव प्यव हे सूर प्येर हे वा क्षुव रया.चोचुचोया.ग्री.धूचोया.चाडूटे.जया क्रुया.चोडुचो.लूटे.चे.याटया.मैया.ग्री.क्र्या.घाया. क्र-त्यमा सञ्चल मु: प्रत्मा प्राप्त प्रत्मा प्रत्मा मार्चिम मारा ले मार्चिम प्रति स्थित है कि मार्चिम योशीरका अर्थाक्रियाग्री विषयान्त्र योष्ठिय प्राप्ती से नः उत्रः विषाः भेता व्यायायया यायाया याया व्याया व्याया व्याया व्याया व्याया व्याया व्याया व्याया व्याया व्याय हेबाक्र्यानकृषान्दराव्यावर्देनन्दर। स्टावीक्षित्रदेशीत्रब्यायस्बेयबाक्र्या

म्बर् देव विक नियान्य स्थान क्षेट व्या विक नियान क्षेट विक नियान क्

युःयः केंकाः विवरः वङ्गीरः वरः वङ्गीवः वदः प्यवः वया

द्विनायन्त्रदेश्वित्वाहेत्रस्य विद्याहेत् स्वाहेत् स्वाह

ख्यः पर्वा पायञ्चः स्रोताः प्रचारः वी ल्याः वास्टा

रेशः ग्रीशः चनुदः चरः चुः चः लिषाः सः प्येषा । ५ ये रः तः स्वरः ख्रेषा श्राणः सरः ख्रेषा श्राप्ते । ঀ৴৻ঀৢ৾য়ৢয়৻য়ৣ৽ঀ৴৻ঀৣ৾য়ৢয়৽য়৽য়য়য়য়৸ৼ৾ঽৼ৾ৼৢয়৾ৼয়৾৻য়য়৸ৼয়৾য়৸য়৸ৼয়য়৸ भूर। देवु:मकूर्य:में बेर्य:में वित्याचीर:में भीरामक्ष्य:में प्रमान क्षेत्र:में प्रमान क्ष योन् याद्यतः योन् देवा प्येतः यारेन्। के यात्रयान्यन् तः त्रया यादि क्विता यात्रयात्मवन् ता<u>र्</u>च्याञ्चत् वार्डवाची त्रनात् र्चया है स्रोत् रेवा येनि यदे <u>चा</u>न्यान्न राज्या पर्यः तहेवा हे व हे स्त्रेन केवा प्येन या ब्रम्भ कर वेन विदः चर्यः रच त्युम्भ सम्बदः प्यशः क्री वेन व। क्र-पन्नाक्नान्नेक्रिन्यामहमामेन्त्रिक्यामेन्त्रिक्यामेन्त्रिक्षाम् भूत्रयासुः कुः त्र राहे हे त्यत्व तुः स्याताः त्र त्यते के स्यात्रे त्यते होता स्यात्र त्यात्र त्यात्र त्यात्र न्वीर या सहसाय मान्या के स्टब्स स्वास स ह्र्यायात्रप्रप्राचियातपुर्यायेयात्रीययायात्रप्राचित्रप्राचार्यरयात्रप्राचार्य वयः विः क्षेत्रं यायाः वर्षः वायाः वर्षः या व्याप्तः क्षेत्रः विष्यः विषयः वर्षः विषयः वर्षः ग्रीयाङ्गेर। वि.यानसूत्र ग्राट म्यान स्थापन । श्रीक्षात्र म्यायान । श्रीक्षात्र म्यायान । र्-जावयायराष्ट्री विश्वरयायदःश्रीययानेरा स्वास्त्रस्यायान्दाः कुः वीवाधीयाः र्बेर् क्रि. ब्रेर् क्रि. ब्रेर तथा चीय क्रेर क्र्य क्रि. वर्षेर तथा चर्चेर तथा चर्चेर वर्षेर वर्षेर वर्षे वर्षेर वर्षेत्र वरेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वरेत्र वरेत्र वर्षेत्र वरेते वरे योष्याः सैययाः शीलतः द्वियोयाः प्रवेदाः प्रह्माः हेषः क्वीः विष्ययाः व ह्यायाः याद्याः स्वीयाः प्रदेशः स्वीयाः यदयः क्रुयः वादः द्वा वीया र्केयः दर्गोदः अर्केवा वायः केदः दुः वेयः यदः श्वेरः द्दः । मर्शेयाचात्रदेवरायायेतिःवर्शेद् द्रस्यराग्चीःस्वीयायेत्वायायः वुःवतेःश्चेरःस्रेयायाः यश्रिष्यानरामतुष्ययार्थेर्पायार्वात्यार्केषाश्चीत्वेरार्थे क्वास्त्रुवास्त्रीरा त्रम् त्रात्त्व्यात्वा द्वेत्वाका इसका गृत्या श्री कारका क्वा कारका ख्वा कारका ख्वा कारका ख्वा कारका ख्वा कारका योजूरा य.चु। । श्रुश्रमा स्थेया यर्चेता स्थेय . यह्य स्था । क्रिया क्षेत्र स्थे स्थ

द्वानुं क्षेत्रभूत्र स्वान्य स्वान्य

र्मायासुरम्यायम् स्वात्रायम्

स्याक्क्याच्चरः सेस्राया । स्थाप्त्वरः सेस्रायाः प्रति प्रत

पर्वतः तुः सर्हतः दे। विदः तयातः रे वर्षाया त्रुषारा सुति । सुर्वा पर्वतः पर्वतः पर्वतः या त्रुषः । विंदाचा अवीं वा अदा वदा द्यीया दुः त्यु अपा व्यू न्यू । दे द्व अवा यी देव दुः दे प्रविवा योर्वयायाः श्रेयाः नरः श्रेयः सरः यञ्जायाः सम्याः उत्। यद्युतः देरः तृ यद्युवायाः यरः वार्ययाः य तर्नेवर्यायात्री सुप्रद्वायाया स्रीतिद्वाय स्वायाया स्वीयर्था प्रदेश स्वाया स्वीय यरयाक्रियान्दरायाक्षेत्रात्त्रीयोग्नेस्रयान्द्रपतः क्रेत्रे से वस्ययान्दरः स्त्रीतके त्याप्तरः निवरः सेवायाः न स्वाभिता देव ग्राम वार्या द्वाह्मा वहित उत्र श्रीय र्याह्मा हु चलुवाय हे भेर यालेगा रेन् सूत्रान्याम्या केन नु सी सर्वेन प्राप्त से मार्ग स्नाया कर् न्या से स्वरास्त्र स्वरास्त्र स्वरास्त्र तर्ची देव शेरद्युद प्राधिव प्रथा वा वेश्यय उदा ही ह्वा दिहेव ह्वें वा प्रदे के दार् प्र वरःग्नेवेग्रथःयः हें हिते सुन्वह्रेयःयः दे कें प्यरः सुन्धः दवः व्ययः दददः वदेः द्वाः केंद्रः प्येदः रदःरेतेःत्युषाकुःतुरःत्युःतुःतदेःताःह्रवाःतह्रवःष्ठेःपेदःत्रष्ठाःस्रोदेःवेद्वाःपतेःतदुः . क्षेत्रः क्षुें, प्रते : क्षे, प्रते : त्या अ: त्य त्य प्रत्य प्रत्य प्रते : प्रते : प्रते : प्रते : त्या : क्ष त्रद्यःचरः स्पुतः देदः वहेवा हेवः श्चीः विस्रसः सुः वर्के विदः चतुवासः धरः तुः चः सुः सः त्रा वर्षेत् त्रस्य केत्र ये त्वुद वरस्य बत् वर्षेय व व व व व दे हेत् त्वुद सु से दे र् वलैव दुः त्र गुवाय प्याप्य प्येद दे। वद्या उया यो क्षेत्र यथ ग्राप्ट ह्या द्वा प्रयाप्य प्राप्ट ह्या द्वा प्रयाप्य प्राप्ट ह्या प्रयाप्य प्राप्ट ह्या प्रयाप्य प्राप्ट ह्या प्रयाप्य प्य प्रयाप्य प्य प्रयाप्य प्य विरः त्त्रः वाष्ट्रयः श्रीः दुषः स्तर् । वाष्ट्राः स्तरः विदः श्रीवः श्रीवः वाष्ट्रयः वाष्ट्रः वः २८। । । । अःश्चेरः व्रान्धः स्वायः व्यवः देवः देवः क्रें क्रिकः यथः यश्चेवाः यरः वर्षयः यश्चाः चरुन्'र्करन्तुरु'न्द्रश्चर्याचलुग्रयः लुर्यासुत्यःचराञ्चः चः याहेर्यः व्यादेवः चुर्यान्यः। वतुष्राष्ट्रास्त्रीत्। रदःद्वदःभेद्राद्रःभेद्रायारेद्रा श्रुःददःभष्टाद्रायः

वरःचलुग्रायाराग्राक्षेत्राचातर्नेवयायातर्नेः हृगायरः सुः चात्त्रस्य स्तुत्रात्वीत् यान्दरः योः व्यास्त्रम् सम्भागम्भेत्रामान्त्रेत्रामान्त्रीत्रामान्त्रम् । क्षियामास्याम् । व। विवासी श्रुर हे न सेवान दी। विशेषित है विरागर से विशेष इरा विश्वेत्राचाचरमास्रोत्। विश्वेत्राचास्या यरयाक्चियानुरायेययाक्चित्रप्रस्तित्यरात्त्र्रीयात्रहेत्।यत्रिक्ष्यायदेशेष् यसूर तहें रही सुरान् प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति स्व स्व प्रति स्व स्व प्रति स्व स्व प्रति स्व स गर्वाद्याद्रमादावाद्रमुक्तेंद्रायाददे स्टेंबार्वेषाः श्रुवाद्वयायाद्रदाद्रमावेषाद्रमात्राक्रम्यास्त्रीया त्युदायावादावर्षा देप्तवा वस्रका उदार्शीका देवा केवा व्यादिव दुप्त ही सी विकास रा चनातःत्वायः न्यातवायः यदः ये चुदः ये दः नुषः दे विदः विययः वाववः यः श्ववायः वा हदः तर्चे कु ने तर्रा भेन से ना ने स्थान ने से स्वापन में से स्वापन में से स्वापन से विनयानम्ब स्नुनायार्थेषायानुयान् स्ट हिन् श्रीयार्के स्वयार्थेषा योन् नयान् स्नुति नरान् व्यवान्द्रते क्रीं व्यानयवायायते क्रीवा क्रीचा नवाया नदा। या वेद्याया वा स्टा क्रीन क्रीया केंबादविराङ्गेरावदे केंदावराकर के त्वतुरावाया वेवाबायदे प्रवेंबाया केदाये प्र · स्वा विदेश्यव :कद्ः श्रीराष्ट्रवा विक्या वाया श्रेवारा याया या वा व्या द्वा श्रेट :वया लुष्ट्रान्या चर्के.चपुःश्चेरापुचा.प्रमान्यान्यान्याचा.जायचुत्राच्चागीयालाश्चामा तपुःश्रेत्राव्याम्बर्यात्रर्यात्रव्यात्रव्यात्रत्यात्रस्य हेत्वव्यात्रात्र्या वर्भे व के सूर हो न न के अप के वर्भे विशेषक तथा विशेष पर विशेष पर विशेष র্মার শেকা

नन्त्र यानश्चे नते पत्र पत्र

ने या बद मार्था या है अर्थे । अधर श्वा चुद कुन अर्केन हि क्रेंब हे पर्दे पर्दा । या बद स्वा चुद कुन अर्केन हि क्रेंब हे पर्दे पर्दा ।

५८ ये अवर सुवा चुट कुव अर्केन हु क्रेंब हे वर्शे वा

दिशायद्भि । गृत् ग्रम् स्रायम्भ्रम् नो महस्य स्याप्त स्याप्त

५८.त्रव. म्र्यां ४.क्ष्रेव. म्रा. ५४ व्यां ५४ व्याः ५ व्याः ५ व्याः ५ व्याः ५ व्याः ५४ व् श्चीर प्रचल के राष्ट्रीत अर्के प्रमाने राष्ट्रीय के राष्ट मी बर र मुंबिर प्रमा भी यायर पर में ब्रम क्रिया भेर प्रमा मुंबा प्रमूपा प्रमेया प्रमेय प्रमेय प्रमेया प्रमेय प्र भ्रम्य भ्राम्य भ्रम्य भ वयार्चेवार्षेटाचान्दार्चेवान्तर्भेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्राचेत्र यया वर्ने वित्रम् केवि चुन्म चुओ नुवान प्येन् या मुस्राया की विकेवि ने न मुक्तिया बैदःयाद्वदःयरःख्वःवावर्थेद्वययाययायात्रःहेःद्वोः सःवसूत्रयाद्वयः वदेः इययावाः वर्के्च व वुरुष्य व देशव व देश व देश व देश व व देश व द वर्ष्ट्रेप्युवाने वार्षेत्र कुर्पेन्य रेन्। वीर्वे क्षेत्र स्वर्ग वित्र वित्र कुर्पेन्। म्बदः स्ट्रेंब संविषा या सेव या विषा यो दा हिव विषा दे स दे दा यदे साथ यक्क से स्मार्थ **ॲ**॔॔ॱय़ढ़ऀॱॸॣ॔॔॔॔ॱढ़ॸॱॿॖऀॴॱॸॖॱॷॣॸॱढ़ॺॱॶढ़ॱॸऀॸॱय़॔ॱॿऀॴॱॴॱॺॗऀॸॱॲ॔ॸॱक़ॗॖॱऄॸॱय़ॱॸ॓ॸऻ वियार्कर देशकी सेंदाय रेदासूय दयादवी सम्मुक्त के दायसूय या है विश्व की या यक्ष्रयाः श्रुप्ता चरारे विषयाया व्यापितः श्रुप्ते स्वर्ध्ययां यक्ष्ययां यक्ष्ययां यक्ष्ययां यक्ष्ययां यक्ष्यया र्केर विरा गस्र दे केर प्रवित प्रवि स्रावस सु भ्रेग राष्ट्रीय राष्ट्रीय राष्ट्रीय राष्ट्रीय राष्ट्रीय राष्ट्रीय वरः स्नेवर्यः भैवाः यः न्धुनः गाः स्नेवः सेटः। नेः वसुवाः नेटः ध्येतः यसः नुधेनः गारः वस्वाः वयायायरावर्चे नुषावि रदावयुवा केवा वी हा सरावष्ट्रसम्भाने विद्युवा वीका देदावरा तयर नव्या य रेत्। विर्द्र मार्थेव येर द्वियाय वेव या नेवी द्विया केर मीया वी कॅरःस्नुयान्यानेति नेतानुः वास्युरः वर्षे व्ययायते क्रितः क्रीयः प्येतः यारेन। वास्येतः ये यीव प्यट होंच कु प्यें द्र प्य दे तद प्येव। द्र वो प्रकार स्थाद हो द्र प्य दे हो स्थाद प्यें के यथ। र देश्यः भे में माश्रमः ह्रेट स्ट्रेट स्रोट मर्डेट ह्यें स्राट में में मुन्य स्रोठ स्ट्रेय स्ट्रेय स्ट्रेय तनुब तनुष्य या द्वा यह र वी इत्य तर्दी र रे विंद ग्री क्षेत्र के ब के त्य तर्दे वा द वी षाया रेदा नुशुवानर पेनित्र वया श्चीन न्वा वया अर्थे रेवा सुशु शुनाया वायव र्थेन वापन पानिता यां द्वार्थित व त्वार्षित द्वार्थित व त्वार्षित व श्रुप्त व श्रुप्त व श्रुप्त व श्रुप्त व श्रुप्त व श्रुप्त व श्रेषाश्रामदिःस्वराणेवाने त्वदाणेदायाचेदा अदेरावाच्या मान्याव्यवस्थित स्वराणेवा स्वराण *बिट*-द्रवाचाञ्चरमाद्रवे १८५४ १५मा स्वाप्त्रवुथ सेट्रमार्थेवामाया प्रदेश ये द्वाप्त स्थित। द्वा यायहेबाता रामकेन स्त्रीय स्त्र ८८.श्रवर स्वा वी देव वस्राय उदाधित प्रवित द्वीय हो। प्रदेश ८८ प्रवित प्रवित स्व व्यायाक्च केव र्या त्या प्राप्ति । येयया उव ने न्या गाव ग्राम व यो ना हें याया तपुःशरशःभिशःभित्रात्तरःशिरायःशिरायःभिरायः वर्षित्यः यक्तियः वर्षायः यक्ति <u> चुःकृत्वेत् पर्कृत्त्युयात् दायरुषायात्रावेत्रः मसुस्राक्वे पत्माकृत्रः स्वताः स्वताः स्वताः स्वताः स्वताः स</u>्व यदः पर्कृति पर्दः प्रश्चे पर्वः स्त्रुवि पर्वे पर्वे पर्वे प्रश्चे पर्वे पर्वे प्रश्चे पर्वे प्रश्चे पर्वे प्रश्चे पर्वे प्रश्चे पर्वे प्रश्चे पर्वे प्रश्चे प्रश्चे पर्वे प्रश्चे प्रश्चे पर्वे प्रश्चे प्रत्ये प्रत् पदःर्वोस्रा वारःयः वर्धे वः वर्धे वः येयायः येयायः वर्षः व्यापः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः नुः नर्श्वे न प्रमे प्रमु प्रमे प्रम न्रीवार्याने पर्वेर्यात ने ते तिर्वर वास्त्रासी न्रीवार्याय थे पो नेर्या के सामित हो । वयानर्थेयायाधीवाने। नेत्यूयावन्ताम्यावानुयावया । नमीतानननमामीया यश्चार्यात्राचारा। ।र्जुरान्ने, श्रोधारान्त्रम्, श्राधारान्यम्, श्राधारान्यम्यम्, श्राधारान्यम्, श्राधारात्यम्, श्राधारात्यम्, श्राधारात्यम्, श्राधारात्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्यम्य चर्यायः वर्षेत्र । वर्षेत्र्यः हे। विश्वयः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत् श्रद्भव स्था स्थ्रीय त्रा र की र सुवा योषा सुवित्य त्यों त्य र की र स्था त्या स्था यो वित्र त्य ते र

য়ी८:र्ड्य:प्यट:योट:यप्र:खुर:द्या:ब्रथ:ब्रथ:उट:द्या:यह्य:पो:वेय:केद:येदि:रेव:पप्र: त्रच्यम् स्मान्यस् स्मान्यस्य स्यान्यस्य स्यान्यस्य स्यान्यस्य स्यान्यस्य स्यान्यस्य स्यान्यस्य स्य पर्कृतःश्रदःचःरेद्। प्रमार्थःश्रुद्रशःश्रुवःद्रदःश्रः वदःववशःद्रशःयदः प्यतः यवाननुब प्येब प्रकाने नवा केंद्र दें। वनैते बद्यां सुवा वर्षयान नदा अर्केद यत्व्यान। क्रूबाविर्यम्भूराचरानभ्रुवान। श्रुप्त्रावशासीविद्याचरा गर्भेयायायदेवराया हेरासुःधीयर हेरे वृत्ये केंग्रिय राम्यायाय भ्रेंबायादे प्यरस्थियाताद्वा पर्देश्यादेशात्रवाषास्थ्रीतास्थ्रीयात्रवे द्वीयात्रवे प्राप्तास्थ्रया <u>७८.१६८.१८८ भर.मूर.स</u>ुज.तर.श.३२.५चंश.चे.चैंद.चश.३२.तर.केंट्र.च.स्था.३२. श्रेव क्षेत्रम्बद वे द्वो प्राक्ति या स्थान प्राप्त क्षेत्र व्यवस्था प्राप्त क्षेत्र व्यवस्था स्थान स्थान स्थान यार्थिक्वे व्ययासुन्तुः ने न्वा वी सूदार्द्धवायात्वावायात्वीदार्देव नु विदेव प्यरकी विदेव या बुवात्यत्वर्यराव्यस्यात्वरात्यरः नवान्त्रीत्वर्ष्ट्यात्वेयः चुवान्तर्वे । तदीरः वसूवः वर्ष्ट्यः वर्ष्ट्यः वर्षे यम्भेयः हे न सुरमः भेर्द्रायम् वर्षे व दर्भे व दर्भे व यमः य के विन ने मान्य । चेन्द्रिया वर्षेत्र वे वर्षे चित्र ह्या ने हिन्द्र व्यास्त्र ही विद्राय स्त्री विद्राय है। विद्राय स्त्री विद्य क्षियायदी:न्दायदी:बु:चु:चु:चु:चेया:डेया:डेया:न्दा ।क्केंब्राःवयायायाः चर्चे:चुति:स्याः बोन् केन वर्नेन् चुति तव्यव्य चुःवा नेव याहे र न्न विया वर्नेन् क्रीवा वर्तुव यादी ह्यीं वर्षा ह्यीव ફ્રેંત-દુ-સેંદ-સેત-વ્યાસ-ફ્રેંસ-વર-વર્ચસ-દુ-વર્-વર્ચન-ક્રેંન-વર-ફ્રેંત-વર્ન-ફ્રેંત-વસ-સેં पर्कृत्वाचाराधीताञ्चेति त्यसाधीतायरासारेसायादरा। क्वेति त्यसाधीतार्स्वा पर्केताया

<u>षियःयर्गाःसःमञ्जलःयः स्त्रीःलयःगशुरः।</u>

यन्दरङ्ग्रेत् व्यान्त्री भूरि केत्यम। कुन्त्रो नः क्रेत् स्ट प्येत्। यन्त्र स्त्रा व्यान्दर्भेत्। यान्त्र स्त्र स

য়ৡয়য়য়ঀয়ৠয়য়ড়ৢয়য়ৢয়য়ৣ৽য়ৣ৾ৼৢঢ়ৢঢ়য়য়ৼৣ৾য়য়

देन्धीन्वोन्यन्वन्यासुरञ्जीवन्वया ।र्केन्दिरन्तुयासीवन्वर्केन्यन्वर्रान्तुन् **बी विन्**येन वर के कुषायते त्युषा क्षेत्रषा स्वता विनय वर्षे प्रवर्षन स्वता न्तुरःश्चिमारः मृत्युर। । यन्त्रन्युषायक्षेत्रः योन् स्टन्यः केषाङ्केन्। । यषयः वर्षाया विश्वासम्बद्धायम् वर्षायम् वर्षायस्य विश्वासम्बद्धाः वर्षेत्रः नु:नम्न, याः स्वाः याः सूरः नुः या ग्युः या या या या प्रों न् श्रीः न् वो सः स्रायाः अन् । यो या या या या या य য়য়য়৽ঽৼয়ঀয়য়ৠঢ়য়৽ৼৼয়য়য়৽য়ৢয়৽য়৾৽য়ৼ৾৽য়ৼয়য়৻য়য়৾ৼ৽য়ৼ यर-दुःवविरःग्रसुस्रान्स्रम्यायास्रोद्रायवैःवेसार्यःग्रीसः द्वेसास्रान्यः विसा विस्रयाम्युस्राविरित्वास्य स्वरास्ट्रेर्यायविस् मुन्तुस्ति होति द्वीपास्त्रीयाम् कें रवर्षा वाब्र द्व्यूवा से द्वेषायम्। रदावाब्र मस्य अराउदा से देव के सुवाय दे केन्-नु-पन्याः व्यक्तिः द्वीतः त्रवा कें-विनित्ते स्त्रोतः नु-विन्यव्यक्तितः क्वीः प्रस्कर् बुवावाः हे तके अप्रत्यापर तके प्राप्ता पुरासाधित प्रते तके प्राप्त प्रमुद्दा वापर वा बरा यदे:ब्र[्]रेग्र्यायदे:चक्कु:स्यवेश:स्याव्रेय:सर:सर:क्रेंदे:चग्राया:सर्ट्य:क्रुश् युषाक्षेत्रवाद्यात्रवादाक्षेत्रवोद्यात्रीत् व्यात्रक्षेत्रव्यात्रीत् व्यात्रवेत्रवेत्वाक्षेत्र

ब्रम्भ छन् वहँन् य मेन् य न्तुर विते नुष क्री कु में ब्राट मू महीम नु कुष य। षदा नर्देश्यभेन् श्रीमन्नुन्द्रन्द्र्र्यार्थेन् श्रीन् श्रीन्श्रीया स्मेन्यस्य स्मित्रा स्मित क्रेंबार्श्वेन्यावित्वयात्रीकेंवन्यावया हेत्यूरावययायवेत्त्वागुवाकेंवान्यायस्य यदः क्चे विश्वासीन् प्रतिविश्वासान्ता वसूत्रायातने त्युनान्ति हित्रासाने प्रतिविश्वासाने विश्वासाने हैन्डन भेन लेन ने नन्न न्य क्ष्माय महिषा ग्रीका विकास भेना स्वाप्त स्वाप्त जीर मी. क्रूबा जातकर अव तहूब हीजा है चीबा ततु क्रूबा जा ही बाह्य क्षेत्र क्षेत्र जीवा विमाने प्रमुद्धाया तहित क्षेत्रित स्रोधा विष्या विद्यान्तर । अवतः प्रमान विमान थावावश्रास्त्रव्याद्वाः स्वाद्याः व्यव्याद्वाः याव्याः व्यव्याद्वाः व्याद्वाः व्यव्याद्वाः व्यव्याद्वाः व्यव्याद्वाः व्यव्याद्वाः व्यवः व्यव्याद्वाः व्यव्यायः व्यव्याः व्यव्याः व्यव्याः व्यवः व्यव्याः व्यवः वयः व्यवः यर्देरक्रेंक्दिरक्षुःवज्ञरम्यर्देव्येद्रज्ञास्यर्थेर्यर्थेष्युष्यज्ञरवारराम्बद मिष्ठेशान्त्रि त्या प्राप्त ने का के के प्राप्त न स्था के साम गश्रम्यार्थे । १८६ म्यार्श्चेन ययाही सूरायह्यायाय विवासी यश्चाति यह महासाहिता । बुर सुन्न सुन्न या सुन्न साम् व सीना वितु होते । वितु होते सम् तिविद्यान्त्रेयान्ययात्रयाक्चित्रकायात्र्यान्त्रदार्के हे हे हो हा देश है ते स्वापान्त्र हो हो हो हो है है है ह ने जोत जिंद कुं लिया ओन प्रथा अधर कुत क जोत प्रति धर्म औन प्रस्कुत क निर् यक्यात्रमः विकाविका विकाविकाक्ष्मावकालमः विक्रितिक्वा मिनकाविकाक्षात्रमः रट.चर्लुब.क्री.म्रा.लंबा.क्री.च्रि.म्रा.लुब.सर.क्रेयु.म्रायाच्री.स.क्रिब.रट.चरुका.स.खेबा. ररः ग्रीयः मित्रीरः। ब्रियः प्यारे विदः यादे । प्यारे । प्यारे । प्यारे । प्यारे । प्यारे । प्रारे । प

वियायन्यायायङ्काञ्चराय स्टान्त्रायास्टा

लुष.त्रम्।वर.चनर.रे.चष्यातकीर.पे.जैंदु.चष्जा.शुर.वर.क्र्या.चर्द्रच्या.चर्द्रच्या.चर्द्रच्या. <u>२८.कै.ज.भक्ष.च.२४.वभग्न.२२.चश्चै८४.लूट.त</u> भु.पू.व..कॅ.कू.व.स.कॅ.व.स.तं.तं.तं. यानिर्मियायोद्दार्यते से मिनानी नारुयानु निर्मायायायोद्दाया स्थितायो सुर्वा से स्वार्थी स्वार श्चीरात्विरः सुवाः वाः कवाः कवाः वा प्रवाः स्वाः स्वाः त्रदः स्टः चुदः वीरा ख्वाः वेदः द्वैः वसुदः वीः दर् क्रीश द्विया शास्त्र शास्त शास्त शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र शास्त्र श तद्विक्षिव क्षेत्राचक्षिव त्विवा रदाववीय विविद्या अक्टूर क्रूट देव सद्वीय विविद्या गिनेरक्षे क्रेंब्र केंद्र में देव में के ब्रू केंविय क्षेय सुर तुर ग्राट व विस्तुत वित्तुत क्षेत नेति।वान्रवाकीत्रम्म् स्वान्यान्यवेवाने वन्तुः योन्याने त्रन्यान्यम् सुन्दिः। ই মর্ক্সত্তর খ্রী খ্রিরের নর্মির রমমাগ্রী মর্কর মার ক্রিমান মুমার মারার ক্রিমানা निव हु द्वाद हो हित्दे और या द्वीया यी अर्के नियाय हवाया हो । दिव ये किये या हेरा सहिन् सर्वेद सदे सेट ने निवाय स्था प्रयास सम्बन्ध स्था हित्ते सेट ता न्द्रीया अर्के विश्व भ्रेया या समस्य उपाया या या विश्व या द्वीया अर्के विश्व भ्रेया या दे विश्व या प्रति विश्व या प्रति विश्व बिट-बेब-य-वाबय:वा अवब-बेट-अर्ह्टब-या वे. अध्याद:^{ख्र}द:ब्रीय:त. यक्षियाः योषाः दश्यतः द्राक्षेत्रः याः यहवाः याः यक्कितः त्राः श्रीयाः याः वेषाः याः द्रीयाः यदिः इषाः याद्रशः ल्राचित्रम्बर्भन्यात्र से म्राम्य वित्र में म्राम्य वित्र में म्राम्य वित्र में म्राम्य वित्र में म्राम्य वित्र देट खेट चति वाद्र अञ्चान भीवाद वि प्रट प्रट स्वाय श्रीय द गेंद्र सकेंवा वास्रुय था नवायःबिरः नद्भान्तेनः यःबिवाः मुःश्चरः वया वनवाः वीयः भ्वः नद्भाने स्वरः

न्वीं वास्त्र वास्त्र स्थान स् . त्यत्यायीः तस्त्रायायायायाः हात्तुरा। स्वाहः तुरावस्यायाः स्वीवायावारः हातस्यः युर-दे-द-षर-ख़ुदे-अय-वि:य-श्रेष्वाश्वादा-दर-धे-श्चेश्वाद्याक्षेत्र-रद-स्वाश्चीश-व्युत्त-थॅर न ने त्र विवा धेव विरा वार नु वेर व ने व त्या ही क्षेर नु की का धेव द्वारा श्चिषारषान्यषरायान्दिरावराद्वेदाया बेर्हिनास्त्रुः व्हेनिषायाप्परासर्वस्रया र्थेर वीत र्थेर प्रमा दे देर साद्यात विर द्यो क्षेर क्षम शी वाय तम दे तं पर शुरा देरें के प्रवेद भेरे प्रायर्डिं स्थान है स्थान स् येन व नवाद दन्या सूर्य व सूर वया य व राने व्यासी दूर वदी सेस्राय सुने की निर् बोन्यर त्र्युर रेजिसुर सम्मा न्ने श्चेन्ये स्नर् सुर नु से सम्बन्धे न सम्मे इस्रमास्त्रीत् स्रमास्त्रीय देवस्य द्वी स्रोत् देवस्य स्रोत् स्राप्त स्रोत् स्राप्त स्रोत् स्राप्त स्रोत् स्रोत् स्राप्त स्रोत् स्राप्त स्रोत् स्राप्त स्रोत् स्राप्त स्रोत् स्राप्त स्रोत् स्राप्त स्राप्त स्रोत् स्राप्त स्राप्त स्रोत् स्राप्त स्रोत् स्राप्त स्राप्त स्रोत् स्राप्त स्राप्त स्रोत् स्राप्त स्राप्त स्रोत् स्राप्त स्र स्र स्र स्र स्र स्र स्र स्र स्त यन्त्रयाययानुवास्यायान्त्रययान्ययान्त्रम् स्वाप्तर्वे स्वाप्तरे स्वाप्तर्वे स्वाप्तरे स्वाप्तराम् वर्डराः वृतः वन्त्राः श्रीः विविरः नवीः श्लीनः यनः विवाय वर्डराः वृतः वाने वेः वयाः श्रीः कुः लुत्राः के। पक्रार्जिय तर्मा श्रीमा वर्षित्याचा क्रियं खेवा जायर या श्रीमा वर्षेत्र हो । देश भूमर्थःविषाः हुः भूः दुः रुः श्रेते विधाः यद्वाः धुवाः ये विषाः यद्याः क्रुवाः दटः रुवेः तर्व वाया स्वाया विषय स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वया स लचा.चिर.बुंबाची.चपु.चार्थ्या.लचा.चिर.क्चे.कुंब.त्र्यु.चस्चेबा.चस्चेबात्रा.हे। बर्बा.क्चेबा विविद्यान्य विविद्यान्त्र विविद्यान्त्र विविद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त चल्रियानेग्रायदे न्तुः स्राप्तर प्रमान्य विष्या स्रोत्रा स्राप्त स्वाप्तर स्वाप्त स्वाप्तर स्वाप्त स्वाप्त स्व मक्री में बेचा पर्दे वाया विक्र स्था में स्था मे

सुवा देःथः यदः गादः दरः हः चचर्यः द्रगारः विद्यः करः विचर्यः यः सेवार्यः यद्वे व्यकः स् यर:मूर्यायभियो यरियोद्यात्ररःभितात्राष्ट्रयःयःदेशःयभियःत्रम्यः त्र्रातः विया द्वारा हो। वर वी रायावि वस्या उर् या रखा द्वी यवि यहिर्या। यर यर् या यन्द्रः त्रुः सः श्रें स्वार्ट्यः से त्रित्रा स्वार्ट्यः से त्रित्रः स्वार्ट्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्ट्यः स्वार्यः स्वर्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वर्यः स्वार्यः स्वार्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वार्यः स्वर्यः स् त्र्यायात्र ध्रुवा उटार्वे रायदायदे वियान् वात्रुवायावादाः विदास्य सुवाया क्रुत क्रुवा त्रक्षियः प्रतिवा मृत्युत्रे स्वेदः स्वद्या श्रीका द्वी स्वाप्तः विकास्य स्वितः स्वतः स्वाप्तः स्वितः स्वतः स्व ब्रिन्द्रावदावस्यायाः सुतिः सर्केन् सूर्यः सुवायायते देत्रायाकेते याने सन्दर्भयायस्य सूर्यः मुत्र यदे तसूत्र याया रता हु हु दालेदा तत्र्या तु वितायर में गाउँ गाउँ या क्रेंत्र यया तहता ষ্ট্রব থেমান্বি বেল্লমাবেল্র্নাব কাবেনি নুলাবেল্রুন লাম্বর বা ক্রির থেমান্ত্রী মন্ত্র ने तद्ते क्रेंचरा पर्स्त में भीता देत् ग्राम क्रुं यो पर क्रेंत् याया प्रताय स्था क्रीरा वर्चियःतः शर्रो श्रुवः तथाः वर्चियः तत्रः श्रुव्यावाः विराधरः स्वरः यवाः नव्या कूर्यात्रायत्रयात्रात्रात्रप्रायाः श्रुष्यायाः श्रीत्रायाः यात्रीयाः विष्याः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीत ८८ होता व केंग्राया हेंग्राया होत्याया के विदा तु के होता केवा या होता या केवा या केवा या केवा या केवा या केवा यर्ने कृष्यया बुद त्वेया क्षे यया त्या तृष्यया केंया वर्षेत् केता ये प्येत प्या विवायि कें अपने कें निष्ट्र रहें अपने अअअखु जो नाये पर्ये न कें निर्मा स्थान नर्वोका बितुन्द्विमासर्वेत्यात्वन्यास्येन्यरावेत्यान्यः क्रुवाविन्दरस्याक्रयाम्यः वर्देर् क्रिक्ट्या क्रिंद्र खुद्दर खुर् र्येदि से क्रिक्य यादे प्राप्त प्राप्त प्राप्त क्रिक्य यादे प्राप्त खुद विर्मायस्थायामञ्जेषायगुरानुषा विर्मायरान्वेग्यायविर्मायान्यस्यायस्थायस्य

नयम्यायः सर्वेत् सेट मी सेट त्या स्त्रेत त्यस निन्यस्य त्या निन्यस्य वर्त्रयामान्द्रयामदे नाउत् क्षेत्रित्यस्य दे स्माद्राद्य स्माद्रीत्र स्माद्रीत् অ'ক্তর্জ্ঞামমাষ্ট্রির্যামার্ক্সমেন্দ্রমার্ক্সমেন্দ্রমার্ক্সমার্ব্যমার্ক্সমার্ব্যমার্ক্সমার্ব্সমার্ক্সমার্ক্সমার্ব্রমার্ক্সমার্ক্সমার্ক্সমার্ক্সমার্ক্সমার্ক্সমার্ক্সমার্ব্সমার্ব্ भुैं,य.यबुर्यायदुः सैयर्यासी यत्राभितायहुर्या हेव.रेयर हैंया भैया सुदुः र्वेर.रे श्वायानश्चेत्रने से यो वी नदे नर तु या स्था क्षेया वी न विष्या नक्ष से ति स्था नक्ष तु स **इ**.चाठुच.चु.लूच.२४.२८.भूच.चगूर.त.संब.अंआकूचाय.त.संश्वयत्र.त.संव्या पक्रमायावि हे विवा यश्याव्याया सम्रम् अस् अस् स्मेरिया से दारा वायम् हो। दे सम्रम् क्ट.श्रट्य.क्रिय.क्री.धुट.चित्रायायाक्र्या.पै.चर्त्रयाता.क्री.चीदु.धुट.चित्रायात्रीयायाबीट.चदु. कृट्रर्रे.अट्याक्नैयान्ने.प्रियातियातक्रीक्रेंट्रस्यातक्रिट्रे.द्रस्यान्ने राज्याक्रीक्रायीत्यसान्नीक्रिट्राया ह्र्यायाञ्चीयाञ्चीट्रायायाञ्चाञ्चीययाह्यायायर्यायह्रात्री व्यवःश्चीयः व्यवःश्चित्रायाञ्चा क्वायाञ्चीत्र स्वेता र्वार्वित र्वार्वित हो वास्त्र स्वाप्त स्वित्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्व चैत्रातात्राचित्रवातात्वदे ताञ्च की बुदावित्राव्यादे दे क्री वर वृचा छेता क्रींद त्याया वर्षा त्रमा देवः श्वमाराङ्कः द्वीरः श्वमात्रमायवात्रमायाः स्वरः प्रवमायाः स्वरः प्रवास्थितः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः पर्यातुः के निर्माणक्षात्र्या प्रविष्यम् । या प षदः श्रेन्वेश्वायः भ्रान्तुः विवायित्। वायः हे ने स्रोन्दः स्टर्रेशः वाद्यायः स्रायः यर्डुग्रथाने :रटार्सेययाः श्रीयायाः विषाः होतः दर्शेयायः होतः त्रायः विष्णा क्र्याचयार्श्वात्वेयाः नदायस्य देशस्य राज्ये वा श्रीयाय स्वेताय स्वाया स्वीता व्यायस्य स्वायाः स्वायाः स्वायाः चॅर वेंत्र हे त्यस हवा राष्ट्री प्येत्र हत प्येत्र य लेवा प्येत त लेट विस्रका वाट त्या दर्वी दर्वी याहेशाक्षेद्री: साक्षान्त्रीय स्थान्त्रीय प्राप्ति याची सावयन प्राप्ति से स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स बिट-तुःवर्श्वे मुदायायायेत्। देशाव विवादयायायोत्यायेत् सदी मुवायायभ्रेतः भ्रेवः ययान्दरः देवै पर्शेन् क्राया श्री अञ्चयया मुपायवे लेट विस्त्राया ने वा योस्या उत्तर मासवापाय पर स्री मुतायावरी देवे क्केंबायमा की केंबिया है। यह दिया वालवाया विवास लेवा प्राप्त विवास विवास विवास विवास विवास विवास विया यायर या या विता यो स्त्रीत या तथा या राया खुट वाया होता छीता यो ति स्त्रीता या विता यो प्रति स्त्रीता या मिट त्रपुर के हेट वा ह्या केट बट हुवा हुय कू जवा ताला वाहुवा वाला की वाहु त्रिवा हु त्व हुट यायेंद्राही स्टाच्याक्षेटानु त्वर्षेयान्वें यादावर्षेयायादे क्षेत्रयान्दर दुयायान्दर व्या बोन्। यन बोन् न सुन्यं प्राप्त योग यन बोन् न सुन्हेन खुन व सुन्ने न गठिया सुर के विर प्रसेवाय प्रमुद प्रमु र्ड्य लेवा वी अर ल्वय सी द्वारा अर्केंदि वर दुः सु য়ৢঀয়য়ৼ৸য়য়য়য়য়ৢয়ড়৾ঢ়য়য়ৼ৾য়য়ৼয়য়৾ঀয়য়ড়ঢ়য়য়য় नःक्यानःविवाञ्चवायाञ्चेनःवर्ज्ञानःरेन। नेःनुषाद्धान्नःश्चेषादेःनेनःनेषाःश्चनःयनः र्वेज्ञ र के प्यान प्रति । दे सुर हेत्। य कत क्षे व्यान म्वर र्वेदि रे त्रा सुर चयः द्वेदः श्रीयशः भीवाः था वयाः श्रेटः दशः वश्चितः वीशः श्रवाः या वश्चित् श्रवः विदः तदः यात्रवेशकान्द्राह्मा वित्यायात्रवेदाकेषा केषा वेदा विद्यालेदा द्या विद्यालेदा व्यापाने त्वमाराज्येन नुरा वे केंद्रा लेवा वा ता स्रेष्ट्री ने प्रतेन स्वर्ग क्षेत्र ते ने प्रवासी स्वर्ग स्वर्ग स्वर्ग मुन्न क्रिन्द्र मुन्न क्रिन् क्रिन् क्रिन् क्रिन् क्रिन्त क्रिन् क्रिन्त क्रिन्त क्रिन्त क्रिन्त क्रिन्त क्रिन ब्रैंचर्या हे या देवा यो या अर्थे द्या अर्थे व्या अर्थे व्या अर्थे व्या अर्थे व्या अर्थे व्या अर्थे व्या अर्थे **७५** - क्रेम क्रीन्द्र प्रति सुग्रम द्राप्त क्रेम क्री क्रियम दे यम प्रदे पाउन प्राप्ती परि क्री त्र्युत्रायायायाय्याप्यरायात्रव्यायाः सृत्युः त्रुव्यात्रात्यद्यन् हेर्। न्यार्वे न्विराविष्यया

यदे.य.क्ष.जारर.क्ष.रर.विभात्र.विभाती.वर्ज्ञा.लुषी देश.य.रर.प्रथा.क्षर.विष्य বাইবার্মার্ক্রবামানমবাস্ত্রিবামাবাইবার্মাস্ক্রর্বাথমারেইবমান্বর্বিমা ক্কুম'র্ন্ব-'ব্যব্য'মীন্'যমা'র্থা'ব্রী'অ'রিবা'অ'রিন 'ব্যমম'মন'র্মনীন'ম'ন্ন'উর্'দ্রর' यट.मू.योलय.प्रजा प्रह्मे.येजा टु.वश्वा.व्य.व्येत्रीयोजायोक्नेया.पै.पर्नेश.त.कें.पीयु. ब्रेट (वस्रयः पञ्चेट : प्रते : केट् : पुँचे या या है या प्रयायायाया । या विकास विकास विकास विकास विकास विकास व विकास व <u> न्यातः यथा केत्रः ये लिया क्वाया श्री न्यां या या व्यान्या श्री न्या ये न्याया या व्याप्या व्याप्या व्याप्या</u> क्रिअर्दर-रेनच.श्रर-तदुःश्रुच.त.जशाक्ची.चेष्या.श्रीच्या.श्रीची.रेचादा.चु.रेश्रेर. शह्र-वेश.चीय.लूट.च.ज.भक्ष.चे.जूट्य.क्रींच.चे.क्रा.क्री डे.चेट.क्रीयोग.भर्थ्ट्य. यःहेबःन्दः यहेबः यदेः बिदः । यस्याः यीनः यः यीनः यः स्वीताः याने याः योस्याः याने स्वीतः याः ब्रुॅंब :यम्रायदेवर्यायादायरायरास्त्रहर सुर स्ट्रेंड्ब्वा :यदेर :य<u>ब</u>्वाय सुवायादीया सेता हे : WE BA रें र के निवास के र विद्या हेत किया वर्ष या सुर के निवास के किया के पार के किया के पार के किया के पार के याञ्चरः याञ्चयावतर त्वायायार्थेत्। यञ्चयाव छे तद्वे से अयकुर व्यवसम्बन्धाः स्वा योव र्रा प्रमुप सुव या दे के सुव र्ये वा दे वा प्रमुप वा दे वा वन्यस्थित् क्रेंशः श्चित्त्र्यः वाहित्वयायेत् हुवायः रेत्। न्त्यायेत् व स्वित्रः स्वायः येत वह्ना न्वोःश्चेरःयेवायायदेःश्चरःयान्रः स्वेतःश्चेतः स्वेतावर्थाः स्वावाद्याः श्चितावर्थः श्चायविरारेत। अक्ष्यायर्थेवाची वर्त्त्यीया स्वाप्ता स्वाप . क्रें र.प्रश्नायङ्काः क्षेत्र त्यन्त्रः न्यन्त्र अन्तरः नुष्यायः मुन्तरः मुक्तायः स्वाप्यः स्वाप्यः स्वाप्यः स यश्चार्यात्रात्र्रित्रेत्र्त्र्र्य्यं क्षेत्रःश्चेत्रः श्चेत्रः श् यन्। ने प्रविष्यमेषियायायः स्रुप्याद्यस्यायायाः स्रुप्तायाः स्रुप्तायाः स्रुप्तायाः स्रुप्तायाः स्रुप्तायाः स् च'न्र-'न्र-'य'भेर्-'ब'न्र-'चिर्र'भेर्-भ्रीभ'श्रुब'हेवा'तवात'रे-स्रम्भःक्षुभ'त्य'स्त्याचतेः

यर्गाः विगाः यः तः रें स्थर्यः स्वरं मिर्ग्यः स्वरं मिर्ग्यः स्वरं मिर्ग्यः स्वरं मिर्ग्यः स्वरं स्वरं स्वरं स ৼৄয়৾৻ৠ৾৾ৣয়৾৻ঢ়ৄ৾য়৾৻ড়ৼ৾৻য়ড়ৢঀ৾৻য়য়৻য়ড়ৢ৻য়ৼ৻য়ড়৻য়ড়য়য়য়ড়ঀ৻য়ঢ়৻৸ वनर ये दे त्या भूका वका चुके विदेशोर त्या खूदे को हिंगा वह ग्राका खूदे को हिंगा वर श्रेव दुश्यायर्था क्रुयातिरावस्थायाद्दायते स्रोध्या स्रुवाते स्राप्ता क्रियातिराद्दा यक्षायायात्र्वाषार्क्षेत्रायाः व्याप्तवायाः विदायवादायो। वदायवादायो। वदायवादाय ब्रैनर्याक्षेत्रात्वन् स्रेन् स्टार्म्यान नुम्यान् स्त्रात्व स्त्र स्त्रात्व स्त्रात्व स्त्रात्व स्त्रात्व स्त्रात्व स्त्रात्व स्त्र स्त्रात्व स्त्र स्त्रात्व स्त्रात्व स्त्रात्व स्त्रात्व स्त्रात्व स्त्रात्व स्त्र स्त्रात्व स्त्र स ८८.पश्यातात्त्रीय.कृषायमेय.विभागराम्।श्रा.घष्रायात्रर्थाःमैय.विभागात्त्रीःपर्ययायीः हेन्-नु विन ने । ने न्या सुदे यो हेन् नीयायायायायात्र न तुषा हे नर्डेया सुदा तन्या য়ৢয়ৣৢয়ৢৼৼৼয়ড়ৢয়ৣৼ৸৾৾৾৾ৼ৸য়ৼয়য়ড়ঢ়ড়য়য়ড়ঢ়৻য়য়ৼয়য়ড়ঢ়ঢ়য়ৼ वर्ड्यायदे:ब्रीत्यदः अर्देव द्विषा देवे स्नव्यायद्या क्विया ग्रीके वाव्या ग्रीक द्वावा च्या संप्राचित्र में च्या की त्या की स्था की व्याप्त की श्रद्धाः क्षुत्रः विवादिवाः हेतः दुर्वितः स्नायश्चिताः या व्याद्वियः या विवाद्याः विवाद्याः विवाद्याः विवाद्या विः रदः यदया क्रुयाया रवा हु 'द्वादाबेद 'द्दायदे येयया सुरादे देतु' याओर वी स्नेर वर्षाओं हिंवा स्त्रू र्केवाया यहुया है दवी त्वर्त्त त्या वाहिर या दर् यः इत्रायरः द्वाययः द्वो तर्दु व तत्व्वायः यदे वावयः देरः ध्वायः यद्रायक्कवः यः सेद्रा कुंदेशयञ्जायात्र्यात्रहुः साविषानी तरत्यारत् भ्रीयायार महाम्यात्रात्रहुः व स्वाया इ त्रम्भाया दे त्रम्भायाद तर्रे द द त्रम्भायाद तर्रे द त्रम्भाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स नुः वेदायाने तद्वेदायके दावाया अवस्य स्वाप्तान सुना मुन्ते । सुना सुना सुना स्वाप्तान स्वाप्तान स्वाप्तान स्वाप

वर्डें अप विवासित विवा श्रेम्रा त्रम् विष्या कर्त्र क्षेत्रा क्षार क्षेत्र विष्या त्रा प्रस्ति विषय क्षेत्र विषय क्षेत्र विषय क्षेत्र ्यात् के तम्यात् त्वा प्रति त्वा विष्ठा के त्या के त्या के त्या के त्या विष्ठा के त्या विष्ठा के ति विष्ठा के त यार बया यार ख्रिया यो या यह या हे व । यस या ग्री स्वा खा स्वा ग्री ग्रा र या ग्री ग्रा र या स्वा या वि यह्या हेव की विश्वरायविवायावया ह्या सारवा विवि या द्वारा हे हे ते ह्या सारवा है खूर यर में प्रेन्या दे त्यया ग्राम्य यद विते तहे मा हे व श्री विस्थया श्रम्य उद देव में केंद्रे नगार से से रामा निरान ने दे ने प्रायम निरान स्थान स योदःग्रहः। देःचयःग्रहःन्।दःन्।त्वादःविनाःनीयःवेदःद्वान्योदःयदेःसर्वःसर्वःद्वः ब्रिट विस्रकाराने न उत्र ही भेति कि विद्वन्ति । त्या वाकारा देसा विकार विद्या के विद्या ही । बिषाः श्रुरः व रेतेः वर्शेन् वस्ययः के व रमा विष्यो श्रुवे या कु केव व प्रमाण्यया श्रीः स <u> বিরি:৯:৭৯:র্ক্স:খন:শ্রী:ধ্রন:ঘম:লাশুনেস:বম। নর্মন:র্ক্সমার্কার্ম-বৃন:শ্রী:</u> र्शेवाश्वान्तर्भाषा सुवा यदे यञ्च क्षेत्रित्वे स्वी धेव हव क्षेत्र यञ्च स्वी यो दि स्व स्वी स्वी स्वी स्वी स्व कॅंदेव्दायमञ्जाकेविषाचीमञ्जीवयाभ्रेष्ट्रीत्याभ्रेष्ट्रीञ्चयामञ्जीकर्ष्ट्रियाम् व्याक्तुः श्रुवायान्वावित्वने वास्वराया श्रुवाया स्वर्ते स्वावया व्याव्या वास्वरा चकुते:चर्र,२'अरश.भेश.ग्री:चर्यर,ह्या.ग्रीट.व्या.श्री:अहता.तपु:श्रेंद्रिय:पर्यी बेर्क्स्यासेन्यदेन्न्याधुरस्य स्विन्यस्य न्न्यम्बर्धित्वा मित्रा विवासीय निवासीय য়৾য়য়য়ঽঀ৾৾৻য়য়য়য়ঽ৴৻য়ৣ৾৻৴য়য়য়য়৸৴৴৻ড়য়ৢয়৻য়ঢ়য়য়য়য়য়য়৸ঽ৴৻য়ৣ৾য়ৢয়য় মহিমান্ট্রমন্ত্রমান্তর মাধ্যমান্তর প্রমান্তর সাম্প্রমান্ত্রী ক্রমির প্রমান্তর প্রমান্ত প্রমান্তর প্রমান্ত প্রমান্তর প্রমান্ত প্রমান্ত প্রমান্ত প্রমান্ত প্রমান্ত প্রমান্ত প্রমান্ত প্রমান্ विर क्वा क्रेन से र पर्केश पद अझे ने त्या पहेन निया क्रि विर दिने पर दिने ।

र्यवाः येर् क्वियः ख्राक्षः सुर्वे द्वयः वाहिकाः यः वेवाकाः यदे विवरं क्वीकाः वर्षे रः वा सुस्रासेम् मी वस्त्रान् सहया हे कुया नाति वस्त्रान् निरुष्या सामानि स्त्रान् स्त्रान् स्त्रान् स्त्रान् स्त्री ब्रैंचर्या ग्रीया वर्ष्ठ वियव र मर्डिन ग्री सूना वस्य विवय स्वर मी वर्षे नाम स्वर्थ । उत्र-दु:वर्त्ते प्रति:व्यसःसूर्ति:वसःसूर्यदेत् प्रमःस्विनः उत्र विकायसः प्रस्ति प्रमः यहेव.वंबायने.य.व्व.की.बुट.वंबाबाता.सींबा.दंबा.दंबाकु.श्रा.प्रेया.तंबाकु.वंट.वंट.वंट्या हे भ्रुरा विट बेवा केंद्र क्षीरेवारा उद द्वार में ईद में बिवा रु. भ्रुराय सेवा उवा भ्रुराय ५८ वा बुद्र अ.५८ हिट व्हेंब स्ट्रेंच अ.ता.वा.श्रवा अ.ता.च्च व.४ अ.ता.च्च अ.व्हेंच देवा योन्-न्न-द्विज्ञाया-पङ्दिःयान्या-क्कार्याः यानुत्र-त्याः वेजा-केत् व्याः केताः विज्ञान्य स्विजाः वेजा केंगः श्रीनेत् विरानु कुन त्र या श्रीर कुन यो अस्य निय दे श्रीन या क्षेत्र स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान बिट विस्तरा द्वा यदे वाद्य रादे द्वा यहे वदे सुवा सह वा ये सागुद द्वा नश्चरमाने सान्वा प्रति हिर विस्रमाया सुत्र्युया श्चीमा स्रीत द्रमा स्रोसमा स्रीत देवे बुषायर में निष्ठेन क्वें निष्य स्वाप्त द्वीत्र प्रति क्वें निष्य हे निष्य हे निष्य के स्वाप्त कर स् क्रीदेव,रे.कैज.च.ह्र्यायातपु:यरयाक्याक्याक्री,युं,एत्तर,चनु सैया.पे.ह्यूपत्तर स्था,ह्या. डेया देख्ररावययाद्याकुदादुः क्चेदाययावहवादायर्थाकुयादेदाद्यवायोदा तपुः राष्ट्रभाषाञ्चीराया वर्षाया ३८ । यहू राषाय वर्षीय वर्षाय वर्षीय वर्षाय है। नुषायके या बेषाया ने प्यता सुरिवा या। या यदि सूता या संसारेन्। तुर्से षा सुरिवा नगायानातर् विवानायाधीव। भैनार्डमानदे स्थाभी वार्डमानदे । ययाम्ययान्त्र-विद्युप्तः । वहतः तेन् व्युप्तः विदः वी व्ययात्रम् वयात्रमः विवायानने य.२४.की.ध्रेट.विश्वराजा.पर्ची.क्र्या.त.५८। श्रिय.४४.योज्ञयाया.८८.श्रद्धेय. र्शेन्। राष्ट्रीयायया क्षेत्र्या विदादे स्थाद्या स्थाय स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित स्थापित र्केंग्राया के त्रिया विदास विदास के त्रा के त्रा के त्रा के त्रा के त्रा विदास विदास विदास विदास विदास विदास व श्चुनःवर्द्धेग्रयः नदेः नः उत्रः यः वर्षे हो दः हो सुनः हो विः श्चुनः होत् । यद्भा यः वदे। उन्नायः पर्वः सृर्वेरः विवाः वसेवः द्यीवः पर्वेरः यारेत। देशः वः मध्यश्चरः स्थितः द्यावः द्वावः द्वीं ह्येः श्रीया गर्सेन न नगर तर्ग केंग्रिय ययग ह्रींन यस हैन रे ही र सर पेर न वर्शेन क्रेन रेन। वीत श्रीन तन्त्रा वर्शे रायने वास्तरी अपी वसून ग्राम · सूना नसूय होत् होत् रेता तेया व त्वात व त्वात की स्त्रीत रेता वात हुत होते हेना रेत्। गुःषद्यार्विवायो। येययार्थेत्यारे श्रीयाद्रास्त्रीत्यार्थेत्। ने ने नि के बार्य के बार के व्याप के निवास के बार के बार के बार के बार के बार के बार के का के निवास के बार के का वहेंग रदःरेशः केंशः वन्दः केंशः हुनः केंशः हुनः वदः हुशः ग्रुद्द। द्रशः यदेः हुः क्रेंबाया में विश्वेष्वयाया विदेश विद्या स्वित कर स्थित मुन्यवया यहे समया सुवा नर्या सेन् वनम् कें तिन्या कें खून के चेन् के कें मेन् के सून के सुन के सुन के सुन के सुन के सुन के म्राया उत्राच्या प्रमुवा प्रमुवा या से प्रायत प्रमुवा प्रमुव प्रमुव प्रमुवा प्रमुवा प्रमुव प्रमुव प्रमुव प्रमुव प्रमुव प्रमुव प्रमुव प्रमुव प्रमुव प्र यायम। न्वीत्र्त्रायायमञ्जूनायते व्यान्याम्भित्र् भेषाया स्वान्यायमञ्जू स्वीत्र के कुर सूर मुरानु त्वात रेते रूट में ब र्डें बिवा त्वात रेते रूट वालन वाहिश में बिवा बेगा केन अर्दे स्माय ग्री यस श्री विद्र केंग दर प्रसूत हे तमाद रेदे सेसय उन मालन र्देव। अर्देरवाक्षेत्रयाञ्चाम्ययाञ्चायाञ्चायाञ्चीयाञ्चायावर्षेद्रायदे केदादुष्टेषा क्रेन क्री व्याप्त व्याप्त विष्य विष्य

सर्ने त्याया सामाने त्य हिया है । वायम नामाने स्थान स् यक्षित्रस्य भूष्याभूष्यायात्रात्वात्रम्यः स्वायात्रात्रात्रायात्रात्रम्यः स्वायाः स्वयाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स्य क्र्यायायबर में बिया खेडी यह या हे व प्याप्त या श्री ही रिया प्राप्त स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वयं स्वर्य स्वर्य स्वय स्वयं स् . त्युवः त्वेयाः यो . कॅन्:नु: प्यनः व्यवः यो नः स्थः क्वेयः व्यवः यो सः क्येनः यमः व्यवः या स्थानः स्थानः स्थ स्थाने स्थान नुषाञ्चन क्षेत्री त्रन् प्येत त्र भी त्रेषा सामानिया स्त्री या मन्त्र त्र सामानिया स रेत्। र्क्सः व्र्स्यः यः क्रुतः यः श्रुतः यः यात्राम्यः योज्ञायाः योवः यदे प्रयाः यात्रास्यः यदः यवः यबि.जये.ब्रीय.क्र्य.क्र.य.जा.म.ब्र्या क्रेंट.यं.जा.या.या.व्रीट.दे.जीय. लूर्। र.र्टर.पर्ट.किंप.भी.भार्थर.पे.जूर.प.स.की.प.इंग.भार्थ्य.भार्याचारा याक्ट्रायम् ययायावरावानीराहेराययायावरान्द्रिकाषात्रात्रुवाक्वाया गर्नेग्रायायेत्।यराहेग्।येःहेंग्याश्चर्याःकुराव्याःदेतायायेत्। देयावःदरादेशे यरमा शुरायते र्श्वेत पुर्को श्वेत प्रेम प्रेम के भी भी के भी के मिन के भी भी के भी क मिट.यधु.म्.ज.पर्वेचा.तपु.बूचा.सुंचा.नज.२८.जैव.तपु.षाक्ष्य.धुट.क्ष्य.क्री. ब्रियाः सारेन् स्प्रेन्। मनः यद्दियाः क्षेत्रः क्षेत्रः स्त्रेन् स्त्रः स्त्रेन् स्त्रः स्त्रेन् स्त्रेन बीयक्षेत्रहेन्यहे प्रेंट्यने नेया नेया न्यान्य दि । विकास श्रेतित्र सान्धित् श्रीत्र त्यानेति द्विन् रहेका भीवा त्यनेत् भीका नवीं का है त्यने मा सामित्र सामित्र सामित्र नमस्यास्त्रेम् देः प्यत्येन्यास्यिन् नमस्यस्यस्य स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर्ते स्वर् यरतिन्द्रीत्रचेत्रतेषात्रभा केषाञ्चयानेषाक्षेत्रवेषायाञ्चय केरतितेष्ठाः वलग्यान्द्रन्द्रात्र्र्वेषाय्यवषायायान्द्रन्। वन्नेष्यायन्द्रेषानेवार्याक्र्या विवायन्तरात्रा रयतः स्वयः द्ववावीः स्वात्रयः यन्तरः त्वाद्वरः ययः द्वेतः र्द्वः क्ची:ब्रि.प्रे.प्र. १९ तर तर १९ मूर्या अया दिया वि.प्रे. मूर्या वि.प्रे. मूर्या वि.प्रे. मूर्या वि.प्रे.प्र. मूर्या वॅट त्य मर्वेम खुम प्रमुच स्माय त्वें लिय बेर पर रेट्। देर य बद सुम रेवा थें ad.ज.७९५.र्थे.संयोग्यायात्रात्राचार्यः प्रत्यः सु.च्याः प्रत्यः प्रत्यः सु.च्याः प्राप्तप्रः विषयाः जात्रः विषय प्रमुषायात्रयात्रयः भूपयाः वैवाःयः स्रीत्वाः वीः प्रथाः स्रेत्यः स्वयः स्रिवः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स् यरःब्रैटः विश्वश्वात्रकाय चेटः क्षेप्ते प्रेयः यचेटः रेशायावा रेशायः क्षेत्रा चित्रा है। खेराय <u>चे</u>पा रेना नन्द्रः त्रुवार्थे प्रवार्थे स्वार्थ्य स्वार्थ्य स्वार्थे वार्थे वा र्यूट-५८-वरुष-भेर्-थ-रेत्। न्याः ब्रव्यश्य श्रीः श्रुविष्यः द्रष्यः वर्षाः वर्षः न्याः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः राज्यन्यारेन्। इयाः वियाः वीः क्वान्तरः हुः द्वाः रेवाः रेवाः वीर्याः केनः यरुर्याः केनः वर्षाः वीर्याः वियाः वीर्याः यः सारोदः सुत्यः दुः तुवा यः विवा योदः दुष्पा चुः देवा वी खुं वा खुर से हो वा विवा यदिः विनयात्रयाः स्त्रीरः त्रुयाः ने नयादः स्वेरः नः येदा देतेः वायतः दुः से स्वायानियाः स्त्रीयाः त्रुवाः यन्त्रेन्त्रस्त्रीयः स्त्रीयाः यास्रादिस्यायस्त्रेन्निन्ति दिस्यायस्त्रीयः स्तर्भायस्त्रीयः 'तु कैं छै तद्वे तु दराय विवा धीव वतर द्यादाय रेद से द्या 🏥 रेवा यदे खदा वर्षा है। ब्रुयः विवान या प्येतः तः ब्रुयः श्रीयः विति । वितः विवान वित्यक्षियः श्रीयः वित्यक्षियः वित्यवित्यक्षियः वित्यवित श्रीयार्विष्टरमी र्स्टरमी स्नेर्ट्स स्वी स्नेर्ट्स श्री स्नेट त्या स्वरम्म त्या स्वरम्भ स्वर्मा स्वर्मा स्वर्म वयानुःसूयान्नियासूयायावयानुवर्त्तर्यययान्त्रान्ति। सूयान्नियाहेयानेनाने व्रेष्ट्र्याकेर मी वर र विषा सूथ क्षेत्र कर वर र र रे र के व्रेष्ट्र सूथ मावसा वर वर श्चिषाम्बर्यातुरावरावयायराञ्च्याः श्चीः स्रोदायाः स्वीत्वन्याः स्वीत्वयम्।

यर्वः यर्षः यसूर्यः स्रें वयाः यर्षाः वेषः राष्ट्रियः वर्षे । यः वर्षे । यद्भे दिंदी, पद्मित्र मित्र प्राचर्चित हो, याराया तहार दिया दिंदी, प्राचा हो, या विष्य प्राचित । दशःश्वापन्द्रः स्ट्रोतः श्वीरायायि विराद्या अधितः ययायायाया विष्या साम्यान्या साम्यान्या । ই্যাপ্যন্য প্রসমান্ত্রীপ্য দেখ্রী নাল্লীপ্র প্রসান্ত্রিপ্র নাল্লপ্রসালিক ক্রিয়া নাল্লপ্রসালিক ক্রিয়া নাল্লপ্র यस्तरः च्रेत्रः स्त्रेरः त्रेसः सुर्याः स्त्राः स्त्रा र्थित्। वाष्पवाः पुःशुः लेवाः ददः रुक्ते उत्तर्वाहेशः सूदः विः वाह्याः वशः रुक्तः विः श्रेदः वः रेत्। युःयुर्वाने त्याते तिर्वेत न बुदः त्र वास्या हिता यदः विवा या श्रुट्या त्र वास्य योड्या तम्रतः नुषः याष्या : ऋषः सम्रतः सर्वो । द्रश्येतः । विष्या । स्रोतः । विष्या । स्रोतः । विष्या । स्रोतः वतर रुद्द तर्वे द्वा वयवाय यायवय पर्णेद या रेद्दा श्रीद श्रे श्रीद युवाय श्रीवर वयानययः र्ह्वे निहरत्। याकः विषाः वीः खुरायदेः वायोगः विष्कुः गदिः कॅरायरः र्थे विषा भेर्न में तुषा तु कुर वीषा तर्सेषा सेर मारेना स्ट मन्या सुगा मनत मा महिषामा सेंदाद्या मलदायाद्या सुमा मारा सेंदी द्यमा द्युदाले मार्चे या पेंदा स्रो न्यवाः यरः यः दुवाः वृषाः तुवाः तुः कुदः प्युवाः सुनः चववाः यः येनः चे यः वदेः वान्यः कुनः प्येनः यः रेना मधेब न्दर सुर्जेर श्रीर प्रवृत्त ब्रम् वर्ष न्द्र प्रवृत्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वा क्याक्कीत्रामक्षेत्रानीत्रवेत्राप्ते व्यक्ति विष्ट्रियात्राचात्राच्यात्राची विष्ट्रियात्राचात्राची यक्ष्यारेट् स्वयंत्राक्षीं स्वर्तारेट्रा कुं वेर प्रश्रेण सूव खी स्वर्ता की वर वर्ता ही वेर वन्यस्थ्रम् वर्त्त्रम् वर्त्तः वर्ष्णियाः वर्षावाः वीः वर्ष्त्रः यः देत्। वर्षः देश्वरः यः देश्वरः यः देश्वरः वर्षः वीः स्रक्रियः श्चीः वर्षः वीः वाप्युः द्वीः वाष्ट्रवाः याष्ट्रवाः याष्ट्रवाः व्यक्षः याष्ट्रवाः विवाः विवाः याष्ट्रवाः विवाः याष्ट्रवाः विवाः विवाः याष्ट्रवाः विवाः विवाः याष्ट्रवाः विवाः विवाः विवाः याष्ट्रवाः विव तम्रम्। विष्यार्थेरास्यायरास्त्रारः त्रे सरायायिवा तह्या श्रीतः स्थायन्तरायायि। र्द्रायम् विष्यायः रेक्कुः वाकवायालेषः यद्रायः देवाक्षेत्रः विष्याके वारेदा श्रीलेषाः वीयाः वीयाः वीर्याः वदःवयाम्यःविमाह्नेदादे। ब्रियः स्ट्रियः स्ट्रियः मान्यः । ब्रिक्तियः व्याः मान्यः मान्यः स्ट्रियः स्ट्रियः स्ट नः सुन्दह्मा अन्तिमा मीर्था स्रोत्म स्थारा है नि स्पेर्दा संरोत्। नि स्रोत्स स्थारा स्थारा स्थारा स्थारा स्थार तर्राम्यायारेत्। वातास्यान्त्रीतिरायाय्यास्यायायार्येत्रीयाः क्रम्यायायारारेतेः क्र्यायमायायार्थेसार्या विष्यायायीत्राचीर्यात्र्यायायायाया बेर:ब्रेंब:प्येंद:य:रेदा य:द्युद:य:वबर:व:वद:य:यय:य:य:रेदा य:द्ये:क्रु: कुं या सेवासायर दे तदा सवसाय दरा ५ ५ ५ ५ सम हो दुसाय है दे त्युराय दर यवैंद.यधुष्ठ.रद.वैंद.बु.पवींर.व.कूर्य.रत्तवा.वैंद.त.ज.श्र.जया.वीद.देरे.पबू.र्थायया .बीटा। ५.ज्र.क्वि.लीज.२.अ.पवीज.अ.चक्किवा.तपु.क्रूच.२.पवीज्ञ्या.अ.घष्टा.क्रूब. रुर्श्वेरिने हेत्य्ययायर येरितस्रेरितस्री वात्रवान्य विराधाः स्तर्याः स्वरा क्रियायात्रयात्राः क्रुवायाः वादाः यारेदाद्यालेयाः क्रुवाययाः केदायावयाः क्रीक्याययाः त.र्थेश्व.क्रीश.पट्ट.रट.वैंट.विश्वश्ची.पर्कीर.य.योथेष.धुवी.त्रीश.मीथ.मुप्ट.प्रट.दुरा.पर्मीता. यन्द्रमुवाः व्यवाः मुक्षा वाका भिद्राः स्रम्भावाका व्यवः तर्वा डेश य लेवा रेन तर्वा इस्ति नवा सार नवी यम श्वा वी त्र विन वश्वा हा त्वेन् वुर्वानुषा विता वेदा विद्यात स्वात स्व र्ने ज्ञाणेन स्रोन् स्रोप्ते व्या त्र के विद्या हेन की स्रोधी स्रोप्त स्रोधी महिला हिन र्ने बुन री लेग पान्य है लेग में ज्ञाय दुः है हो। कें तदी ते ने वा कें कें दि हैं हो र्देशन्तुन्। तर्त्ते प्रचर प्रातिषा मीयाने ज्ञायर से तेर् । ज्ञीने वा प्रचार से तर् वःवेदःक्षेत्रयः वृत्रायः ग्रीया के सुतः क्षेत्राद्वातः वेत्रात्वेता क्षेत्रात्यात्रः स्वतः या क्षेत्रः यो क्षेत्रात्यात्रः स्वतः या क्षेत्रः यो कष्त्रः यो कष्त्रः यो कष्त्रः यो विष्ते यो कष्त्रः यो विष्ते यो विषते यो विष्ते यो विष्ते यो विष्ते यो विष्ते यो विषते यो विष्ते यो विषते यो व तर्वा देवानः वीषा हिन्यमः नुःतयवाषा नेवा नेषा मन्या ही । सूरकेंविद्धीद्रस्य म्बिन्य महत्व नित्र विदेशियम सूर्व निर्माय स्थानित्र महिन्य से हा र्रायद्वायालीयाधियाधेर्यायदी। वर्धेयक्क्याक्षाक्षेत्रीर्यरादेवाद्वायालीयाधाः न्वींका न्यावर्द्धेरःश्चीः श्रेष्युकार्स्वनः स्ट्रेप्नवो नवरे व्यक्षः स्वावत् व्यवस्थान् वित्र हेरिन् स्ट्रेन बर म्बल्य सेन् देना हेन् ग्रुट ने त्यामर्शेय न सम्बन्ध तर्ने ने त्र सम्बन्ध न ज्रस्यायाञ्चरायराष्ट्रस्यववायायायुत्रित्रं । वित्यस्तर्तुत्रं केंत्रित्रं केंत्राय्या भ्रुभायते भ्री भ्रीम् भ्रीम्यम् भ्रीम्यम् भ्रीम् स्वर्था भ्रीम् स्वर्था भ्रीम् स्वर्था भ्रीम् स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या न्वीं अप्याप्तेन् स्यापित्वा स्वाप्ते स्वापते स्वाप्ते स्वापते स्वा यारेद्रा यात्रयातस्र रहोद्दे त्ययाश्ची यात्रया स्वाह्मयाहोद्दे त्ययाश्ची वेषा मे मुरक्षमा बिना ग्राम त्यारा से बोषा स्मारा विषय से मा निवास विदःयायश्रस्त्रस्यःविवाःवेयात् स्टःदेवैःयुद्धायावदैवैःवृदःमुदःयावयावीःदेरःक्केरिःवेः विः ह्रेंद्रः स्रवाः प्यवः कदः श्रीः वर्ह्वावाः श्रुवः श्रीदः श्रीवः प्येद्। देः वाः कः रदः वीः व्यवाः वाः श्रीवः र्शेट व त्येवाया सेन् ने त्यह रहें सालेवा ग्राट वेया या सेन्। सहें स्व स्ट त्यवा हु प्येन् ग्रम्परम् क्षेत्रम् स्थान्त्रम् विकार्याः विकारम् स्थान्त्रम् विकारम् विकारम् विकारम् विकारम् विकारम् विकारम् ययद्वाः द्वेवाः द्वेदः द्वेवा रूटः देवेदः प्रवाः व वययः यावदः इययः ग्रीयः दटः ये र्यटः हिन् सी कॅन खूर लिया हु। ने रह्म यो सियाया यहिषाया के स्था से साम स्थानया लिया हुया है। क्षेंत्रदेश्चेःस्ट म्ब्रिक् महिकार्देव त्ययुवाद्येषायारेत्। केषात्रदेयाः हेव महिषामा

व्यवाक्कियः व्यव्यास्त्रे स्थान्यास्त्रे स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान रुट केंबा तहेवा हेव दे तद साधिव वया दे विषेषा गास्त्र साम् द्वार स्वर्थ हो हो द न्यास्त्रयान्यनेन यारेना वहेवा हेन के या वहुन की नेन वाहेर वाहेर वाहेर वाहेर ५८'चडरू'य'स'सुदरू'चर'सूच'दर्यायदे'र्केरू'५८'क्वच'दवाय'र्वेरू'प्रेद्रास गहेंग्या वहेगाहेव पर नगानी साम कुरवाका धीन केया की नन या वाहेव वया मक्या.योर्भेभ.सैयम.र्भे.यहूर.खुर.जम.यचम.ज.सैर.टूर.क्य.यखुर.रे.वुरे.त.रम. यदः र्क्स्यः ग्रीक्ष्यः प्राविः ध्येत्र। व्रीः धीः र्क्स्यः युष्ण्यः योष्ण्यः युष्ण्यः युष्णः युष्ण्यः य चिषया विषयः चार्यस्या निषयः स्यान्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वरं स्वरं स्वरं त्यातर्वो चतिः स्नेर्या सेरा सेरा सेवा या रेर्या चर्चो द्रा ग्री त्या लेवा प्येत या सेवा रायते स्वर क्रियाययश्यितयात्वाय्याद्वेयवाहे क्रेत्राप्त्राच्या मुक्राप्तायाय्यायाः क्रियायाः रेअ वेषा पति तह्षा क्षे अवतः प्यापा विषा यासुरयः पया रूपः रेया ग्रामः प्राप्तः विषा र्थे से र सुन्त्र न वित् सु धेत प्यर न वत ही श्रेन से न र । से ने स वितर श्रेय्या उत्र क्षेत्र क्षेत्र व्याप्त प्रदेश स्था विषय क्षेत्र स्था विषय क्षेत्र क् वदः विवादविषा देवे स्ट्रेट दुःम् स्ट्री द्वेद या विवा वासे र सेवा साविदः या वाद विवा हु नविया व मु की इव या विया ही द दर्गी या देश स्त्रेर द सुव केव ये सि से सह सुव कुर द विः ह्रवः श्रुः ह्रवः श्रीः चलदः क्रुः द्रशः चरुदः ययाः तुः योवः श्रुवः यः विषाः रेदः श्रुवः यदेः श्रेटः वया ब्र्मिनाः ययः त्वः यर्ज्याः श्रेः भ्रें क्वितः वित्वः यत्यनः श्रीवः श्रीः वर्त्वः यः नेः वर्द्वः श्रीः नेशः नवोः यङ्गेवः क्षरः भ्रे मुद्दा देवे स्रेट दुः वेजा नाये साद्दार स्वास्ट्र स्वास्ट्र स्वास्ट्र स्वास्ट्र स्वास्ट्र स्वास्ट्र

भूग्रयायात्वर्त्तरभूरत्तरे के भूत्रा न्यांद्रायकेषा मार्यायात्वर्यायायात्वर्यायायात्वर्यायायात्वर्याः नुन्नों ब्रायकेषा या श्रुयाया अर्केन् छैद। कुन्यव्यव्य श्रुद्व व न्यावेन् केवाया लेवा सेन्। केंग्रान्द्रायालेगारेदाबेराकेंग देवेका मुक्तायावहेंग्र्यावहेंग्र्यावहेंग्र्यायादाविकाया गर्नेन्य देव केंब्र भीवा त्या प्राप्त प्र प्राप्त प्रा व केंग्रायान व र ये लिया यी व र रेंद्र केंद्र च वे 'श्री से च श्राया व व श्री भ्री र अर श्राया च स्री व रेना यने यञ्ज वे के नेते रेगाय न्य यय ख्या विव कुरीय येना के यन्य यह्मा हेव महिषामा ह्ये रामन द्वारा माना माना माना स्थान स्था वर्चिदः दृदः श्रुवः र्योदः की व्ययः वर्क्कुदः देः वेषाः क्रेवः वरः वर्षः व्ययः श्रुः विषाः चेवः दर्शेषः यः पर्सेष.त.वश्रश्चर्यात्राज्ञाच्याच्येट.टे.ह्रेयायात्य.ट्रा यार्थेट.जीयायावश्चर्याः यद्ययायर वराय। देखाय होता हो क्षाय दे द्वीर या सामा से दा हो वाया या केषार्श्वेरि.कृषे.त्र.प्राचार्यः विद्याः यद्यः क्षेत्रकारान्यः क्षेत्रः क्षेत्रकारान्यः विद्याः विद्याः विद्याः गैयाने तर् श्रुपानमें यापेन यापेन यापेन यापे के याप है वापि स्वापित स्वाप श्रेश्रयात्रवर् तात्रवर्षाः क्रियाः वृत्तः यात्रवः यात्रवाः क्रियाः क्रीत्रव्याः वृत्रव्याः व्या तह्नायास्रेन्त्रा मनुष्यन्तुः श्रेकायस्य न्यायस्य स्रोतास्य वर्षायास्य स्रोतास्य स्रोतास्य स्रोतास्य स्रोतास्य वियायनु: प्येट : यथा विवानु: देव : न्यः यथा । व्यापानियाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय विवाय यरति। विश्वाम्बर्धरत्रातास्त्रा भ्राविचात्त्रवास्त्रस्य वश्चेचात्स्ररायन्चार्यत्रा য়য়য়৾৽ঽঀ৾৽য়য়৽ঀ৾ঀৣ৾ঀ৾৽য়ৣ৽ঀয়৽য়য়৽য়৽য়৾য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়য়ঢ়য়ঢ়য়৽য়য়য়

हैंबाबाक्रेत्रःकॅटःवाक्रुःत्वाद्रःव्यदेःवयः दुःबाब्वतः दटः व्याःवदः वदेः ब्रिट् केंबा ब्रिट्ययः ययः देः विवा प्पेन डे वा वहवाय विदान्धन या अदाया आपत्र वा शास्त्रीय या प्रह्माया अ न्धुन्यर्रे लेग्नाची सन्दर्भाषीत्र त्रावर्षा स्री योत्र या स्रविष्ययते न्या स्री यात्र विष्य ब्रियायवर प्रेर्ना यारेत्। देन्यायार्वोट स्रवेश सुवायायश्चेत् नर्राय ह्येत् पर्वे स्वर्था यर्झेब्रास्ता ह्वेंबास्त्रेन्द्वेन्यते रेक्वेष्य प्रमेना है तर्द्वे केव चे रेव्हे यर्झर में मान्यात्रामा विषासे से खेला से नया प्रेर माना हता. वाकवाबार्या इ.च.प्री.लीवाजा बीचार्ल्य.क्ष्याचन्यन्याः। रट.स्.चर्षेष. व्हेंत् ग्री स्रुवायुवायुवायवा विराग्री स्रेट त्वायस्व यावा ग्री देर ग्रीत प्रवेत स्वापी दिन क्षेट क्षेत्रवरा श्री पेव नव वा यहेव कु पेंद्र सेद्र पेंद्र दर्शेष यवह प्यह सेद्र देवे क्षेरलेवा दुःक्रें श्रुवर्या सेन् सर्वोद् सेन् १६सा वर्षा दिवेर पदे सेस्य ४५ श्री श्रुवया रेत्। देः भदः अवरः वातुवाः वः अद्याः क्वा अत्वीं व अक्रेवाः वार्डवाः यः वदु अधः भीवः तर्ग शर्भा भेर्या भेरा पर्रम् अत्यन्त्र स्त्र भेर्या स्तर्भ स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स्त्र स् महिषामितः क्रियाः क्रियाः क्रियाः द्वायाः प्रदेशायद्वायः प्रदेशायाः प्रदेशायाः विष्ठमाः वेंद्रश्चीः याक्षायात्र क्षेत्र केंया वायुया श्चीः स्रावया यद्र श्चीः यो वत्र रवा तृ श्चूद्र वा द्रया यक्षर्याते, देयो, पर्वेष, क्री. ही, देर. यार या. क्रीया. क्री. या. क्री. या. क्री. या. क्री. या. *५.*७८.ज.बूच्याच्याचे.च.धूचायाक्य.२.वेर.बट.वेश.क्रू.ब्रैट.त.कज.प्राक्ट्य.क्य.२. तक्षुरावतः हेर् वाय्येन् यदे स्नावराया स्वावराया गासः वे यावान्त्र न्याने वस्त्र न यन्ता वेर अर्द्न नेते हे बार्य प्यतः येर केर पति नुषा सर्वेष विवाह ज्ञान ५४:अअ:वर्त्वः वर्षः वसूत्रः यः वसूत्रयः है। सूर्तः न्तुयः वर्षः वी स्थुवः द्रयः वर्षः वर्षः वतःवसूत्रयवसूवद्रशसूत्रवाधेवार्द्रवाधेवार्द्रवास्त्रयः व्याय्याः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषय नगावान्त्रभार्भेद्वित्त्र्वेतार्थेद्रानया नसून्त्रभार्थेत्रभेद्रेत्वय्यास्य याम्बर्भराने द्वीत्र राष्ट्रीयसूत्र यात्र । यदादेते हेवा सुनुवा सुत्र देदा देते सर्वस्य स्'नसून'य'न्ररत्तुव'र्ड'रेवा'य'व्यवस्'ने'ख्युन्न'स्'येव्यवेत्र'र्वेत्र'स्वायावसुने'र्वा यहेव वर्षा है वि है न्यय खूव छा है व यान्व इत्य है यसूव यान्या बेर यहन्। श्चॅियाया तुः हेवा वर्षेया वायुयावा योवाया यया वसूत क्रुंत वसुद्या है। वसूत या द्रा चेंन् अवतःन्त्रुअःगुर्वायः भ्रेत्यःयः चस्रुवः यः चित्रैश्वः गतिः चन्चाः क्षेन् स्वतः श्रीःन्यः स्वेशः तन् यः तपुरवस्त्रवाराज्ञेन्यालेवायाह्नायाह्ना स्वार्यक्ष्यायाया केव लि च तर्के व्याद ख़ते चरात्र चसूव या धु दरावया वर्षे चे सूद तर्वा छी तर्वा यस्त्रः श्रेः स्ट्रिंशः स्तृत्रः स्ट्राः स्तृत्रायाः श्रेष्ट्राः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त्रः स्त रेयाचुँव ५८। कुयाश्रयाम्बदायवास्य सम्बदाययाः मुःसू र्यावयाम्बदायाः स्र यक्षियात्त्रस्य वर्षात्र्यात्र्यस्य क्षेत्रस्य कष्टिक्षस्य क्षेत्रस्य कष्टिक्षस्य क्षेत्रस्य क्षेत् मुंखुयो.जा.यर्ट्र.प्रमाक्रीमातपुरायपुरायपुर्म्म्याक्रीयाचित्राचीत्रामान्त्रीयाचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राचीत्राची त्रुवं त्रया प्रमुवं प्रति स्वाप्त क्रियं प्रति स्वाप्त क्रियं प्रति प्र त्त्रवा वीयः र्यरः ह्र्यामः क्रवः पदिः यादवः मः तदीः तद्वाः यस्रवः र र यदेः सः यः स्र योव या न्दर । ने प्याद विश्व अपने वा बेर के बार विद्या अपने निर्माण के प्राप्त के के प्राप् चक्कुन्द्रियायाध्रेयान्द्रवियायाध्येत। तन्त्यानसूत्रायार्ह्यायाक्केत्राकंदावीयान्त्रया वर्दे वे स्वादश्चर ह्रेर अदे वर्द्वा पसूव श्चे अर्थो सूर श्चर पार्ट । हेवा या केवा केवा केट

वीःवान्तरः यात्रयातन्त्रयात्रम् तर्भवाश्ययाः सेटावाः सार्यटावीः तन्त्रयात्रम् वाः स्रोतः सार्वाः स्रान्यः देः क्षेद्रः वर्ष्ये । यदया क्षुया श्चीत सूत्रः या या द्रद्रः वित्रः वर्षः दुया वर्षः यदे दुषा द्यायदे वा प्रदे दुषा प्रदे दुषा प्रदे दुषा प्रदे वा प्रद अवा पञ्च भी व 'य 'क्रें व 'य' यदया क्रु या पर्चे या प्रें व 'युव 'यदया है द 'ग्रीया वा सुदया भी द । हममामी हममाने वाराया सूर्विमाया से दिन्ता वर्षा विद्या वर्षा वसूत्राया वासूर न्वीं वसूत्रयः कवायः वहेवा वी वी वार्येतः वाहीयः गादिः ववावा सः वनुवा वदेः यर्षेष.त.ज.धेष्व.लूर्.तथा यर्थ.४.४१५५६वो.शू.ज.४४.वैर.शुर्थ.वीर.त. तर्देते वर तु तर्वा के केंग या ने श्वा व क्रिय यह रेगा तहें व व व न स्थित वर तु न र या पीव त्रदे त्वर्गेश्वर्द्दर्द्द्र यालेगात्वर्गेश्वर्षेद्दाची प्रश्नायस्य सादेगाया ग्रुसाया स्रीतः वर्ने न्वा वर्षे के न न्याय वे न्याय वे न्याय के मुवाय प्रसुन न्न स्रोत व्यय वे या वे या वे या वे या वे या वे य वर्षेषः रवषः यः वर्दे :र्केषः सर्ह्दः यः श्वेषः यथः ग्रीः वद्वाः ग्रीष्ठः यथः ग्रुदः वः प्येषः यथः । ३.५दर्यः क्षेया.प्रश्ना श्रीयाश्रासीयाः सुत्राः सुत्राः स्वराः स्वराः स्वराः स्वराः सुत्रः सुत्रः द्वीरः द्वयाः प्ररी रुषाः भीत्रपर दर सुरावते स्त्रीवाया स्रया हेत् स्या स्या देवा स्या के तया तयात रे यः कुं यः केर्र्यायः यया देवा वया बेदा सेटा वादा प्राप्त विद्या या प्राप्त विद्या स्थान स्थान स्थान चतः न्यतः चेतिः त्यना हे सः झुतः से मः स्थान्यः से ना से नः सुत्राः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्यः स्थान्य रवश्चर्ष्वर्यं सद्धरीया क्रियं या चलवा सद्धर सह्द हेश स्पूर्वर देट क्रिट वी चल्रुश्वर व चण्याया

वियायन्यायायञ्चा श्रीयाय वटा वी लियाया श्रीटा

यर्दर्भाहे केर त्यार कुं लेगा भेत त्या देश त्ये राज्य हेश या भेत त्यर हाई थें. क्रेन मुर्धेषा वार्या वानवायात्। ध्री दें मितु कुर प्या क्रें दे त्या तिवर हे क्रुन ति हिंद हो द नवीं याय वे वाय न स्थाने न स्थान न स्थान न स्थाने स्था योदःक्रयाव्याचीःयोययाञ्च द्यीःस्तुत्वयायाये रायाच्येतःयायद्याक्वयाचीः तसूतःयाधेतः यय। नसूर्रायासूर्रावहेर् कुं सुर्वे सुर्वे कुं द्वा केंद्राया केंद्राया केंद्राया केंद्राया हो। कें तर्रे क्षे: महिषामा के राया केंद्र हेषा बर्धा उर् क्षेत्र केंद्र में प्रस्त राया वर्दे दे या योदाया विवा हु दी दें रादवा बेरासुत क्रुदे या केंद्र प्येव स्थे दरावरुया या विवास ययः परिः यश्रासुरः प्रेतः या देतः द्वाः केतः ये त्याः तस्त्र देते । वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः वार्षः व यर क्लें से गरेग हु स्रुध स्कूत वर्ष राष्ट्र देश से या बुर कें या बुर प्रसान देश प्रेर डेबायर्देन् यर पर्देन् भीता भेता ने ने ने वीबाय पर देन्ने या यर या क्रिया भीता ग्रीभा । पञ्चेषायः पञ्च प्याप्त स्वाप्त यगायःवर्देःवाबोरःवाबदःधेः ख्रुद्रःबोदःवाबोवाः विदःवद्रयः हेः वोवाबः सुःवर्धेः वः ख्रुरः यम्बाराक्षरः निर्दे ने वाले वर्षा स्वाप्ती स्थान निर्देश में लिया स्वीपा वास्तर साम तुःर्द्धैयार्वेरः तञ्जूतयात्रयात्युयाश्चरः वीः प्येदः उदः। वेरः दृदः त्युया विषयः गायाञ्चेताञ्चर भ्रीताच्या वेराद्रा स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थाप्त स्थापत स्यापत स्थापत स्यापत स्थापत स क्रिंश चे र त क्रिया परि प्रसूत या प्रीत त्या क्रिया परि प्रसूत या परि स्त्री प्रत्ये स्त्री प्र

क्रीमिलिसः भ्रेतः प्रशास्त्रीः नग्राम्यस्य उन् निर्मानविष्ठेनः नुस्य विष्ठे स्वाप्तस्य स्वाप्तस्य स्वाप्तस्य स्व नवीं कियानस्व की सेवानसुद नदे की सेवान कि दान व निर्देश न्वींया न्-नुर-श्रेवा योर्नेर-यायेव व नर्येन वस्य के लेटा नेया व श्रूर-न्वींया कुंदे केंग सूर्व दर पसूर्व या गृष्ठेग गादे पर्वा छेर द्या केंग तर्वा पार्ट या प्राचीर व्यासर्व हेन् वेया पते स्मान्य सुप्तवेय यहित विपानुयान हेर विपाय स्वाया ५८। वायर स्वाय ग्री ने हिन पर् ५८ र र प्रवित प्रकृत थ से वाय से हे हे ह्ये प न्येंब् श्रीः अर्द्धवः क्षेत्रः चन्द्रायाने : न्यायावदः व्यादेशः याः वत्याः विद्या कुः अर्द्धवः ने कें प्रमान का प्रमान के कि मान के कि कि मान के कि कि मान के कि कि मान के कि मान कि मान के कि मान कि मा यविषायदे विष्टा त्युविषाद्र विष्टुव हो। रदावी रेव बदार दावी या वश्चविष्ठ हो। देव'बद'ख्व'ब्री'वेब'रवादे'रद'वीब'ववद'यब'र्षेद्'बवब'ब्रेद'दवेबि। वेरिक्षद' यायर श्रुवा वयय उर् ग्रीय योगय हेया रह मी इया नहीं नि ग्रीया वही न श्रुवा पदी नेया रवाश्चीःश्रेषाःषाश्वरःवः लेषाः व्यवः यदेः केदः दुः लेशः देषाः प्रेष्ठः हृतः ब्रेष्ट्रियः । अट्टरायः म्यत्मेर्यः प्रमान्त्रम् स्वात्मेर्यः स्वत्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वत्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वत्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वात्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वात्मेर्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वत्यः स्वात्मेर्यः स्वत्यः स्व महिषामार मन्त्र वर्षा तद्व तद्वते वर वर्षा से तद्व र्रम विमार्थेन पातन्। सुव प्युव द् यहत् क्रुंते के दः दुः स्वाप्ययास्य स्वाप्यदेवाया द्वेदः द्वेयायः ध्वेता स्वाप्य द्वाप्य वि बिया यी स्ट्रेट दुः तद्युः दट स्हुर या के बिया प्यें दि ग्राट यहे या या या या वाब तथा स्ट्रें दियों या द स्रे प्रले स्थापन् प्रति स्थापने स्थापन वयाकुरावाके प्येनावे त्वीं वाने निर्माणकी याक्षेत्र यापीत्। वस्य याक्षेत्र याक्षेत्र या

वियःयन्यायःयङ्गः स्रोत्यःय वरः यो ल्याःयास्टा

यम्रमायतः म्रोम्मायदः। क्षेत्रामायविषाः स्राप्ते देते स्याप्तः स्रोस्या स्रोस्याप्ते स्रोस्याप्ते स्रोस्याप्ते योशीयात्री.लाष्ट्रायाञ्चया.च्या.ता.यया.ता.पट्य.खेया.या.क्षेया.यायायायायाचीयाया. गुरुवा हु द खू सूर द दुवाय विकास की केंग्र केंग्र केंग्र स्ट प्रतिव सुवाय ग्रीया ब्रिंन् से मुर्वम ब्रिक्ट व्याप्त का केट मित्र मुन्तु मुन्तु प्रिंट प्रते मुक्त प्रति के । वर्दे दरम्बे च वर्दे केंब र वर्दे व वार्क्षिय कर्दर दर वर्षेय कर्द समय उदा अर्देर व.रच.धे.वैर.चर्यायर्था.विष्रयाश्चर.रेग्र्या चर्.चर.योश्चरायर्था.तयः यश्चितः प्रदेश्यालीः स्थाने । त्रव्यान् । त्रव्यान् । त्रव्यान् । त्रव्यान् । व्यव्यान् । व्यव्यान् । व्यव्यान योश्रयः क्री क्रूंयायाप्यराध्यत् क्रीया यक्षीतः हूर्यायाः भ्रययः योत्रक्तीः योत्रेत्रायः सकेंद्रायुवाद्दर्भवेत्वेदासारदावाब्द्रावाहेसामा सर्वे की वा से वा सामित्रा सामित्रा सामित्रा सामित्रा सामित्र वाया हे : श्रुप्ते स्वेर वी वाहेशाया अहसार प्रवार तर हैं ही सद रेर सवी या पर सूर हो राया विवासी:रुट:टें स्नुयावा वियायावावयावीटायटादवा:स्नायाद्वा । प्राविः सकेनानस्यायाञ्च सराचेन्यादी । विनायाकेन्यितिनन्यानु किन्यीः धुरा । वाणेवाना येदायरा येवा कें सुरा क्षेत्र या सेंदा । वेया वर्षे वा वर्षे वा सेंदा शह्रे-अ.लर.लुर्ग चै.क्य.घ्यशक्र्या.कुर्य.चूर्य.त.यम.विभातायवर.तु.यसेर्य. देंबारेबाया लेवा येव व प्यंत प्रमानिक केंद्र पालेवा याकेंद्र प्यंत विश्व पादि व दे रेद सूत्रा यालेगाचेन प्रोमायायय। रामेन त्यामामेन स्थित स्थि

क्रि.पर्यंश.१४ . (धुर्य.क्रीश.२८.) वि.य.जंश.२.पर्क्या वि.जंश में ८.४.४) चलर वोश्रुल वि.स.चीर क्षेत्र कर में स्तुवीर सुरि चते सुर स्तुर सुर स्राप्त सुन। वारा क्षर स्वर ह्यां या यो है। क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र स्वर स्वर ही क्षेत्र व स्वर हे से स्वर स्वर ही ही स शुरायार्थे भीतायम्। शुरायाम्बेरातु प्रयान्यस्याने प्रयास्या हिना स्वा नेयात सुर्ये वालुर या वयया नेया न्युया या त्र्या स्था स्था सुर्या प्राप्त स्था स्था नेया सुर्या स्था नेया सुरा रेता देर सर श्रेस्य र रुषर श्री स्रीसर में तितृता ने र ता दे के श्रूता में के प्यार स योव हो। रे ह्युवा य उव वारे द्वावा विद्या वर्के ह्यू द्वाय उव वा भ ह्यू वा विराववित्वे न्यो ने इसमा क्षेत्र क्षेत्र व क्षेत्र क्षेत्र व क्षेत्र व क्षेत्र व क्षेत्र व क्षेत्र व क्षेत्र व च्या त्या यहेत् त्र छो यस्त्र यस्रसायते त्रे दिन त्रिया यक्किय त्रसायहै पुर्यो प्रसाय स्थाने द्याःवाःषाः प्रत्यशः श्रीः श्रीद्वाः त्यां वात्ताः द्वां वाद्यां वाद्यां वाद्यां वाद्यां वाद्यां वाद्यां वाद्य ब्रायाप्रवयार्थेवावर्थे स्रो क्रीप्रवयात्रवाद्यात्र स्रो क्रीप्रवयात्र स्रो क्रीप्रवयात्र स्रो क्रीप्रवयात्र स यधेया प्रिट्टेशर्ज्यायाम् चात्रवारान्यात्राच्यात्रात्त्रेयाः प्रदेशा विद्यायास्य भेव। गया हे क्रुप्त क्रुप्त वार क्रुप्त वार क्रुप्त क्रुप्त क्रुप्त क्रिया स्वाप्त क्रिया स्वापत क्रिया स्वाप्त क्रिया स्वाप्त क्रिया स्वापत क्रिया स्वाप्त क्रिया स्वापत क्रिय स्वापत क्रिया स्वापत क्रिया स्वापत क्रिया स्वापत क्रिय स्वापत क्रिय स्वापत क्रिया स्वापत क्रिया स्वापत क्रिय स्वापत क्रिय स्वापत क् ययः विवाः में वः प्रवेषः प्रवेषः प्रवेषः प्रवेषः प्रवेषः करः मृवः यः इयवः भ्रवः भ्रवः वः विः मृवः विज्ञामा विज्ञान के निर्मान के निर्म के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्म के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्म के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्म के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्म के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्म के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्म के निर्मान के निर्मान के निर्मान के निर्म के निर्म के निर्मान क मु वेर पर्डे तद्वे और अर्द्धर धे प्रमुष्य कु थेर्। दे प्र क अर्द्धर या पर हुन कुवा

स्रोत्रायराञ्चा पर्वजा त्रत्जा स्रावतात्रात्यात्यात्यात्वा विष्टा विष्टा प्रवास्य त्रात्यात्रात्यात्रात्यात्र त्र त्र व्यव व्यव क्ष्य क्ष त्राञ्चाबाद्यत् प्रस्तु प्रस्ता ह्युं बोस्य उद्गः ह्युः श्रीः यदः बोस्य प्रस्ता वस्य वस्य गर्नेग्रायान्यते तुः रवयान्दः। रदः वर्नेन् रदः योग्रायान्याः यान्याः यान्याः यान्याः यान्याः यान्याः यान्याः य षः रवशः देवा शः श्रेःवा दें दः दः यङ्कः स्रोत्। । सः रवशः देवा शः श्रेः ग्लादः सः वः श्रुका हि.के.ह.केर.श्रुर.तयु.विर.तर.श्रुका विश्वेष.शयु.यं.लु.र्यवाय.प्रथा यायायायप्रति। वियायायुर्याणेत्। श्रीःषाप्रवयाद्राः श्रीयाद्र्यास्य विन्यते देव तर्ने पारवराधीय लेगा विराधीन या सीवाया सारवरा की सार्वे पार है ૽૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૢૢૢૺ૱૱ઌ૽૽ૼૢૼૺૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌ૽ૺૺ૾૽ઌ૽૽ૼ૱ઌ૽૱૱૱૱૽૽ૢ૽ૺૡૢૻૺૢ૽ૼૺ૱ૡ૽૽૱ૡ૽ૺૺૺૺ૽ द्रवायाद्रस्ययावायायायात्रद्वीत्। । हेयावासुत्यायया यासेत् स्ट्राची सुवाः ने की देवाबा वादाधीत चुः वार्ड्डेन् याया व्हेंबा ददा बेबा वार्युद्या याधीत। या दवाबादे क्र्यायम्बर्यस्य स्रोधयः उत्रः विवादि। यास्ययः देः श्रेवाः यः द्वादः वार्वेदः स्रोधयः क्य विग प्रेम प्रमा यम देश प्रमानहेम म्या त्रा मुन् मुन स्मा भी त्र प्रमा स्मा हि श्चैन कुं प्येन पर्क्य विन कुं लें र पर र नार वर्षेय नेंन कुं सेन कर हेंग यह स्वर याक्त्रयात्रात्त्रयाः स्त्रात्त्रयाः स्त्रात्त्रयाः स्त्रयाः स्त्रयः स्त्रतः स्त्रयः स्त्रयः स्त्रयः स्त्रयः स यानिर्मयारित्र्याः स्टिन् श्रीः सर्वस्थयायान्त्रीम् यानुः नृत्यः से नृत्ययानुः निर्मयः विमाध्याने विद्याः स्टिन देंबाचन'न्रात्देर'क्कुन'र्थेन'न्वीबाय'सेद। र्यारेदेकेंब'विन'ग्रीनुबार्सेन' योद्रायमा दायुन्न देदाने विवा वर्षो रासेदायदा देश हिमा वर्षा व्यो हो हो दिना स्था वर्षा वर यक्षियात्वस्थात्व रुपयाःयिक्षयायते विः वे विश्वास्य स्थाने स्त्रीयाः विश्वास्य स्थाने स्व यः मासुरायः बेरः चलितः वर्षायः वर्षाः यम। ब्रिन् रस्ट केंग्र श्रे या या दायी प्रीत त्र विस्त्र सामा सराधी यो क्वा नुसाने देशे धीव लेका भीट क्केंका है 'दे 'सूटर लेंद्र। हो 'प्रदेश भीट की 'प्रचुट 'वका क्केंका 'द्रट 'द्रवाद प्र रेत्। ५८:यॅगिहेबायाचेरायायत्वा सुविवाप्तरायाविकायाचेरापतिवार्येत्या वर्दे देवाराचार्या वार्याचारेते दुर्या स्मायरा सुद्रा वार्षा चार्ये स्मायरा स्मायरा स्मायरा स्मायरा स्मायरा स् बेर'नवेषि'य'य'रेन। ग्रवतःब्रे'नर'न्येष्'नर'क्षे'श्लाच्याःसु'तर्वेष्'रुंवेष्'ठेष'चर्छे वक्कता वैवाकुर विशेषात्र हैं शुः भेर्न यदे केर्न तुः नेर यर येन ग्रम् न तुर वैवा विषा पर्युः र्वया विषा से कुं प्येन् केटा न्द्रा ये किंदा वे राया विष्यु राष्ट्र हो यहात किया विया ग्रीत्या स्वया रहें बार होता वा वा बालु सा विवास प्राप्त स्वा का की या विवास होती है। यहिषाक्षे पर्के प्रकार हे के पर्वा के वा के वा किया चुषा व षा ने त्या व किया में किय ५८। विशेषायार्कराचेरावादिन्याविवासान्दाश्र्यार्क्स्रोवाविश्वासाचेरावादेन्। य विवास ने स्वा य प्री क्षित्राय वार्य र श्री से वारत विवास क्षित्र स्वा विवास विवास विवास विवास विवास विवास व यः सरः देः तत्त्र्रस्यः हीं रः नतेः स्वः कलियाः धीत्। देः यहिसः गाः यः यः स्वसः यहिसः बेरा धेवार्क्रःतवादःरेतेष्ट्राद्यश्चरायाविषाःश्चरायर्वा वास्त्रायः क्ट बेर चरे सूना अहँ या सूना रेट हे निर्माण या सूना सूना मुना निर्मा विनाया नगान्दरम्दिरन्दरम्हिषामायानम्दिरम्हिषाचे रामलीवर्षेत्। क्रीकीराषाया बेर केंग व मालुर विवास ५८ माउँमा मार विवास के का अपन माउँमा का जान

विवा ख्रुषाळ वाहिषा न्या वरा स्वा ख्रुवा येरा वाहिषा च्या वरा मर्नेर वर महिरादर विमायमा मुना देवे सेर पु माय विभादर द्वा त्यः न्याः याक्षेत्रः याः न्योवः सन्दिः स्थेः नः नेन्। स्वेतः सन्दः प्येवः वः न्योवः सन्दः क्षेवः सः क्षेत्राय: ५८ : श्रीत: क्षेत्रियाय: बेर: बेर: १ कु: हेद: श्रीत: श्रीय: श्रीय: सेर: वार्य: क्षेत्र: क्षेत्र: क्ष व्यन्यायीमा नेरायरायायाँ हिक्रेरायेराम्यायीमानीमानीमानीयाया कवाबात्युवाबाण्यरावदेबास्यरावदेबाद्युवाने कवाबावद्वव सेरावादादुदावा न्त्रा'त' चे र क्रीत 'र्योद 'त्र 'यद । अर्देर वेदि वी क्रीता वा प्रवादिवी देवि । वा प्रवादिवी वा प्रवादिवी वा प यिष्ठात्रात्रस्थतः स्थाने विष्यत्र स्थाने स् यवतः यवयावयात्रवयः तुःवर्हेन् व र्केवाः याने न्दरः वकुः विष्ठेशः स्पेन् व्याविष्ठः वर्ह्येयश्वावः वे र्दर-क्रॅट-रे.खेबा.ब्राकाक्राक्टराता प्रत्यस्य विवासिन्दर-क्रेंचर्यःक्रेट-र्यहेब.रेब्राका याधीत्। यातुर्वेदेशेर्वेत् रुषावर्देवाः षातुः क्वेदेवेदेशे स्वाः वाष्ट्राः षा वास्रीटः स्रीः वाः र्वेजायायालेवा प्येता वाबतान्दायानम् वावन्तेतायावान्यायान्यायान्यान्यायान्यात्रा ननुत्र संक्रम्य प्यान्त । द्वाया केत्र न्वीत् या क्रम्य प्यान न्या विद्याया क्रम्य प्यान न्या विद्याया विद्याय न्वोदिःन्व्व्रात्रात्रात्रात्रेराधिदः वेराश्चेत्राधिन्। रुष्ट्रेदिःद्युरायानेरात्रारायाद्वराधिन्तः ब्रें रु:क्रें विश्वास्त्रेयासें रु: क्वाया क्रें विश्वार्था व्यायास्त्र क्वार्था विश्वार क्वार्था नर्भन् भेन् विष्या यान हिया प्यत्ने निविद्य हो से विष्यु स्वापन होते । या स्वापन होता स्वापन होता स्वापन होता स पिरायाः श्रीतः क्री.याः याः यायारः कृषायाः कृष्वश्चरः पदिः पद्मेतः याः स्रोयः परः प्राः पदिः केतः तुः ইবামান্তর শহ্ন ইবা দেইর ট্রির দি বাবর মানমান দেই নদন রমান্ত্রী বুলী ক্রুমোর্ন দে याहेशःगाः सकेंद्रः प्येतः दह्येतः दशः दह्येताः दुः वित्राः केतः यकें यकेंद्रः यक्किः दिः द्योताः कुदः यहिशः

५८ है मु बेय परे में ना वन है मु दे दुय सु हो ता सुय न धी । र्थे क्रुअडेरपदि धीरिवासरिवा वात्रसायी व्यापारक देशवार्डे विज्वारिवा प्येत प्यस्ता से स्टर्ग देवासा क्रुट् यानेयात्रात्रवायावायो होतुत्रद्वाचे स्विता ने के विवाकी देतातुत्वन साधीत्रत रदःरेतेःवेवा।वितःश्रेदःविद्वांशाविद्वांशाच्याव्यव्याप्यविष्याः विवाः ર્ફેન'નુ'હ્યુ'ન'સું' સું'વા અ'ગ્રીઅ'ન્ન'બ'સું'નતે'ઐન' ર્કેનાઅ'કેઅ'સુઅ'ય'ન્ન-'। भूरवाचरवि है स विवाय सेर वहवार पर्या हो हो है ते रे तरे हिन से विवास से हिंवा त्रवेयः प्रतिः भेः वे विषाः वेषः य। भेः वेदिः वरः देवः देः देरः वाष्यः वेषः प्रवरः वेषः ग्रदःदेःदुषाग्रीःसूदःवेषाद्ददषादुषाधिदःदेर्दरक्षेत्रःविषाद्वीस्ति। स्राधावास्त्रेधिदः। स्राधावास्त्रेधिदः। र्कें हें चित त्वात तुर है लेवा पेंद सेद हे त्वा विद ही की दे सीट दूर चहरा या या सामा मलदः याङ्कीं ने के र्रें रूट मर बुर वर्षे या यन पर या थेता ने देश वे गोवा वी स्रेटर् र्वेन यन्। श्ची विवा मु विवास व कुथ'वर्वोद'वी'वर्के'च'उद्या वर्दे'द्रद'यावि'चद्या'वी'वर्वेद'य'भेद्रव'च्यायायायात्री' लुष्टालरायाङ्स् विषयात्राज्ञाङ्ग्रीत् न्दराबु्ध् न्दराज्ञीय योगायात्र कर्ष् वि नायायम् स्याया <u> लॅन्याधिता न्वोत्स्याञ्चेरावीत्र्याञ्चेवात्यावात्र्यायत्रान्वोत्तर्वायास्याचीत्</u>र য়ৢ৾৾ॱঢ়য়৻৻৻য়ৢৼ৽ৼঢ়ৼ৽য়৻য়৾য়৽য়ৢ৾য়৽য়৻ৼঢ়য়৾য়৽য়ৼ৽য়৽য়৻য়৻য়৻য়৻য়য়য়য়ৼ৾ र्थेन् या श्रीकालेना विनावा सेन् वा स्रोन् वा स्राम्य स्थान स्थान

म्रीट या चर्चया व से विष्य प्राप्त व से विष्य व स्थापि स्यापि स्थापि स्य यमायाला । विरामाधीनाययारमार्नेनारमानीनायाचीनान्वीयायायाधीनान्या। ने के मिर्डमा मिरामिर्डमा त्या में नाम स्वता में मिराम स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स्वता स वन्यायायाने के विन् विनान्य तन्यायते विवास्त्रायाया विवास म्पर्वात्रेयः त्रुविषाः यः श्रुवयायः प्येतः विषाने यः यो विष्याने याया वः प्यतः नेषाः यतः विष्यः यतः विष्यः व रट स्रुवर्या श्री श्वराया रात्र विवा प्येत स्रुव वावत या स्रुवर्या सुन्यों वावत या स्रुवर्या स्रुवर्या स्राप्त धेव य रेत्। देव द्वा वद धेव व के लेखा दे द्वी र पश्चिम की मिंच किंद मुत्र मेट्यायाम्युयायाम् निम्यायोद्दाययार्येदायार्थेद्यार्था में म्यायार्थेद्र गर्डेन् खुद्दारे छो खेंच प्रायुष्ट्र द प्राय प्र यावतः वः न्यवः न्रः वेद्यः न्यवः न्यवः न्यवः न्यवः न्यवः च्याः वेद्यः वेद्यः वेद्यः वेद्यः विद्याः वेद्यः वेद्य ५८। वहस्र ५८६ राज्य मुस्य दें रे के स्त्रूप रेय ५ ग्राम स्त्रूस दें रे वहेग्रय से र ५८। क्रॅंराचकुःभ्राम्मायम् यायिकायिकानुषानुषानुष्यानुष्यानुष्यानुष्यानुष्यान् *न्*ट-न्यतःन्रःक्रिःक्र्रेरःगलुट-ययःययःविचःचवेरःविचःकःग्रुयःकॅरःन्यःश्चनःकुःयेत्। यपिर्व.ता.रेश.र्ह्या.ता.व्या.वर्व.ता.सूर्याया.ता.कृ.परंतु.तार.ता.क्रीय.रेश्र्याता.वर्षा र्द्धवारे सावायम् कुर्ति । ५ वी ५ तुराहेका क्री हेका विदासे पार्टा हेका लुपा श्रेन्यम् वर्षायम् स्वार्थनः श्रीत्रुवायः ही स्वार्धन्य स्वार्थन्य स्वार्थन्य स्वार्थन्य स्वार्थन्य स्वार्थन्य च्या रेत्। क्रेंश्रायात्र गृति हेत्र या राक्षेत्र शाया वित्र श्री शा श्री वा ध्री वा ध

या सुनाय है वें त्यावद त्या द्वा त्या द्वा त्या है स्वा के स्वा त्या है स्व त्या के स्व त्या त्या के स्व त्या त्य

क्षेत्र: जुषा: यदे: केंब्रः विदा

মক্ষম শুর্টু মন্ত্রী বাদ্যম দ্বা

वितः त्रांति त्रांति

५.के.५.भग्रे.जूर.लूर.क्य.ग्रीश.ध.भग्राचर्षे.पंग्रे.च.केरो वर.स.र.श.भर. गै'दर्गे'द्रश्याम्रह्मात्र्यान्त्रन्द्र्याद्र्यान्त्रम् क्षेत्र्यान्त्रम् विष्ट हैन क्या या वेचा हु या हिंदा क्येन प्यान या सम्बद्धा स्थान स हेंगा प्रवित लेंगाय है। गवित तुरी ध्यर हैं दे प्रश्ना से मुंगा से स्वा है राज है हैत निवतः श्रीमिक्रेराया श्रेत्राया अत्रित् केना स्नित् केना सी त्या के सित्रा से सित्रा से सित्रा से सित्रा से सित्रा वर्रेर् नबिव र ज्ञाराष्ट्रिर ज्रुर यदे ह्याया व्याप्टर स्वाया ग्रीय विवाद वे निर्मा क्रेंब् क्षेत्रे को के कि वा दे कार्रेक ग्राट पार्की महिना मीका तद्वा की को स्वीर त्या के कार्या यारेता ह्यायहेंबाक्रेबार्ट्यसुर्वार्ट्यत् । विकासवी क्रीह्या यायाह्रवायरावहेंद्राया ध्वान्याङ्कराक्कुर्येदाया यहेंद्राद्यवरकुर्येदाया पर्वता. स्था त. सुर्था त सुर्था त सुर्था पर्वता सुर्था त सुर्था पर्वता सुर्था स्था त सुर्था स्था त सुर्था सुर् यगादः यान्यस्य स्वतः नयोः नवतः नये सः याने सः वर्षः यान्यसः स्वस्य स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स योश्रीरकायान्तर देव योडेवा धोवा व्यव या द्वी ही विद्या वा ख्वा वे विवा या धोव यम वर्ष्यायत्यारमः वीयाययादीः शृष्याः धेदावासुम्यायारेम्। यमः नेः यया स्वान्त्रक्ताः वेराक्षिरायाः स्वीत्रायाः स्वान्ता । । यस्ति त्रात्रेयायायायाः स्वान्यायाः स्वान्यायाः स्वान्यायाः गुरुषा । गुर्लेद् द क्रुव्युष य से द य र य व । पे र व र य द र य र य द र य येग्रयाधुः स्वाप्त्रा । ब्रियाग्रयास्या । धुमात्राक्रियायाधुरायाधुत्रायाः

विरमा विभायाते कुर्वे राष्ट्रमा ग्रीति विराम्यत् सुमा स्वीमा स्वीमा स्वीमा स्वीमा स्वीमा स्वीमा स्वीमा स्वीमा स स्वायं व्याया व्याप्ता विवासे के तिया में विवास के विवास क्रें द्वीः स्रते प्यायायञ्चात्राया स्त्राया स्त्रीया स्त वासूनार्श्वेरान्तेन। ने वित्वविनेतावासी सेंचना सेंची सम्मेन सूना र्सेया.याध्या.टथ.भु.टया.र्स्नुया.जन्म.स्यूयाना जूटना.स्रीट.यज्या.यस्रीय.क्री.पिटना. वयाचित्रत्वेषास्याव। देवे दयाश्चेदार्खेत् चेत्रा देराया वत्रे विषय देवाया देश*ॱ*दरॱयेंॱभीॱद्रगशःश्चेॱमादशःश्चिद्र। ५:तुरःबेॱस्ट्ररःगीःश्रेश्रशःकीगःदरःगाुदः श्चेत्रया विषयपदिक्षा विषयपदिक्षुः पर्यापायप्याकेषाः विषयि । विषयपदिन्या विषयि । विषयपदिन्या नेयान्तेन्यानेयाक्षेत्रित्वान्दरम्बन्या केनानेयायो नेयानेद्वानेद्वानेद्वाने रवर्षायर वर्षा सक्यमः वैवा यः क्र्याः वेषः श्रीमः यः श्रीवः यः विद्यान्यस्य यः रेत्। र्वेरःयशर्वेरःक्षेःक्षेरःयेंग्येरश्रायःक्षेष्वेःस्रदेःस्यायःतुःस्रत्वादशर्वेदःस्रिःसः 'युवाय'नेर'कवाय'वेद'प्र्युय'च'रर'पर्देर'न्र यापदेय'यर वाहेर सुव'द वावर विरा বার্ট্র-মেরি:ড্রেএ:বার্ট্র-বেরি:বুঝ:বার্ট্র-ড্রেবাঝ:গ্রী:ব্রর-মের-মির্বাঝ:ব্রান্তর-মের-ক্রি-ব্রির-यर:८८:८व्वे:प:ल्रेन:व्या अर्देर:पश्च्याय:क्र्याय:व्यापा:व्यन:यर:३४:व्येन:८वेंशः तपुःश्रीयशःशी लीजःविरातरःश्यःकुषुराश्वातार्द्यातुपुः पर्वेरायाः कुःशिराजाः स क्रिंगः यर इसायर द्वाप्यास्य स्था है नर्शे नर्शे त्य क्रें त्य स्था दिस्य स्था के मुला की सा ৾*উ*'বেই'ট্রি'বাঈ্প'শাবি'র্বা'র্কর্র'মম'মা'রর্ব'ম্বের'বার্বর'বাঈ্প'শাবি'র্ব্বর'র্ক্তর'ঝ'র্ভ্র'

यदः द्रवो सः विवा यञ्जून श्रुवः वी । अर्थेन विद्रयः येययः श्रुद्रयः यः वावन यनः योड्या वियामार्थे में मान्यान स्थान मृज्यायात्र्या विजयार्थेर.धे.र्मा वी.च.जयाजायम्,च्यु.चथुरालूर्स्येचयार्थेर. यञ्ज क्षे न्याय स्वित्र यायाया सूरा ना धीवाया । स्वाप्तर की स्वित्र की स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वित्र सर्वेद्रसः बेरः द्वेसः वेदः दरः स्रोतसः धेतः सेद्राः वेद्रः ग्रादः देवे स्वादः वेद्राः विद्राः ह्यायम। यट्र सेट्र वर्श्वर् वस्य स्था भूत्र द्वास्य स्थाय हिया सुवस्य हिया सुवस्य हिया स्थाय हिया स्थाय स्याय स्थाय स्याय स्थाय लुष्ड्रा त्राचार्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या र्म्द्रमाले या स्वराय प्रिंदि क्षु प्रिंद्र या स्वराय स्वर यर में रूर विक्राधिता विषय या सूर धीता धवा प्रवित खेर के धवा के रिन्त स् न्वींबारा रेन् याविवाबार्केन् सी विवायराय क्विय हु सर्वे पर्वे प्रते हेन्।वार्येन् हेबा मसुरसायारेत्। रदायाक्षेत्रमेसादे स्रीयाददान्मेसायसा वससा उत्तर्भावः त्वेवर्याचुःश्चेर्रः। विद्यायरादुःहर्यास्त्रहरायाद्यत्यत्वेवर्याचुःश्चेरद्रा देयाद्रः गर्वेर् यो प्रति गल्य या यव रे छो विष्य या प्रति । स्मित्र विष्य व्याप्ति । स्मित्र विष्य व्याप्ति । *`*कुट कुट रे भेंदि रुट वालव भाष्यव केव भें विवाय तर्तुवा सूक्ष्य व दे ओ विवाय सूप्त प्राप्त । यम्याकारमञ्ज्ञात्राकारमञ्ज्ञाकारमञ्जूष्य विष्याक्षेत्रात्र । न्वीया वालवः यायवः याद्देश्वयः तुरुषः वः स्टायः यादे यादे रवः सेवा योदा यादि । धीव : धर : रूट : देव : कोट : धर : या बव : देव : क्षुय : धर : किया : धिव । या बीव व : क्रुया का स्वी :

तर्ययो.लूर् वि। बुर्यात्र वु.जू.विर.बुर.। जीयाक्रीययाक्रीयार्थेयार् सर्या यदःश्रेयशःवेदःयः१व्यशःवेदःयःवहेषाःहेवःवदःवःदःवःयःयवःयःशुःष्विवाःयेदःयः वयमःग्रहा रः परः क्रेंबिरः सेन् देयाः पैतः सूरः वरः हे सूरः वर्मे सर्वे होन् सेन् सेन्। धैरियायमार्केन्धे चेत्रायार्थेन्धेन्। नेयमायमार्थेन्यमाक्रीमा मर्वितायमा म्बर्यदेष्ठेवराष्ट्रेर्यान्ववा विवयायराष्ट्रिराण्यस्वेयायदेराकुया येत्। ।ग्रस्यायासूर। वस्रयास्तर्तात्र्येग्।यतेःस्रागुत्रात्रद्यसानुस्यः र्रोबियाः ग्रुषः हो। प्रकुषः ५८ विष्यः बोस्यः बोस्यः बुर्यः वयः वर्षः ५८ द्धिः सः ४८ वावतः यत् यदेते वयर्षा र्सुया या द्वीं वा र्सुवा राष्ट्री वा वेर्या यर्ष्य यर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वय स्वय स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर द्वींबायते:दुबार्केंद्राधेव:यथा दे:सूराचुबाव:वदी:येवाबार्क्ष:बारायदे:वाबुदबाया धुवान केवा नेवानहेन हे केवा ग्री बनवा ग्रीका ने रायवा ने राग्री होता वेदवा वा वि व विरया योग्यया श्रीरया या न्याव या न स्थान स्था षरःरःकुषःसेर्यंरःवगःर्षेर्ययःक्षेत्रा केंत्रदेरःयेग्रयःसे केंक्राःकुषाः वयारदायवार्रेषायायवाञ्चीत्ययागाय। यार्थवावार्रेवाकेःवाञ्चीःसरावदेःवाञ्चेवायाः ५८। क्रेंविद्रस्याद्रगारावर्षेद्रस्यकाशीः क्राचेत्रं लेवाः वर्षावाकायवि क्रीत्रं श्रीक्रां क्रुं कुर प्यर त्रञ्चर्या तुःकेत ये जाहत तुः पदे पदे त्यते त्या अ स्तू विवा ज्ञेत प्या पदे पदे प्रदे ही सर यरे.यदु.यरे.यरे.क्री.रक्री.यर्था.रट.र्जेय.तदु.श्रु.श्रु.श्रु.श्रु.श.यंश्रीता.य्रीता.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्र्यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्रीत्री.यंश्री.यंश्रीत्री.य हे⁻वान्स्रस्य न्यायात्र प्रत्ये विश्व विष्य विश्व विष्य विश्व व व्यान् वार्वेन् स्टारे सक्सानु व्यहेस्सान् स्टायालन वाहिसागासा द्वी सविने केना थः ग्रॅंबा क्रिया हो द्रायदे सुवाय हो या स्वाय हो या स्वाय हो या स्वाय हो या स्वाय हो स्वाय ह श्ले:रग्रथ:

बर्'यापडेटा म्रट्यायायाचर्ड्ययात्र्यापद्वीं प्रविदायित्यया स्टारेटीने ने तर्वो निवित परिन्यते तुन तर्वो सु वत्र वाष्या क्षत्र तर्वी क्षत्र सम्मान सम्मान वित्र सम्मान सम्मान वित्र क्वा वित्र प्रविष्य प्रवा रूट रूट वी ने क्वा की नुष्य के निष्य की विषय है। क्रीतः व्याप्तरीय के लिया यस्त्रायय ग्रीतः व्याप्ता यादः लिया वर्षायः ग्रीतः वर्षाय र चल्रेयात्। स्रायदेरात्राक्कियायेर्याक्कियात्रात्रात्रात्रात्रा सरा ૡૹૹૻૻ૱ૡૹૡૻ૱ૡૡૺ૾ૹ૱ૡૡૺ૾૱૽૽ૹૹૡ૱૱૽૽ૺ૱૱ૡ૽૽ૺ૱૱૽ૢ૽૱૱ૡૹ र्वाद्याप्तस्यात्रेयात्रेयात्राच्यात्र्यात्राच्यात्र्यात्रेयात्र्यस्य <u>a</u>'451 र्थर वी प्येर्न या प्येत्। दे दर यह या दुः हम् त वे विवास त वयय उद विदः प्यादः वदः यो विः धरायम् वार्या के के कि त्या सुदा कुरी विष्य के स्वाप्त के वा सिद्ध वा सिद्ध विषय के विषय के विषय के विषय के इस्रयाधीयाधारासु वियाधीयायाहरान्त्राराधीत्रयासु ने राष्ट्रीत्रायाधीतायाधीताया यन्तर्ग्राह्म स्वापन्तर्भः देश्वर्षः व्याप्यः विद्यास्य स्वापन्तर्भा स्वीतः वाद्यास्य स्वापन्तर्भा त्तरायर्थे तात्रार्थे जीया च शेरा यज्ञायर्थे वर्षे यात्रेया के सामित्र विवासी सामित्र विवासी सामित्र विवासी स र्ने त न म के लिया प्येत ले त। के तन द्वित ने त केत या में या में या में हिन तया में की द्वी हु थॅर्-स्रेव-क्रिन्द्व-द्वान्दे-धेव-त्या देश-व-स्वेत-देश-देव-द्वान्य-विवानवेर-विवा स्र-नवेशिक्षा तन्यायार्वेन्यायात्रीयात्रीत्वात्रयात्रीत्ययात्रीत्ययात्रीत्यया यक्कियाव। यद्गीयुषावायद्गीरेदाबोराकुर्वाययाकुर्वाययाचेराविषायोदायदेशे २.२८.३.वैर.३.भधर.ल.५८.भैग.भर.तर्रा. तर्ज्ञा. व्या.वेर.२ग्रू.४.४.भ्या.

त्रमा दे.क्रूच.श्रूट.श्रूट.बी.पर्ची.जभा.ट्रेच.भ्रूट.ज्रूच.चेश.तपु.क्रुट.वि.टे.पट.ह्रीच. कर् से प्येट स्वयं या प्याप्य स्त्रीं वाहें द द्वीया त्वीं क्वा या स्त्री द्वा स्वरा वैवान्दरमञ्जूरावरर्रान्यदर्धेन्योन्योन्यो भेषान्तवा नेरायेन्। नेवर्षायरान्यदर्धन्। येन्स्री यात्राच्ययात्राचरायात्री यात्रिःचययात्राचरायात्री क्यायाः क्रूट्याः वार्य्या श्रीयाः श्रीयाः विवाः क्ष्याः विवाः विवाः विवाः विवाः विवाः विवाः विवाः विवाः विवाः ययर सेन् सेन्। वेन् ग्राम से होन् सम् निम् सम् हेन् यस मर्डन से सम् नेन् से ने देर विकेष ग्राम विकेष राम विकेष राम विकास सम्बन्ध में विकास मिला के निर्माणी स्वाप कर स्वाप स्वाप स्वाप स्व नष्ट्र-र्वेद-याक्षे प्रीक्षापदाक्षे क्षेत्रायदाक्षेत्र स्वराधिक स्वराधिक स्वराधिक स्वराधिक स्वराधिक स्वराधिक स ৾ঽয়[৽]ড়৾৾ঀ[৽]য়৽য়৾৾৽৾৾৻ৼয়৽য়৾৾৽ঀৼ৾য়৾য়ৼ৽য়য়৽য়ৼ৽ঀয়ৼয়৾ঀ৽য়ৼ৾য়ৼ৽য়য়৽৻য়য়৽৻য়য়৽য়৾য়৽য়৾য়৽ न्व्या इन्द्रास्त्रस्य विद्यायते प्रत्या द्वार्या द्वार्य गहरायायमा के के लिया के दार्चिया । दे के दायते के के दि के या प्रति वा तर है या तह्वा वी नसूत्र नर्डे या ग्रीया द्वी नत्वेत प्येन प्रती नुया सेनि ने त्व निवा वा विवा वा विवा ता वैः रदः चर्यसः रदः वीसः चहदः स्ट्रेः चयाः सेदः त्रसः याप्येदः देवः सेदः द्वाद्यः चिदः चुः यावयाः र्कर या नश्चर तथा श्रीवा वार्डर यर ह्या श्रीव त्येर नर तरी श्वीत रेव केव श्वान रव या धीव। नै:रैर:वि:इर:वर्ह्य:ब्लीर:वी:की:क्रु:बेर:धें:न्रर:ववा:धें:ख्व। क्षेवा:ब्रेंब:धें: ५८:रवा:रवा:ठव:व्य:व्य:ब्रेंब्य:यर:वाववा:वेवा:वी:ब्रे:वर:वेवा:वीव्य। वे५:५:५४: यदि बर केंबा तर्रे त्या स केंबा रेंबा केंबा र् प्राचित परित्र प्राचित परित्र प्राचित परित्र प्राचित्र प्रा

स्तरित्या वृत्तात्रयात्रयात्रयात्राच्या श्रीत्रयात्रदेश्यात्र विष्यायात्र विष्यायात्र विषयाः यर:रु:अवतःश्रेते:रेवाय:वर्दे:वर्देर:ह्याके:वया वार:व:ब्रुय:व्रेवा:उदा:प्रुय: यमान समिन्द्वित डिमाप्पेन यासर्वेत कें। वन यो वन में बार समाया की वें र तर्दे त्य रेवाय विश्व व्याप्य वा रेव वर उव ही देश ये वा त्वा या सुवाय सुवाय रैवायान्या रेवाबयान्य क्षीन्य याचा वाष्ट्राचा रेवाबयान्य वाष्ट्राच्या ने या प्राप्त वित्र या या वित्र वित् श्चितःश्चितःश्चित्रश्चित्रःश्चित्रःश्चित्रःश्चित्रः स्वतः स् नयर्वयाम्भित्राचेत्राच्ययायेत्। र्नुरायराख्यायेत्रयादर्नेख्ररायेत्। न्न्द्रन्द्र्यायाम्बान्यस्यम् म्यान्यस्य म्यान्यस्य निष्यस्य स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स देवे न्यार प्येव लेवा हेव नार्यु अप्यो निहर त्या स्वीत्र साम प्रिव स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त साम स्वाप्त साम स्व क्रीरवाम्बर्यावर्षेरावाद्या महिराङ्गेवार्याद्या क्रीयामहिराब्यावर्षेयायाद्यीर्थे धीव। दे वार्युमायमा केमाय वारा पार्ची योगामा हेमा ह्यार दे राष्ट्री यावमाय दे समाय वारा वि यसः स्रेंब श्री क्रींब या निया विश्व क्रींच स्वार्थ क्रींब स्वार्थ क्रींब स्वार्थ क्रींब स्वार्थ क्रींब स्वार्थ कर.त.क्य.ह्या.ब्रीम.चम्बाम.रशिर.शिम.तपु.ह्या.वार्थर.ह्या.वार्थर.हा मह्यंत्रम.क्ष्य.स्य. क्षिः रेट युवाया वेंद्र या दर क्रुं यदी या या खेवा खेवा यो दो वित्र या यो दाय विद्र र्वेर विजा भेरायया दे चन्या सुच न्दर से सुच चेन् से रह हेन यार्या यया विहा रदःयः पेर्दः यदे कुं चेर् होर् गहेंदः वेषा श्रीवः रदः यः श्रुवाः यः पीव। ५ व्यषः हे चसूः

बेरः अविदः सेन्। केंशन्दः वर्दसः ब्लीनः की है। सः वृहेशः यः न्दः विनः की विनः यः येन्ने। हावायमार्वेरकीयम्यहिन्यास्त्रमारीयमायास्युदेरन्। ब्री:कुर:सुर्द्वे:सुरु:चन्वा:ब्रेन:ब:ने:व्य:न्वर:च:रेन्। विक्वा:बीर्य:ब्रेट:सॅट:सॅ:विक्वा: र्वेषाया भ्रीत्भूषा या दे तदा साधीय याषा देते : देव : इतः इतः ही : हे तद्वे : सूर्यः न्वींया वीं याहीं हा बेराव वीं वियाहीं हा याही तु के तु थानबुरानप्रा वेन्वेरिनाञ्जाप्रात्याञ्जाबेर्ये धेन्यावे हिर्मान रेन्। त्वीं वर्षा वीं व्यापायार त्या क्षें न्वीं व्यापारेन वे स्वा न्यायी विष्या हे वा प्राप्त विष्या हे वा प्राप्त व यः भेर्-दर्गेषा वहेवा हेव भर-द्या वी स्वाप्ता यार सेद बेस वा अवव की ग्ला श्ली য়ৣॱरेषायाञ्चेतुःरेषायाः व्यययाञ्चायाः यो दायतेः ययाः क्षुः तत्र्ययाः यो दाक्रयाः वेदः द्वेषा व्ययः क्रुं त्व्ययः वः पीदः क्रेयः योदः ध्रीतः ध्रुवाः क्रीं रः वः व्रुयः ग्रुटः यतः ध्रेवायः कुटः वः पीत्। यशक्तुंत्व्यरायाधीनकेराधेन्यनेत्वहेवाहेदाक्चीयनेत्वतेक्कुतेस्याधीद। ने व्यःम्यायः महिषायः ने महः धिवः ले वः यक्षेमः मश्रुयः यः न्दः यः धिनः नम्बा यः सेन्द्रन्य सर्वेन म्यूस्य क्षेत्रः क्षेत्र्य प्रति क्ष्र्न्य स्वयं सेन्त्य निष्य निष्य स्वयं सेन्त्र वर्दे द्विते येग्रय र्केम्य क्रिम् महेर स्टिन् क्रिक्षे क्रिन्य स्ट्रान् विमाधित। वर्दे महिस्या र्थेन् व श्रेन्य तन् वन्य तन् विषय वर्षा विषय वर्षे विषय वर्षे श्रेष्य वर्षे विषय वर्षे श्रेष्य व षटः हेत् क्रुः येत्। केंबाते वाहेबागा वाडिवादा वश्चुवबाहे : ये ये वश्चुवादा ये र्केन या सेन वा निया है ही सम्मित्र समामिता वा सम्मित्र विकास सम्मित्र से हैं बुद्दायार्क्क्यायदीयायात्र्यार्वेयायोत्। श्रीतिःयोग्रयात्र्ययात्र्ययात्र्ययात्र्ययात्र्ययात्र्ययात्र्ययात्र्यया

वियायन्यायायञ्चः श्रेयाय वटा वी लयाया श्रुटा

स्वस्थायस्य विवा में स्वस्य स

क्रै.चर्यित्रात्त.मूर्यात्राचीर.क्षेत्र.मक्र्या.धे.मुन्या

 म्रेया केंद्र सार्दे मृयाय मुद्र त्रद्रोय भ्री त्यसाया बुवाया पर सामद्र तर्मे पायस्य स्वर वस्रयान्त्रम् वस्यस्यस्य त्यत्तेत्। त्यत्रिम् यार्चेन् त्यस्य स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् स्त्रम् याहेर रे हो द री व रे पेर प्रते होया केव पर पीव प्रते दयद यी या केव प्रते प्रत नसूत्र देत् : पर सूर हेते : इर : नते : वुर : कुन : ग्री : बेब : केत यभ्रिमागादे याबुद स्थूर ध्येत हे प्रदेश स्वाय प्रति विवाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय स्वाय मुशुक्षाक्षेत्रामञ्जूषा तर्ने द्वाराया याच्या क्षेत्रा मुन्ने त्राप्त स्वारायञ्चरा क्रीयात्र्रयादिकात्रीत्रक्षात्रेवात्र्यात्र्यात्र्या व्याप्त्रक्ष्यात्र्यस्यात्र्यस्यात्र्यस्य <u> ब्री</u>-द्रेब-द्र-प्य-:द्रवाय-प्रदेश चुद-खुव-तद्रेद-प्यते । । स्ट्रेब-ह्रेवाय-कुव-प्यया शेशश्चानश्चेत्रयाने नालन देन श्चित्र। । यद द्वा हेन श्वायते श्चित्र स्त्री तर्नेत्। विशामासुरसायासुरारी विदास्त्रामास्यापुरासास्यापुराया न्दीत्रद्वरायाम्बुम। न्येदिःङ्कीत्रयान्दीःच। यास्रव्ययाभीःङ्कीत्रयान्दीःच। यक्व छेन क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र विश्व विष्य विश्व विष्य विष्य विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व व श्चेरें द्रश्रायद्याक्च्या क्रीयदे प्रस्तु दे प्यद्या वायो राञ्चा वा विदे स्तर रेत केत विदुर गत्र या अर्के । । या से ग्रयाय द्यो द्वाय ही सु स गहिस ग्रीस द्यो র্মুবার্মান্ত্রর্মানার্মান্ত্রুমান্ট্রান্দ্রমান্ত্র্যা इस्रायानि स्थायाञ्चेरायदेश्रिस्यान्त्रेत्रे प्रमानस्थानिया श्रेम्यानश्चेत्। इत्रायरःश्चेत्रयदेःश्चेम्यतश्चेत्रप्तश्चेत्रप्तदेः श्रेश्वराचर्षेत्रेर्द्राचित्रे भ्रायः श्रेष्ट्रियः यद्वरायः यद्वराः श्रीयः श्रीयः वद्वराः स्थान भर्ते । वासुस्रायासस्य हेन् ग्री क्षेत्र वर्षान् वीत्र वाहित्राही। नेत्र न्या व्यवस्य हिन ग्री श्रेश्वर्यः विष्यः विष्यः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः श्रेश्वर्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विषय

वियायन्यायायम् स्राप्ता स्रापता स्राप्ता स्राप्ता स्राप्ता स्रापता स्रापता स्राप्ता स्राप्ता

पदः स्रवः न्दः व्याः च लेवाः वी गुतः हेवः वुदः कुवः ग्रीः स्रेसः हे सः स्रेससः क्ष्य. व्याया. क्ष्य. त्रियं. त्रायु. क्ष्या. तर्या. त्राया. त कुपायातर्वोद्गातर्देद्गायी ह्वेत्यादेश्याद्यापकतापदे। वित्ताद्यायी स्थापका दे:स्यानःक्रेंब्राःक्षेत्रःव्यवार्धेन्वयान्यक्षेत्र्यव्यान्यव्यक्षेत्र्यःवयान्यः। गुद्रार्हेनःचुदःकुनः क्रीसेस्रसन् रम्परायम् यस में विषय प्रत्यस्य में द्वीर या में स्वार में स्वार यो स्वार स्व थेव। अन्यश्रितः श्रीः तन् द्वादे स्थाने गावः हेन वुदः कुनः श्रीः सेस्र स्था गुर्वार्ट्स्य मुद्दा कुता क्री को अरुप दे त्या द्वी वा क्रींच प्राये को अरुप दृद्ध वा प्राये को अरुप विक्रिया र्थित। क्वेंद्रितःवहवात्यवा व्यदःक्वतःवोत्रावादेतःवर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः वर्षेत्रः श्रीक्ष्याच्चाः भ्री । विरास्त्रवाः भ्रीक्षायते स्थेयाय स्थापा भ्रीक्षायाः भ्रीक्षायाः भ्रीक्षायाः भ्रीक्षायाः वैं। विश्वास्य स्था विदेश्यान विदेश्यान विदेश्यान विद्यासी विद्यास वसूत्रता वर्शे वर्रे न्दरवर्गे न त्यो । वि व्यव है वर्षे राया न्ध्रम । ने नित्र अविषयम् ययः विष्ठियः श्री । श्री स्वर्गः रे अपनि विषयः । व्या विषयम्बर्धरम्भा क्षित्रयादे तर्चे चरत्दे न याद्र तर्दा हेवायायदे NEN क्रिया वेदिन स्त्री निवस्त्रा स्त्री । प्रह्मा सार वेदि सार देवा स्तर स्वर यरयाक्नियाक्ष्मियायतेःक्ष्मियायस्ययाने त्ययायात्वित्रयायाः स्वात्ते । । तस्ययायायाः तह्यान्ययाव्याक्ष्यात्रीतान्येवात्रुष्ट्यात्र्यात्रक्षुन्यते ह्यात्रेत्रात्रात्र्येवात्रेत्रात्रेत्रात्र्यात्र हिंचें गर्भर न्त्रीर प्रमा क्रेंब्र य हे स्रोध्य य उद्गाय सम्या अर्थ है व है चहु निवा निया <u> </u>ৼৄয়৶৻৸৻ঀৣ৻য়ৼ৵৻য়ৢ৸৻য়ৣ৾৾৻য়৸ৼ৾য়ৢয়৻৸ৼ৻য়ৢ৻ৼৢয়৾৻য়৻য়য়য়য়৸ঢ়ৢ৻য়য়য়৻য়ৢ৻য়৻ৼৢয়৻

वरुतःवः ५८। वहुवाः यः देः स्वरुषः क्वियः व्वेदः ग्रीः क्वुः स्वरः क्वितः द्ववाः स्वीवायः यः यश्चितःतरः व्रिःचर्यायस्यः क्रुः तः द्याः चरुतः वर्ते । । वादः स्ट्रेरः पदः स्ट्रेरः हेराः स्रोयाः <u>ॱ</u>ठवःयःन्रीयायःयःन्दःवेयःस्यःक्षेष्ट्रयायःचुदःयःन्रीयायःयःस्रे तुरःयाहेयःययःन्तेः ग्रेश-५८-वृत्र-पदे-श्रेश्रयाच्युंद-पदे । । वनःश्रे-वृःश्रेय-५८-कुःकेतःश्रेद-श्रेयः यर स्रम्या पर पर में का विद्यार किया की कार पर स्थित हैं का या हो ने पर स्थान का की युवार्श्वित द्येव सर्व हिन दर खूव या क्विंय या वर्षेव यदे के वा या स्वाय या रदः हेन् र्श्वेयाया वेताया साहस्याय स्वाप्ता स्वाप्ता वेता होन् होसा वहा बर बेर या श्रे यू पर श्लें या या है प्रका श्लें र पा लेवा प्येत द्वीं या। ने भ्रात्या अर्द्धन के ने निर्मा स्वार प्रति मा अदि अनुका के का के का मा मानिक के निर्मा मुक्त का मानिक के निर्मा मानिक के निर्मा मानिक के निर्मा मानिक के निर्मा मानिक के निर्माण के निर्म मीयाहेबाबयार्क्रेमायालीटाधीटायानुयाययाग्राटायोबार्क्रमायदे । ।कॅट्रायेटाइया चल्रुप्र.स्रुट्रिं च र्क्नुक् प्रुट्र स्रे विच रहे रहे हो विच रहे रहे स्राप्त हो स्रोत रहे र हो स्राप्त हो स्र र्देशम्बिह्रभायाक्रमाद्रमासुमाधेदायायम। द्राधिद्रमायाध्रमात्रक्यामः अर्क्ट्रत्यते विद्यास्य म्यून्य स्थात्र अर्क्ट्र यात्र त्याया प्राप्त स्था यात्र स्था स्था स्था स्था स्था स्था नुवा ने सायस्थान प्यनापन्तन विस्टर वीट नुपन्त साम्राप्त स्थान स्थान र्शेट वर्षा न्देश मृति न्या मरुव मार्थ स्मित्रा विट सन्त ही वया स्मित्र ही वर्षेत्र सिन्देव यन्। अर्वोद्गः ये तेन् न्यवा येन् वार्के त्वेर त्या क्षेत्राया चुत्रः क्षुत्या वा स्थयः न्य वास्य ययानभ्रीरानाम्बर्यान्ता न्नायाम्हित्दिम्याकेनायाम्बर्यायानेनामु चर्षयात्रात्रः श्रीय र्जेर वर्षा योषा राष्ट्राध्या अष्टर स्था अर हिर्मा अर तपुः श्रीर क्षियः क्षेत्रः क्षेत्रः तर्वोद् पत्रे ध्री र द्विया के त्व द्वाद क्वा को का र विद्या पत्रे प्राप्त क्षेत्र क्ष

ख्यःपर्वायःपङ्कः स्रेथःपत्रदः वी:बयःवास्टा

म्री श्रुप्तह्माययम्बर्गस्यायस्य नुप्तस्य स्रीप्तस्य स्रीपत्रस्य स्रीपते स्रिपते स् यर। । शर्याः भैयः देशयाः यः स्रीययाः यः अक्षे। । क्षेत्रः परः चिरः क्षेत्रः य्रायाः वरः म्री व्हिय्यायायतर दे. पर्वय स्थित स्थित स्था विष्य स्थित स्थित स्था प्राप्त स्था विष्य स्थित स्था स्था स्था स यम् मसुस्र ५८ । ५ स नरुतः न नुर सुन स्रोस्र स्रो स्रेस या यो स्रोतः स्री प्रमान हे स्र है:भूर:भूर,कुं,चरे,चलेग्रथ:कुंश। । व्हर:कुंग:बुग्रथ:दे:चभुर:य:५८:। । व्हर: कुनःशेश्रश्चाक्रीनसूनःयाय। ।देःद्वाःदेशःचित्रःवाद्वरःवाद्वरःयःसूर। ।देःचित्रदेशःवर्धेः यायव देव द्वा । विद्युव यो यायव विद्युव प्राप्त विद्युव प्राप्त विद्युव प्राप्त विद्युव प्राप्त विद्युव प्राप्त ययर। रियायायदेवर् न्यस्यायस्यकी विषायवायस्यक्रियाक्षेत्राकष्ठिते सक्तराया हुन ताया श्री आक्षरा हो आक्षरा साम होता हो साम होता हो साम सम्मान सम्मान सम्मान सम्मान सम्मान सम्मान स न्देशस्युर्विनायरान्यसान्वीय। नेदिःहेशःश्चीर्केःवाःयान्वीत् सर्केवान्दरःर्केशःह्येनः चदःश्रुदः अःश्रेवाश्वः नगारःश्वेवाशःश्चेदः चदेःश्चः वावाहेरः अःस्वा देरः नुशः चन्वाः स्रेः त्रच्यानुः भेर्न् यायान्यान् विष्याने स्ट्रास्त्रम् स्ट्रास्त्रम्त्रम् स्ट्रास्त्रम् स्ट्रास्त्रम् स्ट्रास्त्रम् स्ट्रास्त्रम् स्ट्रास्त्रम् स्ट्रास्त्रम् स्ट्रास्त्रम् स्ट्रास्त्रम् स्ट्रास्त्रम् क्रिया । भ्रु. ५८ म्यु. स्रीत स्वाय ५ मार प्रायय १ मार प्र श्चेंया देव:इंश:स्रा धर:क्र्य:श्रेस्रश्यस्य सकेंग:रेव:यंक्री । सःश्चेश:य:इस्रशः भ्रुभाश्चरकेव भ्रुकायाक्ष्रयायायेदायायदा विदिन्द्रयावेदादुः त्येयायरा र्वेम । वुरः कुनः श्रेश्रश्चार्यः श्रेष्टा । वुरः कुनः श्रेष्ट्राः यानि वियानः २८। विरयःक्षेत्रः इस्रयः श्रीयः प्रत्यः तत्त्रः विरः। विर्दर्शः स्रयः स्रयः स्रीरः यर:बुर्च ।जःश्र्चशःतशःश्रुंचःजशः२८:यङ्ग्रंचशःश्रवतःवश्चेष्। देःक्षेरः४८: रदःश्रीशित्रं अर्केन् विदः वी वदः नुः नृदः। यदः व स्थुयः वालवः लिवा हुः दर्शे नुषः समा

यदान्यायराष्ट्रम्याद्ये विदायत्ये विदायम् स्वतात्रम्य स्वतात्रम्य स्वतात्रम्य स्वतात्रम्य स्वतात्रम्य क्रवायायर योग्रयाय सुने र प्रेस्टर्य द योग्रयाय सुने र सुने या द र विष्टा द योग्य र प्रेस्टर्य प्रेस्टर्य प्र नर्भेन् त्रम्भानम्भ ग्रीभाभी विनाम भेजामा दर्शे ना धिन कुन मर्केन नु য়৾য়য়৽য়য়ৣ৾৾৾৾৾ঢ়৽য়য়৽য়৾য়৾৽য়৽য়ৼ৾য়ৢয়৽য়য়য়৽য়য়ৣ৾ঢ়৽য়য়৽ড়৾য়৽ देव नक्क द खीरा नव द स्थेद दो। वेया केव की देवा या सुर हुंद स्था वह स्थेस या छी यश्चेयःतपुःमुबःग्रीनःय। क्रीयाःयः सम्भयः उन् सन् स्वायहेस्ययःय। यश्चेन् स्वायः र्पण्येर्'र्वेच'या अर्थ'क्वेथ'व्यथ्यंत्रेथ'यर'व्युर'च'य'र्थेण्य'यर्दे दे कें है त्रद धीव ले वा वेया या केवा ये ति देया था खु द स्था थी । सु द खु द शी શ્રેયત્રા શાસુંશાય સુંદુર્ય મધુષ સુત્રા સૈંગ ત્રામા દે ભૂમ ભૂત શુન શ્રેગ સેવ શ્રે (તુમ્ રાસ્ડ્રો સે र्द्धन। नेरायार्द्धनायार्थायेश्यम्याक्कियायीः विमायाः विमायः विमाय श्रेयश्चर्यक्षेत्रेर्याः स्त्रेर्याः वर्षाः यत्त्रेराः स्त्रेषाः यत्त्रे स्त्रेष्टाः स्त्रेष्रेष्टाः स्त्रेष्टाः स शेस्रशन्यवे सेट वेंच केट वुट कुच शेस्रशन्यवे चसुच य वस्र अक्तर की हेत भीत्। য়ুঁর ঝমমামদমাক্রমার্র্রানের্বি শ্রীর্রাবি মের মুর্মামুর বি শ্রীর শ मशुक्षाची मान्य में त्र विमाणिन या का मेना ने व्याप्त हैं हों जिन सानी प्राप्त है त धैव। भ्रैवायाम्बर्ध्यार्क्स्यान्यस्य अत्वर्षेत्राय स्त्रीत्रायान्या दे हि सूराधैव लेव। श्रेवायदे वाहेन से नवो त से । नवो त सम्मा उन् श्री मकेवा हु श्रूर त ने श्रुर क्वा क्षेत्रोस्रस्य प्रमा यहित ये स्रित्य केत क्षेत्र से स्राप्त स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स्वाप स हेन्'भेरा न्येर'व'सरसेस'स्त्र'य'न्ट'हे'सस'न'सें'सू'न्दें। ब्रि'व'सेन्'यदे' वुर-कुन-ग्री-स-न-कुंग्राय-१२ शुर-नतर-धित-थ। है-सूर-धित-लेन। ठवः क्यें क्यूनः ने त्यां वित्यः तुः विवाः धेवः यः व्यव्यव्यः क्षेतः हे व्यक्तियः गादेः क्ववः नरः विद्ययः ने ः तर्वाक्तिंश हे ह्रियायायदे यह याक्तिया भी यहिया की यह या हिन उर्व की तह्या सु क्रीय है। शेस्रयानश्चेत्रिय्वरामदे त्वुदामाधीत्। मर्शेद्रावस्यान्यम् सेद्रास्त्री ब्रुट्-तह्नायम। वुट-कुव-सेसस-ग्रीनसेट्-दसस-मटा । मायाहे-दे-या यानुवार्यात्रात्रकेषात्रा । विर्यासिवदिः विस्यायान्ते गानुः महो । ने वि ने विराधानिक । तर.पर्किर। बिष्य.मूर्। विरयामियावयवाकर.याधेयातर.पर्किर.यपर.लूथ. है। याया है छत्र विकान वा नाईका या लेवा छीता है दा हु या लावा का प्यान के वा नाईका <u>व्यत्तर्या ग्री सुवा व्य</u>ुक्त त्वर्या ग्रीया देवा या क्रिया या व्या हे । व्या विकास विका चिर-क्रियःक्षेत्रेअअअ-५८-धेर्यञ्चेत्रेन्यः विषाःविर-हर्य्यविष्यः धेर-वर्षेत्रः विर-हर्षे ः क्षेत्रः ययान्तुःधीयात्रदेवावतरासुरारे वियाणासुरयाधीन। नेती कुं यर्क्याणार्थीन नेती कुं यर्क्याणार्थीन स्थान शर्याक्रियाक्र्य। द्वप्रद्वीराक्षेत्राय। चीराक्षेत्राक्षेत्रायाक्षेत्राय। उत्रावस्य उत्रायान्य प्रार्कित् स्रोत् त्युत् या ते ह्येत् स्रोस्य स्त्रायते यत् प्रेत् प्रीत् त्या वह्ना स्रोत्रसः स्रोत्रायदे यद प्येत दे इत्रया श्री स्रोट द रट देव सुद कवाया स्रावहूट व ८८। गवन रेन स्राक्ष्मिसास्य त्वुरामाधीन। स्टार्नेन क्रुन क्रमसास्य के तहते वस्यानुगया । क्रुवासी करायरानुसालिया । वसास्रायरासम्सारमानुः वर्षुरा विश्वास्र्रशास्त्री विह्यास्रस्याञ्चरस्यस्य स्रम्प्रस्य स्रम्प यर.च्रिन.जूच.तपु.सैचन्न.नर.चक्कित.चपु.सैचन्न.चच.मुन.ने.क्रैंप्.लून.त.ज.जूचना

यतः भ्रान्या ग्राटः नर्योद् व्रयाया ग्री-तृषाया क्रुव स्वी कराया रायमुद्राया प्रीव विया पासुद्रया लूर्। चेषय.रूप.सॅ.कूच्या.ह.केंर.परींर.खंया शुश्रात्रव.की.संवा.चर्जा. शेवा वरे व श्रुवा हें ब से दश्या मार्चे द पर हो द या व श्रेवा श्रेवा श्रेवा पर्देग.जन्ना यर्नु.य.गीय.ग्रीम.श्रुमन्नात्तरा.र्य.। मिन्नेया.यर्जना.वर्ष्य. ब्रेन्डिन्। । ग्रिन्स्मा स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः । नेन्न्न्ने सर्द्ध्रस्य माया र्देर्द्रायराष्ट्रेश्चर्र्यम्याकेष्ट्राय्युराष्ट्री वेश्वाययार्वारावर्षेरावर्षेत्वार् ५aानकतःत्रुकाने ने यानञ्जून व विकान्नरकानुस्कान्ध्रयायका क्षेत्रका क्ष्याया से द् इत्रां मुंबायहरायाद्या धुंब्व्यायङ्क्षेत्रः कुवायायः ख्रुवायस्या कुवायस्यायः स्वयायस्या त.लर.र्रिय.र्रे.पर्कीर.प्रशाद्धियोत्राचङेषु.श्रीजाचाःश्रयाचङ्गाःग्रीर्थयोत्त्रांचालूयोत्राताःलुयः ययानुस्रयाने। यार्मेनायायापुर्नारेटावर्गेय। ग्रुटाकुनाग्रीयेस्याने वियाने क्रयम्यति कुनियार प्येत लेता क्वेत्य या येयमा प्रमुद्द क्रयम होन्य या येयमा क्वेत्र स्थाय प्रमुद्द क्रयम होन्य वहरवदरा वनायेंद्रिकेंगविवहेवयदरा सेसम्बद्धेरदेरदर्स अर्थेय.तपु.मुभग्न.योषेष. रेयो.पश्चेरे.ये.धेभग्न.तप्र<u>ति</u>प्रो पहेयो.मुभग्ना.धेभग्न. व्रेन्:क्रींक्रुं:ययःयदेःयावयःव्रःत्रंग्रवःन्ग्रीयःकेवःयेःचक्रुन्ःवःव्ययःयरःयायुद्यःयेन्। श्चेंत् या रोस्रया पश्चेत् ११ सम्याया दे १८ ह्या रोस्रया ११ स्याया दे सुन्य । यह सुन्य । यह सुन्य । यह सुन्य । शुर-नर्गेषायाधिवालीया गुवायद्विवाळेवारीतीयेययाहिनारवान्याया

ष्टियःयन्यायःयञ्चः श्रीयःयवनः वी लयःयासुरः।

श्रम्याय द्वेष स्वराधी विषय विषय स्वराधि स्वराधी । विषय स्वराध स्वराधि स्वराधी । - चुर-कुन-शेअश-५धर-युश-६म-मी-थश-पर्_ष-मुत्र-पर्व-भूपश-ग्रुट-पर्व-दे। न्येरावार्श्विनाम्बर्धार्याः विष्यास्त्रम् विष्याः विष्याः विष्याः विषयः वर्द्धेरावान्त्रन, प्रत्यान्त्रमाने स्टामी वित्रामर प्रत्याम्याना वित्रामर प्रत्याम्याना श्चेतिः भ्रुःतयवायायात्रयायावतेः श्लेटः येतिः सतुतः तुः चत्रवायान् वियायो । । न्यटः ये न्यव प्रयामित्र में क्रिय्यामित्र में विष्य मन्त्र में विष्य मन्त्र में विष्य मन्त्र में विष्य मन्त्र में विष्य यनवार्याय प्रतिवार्या विवार्या विवार्याय विवार्या विवार्या विवार्या विवार्या विवार्या विवार्या विवार्य हेबासूर यथा मुंबा नर त्युर पर्वे । विदेते हें र विवायर मुब्द व्यवाये विवायर वुर्ते । वुरक्तः क्षेत्रः कष्टे क्षेत्रः क्षेत्रः कष्टे क यङ्गः क्रुंत्रः यदेः तद्ययः तुः तसूत्रः यदिः यात्रः यात्रः यक्तः क्रुंतः देवाः यत्। यद्यः क्रुंतः यदेतः य र्जियः पर्यं भाष्मिता सुप्तुः विया सिप्तुः सुर्यः सुप्तुः सुप्ता स्वाप्तुः सुप्ता स्वाप्तुः सुप्ता स्वाप्ता सि चलैव मनेम्बर या ब्रिट या महेर्द या वे दिया महिमा है वा क्षेत्र की विद्या महिमा है वा की विद्या महिमा है वा की व योचेयोयात्रयाञ्चेयाद्वीयः दटः ख्रयाद्याः योश्वयः यहिवः योश्वयः यो। विदः स्रोदः यप्तः यसः यसः य श्चिष्यायम्भे प्राप्तित्वयार्भ्केट्रापायद्गे हिःसूराधीवालेषाद्गेषायय। पर्वेवायूवरायद्वा

क्षेत्राचगादाचर्डु्र्याच। व्यूत्राचित्राचीत्रास्त्रीचावदैरादावाजीदेन्।याचुत्रायरात्राचनःस्त्रीः यःमालवः नुतरः रः यः मार्वे नः श्रे अश्वाद्ये नः श्रे हिनः मञ्जायः मार्ग्यः स्थानः मार्ग्यः स्थानः मार्ग्यः स्थ न्यमा येन तन्या परि हें ब रें वा बिमा है। वह या मुं ही मा विमा से रें वे के वे के विमा से विमा बेबानुनाकुयास्व स्थानकुत्यान्वरान्तेन्यां विवापिन्। नेत्यास्रुवास्रोन्यवासीः श्र्रान्द्रम् श्र्राम् विश्वाद्रम् त्यात्र विष्या विष्या विश्वाद्रम् विश्वाद्यात्र विश्वाद्यात्र विश्वाद्यात्र मर्थरःश्चीः अर्देग् व्यूरः दृद्यः वैदः श्चे व्युः विद्याः विद् श्चित्रयात्रह्माल्यान्य मुन्त्रत्वेत् स्त्रेत् स यमून परे के त्या लेग के या के है हेन कु या प्रें या इंट केंद्र पर्य पर्य है । श्रॅरक्षेत्रयत्रा नेवयद्यस्यित्वी यत्वत्त्वरावरमे विवासक्य कुरावहिव यदे त्यं कोन् मका विन् विनिर्देश देवाका सुरुष्ट्री ना विदेश देवाका लेका लुका के। इस खेरा की का मुजायानययालेगानलेयाने ल्या श्रीयानलेया देते रेजायाया पेन् प्रते हर श्रीर मुद्रम् संदिष्ण स्ति विक्ति प्यान विक्ति स्त्री स्वाया स्तु स्त्री पायो स्वाया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स য়ৢৼয়ৢয়৻ৼৢ৻ড়ৼৼয়ৣয়৻ড়ৣ৻ড়৻য়৻ঢ়৻ঽয়৻ৼৢ৻ড়ৼ৻ঀড়ৢৼ৻ঀৼ৻য়ৣয়৻য়য়৻ঀঢ়ঀ৻ मर्ते । निः वयानु या केनिः व्यान्ता त्वाना विवा स्वीतः होया स्वान्त स्वीतः वाक्षेत्रः स्वीतः व्यान्ति । स्वीतः दस्याने किया मृ.क्रा. या वी विदे यो श्रम की अनु यो उथ अक्षेत्र ने न जिया है भी श च्याचे सम्बन्धायम् क्षेत्रायम् वायामे स्वरायान्यो देव वियायम्या देव हेयासु इर श्रॅर म्ववर ने प्यर के वर्षे राष्ट्रे स्वर्ध राष्ट्रे स्वर्ध राष्ट्र स्वी त्रु राश्चे राष्ट्र श्रे राष्ट्र देव लेख प्रमुख्या दे महिषामा अहसारु वर खेव लेट द्वी देव मलुट खुम्या व्यया उर् ता यावया पर शुरा वर्धि रावा क्षु क्रेन सेति प्ये त्या रादि राया स्था नश्चेर हे में द बिर की की रेंग है है ते लेग य श्चेर सरका या सेनक। में द विर की की रेंथ-नु:बेंब-यम-नृत्य-बेंट-म-नृदः। वृदःय-नृदः। वृदःय-नृदः। ५८। द्यापर्वरापर्दा अदहैं स्थापन स्थाप स्थापित स्थापित है <u> २वा.ज.सै२.क.हैश.तश.४८.४८.वी.जश.वर्धश.४८.४८.वष्ट्र.</u> व्यवश.वीर.की. रेद रेश वेंश प्रथा कुय प्रदु द्वो देव स्थेयश उव द्वय वेंद्र स्थित श्री सूना यर्जेज.क्रीश.शृश्यश.कुष.पै.श्रु. यर.क्री.प्रयो क्षीर.क्री.ज.पूप्त.क्ष.त्य. श्री.लय. कुथायेर निर्मार अहेरि की वेर की श्वीव प्यामित प्रति प्रवित्य विष्या कियायें व्यामित प्रति प्रामित प्रति प्रामित प्रति प्रमित्र प्रति प्रमित्र प्रति प्रमित्र यः चुँद्रायसः द्वेयः चुँकायः नुः चुँद्रायः गर्ने दः यः योद्दर्श्वयः द्वेयः द्वेयः यञ्जूवायः ययः द्यमः श्रूट र्से स्थट र्से र महाराज्य के दर्भी वा प्रीय वा किया र से वा वा किया र सिंह र स्था विष्य के वा विषय र सिंह र यर अहूर क्री श्रीया क क्षेत्रा क्षेत्रा ख्रीया वर क्षेट्र। अहूर सीर या में श्रासीया मीया सूर बुर्या हे 'दे र र मानवार भीरा सहेंद 'क्के प्रकृत प्रया क्रिया चुर्या चुर्ति हो र दे र श्रीरा प्रयास क्षेत्रः श्चैत्रः प्रदेश्चित्रः स्राध्य। श्रीयश्चात्रे स्वायः देशः श्चीः वात्रः श्चीः श्चीः स्वायः देशः स्वायः स्वयः स्वायः स्वायः स्वयः न्येंब्र क्रेब्र येंदिः देवाबान्ने क्रेंब्र क्रुंबें र ब्रुंच खेन् प्वानः वेंब्र ने वानः प्येव लेंब्र । क्रुं सर्वेदिः बटः नुः वेदः नुः यो वा स्थानः यो स्थानः नुः निवा स्थानः नुः । स्थानः नुः निवा स्थानः स्थानः स्थानः स यर्द्धतः वर दे र त्ये ये र दे त्ये के कि कि या त्या ये र त त्या त्या ये या त्या ये या त्या ये या या या या या य यःस्यायम्यासम्मित्रः वाद्वीत्। देवे स्याप्याप्यमादे वार्मेव स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स्वरं स् बेट्यायबारायब्री ब्रीट्यवेद नेदान्येय क्षेत्र या विवा खेदाया दे विदावया ब्रीट्य या क्षेत्र या व्याप्त क्षा दरावरुषायात्वीं वराक्षायात्वा क्वियातुः भ्रेवादेवः श्रीकाविष्यरासुः विदेशवार्यवातुः

तर्चे दर्ग्या न केया चुत्याचा त्या त्या त्या विष्या त्या विष्या तर्चे विष्या त्या विष्या तर्चे विषया त्या विषया तर्चे विषया त्रा विषय यःययः तुः तें स्वेदः तुः देयः इत्राः क्षुयः त्रयः त्रावदः यः द्वीत्। देः त्रयः क्वयः यः द्वीः देवः *૽૽ૢ૽*ૹઃઅદૈંદ:ૹ૽૾ૢ૽૱દ:૱ૹઃવાએ૨:ૹૻઽ:ૹૢ૽૱ૹ૾ૢ૽ૣ૽ૼઽ૽૽ૢૢૣ૽ઽૹ૽૽ૢ૾૾૽ઌોએ૨:ૹૻૢઽ૽ૹ૾ૢ૽ૢ૽ૼૼઽ૽૽૽ૢ૽૾૾ૹ૽૽૱૽ૣ૽૽ૢ यम्भित्याचित्रा देवः स्वारक्षेत्राची यम्भितः यम्भितः यम्भितः यम्भितः यम्भितः यम्भितः यम्भितः यम्भितः यम्भितः य क्ट्र अ.च. श्रुवा चिक्रा ट्व्यूका तथु ला.चीट्र क्ट्र अ.क्वाका श्रुक्ट्र त.ट्ट क्रिका च्रुट्ट. पर्दुव रोग्य रोग्य प्रयास्त्रुया या प्रयास्त्र प्रयास्त्र । देव या क्रा स्त्र ब्रेंब हे क्रिंट आयु विद्या की बट र दु लिया या विश्व या या विष्य की या विद्या की या हेब^ॱरे.च्या'य'रे.रे.पठन्'ब्या क्युःय'न्यो'र्न्ब'क्येशक्रेंट्'य'स्'यक्युःय'सूत्राहेक्तुः यर्क्ट्रियन्त्र, ययोग्रयायम् कर्म्युक्ट्रियाया भूग्यक्ट्रियाया क्रायक्ट्रियायाया वर्ग्ची नास्तर प्यार वर्गे में इत् त्रा द्वीर वा वर्षे र स्वापा के सुर में । । बोस्र साम स्वीप्ती के दि नुवासीवासीक्षाक्षाक्षात्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रवास्त्रव विविद्यः व त्युः क्षं नत् व क्षु न र्खुव कन व्य विद्यक्षेत्राक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र के पर्वत्र-तुःश्चर्याः प्राप्ते रे पर्वत्र-तुः पर्वत् । के स्यापनुत्रः श्चीः केत्राप्य प्राप्ति स्यारे प्राप्ति । यक्त्रीयाःक्ट्रायद्यद्यद्यायाः स्ट्रायद्यायाः स्ट्रायद्यायायः स्ट्रायद्यायाः स्ट्रायद्यायः स्ट्रायद्यायः स्ट्रायद्यायः स्ट्रायद्यायः स्ट्रायः स्ट्रायः स्ट्रायद्यायः स्ट्रायद्यायः स्ट्रायद्यायः स्ट्रायः र्वेद बिट कुथ तु द्वो देव दे देव ये के या तह वाया यावया या बिवा धेव यया देव ये किये यवरःरवःर्रः विरायरः धरःर्रः । यरः क्रिनः नरः यरुषः यान्यस्व लेरः क्रिनः सम्बर्धः थायान्यान्, पञ्चात्रया क्वाया प्राप्तान्यो नेता प्राप्तान्य प्रापतान्य प्राप्तान्य प्तान्य प्राप्तान्य प्राप्तान्य प्रापतान्य प्रापतान्य प्राप्तान्य प शुःकुरःकुरःविगागीःवरःतुःमञ्चरःतेःप्युवःदेरःतुःश्चेरःकेःदेशःमविवःतरःसेंन्द्यःश्चेःदेः

५८। वैतुस्तिः रे.५८। वार्षराक्चीः रे.व्यास्वाः स्रे वार्षराक्चीः स्रे वार्षराक्चीः स्रे वार्षराक्षरा गायस्र वर्षे प्राचित्र वर्षे वरमे वर्षे वर रदः वदि व्याशेदः व्यादेव दे के सूप्तत्व श्री स्रावर विवा सेद् श्री देवे स्रावर श्री सूप्ति व केट तर्वा वा क्षें दुर र हें हे दे गहुव स् विवा स्पेर स दे वा वा सक्षे हर वा विवा ५८। वरवराष्ट्राचे प्राचक्कार्याचे वर्षाके प्रवासी वर्षाके प्रवासी प्राचित्र रें। ।देवे हेरा सुः धुः की विवा वीर्या देत ये के हैंत ये विवा हेवारा वीर सद्ता दुर्वर नमाने के प्येन निवेद की केर न्यू देव में के प्येत्। विन माना माना में नाम निवास निवास निवास निवास निवास निवास न बुदर्भानेम नुःस्मित्वद्गान्त्राने विद्याने के प्याप्त द्या द्या स्वयः स् वर्षातर्वार्वोषाग्रीनेर्वायावात्रयात्रवर्धात्र्रा वयातेःविकारित्वार्वा र्शेट व विद्याधिय देव दव पर श्रीयाय विविदेश रुयाय विदेश सुया है सेट विवा केया सुया। कुयानुषानेन नर्धेन क्षुराया सुनायरानशुराग्रमा स्वाराया रहेन नर्धेन नि विर्दरम्बीयाविक्रिययाब्ह्रिरनुरुषायाबायोराक्कीक्कीयविष्टनुरुष्ट्रायाविष्टिक् र् भ्रेंब यथायम्य विष्य विषय क्या स्ति विषय क्या स्ति विषय स्ति स्ति विषय स्ति स्ति विषय स्ति स्ति स्ति स्ति स र्शेट नश्र देव से के श्रु नत्व श्रीश मुन पदे स्वावर केव से लिया नट तस्त । क्षें चक्कव चेंद्र प्रश्नक्षें त्व्या श्री हें हिते गृह्य चुन्न द्रान्न द्रश्ने चित्र प्रश्ने चित्र प्रश्ने व नन्दायात्रदान्त्रेत्रास्यात्र्यात्राचित्रेत्रेत्रान्दान्त्रास्यात्रेत्राची स्वास्यात्रेत्राची स्वास्यात्रेत्र गालिगान्त्रीत्रायाम्ययाञ्जान्त्रात्वरयाने गोलियान्त्री स्वेरात्या विरेन्द्रे के के निर्मा मुस्राया के निर्मा के निर्म के निर्मा के न देव्याम् निष्याम् निष

देवे र्केष दे क्रिया देव क्रिया ययाम् भ्रीके तया सी कुन्द न्यस्याया वस्य या स्य सिंदी मिन्द न्य मिन्द नि वें र तु रेव थे के प्येन प्रश्न वें र तुते प्येव कृत श्रीश र र केन विश्व प्राप्त कु व र प्या श तुन इट र्ज्यूचा र्ट्रेव प्यट रे वा त्वरा स्रे चित्र मा वर स्रेट। र्ज्यूचा र्ट्रेव जीस स्रूचा या रेट शुक् महिषामा देव भे के यो का बाद स्थान श्री दाया से दाया हिसा दु स्था वा के दिसा है । बेयाञ्चयायया नगे देव श्रीयाधीन प्रबेव वे रामुन्द रेव ये के पेट्य हें न्या प्रस्त यय। भूग देव स्वा देव सुव हे न ने देव न है द व है द व व के त के त कर व के दे द तु सुर्वे त्याचन्वा स्वा सुव विश्वाधीय वे सातु देव ये के तदी नवा रेया ये या सुन्दा नवीया ॱढ़॓ॺॱ२॓ॺॱऄ॔ॺॱॻॖऀॺॱॺॖॖॖॖॖॖॸॱॲॸ॔ॱॸॖॺऻ<u>ॳॗॱ</u>ॻऀॱॺऻॸॖऀॸ॔ॱॻॖऀॱॺऻॸॖऀॸॱख़ॱॿॆॺॱॺॺ॒ॸॺॣॸॱॲॸ॔ॱ रुषानिवा'वा श्रुवा अदे र्द्यवा रुषेट श्रेर् वा वी र्देर अर्देर वे विश्व श्रुवा स्वार्थ स्वार्वेदे भ्रीवा वाहिषात्य रे रे रे प्रविद पर्दुवाषा है। देवे सर्वस्थाय स्था सुवा दे प्रक्रं पादिषा ग्रायाचेत्र स्वात्ते हित्र त्रयाचेत्राच्या । प्रयो देव ख्रीयाह्या सर्वेत्र ख्रया चेत्र त्रया स्वाप्य स्वाप्य स्व वी ख़ु र्रो लिया वीय किट र्स्ट्रेट वीय विद्याया यदि रहेंया द्वाया में हिया ये स्विया दें तथा ञ्चर्या । ने न्या क्रिया सुन्यो ने ने स्थानी न के साम में न स्यान स्थान देवःचः यदः वीः क्षेत्रे विवाः वीयः चः यदः युः चक्कः वात्रयः यात्रयः वयः वर्केयः वयः वर्केयः वयः वर्केयः र्थेन् अविदासी विदाय में विदाय में विदाय में प्राप्त के प्राप्त के किया में विदाय में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में प्राप्त में में प्राप्त में में प्राप्त में में ज्रहानस्रवराष्ट्रियाने स्तुन्त्रीय स्त्रहात्या वायहासह स्तित्वरात्वा स्त्रह्मा वायाना यर मी ह्यु न् चेंत् उद विषाय बेराय पेंद्र य लिया मीषा कुया नुदे कीया वेंद्र पेंद्र या वेषा देते श्रेमाया के प्राप्त के प्राप वयानेरान्ने विवापित्रावस्त्राचयात्राचात्राची द्वीतिष्या निर्माणका विवापित्रया रुषाक्षीः द्विया सास्रोदः दुः दिश्चे साने निस्तृतः सिन् सान्दरः सीया त्यः दुयाः सुवाः सी से सास्रास्त्रा र्षेत् या अर्थेर व व केंद्र या विशेषा गा वा त्येर त्येत्व स्ट्रे विंदर वी विशेष नु विशेष ने व व य.जर.ह.त्र्य.व्र.४८.ब्री.व्रिय.वंश.व.जा.व्र.त्र्येव्य व्र.४८८.व्रेय.ब्रीश.मे.वि.ज. बुवायाने द्यावार्था रुप्त स्वाप्त विवाद वि द्रभाक्तींश्राम्। वाहे त्वादारु श्रेट स्ट्रेष्या केर श्रेशा केर त्या अप्ता के देते हों टा हिर द्रा ह्वा र्के रेट अलेग हु न सुरुप नवम यह दा। कुल सुर में देव की अहे में लासूका है किंदा इैव के नया इैव योव से नहेंदा ५ ५५८ हिंद श्रीय विचे या सु सूव है या लेगा येव वयरा श्रीया वेया द्वीया वायर है वेया रेया सेंदि रेवाया श्रीत विवाया ह्वा स्नुव है सा बेराय विषा भेरिया ने भेरिया स्थाने प्रको देवा भारतीया क्षा भारतीया है से स्थानी से स्थ श्ची द्वातातात्र त्रात्र प्रात्र प्रात्र प्रात्र विवा प्रोत् लिट हो त्य्य ग्वाट ह्वा स्त्र हे सार् ग्रेय प्रात्य प्रात्य यं लेग प्येत प्यथा श्रेण व्येट प्येट कुथ तुश श्रु स्नुत हे स्रित श्रु ह्या किया क्षेत्र-रचा ची क्षेचा क्षेत्र श्रेन क्षेचा ख्लेर्या स्था श्रे भेर्ट क्रेन हे स्टेन हे स्टेन हे स्टेन हे स्टेन स्था ५८ भ्रेंब क्रिकर वत हो। वत्रहर या वर्ष अस्त्री वहिर क्री द्वीं या पर क्रुर श्चर रो मुर्ग ति महिमाति महिमाति हो र ति वि व मार्थ स्थानि क्षांध्यात्रवात्राय्यात्रा व्यवाद्यत्याक्ष्यात्राच्यात्रात्राच्यात्रात्राच्यात्रात्राच्या र्नेव श्रीकाञ्चा क्षव नर्गोवा च नरम् मुन्तरका च वका श्रुरः। ने सूर न्त्रका र्वेन प्युव ने र

बिया वेर्त प्रमा हेत् बिया वा प्याप्य ने दे क्किया चेरि क्किन क्या स्ट्रा प्याप्य प्रमा क्षा स्नुवःस्नुवःर्वे विष्यः न्यायः स्त्री नेषः स्नुष्यः यः द्विनः विष्यं विनः वित्राः विनः विष्याः য়ৢঀ৽৲য়৾৾য়৽৾ঀ৾৾য়৽ৢঀয়৽৸৾৾য়ৣ৾ঀ৽৻য়৾য়৽য়ৢৼ৽৾ঀ৾য়৽য়ৢয়৽৻ড়৽য়ড়৽য়য়ৼয়৸ क्वियः तुः द्वोः देवः श्रीयः दः शेः शेदः यः विवाः वीयः श्रीदः क्यः हैः सूरः खुदः वियः श्रूयः। श्रुमाया हिन् क्षेत्रा स्रीमा मीमा साम्राज्ञेन क्षेत्र स्त्री स्त र्वे विनायम् विन देवान् विनाने यान निमाने। विन विने विने यान मुनान विना के वु:धी:अदः म्यानाम्याना व्यवान्त्र व्यान्त्र सेता स्त्र म्बर्या मुंद्रिन्य के प्यत्येन्यय। वित्ति स्रेन्ट्र क्या की त्र न्द्र वर्मे बिया मिन ने । नितेनुबासुमानेन धीर ररा सुवानु में निष्ठ साम विन क्षेप्रुचे म्दार वे प्येद्र के अद्देश यह । सुचे के दिन्य कुष्य कि दिन के अद्योग के अ यः सर्के वदः दुः बुदाः सेदः। विः देः विष्ठाः पुः खुः यः वक्तुः यः विषः सूर्यः य स् क्चितार्स्याप्यापुरुषायाद्विर्यायाद्ववार्येदादुःचक्किताब्वेदाप्युतार्याः वयस्य उदायुदारुष्याः स्व वर्ष्ट्याश्चित्रार्वेत। यवायुत्रावर्ष्च्यार्थेत्रार्वेत्रार्वेत् श्वित्श्वरासुर्वेत्रात्रात्रात्रात्रात्रात्र विः सह्य देशः ह्यूया देः दयः प्यान हुत्य येषः द्वो देवः मावदः दरः से तर्दा पर्वे सुर्वे स्व खिर त्यवार विवाधिता विवाधिरात वास्ति । से वास्ति । नवो ने ब की श्रामा श्री श्रामा दे ते । विवा प्यान प्रामा ने विवा के विवा प्रामा के विवा के विव यम्बारामे। द्वार्द्धराद्भामें स्वार्ट्सराद्भा द्वार्ट्सरायादाध्येत्र द्वीयार्थे स्वार्थित स्वाराध्येत्र स्वार स्वाराध्येत्र स्वाराध्य स्वाराध्य स्वाराध्य स्वाराध्य स्वारा श्चेत्राळ्या श्चीत्र राष्ट्र द्राप्त मे देवा श्चीत्रायोवा प्रतिवासी स्थापिता स्थाप्त स्थाप्त स्थापिता स्यापिता स्थापिता ययः वेशः क्रीयः यः देहः हर् यस् । क्रीयः युशः यहः हरः यदः स्निरः वेशः यशः सर्वायः वशः

ख्यःपर्वायःपङ्कः स्रेथःपत्रदः वी:बयःवास्टा

धार्याः स्त्रीं स्त्राम् स्वाप्तान्त्र स्वाप्तान्त्र स्वाप्तान्य स्वापत्ते स्वापते स्वापते स्वापत्ते स्वापते स्वापते स्वापते स्वापते स्वापते स्वापते स है। भ्रैया देव श्रीयार पी सेया या सेरासा या स्वाया है। वेरायु वर्षेया केर श्रीया वेंरः परिः वें क्रुशक कॅरः पर्दे द्येंद्रः परिः धे गेदिः पर्वे व्युः वेंदः प्रस्नुपर्शः ग्रीशः द्येशः है। धुरर्दर्विः में वायर्षेद्वयायदम् देवे कें कुवार्ये वी वार्क्रावा सुविः मुवावा युः वेरिंदि सर्वे राज्य विवा पेरिया ने क्रीन क्या क्री खुरा रवे बदानु के दिवा दवःयः द्वार्थः क्षेत्रः हो। वीदः बेदः विवाः वी: स्वरः यस्त्रः प्रवेदः यस। वासः र् अट में चल्रमायमान् से दे त्या से समाय हो दे त्या स्वर्ध न से किया र्येते से ब्रह्म त्रहा है र त्र हो देवा या या हाय। हाया से त्र र ख्राया तर हो हाया से देवा सर्वे बरावमाध्रीरायायात्विरायारेत्। वद्गातद्वि सुराये विवाले यायात्वरायात्। मिजा तुपु स् विटायटा निया क्षिया तुपु स्था भाषा विषय दि स् भाष्ट्र विषय स्था भाषा यम्बारामात्रम्यान्यः प्रत्या यनेत्रः स्वामात्र्याः विवास्यत्राम्यत्रम्यः प्रदेशः स्वामार्थः स्वामार्यः स्वामार्यः स्वामार्यः स्वामार्यः स्वामार्यः स्वामार्यः स्वामार कुथान् द्वादेव देव की सेवा विश्व वीश्व सम्बद्ध प्रमान देव स्वापित स्वीत से सम्बद्ध । यत्। क्रियान्यायात्रेन् क्रीयासान्दरायुवासान्दरस्यायात्रात्रे स्वाताः ब्रिन् ग्रीयाक्क्यायायित्रक्ताक्ताकालेयायाविषाययान्ति दिन्दिः याधीवालेयाञ्चाया ख्रिन् ख्रीका क्रुत्य न्तुः न्वो नेदेव लेका या क्रिका कामा । नेदेश यन वा ध्येव के लेका क्रुका या नहा । त्र्यं ३५.६४.५४.५५.५५.५५.५५.५५.५५००। मैज.पंत्राचैर.प्राया.क्रीया.

धुरावादरीती दहिषाहेबाह्मेरावाकी श्रीतायदी द्वार्य विषाधिवायया नाहिताती ८८.५स२.४.६.१५.५४.१४.४४। क्रिय.पंश्रह्में २.५१.५.७.१५.४.१४.८४। इट वन र्डम दिवा निर्मा विवेद विदेव की नमस्य विवा वा हव वसा सेन रेस हुसा প্রমার্মমান্ত্রমান্টান্টরি:ঠ্রিলান্টায়ে অব্দ্রমাত্রমান্ত कुलानुसाङ्ग्रसामायाने दाङ्गेया देव क्षेत्रेसे दारी सामायान सुदि से से स्वापित स्वाप्त सुदि से से स्वाप्त स्वाप यस्य वर्षे व.तस्य है.स.स्या.मै.सूर्यात्मा योश्यात्मा योश्यात्मा यहार वर्षा नेव्याश्वयार्थीत्वेत् पुःन्वादाङ्गेः ययाक्कृत्यार्थेते सन्त्रानु व्याक्कृत्यार्थे रेव केव में किये ख्राया निमें नेव खो में या लेया कुया में या निमा नेया लेया ेद्रम् प्यनः क्रुवार्येषाया वेषायाया । ५ सु ५ ५ ५ ६ विस विस विस विस् नर्भन् भेन् स्वत्रे सेन् हेरा ह्यूया क्वाया सेन् हिया क्वा सुका हुया है स्वत्रे सिया है। विवाचिरावर्वा हिंद्र क्केंग्यायाधीव वस्ता क्वियात् दे क्वा सकें वसाक्षेत्र या सावित्र या रेत्। त्र्रम्भूरमित्रायम्भयम् यात्र्त्रोत्रियः रेत्रस्य मुस्यान्य स्त्रा वर्द्धा व्युक्ष्यं वर्षे इं.क्वरायान्यक्षात्रः सुवितायान्यः क्वर्यायान्यः वित्यायान्यः वित्यायान्यः वित्यायान्यः वित्यायान्यः वित्याया हे वे कुषाद्र वुर रवषा देश क्षेषा वगाय सेवा वुषा हे वषा कुषा से विषय से विषय से विषय यवशर्दुयःदें अःयाश्रदःश्री क्रुयः तुः द्वो देवः यसः श्रीः यविः सदे वियाः हुः यश्रुयः हे क्रुः यर्केदिः वरः वर्षः दःषाचे दः ध्रीरः यः विकेरः यदेः स्नादः कः यञ्चयाषः हो। वे विकः ये दिस्रायः दरः चरुरायरान्यो देव चर्यराव्यावरान् वित्र क्षेत्र चर्या चरा चर्या चरा चर्या व न न द्वार्य पार्श्वेर व्यार्श्वेर हो। क्वायार्थ रेतर केतर वे क्यार्य राये हो व्यार्थ विषा वयायस्य के विक्या कर्षा में विक्रिया के विकास के वितास के विकास के दगाय यस होत् त्र स प्यत् ग्राह्म । हिन् ग्रीस प्यत् लुवा ग्राह्म सेन् या वह हिन् ग्री स्वा हेबारेन। ५:श्रीत्यक्षरावराहान्याहास्त्रेताक्षेत्रीयात्रास्त्राच्येत्रीयात्रात्राह्मेयात्रात्राह्मेयात्रात्रा र्वेच यानञ्जुत्यात्रारार्टे याचेरानुवीया मुवाक्यारेन छेयानगातात भ्रेता पर्वत से विवा नभूर। देवे:भ्रान्यः सुक्त्यः तुः द्वो देवः क्ष्यः धुन्यः द्वेवे:देवः दवः हे। क्रुयः येः युःचीःचरःश्चर्यायय। ६.२८.धिरःतुंग्यंत्रः२८.विटःवित्रःबुटः२८.वर्तुवाःतःद्रवःद्राक्तः थार्सेवासायात्रयारीतिवादीत्रत्रसाद्वीतीतित्रसार्वे विश्वितातुःसा वदान्तुःसंप्यसारम्याद्याः यङ्गायाञ्चीद्राया विवाधिम। देव्याञ्चितात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीयात्त्रीय क्वियार्यायी:वी:वा:प्रेशःज्ञाद्माद्मी:वा:देव:यांकेते विवादी:वा:सद्याः योलूयो.कॅ.चक्की श्रद्भाष्ट्राता.बजा.ध.त्रा.कॅ.चक्की.दर.बुट.धे.कं.चक्की.द्रुप.द्रा.कुटु.चगोट. बुरा कैलासुध्यासुरायरायव्यायायकुरायकुष्ट्रायरास्यायभूराहे। रूला शु.र्ब.कूर्यायाज्ञियायरिय प्रयंशा यसर्य यारीयायाः श्रीयाः यस्य क्रीयायस्य क्रीयाः वीर्यायाः शाचिका सु.ध.च.क्र.पज्ञूकाकी.च.धटाकुं क्री.चिका.तु.दूध क्ष्य.चू.क.चर्थेय सु.र्टर.चरुका. त्रम्भैजार्ये, प्रश्नेभा भैजार्ये, यात्राचयातार्यर अधेषार्ये, सामार्यकृषायाधीयाः तक्यान्यात्रयात्रदेख्या क्वयान् मेवान्त्राच्या न स्मानर्द्धन्तर वर द्रावहर वय प्राप्ति छेया श्रुया क्रिया तुन्त्रो हेव छिया स्मानित वर्डेन् विर न्द न्या शुरू नु स्या निर्मा विषा वाया है सास वा न र से ब्राह्म न र नु से स

त्रचें बिया बन स्था स्था स्था देन पर्देन । यह न स्था सहया यसुर्या हे सुर्या विषया। वार्ष्या वार्या विषया वीर्या वार्या सुरा सुरा व्या सूरा वार्या या स्था वार्या वार्या ख्रवायरामुम्रकायाविवामुकायका भ्रीम्बस्य उत्तरे सर्वे समुद्रा ने देवा के स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वयं स्वर्य स् क्रीः यं तेवा क्षेता क्षुत्य प्येत् क्षेया क्षुया दे त्ये दाया स्या स्थान स्थान न्वो नेंब न्द वर्षेवा बया विषया विश्वास्त्र स्वर्थ न्य स्वर्ध न्य स्वर्ध न्य स्वर्ध न्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्य स्वर् नेव्यार्थे व्यरकी वरानु र्थेराव्या कुया स्वराष्ट्रायकु व्यार्वेरातु रेपरे विवा यक्षियात्रात्रद्वाः यदः देवः ये किदः विः दरः यद्वायात्राद्यादः विदः। यदः यहिनः सूरियः यावस्य उर् सूरावित रुवार वर सुरा देव वार्षे वावा वस्य उर् या देवा नञ्चन्यायानुयाने। नावयानग्रहासुरन्याकेन्यन्य विवासी हेवाया देवायी कुर्मे क्र्योगात्रापुः कर त्रया क्री रचिता त्रूर या क्रीक्यो यक्ता गुजा यपुः कुरी विषेता वि यर्षेट्-यःलुब्-तबान्धभवान्त्रन्त्रात्यःवृत्तान्त्रयान्त्रयान्त्रया श्रीविःक्षेट्-तव्युयान्त्रयान्यः र्थे तर्बा ब्राया स्वाम् विकाया विद्या देव वा है स्वाम है सा स्वाम है स्वाम है स्वाम है स्वाम है से स्वाम है स श्चेयः दुषः क्वायः तुः द्वो देवः क्वीयः वे रः तुः क्वायः यळ्वः क्वी से स्वारं यह वायः है। ध्वेषायः चर्षते सुरा सुवा तक्या विष्य स्त्रा विष्य क्रिया विष्य स्त्रा विष्य स्त्रा विष्य स्त्रा विषय स्त्रा विषय स्त्र वित्र-तृत्वेव केषा क्रेया व्याय वित्र वा वित्र व ग्रिते मुया धुम्राया ने या उद्यासा निते स्रोदा मुस्या नित्र स्रोदा मुस्या नित्र स्रोदा मुस्या स्राप्या स्राप्य क्याक्यायम्या देवसात्रस्योत्रा वत्रुद्रदेन देवसे केदेरिवास

यार्श्ववात्रात्राचादायार्श्वरदेत्रिन्देव्वित्राश्चीःकराववात्रवात्युवाव्यवात्रवात्रवात्रवात्रवात्रवात्रवात्रवा ब्रीयाविरया क्रांत्रायोग्याक्षया क्षेत्राविर द्वाया विर्याण क्षेत्रा विराधिर । देव्याक्कितार्येयाश्चार्यात्रम् त्यार्प्येयायश्चेयायात्रम् । द्वीर्यम् अत्रत्यार्येया बिट सेट्र रायदे सूर्या यसूर्य सेट्र यथा स्थय उट् ग्रीय ह्ये यसुरा द्वी या यहते. त्रयात्राचर्रेत्रायास्रोत्रेत्रवातास्रुद्यात्रम्भूत्रात्रस्याच्या देःसूरावस्याउदःश्चीया ववः हवः श्रीयः वर्ष्म्यवयः है। देवे द्याः सुः सुः सुः से देवे से स्टाः से दर्धयः द्याः सहित्यः स क्षीः सुः प्युवान्तुः सुर्वेषा वर्डेकाः सूर्वान्य विषान्त्रा सुन्तान्त्रा स्तान्तान्त्रा स्तान्त्रा सुन्तान्त्रा सुन्तान्त्रा स्तान्त्र सद्य-दे-देव-देश-क्री-स-स-प्रेश-मा-द-स्वेत-क्रिय-द्याः बरावार्य-स-प्र-स्य-स्थान्यः स्व यहिषामा भेवा कुयान् न्यो नेवार भेवा कुयारी से नाह्य हैं से रिन सुर ५८। देवे कें क्वाया तुवे कुर सर सुर भारे वे क्वें क्वें यह या से या है या देव 'सूर्या चुर्त्र रेत्। तह्यान् सूर्वे को से त्या दिने दे की सामित सामित स्वाप्त का स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप र्च्याः सर्थः स्वरूपः स हे न्वत्रासुः तुरः नसूत्रः या इस्र राष्ट्रियः भीत्। दे नुष्यः भरः राषः दे सूरः निर्दे न्या केतः ये व्यवाग्राम् क्षेत्राच से निर्वे क्षेत्रका निर्वे निर्वे निर्वे क्षेत्र क्रिंग हे हेर्न स्ट्रान्य दे हीयाया बद्दा या देवाया है। केन चेंना गृत ता विया पेंदा दुना सुपार्वेद पा कुट कुट विया या सुयाना यसे या ते क्षेत्र के सूर्य क्षेर हे य द्वर्य यदे वुर कुन क्षेत्र ये ये ये के दर द्या क्रुव द्वाया वा र्द्भविषायान्त्रेषायान्त्रयानुः हेविषाने द्वयायाद्विदायात्या क्रुषायाः क्षेत्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रयान्त्रया धिवा नेयाव योग्ययम् निर्मान विषय स्थान स्थान

त्रभारत् भ्रात्त्राक्षात्र क्षेत्र प्रवाका क्षेत्र क्

चतिः क्रुरः पर्शे लिट क्रिन क्रेन क्रिन क्रिन

देश्याम्बर्ध्यास्त्रे। क्रेंतदीर तित्र प्रमास्त्रे स्वर्ध्या स्वर्धः स्वर्

<u> ५८-में कें विदेवसावके विरावेर् ५५मा से ५ सहया महि ५ मट ५ मुस</u>

মন্ট্র-মুর-অমা

नन्न न्द्र न्वन्न व्यत्वेव क्रिंग्य गुरु। विदे द्या क्रें द्येय सुर्यः **पर्क्रेट्र। व्यन्त्वन्द्वस्यायर्थेव्ययर्थेव्य ।** ठेर्थ्ययास्ट्र्य्यः हे। यद्याः ब्रैंब यम यने वर्षा या ये दिए वर्षा के स्वार के स्वार विकास कर वित त्तर्वाह्याद्वरश्चेत्रश्चेत्रायवेतायः हो। सर्देरादावदादवायाः विज्ञाकाः क्षेत्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र । यहेजा हेव त्यत्रीतः स्रूट प्यातुया वर्षाः तह्वाह्रेव यर्ज्या हु तर्वे हे प्रदेश्च्या याप्य हो। के विषा वु प्रदेश हो विष् वियम् निर्मा अर्था स्टर्स विक्रा मित्र मित्र मित्र विक्रा मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र मित्र यगन्दा देवे तन्यानु या हुर्नि ने हु नि व कहुन या वने वह न अवव सेन या लेगा रेत्। वर्डेमः भूवः वत्यः श्रीया श्रीतः या सर्वे तः या सङ्ग्रीयः या वर्षे सूर्या वसूर्यः पीवा ब्रीन्याकेक्द्रावार्षेन्यवान्यम्यान्यम्याय्येवा व्याप्तिन्याः व्याप्तिन्याः यार प्रित प्यर दे विया से प्रित या या प्रित या डेकामासुरका डेन् । वेसका उत्तामार धिता सुर मात्रका रेका ने त्रका की तर्वेका ने ने त्या ૡૢૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૻૹૢ૽ૹ૽ૻૢ૽૽૽ૼૡૢૻૡ૽ૺૡૼૼૺૢૻૡ૽ૺૹ૽ૢૺૢૹ૽ૢ૽ૺ૱૽ૺઌ૽ૼ૱ૹ૽ૺઌ૽ૹ૽ૢૺૺૺૡ૽ૢ૽ઌ૽ૼ૱ૢ૽ૺઌ૽ૹ૽ૢૺૹૢ૽ૢ૽૽ૢૼ૽૽ૢૺ

तर्राभेतायम् न्वोत्भेत्वोत्यश्यात्रीत्वरावीश्वाभेत्रीरेशात्रराद्वार्भेरावरायमः श्चे न भेता द्ये न वना व याने व न न न न व शुः गुः ने न तुर्याय सुः नुः भेवः याश्रुद्रया यदःवहिषाःहेत् क्चदःवयेत्रःयदेःवर्देदःयःसूत्रःक्वेंध्वेःयायेदःयरःकुःस्र्ययायः ५८ स्यार से नि च न्सू चु से द यह । वे ब नि के र नु स रेवा कु स्वा कु से द य है दे से हर लेखा निःचतः य्राचयः सुः मञ्जूषायः ग्रीःसुरः चें सुवः नुः चञ्चुरः सेंदः चः धेदः व। सर्वेद् क्षेत्रक् स्रोत्यावर्षायोव क्षुं स्रोत्ते। सर्वेद क्षेत्र क्षेत्र स्राप्ते वित्र प्रमासीया र्दारेशसास्रीवरावाने वाल्यात्रायात्रारेशस्रीवरायात्रा हेर्स्यासास्रीवरायाने हेर् यथ.क्रेय.ब्री.र्यट.ब्र्.क्रेय.ब्रीय.षाह्यट.त.ज.श्र्याय.त.श्रट.यथ। शर्ट.क्रे.क्रेय.जर्ग न्वर में ख़ इसस्य न ब्रुर दा । व्येत फ़्त च कु ख्वा च हु न हैस ववुदा विषामसुद्रमायासूरारी विष्तुने साम्रिकासी सा यद्याक्क्याध्येत्राहो देःयद्वित्यादीःगुत्यद्विताहो गुत्यद्विताधोत्राधीता चर्तुग्र अप्ते प्रते पुरासु सुर्वे अप्ते व्यास्त्र विष्य स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्व याधिन साकेश्यम्। साद्वेत न्दर्भ साद्वेत केंन् निष्या सार्व द्वेर न्द्रा न् क्वेर ने ह्रवार्यायक्कियःवर्षा वर्ष्ट्रसःख्रवःवर्षाःयःब्रिन्ःश्चीर्यासब्रिवःवःवन्दिःवयःवःवस्रयः उदःश्रीश्रीरः चुरुषः द्रशास्त्रीयाः देशः तुरुषः यथा वर्षेत्रः सूद्राः वद्रशास्त्रीरुषः रेः रेः वत्रिदः नुःसारद्रेसायरामसुदसायसार्थेमा भ्राउन स्थ्रेत द्वीन प्येन प्यरायसायेन द्वीसा सुमा त्रम्भावत्। प्रकृतास्त्रवास्त्रम्भाग्नीस्याम्यानेत्। ।गुवानीवास्यास्याम्यास्य स्वयात्वर्यायी विषायसूर्यायाचीराय्याच्यायारेता वहवाहेवावरीव्या तर्वेषा हे सार्रेवा हु हुं। ना योदाया नर्वेषा यूदा तद्या ग्रीषा है यूरा मासूर पेर्ट हे द्या हुं। यःवक्कृतःत्येषः द्वीतःयःतदीः हवाःयः तद्विषः श्रीदः यः त्वीवाःग्रादः श्रीषः यदा कतः यः स्रोतः यदः तवावाः स्ट्रिंदः चः त्वेवाः ग्रादः स्रोत्। कुः स्रोदः त्यसः व्युदः चः त्वेवाः ग्रादः स्रोत्। वीदः यः स्या वियाल्ट्राचाल्या याद्राच्या व्ययान्द्रहेत् स्ट्रियायते कुः क्रेत्रायात्र स्ट्रीयायात्र सङ्ग्रीयार्येदः यः विषाः धिरुष्या श्रीः यः हेः यः यक्षु दः कुः वदेः द्येः यक्षु दः श्रीः श्रीः द्रशः यसूदः है। विक्रिंस्यरसेसेसेस्ट्रिंग विश्वस्य विवस्त गश्रम्भाने। स्राध्यमञ्जूनायायामानेतायनेतासुन्यस्यात्रास्त्रीयामनेतायायन्। श्चेंच द्वेंच क्षे क्षूद क्षे व हेंच अद यर व्याप है दे श्चेंच अय व्रिट व यर देता श्चेंच द्येव् श्रीयापादेव पदेव भेषायादे श्लेच याद्र पदियापाद्र विद्या स्थापाद्र विद्या स्थापाद्र स्थापाद्र स्थापाद्र स रेत। नेश्वन्यायश्चित्रावनुदाकुवित्रम् विवायवित्रास्त्राचित्रायायिक्षा कर.त.क्री.जर.वीद.य.बुचा.क्रिट.य.लुचा क्रीय.चार्येषा.चीर्येषा.चीर्येषा.चीर्येषा.चीर्येषा.चीर्येषा.चीर्येषा.चीर्य याम्बर्धियायाधीत। स्याक्षां तद्वीताद्वी श्रीयायाक्षां याचिता इस्रायरानेश्वायाकेरासर्वस्रायाकेरासर्वे रायते द्वीया द्वीया द्वीया द्वीया स्वाया स्वया स्वाया स्वया स्वाया तर्देते इस ने या सामा प्रति सार्रिय मु इस ने या तर्थे प्रति वी वि र सी तर्थे प्रति के दे प्र न्ये म्वत्रायम्बर्याम्बर्या । स्वर्याम्बर्याः स्वर्याम्बर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर्याः स्वर स्रिरान्। सरामुः स्रेटानु जीटानु वस्य ४५ तहें स्रयाया स्रयास स्रोति हुटा स्त्रस्थाः स्वार्के त्विति देवा हेवा स्रार्के द्वी स्वार्के द्वी स्वार्के स्वार्के स्वार्के स्वार्के स्वार्के स वर्तुदःतुषःस्रः अप्येदः यःवदेः कदः यः अप्येदः यवेः द्यो क्षेः अप्येदः यःवदेः हवाः यः अ धीव यदि न्यो नक्ष्व याधीव। अर सेदी न्यो धीका वर्ने न्याय रिकामित सुर ये नुषान् केना मुः प्येन प्यते के वित्र स्था वर्षो प्यते केन नु न्यो नावव पा इस्र या प्यव । वुन् ग्रीःमानुमार्यायक्रम् तकरायायदाक्षीयावर्षि त्येष् ग्रीःन्ये मेहा यो व्येटावि कें तिने थेन् यदे क्कें व्याद्धे अदर थेन्। थेन् ग्राम न्देया से से प्रति से स्वया से या ग्राम् प्रिन् में कार्या के क्या के कार्या के ययः अविर र्धे क्रु नवि र्थे व हिवायः क्रेवायः केत्रः हित्यं व विषयः विषयः विषयः विषयः कुःतत्रःगशुर्यायः तर्ने त्तुंगायते वरः नुःत्तुंगा क्विनः नलगायः भ्रेः नुःलिगायः गशुर्यायः म्रो र्भेरवर्जंगेंद्गीवरानुः अर्द्धन्यरानुषार्जंगेंदान्दावन्यानवान्दाः स्रीतीयवाः तपुः कुरान् विषया १८८ । यहू यथा ता वा वा वा विष्टु द्वीं द्वा प्रति । विष्टु स्वा वा विष्टु स्व विष विगायराम्यायार्थेन्त्रन्त्रन्त्रम् सह्यायर्थेन्त्रम् स्वाप्तिन्त्रम् विगायर्थेन्त्रम् विज्ञा ग्राम् भूतिकार्या स्थान र्देशयदिः केन्द्रायम् नियावाद्यायार्के निष्ट्रव। ने निविव नुः यो ने या सम्बन्धः सम्बन्धः ङ्क्षान्तर्यत्याते। योःवेषाययायोःतन्तुरानःतरा। यानेवाययातन्त्रानुःङ्क्षेपाः ५८। য়ৣয়लेशयदेश्चरामुन्यव्याने सुद्रात्रे विष्यान्य ५८५ अन्तर सुद्रात्रे स्व त्वायाकुःस्ट्राचान्द्रा व्यासन्द्राच्यास्य व्यास्रान्यस्य व्यास्य व्यास्य व्यास्य व्यास्य व्यास्य व्यास्य व्यास वर्स्रस्याञ्चनायासूरमुष्ट्री नये वक्कन् येति नये रेति खूरे सम्बद्धि हो नेति नये। वक्कर्भं वस्रुयः तुषः स्रुः वाष्ठवा वषः वाष्ठवा यः वसं वः वर्दे। यथः दरः देवः स्रेर्वः स्रेर्वः स्र यदः कुं क्रेन क्रेंग्रायायाया क्रेंग्राया प्रति । यदी प्रवासित वर्षा क्रेंग्राया । यदी प्रवासित वर्षा क्रेंग्राया २८। विर्यार रुष्ट्रीय स्विति स्वित्र मिराया विष्या प्रथा स्वित्य सामित्र सामित सामित्र सामित्र सामित सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र सामित्र स

ग्वर रहें रात्रे या में विक्रु विद्यराधी राक्षेत्रा श्री में विद्या धिराधी श्री विद्या थी। योजा हे हे जा बीचा व त्यहेवा हे व प्यार ह्या की त्या वा त्या हरा या उद्या लेवा ग्राहर यो हा या या व वर्षायम्दर्याधीत्। कुंतव्रषाग्रीःश्चेरतदेश्यः विवाद्यव्यक्षां विवाद्यव्यक्षां विवादेशः য়য়৽য়য়৽য়য়য়ড়য়৽য়ৣ৽য়য়য়ৼয়৽য়ৄয়৽য়য়ৢ৽ৼৼ৻ৼঢ়ৢয়য়৽য়ড়য়৽য়য়৽য়য়৽য়ৢয়ৼ৽য়ৣ৽৻য় यर् रे क्रेट रेषा क्रीया द्वारा से स्वयं से सा क्रीया देश क्रीट त्या तर्चे के रेन्। केंद्र सम्यासार्ची न मस्यास्य उत्तु से राह्मसम्यास्य के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त रदः क्षेत्रायात् वृदायाधीत्। केषा स्वेज्ञायाः स्वेषास्वेतः ग्रवन् तर्ने के विषयम् के विषयम् के विषयम् नर्गेयः नुषः नेतः स्ट्रेटः नुष्यः संबिनः रेट् स्वानं वे सः रेट्। क्वान्यः नावितः नासुसः सुः थेव वतर प्रविद्या प्रविद्य प्रविद्या तर्भायाविषायवाकेरासेरायारावीत्रम् त्राचन्त्रम् स्थान्त्रम् । व्याप्तायात्रीस् न्दासञ्चर्यते वाह्रसाये निवास्त्र क्षा की सी त्यान्यों में सान्दाय से विवास के साथे नि दें। ।दे:देर:वावय:दें:पवा:वर्डेवा:डे:पीव:व:पीव। क्वद:यें:क्वव:यें:इयय:ग्रीय: मिटायनान् रत्यस्क्रिन्सान् वेरास्त्रसाहिः सूरायन् राग्यहः द्वीसाया से रा बी'वाबस'र्रे: प्यवा'वर्डेवा'दर्। क्षद'र्रो'क्षद'र्से इसस'ग्रीस'म्रद'यवा'व'र्स्यय'र्सेवास' ग्रेडेरर्स्य ५८। नुःकूर् श्रेर्वे स्थापन्य प्रस्ति स्थापन्य म्यापन भ्रीभाइस्रमाश्चीमासी वात्र यात्र वितानवीन वितासादीन। नेमारी प्यान स्थापन

यालव क्रिंव हेरा क्रेंया दी दाय के प्रदार क्रिंव यालव त्या दें राया प्रदार या हैया सर्हे द्या धीव या रेन्। केंग्गन्दःरेषायाबुदःयने ध्वीतः नेंब्र क्रेबःन्दः यद्येयः चति । वः च इः वे किन् । तर्ने दशकें तर्वे शक्तुराया वर्षा यत्या यदा यदा नृत्वा शक्त स्या वर्षा वर्षे केंद्र रेवा है। यश्चेरा । यर्व.रं.अर्ट्व.र्थंत्रायद्वेव.तर.त्वा । क्रयाविरयाहे। क्र्.यर्ट्व. *য়ৢ*८ॱतॱॺॱढ़ॖतॱय़रॱॺॖॕज़ॱॺ॓ॱख़ॗज़ॱॺॱड़ॖ८ॱॿॸ॔ॱॸ॔ॺॱढ़ऀज़ॱऄ॔ॸ॔ॱय़ढ़ऀॱॠॸॺॱॺॖऻ यर्गेद्र'र्ये देन्द्रम्यवा सेद्र'णेद्र'या मुस्रा र्वेवाया मस्याया या सेस्राया सेस्राया सेस्राया सेस्राया सेस्र वहवासदिः क्रेविका ग्रीका क्रुवा वदिः करका क्रुका देनि द्रमवा क्रोन् या नवी क्रेनि द्रमे वर्तन श्रीः विवर्केन्य्रियायायार देवा विद्यान होता व्याप्त विद्या विद् सहयानु र्योद् र पालिया विद्येत् र पर र रेविया विद्ये विद्या के विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्य वर्ष्यतर हिर्म्यर भेर्म्य सेर्। या बेर वर्म्य विष्य मेश्वार्थ के या उँ या विवाःवाबेरःहे। श्रेवाःवदेःसर्ग्वेवाःसरःकदःरेवायःग्वयःवःवःसार्द्रःवस्नुसःसःसून्तः षर पेर्न दे रेर्न महेर द रहे सब र महेर्न से न पर से न पर ही न से न नममार्थेर द्व थेर मर में भेर व सेममार माम स्वर् दि । वर्ष के प्राप्त के प्राप अर्क्रम्भाक्ष्मान्त्रम्भाक्ष्मान्त्रम्भाक्ष्मान्त्रम्भाक्ष्मान्त्रम्भाक्ष्मान्त्रम्भाक्ष्मान्त्रम्भाक्ष्मान्त्रम्भा क्ची:श्रेचर्यासी:श्रेद:च:वक्चीर:सावक्चीर:ह्वेचा:पुरक्षेत्रा:स्क्रीय:स्क्रीय:स्क्रीय:स्क्रीय:स्क्रीय:स्क्रीय:स् न्दा व्यवान्यायान्वायवे स्रूटाचावकरावया ने नुसासर्वे व से विद्रान्यवा बोन्'विर्वेर'न्र'यङ्ग'यास्यास्यास्यास्यास्यास्यास्याः स्रोत्'न्र्येते'न्र्यः न्राप्यः न्यस्यास्याः स्या यम। ५५:य:५८:वर्डे व:वर्गुमःग्रीक्षे वमःवने व:उव:वःक्षुःववे क्रुवःय:५८:।

बिर्प्यरम् निर्देशस्त्रेया अकेवा मुग्नेयया यश्चेत्र प्रायम् । प्रायम् । प्रायम् । प्रायम् । प्रायम् । प्रायम् त्रश्चरः हे त्रव्यात् श्चीत् श्चेत्याके यः दर्दे तदी या सहया श्वरायदे श्चुः दर्देया धेतः वें। ।देशवः हेवः दगारः सर्वेवः ये वेदः द्यवाः सेदः वार्डे विवरः सेदः यः ग्रुराः वः सर्ववः र्बोक्किःवयानुः विदा देरावेदानुः विदायम् विषयान्याः विदायम् ययायया । दे. यया पेत्र प्रता वेत्र या या स्थित । देश वा सुद्र या या सुत्र चेंद्र गहिरा गा ग्राम त्या वी सरा कर के दाने हु। देश प्रस्ता क्रिंद्र व्या वी सरा दा क्रेंद्र व्या तह्य र क्रेंब क्रियाचया से र क्रीं त्याया यो स्वया में स्वया से स्वया स्वया स यन्त्र क्रुं क्री द्रे नो या प्रेत या यतित्। दे यतित य्य क्रुं प्यदाक्षी द्राप्य स्पेत या सेद्रा ने वें राज्य प्रीत न्वरास्त्र की नियं प्रीत प्राया मेन विश्व स्वर्थ में नियं स्वर्थ में नियं स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वर्थ स्वर्य स्वय स्वर्य स्वर्य स्वय स्वयं स्वयं स्वर्य स्वयं स्वयं स्वर्य स वार्मीय्रयाम् । क्रुंचारदेने वार्मीय्रयाम स्था व दक्षे वार्मिय स्था में स्था विश्व स्था में स्था विश्व स्था में ब्रेन्याक्रीया भी द्वार्पा प्रकार दाया द्वारा प्रकार क्षेत्र क व्यट्-य-रेट्रा दे-श्रेब-य-रकुदि-म् हेवाय-य-सू-तुदि-युय-टवा-धेट्-वायुय-द-वार्चेट्-त्रपु: स. १८४ वर्ष वर्षित्र त्राच्या चीट त्राचे त्राच्या वर्षे प्रचीय की विचा श्रीट त्या वर्षित्र स्था श्चे तदी नदे श्चे अर श्चे दाय विषा हो दार या अरथे वाया यदे श्चे वाया या वीयया वाया वलमान्यादर्भे से वर्षे स्थाने स्थ्रीता संस्थित स्थान स्थ वींस्रस्य वादाव्य वहेंवा प्रदाने देन वाप्य वाप्य वाप्य वाप्य विष्य के वाप्य विषय वाप्य वाप्य वाप्य वाप्य वाप्य यर्केन । डेस नस्द्रस्य यासूर। रद क्षेत्र या नते क्षेत्र रही तर्रे द्रास्य प्याप्त स्रोत प्रमा र्योत्र मृत्र त्य म्याम्य स्थान्य स्थान् बुदः वः धोवः लेवः वार्युद्वा **देः व्यक्तः धीदः द्वादः सूदः वः सूदः । भीः वदः सूवाः** वर्ष्यायेदायर:ब्रेंग । इकावायुद्याहे। स्वयावदी: यद्यास्यास्याः सेदाः नवो क्षेट्रको नवो तन्त्र क्षेत्रविष्ट क्षेत्र क्षेत्र नक्षेत्र न क्षेत्र प्रदेश क्षेत्र नविष्ट क्षेत्र नर्झेय्ययामहिन्द्रानानिवित्तन्त्यर्देव्ययुयासीमास्यम्भित्यासिवित्यस्याने प्येन न्वादःचदेःन्नःभदेःश्चःवेदःवार्षेःचःन्दःक्ष्यश्चःवानुःश्चरःचःनवाःभरःशश्चरःवशः शेयराश्चित्रन्। ८८.च.मन् सर्ह्याचेया तथायाचेया तृ क्रु.च.चलेव न् सूया ख्वा खीः मदःबिर्विरावस्यात्यात्रेचे नरसम्बिर्वे मेर्दिन् नमन्त्रेन तिर्वे मन्द्रमायास्त्रे सुसा र् बुँब बर्ग ने नदे सूर्या नस्या यो प्रदेश से ए र ह्ये न प्रया यो प्रदेश स्था स्था हैया डेबाम्ब्रुट्बायायेत्। **नुहासुनायेसमान्यवासकेन्यकुन्दी । ।हुत्यसुव्या** क्रूंचर्याग्रीयव्ययम्य मिन्द्रीत्। निन्दे च उद्या च यो नियम् क्रूंद्र व्ययस्थ **यहेर्यस्त्रेम ।** ब्रेयः म्यूर्यः हे। यद्वित्रः यसे स्त्रुयः म्यूर्यः स्त्रीयः स्त्रीः स्त्रः यद्याः वुर-कुत-बोस्रव-द्रव-देर्-द्रयन याः श्रुव-रवानीनवार-दर। सञ्चक्रेव-वित्र वहस्रान्ययान्व्यस्यायार्सेज्ञासारहे नदीर्श्वसार्केन नकुन्येनिन्न मुसुः सुवार्श्वराष्ट्रीः য়ৄ৾৾ঢ়য়৾৾৾য়৺ৢঀয়ৢয়ড়ৢ৾৽ঀৼ৽য়ৡয়৺৸ঽ৽য়ড়য়য়৻য়৽ড়৾৾ঀ৽য়ঽ৾৽ঢ়য়ৼয়ঀৢয়৾য়ৢঢ়য়ৼ यित्रः वुर्वितः हो। तुः वृष्ठवाः युः वृत्रः युः व्यायः यञ्चे । वृतः <u> कु</u>तःबोस्रयः न्यतः ने :न्याः वीषः सुयायः यस्रे :चः केषः येष्यः स्रोदेवः सुरुः सीः न्यः न्यः । स्रम्भित्वयाव स्रम्भित्वित् स्रुवा स्रीत्वित् स्रुवा स्रम्भित्वा स्रमित्वा स्रम्भित्वा स्रम्भित्वा स्रम्भित्वा स्रम्भित्वा स्रम्भित्वा स्रमित्वा स

<u>बियःयन्यायःयङ्गः स्रोत्यःय वटः यो ल्याःयास्टा</u>

श्चर्याः वर्ष्केत्रः श्चर्यां वर्षा वर्षेत्रः स्वर्धेत्रः स्वर्येत्रः स्वर्धेत्रः स्वर्धेत्रः स्वर्धेत्रः स्वर्धेत्रः स्वर्धेत्रः स्वर्धेत्रः स्वर्धेत्रः स्वर्येत्रः स्वर्धेत्रः स्वर्येत्रः स्वर्येत्रः स्वर्येत्रः स्वर्येत्रः स्वर्येत्रः स्वर्येत्रः स्वर्येत्रः स्वर्येत्रः स्वर्येत्रः स्वर्यः स्वर्येत्रः ॱॾॺॱख़ॱॺॎॕॸॱॱॿॖॺॱय़ऄॱॿज़ॺॱॾॆॺॱॸ॓ॸॱॿॺॱऄ॔ॴॱॾॺॱॾ॓ॺॱॴॹॖॸॺॱॸ॓ऻ ॿऀॸॱॺॎॺॺॱ यदे.य.व्य.ता.वर्च्चा.यपु.ता.क्षा.क्षा.वर्षेत्रच.क्ष्या.वाश्रीरका.ता.पुरा वहिनायाञ्चीरानीया अर्देरावानानी सर्वे न्दराङ्कान्दरवी विष्टानाधीन वा मॅमिर्यायराष्ट्रयायायरा विरावस्थायने याउन्तुन्यस्थाय हीता यम । व्यायामञ्जीदान्यायस्यामञ्जादार्थेदायान्त्रे । वियामस्यास्या यरयाक्चियार्द्रन्द्रमण्योन्द्रपद्धायाद्वर्थ्यस्य श्रीःश्चार्ययाद्वर्ध्यायाद्वर्षा यदेन्तः ठवः क्षेःविदः विस्रवाक्षेः हेवः यहेवः यः ददः यठवायः धेदः यः वेस्त्रवायः यञ्चवायः उद्याक्षेत्र। ঀ৾৽য়৾৾৻য়য়য়য়ৠয়য়ড়৾ঀৼ৾৽য়য়য়৽য়৾৾ঀ৾৽য়ড়ড়৽ঢ়ৢ৽ঢ়য়ৢয়৽৻য়৾ঀৢয়৽য়ঢ়৾য়৽য়৾ঢ় न्यम् योन् यदे श्रुम्य न्दः ये न्युन् यदे न्या नरुदः भीतः यया नर्युः नः भेन् या या भीतः यास्ट्रम् व्यटः स्त्रमः स्रोधारः स्रोधा केत्र चक्कित्ते। तह्यात् वित्यास्य वित्यात् हें हे स्थ्रुत रया मधिष्य । या पी स्थ्रीत से श्चीयः यः इस्रायम् अया विस्रास्त्रियः स्त्रीयः स्त्राम्यः स्त्राम्यः स्त्राम्यः स्त्राम्यः स्त्राम्यः स्त्राम्यः इस्रमार्थो । ने पर तस्यामाय तह्मा न्याप न्याप मुस्मा मेर्ग न्यार से राज्या मी ८८ म्रीवायात्रयात्रय्याया ध्रवाहेर हेर रोहे हे छत्। श्रुव रयाविवायाः सु सर्वायान्यार भे खेरावान्यान्यान्यान्यान्यस्थान्यस्थान्याः यास्तरास्यान्यान्याः र्केव, तुपु, ब्रुट् १९८४। २०४१ विट हिया १८८१ मई पुर प्रीयु अर्क्य पायस्य अरामा स्थितायः इस्राक्षेत्राङ्ग्,सर्देव।द्याराच्यं तुस्रायाच वदाचे द्रायदाद्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्तः व्याप्त या वयायितःश्लेटःयांश्लायदेवाःश्लेवःयांक्रियात्वरःश्चीः कुःषीयाः स्कृत्याययाः वीतिः यक्ष्यात्रः स्वीताः यक्ष्यात्राच्याः विषयः यः न्यारः स्वीरः स्वीर चर्षेत्रश्चर्यं श्रुं व्यत्या श्रुं व्यव्या व्यव्या वर्षेत्र व्यव्या वर्षेत्र व्यव्या वर्षेत्र व्यव्या वर्षेत् वर्षेत्र व्यव्या वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्य वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र वर्षेत्र

महिषायानि तर्वेषात्रषानि नास्त्र न्युक्ती नते ह्येत् वया

दे'या महिषाही विस्रकामसुस्रातिर्वे स्वति होता स्वर्धित । यदे पाउन । यदे पाउन

र्रम्यावस्य मस्सार्वे राविष्य विष्य क्रम्य मर्दि सा

 वर्षेन् डेटा नेते सेटान्य प्रकात केवा द्विन के वर्षे यत्री पर्नेमायह्ममा स्थायम लट.मूमाईममार्ज्यामालूरे. केटा देते'त्युयावययाद्वययास्य व्यास्य विषयाके'तर् क्रिंटामीदार्थेट् के दा न्स्रुयः विस्रायः स्रीतिः स्रीटः मीः स्रुः वह्षाः यदेः स्रुः सस्य न्दरः सम्बर्धः यरः यदः स्रीयः यः न्सुत्य नदे सेस्य उत्तर ने इस्य श्रीय नहेना नीय नहेना ने या से हिंद से न्या से प्राप्त नि शर्म्रत्यक्ष्र्रत्त्रेयाते। अर्क्ष्यायाति स्टावर्यायाति स्टावर्यायाति स्टावर्यायाति स्टावर्यायाति स्टावर्याया देवीयायम् रहुँमायादेवायादरावार्येद्रायराष्ट्रयाने वेदयायरायेरायदाने यदार्थेयावि व वो न भारता के न खाया है। विया की सूचा यस्या यानवा यो न मा यो कि विवासी स्थाप वस्रयाक्तात्रात्याच्यात्री सम्बद्धाः वस्त्रयात्र क्षेत्राचीत्राचीत्र चित्राचीत्र चित्र चित्र चित्र चित्र चित्र न्भेग्रयाययायम्बर्यावर्हेम्रयायायारीवित्यरन्ग्रिराचरन्यातृत्यश्चीत्ररन् वर्द्दावाद्दा दुःवर्वेद्रास्ट्राचीयास्रेयास्याद्गवर्वेद्राद्वेद्रायाद्दा त्वेद्-क्रेब-वृत्र्यात्र्यात्र्यात्यर-दु-क्षेत्रा-क्ष्य-दु-त्वेद-क्ष्य-क्ष्य-क्ष्य-वेद-विद-व्यर-क्ष्येत्रात्रायः र्क.य.क्रैयोग्न.पिट.श्री.श्रीर.श्री.ययत्र.यपु.यट.क्र्ये.त.स्ट.। रय.धे.क्र्य. क्षेयोया।यर झुँ स्रोट छेया द्राया स्वाय स्वय स्वाय स्व अर्क्ष्य-क.झे.चोर्बीयाजीयाजीयाज्ञाचान्य-विचानान्य-। अर्थ-राजीनः ग्रीन्सुः । वस्य यात्र सुवाय ग्रीः विदःयासे स्वयः चित्र विदः नृः सुवाय ग्रीः वद्या केत्र । विक्राः लान्यम् क्रिं स्रेन् स्रम् सर्मा सर में सिन् मदे नर नु हिं कु विवास सान् सुरा मदे से साम सर यर्डे बिट यश्चेम् अप्याद्या अम्बायायश्चेम् अप्यादहेम् । तुन् व्याद्याद्या ॷज़ॺॱॸॺॖ॓ज़ॺॱॹॖऀॱॿॸॱॸॖॱॶॺॱॷॱॸढ़ऀॱय़ॖज़ॺॱय़ॱॸक़ॗॸॺॱय़ॱक़ॗॸॱढ़ॖ॓ॸॱय़ॱॸॸॱ। ञ्चन्या श्रीवर या से त्वर प्रविद प्येत् प्रवित स्ति वर तु से प्रवित त्यु सार्य वर तु स्रोवित प्रवित प्रवित स्

तर्मे में स्वाप्त के स उदःरेन् नक्षुय्रायाययायो न्दान्युयानदे योययाउदः स्रीस्रीस्युः स्रीसेन्यायाः सून्तुः पीदः यदा न्द्रित्वे श्रेषुषायर ने तद्वे श्रृषा वश्या केव ये कें कें न वर वश्लाय अद चॅर्रा हिंद्र द्वीयाया प्रवासी । दिश्वायाय स्त्री हो दावा है चिलि स्वदावी त्याया या য়ৢ৾ঀ৾৾৻য়৾ৡ৴৻য়৴৴৻য়ড়ৄয়৵৻য়ৢ৴৻য়ৣ৾৻য়৵৻ঀ৾য়৻য়৻৴৴৻য়৾য়৴৻য়৾য়৸য়৻য়ৣ৻৴য়৻ড়ৄয়৾৻৽য়য়৻ यम्बर्याञ्चेत्रा विन्यम् नुप्तम् नुष्यायाय्यवम् यो प्रीम्वर्यास्य स्वाप्त इस्रक्षः क्रें, नः धेरा है रहिंदः नदे न्सुयान है न्सुयान नक्किन में दि हुँ न्या नदे न लूर्.इट.। रशिजायःक्.रशिजायक्चर्.क्री.जमाश्रीट.क्रीयमाक्रीमात्रर, हुंस्.जावर. र्शर प्रमानुषा ५८ थे से सम्मानुष्य ५८ थे से सम्मानुष्य स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स कर्वु न स्रे मिर्प्यायायायविषायाद्रास्य अध्यातु यो या स्रुरा श्रीया स्रिया विष्या विष्या विष्या विष्या विष्या विरक्षेत्रन्ता अरम्परयाम्बेषाः अर्थान्यमानुषाम् विषक्षेत्रात्र्यो न ८८। लट.भर.ज.पश्चिम् दियादे द्वारा है से में में में में ने जात्र हैं जा ने जा है जा है जा ने जा है जा है जा ने तुन् द्युवात्रवाष्परः वर्षावर्षात्रवात्रवात्वाः नुवा परः रे श्रुवावाग्रीतन्या ने रावतेः श्रीयार्क्ट, प्रतु, प्रदेश हिंदा, हैं, दें, प्रतु, अर्कु हैं के स्थान के स्थान है। दें अर्था प्राप्त के स्थान यिष्यात्रमास्त्रम् व्याप्तस्यात्रम् ने व्यमानुन नुष्यस्त्रम् ने विष्यस्त्रम् ने विषयस्य स्त्रम् ने विषयस्य स् याचक्किंदे.तप्र.यज्ञी.बा.बु.दाबा रजाज्ञी.जु.बाद्य.यचात्राक्षा.क्षी.वेद.वेबाभेद.जवा. য়য়য়৾৽ঽঀ৾৾৽ড়ৢয়৾৽ঽঀ৾৽য়ড়ঀ৾৽য়৽ঀৼ৽ঀ৾৾৽য়য়য়৽ড়৾য়৽য়ৣ৽ড়৽য়৾৽য়য়৸ৼয়ঀ वयःक्ष्यः योत्रासुरः नृदः वर्द्देयः धवेतः कुः वे र्यः यो नृत्यः वर्षः नृत्यः वर्षः नृत्यः वर्षः नृत्यः वर्षः व कु'त्र्यात्रात्र'सुरेत्र'त्र्यान्त्र'त्राक्षेत्र'क'त्वर्रुद्र'क'त्वर्द्र'क्ष'त्वरुद्र'क्ष्र'त्रर्वेद्र'त्र'द्र यःरेःरेतेःधुनिषायवित्रःदेःतदःयवियविष्गेःयसुन्दुनाःधिन्सेरः। अर्क्षय्रायवितः

ञ्चणवाशीःवयायायितः वेदः चेद्वयाष्ट्रयाष्ट्रयाष्ट्रयायायिययात्वयाययाय्ययाच्ययाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्या व न्यात अञ्चत क्षेत्रे विषय श्रीभाव वेन् श्रीव स्पेन् यदि सून या वर हे क्षेत्र त्या वर्षे वाका है। র্ষির দুঝ দ্র দ্বি দ স্থেল ম শ্রী মন্ত মুই মন্তর শ্রীম শ্লান্ ম ধ্রল ভিম শ্লাল ব্রু ন দে । अदःवास्त्रास्वान्त्रीः उत्रः वस्त्रास्त्राः उद्गिन्नेः वे स्त्रितः विद्याः वस्त्राः विद्याः विदः। ब्रैंट चेंदि सर वेंद्र केंदि द ब्रेंवाया निवाय सहत दिवा है या पेंद्र देवा है हि चश्रेचे तह्या श्रापुर च अर धेंश्या वर्षेत्र वा द्वेर पति सूवा चस्य प्रापुर देर धेंर हुँर र्मुश्रासालुबाब्री । । अपराम्यारार्मुश्राम्यक्करावे स्वास्त्रस्यात्रमा विष्यात्रस्य स्वास्त्रस्य स्वास्त्रस्य ५८। कु.मु.र.हें.व्य.म.हे.व्य.व्य.याद्र.पद्धमा स्ट्रे.कु.मु.र. वेद.हें.व्य.म.५८। वद्यमानावद्यवात्रकार्मावद्यवाकारमान्दा। आकुः बेरावावद्यवात्रकार्मावर्बेदायरः षाकृते क्षु क्षू न तर्ने न पान्य । क्षे कुन वे राय ने त्याय तिवा क्षे क्षून क्षु के ने वे राय ब्रैया.यर्जाता.ब्री.ब्री.क्याया.पर्ट्य.त.२८.। ल्रीस्या.क्रेप्र.यायाता.र्जायात्त्रा.स्याप्ता. सिवोयाता.कूर्य.तूर.क्वीर.यया.वि.दीवा.धे.वोयाता.टेर.। तथ्य.क्षेर.वोयाता.पविर. यन् अर्देग्न न्यर्रायेर श्रुराने पञ्चर्रा राज्या यात्र स्थान यहा स्थान स्थान यर्नेवा वैत ह न्यर धेर श्रुर है। व नवि श्रुप्त कुर र श्रुर तथा वर्षा नकु रे र्ड्यर ज्याया तार्मे, दे.कें.चेंदु, ब्राट. तदु, र्केंबो. चर्कता श्रीट. य. २८.। जन्ना मान्य हों. य. ४.५ वि. कें योद् केटा कें केंद्र चराच्य्रायाद्वर च्य्राया केवायर चेंद्र हींद्र द्वें या प्येवा वें ५८। शुःरमाद्यीः बरायाः सेवासायाः वास्त्राये द्यान्या। क्वीं ५८ गायाः वयाः ५८ ।

वनायायार्थेन्यायार्थ्यायार्थ्यायार्थ्यायार्थ्यायार्थ्यायार्थ्यायार्थ्यायार्थ्यायार्थ्यायार्थ्यायार्थ्यायार्थ्याया श्रुवा तश्रूवा श्रुटि च श्रे। ५ ये र व र श्रवा या भ्रुवित व र दि शे व व र दि व विवा या श्रे वा त्वरःवदःश्रूरःवःवःश्र्वायःयदेश्वाःवःश्रुरःवःधेवःव् ।देःश्रेवःयरःयविदःश्रुवः धे[,]द्रवार्या क्षेत्रे देवार्य देन द्रवार्य क्षेत्र या स्वीत्राय स्वात्र या त्रवारा द्रवार्य (व. वि. वि. व्या रेत्। त्रुयःवदेःश्रेस्रश्रकःकुःश्वाःवस्यःवन्द्रश्रकंरःकुःर्येदःयःसःयीदः बिटा देवहते सूना नसूया सेसमा स्वार देवसा ग्रीमा ही हार देने सार्वे के मार्थ श्रमः वु.य.स्रमा स्मायायस्यामानायात्वीत्रायाः स्मायायाः । स्मायायाः स्मायायाः यश्चित्। दि:यर्:दे:देवा:ब्रम्थ:कर्:द्वी क्रिवा:श्रम्थः धेव:सर:ब्र्वा:सर्थः यश्रिय। विभागश्रुरमाय। स्टावेन्श्रीयायमास्रीन्त्रोन्यायस्रायमा क्षुद्रिः श्चीताया छत्। चर्या श्चीर्या लेवा या वित्ता स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स सर्वृद्धः कः पत्त्वः द्वाः वाः स्वाः स क्य.चि.चित्रः भूच.क्या क्रूं.च.लेज.क्रूंट्य.क्या भेट.जच.झे.उह्चा.क्या च. कुं लेग वें तं प्यर विवय सेग वद वें दे तर दें से दर्शे वर्शे वर्शे व प्रें व प्यय वें र स दें से से से विटा भटायवाञ्चातरान्त्रीयाञ्चात्रात्राञ्चात्रात्राच्छाः श्चीयायाञ्चरालेषायायदीयायो खेते सेटायाञ्चराण्या नेया हे नवालेषा येवि प्यार <u> इ.च्रुल.इ.५५६८.च्रुल.च्रुव.त.पज्रुव.त.२८.। क्रिथ.क्रुथ.च.प.बुल.त.श्रु.वाक्ट.प.च्रुथ.</u> बःचरः ब्रेन्यः स्ट्रेन्य्द्वेरः भेन्व्या भेन्ने स्ट्रिन्यारः स्युवः देरः संस्थिवः ब्रेटः। सीन्वायः यः श्रुं होत् र श्रें कृते वार्रे ते तरेत् र कवाया दर से र सूया तयर वा प्येत्। द्रा से र से र से म्बर्याम्बर्यायानुनावर्षेति। नुनावर्षेत्रयान्ते मार्के सर्वे वित्तर्नु स्थिति हिना म्राट्या विकासीय स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स् यबाद्धरायाम्बर्धरायाद्दा। द्धरायबाद्धेयासुमायाद्दा। श्रेमिःकम्बर्धरोदेवैः युषार्थे क्षेत्रा कत्राषा स्रद्धा स्राम्य स्त्राचा स्त्राच स्त्राचा स्त्राचा स्त्राचा स्त्राच स्त्राच स्त्राचा स्त्राचा स्त्राचा स्त्राचा स्त्राचा स्त्राचा स्त्राच स्त्रा र्यात्रायालीट र्यात्रायाट लुप लाट यावय क्रीत्राय स्वायाय ख्रायाय स्वायाय स्वायाय त.रटा क्.चंट.मु.कंय.पर्वत.रश्चेत.य.कं.यं.श्चेंट.य.रटा चग्रेश.श्चेंश.श्चे. श्रुवा वस्या भी द्वारा दर्दा वा श्रींट वीत भी दारा समित वित्ता या वही हैं भी ता व र्द्रायम् व्यायास्य व्यास्त्रीयम् स्वायास्य स्वयायम् व्याप्ति स्वयायम् व्याप्ति स्वयायम् व्याप्ति स्वयायम् व्याप्ति स्वयायम् तर्वेदिः कें कें न सारे सार्य से में तर्वादा रे कें तस्नुता वाता रे स्वीदा से स्वीदा से स्वीदा से स्वीदा से स કૈવ⁻રે ગવ અન્ પૈર ક્રુેઅ વૈન ગવ અન્ પૈર વૈન્ન ને ત્વક ખન ખૈર યાખેવ પ્રથાન વ श्रूर.ची.क्रैवा.चर्नल.चर्च्र्यंचा.श्रूर.त.लुथ.ब्र्रा विदेत.चर्न.क्रैंर.क्रिर.वचीर.चतु.क्रेवा. यर्थः प्रम्यायर्थः श्रीत्रायर्थः श्रीत्रायर्थः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स्वर्धः स नर्या वर्षा वर्या वर्षा वरवर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्ष श्रीव प्रदार त्र विचाय प्रदेश विचाय व्यव्य प्रदेश विचाय विचा लूर्तातालुबाब्री ।शुदुःचर्नास्त्राचायायायाया श्रीमावावस्त्रीयाचर्याया म्राचीमात्रात्रत्रत्रमात्रदाक्र्याः हिर्द्धोद्दायलेवायाः विदेश्यवेषायः । वाद्यमाञ्चीयमात्रास्त्रयाः लट. हेर्या. त. श. लुर. हेर्या. पर्केर. पर्यु. ईर्या. पर्केत. रेट. ईर्या. पर्केत. कु. ईर्या. पर्केत. श्चित्रायत्र राने तशुराव उत्राधीत हो। । १०४ स्ट्रीय वाने वारासूय वास्त्र त्रास्त्र वास्त्र वास यदः स्वाप्तस्य प्राप्त स्वाप्तस्य प्राप्त स्वाप्तस्य स्वाप्तस्य स्वाप्तस्य स्वाप्तस्य स्वाप्तस्य स्वाप्तस्य स्व नर्थः न्दा वहरार्भ्रेष्यः शुःसूदः चः व्ययशः उदः तद्वः च्चेदः श्चेः सूयाः नर्थः प्रोतः । वें। विंदः दुःचनदः पदेः दवः वेदः वाशुवाद्दः युः वेः वाहेषः हेः यः वे वाव्यः क्रुदः यः बेर बिरा ने भू तुर्विर पर्वेर पर्वेर श्रे अया उत् ही सूर्वा पर्यथा था सूर्वा वेया पर्वेर श्रे अया श्चे प्रस्तिव देव र देश स्वास्थ्य प्रमाणिय होता है हो है जिस हो है है जिस है है है जिस है है है जिस है है है ज तर्ने सूर्वा प्रसूर्य प्रीत प्रति सूर प्रासी निरायया सूर्वा सी निराय र । निराय प्राप्त प्रस्ता प्रस्ता स्तर स युवावालेकवाषात्रेरावाषुर। ५.५६.कवाषालेब हो न्याव दे वे हे वे रावायुवाकेब र्येषियान्दरा श्चिनःश्च्याःयोःयोःकेषःयोष्ट्रियाःवेदःयोद्दर्यया देखःषःवःविदेरःयःवदेः यः क्रेंचियः दरः देयः त्युदः क्रेंच्यः विवा देयः वास्तुद्यः यः धीव। **व्यायः योदः वस्यः** स्रेदेग्यम् । प्रविक्तम्य प्रदेश्व प्रदेशम्य । प्रदेशम्य । प्रदेशम्य । प्रदेशम्य । प्रदेशम्य । प्रदेशम्य याशुरुषाने। विविद्यायदे विवासाय दे भीता हो सामा देवे के व्याप्त हो । यःजशःक्रुदःस्वावस्रयःगस्त्रादर्वे चःदेवासःद्वान्त्रेःगद्वसःद्वसःयदेशः युषायदः नदः स्रीयदः स्रीयाद्भद्दशः स्रोतः नस्या नः नद्दः विक्रिः स्रीयः स्रीयः विक्रः स्रीयः ক্রিঅ'র্ন'ব্দ'র্ক্তর্মান্দ্রন্দ্রন্দ্রন্দ্রন্দ্রির'অর'ক্রন্তর্মান্ত্র্যুঅ'ন'অর্ম'র্মান্ত্র্যুম্রারম यवःरे:यवःगद्गेशःत्वर्याययाद्यःयःर्यः। युवःरे:रे:यरःग्रद्यःयरःत्वर्यःयरःहैः यक्षेषा पत्रवा मं देते कुषा ये दे राज्य राज्य शास्त्र या। दुषा यदी सक्षेत्र सक्षेत्र सक्षेत्र सक्षेत्र सक्षेत्र सक्ष ग्राम्स्यम् प्रति के विकास के

नुरः वितः पेन् या सामित्र या सामि याञ्चेत्राययात्विरायायाम्भित्रायाञ्चीयायञ्चीयाय्येत्। नेयात्वाविरायाञ्चेत्रायोत्। नेयात्वाविरायाञ्चेत्रायोत्। वयान् भूते प्रमान्त्रम् वास्य श्रीत् प्रति स्वतः विवासितः स्वर्णा निविः न्युयावी धीव सूचायदी देया वेया ग्री स्ट्रेट वया दे त्या क्रीं वा स्ट्रीं वा स्ट्रेय स्ट्रीं वा स्ट् र्द्धवानाश्रुर्वे । **श्रीत्रवाशीतुःश्रुविनाग्रामः । श्रुवेत्ताविकानाम्याने** र्श्वेद्रा । नुषाद्रवाश्चेषाषाय्ययप्रक्रम्यद्रा । विष्ट्रद्राधीयदेश्चेद्र वदी । त्रुवान्दरःवद्देशःयवैः त्रश्रःविदः त्रा । वद्देन् यः सुः उत्रासेनः यरः विषा विकामस्टिकाने। मेरिन्दुन्वन्यास्त्रम्त्रीत्रास्त्रमुकासेरिन्दिका यरेत्। देवे:तुवा:त्रः तद्रेषायते वषायः तुवा:वी:ववित्यः श्रे:वेषायरः वषाः श्रेरेत्यः श्रेन्या द्वेन्यान्यत्या ने हि सूर्ये वे वा माया हे से वसा से राह्ने क्र्याः श्रमः श्रीः मात्रात्वकृतः सूयाः प्रस्थाः स्वान्यः स्वान्यः । यात्रितः प्रदेशः स्वान्यः स्वान्यः स्वान्यः स्व *बी:वर्नुवा:यर:क्रबा:वर्चे:च:न्द:। वर्न:बोन्:खुबा:ग्री:व*वि:ब्यन्दश्की:ह्रवा:यर:वर्न: क्षेत्रायहें अत्रायान्द्रा वार्षेत्रात्र स्वाध्य स्टायन्त्र वार्षेत्र स्वाध्य दुर्याद्रवास्त्रीयात्रात्यायराक्यदायराद्यदेश यराक्यदार्थेत्रास्त्रात्यास्त्रीयात्रास्त्रीया यय। हेर्न सेट्या स्नेवायाया पर्ने देशे द्वर वीया सुप्तरे स्नेवाया या प्रेन प्रया क्षेर्य क्षेत्रेय शक्ति देखर देखर वार वार देख क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र का करें वार के का स्व र्वेदित्रवाकीयाद्वा वाकीद्वेवावाववावाकीकीयाव्यवावाकीकीयाव्यवावाकीया ्रभुष्पे यदे भुद्रित् तदे के तद लेगा रेद के बा द्वा द्वा द्वा दि तदे रायदे । व व रायदे । यः भेत्र देः दर्वतः वरः वेषः दुषः देः वर्वतः विः वर्षः सुषः ग्रादः वः शेः वेदः यः यवित्र।

५'ख़'ख़'क्षेदे'म्ब्रक्ष'दर्भ'खंक्रेक्ष'क्षेक्षेक्ष'क्षेत्रेक्ष'क्षेत्र' क्केंत्र प्रचेत्र प्रचेत्र क्रिया है त्यू प्रचेत्र प्रचेत् इयय। । श्रीम्याञ्चायदेश्ची ययापदीद। । क्यायादीदाञ्चार्ययाये प्यर **र्वेज** । डेश नासुर्थ है। हे रेट सम्मसुया लेश या तरीतर क्रुट व प्येर व तुराव ल्रेन्द्रम्थायात्रद्वा इत्रवार्ष्यत्वार्याचीयात्रार्थाद्वर्त्वास्त्रवार्याद्वर् वा ग्रींवायाधीतातायाद्यतायाध्यात्रात्रात्र्यावायायात्रात्रावायायाधीता हे देट दरमा शुद्र चें वाया मुरावाद्व प्रयाया या प्रवास प्रदान वादि या हिया गाहित स्वीर्य क्षेत्र क्षेत्रायत्र राते जात्र वार्षे राया प्रता रात्र प्रता वित्र प्राप्त वित्र प्राप्त वित्र वार्षेत्र प्राप्त वित्र उदानिक्यान्दात्या करावश्चायात्र्या करावश्चायात्रियात्रेश्चनारेयाश्चरायाः सुन्तुः योदा यात्रव्यायाः विवानीयायसूयात्रात्रव्यायात्रेयावतः वावतः प्रवान्ययाः अतः स्थ्रीतः यास्येतः यासाधीत। त्वाःस्वयाविष्टराचीः स्टानवितः वात्वाःस्वाञ्काः धीतः तुसान् सावहसाधीः ঀ৾য়৾৽য়৾য়৽ঀৄ৾য়য়৽য়ৢৼ৽য়য়৾য়য়য়৽ড়৾ৼ৽য়৻ড়য়৸৾য়য়৸৾য়য়৽ रदावालवार्कदारा देवाः सुवाः सुवाः सुवाः सुवाः स्वार्धाः स्वारं स् क्वें यह राया द्वा क्व्या क्वेरा खर्वा देवा द्वरा द्वरा वेदा यह है । विराधित क्वा देवा क्वेर विराधित क्वा देवा क्वेर विराधित क्वा क्वेर विराधित क्वा क्वेर विराधित क्वा क्वेर विराधित क्वा क्वेर विराधित क्वेर विराध शेयशः द्वेन कुं पेन यायापीय है। विजयम वीजयम विश्व प्रश्ने । निवे ब्रेट वर्ष र्वे र सम्बन्ध र्चेषियाय तरी वे क्रिक् सेन किया पीव प्रस्ता क्रु रे वावय स्नाप्तर पीन व षदा वर्दे द्वायः ह्वायह्रवः येद्यः द्वीः ययः वदः वीः वदः वियः द्वीयः द्वा उन भिन नै रेन। ने सन्तरियानिस स्वाप्त स

ब्रम्भ उर् वाक्षायाद्र लेवायासुर् क्राप्य होत् सी सुर वरी देवा है। र्लेज.रूथ.विर.विष्य.सेश्वा । भ्री.लश.लेज.क्वी.विर.विष्य.क्षेत्र। । वर्षेष.त्रप्र. मुननेषायरमेन विकामस्र राष्ट्री वर्षेत्रभूवकाशीयनेवायरास्य मुना यर विवा डेकाया वदी हें वायका यह वाका वका या डेका विवा का वहिंवा का दें व थः रदः चल्रेवः श्रीकाः श्राचायाः योदः रहेकाः यदेः वीचा याः योदः विकारितः श्रीः नन्तुः सः भीता तद्दे त्र सः है स्मृत् त्वेषा त्य म्यूर सः संभीतः वे त्वे प्र दिस्त से से देवै चन्द्र प्रवे महर्मा देवदेन के सम्मेद्र के सम्मित्र स्मान स्मित्र स्मान सम्मित्र स्मान सम्मित्र सम्मित्र स योव। दे सूर दु के तदेते याक प्युत्य देश मानु या या वे र स्था के तद विवा पे द सार योव। याकाणुवादेयावाबोवाकानुयावाण्याद्यक्रात्यक्रात्रीत्रात्रीत्रात्रीत्राक्षेत्रास्रो यादायाः कवायाः वायाः विद्यान्याते यावयाः याद्ये राष्ट्री दाष्ट्री दाये देवी दाया षेत्रायदास्री रवसारे यावद्याचे रे रे रवसुद्रायस र साम्हेर्यस वद्या में से से दासस विजान्नेराज्या। श्राम्मातकः यद्भायदे स्टायसायाः स्रोम्भायायः स्रोमायः स्रोम्भायायः स्रोमायः स्र विभानेन हिरात्र वया वर्षे या भी वर्षे प्रयास्य स्थान् भी प्रयास्य स्थान सूर हें र अवग्र अर्थ के तुर्वा की र प्येर् अप्य र अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ अर्थ की स्वर दु सुर है। यादावादद्दे सुरावयावन्यायादार्थायात्रुदार्थायात्रुदायात्र्याः स्वात्राद्वे सुरावदायाः पश्चिरःर्ज्ज्ञ्चाःक्ष्यःष्वेषाःभ्येषःप्रमा याकःस्याः देशः।वटः श्वियः विः स्टःयः स्वाः यह्रवः र्थेन्यालेग्याधेन्तिन्। नेयन्ग्यदेन्तिन्नेन्यदेन्त्रेन्यदेन्त्रेन्त्रिन्नेन्या ग्राम्योत्। ले.क्यायात् ने केंयायत् यो वेंयायायते से मान्याया यो वेंद्र केत् में से से या यो वा

য়৽ড়৽য়৽৻ঀ৾ঀ৽ড়য়ৢয়৽ড়৽য়৽য়য়য়৽য়৽ঢ়৾ঀ৽ঀয়ৢ৽য়ৢ৾ঀ৽ঢ়ৼ৽ড়৽য়ৢ৽য়৽য়য়৽য়৾ঀৼয়ৢ৽য়৾ঢ়৾৽য়য়৽ বিদ্য খ্রিসাথা ক্রবামার দ্বী থারে ব্রি দরি ক্রবিদক্রবামার্স্ট ব্যু থা মিবামা দরি থেকা মী এর ভ্রী স इ.जेमा भ्र.जमाक्रीयर यमामायर विराध प्रमाणक का भ्र.जमाक्रीय का क्री.जमाक्री विराध प्रमाणक का अपन विष्ट्राय्येति वश्चरावित श्चित्र श्चित र्श्वेर ग्रीय ने देर ने ने की केंद्र यर सूरा द सूरी तर विभावें र स्या ग्री की या या ने द शैकेंद्र दें। । सूनर्या योग्याय से तदी या नेद्र शिकेंद्र यर या नद्र गर्वेद्र प्रसुवा है। શ્ચાના ત્યાના ત્ यः परः सरः दे । सर्वे रः दः वहिषाः हेतः वदेः स्त्रूरः षीः वदे दः प्ये दः वदे दः सरः सः स्त्रूयः सदेः रदः वार्षे अप्टें प्रतिवाद्य स्त्राप्ते वार्षे वार्षे अप्यायुर्या **इरसे द्वेर प्रति क्र** यर्कें वया । भेषा केव पर्वे वया प्रमाण विवा । प्रमे पा उव ही विमायस **विक्रमार्थेन प्रत्येमायर मेन ।** इस्यास्ट्रिस हो व्यादगाद प्रदेश धुरम्बरमेन्छेयाम्बर्द्याने। बराद्यादर्ख्यायान्यसम्बर्धेन्यम्बर्धान्यस्य वर-दुःवविर-वविःकुः अर्द्वविः वर-दुःकुः वश्चुवाः हेः अर्द्वे वर्षायाः छीः श्लेयाः यरः वाहवावयाः विद यार्बेट्रियातर्देश्यातर्देराचक्कियाव्यवस्योद्याचेत्रयास्याचीयानेव्यार्वेद्याच्या वरा योन्ययाप्परान्वरायोन्तुः त्ययाः विवाः वीयाः हैया वयानेन ने तिवेरा क्यारेन। निवे र्रेशाम्बर्धरायस्य प्राचितायात्रीयायात्रीया विष्या विष्यास्य प्राचितास्य विष्या लूर्तारे खू राष्ट्राचारु प्रदूर्य पर खू वर वर्षा चूरा केंद्र वर्षा केंद्र वर्षा केंद्र वर्षा केंद्र वर्देरः सर्वेषात्रः श्वेताकदावदेशयम् हित्त्वावर्याः भेतायम्। श्वेराविक्रायायाः कवार्यालेब सी द्वीद प्यर द्वीर सूर्या सेद प्यर त्वीया व द्वीया स्वाप्य प्रति । विष्य वया मक्या.पे.क्रीयात्राचात्रमात्राचात्रमात्राच्यात्रमात्राच्यात्रमात्राच्यात्रमात्राच्यात्रमात्राच्यात्रमात्रमात्र हर्निन्दर्भात्राची व्यवस्थित विष्या दिन्त्राचित्र स्थान्त्र स्थानित्र स्थान्त्र स्थानित्र स्थान्त्र स्यानित् स्यान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त्र स्थान्त दे वियान्वीयात्र सुरास्त्रयाय्येययान्यते श्चित्यार्क्षन्यात्रेयात्र्यात्र्यास्य निर्मा न्वीं यात्र स्रोध्यया उत्राध्य प्रमान्द्र हिंद्र स्रोद्य प्रमाने या चीया चीया चीया चीया स्राध्य प्रमाने या । ঀ৾য়৽ৼয়৽য়৽য়৾য়য়য়৽য়৽য়ৢয়৽ঢ়ৢয়ৣৼ৽য়৽ৼৼ৽য়৽য়ৄয়৽য়য়৽য়য়৽য়য়৽য়৾য়৽ हुः र्द्धन् विषयः विषयः भेषाः स्रोत् । विषयः यदः व्यद्भारत्या दः दृदः यदः स्रोदः यदे क्रुः सर्वतः देः वः विश्ववादाः सर्वोदः मु.पूर्ट.रेत्रच.भुट.श्रुच.जभ.कु.अ.चक्केर.तपु.वीर.केव.शुभग्य.रेतप.तुर.सपु.सेवम् नर्सेन त्र त्यू राग्रीरा सबर से द्वीता नगाय सुन ग्रीरा या से पिया समस्या ग्रीनेन त्र मामास्यान्यत्रम्भममास्यान्यत्यान्यत्यान्यत्यान्यत्यत्यत्यत्यत्यत्यस्य यश्चराश्चर्यात्रेत्र विवासायम् वार्षेत्र स्त्रेत्र स्त्रेत्र स्त्रे स्त्रे स्त्रे स्त्रे स्त्रे स्त्रे स्त्रे स शरशःक्रैशःवै:च.चिर्यःवित्यःचक्रैःक्रैंटःस्रयःचक्रैटःॐ.ऋ.यक्रियःयुःधुटःचिश्रशःक्रीःक्रैंयःट्टः नर्गेन्याम्रम्यान्तर्भेन्यायात्रात्वेत्वित्वम्यान्त्रम्यान्यम् विष्यान्यान्यम् र्ह्रवायाक्षीयरात्री वस्रीयायाचीराचीत्रयीराची विकास्त्रीत्रवारमास्त्रीह्रवाया श्चीतःश्चिटःगर्युअः विदःदुःतयगर्यायः यस्दः यय। देतेः श्वगर्यायश्चीदःश्चेतः ययः वीः सर्वार्चीयाङ्गी रदारपुरायञ्चेताक्ष्यायक्षेत्राचितात्रवार्याच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या वःरदःरेषःरदःग्रदःदद्दिःश्चेषःश्चेवःययः यहवःवःषेःवश्चायः से शेषःसेद्। देव ग्राम स्नाम प्रति मन्त्र निर्मा के स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त थयान्दरस्य भेन् भी नन्तर्व महिषामा में स्वाधार विकेश विकास कर में स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास

त्यः ब्रेवः कवायः प्रेन् : से: स्वायः क्षेत्रः कवायः क्षेत्रः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः वहेंता सुर्धेशासे वहेंता है धेशा द्वान इता सुराव इता से ता सारेता ৾ঀয়৻য়৻য়৾য়য়য়য়ড়য়৻য়৾য়ৼয়ৣ৾ৼয়৻য়য়ৣৼ৻ড়৾ঀ৻ড়ৼ৻ৼঢ়৻য়য়৻ঀৢয়৻য়৻ৼয়ৢয়৻য়য়৻ यस्रम् स्थान्य स्थान्य विष्या महास्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान णुयानाः भेरायावर्षे र्वोषात्। र्रायाः क्रीयाकुः क्रुत्यस्याविवरणीवाययाः क्रियाविवरः र्थेन्-नर्वोत्रात्या क्रुन्य-विविद्यः येन्-य-विविद्यः येन्। क्रुन्य-विविद्यः ये विरस्थ्रमान्त्रभागाभाग्राम् स्रोत्यम् । नःतृमान्योयाः विरम्भिमान्स्याः स्रोत्याः मद्रान्नरमा क्रिया देन न्यवा सेन त्विर विर विस्था नर विस्था प्रमा सेन त्या होन न्वी या यस्रअः चुः नृश्चेम् सः या ५५ र सः तर्ने मिर्डमाः सुः धेन रवस्रश्च कुः म् स्रतः यो नः देरः धेनः देरः वयःहेवः यर्क्वः गहेशः ग्रारः शेययः दयः शेः दव्यः क्रुः विषाः भेटः दर्वे यः यः रेटः यः महिंग्या धेन् पुरानु भेन् या ह्या नियम किया मिर्म स्थित ह्या किया नियम स्थित हिंग किया नियम स्थित हिंग किया नियम स्थित है। धीव। हेवःकैवायाविरावायायाननाः से यदे या उवा की विरावस्या हेवा दरायहेवाया थैनन्द्रियः वरायाने। क्रुम्बारविष्टारम् वरायेन्या वर्षेत्रा ने सुम्बुम्बुम য়৾য়য়৻৴য়য়৻৴য়ৢ৾ৼৣ৾ৼ৾ৼৣয়য়৻য়ৣ৻ঀঀৣৼ৻য়ৢয়য়৻য়ৣয়৻য়ৼয়৻য়ৣয়৻য়ৣ৻ঀৼ৻ঢ়য়য়৻য়য়ৣ৽য়ৄ৾ৼ৻ स्यानक्रिट्रुस्यादेयायो बिट्यार्गेट्यस्रायायद्वीयायदियायदियाया नुःरेत। नेतः स्ट्रेट नुः सुरुषा विक्राविक वर्षो हीतः की सुरुषा वितः निकाली हासूरुषा प्रदानी वा यसवासाम्भे क्षेत्रिस्रस्य उत्पत्र व्यवा यत्तु तत्तु यसूर्य हे यत्ति या सेत्। यद्दी सर्वेद स्ट्रिंट र्थे चर्गे दः प्रते द्रवे द्रवा द्रवा प्रते । व्या विषय प्रवा विषय व्यव विषय व्यव विषय व्यव विषय व्यव विषय व्यव र्केवायानयवानवीयानिया देखाळेन् क्षेयाचरुन्ने हे सीवासीनवीयायदेने वासा रेत्। दवोःश्चेदःर्केषःग्चेतवुदःवादयःरदःर्देदःतुःषदयःयःग्चुयःहे। वश्चवःकेदः यर मेर मालक देव क्रीके देर दीवर केव स्रोधार पाद क्रींट या देव देव स्रोधार स्रो ब्रुवार्धेन्यवाक्षीयवा विर्धायार्धेन्न्विषा विर्धायवात्रायङ्गीर्वाद्वरवा श्रुष्ठान्यस्त्रीत् । इस्रायम् द्वायाः विवाः स्तित् वः विवाः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः स्वायः 'सूर'तर्शे' दर्शे अ'अ'देर'यदे 'सूर्या' वी'रर'व्या' सेंब' सूर्य'य'रेदा । वुर'कुरा'येअअ' न्ययःन्वोःश्चेरःकेषाः श्चेत्वतुरः वावषाः श्चेषाः ष्यर्थाः श्चेषाः यद्देवाः हेवः न्यरः श्चुवाः श्चेत्यः यदिः र्वेट.येषाचीयात्राचेंह्रीट.ट्र.ऱ्येचयाक्र्य.क्री.चीयात्राचेहीट.सैट.क्र्या.क्षट.धेषवातारात्राक्रीर. यःरेद्रा रदःरेशःग्रदःदेतेःस्त्यःच्रशःत्रयःस्यःग्रद्यःस्यःस्तरःस्यःस्यः - सःरेद्रा रदःरेशःग्रदःदेतेःस्त्यःच्रशःस्यःस्यःस्तरःस्यःस्यः तपुःश्राथाः इत्। स्वायाः स्वयाः स्वायाः स्वायाः स्वयाः स्वयः स् केन्नुपन्नेपञ्चायाञ्चेप्रान्दा अर्थोदार्यादेन्न्यमासेन्द्रीयासहयापदी नर्भेन् त्रम्य क्षेत्र्य प्रेन्य विवा होन् न्वेमा ने सूर हमा न स्वार्मित्र बुवा विःश्रीयाम्बर्धवारुद्दर्भाषाः स्वर्षाः विद्यान्त्रात्त्रे विद्यान्त्रात्त्रे विद्यान्त्रे विद्यान्यान्त्रे विद्यान्त्रे विद्यान्त्रे विद्यान्त्रे विद्यान्त्रे विद्यान्ते विद्यान्त्रे विद्यान्त्रे विद्यान्त्रे विद्यान्त्रे विद्यान्ते विद्यान्त्रे विद्यान्ते वि यासुस्राची क्रियासास्त्रीय क्रियायास्त्रीय व्यक्तिसासी क्रिया विकास क्रियासासी क्रिया विकास क्रिया विकास क्रिया विकास क्रिया क्रिय क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया क्रिय क्रिय क्रिया क्रिया क्रिया पुवार्टे सावर्षे नर्षे सामित्र कःवञ्जुवाने देवे द्विवायासुविद्यं वयाञ्जी रादवीयायासून वुदी वुदास्वयायाया

द्यतः क्रेवः ये क्रिंयः क्रें त्र वृद्धः वावयः क्रीयः बिदः वियययः दे त्र व्यद्धः देवः यर्द्धवः र्वयः वियः वेवाने अत्वावायरम् तर्द्धाः क्षेत्र विवायस्य म्या द्वेत त्यया यह पर्दे र त्र व्यापार्वे प्राप्ते प्राप्ते प्राप्ते विष्ठे वि त्रमास्त्रीय। विरक्षियामर्क्रमानु स्वर्भित्यान्यस्त्रीत्यान्यस्य र्द्भग्राबिट प्येन त्या द्वारा हे स्टेनिया ययम्या याद्वारा मे हिन्। वर्षे वायो यायो याया या म्.एकर. मृत्रात्तपुर्य देश्वर विषया यत्रे या उत्र देश्चे यदः क्रिया विषय विषय क्वानवींया भ्रैव यया वार या वक्क वा वा ने वा भ्रेव या रेता स्याप विस्ताव थीं वानक्रीरव्यार्थरव्यायीवार्ष्ट्रवार्यायात्री क्रियाय्या क्रियाय्या क्रियाय्या क्रियाय्या क्रियाय्या क्रियाय्या न्वींबायासूरा र्क्केनायायस्त्रायास्त्रीनायास्त्रीनायास्त्रीना स्टाम्यास्त्रीना त्यभायम्यायम् त्या प्रति मन्त्री मन्त्री स्वाधायम् स्वाधायम् स्वाधायम् । यर। म्राम्भेत्रास्त्रेत्रायम् स्थात्रम् स्थात्रम् स्थात्रम् स्थात्रम् स्थात्रम् स्थात्रम् स्थात्रम् स्थात्रम् यरेता रूटाया इसमा श्रीमा हिंदा सर्वे हुराया क्षेत्राय हों वारा विवास इस्रयाधियान्यान्याः क्षेत्रः व्यापा विकाक्षेत्रः वेरावयाने क्षेत्रः खोरवर्षे विकाक्षे यारेन। ब्रिन्यान्यातःस्याश्चियाने नस्यायान्यः श्चेष्ठाः विद्याः विद्याः रदःषी'चर्केद्वस्थारास्य स्वास्थारा स्वास्थारा स्वास्थान्य । रेत्। देशवःङ्ग्रीदःययाञ्चीःसर्क्ययाङ्ग्रीरःययाःचे साम्रीकाद्मश्चेदःचे वात्तुः त्र्युरःयाः धेवा

वियायन्यायायञ्च स्रोताय वटा की ल्याया स्टा

क्षित्रयानञ्जेयय। वृत्रायानञ्जेषायात्रद्वायञ्जयात्रादा। हेर्गयाद्रयान्नेदानुदा न्वायाञ्च रेट् सेट रवयाचन्द्र कुं पेट्। देया व कुं केंग्र व यावाया पेट् व क्रेंव ययाने सूर केंन्य के न प्येत लिट । रूट रे तहेना हेत पति तुषा कुत ही विक्षान या यः अप्तवर दे प्रत्याची वात्र प्रवास क्षेत्र वात्र वात् मुर्यायाच्यात्राच्यात् तक्ष्मायाधीवाया देवे प्रदेव प्रवेश्चित्रयादे धीया देवे किंद्रा श्री वुरुष्या किंद्रा प्रदेव। ने के कु अर्क्न पेन परि स्नुन क पीन ने नेना अने रात क्रिन प्रायम प्रमुन परि कुने र्क्षेत्रयान्यम् । भेर प्रयाप्तराप्तराप्ते हेर्युरायम् । यम् । नमनमाञ्चीतःश्चेर-नर्गेषाय। ५:५८-व्येन्यानमन्।यतेःश्चेन्विन्यर-व्य-५५-यः चीयोत्राद्याः सुन्दर स्वेष :य.चोषय :तार्या :याः तार्या :यार्या याः सुन्ये याः क्री :क्षेत्र : सुन्ध्या :यश्या या वर्चे न प्रमाणित्या स्ट्रामाणित्या स स्र्रास्ट्रम् वी स्वर्णा सकेन् या के तद्वेत सर ये लिया होन्या नरा नरा न्या स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स्वर्ण स बुर्याः व सूर्ययाः के यः प्रवेषा सूर्यायाः यद्यः यद्यः स्वर्यः सूर्यः यद्यः सूर्यः यद्यः सूर्यः यद्यः सूर्यः य न्वाया यन्याक्त्याक्तीः श्वायाहः योग्ययास्त्र ही हुन् न्तुन निन्ना वायादेः ब्रीम क्षेत्र स्वरं स्वर য়ेदःदरःवदेःवःठदःश्चीःसर्वदःश्रिस्यदःदेःलदःश्चुःर्द्ववयःवस्वयायःश्रेदःवःदेः वर्ष्यभातुःभीत्रायम्। दावर्शेन् चन् रेन् सावस्रसान्दावर्शेन् त्रस्य के वसाके सान्दा

वस्त्रप्रद्रा वर्षेद्वस्रस्केष्टस्य वर्षे व स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः व स्वर्थः व विरावितः सूर्या वसूर्या सी हिंदा वित्या स्त्रीया प्रमान सम्भापा सम्भाप वर्ते व र्से व र विया हु र वर्षे अ श्रुव र से व र व स्थान अ र विव वर्षेत् वस्रमान्ते वित्र में दार् दिये में भूवसाय देते वस्त सारदा वाल्य में देव विशेषा श्चितः देश्यात्रयाः श्चितः श्चित्यायाः वयः श्चार्यः स्वयः यद्भिः देशायः स्वयः श्चितः स्वयः स्वयः स्वयः स्वयः स क्षेत्रयातनुषा सुरमाद्याययामेनायास्त्रमान्दा। वेत्रमाद्याययाप्रस्तरी यव या छो ख़ूद है नेया ५८ वया या सेवा या वित्र या सेवा वी सूव या कुर-देर-मी: अर्ब-व्यूर्य-भैगा-भर-पेर-कु-पेर्-ध-अ-देर। अर्थ-कुर्थ-देर-द्यमः मुक्ता मु लिया या मेरिया पा स्त्रीत या से सा वर्ने व उद्याय क्री वर्षे क्री वर्षे क्री हमाय र र मीय र र व्यावयन ग्राट केंग य रेन्। ययवायाकुःवयाकुः स्रीत्वोः स्वाप्यदेः इसाम्यायात्रात्रात्रात्रास्यायस्यायाः स्रीतः स्रीतः । ५-५८-क्रॅंश-ग्री-व्रीय-स्वयं ५८-५ गोंव अर्क्या मी यनेव अद्यय धीन या है या हो के प्राप्ती न पर ખદ[્]યું નુષાનુકન નુષા એસથાએ તારે સે દાના દારી સે જાત કરી છે. જો ह्वायालुयाग्रहायालुयाग्रहार्भुग्यायाडेवात्ययायोदादे। याचेव् डेप्नह्माय्येद्वा तच्यान् ने क्रीव प्या च स्वाव लु या ने या हे या वेवाया व या प्या है कि वा वा सुर या यहः। देवः यः दे स्रोदः देविसः यः सर्वो वार्यवासः वार्यवासः योदः यसः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स रेत्। यरः ज्ञान्त्र विंदः स्टः प्यदः केंद्वीः सः सृष्ठः यायरः कृष। देसः सावदः यात्राः यत्वेत्रदःतुः केत्रतुषा केषाद्वैषात्रा सी स्वेषा स्वायत् विषा धीत्रात्वा दी नाया साहा धीत् हिता के धीत्। गवदःश्वार्थे कृताः श्रीद्रायमेव स्वार्धियाः श्रीयाः श्रीयः श्रीयाः श्रीयाः श्रीयाः श्रीयाः श्रीयाः श्रीयाः श्रीयाः श्रीयः श्रीयाः श्रीयाः श्रीयाः श्रीयाः श्रीयाः श्रीयाः श्रीयाः श्रीयः श्रीय म् मन इयय भूग से बिंद दग बेट ता से तर्चे या दि यह । वि यह मी ले या भी सुन में प्योद भी अपर योगाया में लिया प्येट सुन भी न सहस्र अहो भी तसुर न न यायदः मृहः वालुयायया विनः वीन्यान् सुवान वाल्यान महिल्यान स्टिशान वाल्यान स्टिशान विनाम विन्यान स्टिशान विनाम गर्यस्य। त्रायाचेरावात्रात्रिंतारेतात्रेयास्यात्रेय। क्रीयास्या योदः प्येतः प्रयाययाययाययायाया चेदः प्रेतः प्रेतः प्रेतः स्वीतः स्वीतः स्वातः । स्वातः प्रयापितः गर्हेट कुं से दाय विगा साधित। ग्राम्य प्राप्त महिषा ग्राम्य प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप् अत्तर्गाद्या ययत्रुषात्रुषारेदाद्याययार्षेदावारेदा भूगाया यसवारात्रराधेरायरक्षेत्रास्त्रीय वर्शेर् त्रस्यासेर् त्रावर्शवात्रराधेरा निवा र्केवायानयवाः श्रीतः श्रीतः वीत्रात्वान्य विवाद्याः वार्यवान्य विवाद्याः विवाद्या व। व्यतःकुतःश्चीःशेश्रशःभीवःवैःरेत। व्यतःकुतःश्चीःशेश्रशःकुतःशःश्चीःवःशःश्चीःतःशःश्चीः लूट्-ट्रमूबा ट्रे.लट-चब्रथायाच इ.सू.च्याच्या व्यक्त्राचा विराविर श्रेम्य अर्थ स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत तर्वोद्र-प्रतिःश्रेश्रयानश्चेद्र-ग्रीशः त्रेष्ठ-व्र-विश्वाद्य-क्रुव-ग्रीः व्ययः व्यविष् र्वेष्यः ययवाः व्यवसः श्रीयः यः श्रीदः वयसः देवेः यदः यः श्रीः द्वीय। सर्देरः दः वादः द्वारः द्वारः वयः यवदः यादः यार्दे रः प्रसूका हे क्षेया सूर श्रुवा का क्रुं त्यवका प्येद केवा ग्री तहेवा हेव प्यटः द्वा की सूर्वा योद्रायाद्यप्रमुख्याद्यप्रमुख्याक्षेत्रावद्यप्रमुख्याच्याच्या र्येदिः हराया यो त्राप्ते स्थान्य या या व्याप्ते स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान

<u> न्यायः यात्राचार्यः ह्यायः प्रतः व्ययः सक्ताः हुः श्रुपः याः यने याः उत्रः नुः श्रुप्तः ययः </u> तनेनरायात्रने प्येत्। नेते कुं सर्वतं के प्येत् ले त्। लेट निस्ययानने न क्तर मुक्के यःवःबरषःक्रुषःग्रीःब्रेवःवयः८८। येःवेषःग्रीःब्रेवयःग्रीयः८८ःवर्वःर्वयाःवेषः मीयार्केनायाधीत। वियानस्यानेत्यास्त्रीयास्त्रीयात्रम् स्वयानु सुद्यानु सुद्यान्य स्वयान्य यासेन्यरार्वितासे। यसान्ययासीराष्ट्रसमासीर्भन्यात्रात्रात्रात्रासी ल्ट्रां स्रुं हेर्ग्याया प्रेति हो। यवटा ह्यें द्रिक्या यया या विद्या के प्रकेष या विद्या के प्रकेष विद्या है वेदःशुरायाम्। । भ्रीतायाम्ययाञ्दाद्वामि श्रीरावययाः हे। । यदेन् स्यासूदावाः यद्ययः प्रयादे । यदे प्राप्त विद्या व वै.श्चेंब्र.जमान्द्री.रमा.महमाना विषयमान्द्रामान्यमान्द्रमान्द्रामान्द्र क्च । इत्राम्बर्द्धाराः स्वितायम् स्वितायम् स्वितास्यायाः स्वितास्याः धेव वे । वर्दे यायमायेव श्रीमान्यया नमा के विमा से दि के वा वर्दे दे हम्या ઌ૽૱૽૽ૄ૿૽ૺૹઌ૽ૻૹ૽ૢ૾ૺૼૼઽ૽૽ૢ૽ઽૢઌ૽૽ૹ૽૽૱ઽઽઌઌૼ૱૽૽ૢ૿૽ૹઌઌ૽ઌ૽૱ઌ૽૽ૢ૾૱૽૽ૢ૽ઽૢઌ૽ૼૺૹઌ૽ઌૺઌ न्वींका हैन-नगर हेन-नर नहेन यदे केंवाक लिट प्येन् या चुका ने त्यान्वाद बैर-५८-व-५८-वर्व-५५-य-५८। नेरःश्चेत्र-स्त्रुय-य-वर्देन-यवे-५५-य। श्च्या বরি রুষারপ্রুষা রবার্মী যা ত্রীবার ক্রমায় ত্রীবার ক্রমার ক্রীবার বা বা বার্মী বার ক্রমার বিদ্যালয় বিদ্যালয় ব तच्यानते व्या वयाया श्रीत श्रीत म्याया श्रीत श्र यम् नर्त्रयाया सेन्या सार्वे निवास के स्वास के स्वास स्व মক্ষ.প্ৰস.বাৰ্ছ্ব। বাৰ্হক.ক্ৰিয়াক.বাস্থ্ৰ। প্ৰথাক.বস.বাস্থ্য মার্ম্যথ্য'ম' यद्या यङ्ग्यद्रम् अत्यक्षात्र्याकाः व्यवस्थान्य वर्षे वर्य सर्वोद्गः दें दें दें द्रम्या सेदः यः सुवा वासुसः प्यतः सदः तर्रत्यः है। रदः है दः विदः विस्रा दे'क'र्थेर्'य'र्र'। दे'चलैक'म्नेवार्याय'तिर्वर'यङ्ग'श्चीलय'सहय'चलैक'र्थेर्'यते' तर्व सः विवायः द्वाः भे स्वा अस्य स्वरे द्वा व्या व्या विवाय के स्वा स्वर द्वीर वी यर्क्व संविद्ध व्याति इत्याति स्वीत् स्वीत् स्वाति स्वाति स्वीत् स्वाति स्वाति स्वाति स्वाति स्वाति स्वाति स्व विस्रायाने पारुष त्या क्षेत्रे परि पर्व प्रमान क्षेत्रे स्वाय प्रमान क्षेत्रे स्वाय प्रमान क्षेत्र स्वाय प्रमान स्वाय स्वाय प्रमान स्वाय प्रमान स्वाय प्रमान स्वाय स्वय स्वाय स्व खूर:बुश:द:रवः धेद:द:रें:वर्दे:वर्ष:यायर्वेद:यें:वर्द:द्यम् योद:ल्वाय:सहय:हे:द्युम्यः न्तुर युर नमूत र्वेन वित् वित् येत्र क्षेत्र मुस्य मूर मी स्वृत्य नुवित स्वाप्य वित् याधिव रुट क्रे व्यया क्री वट रु विट वियय यह र क्रेव या क्रेया वेट यह रेवड विव वे रेट्र ३ॱ୴८ॱऄढ़ॱढ़ढ़८ॱय़ॺऻॱक़ॺऻॺॱॸॣॺॊॱय़ढ़ऀॱॷॣॺॱय़ॿ८ॱय़ऀॱऀ॓ॱऄ॓ॱऄ॔॔॔ॱय़ॱऄॱऄ॒ॸॣऻ हवायायदी रेन् वसूयाय के प्यत्येन वतर क्रिव यो ने विकास के त्यत्ते वा नित्व क्रिया योश्यायाञ्चेत्रायमानम्यायाञ्चात्री वक्षीयरादायाञ्चेत्रात्रायाञ्चेत्रात्री मक्ष्राह्मा व्या देराद्वाया होराद्वाया होराह्मा विष्या स्थापिया स्थापिया विष्या स्थापिया स्यापिया स्थापिया स्यापिया स्थापिया स्थापिया स्थापिया स्थापिया स्थापिया स्थापिया स्था वुषाग्रामः क्रुं मेरायाध्येदाया सेन्। याडेवा दावके विदे क्रुंदाया क्रेंद्रिया प्रमाण योष्ट्रेयान् नेति स्रेट न् यह या क्रिया वह ते स्रेन त्या विष्ट्राय राय या या या स्ट्रा स्रिया है। विषाद्वरवदिर्ज्याश्चिषाश्चरः यदेः यञ्चतः यञ्चे यञ्चे यञ्चे यञ्चे रञ्जा र्देविःयावर्यः स्नेतर्यः हुन्दः स्नायः कुःवरः वीः शुः सुः याः याः वाद्यवादः वाद्यवासः स्वीयः स्वीयः स्वा बिट विरायम् यने या उर्वे या क्री यदि के वा न्टर क्रीव या या दिने के विरायमा योव प्राया विराय ५८.वर.ट्रेर.क्षेब्रा.तर.त्रव.ह्यूब्रा.तर्.व्यव्याच्युः व्यव्याच्युः व्यव्याच्युः व्यव्याच्युः यरः श्चायते याप्यायस्य प्रस्ताय विष्या स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स्थाप

ञ्च-व-ञ्च-रायरम्यरम्पत्रमाद्यस्थः विद्याः । विद्यम् । विद्यम्य । विद्यम् । विद्यम् । विद्यम् । विद्यम् । विद्यम् । विष्यः सिर्वादे विषयः व देशाया चित्र क्षेत्र स्थान । विष्टि देशे से प्रते व स्थान क्रुयो.श.योश्वरः। विश्वायोशेर्याताः सैरालयः तथानु । यध्य योग्यायाः योशेर्याः याधीन क्रेया होन ने निविद्या ने निविद्या निविद्य यहिट वया या हेत् व रहेका १५व वया या श्रीया श्रीव या प्राप्त व्याप्त व्याप्त विया वा लिया श्री ल्ट्रायामुवायान् मुकायादि व्यक्षासर्वेना व्यवदार्मेन मुवायास्याम् । देशान्य द्वार्येदा वीःवादर्थः सुः क्षेत्रुः वः वः सुवाः देः विवाः धेदः दः स्वाः स्वाः द्वीः स्वीं वार्केदः स्ववर्थः देः वादः धेदः वे दा यमः हुः तत्रमादः पदेवः पते प्राप्तः प्राप्तः विषः हेदः दे। हेदः सर्वेदः वसमा उदः दुः रदःवीःश्चेरवासुस्रायःयहवासास्यायस्यायःवीवाःद्वोदःयःदेःवाददःधीद्व। देशःदःस्रेवासः <u> न्यायः यश्च स्वरः विवाः वीयः चुरः कुराः योग्रयः न्यतः योवः प्रवः कुरः केवः योः परः क्रुनः यः</u> तद्वेव यदि व्यवश्वाया प्राप्त प्राप्त प्राप्त होता है वि कि कि वि प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्र प्राप्त प्र र्थेर्ग्युटररे याम्बेयाया सामाना वर्रेर्ग्रेव्यायसून्यायर स्वीरायायस्य प्रविमा याः सृत्तुं त्वा प्येवादी रेत्। देरेता वी के बार्य सम्बन्धिया स्वरं विषय स्वरं व चलेव। । वर्ने च उत्र श्री लिया विश्व श्री । श्री सूत्र से मेर वर्षे स्था पर र्वेज । बेर रायदी द्रया वहें ज

सक्सरा हुँर ही वादसरा दवा

हि.सूर्र्। अविषानुवागाम् कवाषायेर्ग्युषा केंदरीयार्केवाषावषमार्स्नेवा ब्रैंट्या मियबर सूर श्रेशिय विश्वात थरी नियु श्रेष्ट्र श्रेय श्रीय विश्व श्रीय वया । रदः वदः वदेदः विदः विस्रायस्य वर्षेद्रः यसः केवा । वेसः वासुद्रसः यः वहंदा क्रें'वर्दे'यार्क्रेम्याययमाञ्चीयायायराजीयाञ्चेराव्यययाचीदाक्कुं वदीयाव्याप्रेराचीयया वया यञ्च प्रवेशिता ह प्रवाद सेर क्षे क्रथा वा प्रवीया उद विया प्रवेशिय सुरा यरे.य.क्ष.क्षे.बुर.विश्वराज्यक्षयायक्ष्यत्यार्थर ह्यूच.लुर्य.विवादीर यत्राया है. यर्ने त्यः क्रेंचाया नयवाः श्रीतः श्रीतः स्त्रीतः नित्राया स्वाया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वया स्वया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स् यायर्च अ.इ. बुवा यसून बुवा कें यर्च या स्टावीया सामसून या है या सुविवाया विवा वीयानवी प्रति रायन्त होन हेयाय है। कें विने रायम वीया सुनाय सुन्त विवा सी थॅर लेश यदे देंब दर। दर्दर द्या वर्द्धे र र्केर लेट र्केश दर वर्षेद हे रदाया रदा न्नर पॅन्न् रुषा सामञ्जूनका वृष्या वर्षे वर्ष वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षा वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे धिरःक्री वार्चियायत्व्रीरःल्रिन्क्री नेयायावायाःक्रः यावस्त्रीययात्रा ध्रेतः क्र्यायाययायार्स्येतःस्रुटःस्रेट्यायदेःह्याचारार्धालेषायाःस्राख्यास्यास्रास्या

पर्कृत-५८:श्रुॅंब्र-१४ अन्व स्टार्थ्य होता स्वा वादा तर्दे द्रा श्री लिया विस्ता स्वा के वादा हो हिया था। लुष्टा बुटाविश्वराचीटारचीराचीरभारात्मा श्रीरायरका श्रीया देशवा श्रीयारची सदः यञ्जिषास्यूरः दरः। सः द्वाः दर्वो द्वाः वीः सः दवाः सः द्विः स्यूरः वीः दवरः वीसः र्योद्याः क्रीक्षेर विषया दे वया यावदः या र विष्यः विष्यः विषयः क्षेत्रः विषयः या व्ययः द्याः न्याश्चिः स्थानिता वित्राचित्र स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वापति स्व वयायाययायाराष्ट्रियाश्चीतिर्वरात्र्याययायायर् वियाया वे भुगासुर सुवास क्षेत्रासर याधिव या रेता सुवा विवा वी सेट वा विवा हेत् श्रीविराया श्रीत्या है स्त्रेन प्येन पारी विराग्यन या है ग्रीया यो निर्देश होता व न्यायते विरावस्य पहें न्यायायन्य प्रायम्य स्थान उद्याक्कितायाञ्चरायक्षायिकाक्ष्यायिक्ष्यायिक्ष्यायिक्ष्यायिक्ष्यायिक्ष्यायिक्ष्यायिक्ष्यायिक्ष्याय विस्रयास्य स्टार्स् स्रयास्य स्वार्थना वीया वीया विद्या । विस्तर स्ट्रेंट वास्त्रस 'ॴऀ॔ॸॴख़॔ऄऀख़ॖऺॎॴय़ऻॖ,ॺ॑ॸॱऄऀॱॻक़ॣऀॸॱऒॹऀॹॱॾॖॱ^{क़}ॸॱॴॶॣॸॴॱॴऀॸॴख़ऄऀ॔ॵड़, ૹ૽૽૱ૹ૽૽ૼઽઌ૽૽૽૽ૢૺૹ૽ૺૹ૽ૺૡ૽ૺૹૢ૽ૢૺ૽ૼૡ૽ૺઌૹ૱ૡૢઌઌઌૡઽૹઌૹઌ૱ૹૹ૾ૢૹ૽ૢૺ૱ૢૡૢઌ૽ૺૢ૽ क्रिंप्रायाद्या विद्यावस्यावस्याम्याच्याच्याचात्राक्वियायास्यावस्याहेषाहुः चलुवार्यायाने प्यतः वस्यायान्य स्थायान्त्रेया स्थायान्त्रेया स्थायान्त्रया । प्रेयायान्त्रया येययाञ्च क्षेत्र्यूट देराम्बर्या वर्षे चार्यम्य स्वापा सुवा चर्या से सेरासूट की प्येट यःरेद्रा द्यःचलवाः वःदवः स्ट्रांच्यः वाशुर्याः श्रीः सूचाः चसूवः व्युः स्रास्त्रेवः वा स्टः रेः श्रेते तर्त्रो न ता श्रेते सूर न त्र न तर्ते तर् न न र र र र त्या र र नी सूर न त्र र श्रेत र्थेन्। अर्नेर्द्रताथ्यान्वान्दर्यान्वाची विन्धर्यार्ध्यायने सूवाची सर्वेदरसूरन्दर श्चितः सूदः वदः श्चेः वदः रेदः श्चेदः वः रेद। गाञ्चः कषाश्चाने । व्यवः स्विदः रदः वीशः यास्रियाम् न्यायदे विदायसम्बस्यस्यस्य स्याधितस्य स्यादेन न्यादे विदा विराधार्त्यम् विराधार्ते विराधार्यम् विराधार्यम् विराधीत्रम् विराधीत्रम् विराधीत्रम् यदः बिर विश्वास्त विश्वास्त वर्षेत्। यर्षेत्र व्यवस्य स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः स्व र्द्धे ब्रियोग्रान्य प्रमुख्य क्षेत्र विस्राम्य न्य स्त्रीत क्षेत्र विस्राम्य स्त्रीय गहिरागाः भेरा ने गहिरा व सेव केव विद्यू र खूव र र र रेव भेरा गुवाया वलुग्या बिट दे द्वा वे द्वा यदे बूट दें र बूट यदे य बेंच क्रियेय अस्तर्य हुँद् पुवा पीव पाय यद्र में वित्रयाण्यत् कर्यामित्रयाम् यात्रयार्ते राष्ट्री ह्या वित्रयाः सुदि लिया वित्रयाः भूगायें नर्गोद् या पेद् ग्राह्म अन्यक्त द्वार अवस्तर हो र स्वीत्र अहित से रेवित्रवायाः अविषयायिः विदावस्य विद्या विषयः विद्या विस्रयायार्थेट व पर्वेस खून पहिन तु न्याय पे के प्राच्या स्वर्ग प्राच्या प् यदःदेवाःवहित् क्षेत्रायाः विवायदार्थाः क्षेत्रावद्वा दे के विदायां विदायपायेत् ययादे याः स्रो नदिः कः स्रो तः स्वादः त्वादः तद्वा याः स्रो दः न्वादः स्वादः स ल्री वेष्यानुष्यान्त्रवाचुस्यायस्य विषया केर्त्रिषान्त्रवा विषयायोद्दः यायर्थेदः। कूर्या, ह्या, यायाया, वृत्यं, याया कुर्यः विषया। देःवः क्केंद्रःवय्यायम्यदः क्केंद्रुः सुयः क्वेटः। ग्रावयः देःवयः क्केंद्रःवय्यायदेवयः देः प्यादः स्व वा वुस्रवायासर्वित ये सुन्देश क्षेत्र त्वर्व त्वर्व केवा केवा सेवा वेद हे सु युवाक्वीःश्चीत्रत्वातात्रत्वात्र्यात्रात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्रात्र्यात्र

बुस्रयासर्वित्र से प्युत्य दुर्चेत्र दुर्या देर प्येद य द्वा के त्वेर्य हे से त्युरा सुद्या रतः हुः चुरः स्ट्रे द्राकें राक्षा वुराया सर्वेद खी पसूद पदि वाद्या सर्वेद सार्टे वाद्या स्वाया खी वरपुः भी दश्य भी पुः भी भी निष्कृत या वर्षेत् या प्रदा विषेत्र पुः वर्षेत्र प्राप्त वर्षेत्र या प्रदा विष्कृत या वर्षेत्र या प्रदा विष्कृत या वर्षेत्र या प्रदा विष्कृत या वर्षेत्र या प्रदा विषक्षित्र या प्रदा विषक्ष या प्रवित्र या प्रदा विषक्ष या प्रदा विषक्ष या प्रदा विषक्ष या प्रवित्र या प्रवित्र या प्र यरयाक्चियाक्चेंदायाक्चियाक्चीयराद्वियाक्ष्याक्ष्यायाविष्याचा <u> ક્રેઅ.જા.લુંચા.જા.જા૮જા.ઐ.જાએને.વર્સેય.જાજા.જુજા.૪૫.વર્સેય.તા.વર્</u>ચેર.ઝું.ટે. योज्ञेन् स्थान् स्यान् स्थान् स्यान् स्थान् स्थान्य यम्बि:श्री:रेट:रे:श्री:पपु:श्री:पपु:श्री:पप्पात्राच्याः विद्राचपु:श्री:पप्रुप:श्री:पप्रुप:श्री:पप्रुप:श्री:पप् मस्रकार्षेन्यारेन्। यन विन्तिमास्रकान्य महत्वा मन्त्र विकारे विकारे विकारे विकार विकार विकार विकार विकार विकार यक्तर्यात्री क्रिंतह्यात् म्रीट मी म्रीट स्व श्रीत संदि प्यायात्र महत्या सहिता न्ययः क्ये देने प्रमु देन क्ये जालयः प्रश्नान देने प्रमु द्वाप्त जान का नत्या या म्बर्थाने त्याञ्चेत् त्यस्य तने प्रसादि स्वर्धाः त्यम् माञ्च स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर्धाः स्वर बिर शे क्रुं नदे रेंग या पर शे न्वें रार्थि। नय सक्ति बिन हु नहर द ने या क्रुं त्युवायानवर रत्र विदेश सेर् तर्व क्रि. स्वायानवर व स्वायानवर व स्वायानवर व स्वायानवर व स्वायानवर व स्वयानवर व क्र्यायायायानुः क्रीयाने। यायरः स्यायान्त्रयायाये वार्यायानुः क्रीयाया सीयायासीयायासीयायादीयायादीयायादीयायायाया स्रीतियायायायायायायायायाया तुः रु: क्रुका व र कें क्रिव केंद्र रे दि लिया सहया यह क्रिया रे रियो प्रदेश दि र र केंद्रा या या हुन र र वर्डेरा स्रीत लिया स्री लिया व्यया स्नाया वासुर च न स्रीया प्यत प्राप्त स्ताया स्त्रीय प्राप्त स्ताया स्त्रीय प्राप्त स्त्रीय प्राप्त स्त्रीय व्येतः क्ष्मचर्यान्यमः सुरायह्नाने व्यितः त्रने त्रयायात् वार्येनः व्यास्ता वेनः मह्यास्त्र प्रमेश सेंदि सेंह्य स्याद्या देव प्रमेश सुन्य से वा स्याद्य स्था से वा स्था स्था से वा स्था से वा स कवायायोदार्करावीयावायुरयाते। विरावीश्चीतकीत्वीत्यात्वेदावयार्थीच्च्याया ववृद्याद्याद्याके बिदा इंग्रिया वार्याव विवाद मुन्त्र मार्थे वार्या मार्या मार्थे वार्या मार्थे वार्या मार्थे वार्या मार्थे वार्या मार्थे वार्या मार्थे वार्या मार्या मार्थे वार्या मार्थे मार् ब्रैंब यस बेंच दर केंबा वर्ष विर सुन् पुणेब व ब्रेंज वर्षे वरत् वर्षे वर थायदाङ्केर्तायमामाननपायायीतामासुद्रमायाचेत्। विद्वान्तमासीमानेतदायाङ्केर यमायनेवरायनेन्यायेन्त्र। वस्नयावायनेतायुन्यामुन्यावायावारायाम् स्यासुर्भे मिर्याने। अधरायने याउवे जाउवे के प्रतित्वा विश्वश्वावीं प्रतित्वा र्येके'नलुग्रायायायियाते सुवासुविलिटाम्ययाकुटाकुटारे रेटार्थेन्वरुग्रा पटा त्यातःरेशः वावशः भें तः त्यरः क्रेंबः त्यसः तदेवशः वेतरः स्पेनः तद्वा भें तः त्यः क्रुः वारः श्चिम्नदःरेदा वेदःस्नदःदुःदेवें बुःदर्देवः बेदःवेःरेदा देवेदः विरुष्ययाः विवासारेदः यवरुर्भः देवया रेदा यरुर्भान्य याद्या याप्तर मुंदि प्तरा विश्वस है प्रद मुंदि हैं यह या कु प्यें दि है पेता वुव की कु हो युवायर दे दिरावदाचर। ययदिवाययादुर विदावावयाययादिर वी दिवाय ्रायने अर्केना यय प्युमान्देश सुप्यलुन्न सामान्य स्थान्तुर चे मान्य प्युमाने स्थाने । सुप्यने अर्केना यय प्युमाने स्थाने जर्भास्य ग्रीतः स्टार्चेत्र हेर्न्धाः स्ट्रायर ज्याक्षेत्राया सहया स्तायह्या स्तायह्या स्तायह्या स्तायह्या स् वया रे में से स्थान हो से स्वावस्था सकेया न्याया की स्थान स्वावस्थान गारा क्रियाचे हि.से हे से स्वरूप मानवि स्त्रूप हेर मानवा प्रस्ता मानवा स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स्त्री स् वस्यान निर्मा के निर्मा के निर्मा निर लूर्-शूर्। वैरःब्रै्यायानयाचै याचुरायपुः सूर्यायाज्ञेयाचेषुः क्यात्राचुर्याया केंबान्बाकीत्विरावीन्याम्यापिताप्या। केंदिरामुनाम्बीनामुवाकीप्याप्यादिने केंदिरा

म्बेनायात्र रेन्द्रम् अरावेन ये इस्राधीसान्य ल्रानु क्री प्रते क्रीन त्यस तदेवर्यायाचेत्। देः धदः वादर्या हेः स्रोदेः क्कृतः क्षेत्रायाची विदः स्थाया विवा चेत्। वादेख्राद्राच्यायाः होषाद्राच्यावदेखेँद्राच्यायाः विष्यादाः ववःश्चेशःगशुरशःभेनःन्। ।नेशःवःशःवनेःवशःवनःश्चेःश्चेंगशःरेशःनुःवुनःयनेःयः क्ष क्षे. बुर विश्व का स्पूर्ण यहे क्षेत्र हेर अर्क्य सुव सुव स्वा क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष यः सम्यः सम्भः क्रीतियः विसम्भान्। विसम्भान्यः सीतः यः सीत्वत्वान्यः हो। विसुः दुन्ताः वित्रविर्धितः व्यवस्थित । इस्यास्युत्रस्य व्यवस्था स्थापने स्थ्याः यर्चलः श्चीः श्रेटः प्यटः श्रेः श्वावाः या तेन् : द्वान्याः स्वेनः स्वेनः श्चेत्रः श्चेत्रः स्वेनः स्वेनः स्वेन वर्षेत्रः श्चीः श्वेटः प्रदेशः स्वावाः स्वावः स्वेनः स्वेनः स्वेनः स्वेनः स्वेनः स्वेनः स्वेनः स्वेनः स्वेनः स ઌ૱ૹ૽ૢ૽ૺ૱ૹૢઌ૿ૹૡ૽૾ઽ૽ઽ૽ઌૹૢૹૠ૾ૢૣૼ૱ઌ૱ઌઌ૱૱૽ૼૹૠ૾ૢૼઽ૱ૐ૱૱૱ૺૢ૱ઌ व्यमान्त्रवत्रः भ्री: स्वाप्यरः सर्वेदि से दिन् न्यमा सेन् विनः सनः मीमानसुन्या सेन्। चिर-क्रिय-अर्क्रेया-पु:श्रेअया-पश्चेत्-द्यो-पश्चित्-पर्याद्य-त्रिय-क्रिय-क्रिय-क्रिय-प्रयाय। दे-म्रम्भारुद्दः यद्दे त्यः स्त्रुः त्यः स्त्रुः त्यदे केदः दुः यस्त्रे स्वा स्त्रम् स्वामा स्वा में गरिया मी विया दया दिया देश हो प्रति में दिया हो प्रति हो है। यह स्थान स्था ब्रुेदि वे केंक्स के 'नवींका ने के 'नवींक' या को रे के 'नवींका करें वा यह वा का या ना के नि यने केव बिर यगेनि कोने अने श्रेया इंग्यार थे। वके बेन र श्रुने क्रॅंदि'वर-'तु-'ब्रेंब'न्द-'बेब'कु-'ब्रेन्'वाशुरबायाचेत्। रद-'त्वर-'रद-'वावान'ब्रेन्' रुषःविद्यायस्य दे रें वाद्रसः स्रो दर्शे क्या क्री क्या क्री वाया स्रो वाया स्रो वाया स्रो वाया स्रो वाया स्रो बिट (वस्रकारेदि वरे भ्रीत प्रतः प्रोत प्रतः वर्हेन प्रवेश व स्रोस्र अस्य उत् । स्राम्य अस्य । क्यान्या दे:वस्यान्य ग्रीहे हिते ध्वाया ग्रीया प्रसीया पान्नेत प्राप्ती के या पहिंदा

<u>बियःयन्यायःयङ्गः स्र</u>थःय ३८ व्योः तथः यासुरः।

ग्राम्यने पारुवा द्यी प्रोति हत् पर्देन विषया सारोत्। ने मास्री साव स्टेश स्त्री साव स्त्री साव स्त्री साव स्त योन् यान वित्र द्वीत दे रोत्। ने त्या सुर्या हेया सुरा वावत श्रीया पर सी केन्या याना याना वित्र श्रीया वित्र स क्रुषार्वेताकुः उत्रारेता देराक्षेयाता सुराद्युव्यावार्वेतावाया येता वरायर्देता न्वातः न्दः व्रेंद्रान्ययः न्दः वृदः यदेः विदः विष्यय। व्यातः यः न्दः खेः क्रुवः क्रीः स्थायः व ५८। देर:श्रॅट:व्यःक्रेंग्यःचयम् अर्केन् व्ययुवानुया ५व८:५८:म् स्ययः रवा लुख हे श्वेर या पर हे सा ववा हु प्येर केवा केट । विर विस्था हे के वस्त्र स्वरूप कर ता. श्रेश्वाता. दर विस्तार भूती स्वतालुब में ५८। भ्रेन्याम्भ्याम् विष्याम् यालव.क्यी.ट्रेच.याक्षेत्रात्स्व क्यीत्रायवीयःत्रत्रःयात्रीट्याल्ट्री क्यात्रात्राट्यंदः विदः त्रदः वी'यान्दाके'वादयान्दाक्षीं वि'प्यदाकेंद्रावियान विवायात्रीं वादीन विदेशात्राक्षीं विन्ने क्रे केंद्र निर्देश केंद्र नि ब्रैंदि ययातकन्यति स्नान्यायया

यिष्ट्रेश्वरायन्तरे पाउवर या क्री कुँया द्यी नियम मुन्ति स्था प्रा

व्यन्त्र्येत् स्वर्षा । प्रदेशक्ष्य । विक्रिंद् स्वर्षा । विक्रिंद स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वर्य स्वर्ष स्वर्य स्वर्य

यः में दिन्दे विकासी स्था की सम्मान के निर्मा की सम्मान की सम्मान की सम्मान की सम्मान की सम्मान की सम्मान की सम पदः स्युत्यः स्रेज्ञासः मञ्जूषासः स्था । देवः श्चीः प्रवासः स्वासः स्थासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स्वासः स द्वार्थे र्येदे म्वानुम्या । दे त्य महेन पदि प्यन यम हिन त्यम मी वेश मासुन्यः यासूरा विवराविश्वानमार्देनायुमायासुमार्थीकवामायादीयुवाधीनाया देविः कवार्यालेत क्षेप्तिया या केंद्र ता तिवस्य प्रति वात्र या तिवस्य वात्र वात्र या तिवस्य प्रति वात्र या तिवस्य प्रति वात्र या तिवस्य या तिवस्य वात्र या तिवस्य वात्र या तिवस्य या तिवस्य वात्र या तिवस्य विष्यायाधीन, तथा देव:क्यानाबेन:क्यी:वि:व:बननावन:वन:वना वि:सूर र्धे हैं त्यरा के राव ही राव सूर्या को दायर वाव का तयर वार्के दा वर्षे वा सूरा विद्या है व त्देतिःसूरः नः सासुनः वेदः द्वारासुन् । सासीन् । तासीन् सामान्यः सर हितः दया तर्नरः सूरः प्ययानः नरः नर्ने नः उत्रः ही हिरः विस्रवा सी हिन्या वर्षः त्रात्रहतः यसान् र स्वा वीवाः म्रु-इत्रा र भेयारेयान्नीर वीमासत्तरम् निस्ताने वहेवा हेतान्या स्थान स्थान यटे.य.क्ष.क्री.ब्रेट.विश्वरासी.स्रेर.सर्यः वशास्त्रियः वशास्त्रस्य वर्षेत्र र्वेवा डेवा डेवा यदी।

योश्यायायदेःयाञ्च श्चीतिर विस्रायायायार्यर हो प्रेत ह्वा हिया हैयाया

क्रैंव यय यदेवयाया

ने दुः सरमः क्रुमः वेदिः द्यमा सेद। । सर्देवः सुस्रा मतुन्या सर्वे । त्या स्राप्तः

दबा क्वित्रयाम्बर्धान्डन्द्रमायमः वैन । डेब्रामासुर्व्या न प्रमुदेशमाद्रया भूतर्यायाने तर्ते ते भूतिया ये या तरे ता उत्तर मुन्या या या या या विवासार हे हि वर्ग्चेर् स्रीप्त्रायर द्वायदे विद्यु स्री स्वयाय स्रम्भाव। वर्षे व स्वर् दु स्री स्वयाय भे में ना मर्झ दे सुन्य न्या प्रम देट दुः यह या क्रुया क्री ल्या दर्दे या खुः श्री सहया न दहा। यासुर से विकाय पेर्पा या है ते तद्दे हैं के की साम प्राप्त मार्थ है । विकास सम्मान यरे.य.व्य.क्री.ब्री.प्रमारे.रे.क्री.य.रेर.मरमाक्रीय.पुर.रेर.रेत्यमा.मर्थ.राष्ट्र चर्त्वारायदेख्यास्त्रेत्वया श्रीचायायस्य उत्तुवारुवार्तः नवायस्य उत्तुवारुवा डेबाम्बर्द्रबायाचेत्। वेद्रस्वेत्वया देत्वातम्बर्धायवेत्त्वाम्चेत्रेस्वर्षा क्कुराविर्दरवरुरास्रेदिरसे देन्द्रवाची वर्षा ग्रीसेवायासास्र स्थाप्य साम्बन्धित स्वर स्थाप्य स्वर् श्चेंत्रायमामाह्न् प्रमा देवे श्चेंत्रायमाश्ची मह्या स्वीत्र स्वीत्र प्रमानदे न इव.र्.स्रुकाने यह या क्रिया क्री क्रिया क्रिया क्रिया है। इत्राय हुवा क्रिया क्रिया क्रिया है। इत्राय हुवा क्रिया क्रिया है। मा विक्रियाम्बर्धिक्षेराचेचा विद्यानेक्षेत्राचेवा विरा <u> इ.सम.म.म्याम्याम्याम्याम्याम्याम्य</u> वा हुराञ्चेराक्चित्रम्याम् यो हेवायद्वरे त्रम्यस्य स्त्रीयात्री यकेवायीत्रायरात्रा चुतिःयद्भितःक्षेरःयेतिःचेतुःवचुतिः नचुषाः द्वाराः चुरः नुः तेन् त्युषाः वार्षः यास्य नचरः ५८.र्जिशताधुवा.र्.स्री.व.जुब.त्रप्त.स्त्र्वा.कुवा.कुवा.कुवा.ब्रीट्या.प्रदेश स्त्रप्त.प्रदेश स्त्रप्त. **युष्यः हैं गाष्य द्वा । यळंद द्वा युष्य देव युष्य हैं वर्ष ।** वेष या सुद्र या है।

त्युषार्वेच या दे प्यादा वित्र वा तर्कर वित्या व्युद्ध देवीं वा या दे तदा वा प्यापीय विवा यान्नेन्द्रमा सुर्वा स्वीति वित्यवा स्वित्या सुर्ह्मिवाया ने। अर्क्न प्रवाद से सुर्वा सुर्व सुर्वा सुर्व सुर्वा सुर्व सुर्वा सुर दरद्ये होत्रवाद ये वक्क द्र क्षेत्रय केत्रद्र कर्वा वादे केत्र द्र विवाध स्थित डेबाम्बर्ह्यस्य संस्तृ **या स्त्री स्वाध्य स्त्री स्वाध्य स्त्री स्वाध्य स्व** न्याम् । । वरन्रेरपर्नेश्चेन्यर्थस्यश्चेन्य्य । । वरवाक्चिवायाश्चरम्भेन्यं लट्रा विक्तिविद्धार्थियो विषय विषय विषय विद्या विद् **ब्रैन्। नियम्प्रायाधीयमुहार्मेग ।** डेयामासुहराहे। विदायस्यादेवेः वुर-कुन-श्रेश्रश्न-द्रभवेद-दिर्दिर-दुःश्चेश-ग्रुट-। रे:बिन्न-नी-क्रें-व्य-श्रूर-चन्नद-भवे-स्रद र्णेव म्रम्या उर् याया मुस्या द्वीर क्षी क्षुं के लिया प्येव लिया क्षुं वलि वर्ष्मुवया ग्राट लिट बी खेर्च हम निर्देश कु ने सु तु बिवा बीय स्त्रे बुत नया सूत्रा यदे यहे वर्ष विवाय यदे । नगातः वार्या श्रेष्ट्री न स्टें निष्या सदी हो हे कि स्वा हो है कि स्वा हो हो हो हो हो हो है का हो हो हो है का हो हो है का है क विस्राय देते से हें वा यह ते सुवाय वया वे वा द्या वह ते व स्तर् । से हें वा यह ते । तर्भातविरायरानुवाङ्गाङ्गायश्रद्या पर्दरायरमा वर्द्धरायाः स्वीताः स्वीतः स्वीताः स्वीताः स्वीताः स्वीतः स्वीताः स्वीताः स्वीतः ग्रम् भुद्रिक सुरी सहयानमानु स्थित में स्थान ययानुस्रयात्र केंब्रा वेंब्रा यायया ग्राट निस्रयाया पीत्र ग्रायुट्यायदे पत्ने प्रायद्व सीत्र सुट बर् रे भेर्न् सेन्। वस्ट रहें सर्वे स्थान है प्रवेत स्थान स्थान है स्वा सिन् स्थान स्यान स्थान स वर्दर। दर्दरञ्चेवयायात्रकायदेश्यद्यदरञ्चरत। अदिदेवर्षेवायायया श्रुदिः इस्यायान् देशाशुः सार्वेदानाने निद्यान् निर्मुदाया निस्ताया स्तर्भितान् स्त्रिक्षेत्रानु सु **न्यमा येन्यदे ल्या यर्केट : सेमा** । डेया मा शुर्या है। हो हे के या ही हो हो ने प्राप्त । हेंवा वी दे सार्ट विया वर्ष र्वार वी या लिट विस्त्रया वरे वा उस या वहूया दे हुँ या साम देव दें केते से केवा यह वि स्ट खेर खुर खुर क्या यह या क्वा ये दें दें देववा से द राये भ्रां मक्ष्यं निर्देशका अहिंदा विद्या स्वाप्त क्ष्यं मार्थे क्ष्यं मार्थे क्ष्यं मार्थे क्ष्यं मार्थे क्षयं स्व वयासक्रेर्त्रमद्भीव। । प्रमास्मीवियासम्ब्रीयानुस्यवा । स्यास्मास्याद्भीया **यक्यः यहेंद्रः यदः वृंग** । वृंयः याश्युद्रयः हे। वृंद्रः यश्चेद्रः वृश्ययः यथयायः यदिः तव्यम् तुःय। ५ वृः सरमा क्रमा वेदः द्रयम् स्रोदः सर्वे सर्वेदः वेद्य। दे व्यः ५५ वेदः तर्तु सम्बद्धीर् पतिः स्राथाना नवार पे विचा । दे विचायाने । यदा नवार पे प्रीवा यन्यानहेत्रत्र्यानने नास्त्रा श्रीलेट नुः श्रीनदे श्रुप्ति नश्चन्यात्। नेदे तन्यात्। यरे.य.३४.की.धुर.विश्वराशी.कीशाश्चा.धै.कॅर.यश्चाया.यशूर.४४४१.कीश्चर.४८.१ सुत्रस्यान्द्रात्रादेवः वेषायदा क्रवासुः येद्रान्यदे न्यदः वीषायदः वीषायदा स्वीयाद्रायः वबर अर्केन् यदे श्रीव न्दर वर् वा अद में श्रीका हे अद्या क्रुया विदर्भ न्दर वर्ष्य यर क्रेंबायरावब्रयायात्र्यायराद्वायवायवायर्वेद्रायाः क्रुवायीक्ष्यायरावत्याः क्रुप्ते व्यवदात्रे य:रेर्। र्'सेटुं पश्रेर्'वश्रायश्चारा हीयश के केर बीश से प्राय ही शासित है क्वतः ५८ वर्षे ५ वर्षा विदायर पेदाया सूरा श्वीराव शेदा वस्त्र श्वीराव श्वीराव श्वीराव स्वार्थ श्वीर श्वीराय श्वीर श्वीराय श्वीर श्वीराय श्वीर श्वीराय श्वीराय श्वीर श्वीराय श्वीय श्वीराय श्वीय यस्यास्य त्र प्रदेश्य स्त्रुः प्रदेश स्त्रुः प्रदेश स्त्र प्रदेश स्त्रिया स्त्र स्त्

सर्केन्या इसाय स्वायान्या चे स्वाप्ते विद्या चित्र विद्या चित्र विद्या चित्र विद्या चित्र विद्या चित्र विद्या उत्रः श्चीः देत्रः दुः प्रथाया पतिः दुः याः स्त्रेदः यादयः श्चिषः श्चीः त्रीदः । प्रथाः रावाः यव्यव्ययात्रः चर्षयायात्रात्राकृयाः यात्रायासः यात्रायाः स्थान्यः यात्रायाः यात्रायाः यात्रायाः यात्रायाः यात्रायाः यात्राया यः बोदः प्रतेः हिदः वर्ष्टेवः क्षीः बाद्युः धीवा वर्षाः बोदः। बादः वर्षाः स्थितः। वादः वर्नेन्द्रमञ्जूरायादे वदालेगायाम्बर्धायायेत्। श्रीञ्जाके स्वर्थायायम्। वार्डर अति वेवा वका अर्केन स्वावार्डर अपेर अपेर खू की ब्रीन पर विने अर्वो व वे विने न्यवाः येन् प्रतः वार्के व्ययः प्रतः स्रेवायः वर्षतः क्वायः वर्षयः वर्षयः वर्षयः वर्षयः वर्षयः वर्षयः वर्षयः व বৰ্বা,পুৰাপ,পুপপ,হথ, শ্ৰপ্তপ, হৰ, শ্ৰী,পুৰুৰাপ, দুৰাপ,শ্ৰীব,ন, বৰা, নম,পুৰা, কুপ, বৰ্পপ, नवींका ने तर्भक्षकान्दर मेन वर्षा वर्षेत्र वर्षा वर्षेत्र वर्षे वर्षेत्र वर्षे वर्षेत्र वर्षे वर्षेत्र वर्षे श्रेयशन्त्रात्रन्त्रायायेत्। श्रुरत्रश्रेयश्रात्त्रात्त्रीत् श्रुरत्यश्रायेत्यात्रीत्र्राया नर्गेषा विवायवे कु वे क्षेया वर्ने न । । वकु व कि वा व्यवस्था व यीव। विषयम्बर्धर्यायारेद। दियावायहेदायाववयाहेरवतुवाहराहीह्यू पवर विर वार्डर या प्रवाद के रवया बर्या वर्ष कर है। त्या है व पवर में बिवा के प्रवार में बिवा र्भि. क्र्रा श्रेश्वा क्री विद्या विद्या विश्वा नन्द्रार्करन्त्रवाक्षार्के पाप्पे सेन्याद्रम् सेरान्ड्रीयाया हेया वाक्ष्या याक्ष्या याक्ष्या याक्ष्या याक्ष्य ५८। ५७८८ वर वेर वुषा हे चनुषा शेरुदा चनुषा कर विवासेर चनुषा श्रीया सेर चनुषा वर्ष शेश्रशः क्रुन्द्रन्ति दे द्वेन्य र न्वन्य वित्यते न्वेश्य परित्रेश्य विश्वर्षा

गर्डदः अअःश्वेदः रवः धरः चगादः वः वेशः क्रुदः धेवः ५वः दः अशः वादः विदः। यावरायतः राष्ट्रीयायाने रापाया भेषा श्री वर्षा श्री वर्षा स्तर्भे स्तर ही स्त्री स्तर स्त्री स्तर स्त्री स्तर स धेव व विर येयय की र्येय परे के वार्यर या से विर कवाया वया है या स्वाया की क्रिंयायाया बुवायायह्न स्थान् पुरेश्वरावया स्थाया स्वतः हे हि तहिवाया केवा येराव सुराय है। हेत्र तहोवा चेत्र हेरा वासुरसा वाल्त्य प्यर दुस क्रुव दु दुरस ने र वसीवा वति चेत्र क्रवःबाद्दःश्रास्त्यादःवेशःकुन्।ग्रीःश्रेवाःसूनःबुनःश्रेश्रायाश्राश्चीःहेवाश्रायःश्चीःवदःनवेशः यक्षे भूष्यप्रयाप्तर्भक्षियाक्ष्याक्ष्यप्रश्चित्रक्ष्याक्ष्यक्ष्यप्रभूत्रक्ष्याक्ष्यक्ष्याक्ष्यक्ष्यत्व चबर में प्रेव पर रेट्रा न्युर विषया हु प्राया हु या हु या है पर है विषय विषय है । गुर-कुर-विग-स्वान्य अप्येत-कवाव्यव्या होर-विगाम्यायायान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वान्य स्वा वय्याक्षेत्रः याच्यायात्रः त्वीं याद्यायः वयादः विषाः मीयायर्केन् याचन्यान्यः यर्त्रः क्रॅरः इटः श्रेरः वश्चेषायात्रयाय्ययात्। रटः क्रुट् : इटः यरः याः वटः क्रेयायाः विषायानरःकर् सेर्डिरायसायायम् । कुत्त्वार्षात्रस्य वर्षरायानारः सञ्ज्ञानाः ये दर हुँ व यदे वद्या ये वि रद दर्जे व दर्जे र विद वेद व हुँ द हु व या व व लट क्ष्याचीट के या स्ट्रिंग प्राचे हुन। कु द्वीर तर्वे या में राव सुंवा विस्रवा चार्टर रदः रे वेद् न भेद् भवे कु वार्डद वदी वद कु द्यार न वा र्शेवाश सुवा वालन वा ५ उदः न्ग्रीत्। तन्रैकें केंग्रयाययम् यते न्देश ये त्वे रावाय व राया व के मूनार्द्रास्त्रवाद्यात्रास्त्रक्षास्त्रेत्राचारायात्राद्यात्राम्यात्रास्त्राच्याः बेवायाके रुप्तायतुर्वे संकामिका वित्वाया विदायी कि निर्मान सकेमा मी हेन दे कें अर्वे अग्वर्द अर पत्वा अर्यु वार्ये या देते अर्त् द्र सर्वे द्व स्थेव अर्त् हे तद विवाः भेन् : ग्राम्यान्य स्वारा विवास के ने विवास के ने स्वार्थ : स्वार्थ : स्वार्थ : स्वार्थ : स्वार्थ : स्वार বি'অবা'বার্ক্রমের ব্রুম'দ্র মের্কর শ্বীর'গ্রী'বার্ব্রমের্ন মের 'অবা'বর্বর'ম'র্কুর শ্বীবাঝ' हे सक्रेन् यात्रव्यान्वेषा ने द्रशास्त्रवा विः वर्षायान्य वर्षायुर स्थ्रिया कवा वर्षा क्षेत्रायेत्र द्वेत्राय रेत्। ब्रियाय से से सि द्वा वीत्राय हित्र सि हेत्। सि हेत् सि हेत्। सि हेत्। ब्रामक्रेन्याम्बर्म्यान्यस्यान्त्रात्र्यात्रस्य वर्षान्यम् । ने स्रीवायम् स्रीन् विमानस्य देवै:ब्र्रेरि:कुट:यःवायदेट:कुवाःबीवःवसूदःवःवर्तेवःयःदेःक्वयःयरःदवायःबीवाःश्रेःस्टिः। यावतः दुर्यालीया व्याचीया शुवा र्श्वेया क्रुं ने ने ने या यावान यी वो मा वि से ने प्रेया देशः इन्दन्त्वा द्वा देवर देशके प्या के विदान स्था है विदान स्थ चः श्रुषः चरुषः यः सुयः वः चर्षेत् वस्रषः के चरः सर्दे देः वरः तुः सरः तुः वासुर स्रा <u>वि</u>तः यर-दुःसर-से-सुत्य-द-नर्सद्-द्वस्य-के-च। स्नुद-रस-न्विन्य-शीःसर्दे-प्यस्। यरे.योर्च्यायायक्र्यं.यंत्रायायाया । विषाम्यायायक्र्यायायक्र इस्रान्ध्रवादीया । ने प्रदेश स्था के स्था के सामित्र विद्या । मुन्ति विद्या स्था स्था स्था स्था स्था स्था स्था यरे.यर.योक्षेत्राकारत्यस्य विकायास्ट्रा यावतः र्याताः स्रोदः र्यातः मदुः तर्रः तस्रवः द्वातः साधिव। साद्वेदः द्वीवः वादः त्यदरः दृद्यः से स्कृदः विवा वहरः

वियःयन्यायःयद्वः श्रेयःयवरः वीः त्यः यस्रः।

मैशन्दरमें द्वेत्युवायार्थेवार्करत्ववायीवर दुवहवायश्वव्यव्यव्यत्यात्या विगामी कुया यें राष्ट्रीया से रायदे विष्कृता परा। यर यु रासे र स्वा मीया द्वि वें मित्राया *वि.ज.* छेन्। ज. बका चक्किल. चपुर प्रचेक. चीरा चीरा जूरी चीर की की की की हुतु. जका यावर म्यार यावी उर दीवा वीय र शुवा वदे वर दुः सर विद क्या श्वेत द्या यायत् द्विः ययो उत् तिया वेत् त्रा सूनः ययो उत् ५५ ५६ १६ १ रे या तुष्य पदे प्रमाने त्र्या नुन् सेन् ने त्यस न्यार से लिया यी तर नु प्यर ब्रिंक त्र व्यास सेन् । गर्डें के च न दें रूप के कुर न द न दें रूप के न कु प्यें न से न सुर या लेगा या सर्के न या इस्रायर द्वा से द्वा से बेरा सकेंद्र या इस्रायर छो द्वा प्रस्या द्वा स्वराय इस्रा यर-द्या-द्यांचा यावतः श्रुट-धे लिया यीचा त्याया विया वचा त्या त्या विया या व्याप्य विया या विया विया या विया व बुँब या स्रोबंद स्रो। ५५ यदी सुवाया ग्रीया दर्दी इसाया या खुदी यनु द ही या खेवाया या यर्केन् कुं विगार याणेन् व के या रुट प्रयायया हो। सूर्ने ने येयाया वर प्रया ही हैं देश'वर्शन'त्रस्थावेव'से सेन्द्रिन्द् क्रेंब रद वी प्रथम् राप्त विव र पुर्दे प्रप्त पर्द प्रदे प्रव प्रव प्रमुद र प्रकेंद स्थ क्षियान्वो तन्तु त्या अर्केन्या मुकार्को । या रामु या वा राम सुमान सम्बन्धा ने या निकार वयरान्यायाष्ट्रस्यास्यात्रान्त्रस्यान्यायम् वेष्यायास्यात्रस्यात्रस्याः वार्यदान्तेषायाः स्ट्रीतः र्त्रव्यं विया क्रि.या र क्रि. अध्यः अक्ष्रअयः ग्री. ध्रुया यः विया यः क्रिटः क्रियाः पुः स्ट । विर्वादित्र विश्वासी केंद्र साथास्रिति विराधित्र विषा हिराद्वेषा लेखा देखा ब्रिस से स्ट्रंस सम्पर्द स्टर की स्वित क्या द्वा दिवें वा देवें का देवें स्टर से दिवें सा व वे के क्रामाय का सार प्रवास कर के का प्राप्त के किया न्वीं वाले वार्त्व वार्व वार्व वार्व वार्व वार्त्व वार्व वार

बिनाः भूरः कुः भेरि। बिरिः वर्शे स्वते त्यायान्याने स्वति विक्षानि त्याने स्वति । तस्र न नेते हु ने र से द त्या ने के सु सामन ही साक तरी मसु र से द ले स में द कि म ট্রিস্কুমমান্সন্ধ্রমমান্ত্রীর্ষ্রনাক্ষান্তর্বার্থনির বিশ্বী মানাক্ষ্রীস্থ্রমান্ত্রমান্ यर-द-न्वायन्विब भेद्रा द-वे शेदि यवा या सूद से वा वे व स्तु नर्दु न से दा देविः बरः बर्याः बराबार्यः वैः बुर्याः बावारः बेर्याः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः विष्यः व लट.श.रेग्रेश.बुरा.श्रेया कूट.रेग्र्य.श्रेय.रे.केर.वरा.सेट.बु.ल.यवग.हो. चुर्केटा हैंदर्वाययायाक्याहे न्याययायायायात्वेषाहार्केटर्या हेद लेग'य'ते[,] रेंदि' ब्रु:केत्र'र्ये'लेग'५८' तथ्र। देदे' ब्रु:दे'य'र्येट'त्र य'ते 'र्रें-क्रु'यापत' श्री' क'ने'कन'त्युक्ष'स्रोन'यर'यन्नन'नुक्षा ने'स'म्बन्।'नु'ने'र्डे'ने'म्स्रक्ष'यी'न्न-'न्रक्ष'याठिन।' चुर्याने सूर् देवा देवे र्वेवा वया द्वेव विरावी से वयायाया सूर से वी ववे र्वेया वस्वा क्रूट्र-ट्रम्य क्री:श्रेश्वारा खे.क.ट्र-चन्द्र-प्रथा प्रीय : चया क्रूचा : या क्रीय : या बिया : व्या वयः प्रयायम् अर्थः हे त्र केंद्रः यः केंद्रः ये सुर्या हे त्रयः केंद्रः द्र्येदः केंद्रः कुषाः यदेः या द्रयः र्केट म्हारा के स्वार्थित हो ही राणुया दु तिवेर। वे के सार या का सुरावा दे ति हे हि । यो के स्वार्थित । यो के स बेयाञ्चया हैर न्यें हीया कर वर्षे न्येंरा र वर्ने वया येंर नवे ह्वा यया महिया भ्रम् तुंबियाची याक वया वे उँदि व्रुक्ति से विया प्रतास्त्र । देवे प्रक्रीय प्रतास्त्र । देवे प्रक्रीय प्रतास् ब्रिन्यम् जीवाकानभूरामा भूरामन्या भीता ने के निर्मान माने के कि निर्माणन यवित्रः सूर्वा वस्या वदि ११ यथा सूर वुषा हे रहेट व्हार वृषा ह्ये वुर दुर वि सेट वा सूर हुर ૹ૾ૼઽ_ૻઽૣ૽ઌૻૢૢૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼઌ૽ૻૹ૾ૢૺૺૺૹઌ૽૽ઽૹૹ૽૽૽૽ૢૹ૱ઌ૽ૢૼ૱ૹ૽૽૱ઌ૽૽ૺ૱ૺ૱ૺૺ गहिरा देते मुद्देन क्षीरा ने सेंद्रा प्राप्त सेंद्रेन हे या देश से प्राप्त सेंद्र हे या देश से प्राप्त सेंद्र वयः स्रुयः दया रे.क्ट्राची दरादया ध्रीरास्त्रा है स्तुरात्वा दया येया स्या स्वा द्वारा हे.र्यावयानस्त्रा वे.स्.ची.पियालुयानस्यायस्ययानुवातालरायर्याययास्यः यारक्षित्रीं वार्यातस्य स्वार्याः ने त्यात्र स्वार्याः वे स्वार्याः वि स्वर्याः वि यन्तिन्यविद्वत्वेषा वेर्ष्टेश्वर्यानेषान्तियाच्याव्यव्यवस्य विद्याच्याच्या वसूत्र दुषःहेषः यादेषादे त्यूर द्वारात्र वात्र व नमून यानित नु क्रिस् स् सु सून्य व ति विरामायक वर है नि केत निमाय दे हिर [यमन.मी.पञ्. सिय] वृ.कू.र्जूच.मन.यं.सी.म.म.पु.कू.हुनामन.पु.से.म.पीनायना विषाः भेरि। क्रिंब विष्या विषया चेत्राया के तुषा द्विया च्ची के किराया विषय दि । विषय विषय विषय विषय विषय विषय NX: श्रेट्। दे: कॅट: बीश: श्रेट: च: सुथ: श्रुट: दु: चत्ववा श्रेट: च: हेत्र: श्रेट: विका स्रात्रद्वाः क्रेन्याभेन्याः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्राः वात्रस्यान्यान्य स्वात्रस्य स्वात्रस्य स्वात्रस्य स्व तर्वो निर्वो यान्यस्य स्थाने स्थित। स्थित स्थान स्थानित स्थित स्थित स्थानित स्थित स्थानित स्थित स्थानित स्थित स 'युवानु खेना नममानुषा क्षेत्रामा के रावमा अर्थो त्वेत्रमा हे त्वे स्वतः यया सहेत्। न् के बुका क न का का का का का कि नरः भ्रान्यः विवाःयः व्रवाः हेः यः विवाः वः नः यरः वीः द्वुः विवाः यरः विवाः वरः यरः वीः व्रव्यः द्वुरः स्ट्रो देवे द्वियायासुमानदादे स्वेदा यायायात्वि सातुमानि सदास्य वीपायदा स्वयाधीया यर दें विषा अप्राचेर विष्टर वीषा स्वयं विषा ह्या स्ट्रिस केर वी स्वर रेन दर्शे र द्वियाय दर्शे न्यू र दिया वी स्थापना मु होना व ने या न बुर व वा या

खो:बेब:पत्मुर्याक्टें:बेब। दे:ब्रय:ब्राद:क्त्रव:खी:स्यर:व्युर:क्षे:वाहब:ब्रय:यायाय: यर दें क्रेर स्था श्राक तहस्र सूच वार त्या श्रेर त देते हे शदे द त्र श्राव क्रुवाशा र्वे विभायान्त्रान्त्रा द्यायार्वे रायदे वास्तरावी तरानु विराद स्वादार होते यन्दरत्द्वानः विक्राक्षाः विक्रान्य विद्वान्य विक्रान्य ॴढ़ॻ॓ॱॻढ़ॱॻऄॴज़ॏढ़॓**ढ़ॱॼऀॴॼॖॴऒऄॣॸॱॾ॓ॱॼॖॸॱक़ॖ**ॻॱऒॴॴॕॖॻऻॸॣॴॴऄॕ॔ॻऻॴ योशूयो.जीयाञ्चीय.ताञ्चीर.जीयायायक्षेय.ताक्षेत्राताक्षेत्रात्येत्रायाञ्चीय.तयायाः वीरात्रात्याः श्रा यर्हेट.तर.केषय.श्रीचट्य.यो वय.बुवा.यट्य.क्रिय.क्री.यर.ह्य. वर्जे.क्री.लूटी यदिश्वाद्याद्याद्यात्राच्याच्याच्याद्याच्याद्याच्याच्याद्याच्याद्याच्याद्याच्याद्याच्याच्याद्याच्याच्याद्याच्या बियायुराक्र्यायर ये व्याविषाविषायोत्र क्षेत्र पर्यम् या सेन्। विष्यायुराया विष्या मीयागात्राचनदालयायुदासुरदादयासुयात्। क्वीरागात्राचनदालयायुदावदीः स्ट्रीतः वर्चेदि:विनःलेगःरेन। ग्रथमःश्रृग्रथःश्रीन्देशःग्रितेःविनःनमःवरःवरःवरःवरःश्रःश्रृःवरः कुर्ड्याविषायाने वद्वे प्रमादाकु न्यार्थे पेन्यायारेन। वन्ते वे यार्ने त्युवायासूवाया <u> ५८.५चुल.च.२१४.४.६.चुचुल.च.४५५५</u> रेत्। देवे वर मै सेसस हैन रया मर्से वे स्ट्रेन कर देने वदेवे विरस नर सुमस यियायायात्रान्ता यहेत्। विहास्त्रान्त्र्यास्त्रम् स्रोतास्त्रीयायात्रे स्त्रीयायात्रे स्त्रीयात्रे स्त्रीयात्र विया यी प्रसुद्धिया था दर प्रसुद्धा है। याई विद्धि स्तुद्धि यी था से स्तुद्धि स्तुद्धि । विद्धा विवास कुर-र्गायर होर्पयरे रेज्दरे रेयाय उत्र लेगा धेत्। हिर्पयर रुज्य वा स्यायरे इयादिंदिरदि दे देव देवें दिया विष्यविष्य विषय । विष्यविष्य विष्य विष्य विषय । वः सर्ने स्वाया ग्रीकेया ग्री स्वीर विदुन् हेवा रेन वितुवा प्या स्वाय स्वाय विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या क्षेट पड़न भीत प्रथाने देव तर नुः क्रें त त्वों द्वी तर मी मात्र न न मक्केन केंग क्चीःमाबन्दर्वा स्रोतः बेराया स्वीवा वया । देवावा स्वारास्य स्वीवा स्वारास्य स्वीवा स्वारास्य स्वीवा स्वीवा स्व र्थेव मुन्न म्यायाय मुन्ने ने ने ने विवाद मुन्न स्तर विया सुर सूर ৽ৢঌ৽য়৾য়ৢয়৽য়ৢয়৽য়ৢৼ৽য়ঌ৽ড়৾ঌ৽ৢৼৼ৾য়ৢয়য়৽ড়৾৾ৼৢ৽য়ৼয়৽য়ৼয়৽য়৾৽য়ৢৼ৽ঢ়ঽ৽ यगायः कुःष्परः यहर्षः यो दिः क्षवः वार्षेवः युः धीवः प्परः कर्षरः यदः ईयः व्रुः कुवः कुः क्र-विदेशयाध्य स्ट्रिक्षे स्ट्रिक्षे स्ट्रिक्षे स्ट्रिक्ष स्ट्रिक्ष्य स्टर्स्स् स्ट्रिक्ष स्टर्स्स विक्रियतिः केषाव्यादेषावतुर्विवाः श्रुषाते। श्रुषाः भ्रीषावर्वाषाः केषाव्याः देशःवेशः नदः नदः विषाः क्षेष्टः नुषा ने नुषः सः क्षुः क्षुः विषः क्षेषः क्षेष्टः विषयः योवः ब्रेन:नर्गेषा युर:लेग:गेथ:केंग:विन:लु:नर्गेषा विन:कुर:यथ:केंग:यर: यान्ययायायाची नानुसार्वे विषया नानुसार्वे के किन् स्वीता स्वायायाया स्वीता स्वायायायाया स्वीता स्वायायायायायाया नवर। श्रेषः परः सः वाश्रुः गात्रः तर्षः देवा तहेषः या स्रोतः नवरः वः तः विवा लुषः व गर्डे में में श्रुं र गे केर र्र रें केंबर या रें या वेया श्रुं में दिया का या वा वा रें यहें ग पर्वः केन्द्रनुत्युरः स्वार्चन ग्राम् व्यूने विष्या प्रत्ये विष्या प्रत्ये विष्या प्रत्ये विष्या प्रत्ये केन्द्र नसूर्य। देःयः नसूर्व व्यानययः स्त्रीयः महिषागितः वरः नतिः ययः विमानर्थयः नतिः श्रूबाराचीराक्ष्री रे.र्थाश्चित्राचीराचीराचीराचीराचीराचीराचीराचीयाचेराची वडरायाधिन नविषा बेर कुनि प्रथान विषया मुस्याय देन। विषया गुर्व प्रबद्ध लया युद्ध से सुर्वे स्रिका सुद्ध विकाय देश स्रिका लेका प्रदर्श स्रिका व। दश्यावास्तरस्रोदास्त्रवास्त्रीतित्याद्येस्त्रद्यानेत्ववदायाधीव। देखवायरः

क्रीशन्दरः वाद्रस्य राज्या प्येतः क्रीतः सात्र होवा प्येतः स्रीप्रः द्याप्य स्टारी हिन्दरः क्रेंबाक्षेत्रीयां व्यवस्था (ब्राप्ट्राप्ट्राप्ट्राप्ट्राया वर्षा यो स्वयं व्यवस्था वर्षा वर्या वर्या वर्या वर्या वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा वर्षा *⋑*ॱऄॱਸ਼८ॱॿ॓य़ॱॺॱॿॖॸॱय़य़ॱढ़ॺॺऻॺॱय़ढ़ऀॱक़ॗॗ॓ॱॹॖॱय़॓ॱय़॓ॱॺऻॸॖऀॺॱॺऻॸॖऀॺॱॿॖॖऀ॔ढ़ॱक़ॗॖॱऒ॔ॸॱय़ॱय़॓ॸऻ देरःबरःश्चेरःश्चेषावायाः स्वाप्ते विद्यायरः दुःस्वापतेः श्चेषावायः विवायपात्रः ર્શ્કેર ર્સ્કેલ ક્લ શ્રીયા વસૂત યાર્ફેના યારત દ્વીત યારે ત્યારે ત્યારેને વાનિવા નેયા ત્રાસી સુધે र्वेदिः वर्डिरः द्वरुषः यदेः व्रेरुः यदेः रेवारुः ह्वेष्वरुषः सुद्धेवारुः सुद्धेवारुः सुद्धेवारुः सुद्धेवारुः सु क्षेत्रः श्चेरित्य न्याव सार्वेदिः देवायाया गाव नव स्ता यादे लया यह तदि वे स्ति क्षेत्र नदे हिया हें केन नुपार्य राया मेन केंव विक्ति हैं कि को केंव वा नाव है। केंव मुक्त या नाव है। केंव मुक्त या निवार न्द्रायाद्वाह्म्यायाक्ष्याक्ष्याक्ष्याच्याक्ष्याच्याच्याक्ष्याच्या श्रेवाधित वा वित्रायर तुर्दे त्युवायाधित। दार्थेर त्यहेँ स्रयासा वया साविवाया र्थे⁻ब्रॅं-ब्र्-ब्रेन्-ब्र-वेदिः ब्रदः नुः लुवायः सुः चङ्गाः नवीयः चयय। देरः यः बनः र्योद्रा केत्र अहेर्द्र मतुत्र द्यी तृद्र त्र या यत्र द्या अहेर्द्र ह्ये ह्ये द्र प्र स्तु स्तु स्तु स्तु स्तु र्वेत कुं लेग हो ८ १ दर्गे या प्रयाप विदाणेता अर्देर प्रसुया दागुदा प्रवाद विदास्त्र বে নি মী ক্র ক্রেনে র্মি ক্রনে মেম গুরু ক্রিবা স্থ্রা ক্রমা খ্রিমার মা স্থ্রা বামা শ্রান মান মান মি ने वा नक्षेत्र त्र का के का द्वा निवा क्षेत्र प्र निवा क्षेत्र विन्यासुर्यार्चियान्वीस्याः श्चीरायम् द्रात्रीरायन्त्रीत्रात्रेत्रास्त्रीत्रात्रेत्रास्त्रीत्राची यसूत्रायान्त्राः यदः यः कः भेद। ५ यः यः वेदः यः इसयः क्षेः स्वायः दसः दवेद्यः यदः हस्य यो द्वीः सम्बद्धाः स्वायायाः केत्रार्थे द्वार्याः केत्रार्थे द्वार्याः स्वायाः स्वयाः स्वयः तयरमासराक्षेत्रावर्ष्येत्रावर्षेत्रावर्षेत्रावर्षेत्राच्यावर्षेत्रेत्रच्यावर्षेत्रच्यावर्षेत्रच्यावर्येत्रच्यावर्येत्रच्यावर्येत्रच्यावर्येत्रच्यावर्येत्रच्यावर्येत्रच्यावर्येत्रच्यावर्येत्रच्यावर्येत्रच्यावर्येत्रच्यावर्येत्रच्यावर्येत्रच्यावर्येत्रच्यावरच्यावर्येत्रच्यावरच्यावर्येत्रच्यावरच्याच्यावरच्यावरच्यावर्येत्रच्यावरच्यावरच्यावरच्यावरच्यावरच्यावरच्याच्यावरच्यावरच्यावरच्यावरच्यावरच्यावरच्यावरच्यावरच्यावरच्यावरच्याचयः

र्षेर्यायरकेवर्युरर्वेवर्षेर्युर्वेतर्भिर्वे सेर् यार्च्या तर्देव क्या था भेदा वर्चे ते दर्चे ते दर्चे ते तर्देव तर्दे त्या वर्देव तर्दे त्या वर्षे वर्षे वर्षे व न्वीर्यामित्रामित्राच्या प्रहिम्यास्त्रीत् स्वेत् त्ययातेन् वेत्र श्वेत्र स्वेत् स्वेत्र स्वेत्र स्वेत् स्वेत् विषा रेत्। वर्त्र स्वाप्तरंगुद्राय वरावया युराने वे वर्षोया या प्राक्तिया वे वर्षे स्वापे वे वर्षे स्वापे वे व गीय-पनर-धि.शदु.थता.जीर-यर-धी.क्रूग-श्री-१ व्यक्ष-पर्-धि्ज-र्था वःकेंग यर्ने मृत्राया की केया याद लुया काद केया स्नाद वित्राय को स्वाद के स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स भूत्रक्यः पदः याची व देव के लेवा चे राष्ट्रीव प्येत् वे यादगावा वी भू के के लेवा चे राष्ट्रीव प्येत के यादगावा वि योष्ट्राचा स्थान्त्र भेवाः सून्दर केंग्रः सून् कुरवावाः सून्यो विवायमः नुषाने स्वरः विवायमा सूनः क्रेंवर्या योदाया त्रवाया क्रेंविर योदि त्या स्वाया प्रदेश स्विर स्वेद स चल्रेन मिनायाया देव। सिनायायया सम्दर्भ स्थाययो व्यापना सिर्द्धियः **यदः त्रमृतः व्रेतः यदः विका** विकाया श्रीहरू हो। यदे । यदे क्रुयं तेर् द्रम्या सेर् भी लया सहया सर्हेर् पते हुँ त श्रीया क्रुया न सर्हेर् पा देते हैं। व। ने निलेब मिलेबायायाने देश सुम्रायान स्थियाय विवास मिलेबाया सम्मर्था यर्सेष। यर्भः तत्रः सैवः श्रीयः श्रीया विषया । त्राप्तः विषया । यस्त्राप्तः विषया । यस्त्राप्तः विषया । यस्त्र য়ৣ৾ঀ৴ঌ৾ৼড়ৄঀ৾য়৻ঀয়য়৾য়৻ঢ়৻য়য়য়৻য়য়৻য়য়৻য়য়য়য়৽ঽঀ৾য়ৣঢ়ৢ৾ঀ৻ঀ৾৾ঀ৾য় कुनः सर्केन हु स्रोधाया केन्य होत् क्षेत्र स्रोधाया होत् क्षेत्र स्रोधाया होत् क्षेत्र स्रोधाया होत् स्रोधाय होत् स्रोधाया होत् स्रोधाय होत् स्रोधाय होत् स् विंदः द्युवः यदेः द्वदः यदिः ङ्काः दुः अः हुः गः हुः श्वरः द्वराः व्यद्धिः । अप्तः देवाः ग्रादः वद्यवाः यः

द्रियायते नुषाया यो से विया मु विरायस्याय ने तर्न विया ता विन सरसा क्राया सक्ता ने:न्दःनेरःलेशःचुःवरःश्रदशःक्वशःधरःत्युरःरेलेशःन्तुषाःन्वुदःत्युदःवसूत्रःर्वेवःधरः र्वेचा डेचा डेचा चेचा च्या विकास की वि विर्वेषायर भेव विश्वाम्य विश्वाम विश क्कुरा ग्री के रा स्रें द परा ना सुर साया दे जिसाया से द से दि। ना से ना द जा साया से दे पी । मेदे:ब्रु:कैम:र्डं अ:ब्रीअ:बव:र्सेदे:र्देद:सबर:ब्रीद:य:देम:सकेंद्र:से:ब्रुव:य:द्रदः। गहेराद र्शिक्षे द्वीरायदे क्वें सेगा मी दर र कु के नदे नहें र चुदे रें द वन से से सेर न न्दः भ्रीत्र न्या ने नुषा सर्वे व भी विद्या स्थानि । स्था हेन न्या कुळे या यर ध्रीव नुवा वीया यसूया यदी केंया वेंया यर या वन नेंव विंदा नु कुन्ने रम्मुन्याञ्चीत्रायाञ्चीत्। याञ्चीत्यायाञ्चीत्याने यात्यायाञ्चीत्याचीया ह्रिवायावयाणेव मृत्र क्रुकेव से विवास स्विवा क्षेवा क्षेया वायुरया ५ सूत्रे स्नूत्रया वयाग्राट केंया द्वराया केवाया स्टाक्कुट या देवा द्वरा होया स्याप्त स्टा र्केर मूजायायार विराध मार देवरे या अथार कुरा हुन मार अकूचा थे की मार अरा भै में निष्ययम् हे सुर भे रुटा नर्से द त्व्युम क्रीम से सामाना निष्य है । वर्से द त्व्युम क्रीम से सामाना स्वापन क्षा है । व क्या व दे व या प्रहे कि व या स्रोति विकालिया प्रति या का स्राह्म प्रति या व या व व क्रॅब्रायाक्कियाचे क्रिंट्यायदे क्रिंब्राबेश्वाचा क्रेंच्याचा क्रिंब्राचा क्रेंब्राचा क्रेंब्रेंच्या क्रेंब्रेंच्राचा क्रेंब्रेंच्राच क्रेंब्रेंच्या क्रेंब्रेंच्राच क्रेंब्रेंच्या क्रेंच्रेंच्या क्रेंव्रेंच्रेंच्या क्रेंब्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्रेंच्या क्रेंच्रेंच्रेंच्या क्रेंच्रेंच्या क्रेंच्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्रेच्या क्रेंच्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्रेंच्या क्रेंच्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्रेच्या क्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्या क्रेंच्रेच

च्याचे यक्त्री खेर स्वायायायायायाय स्वायायायाय स्वयायस्य स्वयायस्य स्वयायस्य स्वयायस्य स्वयायस्य स्वयायस्य स्व चयाचे सर्क्रमा खेराया कुया से स्कर्म चुन सम्बन्धा यरः यविषायाः ने द्वा की वदः वषः व्रयः व्रायकेका खेदः वदिः यविषार्थे स्थ्रयः वषा क्वायाची प्रमानिक विकास के त्या के प्रमानिक के मानिक के प्रमानिक क व्यक्षः सुद्धित्रः यः रेत्। तुः स्रेतिः यक्षयः यरः तद्दैः यक्षः स्यावक्ष। यावाः हेः स्टरः हेदॱययःयावयःविषाः पेदः दःदेवे व्रियः व्यवसः सुः वर्षे 'पे 'दे स्वेदः से 'वर्षे 'स्नुयः दय। दे.क्षेत्रःश्चेश्वात्रश्चात्राच्चात्रक्ष्याःश्चेदःश्वाद्यात्रात्रा र.क्षेत्रंयेषुःश्वावश्वात्रात्राः षटः श्रें अर्गु वरः वर्गु गार्थे । दः वर्भः लेगाः थः अर्गोः लेगाः श्लेरः सुवः यः द्वाः दर्गे वर्षः । नम्भारमुःनम्भारमुः निरुष्यान्यून्। ने नम्भान्याने सकेन् स्रोन् स्रोभासी स्रोन् स ब्रेवात्र्यूताब्रीमत्। ग्रीटाब्रिमग्रीअवयःवार्य्यस्यान्यस्यान्यस्यावात्रस्यावात्रस्यावात्रस्यावात्रस्यावात्रस् विटार्बेट रेजिया वी से सेंट सेंट स्थास पायां केंद्र की सार ह्या है साथ साम्रह्म स्थाया चत्रुषाने मोत्रायालेषा सेना चना प्रयान षाणा यो साम्रीषा न्या विनाये सम्मीषा यात्री वर-री-पथ्यावर्षात्रयात्र्यात्रयात्र्यात्रयाः वर्षात्रवराद्यात्रीया वर्षात्रयाः यर्झेन् ने र्फे स्वर्भे चेराय लिया। य नेन्न र पुरा पुरा देश प्राचित्र चेरा सेन्य प्राचित्र चेरा सेन्य प्राचित्र सेन्य स्वर्भ सेन्य स ग्रीयाक्कियार्याया द्वाया दायाङ्गीयाद्वायात्रीयात्रीया विषाणित्। दाययासूयायदार्यया यर्केन् यात्रयाय्यायाय्येतालेयाल्या स्रोतः यायाय्यम् द्वेतायायाद्वे प्रतिक्या वीं या प्रदेशीय है। विक्र हो ते प्रदेश रही राजी स्वार प्रदेश या या राजी स्वार है। वे या

न्वीया द्वारायानम् ग्राम्याया स्वाराया स्वाराया स्वाराया स्वाराया स्वाराया स्वाराया स्वाराया स्वाराया स्वाराया श्रदा श्रीक्र अभाग्यक्ता श्रीन या भाग्यत्य साम्यास सम्मान श्रीन श्री सी न स्मिन यन्देश्वत्राक्षेत्राच्येन्द्रमञ्जूभाष्ट्रेत्रमञ्जूभा नेव्याभीत्रमञ्जूभान्त्रमुखार्थः ८८ श्रेषार्श्वे स्रित्रां राज्येता हो १ द्वारा वा विद्ये स्रित्व विद्या हते क हो द उद दे की कर अदे वे दि दु हो नक्किय हो नवम दे दे दे शक्किय है दे स्वर्ध है । थे हैं वा तहें वा रक दुष सुव रों बा कुया रेंदि सवीं वा हो हैं वा पत्वा है। हैं वा दु प्रस्ता पति ॐॱॺॗॱॿॖॆॱ=ॆॸॱॸॺॊ॔ॺॱय़ॱॸ॓ॸॱऄ॔ॸऻ ॐॱॺॗॱॿॗॆॱॾॸॺॊ॔ॺॱय़ॱॸ॓ॸॱऄ॔ॸऻ ॱॐॱॺॗॱॿॏॱॸॸॿॕॎॺॱय़ॱॸ॓ॸऒ॔ॸऻ र्देव उव वट र्देव से येवाय य विवा स्थूय यथा से स्टूट सम वियायवाद वुरा है। नर्भेश्चान्त्र्याः क्षेत्रकाः न्या । विषाः व्याः अस्त्राः स्त्रीतः स्त्रीत् । स्त्रीत् য়ঽ৽য়ৢয়৾য়য়য়য়য়য়ৣ৽য়ৣয়৽৻য়য়য়য়৸ঽৼয়ৣ৽ र्श्वेतरायायर्डेरास्रे रेप्पर बेर क्रुं यो रायर वुरा देते यर्क्यराद्या स्वित्यर विष्य वयायाययायते द्वयान् द्वेन् न्द्रा स्वरायते द्वेन्य यादी याद्वया स्वरायाय स्वरायाय स्वरायाय स्वरायाय स्वरायाय स लट अक्ट्रिया श्रीन श्रीका श्रीका है। यद श्रीचान सेंब आविका साक्षेत्र से प्रीव सका सुन क्रेया जायम् वाराम् क्वा कुर्रे रेप केंब्र क्वा वीषा क्वा कुर्य कुर्य द्वा या या या या या या या वारा के वारा के वारा वेंद्रा देवमाक्कितार्यद्वारामान्याने स्त्रीय निर्माति होता स्त्रीय स्त शहरा वि.चर्षेय.तथा यर.य.चर्षश्रात्रापु.चर्.चर.चर्षुय्रात्रापु.च्रें.यार्थेयाराष्ट्र. ल.श्रम.म्बेश.चर.पर्जेश.क्ष्म.ख्या.क्षर.श.वेश शर.झे.पिट.झे.पिट.र्ट.ह्य.र्टेश.

यान्ने बेरान सेन्यायान्यात्र सेन्याया स्टान्से हो ने त्रया कुया चेते स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया स्वया बे: यर्केवा: योन: ग्रीका: यर्वो: क्रेनेंस्य प्रकार के प्रकी क्रिकेट प्रकी स्थार क्रिकेट प्रकार क्रिकेट क् व्यावे सर्क्या खेद यथा स्वया विवा होद द्वीय सुमावया ह्यू वे चि त्या यद हि दे या র্ন্ন র্ল্রাম শ্রীস্থ অ শ্বীস্থান র্ন্তুল শ্রেস র্ন্ন র্ম প্রিলালাচর রম্ম মীস্থাম স্তি আম মে প্রিম। ने या व्ययमान्त्रवर्षा स्ट्रेन यम स्ट्रास्ट्रास्ट्रास्य स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास विवानी वरानु पववा वया भ्रास्त्र से निव्यास्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स्थान्य स प्युन देर निश्चन्य ग्राट तद्य्य प्रुं के प्यार या भ्रेता के कुरा पेंदि स्थय से स्था क्या से बेर पर्दे वार्षेवा से लिवा से त्या न्या न्या रस स्मारी स्वा सुति क्षेत्र स्वा से। ने या वया ब्रिनेट वर्ग की नुवर्ग सुर्सु यह वर्ग मुस्ट यहीं व सुवर की वर्ग की वर्ष निर्माणिया है। यह निर्माणिया डेबाद्रैबावीय यायाने विवादरें बाया तरें दिखा वाया विवाद विवा विवर्ष न्वर्यास्त्रं स्वरं स्वरं सुर्मे क्वरं मित्रं स्वरं स् नर्देशः मुनः के तर्देन के शहेश। विष्ट्रमः मीश्रात्र देशे विष्ट्रमे विष्टे । यह में स्वर्थाः वेयाग्रम् हेवाःश्चेत्रः क्रयारेदायययात्रयाययायायवेदा ययायायवेदायेदाद्या गर्भेग र्रोब (व व र में) व र च वर्षे निर्वास के विषय है वे में वे में व त्रा के विषय है के में व व व व व व व व न्व्रह्मा उदाया अर्थे व स्थान् प्रति स्थान् प्रति स्थान् व स्थाने बेंबान्याक्षेत्रयाद्रायान्यात्रयाद्रायात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्यात्र्या ૡૺૹૻૻ૱ૹૹૻ૽૱૱ૹઽૹ૽૽ૢ૽૾ૹ૾ૢૺ૱૽૽ૼૹ૽૽૱ૹૺ૱૱ઌ૽૽ૢ૾ૹ૽૽ૡ૽૱ઌ૽૽ૺૡૢ૽ઌૼૡ૽ૺઌૢ૽૽૽ૢ૿૱ૹૢૻ૱૽ૺ ৾র্র[৽]র্ত্রকাস্ত্রীস্থেদ নার্ধ্রবাকামীন দ্বিকান্তর ক্রান্তর ক্রান ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্তর ক্রান্ত ক্রান্তর मक्यां मुर्यायमा क्याया विवा है स्था मुर्या मुर्या

यानुदानाम्ययाउदायादेवीयानुदानानुदान्त्रीयानुदानान्त्रीयानुदानान्त्रीयानुदानान्त्रीयानुदानान्त्रीयानुदानान्त्री कुर वासुरा सहित्। देवे स्मानसाया यह मित्र वा सेवि विवास रामवि सक्ता दे वह वा हेत् श्ची विश्वरास्य श्वाचाया सेट । दे तया स्वियाया केत्र ये दिया वालत श्ची दे या वासूया त.क्षा.क्षेत्र.जीय.लूट्या.क्र्यात्र.क्षेत्र.क्षेत्र.चेत्र.उच्ची लुध.य.लट.क्षेत्र.चायात्र. केव भे निर्मात केवा नु निरम् कर सार पे निर्मा पे व स्था ने व मानव व स्था निर्मा वीयाक्क्यायेराहेवा व्यवा डेवा न्यर बयायहे हु हेब डेवा सुर चलवा यारेर। देवया गुर्वायम्बारायदे केदाद्वा कुलायायायायाय दिवा धिरायरास्त्रवा स्वा दिवा ही सामि कु:भी:बर:बी:यर् केंग्या ।यर् रःवर:ब्रेन् यदे:क्रुं दी:बारः। । बिर्वादी:व्यदे:क्रिंगः म्पर्याम्बर्भ्यः विविधाना स्त्रीत्रः क्षेत्रा स्त्रीया है त्रित्र निविधाना स्त्रीय स्त कर तर्कुर अद्याविकाता सूर्याका नाम विकास मान्य विकास मान्य विकास व ल्रेन्द्रम् न्यातः क्रेष्ट्रम् स्ट्रियः द्वेषः द्वेषः च्यायः च्यायः च्यायः च्यायः व्यायः वयः व्यायः शर.तृश.लथ.परं.शुथ.शर.तृ.धुयो.पश्चैयश.प्रेर.श्चैज.तृषु.र्घेयोश.ज.यय.तपु.लथ. विवा सुरा ग्रामः सामित्रा । स्मिन्या विवा त्या मिह्ना हिता हित्या करा वर्षेटा यदि करा विर लिया यी वर दु विश्वन पेरिया राज्य कर हैं चित की किर सामा देते हैं से स्वार । सङ्गे में त्रवा र्युद्ध विया क्रीश श्रीयाचा सर सायर रायद क्री वी याता में यीराया यद्भते वर र तुः तुम्राय हे स्त्रूर स्त्रेते पस्तर स्त्रीय स्तर स्त्रूपय स्त्रुप हे या तुम से त्या स्त्री चुरन्दुन्त्रवार्श्वरायक्केष्वानुस्रानेच्द्राचात्रदात्रवात्रवाष्ट्रवात्वेष् वरत्देर्ने ने दर्वयत्रस्य वर्षे स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्थः स्वर्थः स्वर्यः स्वर्य

बुग्राक्षं हें साबुग्र । । तसुरायर तर्दे दायदर रायदे हु। । बेश में दायी हुया वंदिः विविश्वामा स्रोतः स्रोत्से हेन्द्रः विविश्वामा स्रोतः देव्याकर वर्केर यालेग व्यन्यदेया देवादा व्यवस्था सम्प्रात्ते प्राप्त स्थाने व्यापा स्थित देवा बोरायवयावीरायहै मुंबीवयावर्गेरयाने रेंचातिवानु हुन्ययावया है विर्वागा क्षेत्रामा विक्राने क्रिया सेति स्नायन्त्र स्वायन्त्र स्वायन्य स्वयासा बेरावादि रेनादनुषा दि सुराषेया केरावर्दे सामा श्रुरा ने या प्रता प्रता हैया विष्य स्थापन स्यापन स्थापन स्यापन स्थापन स धेव:यर:वेव:ब्रे:खर:वर्ड:डेवा:ब्रुव:तुव:५:५८:५८:पव८:य:ब्रुव। देवव:कर: तर्केट् अति।वट या ब्रम्भ उद्गान विवाया द्या विवाय वे या व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्यापत रवर्षा ग्री वे क्रिया पेर्पा पेर्पा के क्रिकेट के प्रत्ये क्रिया विषय क्रिया पर्वा क्रिया विषय क्रिया क्रया क्रिया क्रय क्रिया क् र्ट्याम्यानः ने तर् र्वेन। यर मानवर रेवेन स्थान यायव में स्व विवा क्षेत्र या यायव में स्वाया क्षेत्र में त्या के राये या विवा येन्। नेषामष्यायरावे केताये विषायेन योन्यायनेष के या स्थानिक विषाये न्द्रे वेश्वर्या लेवा प्रकेशन्वेशन्वे रूपि का हे वेश्वर्या याया वर्षे द रव्यु शायु श देरक्वियारी इस सूर्या लेका संविद्या स्थित स्थानका साविवा हुन् स्थानका साविवा हुन् स्थानका साविवा हुन् सुर ब्रैंद तदी यातव्यात् लेग ब्रेंद प्रेंद रेश रेद केश विद ब्रेंद स्राया येलिया य सूत्र यविष्युं में या दे ने विष्य दे ने या विष्य दे हैं स्वर्श्विषा या वा विषय हैं से विषय विषय हैं से विषय न्ययःन्वुत्रायःवार्ययः वार्षयः वार्ष्ठवा द्वात्त्रान्त्रात्र्यः वर्षुः वर्षुव्यः ययः वर्षाः वन्तु वर्षे स्वाययः तपुर्वर मुख्या है क्या किया मुख्य मु

वच्यान् विर्म्भ्या क्याचे इस्त्रम् व्याचे विष्म् য়য়য়৻ঽ৴৻য়ৢয়৻য়ঀৢয়৻ৼ৾ঀৢ৻য়৻ৼ৾৴৻য়৻ড়য়৻ঀ৾য়য়য়৻য়৻য়য়ৢয়য়৻য়৻য়য়ৢয়ড়৾৻ড়৾৴৻ ग्रॅंशन्दर्युवर्यरर्यर्रेद्रग्रीश्चिश्चर्याकर्षेत्र यहेव्राधित्रात्यायाम् इत्वादर श्र्यायरयाः क्रियाः वृत्तरः पर्वयः श्रुव : द्र्यायदेः श्रूपय्याः श्रृव : प्रयाद्वे : श्रूपः स्याद्वे यः <u> २८.क्रिय.ता.चर्णा.कर्.क्रीम.क्रिय.क्षेट.जूटम.२८.ट्रे.ट्रक्.</u>ष्ट्रम.व्यक्तिम.व्यक्तिम.व्यक्तिम. व.र्-र्-प्रावमात्राक्ष्यः मुद्धियः वेदः भ्राः क्षेत्रः त्राः क्षेत्रः कष्णे क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः कष्णे क्षेत्रः क्षेत्रः कष्णे कष्णे क्षेत्रः कष्णे क्षेत्रः कष्णे कष्णे कष्णे कष्णे क्षेत्रः कष्णे क हे तर्ज्ञा ज्ञान पुरा जीवन प्रया हिन् या सुत्य सुत्य सेन् प्रया है सूर तर्जे न प्रीत विषा इैअयम् देशम्बर्धस्ययावित्रस्यः वित्रस्य वित्रस्य वित्रस्य वित्रस्य वित्रस्य वित्रस्य वित्रस्य वित्रस्य वित्रस् हेर्वायातुयायदेः नेया रवा दवः स्वाया स्वाया सुत्र सुत्या दासुत्र । दासुत्र विकास स्वाया स्वाया स्वाया स्वाया स इस्रयाश्चित्राद्धर वर् सुवायानिया देया वस्र वास्तर या द्या देते द्वा दिस्त स्वर्ग है स तस्या व्यास्रे वस्य उत्राह्म द्वारा विकास्य विकास चक्रमायाञ्चातस्य । वि.व.व वास्यायायः सुःसुत्यस्य स्वात्रीयः स्वीत्रास्य स्वात्रेयः स्वीत्रास्य स्वात्रेयः स्वी यायावयायायावस्त्रेव लिटासूचायदे सुर्यायाये विषया वात्रावाय विषय स्वाप्ताय स्वाप्ताय स्वाप्ताय स्वाप्ताय स्वाप्त य.जर.इ.जॅ.चॅ.लुर्य.क्यर.शिवरातर.पर्केर.धेव। शवरात्रयायञ्चेराय.धेशरा हेवायायार सुन्ताया देया व र्रमायार रेया या सामाया स्थाप स लट वर्षालट दें भेषे खुट क्र्यात पश्चा वर्षा वर्षा क्रींया वार्षी र विषय वर्षा पी क्रिया की लूट त्युवाबादे त्वर् रहेत्। देवादार्क्याया स्वाधिवाद्या द्वीया पारेदाया गर्नेवायारयाउदावीयायायारेदासूयावयासूदायुगायदगानिदायस्यायदेखोदीदा शेर्दर दे । श्रुव रुषा विषय दर सम्बद्धिय देव । । श्रुव श्रुव द्विय विषय सम्बद्धिय समित्र सम्बद्धिय समित्र समित् **ঐনা ব্রিব:গ্রীমানস্ক্রনমারমাইমানর্ব:র্বিল বি**ইমালাম্ব্রমোদ্রী

यदःतयम्बाराः अर्केनाः क्षेदः हेतेः अदतः वद्याः श्रुवः रशः मृत्रेवाराः अर्वोदः दृदः। श्रभः वायर नितः सहितः सही क्षेत्रः हितः सः ही स्यरमः ही सार्वरः निया से निया से निया से निया है বিষার শ্রী: ক্রীনার্যার বিবেষা বার্তু বৃশ্বিষা নারা প্রিষা শ্রীর শ য়ৢ৶৻ঀয়ৢঀ৶৻ঀ৻ৼ৻ড়ঀ৶৻ঽঀ৾৾৻ঢ়ৢ৻ঀৡ৾৻ঀ৶৻ঀয়ৢ৶৻ঀ৻ঀৢ৾৾ঀ৻ঀৢ৾ৼৢ৾ঀ৻ৠৢঀঀৢ৻৻ঀৼ৻ঀ৾ঀ৾ঀ৻ क्रमाक्रमामास्य स्थापारेत्। विदायस्य मने माक्रमामास्य स्थान्य विदायस्य मन्त्र द्याः वी: यद्याः क्रुयः न्द्रः चुदः खुदाः यो स्ययः द्वाः स्यः स्यः सहयः हेः क्रियः विदाय सः क्र्येदः ययायदेवयायाचे। **१५ रेपत्वि रुधिग्यायञ्ज्यी । यरमाक्रुयाद्यरायेयया** न्यमा अन्या विन्न्यमा अन्य सर्वेन्यन्य विन्ने रावस् क्षेत्र वि यदे कें। १२ द्वा गुद्ध व्य चक्केद चगुर बैद । व्रिक्ष ग्री चर्दु र क्वे विच पर यः बोदः ग्रामा स्टारेदे प्रमास्मारा ग्रीमे विषया प्राप्ति द्वारा प्रमुदः हे हे दारे प्रमेत हैं। यासुरस्य वित्राचानुस्य प्राप्त वित्राचानुस्य वित्राचनुस्य वित्याचनुस्य वित्राचनुस्य वित्राचनुस्य वित्राचनुस्य वित्राचनुस्य वित् ष्यःश्रेचयःर्टरःश्रेचयःश्रंश्चेवयःपश्चेतःविश्वयःर्यःविश्वयःद्वःश्चेवः याश्रयान्दरावरुयाया वेदाद्यवास्त्रेदायास्त्रेद्वायास्त्रेत्यास्त्रेत्रेद्वा वेदावस्त्रयाः यदे या उत्राचित के के कि स्मित्त के के का स्टानित के का नेयाग्रीकेंग्याक्त्रवयाकेन हेंग्यायविष्ठियन् सकेंन्यविष्ठ्वेन क्रुसकेंन्य पुर्श्वेयाने स्याक्चित्रान्दः विदासेस्याने न्यात्यास्यकेन्यान्दः चस्नेत्राचगुरः विन्यान्दः। देः दवाःवीः अनुतः त्रवः सूरः व्रवः यदकाः अः व्रवः यदेः क्रेवः क्रीः वनुनः क्षेः दयवाः हुः ये। वर्षः व यर विवा केवा केवा ब्रह्म कार्यो | **हा व खुवा हैवा वाय वेदाय क्षेत्र । । वादेद** न्वादिःबैर-न्दन्ययःस्व बैदः। ।ययः स्यार्स्वायन्दःस्वार्ये स्यानि ।सूर्तेः नेन्नाइस्रम्भुत्वी । भ्रीन्र्सुन्देव विदुर्नेव विद्याप्त ग्रुपा । इस्रसूर वा श्र्वाशःश्रदशःक्रिशःय। ।५०८:५८:व्रीतःस्त्रनशःश्र्र्यायःलुश्र। ।यद्वे५:य:५: ययः यर्केन् मुख्यत्या । नुर्वेन् र्वे यन् रित्ता । नुराद्या स्यायः येन् यरः श्चेन पर्मेन विभागस्य है। यदे य उद श्ची हिर विस्था या श्चे या है। क्कार्दर्द्द्रम्यम् सेर्यदे ल्या सहया चार्ट्य सक्सार् सर्वेट यस स्टेंब केर् सी चर्त्रम अर्बेट.य.लुबे.त्रमा अर्थेट.तुच्युच.त्रपु.विट.मुम्मा.या.बुट.विम्ममायकु.धेया.बुट. <u> अरशः क्रीशः वर्षः अहलः वेशः तषुः हैं. यसैजः भरषः यः तुषः तथः हैं. यसैजः वृयोशः भरेः </u> ग्रीमा न्यार्थिवामास्य स्वराप्तराप्तराज्ञे विस्ताममा स्वर्थिवामान्ययान्यः र्जिय.तपु.धुर.चित्रामा चिर.हुचित्राज्ञान्य.रच.हूचित्रातपु.धुर.चित्रामा रेचीया. धुँग्रायः भूगः ये नर्गोत् प्रदेलेट विरायस्य दे द्राया वीट द्रायम् प्रायदे प्रस्त । ૹ૽ૢ૽ૡૢૺઽ_ૺૡૹૹઌઌ૽૾ૢ૾ૹૡૹઽૡૢૼઌૹ૽ૢ૽ૠૄ૽૽ૣૼઙૢ૽ૺ૽ૣૼૡ૾ૺઽ૱૽ૢૺઌૹૺઽૹૢઽૺૺ૾૾૾ૡૢૹૼૹ૽૽ૢઌ यस्र अपितः र्सुयान् रायसूत्र व्यास्य स्त्रीतिः रेशायान् रास्त्रुयः हे स्त्रे हे विरायस्य ने से रासे रासे वया वराष्ट्रीयायायदेव न्यादे बेट विस्रयाद नविषयायायदे यटया क्रीया से निर्मेट त.र्टर.। कुँ.बुँचोम्रार्टनजार्टर.र्जिय.तपु.बुट्रियम्रम्य.य-वर्धेचोम्रातपु.म्रह्मा क्रिया द्भवःक्रवः तद्भुदः स्थ्व। चुदः सुँवायः ययः स्वायः यदः त्विदः विराययः वः चतुवायः यदेः यरयाक्चियादेवाये न्त्र्याक्षेत्राया विष्याक्षेत्रायाच्या । विष्याक्षेत्रायाच्या विषयाच्या । विषयाच्या विषयाच्या त्रुव.त.चोलट.र्जेचोल.पेट.च.रेट.चोलट.चपु.रेचट.रेट.चोरेलल.जच.विटे.तर.क्षे.लट. चें 'बुक' हे। हे 'देव'चें 'केका थे 'बेक' क्कु' सर्कें 'बेसक' उद कु' सर्केंदे हुर। क्रिजायाक्की अञ्चुतु र्येटार्ये स्वीकाय हुरा विश्वाराक्की अञ्चुत्वपूर्याया

यर्कुन्यम् द्रायेन्यानुम् कुवायोययान्यवात्रात्र्वात्र्यवाययान्यवात्रात्र्यवाययान्यवात्र्यवाययान्यवात्र्यवायया शुः तर्शे प्रते सके दे प्राप्त स्वास्त्र स्वास <u> इ</u>यायात्रास्त्रेययासुःसूरायरायदेःयास्त्रदाश्चीःबिरायस्यादेःहेदाद्या तुःस्त्रीयादेरा थार्शेर देश द्वीर वृत्त पासूर या प्रेत पर प्राप्त केंग्रिय प्राप्त प्राप्त केंग्रिय प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्र प् शुः स्रेत्र अभि स्रोतः यर स्विता केवा केवा ना सुर्वा यर यर देता हुँ र यर स्रोत यर स्वीत यर स्वीत यर स्वीत यर स च.उ.क्र. ब.जा.चयु.च.अंट.ट्ट.वे.वेट.वक्र.वर्ये.वर्ये.चट.क्षेत्र.तर.क्षेत्र.तर.क्षेत्र.चर.कष् वतः कुन् वायव यदे केन् नुष्ठि सूर सर्ने न्दः क्षुर हे वास्ट्रा वर सूर न्दः वासर यः भूरः नुः त्र्योवा वः सुँगवा न्दरः नुषाः ग्रीः अद्यतः नृतुषाः सूः सुँ। क्रुः क्रनः सुँगवा यः सुः सूरः ना या ग्री:ब्रेन् त्ये:ब्री:नार्यायान्द्रयाग्री:इसायर:ब्रूट:च:ब्रीनाध्येदायम् वर्दे:वार्युन्ययः क्षित्र प्रकारी सिवास्त्र प्रकार स्थान सिवास्त्र प्रकार सिवास्त्र स्थान सिवास्त्र सिवास्त सिवास्त्र सिवास्त सिवास्त्र सिवास्त्र सिवास्त्र सिवास्त्र सिवास्त्र सिवास्त्र सिवास मुन्यम्म। । यहत्य बिर अर्केन् यामु अर्केष अर्केन्। । न्यर न्र वान्ययर या विषा विष्यायास्ट्रियाते। दीतायात्रीत्रुवारस्यायात्रीयायात्रीतिरावस्यात्रुवारस्या य्राच्चित्राराण्चित्रः श्रीत्रः श्रीत्रः यञ्चत्रयः यदिः यत्रत्रः तद्येत्यः यदिः त्रव्यतः विवाः सेद्रा येः त्यायत्यारीयाः ज्यालेषायदे शस्त्रदायदी स्वराष्ट्री स्वराष्ट्री से स्वराधित । ५ सू ८ के अहल प्रति स्थिति वा की में में में मुंदिर परि है प्रति स्था के वा स्थापन प्रति ।

युवान्त्र्यः क्रुः वारः वयः वालवान् वरः र्सुवायः योवः क्रुः रेन। ने वलेवः नुः स्ववानः रें <u> इ</u>दि:बिर:विस्रया:सुर:यो:उत्। वर्षासर्वेज:र्पय:क्की:रे:वें:पर:स:वेंर:ग्री:बिर: विराधारित से स्वापित स्वीति स्वापित स्वीति स्वीति स्वापित स्वीति स्वापित स्वीति स्वापित स्वापि श्रीपु:बुट.विश्वराष्ट्री:व.सेवो.वश्ची:वश्चात्रश्चात्त्रीयाःजशायर्थाःवर्थाःवर्थाःवर्थाःवर्थाःवर्षाःवर्षाः इस्रयास्य तस्रवायायास्युवरायान्याच्याया हे.पर्श्वरायस्वायायास्युविरासा याबर यन्वा सुवा व हे है। क्षेत्र न्येव यन स्वाद्ध र वाव व र ने न्या की ह्यू व र र लट.र्झेज.वु.च.सेब.चक्चे.रेट.चश्याता टु.जय.शट.च.घशय.१२८.शह्ज.धुट. अर्केन्याञ्च र्केन्यायायाः विदायवदायाक्का अर्केन्युयायकेन्द्रो न्यदान्द्र विदा त्युदःस्रदःद्याःयाददःश्चीयादस्रसःदयाः चतःर्सेः लुकाद्या देःसः वयाः हः स्पेदः सुदः सुदः यदः ह्रात्रसुवा क्रीका क्षेत्राया ह्यूरा द्वारा यह विष्या यह के त्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्ष योन्यर धुन्न स्वायर विवा केवा केवा वास्तर विवा वास्तर विवास वास्तर वास्त मुँच। प्रबुष प्रविद्या प्रविद्या राष्ट्र मुँच। राष्ट्र प्रविद्या मुँच। प्रविद्या स्विद्या स्विद्या स्विद्या स्व श्चितः सृत्यः । रयः विद्यायाः स्वीयाः याष्ट्रियः यञ्जीयः तयः श्चीरः प्यारः वी । रयः यीः लीटः नुःन्वातः यन्यार्थेयः यस्यार्थेन्। । वेयः यतः न्वाः यत्र न्यार्थन्।

चले'च'स्य'द्या'पदे'लेट'यी'याद्य'चुदे'श्रेस्य अस्य ख्रुप्याचर ह्येत्'या

सुवाक्चित्रेत्र्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्रित्या विक्रित्या विक्रित्र्या विक्

रदः भेन् क्षेत्रः सूरापर्वेन् वस्रवापवाषा सूर्विवाक्षेत्रा हिन्द्रपत्रा स्रोत् । यदे य उत् दु क्षे यदे क्षु यक्ष्मयश हे या तथा दे र क्षेत्र यह प्रति प्रत म्यायर केंग्राण्याय द्वेयाय देश्चेताय। वर विरामीयाय वेयाय देश्चेताय व <u> २४.क्ष्माः वः श्रेथः श्च</u>रः वः वाषः कवाः अः श्वरः चतः व्यः श्चितः वः श्वराषः वाषः वाषः वर्षः । यदे या उत्राचा अपेता अदेव के अप्तरादेश अपाद्भी स्था की अदेव के अपी अप्तरी व्याप्त अपेता अप चैश.३.पर्यात्रभाष्य १८.वोराजा चुर.प्राचेर.। सं.म.पर्याः क्रूर.प्राच्याः स्रीतः हैः क्रेरत्यों कुंदे क्रिंशहेद रेदी यह सेराह्म श्री साम सेराह्म स्वाप सेराह्म सेराहम सेर बेरलिटा श्रे.भी कॅरर्ज्य देयबर बेरकु देखग देंग दर व्यव सेस्र में रर्ज र्वेर र्देग् सेर् प्रस्र रेट् तर्म सूस्रा दें स्मान वर रें विग पीत तर्म पति विर त्र *ब्री*रायाम्बिम्बरादेवारेन्। देनुवासुयाद्यीदे म्बर्यवास्त्र रेमार्येदानुवासे तद्देता श्चेंत्रा अर्देव ने या उव लिया यी या पा सुरा हैंदि । बुराव या पास्या व्यापित या सूरा यसायुग्रसायम्यार रेके तद्वी प्रवित् विता वित्र खेता से मानवा निर्माण स्वाप्त स्वीप स्वाप्त स्वीप स्वाप्त स्वीप याधित या विवा न्दर सेवा सर्वेद रुद क्षी से विवेद निवा निवा निवा सेवा सर्वेद । ठवःदेःशःदर्गोरः यद्याः श्रेष्यः श्रेष्याः देः देदः द्वेयाः स्टरः वीः ङ्क्षरः विषयः श्रेष्वेयाः बीशस्त्ररायादेवाश्चित्रावर्ष्वार्थित्। वेत्राश्चरायादेवात्रादेविवातर्वाध्यस्त्ररायादे याहत तथा या तेया है तहीं हीय कीय से त्यन से या है या ह गितः बर् व का द्वी सम्बद्ध स्था सम्बद्ध नियम् नियम् । केत्र विष्ठतः देवा देवा विस्वाधियः व था भ्रेत्र या भ्राप्त के तर् रेत् की स्वाप्त के त्र के त्र के त्र की स्वाप्त वर् निर्व नवीवायायार्थेवायायदे निर्व प्राययान्यूरयाने समुद्रा क्षेत्र स्त्री निर्वायाः स्त्री निर्वायाः स्त्री र'च'यश्राद्यस्पर'भै'तद्व'चर'भ्रेचियर'चेद्वेद'च दे'द्या'वक्रे'चदे'याद्यस्

इस्रमास से वे वे त्रमासीया स्ट्रा दुर्व त्रमा हिन् तहेवा मासी नवे मा मदिन्देन्य उत्र क्रीलिट विस्रायात्र स्पेन् मदिन्ययात्र मास्य स्पेन् क्रिया र्वयात्राक्षरक्षाः स्वाप्तुः यदे या उत्राद्धीः लेट विस्राया या विद्वास्य विद्यास्य स्वाप्ता स्वाप्ता स्वाप्ता क्रेया क्रेया यह की सुवाध्या क्षेत्र हो है है है है हो हो हो है है है है है है है অমা রুঅ'ব'মদ'র্য'রি'ব'ধ্বব'বক্ক'র্মা রি'র্ম'র্ম্বর্ম'র্ম্বর্ম'র্ম্বর্ম'র্ম্বর্ম'র্ম্বর্ম'র্ম্বর্ম'র্ম্বর্ম शुःषदः। बेशवाञ्च द्वयवायायवायायदः याच्छी विवागशुद्वायाः भूरा श्रेम्रश्च तर्वा प्रत्या प्रति त्र प्रति क्षेत् क्षेत् क्षेत् क्षेत् क्षेत् क्षेत्र क् ব্রিব্:ব্রুব:ঘম-র্কিবা:বাউবা:উম:বাম্বুমে। **নম্মুঝ:ঘরম:বর্নি:আমম্মুঝ:ঘরী:** पुदा | पदे प रुद की लग गरेग हो | पद्मिय प म् रूर से दे दि स **बेदा ।हमाःहःबेदःदेरःवद्दियःयः विमा ।**डेबःमाशुद्रवाहे। श्रीसहेर्गी वहेषाः हेषः वदेवः दः वृतेः वङ्गवः वद्वेवः श्रेदः वः वङ्गवः वः ववः विषः वु। कवार्यायात्रयात्रहेवा हेंद्र वी प्रस्नाया केत्र वाडिया वी प्यस्त ने प्रने प्राप्त हो। त्रवा वाडिया वी र्क्षेत्र-र्ष्यः विवाधितः वाशुर्यः त्रयः वी यदे । यदे । से द्राप्तः से वाहे । यदे । यदे । यदे । यदे । यदे । यदे ॻॱড়ढ़ॱॿॖॏॱऄॖॱऒॱॸॆॱॡॸॖॱॸॆढ़ॱढ़ॱॴक़ॕढ़ॱॴढ़ॱॸॆॱॡॸॖॱढ़ॎॏॺऻॱऄ॔ऒॱॸॆढ़ॱॻॺऒॵॱॸॺॏ॔ऒ। ळॅंदे:क्व,विंवा,इस्रय:ग्रीय:देशेंद्र:गादे:हे:स्य:सळेंद्र:सर:पस्ट्रद्र:संद्र:स:स्यु:स्य:स्यास्य सर् वेर्-द्रम्या सेर्-हेर्-द्र-वर्-वर् कें-द्र-पो नेष-वर्षेर्-द्रम्या वर्षेत् द्रम्य वर्षेत् द्रम्य वर्षेत् द्रम्य वेद्-वेरः बर्भषा उद्-रक्ष्-प्रोद्-या पीक् यरा सावत्। वर्षा सोदः श्रीयदे या प्राह्मण हु हुर्नि यमान् निर्वे किरा केरावहेन निर्वे निर

वियायन्यायायङ्काञ्चराय वरायी ल्याया सुरा

योन्।यरःश्चरःयदःवह्वाद्धरःवह्वाद्देवःवद्वायावव्यःवदःवञ्चवःवःवद्यःयोन्।यरः र्धेतः प्युत्र त्यः सी तद्वर हिदः ह्वाः हुः हिदः विस्थार दे हिदः वर्दे ते । यदः विवा हिवा हिवा स्थारमः यारेत्। देव त्याने व्यवस्थाय क्षा क्षा क्षा व्यवस्थाय क्षा क्षा व्यवस्थाय क्षा क्षा व्यवस्थाय क्षा विष्यस्था व योद्र-द्रमा स्वरुख-केत्-चेतिः चर्च-केत्-द्रमा प्यतिः दुष्यः या सरुख-प्य-प्यत्वमा पाय्यासः तद्याः य लेवा व्याची प्रचेश **ग्रम्थाय व्यापन् स्थायन स्यायन स्थायन स्याय स्थायन स्थायन स्थायन स्थायन स्थायन स्थायन स्थायन स्थायन स्थाय** त्त्र या किया है व त्रीय है व त्र वर्दैरवेंद्रश्रद्या । यद्याक्क्यायर्केन् केंद्रन्द्रयार्केयानुता । श्रुरप्यदानने केंद्रा **९८ (वस्रकार्य) विवास यासे ५ या २ ५ या ५ ५ या २ ५ ४** या सुरुका है। यञ्जायानान सम्बन्धाना तर्ने या यह या मुख्या हुँ हो निष्या धीना है हुँ निष्या प्राप्त स्थाना है हुँ निष्या स्थान वुँव वेष त्राप्त प्रवृंद्र प्राप्त विष्ठ व यर्तुतुःवर्ह्यरः आवृर्यात्रदुः यर्या क्रिया चीय्रयाता रूर्। यर्या त्रावृः यर्या क्रिया यर् तः अर्गुषः मृत्रः वार्युअः वः दुषः वार्युअः यद्यः क्विषः विषः चुर्वे । यद्यः क्विषः वृत्यः मुनायाप्यत्र ग्री हित् वेतायदे यह या मुर्यायति यदि सेहर मुन्य मुव्याया वेषाया महा रेता कुराचार्द्धवाहुरात्रवा व्यममान्दराष्ट्रीचमाचार्यमानु चर्चेषात्राचार्यमान्द्रवाहुरात्रवेषा बेशःग्रम् व। नश्रयः वर्षः मुम्यत्वते द्वारा दुव्यतः दुव्यतः देवः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः चित्रयातात्राम् त्रात्यात्रयात्रयात्राच्यातात्रवात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या श्रूबातायाचीयाचीत्राचीत्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्या पिराया र्यं मुर्थित है। यह र ता पर्वे विषया मुर्थित मु

म्रमुखायाबिदावस्याग्चीयमेद्रियाधीदायानुस्य स्थार्स्सेदायसायदेवसा

71

देश्यायद्वराहो। बिरायस्याञ्चीदिः प्यावर्त्तान्तान्ताः स्वाविदः प्यावह्वराह्मे विद्याः स्वाविदः प्यावह्वराह्मे विद्याः स्वाविद्याः स्वाविदः प्याविद्याः स्वाविदः प्याविद्याः स्वाविदः प्याविद्याः स्वाविदः प्याविद्याः स्वाविदः प्याविद्याः स्वाविदः प्याविदः प्याविदः स्वाविदः स

वियायन्यायायञ्चा स्रोताय वरा वी लियाया स्रीता।

द्वायायने यदि न्वीकारायावात विया प्रेन्ते । विन्य प्राप्त स्वायाय स्वयाय स्वय

वर्त्व व त्वेर वर्गे र प्येर या गुरुष यते क्रें व यय वर्त्व।

सदस्य क्रुम द्वी न विमा विमा न के स्ट्रेंट स्थम | निक्क न स्था के स्थ

ग्रियायायाम्बितिः चेत्राम्बर्धिनायाचेनायतिः क्रेतिः यया

देव केव स्व वि वि देव हैं स्व प्राप्त स्व वि केव स्व केव स्व

वियायन्यायायञ्चः श्रेयाय वटा वी लयाया श्रुटा

मश्रुयायावीदामी प्येत् मृत्यापीदाया चीदायति द्वेति त्यया

स्वार्या स्वार्यात्र स्वार्य स्वार्यात्र स्वार्य स्वार्यात्र स्वार्यात्र स्वार्यात्र स्वार्यात्र स्वार्यात्र स्वार स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार स्वार्य स्वार्य स्वार स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार स्वार्य स्वार स्वार्य स्वार्य स्वार स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार्य स्वार स्वार्य स्वार स्वार स्वार स्वार्य स्वार्य स्वार स्वर स्वार स्व

বল্লিবাক্তুব্বমেৰ্ট্ৰবি ঐবি দৃষ্ ঐবি অন্ত্ৰীব্ মবি শ্ৰীৰ অমা

वियःयन्यायःयङ्गः स्रोत्यःयवरः वीः वत्यःयास्पृदः।

यक्चर खूर क्चें कुर्जे यम प्यापनक्चर है। यश्रीय या यह सामा रें बैराया यराचा दुरराया दीयारोदाया वहारावाहीं वाचिराया यद्येव प्राया से विद्राया प्रस्था । विराम सुदेश विद्राया से प्राया से प्राय से प्राया से प्राय से प्राया से प्राया से प्राया से प्राया से प्राया से प्राया स वक्कुं भ्रें र वी वर पुर्णे द्या कुरी बर पुर्रे वर पुर्वे वर सुर्वे वर्षे वर सुर्वे वर्षे वर सुर्वे वर सुर व्हरन्। कुःश्वनःनविषात्रेःम्रारःभदेःवेरःनुःतुनःर्ययःन्रःनेःवयःकुरःविहरःवनः न्वीं राक्षें भ्रीन् या स्वतः स्वतः या स्वतः स्वतः या वार्वेन् या योन् केंद्र दे लेयाया वयय सेवायायने लेट वद्यास्य योन्या वायो स्थित हो या यर्थाय। स्रेतः भेताः श्रुक्षिण स्रोक्षिण स्रेते । विषय स्रोक्षिण स्रोक्षिण न्यायदे सेयस उत्रम्म स्था क्री हेर दर्वेदे यादी । धिन दर्वेद मास स्थान स्थान र् । क्रुःश्चेंबार्डव ५ व सूया क्षेट वीबायवीबाय। । १९०४ वर्षे दे क्रुव इयबास्त्र स्रवः र्ह्मेच इट तयय। इंग्रान्टा । गावा स्रोह्मेच स्वयः म्नेम्बरासकेम्। हुः चने चते स्वेत्रास्त्रीया सुति मान्या । उन्हेति मान्य नियम् स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वापति स्वा ययय। विशासम्यने न्दरः स्रवास्य स्टेन् स्थे विश्व विश्व हिन्दरः यद्या सेन् र्देव : व्यः हेव। विषाद्रा व्यवस्य स्वास्त्र स्वाप्त विष्य केर की ही स वा वितर्दर्वस्तिर्दर्दर्दरमारकदा विर्देश्वेषया सञ्जानी विवास गाः यः येदः गादे कुद् अदः यः चक्केदः य। विषाण सुद्रषः यः भूर। कुः सुदः दे के यार त्यायार तर्ने र भी हैं श्रार वी रेया द्वा ख्रा कु त्या आसर र के र या है अगा व रेव से के श्वेंबाक्री होंबा की रामिया मारावया पेंदा सादरा। हिरामुक्त हो। मह्दा से तदा श्रेव ख़ुते यत्त् भे रे विश्वाय त्र अर र यदे यस्त्र प्रदेश स्तर से के विश्वाय स्तर से विश्वाय से वि क्ची:क्रुद्र-प्येद-या हैट-प्रदेश्यवि:र्रद्र-प्रेक्ट-क्रू-पर्दुद्द-प्ययाश्च्य-केट-र्रद्र-प्रेक्ट-प्रद्वयः

वित्रयाण्यम् या श्रुं व्यायायित्र स्वर् स

প্র'ব'বস্তুর'শ্রী'ঐর'দ্ব'ঐর'ঐর'অস্বা

श्रीविंग्रायते रेग्राषा सुञ्जीषा यदि योग्राषा स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स्वाप्ति स ८८.२ेवा.वार्षेत्रा.वार. चवा.वा.ची.क्रिंट.जा.वाध्य.यश्चर.तथा ब्रुंचा.वाड्ट्.भी.वर्ड्स्वा.जा. श्र्यायातपुरव्ययात्राच्या देयायाय्यात्रम् च्रीयाच्यीत्राच्यात्रम् व्याप्ताच्या क्षे:ब्रे:ब्रम:न्ब्रम:मर्केन:वर्डम:वर्डम:मर्स्म। व्रेम:स्म:नर्स्म:पा वयायक्रात्वाया देःवायहेवःयवेःव्युषारमान्त्रीःवश्रवःस्त्री कुःवेर्त्रयोद्ययः त्रव्यान्त्रोत्यवित् त्रन्देवायासू र्वेवायायित् नवोवायायास्वायास्त्रास्य स्वा यर्था, क्री. द्रया था. व्यवस्था १८८८ हो स्था क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क र्डर:यदय:दब:क्रु:च:येद। ।गुद:ग्रुट:ये:र्हेन:यह्नदे:सुनय:दय: विष्टमा विश्वमान्द्र-भुव्यमान्द्रमान् वार्श्वामायार्ष्ट्र द्वामाया विष्या विष्या विष्या विष्या विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया विषया **बद्या विक्रित्र्व्यम्बर्धिद्धेर्द्देरङ्ग्रेष्ट्रम्यः विक्रा**म्बर्द्रवाही য়ৢৢ৾ৼয়৾৾ঀয়ড়য়য়ৢ৾৽ঀৼড়৽য়ৣৼৼয়৾ঀয়য়য়য়ড়য়য়য়ঢ়ঢ়য়য়ড়য়৾য়য়ঀঀয়য়ঀ देःचिक्रभागाः भरायोदाचीया विदाय राष्ट्रीः वास्त्रमायीता भ्रीत्रमा स्वीत्रमा स्वीत्रमा स्वीत्रमा स्वीत्रमा स्वीत योद् केट क्रुं पद्भाग्य विदेव दानी हुय क्रुं या महिन्य या या द्रा क्रुं या या विवास या योद् य। गुत्र गुद्र से हिंवा यह्न देश सूचका देत ये किये यह प्यादका विदाय है वा की केंद्र सू র্ষিঅ'রুদ'র্দাঝাস্ক্রী প্রমঝ'ডদ'শ্রী'স্কু'ণ্ডুঝ'অ'মার্কর'দ্দ'দ্রম'নুদ্র'শ্রীঝ'নক্কর'উদ'

वबर दव दर अहँ अ औ अहँ अ ओ द भाषा और क्षें अ चे विष्ठ । दर अ और विषेठ । तपुरम्बर्ग स्रोत्रस्ति स्रोत्रस्ति स्रोत्रस्ति । प्रमायान्ययास्त्रस्य सूचर्यात्रयास्य रेटातर्वा द्वीयायाद्वा यात्रीत्रायास्य यात्रीयायास्य स्वर्थात्रयास्य यमान्नी:न्यर नीयामान्नियामान्नेतियानेति स्वत्यमान्यत्ये मान्यत्यामान्यत्यामान्यत्यामान्यत्यामान्यत्यामान्यत्या ख्रद्रम् श्रुवः ख्रात्यावः व्यायद्यः वायुद्रयः यादि रः वीत्यः विवाद्यः वोवः क्रुः व्येद्। यदिवः वेषाबेरावादिदेशम् द्वावष्याक्षेत्रिवावहराद्या श्वीरायदेवावेषाबेरावादे नम्भागिष्यः क्रीन्त्रमानि यानि क्रामिष्यः स्त्रमानि स्त्रमानि स्त्रमानि स्त्रमानि स्त्रमानि स्त्रमानि स्त्रमान য়ৢঀ৾৻ড়৾ৼ৾৾ঀ৾৾৾৽৽৻ৼ৾৻ঀয়৾৽য়৾য়ৢয়ঢ়৻ৼঢ়ৼঀ৾য়য়৻ঢ়৻ড়৾৻য়য়য়ৼয়৻য়ৣঢ়য়য়ঢ়৻ৼয়ৢয়য়য়য় क्षरःक्र्याःम्। ।यारःयारः रेरः हे त। हुत्यसुवाः क्षेः सर्वेतः स्वेत्रा स्वेतः स्वेताः मः यर्देव विषा इ प्रदेश सेदेव विषा ईव प्रावस्य हेष प्रदेव ही सर्देव विषा य र्रेया:क्वी:बोस्रय:वेष:पदि:सर्देव:वेष। वन:वन:क्वी:सर्देव:वेष:न्र-दुन वसः यायर तर्जे व्ययाप्तर रे ज्ञान व्याप्त वर्षे प्रत्ये प्रत्य वर्षे वरत् वर्षे वर्षे वरत् वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर् सर्देव किया वहवा हेव विस्था की वा बुवाय है देर वस्त्र स्वर्ध कर स्वर्ध कर स्वर्ध कर स्वर्ध कर स्वर्ध कर स्वर्ध <u>२५.जी.पक्ष.पत्र.मी.प.चेश.त.क्षंत्र.भूयो.मी.भट्ट.चेशो वयो.ट्रट.बीट.मी.मी.कृ.कुट.</u> व्ययाः इतः सेयायाः वृतिः इत्यते यदिः यदेन सेया हैं। राययाः हैं। याः हैंन याः इतः याः हैंन योष्याङ्गार्थ क्षित्रास्य क्षेत्रा योष्य क्षेत्राया योष्य क्षेत्राया योष्य क्षेत्राया वि यर्देवः नेषा वना वनः श्रीः यर्देवः नेषा वैः स्टः नानव वश्रीः क्रुनः वनः यः हेवः व्यन्यः स्वान्यः हेवः व्यन्यः स <u> इयः पेर्-सेर-सेश-यःयः बेर-लेर-। र्ये त्रसः स्वार-एक्वें यः देवाःयः सर्वेद्वाः स्</u> वयायिर वर्ग्याय विर्मर हुत्युव श्रीय श्रीय विषय भी वयायिर वर्ग्या वुरायिर मुं विराधराष्ट्रमा है द्विया की समेदि स्वेषा समार्थर मी मानुमारा समेदि सादे । श्रीवा वी स्थारें ते से स्थारें के ते हैं । से स्थारें त्यार सुर्या स्थारे ही हिन्य स्थार है । हिन्य से स्थार मी अर्दे व ने या कर या या दे त्यू राष्ट्र में या या यही सुव त्या यह विवास चदःश्वेष। क्षेत्रश्वेष। चेषःरयःश्चिश्वेष। क्ष्यःश्चिश्वा ले:नेषःश्चिशः हे.की यार्थायास्तरयायात्रारात्त्रुयातात्वपुःस्त्रिया पक्षःपत्त्र्र्यस्तरस्त्रीयात्र्याता ञ्चेतः श्रुव। यन्याः योनः यार्देवः खुयः नुः हेर्यायः याः वीयः स्वाः श्रुव। स्राः यालवः न्नर ये हैं हुव वेशय केंश्र शुं हुव। इस सहिव शुं भे से सम्दर्भ ना भे श शुं श्रुव वी विवय परा अदेव ने या सुर मुख्य स्था विवय । गश्रद्यायावदीत्याद्याद्याद्यात्रेत्राचीत्रक्षेत्र्यात्याद्यात्र्यात्रेत्रात्येत्रात्येत्र्यात्रेत्रात्येत्रात्येत्र क्रम्याक्रम् सावार्ष्यम् मृत्रीयाया सेन्। गृत्याक्षेत्रायवि मृत्यम् स्वर्थम् साव्याया योन् पतिः श्वीरः वः यार्टेवः वेषाः त्यात्रयः द्वानाः विष्यां प्रतिः विष्याः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः विषयः देः भेता देतः ग्रामः सुतः सः भेरा स्वासान । यहितः मने मना सः वितः भेतः न्वेंबा ने डेदे धुरले वा बरब कुब तयवाब या बुन यर नु खेर वदे र केंबा सुद्रा केंद्रा क्षा प्रोदे ना प्रदेश क्रिका की सुद्रा प्रदेश के देशों के देशों के स्वाप्त का क्षा का स्वाप्त का स्व यावित्याधीत्। देःधीवावाचे प्राचित्राच्याच्याच्याचा वित्राचीयाचा कीवा तेंन् अन्ति त्युर न्दर वसूत्र त प्यर । अर रा क्रुय ग्री सुत पते य रेवा हु स्रीत पा स्रुयान के या धीना ने ते निर्मार साम हो सुरायोन निर्मा निर्मान कुया थीं केव चे बिया यी था क्रुं केव चे बिया श्रीव क्रुं चगाव प्येश चरु ने चगाव खया के न के सन्तर

नेति:कुं वेरिने नेतिः यन् वार्यानेतिः व्यवाः हुः वर्वेरिने याययारः व्याक्कवार्ये याने वावरः वेरिः बेर केंग्राय रेट्रा वेंग्राय देंश्याय प्रेत्राय प्रेत्राय रहेट्राय यथा की ब्लेंग्राय प्रेत्राय था ते वेंग्रा यद्रायदे वर्षे कार्या ने त्रायम् । वर्षे वरमे वर्षे वर য়৾য়য়৻৴য়য়য়য়ড়৴ৼৄ৾য়য়৻য়য়৾ঢ়ৢঢ়৻ড়ৢয়৻য়য়৻য়ৣৼ৻য়৻ৠৢ৾য়ৢয়৻য়৻য়৾য়৻য়য়৻ चिर क्रिय केर में ब्रिय सारवा याया दर्वो र सा है ब्रियाया दर का वड़ा यदि का र सा वासुर साया म्बुद्रबः भेंद्रः यः रेद्रः या महिम्बार्या भेंद्रबार्या या यदतः मृबुद्रबार्या यदिरः <u>इन वन लेन क्याय सुन्तु वुराय ने तर लेगा रेना वने न क्यार् पेन परे कुया नते ।</u> विर्देर ने १६४ विराधी विर्देर न्दर चुर कुवा खेखा नविर विरेट ने देवा वा वाहिया सुवत्या क्रव विषा श्री तिविस्तित्रुषायान्दर येदि स्राट क्षुट कि। स्ति स्वयुव्य न्यवा क्षुत्रे यान्दर र्जिय त्तर्य तत्त्वीय ता भूर्य रियोजा की यी की यी वी यो प्रियो प्रकी कूँर वी या सुर्यो या सियो विवानकुः ब्रेंट व्यान से या वा स्थान वा स्था स्थान वा स्थ वर्देशयान्य निषानक्ष्ययान्य सूत्राधित। वुराक्ष्य सेशस्य द्वरिव विराधित म्बर्या येन 'न्यम 'हु' येन 'हैं र 'रे 'रे 'चलैव 'नु' प्येन 'हुव 'यम्बर' प्यथा सु' येन 'या श्रेम्रा ३४ विषय ३५ ता ५५ वर्षे १६० वर्षे बेरारवाक्काळेत्राधान्दरायहाया। ब्लेंग्रियवान्दरायाहुदयाया केंत्राग्रीहरकेताधा क्र्याशीत्र क्रिन्य क् क्र्याक्रीयः दव क्रेव में त्रिहेव मदि क्रुयायदे मदिर द्रकेवाया वहेग हेव व त्रीर यर दर्गोद्गायाओं र्रेजा खुः द्रशासार द्रार्ट त्य त्या वास्त्रा यो देशा देशा वास्त्रा सहिता था

वियायन्यायायञ्चा स्रोत्याय स्टा की ल्याया सुरा

त्वाया हेव वालया प्यशायदा वी प्येव हुन प्येदाया हो दायते ह्येव यया

योर्पित व्यास्त्रित् भीति विष्यास्त्र स्त्रास्त्र स्त्रास्त्र विषया वरस्त्र स्त्रास्त्र वर्षाः येन्।वरःयः सेविषा ।वाववः वस्यः नवरः चेन् : क्रीयः ग्रामः ने हिः सीवा यश्रियःयःस्त्रम् श्रुमः प्रदेश्यः विश्वतिः विश्वयःयः यात्रव्यः वश्यवः वश्यवः वश्यवः वश्यवः वश्यवः वश्यवः वश्यव इस्रायाञ्जाधीतायार्वे तितु प्रमानायायाया वात्रसारीसारी होत्तरास्त्रस्य स्थानी चित्र दर्भ अञ्च अप्राचा राज्य विषय । यदि विषय देश क्षेत्र स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर षदः दे: दवः वः वहेतः पदेः व्रुः वात्र वः क्षेत्र। दे: दवः द्वः क्षेत्रं केतः वें कोदः वदः मुश्रुद्रमा देमान् म्रम्भाराज्य न्यामान्य व्यास्त्रम्य विज्ञा केन्द्र बिर विश्वस्य दे त वेरिय हुँ निह्मस्य रित विदिश्वी हिंदि ही विरिक्ती दे हे से स्वर्ध मर्शेमा पहेंचा प्रम् लेव प्रहें व मानव व व यो प्रम् मान प्रमान प्रमा मान प्रमान प्रम प्रमान प्रम प्रमान प्र पदिः भें चुन् के न्द्र के न्वीं या मस्या कर् ले व्या द्वा सामना मु व्या । प्रति समिवा द्वा विद्यान्य विद्यानस्य प्रमान्य मद्रातर् क्षेत्राञ्चयाचा तर्ने नामद्री हेत्रा सुत्व च्रान्य दे विकास स्वाप्त होता विकास स्वाप्त होता है। यदि स र्कें नि. की क्षेत्र अपन्य प्राप्त क्षेत्र अपने के कि स्वाप्त के कि स्वाप्त के कि स्वाप्त के स्वाप्त के स्वाप्त के स यरे.य.जबात्रच्यायदे.यरे.य.ची.ब्र्यायाची.क्र.य.क्री.क्र्यायाची.क्र.याची.वरे.य. ठवःक्षे:बिटःवी:क्कुव:न्दःवर्द्धेरःच:वन्दे:न्वा:बिटःचर्गेन्:क्षे:अर्दे:न्दःवेन्:अर्देवे:वटःनुः यश्रिकार्येन्यान्यात्र्याक्रेम्ध्रिय्यात्रास्त्रेत्राच्यात्र्येन् होन्यं स्त्रात्रेत्रात्रेयात्र्या यर रहेर् भ्रे मुना वालव या से के किया पर मुना मार्थ स्थान स् द्युदः विद्याः मीर्थायाश्चर्द्याः स्ट्रीयः । विदः देः वः प्येदः यः वस्ययः उदः ग्रीयः द्वाः वः स्रोदः यः वेद्याः ताकुरातुषुःकुराजाजुर्यासुर्गित्योवाजुर्ग वृत्याक्षराच्यास्यान्या श्री ब्रेयाया लेगा प्येन्याने द्वस्य श्री सेन्छे द्वा विन्य सेन्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत वदः दुः दुवः वेर्वान्यः वेर्वायासुद्रवाः भेद्रा गुवः व्यव्वितः वे निरुष्याया यदः न्द्यन्यः ग्रीयः वनुषः यदे स्वीयः इस्याः य। विषाः सर्वे निर्देशः से निर्देशः कुवासकेवानुः क्षेत्रासर्दन्याध्ववातकेया विषावास्ट्रसायाद्दा देन्दा सर्वित्यरःगाव्यःसित्रःसित्यःसितःसीयः। गाव्यःतितःस्वाद्यःसित्यःसित्यः। सर्वितःसरःगावःसित्यःसित्यःसित्यःसित्यः। यदेव श्रीया विश्वीया या सदेव द्वा स्वया प्रति । विश्व स्वया क्ची-द्वीरमाया-द्वामाधूराममा विद्वाचेराकेमाधिक प्रतिन्वरावसूरायाः य। विश्वाम्बर्धा विश्वास्य विश्वास्य विश्व के स्थित न्वीर्यात्राह्मयाः होयाः योष्ठियाः योः होयाः यो त्रेत्रः योदिः त्यः होत्। या न्दारः दिन्। इर.क्रुप.सूपु.रचर.पश्चेर.क्रुय.क्रुय.क्रुय.क्रुप.सूर्य.यक्षेर.यपु.४४.ह्यूर.य्यो.यङ्ग्री श्चीया विश्वासीया स्वित्रा स्वित्र स्वित्र स्वित्र स्वेत्र स्वेत्र स्वेत्र स्वाया स्वया स्वया स्वित्र स्वित्र मस्रमा वर्ने वर्षा पर्कुन न्दर वर्षेया प्रवेश पर्वोत् पर्मा वर्षेत प्रवेश वर्षेत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्षेत्र वर्येत्र वर्येत्र वर्येत्र व क्र्यायान्यन् प्रतिःस्मनयान्यायान्यान्तिः न्यायान्तिः क्रमः यान्तिः स्मनः प्रति । यावतःवात्ववुद्वत्वते क्रुव् क्रीव्य वी क्रुंद्व वी क्रुंद्व वा वाश्युद्व वी विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या क्रुर-वीबासे हिंवा कर केद विवया । विराद्य पर्के कु सुरावसमा उदा

यमा । विन्नु विन् प्रविष्णु मुद्दे देश । विन्य क्रिन् यर्केन् प्रविक्षु व **स्राम्यामृत्यवृत्रा ।**विषायास्राह्यामे पदे पाउन की विष्यायास्य स्था है दि र्यासुर्द्वित्रयानवित्रयासुरायरास्रेसुरानीयारेवाधीकिते वित्वीपायानानसुया थॅर न्या व्रेंब निरमी प्या निर्मे निर्मे निरमे निर्मे निर् रु:ननः स्रे: मे 'हें न' नी भ' भी 'द में ८ 'नरु त' श्रे ५ 'ई स' रु 'सहस्र मर दिन भ' द में 'नर' यर्शेट्या ग्रीय अधिय पहुर्याय श्रीट श्रीया है स्वर्शेट ख्रीय स्वर श्री होया. मीया ।गुरुवयग्गुरुवृत्तम्यायानदेनक्षेत्रस्टिने । शिवर्येटम्द्रुव्यस्त्रीयायः त्रमाश्चार्त्रम्यम् । विद्यायासून्तु नेयासून्यर्दे स्ट्रास्त्रम् स्ट्रीयास्य स्ट्रास्य ने के ब्रुप्य में वा व नवो क्षें र तवे वा याया क्षें यय यर तुवायाया सुन्दि वने वान् र स्वर यरत्वीर पर वाश्रुरमा शृद्धे तर्भाया श्रवा हु से हिं वा द्वेसमा से स्वाप्त से स शुराहे। देव्यावेट विस्रायायादे द्वेय विदानस्याद्यात्याद्या केट वार्क्ट वार्क्ट वार्क्ट वार्क्ट वार्क्ट वार्क्ट यदः सर्वस्थयः दृदः सर्वस्थयः स्नूत्रयः दृद्धः स्त्रीत्रयः स्त्रुत्यः स्त्रीत् स्त्रुतः स्त्रितः स्त्रुतः स्त्री वन्दर। दुबन्दरनुबन्धुन्द्वेषाकुतेन्द्वेषाकुत्रक्षेत्रकुतेन्द्वेषाकुष्ठरन्दरकुतेन्द्रोत्तर्भेषान्त्र र्क्रवायाञ्च। दे:श्रीयाञ्चेदाः रेतायाज्ञे स्थायत्त्राचात्त्वायात्त्रायात्त्र्यस्य स्थायात्त्रास्य स्थायात्रास्य बे कुयः सर्वतः द्वाः करः चलेवः दुः वचवः यः दरः। व्रुः इसस्य श्रीसः देवः ये कितेः यरियायार्ट्ट्रात्त्राचेषाः याच्यायायात्र्यायचीरः क्रे.क्रेयुः मूर्या मूर्यायाः क्रियायायायायायायायायायायायायाय द्रा भ्रुते तुः नदः तुः व्यान्वीय वार होनः याने। तुः व्यतिः नुषाक्कृत क्षीः करः नदः म्र्याप्तरात्रम् म्र्यास्य स्थान्त्रम् । स्थान्य स्थान न्वादानान्दान्ववाषाळ्या हिटानुः सुन्तान् सुन्ते र्वेदिः र्वेद्याः वेदिन्या वेदिन्या वेदिन्या स्त्रीत् स्त्रीत् वयायाविः देवावः देवाधिकवेः यो क्रियायायायविः श्चेरियः यादे विद्यायायायविः श्चेरियः याद्यायायायविः श्चेरियः या

र्-रुट-बिर-विस्थान्देदेन्द्र-रु-क्रीकायार्क्ट-सामाब्यासेन्।वर-र्ममार्क्न-वर्मः स्ट्रेट-सेन्-यन्तित्रतित्रम् न्तुत्वाषान्ते त्रमञ्जूरायात्र्यो निविष्णेन्या व्यास्त्रायात्रयात्र्युरा यदः विरायवरायः श्रेषिश्रायाः प्रेरियः प्रायविदेशियरायवरातुः वर्षे वर्षे निराय वयायावरायायक्तीं द्वापाया व्युक्तीं विष्यागिती द्वापारी द र्वोट-र्-चन्द-य-स्वाद्विः अहेरायदे वात्रुवाया स्नुत्यदे स्त्रुवा विस्वयदे है। र्रेन्तकुतिः ल्या व्या रेगान् तह्याया खुति ग्रीया रेन वटा गल्या येटाया सेंग्याया व्यट्यार्श्वेत्रप्रकार्वेत्रप्रवेर्श्वेत्रप्रदात्र्याम्याः मृत्युत्र कत् स्रोत्या वयत् प्रासेत्याः यार तर्देर व रे त्वुर व यालव तसुव रचर हो र श्री ख़ेते तहीं र व र र तर वर या अर। देःवर्षाः सुदाः सद्भावेषाः सुवा उदाः वर्षाः स्रोदः हितः वर्षे वर्षे । वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्ष थेव। विद्वारो स्थान स्था ह्रमात्तुःसर्वेद्रा विकामास्ट्रकाने। विदायस्यानने नाउदानु सास्यासान्या ब्राःक्षेट्राञ्चन्। यनुत्रात्याः श्रीन्याययाने । तान्यत्यायते । युट्टा स्तुताः स्रोस्रयान्यतः से से त्याप्यदः सर्केन्यम्भेन्यस्य द्वीन्याधिन्यस्य स्थार्था । वित्रुषायस्य दिन् के दिन हो स मालवाप्यसामरा । १९वाचर वर्दे र केंद्रे र केंद्र विषय सम्रोता । १८ र वर्ष र **यदीययः मृतः मृथान्दः पठ्या** बियाम्युद्याने। तद्याः यर तदेने के देवः ये के श्रु र्केनिश ग्रीश नक्कि यदि नावय से दायदा वा नामा नक्कि से दास्त्र श्री वर दिस्त यें केते वि: ५८ वितु: सु: हैवा: ५४ वर्षा वर्षे व्याप्त से व्याप्त वर्षे वर्य वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्षे वर्ये वर्षे वर्ये वर्षे वर्ये वर्षे वर्षे वर्ये वर्षे वर्ये वर्ये वर्ये वर्ये वर्ये वर्ये वर् म्रेम्यास्य से प्रत्यायायाः स्रोम्यायस्य स्वर्ते । स्वर्

तुः व्यानिषानी व्यायोज्यायोग व्यायदे लया अवासून केट दे प्रसुट खूद यदे प्येट दिंद नी য়ৄ৾য়ৼৢ৾৾য়ৢয়ড়য়৸৾৾ঢ়৾য়য়ৣয়য়য়৾য়ৢঢ়ৼৢঢ়ঢ়য়য়য়য়ৼঢ়ঢ়ৠয়ৼয়য়য় यदे चर्यात्वराष्ट्री चर्याया वर्षाया प्यतः वादः दर्देन् श्रीः यद्भेन् यदे चर्याः चर्याया के प्रत्ये तर्नेन्याद्यक्रास्त्र्याश्चित्रात्रद्वीं वर्षेत्राश्चात्रक्षेत्रस्य वर्षेत्रास्त्रस्य वर्षेत्रस्य वर्षेत्रस्य र्वोद्याने न्याने तुर्द्वेति वेद्यान् द्यान्य द्या विद्याने विद्या यम् भ<u>ुः स्थाश्रवः तहस्राध्यमः त्विमः द्वे</u>न्द्रः चश्रवः चते विः व्यानः द्वेन्त्रः विः विः व नुःत्वुद्राय। अर्देरावाचीयाकेष्वराद्राद्रान्याक्रवरावेदावाच्याक्रवराचेदावीदा ·वः स्टः शुक्राकाः श्रीकारद्युदः चः प्रदा प्रका चिक्रा स्वीतः विकार विक मर्वे । १५२१ पर १६६५ मदि के अप १५२ च १५८ मुदे में अप १५८ मदि । श्रवाश्वापात्रामेना सूर्वेवाश्वापास्यवातह्रयाष्यदावारेवा त्रात्युरात्यावारे वासूरावा दे र्वेज्या विकासर वर्दे द के सून स्वर के बार्स स्वर्ण का विवर्त द स्वर सु श्रेम्बाम । पर्नुन् द्वेदे हेट पुकु सुरू ने इस्र स्था । इस्मिट मिट पर्ने ने प्याने **स्रायकृता । व्यानायदेव वित्रायक्ष्मे । अस्या** स्थारमा स्थारम है। । वु: ५८: व्हें द: वै८: कु८: यु: ८: रेव: कें जीया । विकास र वर्दे ५: कें सूव सवे: क्रेंबाञ्च ज्ञेंबाया । व्रीत्देंद्रकेंद्रचरञ्च व्रीः व्यव । वेषावायुद्यायादी। गुरु सिंदेर तहेग्य न्त्रीर ग्रीय। तर्य स्व स्व स्व परे ग्रीय से र की ने स वा विवर् द्रावुर विदार द्राणा रहाता विकेश के का का का विकार व। ।गाःवःयेदःगविःकुद्वात्यःवास्त्रेवःय। ।वेषःगशुद्रषःयःस्त्रम। स्वूवः नर्तः चुः स्नुनः स्नुनः पर्तः त्र्युरः त्रुना उनः नरः व्येनः निरः सुरः नीया नस्नुत्यः नर्तः स्नुः नचुरयः

ख्यः पर्वा पायञ्चः स्रोताः प्रचारः वी ल्याः वास्टा

स्नुवःया कुः सुदः द्वायवार् श्रेष्ट्वा द्वायात्र म्यार वेवारीय विवासीय विवासीय विवासीय विवासीय विवासीय विवासीय विगान्त्रयम् वृष्ट्रेत्रेयम् प्राप्ते स्थान्य । देशान्य । यस्य स्थान्य स्थान्य । यस्य स्थान्य । क्देःश्री देदःर.के.यी इ.चदःक्रेंर.श्रर.के.यी श्रुर.य.के.यी इ.इ.से.ची.ज.शूर्यायाता.केंद्रास्थेय.ताद्रा.टीटर्या.की.पकींटा.विया.क्य.ट्र.ट्या. यर्नेर्न्यते कें वा स्नेर्याये स्निन्या स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स्वापत स यरकी तर्ने न पति के बाद ने वे बिरायह का बेटा देरायनु वा पति न सुदेश हैटा सुद्धा सुर-देन्नस्यराग्रमा विश्वासम्बद्धारात्रे देन्देन्दे स्थाने सुर विश्वाम्य स्थानी ब्रु र्केंग्रब सदे दे लेब न्दर स्वर या रेग् च दें दे दे दे दे दे सदे के दे लेट न के वा नर वर्देर् यदे के वर्षाया युदे से किंग द्वा मीय विवय विद्या से किंग सूर् के माया सु शुराय। हिरानु ५८ सुन् वी त्वाया व्याया व्याया विता ही वा दी विताया है। वःस्वायात्रेः हेवा वीषा प्रक्रुवाया द्वाये द्वाया प्रस्ता स्वाया विषा द्वाया विषा द्वाया विषा द्वाया विषा द्वाया श्रेवाश्वायान्द्रान्त्रेत् श्चीत्रक्षात्याश्रेवाश्वायाचादान्त्रे तदेन् वस्यश्वन्ते त्रेषा या भेर्पतिवर्षरम्प्रीयः परितर्भे प्रमास्त्राची भेराया भेराया <u> ३.प्रथमःत्रे,पर्धुवःरी, पर्वीयःत्रपुः धुरः विषयाः दुरः श्रीत्राः सुर्वा ३४०। वश्यः वश्रिर्याः तृर्या</u>

यनुब्रायाबिदाकी वार्डिविदि धिंब्रानुब्राधिदाया ग्रुब्राब्र्या द्वेष्वा यथा वर्नेव्या

4

वनवन्तुम्बा निश्चनिर्भवन्यविर्मुन्यर्भेष । ३ अम्बर्ध्या बिट (यस्य अन्देरी अन्य बिरि न् श्रीया विक्र स्थी न् त्यु अन्तर स्थित या विन् न्याया स्थेन यदी श्रीट । कुपःश्चित्रं विरायेर्पा श्चर कुपाश्चित्रं विरादेते सक्ता या देता के प्राक्चित्रं स्था यरञ्चर पालेश बेरलेर । देवे दुर पु यद्वते या दव थेर छेर । देवे अर्टन था <u> न्याकेर प्रवर त्याप्रयापित तेन् वेर क्र लेख त्र के सेन्र सङ्ग्रेत दर न्यासुर संस्तृ ।</u> र्चेयात्रकीर्टरामधेषात्रा स्याप्तुं स्थाप्तायात्राच्यात्राचित्राचित्राचित्रा न्यमार्कन् विःमसुरस्य स्यापन्येन् त्या यद्भतिःमन्तरस्य देन्दरस्य स्या गशुरुषागुरा देव हे ने गहेषागा से समुद्रायक है भी दासूस से ने ग्राया हो न से नवींका नगींन पश्चिमका क्षेत्र स्वरम्म मुस्याया ने प्राप्त स्वरम्भ स्वरम इ[.]च.कुर.वेंबा:पाव कर्:ग्री:बार्बर:केंद्र:बुव:बॉट:चते:न्चर:न्:बार्डर:पाव वारे:र्वयाग्रीयः वियासम्बरः य बुदः या सीवायरः सादे स्टः यी। वदः वस्य ग्रामः विवृद्धः या। प्रवी: र्ह्यूनः र्क्रूनः र्क्रूनः र्क्यः ग्रीः त्युद्दान्यवर्षाभ्रेषाञ्चेत्रावरायन्यायदे वदावर्षाभ्यद्वात्याचेत्रा वदेश विर वी क्वाया देवि वे व्याप्त त्वाया तु से हिंवा सू स्टेंबाया सद्द पातु या हुवा हु। त्वीर वा

यह्नवाह्नेव व अर्क्केवा हु द्वाप्यते वे रायु रेव खर उव र् र र यहेवा हेव क्वी यअयाययाय व बोन् पति देव चे के सू के वाया प्रकार की वायो स्वापन र्दे निवाद्य से से में में में में में माना सुदाय सुवावाद सुवाया के साम से माना में माना में माना में माना में वियानक्षेत्रया देश्ययाउद्भुद्ग्वीयानक्षुद्रयते क्षुन्वद्यास्त्रत्ये विदेशास्त्रेत्र से विदेशास्त्रेत् हो । विस्रक्षाः स्त्रेन् स्रोन् स्यायाः वीन्य स्त्रेन् स्त्रेन् स्त्रेन् स्त्रेन् स्त्रेन् स्त्रेन् स्त्रेन् स्त्रेन ब्रिंग्रथायदुर्दे त्रिंग् हेर् नु ब्रियायान्य। वुट कुय ग्री ब्रिंग् विट नेदी न्यीयया वेद्-त्युष्यायार्थेष् । केद्-द्रद्रा दे त्ययाष्ट्राब्द :विद-दे :धीद-व्यायोग्रयादे :व्ययपाउद-*चुर*-कुपःसःबेन:ग्री:पर:र्;द्वर:यें:इस:यू:ष्वश्य:वेद:युष्य:य:दद:ग्रीशःसे:बेव। स्रोस्रा भेटा दे त्या हो निष्या स्रो स्रो निष्या स्रो निष्या स्रो निष्या स्रो निष्या स्रो निष्या स्रो য়ৣ৾৾ড়ৄ৵৻ৼৢ৾ড়৻য়৻ঀৣ৻য়৾ঀ৵৻য়ৣ৽য়৾৻ড়৻৻৻য়৵৻৸ৼ৻৴য়৻য়ৼ৻ৼ৾য়৾৻য়ৼ৻ चन्नदःबेशन्दः। वेदःन्यवाःसेन्श्चिशःवाबयःसेन्।वदःवःकेशःसूवःयवेःचर्गान्यनः दवा वार्ड्या हिंदा हुआ क्रिया क्री हिंवा या या वहेंदा या दटा देवा ववा या खेवा या क्री वदा दुः क्रिया यरमञ्जूरमः भेरा देन पत्रुवायायदे पर्वे अध्यास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स्वास्त्र स त्रपु: राष्ट्रपु: न्द्र-द्रपु: चुद्राया र्याच्याया स्थान स्थाने स हु प्रमृत्र ग्राप्ता प्रमृत्र प्रमृत्य मिन्न मिन श्री अर्देग पद्भ र मित्र सेंदर्श वा है अ हो चित्र तेंद्र ही अ ति हुन या है। चुत्र तेंद्र हेंदर हेंदर हेंदर हो र ब्रुंग्रथायञ्चर दब्रेंच। अक्ष्राचनर में स्रुयाञ्च सामिन प्रियाच्चर में चिन्न प्रवास में प्राप्त स्रुप ङ्गायक्कियः मदुः सः द्र्याः हि श्वियः मया विदः मरः विषाः म। स्रोतः स्रेचियः विदः प्रविषाः स्रो धे.मायध्यारीयाड्डिराययम्ब्रिराक्षेत्राक्षेत्रामा बयामहत्यायाच्यास्याया

विर धिर क्षेत्रात्र स्वाचने चर द्वेद या कुला च दिन द्वाचा से द की देन देश द्वेज्य चर्ष्ट्रियः अर्थः क्रियः क्रिक्तः द्वीः चाव्याः वियाः चर्ष्काः स्ट्रिटः स्वयाः यादः युद्धः सुदः स्वीः द्वीः स र्थे य दुष्य हुन हुन हुन या विद् दे दे दे से स्थान है दे दे स्वाय स्थान हुन हिन स्वाय हुन स्वाय न्वातःवतः रेंबः क्षेत्रः य। बन्यः क्षुत्रः तेन् न्वाः सेन् ने तहेवाः हेवः क्षे वस्याः तनेः वयान्येराचलवाव। देते कुथाये देरान्या सुरानु यद्या कुषान्दा यद्या कुषा छीः बिट म्रम्य उर् व्यया सर्दे न पर तयवाय हे द्विवाय म्यम्य उर् ने वा क्वीय वा वेदि पा ने भूर भूरा भेर भूर हे प्यूर रेर सहें राय दर। भूरे र व व राय रेंग्र राय पर र्ष्ट्ररायम्द्रायाः स्ट्रराह्ये । यह्याः क्रुयाः वेद्राद्रायाः योद्रायाः यद्रायाः यद्रायाः यद्रायाः यद्रायाः य र्दुवादी श्रुरादायरमा श्रुयादिना हेदानु विदुरान ने सेया अव स्तृत्या वाया भुविषायवि केन न्दा प्राचित्र में यहेषायवि केषायी यनुन से ने ने नियानुवा स्वीत स्वाप यः ५८ त्वर्क्यः यरः पर्वो स्मृत्यः यहं ५ त्यते १ देव ५ त्या १ योर्चे याचीतुः त्यीयात्रात्य हिया याने त्यीराची क्षेत्रा हीता यात्रा हुया यात्रा प्राप्त प्राप्त विया त्यीता त्रमा र्सेय.त.पूर्ट.रत्मा.मर्जेर.क्रिय.मर्थेट.रचिष्य.लय.जमा.चैमा.क्षेप्र.रचिष्य. ॻॖऀऒॱॸॖऒॱॸॖॱॴॖॶ॔ॸॱॺॏॱॻॸॖ॔ॸॱॱॖॖॗॕऄॱॴॸॖऒॱॿॖढ़ऀॱक़ॗॖ॔ॸॱऄॕऒॱय़ॸॱऒॾ॔ॸॱय़ॱॵॺॱॸॖ॓। यरिजायी मेयारिषय की रुपायालय मेयाराजा मृत्यारी मरायाल्यारी वेंच वुन हेन म्बिटियातवुद्दामी नयस्यायदि स्रेटानु नहेत्यानस्य नास्याक्षिताक्षित्राक्षित्रस्य स्वेतास्य याने त्याया सम्भाने सेवा केत् की केंगा रेमा की यानसूत्र यान्या । सेवा या सकेंवा वी देवाबाञ्ज, इसबाया वेवा साहित् वर्षा वेवा द्वाता स्वाता स्व कुपःक्षेत्रोत्रोत्रोत्राचेत्राचेत्रोत्तेःक्षेत्राचेत्रोत्तेःस्यायःक्ष्यःक्षीयम्बर्धाःसन्दरः। देतेःद्वरःपतेः ब्रैं र.प. ध्रुव. श्रव. २८. ध्रुव. श्रूट. जना प्रश्न अग्र. प्रे. च्रुव. प्र. क्रुव. त्र हेव. त्र स्वर. त्र स्व ୣ୲**୵ୖ୷୷ୣୠ୵**ୠ୕୶୕ୠ୕୶୕୳ୣୠ୴ୠୣ୵୷ୠ୕ୢୠ୵୶୷ୡ୕ୣୠ୷୷ୢୢୖୠ୶୷ୣୡ୷୴ୢୢୢୠ୶୷ ५८। श्चैत्रयम्बर्थार्थेयाया५८। ग्रेयायाम्बर्धास्यम्भीत्रयम्बर्धित्रयम्बर्धित्रयम् क्षेत्रः यहित् या क्षेत्रं या वित्रः यहितः यहित यानुत्यानुःस्टःस्टःवीशाळेशानुस्यान्यादशाद्देशसूरःकृतात्रेन्।याने सूरानुत्वनुस्या ५८। विट विस्रार्भ दे त्र चसूत्र य ह्रेजा य से द य पित्र य साम ह्रा च स्त्र चित्र स ह्रिवायायर हेयायाय वृद्धायाया सूरावती इयावाववा प्राप्त वाली द्रमार्क्षमा मी प्रवस्था सर्वे स्था स्थान स् बरबाक्कबार्देन द्यवा सेन्। विश्वयान ग्रम्बास्य सेन्सु प्रदेश सन्दर विषया विषयास्य विषय विषयास्य व हे केंबा मासुर बाय विता पेर्ना यदी समें तारी में किंदी है नियम से नाय है से किंदी किंदी से नाय है । स्त्रेन्य भीत्र स्वर्ण देश्वेन्ने भीत्र स्वर्ण स्व NEN क्रिय तेन 'देन 'द्रमया' ओन् 'यने 'या 'ठव 'क्री' लीट 'ची' अर्थोव 'या है 'श्रीन 'यलुयाया या ने 'श्रीन ' नु: यन् मा भी अर अर अर क्षु अर ने दिर अनु त त्व अर्के अर अतः विंदर नुः विषय । दिने ने ने पर पर ने ने यानक्षेत्रानगुरान्चेत्रायरानेना केवा केवा केवा ब्रह्म व्याप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स नेलियरमिषाया । पश्चययम् यूर्वयूरमि द्वीयश्चित्रा । पाष्ट्रयाधीयरतुः क्री भू ह्या विता क्षेत्र चीत क्री प्रत्या क्षेत्र क्ष्र त्या भी त्या श्रीन् ग्राम् विमानस्यानने न उद्याने त्यायान् वा माने स्वीता स्वी

यासाभितायदेशसकेवानी सुवासुदिति विसायसाभितायसात्। वसाविवासम्बाह्य वेंद्र-द्रम्याः सेद्र-सुनुसुन्द्रन्य व्यवायद्वयः हे दर्ग्यावयः सेव्याः सुन्देश्यः सुन्देशः सुन त्तेयरःयनियमःपदः स्नेयमःय। यसूत्रःयः तयेवः तश्चीयः सेन् ःयरः सदसः क्रुसः वतुष्रायाः प्राव्यात्रायाः वर्ष्ययायायाः वृतिः सुरः वी वी या स्रोतः विश्वासी वर्षाः रत्तया.श्रर्जे.शर्थं थं थं भी का.क्या.की.क्र्या.की.क्र्या.मी.का.बी.का.बी.का.बी.का.व श्चित्र रसाया विषया निर्मा द्वारा निर्मा स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स्याप स्थाप स **३**.५२.७चे.त्रा.त्रुव.४४.४४.४। ५५वच्याय.त.स्रुव.४४.याञ्चवाय.व्.युग्यय.४५.४४४. ড়ঀ৾৻য়৻য়ৢয়ৢয়৻য়ৣ৾ঀ৻৾৾ৼ৾৻ড়ৢ৾য়৻য়৻ড়ৄ৾য়৻য়৻য়৻ৼয়৻য়ৢয়৻য়৻য়য়য়৻ড়ঀ৻ৠৣ৾৻য়ৢয়ৢয়৻ৠৣ क्षेर क्षेत्रयास्य त्वेर क्ष्याय गुत्र क्षेत्रसङ्गेत्य त्यायते सदय यद्या प्येत यय। ने महिषा ग्री सर्वत त्या श्रुव रसा मिन्न मान्य प्रता समुद्र से मिन मान्य प्रता है ने प्रति त म्बेम्बर्यस्त्रेत्रस्त्रेत्रस्त्रेत्रस्त्रेत्रस्त्राचनम्बर्धत्यत्। ।देत्रुवर्यम्बर्वर र्देन् बेर क्वेंशलिट विश्वरायने या उद्गारा सुर्याया सेंद्र या सुन्ता केंद्र । वुद स्रोस्र या शु विर्वर्षियाचीयाने इसायाचित्रेयाचीते समुद्राद्वर्षा देशाया वात्र्वर्षा क्षेत्राचीया विष्या विष्या विष्या विष्या हैट दे वहें ते अंबेच य लेग से द पर मुस्य प्राप्त है सुर हैट वहें ते बेच पर मुस्य कुपःश्रेम्रशःद्वराष्ट्रियः विस्थान् विद्यास्यान् विद्यान् विद्यान् विद्यान् विद्यान् विद्यान् विद्यान् विद्यान रत्तवा.शुर.क्री.क्रिज.क्ट्व.स्रीय.रश्व.वाच्चवात्रा.लुय.तत्रा.क्वीज.क्ट्व.स्रीय.रश्व.वाच्चवात्रा.टु. न्दः भीत्वव्याविदः। ने भी भ्युनः वाद्याके भाविदेनः प्रस्तिन । के भावा सुद्र भा ने । वेंद्र-द्रम्याः सेद्र-द्रे-पी-चसूद्र-याद्देश्चीद्र-याद्वर्याः चित्र-द्र-द्रे-पी-प्युद्र-व्य-द्रस्य केंद्रा-वर्देद्र-यरः विवा डेका वार्युटका सान्दा **अँन वान्या रेका तुना प्रविज्ञ रह्मा । भूत रका** योत्रमानाने अदेव प्राप्त कर्मा कर्मा विष्य के विष्य कर्मा विषय कर्मा विषय कर्मा विषय कर्मा विषय कर्मा विषय कर्म **न्यार्क्सान्त्राध्यार्भिन ।**डेयानासुर्यास्त्री यमेति भेरित्रान्यमा स्रोत्स्या ५८.५८.इंश.ग्री.चर्षेष.तपु.योष्याय्य.क्.स्.इंग्रय.तपु.स्रीच्यात्य। ग्री.त.त्य.क्य. त्वायते में रूट्याया वियानासुर्याती र्से द्यानसूत्र याद्यायते स्थात्या त. ट्रे. श. चर्च. तपु. च्रू रूट श. क्रिंश. इ. च्यू श. दें ट. चपु. च्यू ये थ. स्मूच थ. स्यूच थ. य. व जार्थात्र भीषात्र्यं विषयात्र विषयात्र प्रत्य प सैययाशी रेषु बिजाया के बुरामकूरी ता के कूर्याया क्रीया मकूरी रेक्ट्रिया योग्या में स् यरःश्रुवाःबेटः। देवाःमश्रुद्याः यदेः क्रेंबाः १३ विदः वहेंबाः बुवाः यदेवाः महिनाः हेवाः सुद्रस्य प्रदृतः विद्वतः विद्वतः विद्यतः स्त्रुत्य स्त्रुत्य । स्त्रुत्य स्त्रित्य स्त्रित्य स्त्रित्य स्त्रित्य स्त्रित्य स्त मी स्रेंब प्रमानुदासुयाय हे सामित स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वाप्त देशः शुःचतेः श्रेंशः यः द्रदः चर्त्रुवः हे वाश्रुद्शः यवे । अश्रुक्तं चन्नुवः विवादिवाः वै। विर्युयास्यान्त्रीयञ्ज्ञस्तुवायत्याययये हे । हिवार् विर्ययविरायस्थेतः यगुरानुद्रायद्रा । विषयहेदायाहरू ग्रीकाद्रात्रीकाद्रात्रीकाद्रीका । वेका योशीरश्चे। यसयोश्चाराञ्चीयः प्रश्चाच्चयाश्चारश्चिशः त्रप्तः क्षीशः त्र्र्यः च्चेत्रः गुरु रुषात्यम्बारायदे न्यया यसेम्बारा क्रीस्य संदि स्ना स्रेति स्ना स्वापार यस्नेया या स्नेता विचयात्रवीटाचेत्रयात्रदायकेत्यते यो प्राचित्रयू केष्ण्या स्थित केरावर्ग्य स्थित्वया है। श्रीयहेन्यते वात्रुद्धाया न्यदा विवासे यह या क्षाया वार्यदायते प्राप्ते वार्यदा विवास

क्षरायासुरुप्यस्य तहीत् तुरुप्यस्य विवा हेवा हेवा नेवा वासुरुरुप्य न दि ही है दि स्थापन यरे.यर.योभुयोश.तपु.योशीर.हे.श.श्रेट.त.ईश.श्री.यक्षेत्र.तपु.कु.पर्सेला.क्षेश.योशीर. ययर के रूट वी श्रु स्नूट ट्र सबुद य वेंब सुद ग्रीद ग्रीट । श्रे'महेर'यदे याबुटर्यासु के से प्रहेन ब्रेन की मुंदिर्या स्वापन हम से लिया क्षार सेन सदे की स्वापन श्चेरियासुर मक्कियायासुर श्चेरियाद्वर स्रोदायाची यायहेदायायस्यादुसास्राध्यस्य स्रोदायहेतास्य यःवर्ने र्डमः स्रीतः लिदः। देणः स्वरं र्ड्स स्वरं र द्रम्म स्वरं र स्व क़ॗॴॻढ़ॱऴॖॴॹॾॣ॔॔ॱॴॿॳॱऺऺऺऺ॔॔॔ॻऻढ़ऄऄॴॻॸऺ॔॔॔॔ॻॶॗॾॵड़ग़॔ऻॎड़ढ़ॗग़ॶॣऄऻ र्ण्य-१४ क्रीप्ट्रिंस्य क्रुया क्रुया क्रिया ने प्यत क्रुया क्रीया स्वीत प्रदेश ब्रेंब क्वेंबिट विदायदेव ब्रायमाय क्रिया रे द्रार देंब रे रे येथेब यह क्वें व्याओ बेब व्हेंब दर यात्रियायराधीयहेन्।यतिवानुस्याचेनायायायन्त्रविवायाकेनायान्यान्यस्याया तात्राङ्ग्रीत्त्व। विश्वशास्त्रत्याद्वेत्रायात्रव्यास्त्रत्यात्र्यात्राद्वरास्त्रत्याः विश्वानास्त्रः यः भ्रुः तुः भेष्ठः हो। । याष्ठरः श्रेषः याः लेषाः यः दद्येः सुदः यदेः ह्यः क्रेषः लेषाः लेदः यः याः लेषायः श्रॅट प्रथा मृत्यात विवास सुन्यहै निते सुन्यत्व द्वारा स्ट्रे त्वत्य सर सेंट प्रथा म्बेम्बर्स्स्य स्थानवर बिन्स्स्य स्था व्यान इस्य स्थित दर देव के देर विवाः सर्वो प्रमः दे प्यवाः पविवाः वासुरसः सः स्रिसः स्रीतः स्रीतः स्रीतः विवासीतः त्याः विवासासः म्याम्ब्राचित्राचीत्राचान्त्रवाषाम्यानुष्यान्दरा देःम्रम्यान्नीः सेम्यान्यान्त्रवाः नेरानुष्याः ८व.ता.बुवा.प्रेट.बुवा.शुव.चुर.टव्यूका.चर्चाका.चर्चा.शुव.ड्यूका.शुट्यूका.शुट्यूका.

श्रीव व्यवानावव देंना रेट श्रेट नका देवे अव वया देवे सूना येट का वा निव स्थाने रान क्षे.च्यां वृद्दः क्रूया क्रुया क्रुया क्रिया चहत्र या विष्या प्रयापा या या या क्रिया च्या या क्रिया च तर्ने इसम्भाग्नीयाने तर् दिवा ग्राट सेया से तर्वा द्वीं र या है। देवे सक्स्या द्वा या यक्रक्षेत्राञ्च स्रते मन्दर पत्र तुर्या मारामी वराव तद्वेव सर्वे श्रुप्त द्वार्य स्रेन प्रा वेषा याश्रुद्रश्राय:५८। मृदःवद्देव:इस्रश्रायाश्रुद्रशःकुवे:वर्द्रःधेव:यदःदेव:सर्वे:वरःदव: बेरप्भेद्रायायानेवानेप्भेर्त्तातुः सर्वे प्राप्तेर्तातुः वित्ववायवा देववायायाया देववायायाया तर्भुं के स्थाय प्रत्या में के र र में के प्रत्या स्थाय स्था कुंदै केन नयाने तद यान वेरियावया वेंया वायुया स्वीत प्राप्त नवेंदिया ग्रयः र्शेष्रयः देतेः क्रेतः क्रीयः वस्रययः यः धेतः र्स्यः सेष्रयः व्ययः व्ययः व्यवः ग्नित्राक्षाक्रेवाचे तिने के तिन प्रोवाव न स्थ्रीय तिक्षात्र प्रवाद स्थापित स् ब.कूर्या.यर्ट्रेय.कूर्या.कॅर्या.र्यय्यं स्ट्रेट्ट.यचेत्रा.श्रेटी यगाय.यक्रीय.यक्रेय. বার্ট্বাঝা वशुराधुमार्थित विभानेता मल्दायमात येन स्थाने यो प्रीप्य नेन सेन सुन् सुन् स ॱ<u>र</u>ुषःपसूत्रःयः१४स्रयःपदेःसृःभूषःर्करःपेरःपःरेत्। परःसूत्रंग्रेःसेःयोःसेत्रंकरःतुः शुःजुःचकुर्वात्वार्यात्रायस्ययात्राचकुर्वायद्वे स्त्रीयाक्षेत्राक्षेत्रात्वेत्राचित्रायात्रायतः हो। हे स्त्री र्ये के ने नुषान्त्रा मुराधी रायषा राष्ट्रीरा वाये वर्षा हिरानु क्षेत्र के राने यह वानु हिता देरायेवर्यात्रस्याङ्ग्रीयाकेतायाष्ट्रीत्राचेर्रावर्द्धात्रात्रस्य स्थायायात्रस्य स्थायायात्रस्य स्था देवे देर त्य विद्योग मुग्रम् याये व के विषा या महित्य या प्रीत विष्य है या याया पर्यावि वृज्ञ व्याचन्त्र विष्याचन्त्र विष्याचित्र विष्याचित्र विष्याचित्र विष्याचित्र विष्याचित्र विष्याचित्र वसून्याधिव लेवासूयायन्या हे देव में केवा वर्षा केवा व्याप्त प्रति वर्षा है। त्ते[,]क्षेया.या.सूर्रातयाय.५:इका.क्या.५:क्रू.थ्रा.चेका.यास्टरवा नेकाय.का.क्र.य.रूप.र्येय.या

श्चित्रयादम् योग्याप्तम् । दे स्ट्रीत्रयाप्तम् । दे स्ट्रीत्रयाप्तम् । दे स्ट्रीते प्रयाप्तम् । दे स्ट्रीते प्रयाप्तम् । स्रेर रेन डेबर देवर ने पर के लेवर द्वारा ने कर लेवर ने स्वर हार हार हार यदः भेतः लेयः देयः यय। वियायययः द्वे लियाय हरः से देः या यतः लिया सेया यरः तर्वाप्तरामा का में सुर वु वे र में दर सुर वु त्रहें व में को की का व व व व के ते सामित्र के श्चीयालेयाञ्चर्यायान्दा हे देव र्योकेटी मुवायान्वीद्याया मेंवा सर्मेवयायस्य रे यानुयान क्रेंनि तदी तदा के ना तद्वा द्वीरया है। ध्री रनया क्रीक्रीं या केन इसया क्रीया रदःरदःवी:मुःअष्यःअष्ठःदवाःवी:विद्याःवाहुवाःष। वास्तुदःरवःदवीद्याःववीवाःददः चरुषायायार्चेषाचषयारे हो दाकुति के दाई चासून चसूत्रा सूना चषयार वादगारा सहर देश चेर खें या पेर पारेश व र र पे केंश वें का र वों का वेट वें का पारे वे ता प्रहें वा मु:ने'नबःग्रादःमान्दःके'न'न्दः। र्केबःमिबायाधीन'नवाकी'नहेन्यायाधीन'नवाकी याबुदबार्चियाद्वीबायबाधीयाहेदायदीयाबुदबार्धीद्वासकेबादहेवायरावेवा छेबा यास्राहित्य में विकासी विकास के वितास के विकास क द्या विश्वायान्तर्यः श्रुप्तः स्वाप्तः स्वाप्तः विश्वयः स्वापास्यः विश्वयः स्वापास्यः विश्वयः स्वापास्यः विश्वय क्रिंगवर्दिन करा | व्यक्तकेन क्रिंग न्दान क्रिंग विकास क्रिंग विकास क्रिंग विकास क्रिंग विकास क्रिंग क्रिंग क्रिंग विकास क्रिंग विकास क्रिंग क ह्याद्रवात्रद्रवात्रवादे प्रीत्वसूर्वायात्री विवायात्री व्यद्याक्क्यातेत् चेरागुर्वा वयातयग्रायते द्राया प्रमेग्या मुक्ताया दे । ज्या स्मान्या स्मान्या स्मान्या स्मान्या स्मान्या स्मान्या स्मान्य क्ष्रयायरावञ्चेतावाद्दराष्ट्रीयाद्वयात्रव्याय्वयाव्यव्यायाय्वयाव्यव्यायाद्वेतः कें या प्यट प्यट्या मीया द्या यदि कें या दिहें वा केंद्रा कुया खुया शुर्वे को याया प्रायत या शुक्रे व विताद्याक्षीत्रव्यावराम् वातुः द्र्याकेषात्रीत् त्रुयायर विवाकिवाकिया व्याप्तर्य। दे दशःस्रम् केत् वित्र ने क्रि. त्या क्रिया वित्र मिने वित्र मिने मिन्न क्रि. त्या क्रिया क्रिय

ख्र.च.भवरः व्याः ४८.धेरः ग्रीटः श्रुभशः ३४.भवरः तथः तथः यञ्चेताः चः

इस्रयान्त्रुयानान्दासान्यां याना इस्रयान्यायान्यान्त्रीत्रायति स्रेतान्तु

য়ৼয়<u>ৢ</u>য়য়ৼৼৠৢ৾৾য়৽য়য়৽ঀঀ৾ঢ়য়ৼ৸

याद्वीय क्वी.यर.री.यस्रेजाय वर्षेत्रास्य। यर.तूर.हूर्यात्रास्त्रीय स्त्रीय स्त निरा देवान्यवर्षायदे स्ट्रियाया हे स्ट्रियाया विषय स्ट्रियाया यह स्ट्रियाया नेतिः सञ्चरमा विदानस्यानने ना उदाने हिन्नु स्यान्य स्वाप्तरा प्यान्य स्वाप्तरा स्वाप्तरा स्वाप्तरा स्वाप्तरा स बुट विश्वराज्ञाबर बुचा हु सर्वोद दे दे द्वारा से द्वारा मुन्न प्राप्त हो है चर्याः ग्राम् स्थान् स्थान् । विद्यायाः विवा चर्त्यः स्थे स्थान्य स्थान्य । स्थान्य स्थान्य स्थान्य । स्थान्य स्थान्य स्थान्य । स्थान्य स्थान्य स्थान्य । स्थान्य स्थान् पर्नेजाक्की विराक्षेत्रा हुव पा यायाया श्वीराया या वित्रा श्वीत हिराक्षेत्रा यह । ब्रिट विश्वरात्वेया या यह या क्रिया यह या क्रिया यह या क्रिया यह या विश्वर यह या विश्वर यह या विश्वर यह या विश्व क्रियादयार्के न्याया सेन्यासूर। । सर्व्य र्वेयार्थया श्रीयादर्शे न्यू रेन्या मुला स्रिकायमारमायोद्यस्य प्रतिकारम् । विवाद्य स्थित स वर्चे देव द्रमण अद्भाव विकास स्थान वर्ष स्थान स् यरयाक्चियायादे। त्यार अमूर्य मुख्यायाक्चित्रायाक्चेत्रायाक्षेत्रात्रे स्वर्थायाक्चेत्रायदे। र्धुवायानाङ्गारु प्रसूयायासू तुरा तुया हो। देवे र्स्सेन त्यया द्या यसू त्या से वाली नया यदयः क्रुयः हे : यर्क्वः व्यव्याधिय। यर्देरः वः यदः वी : यर्क्वः द्रदः क्रुः द्रः वै। १२, नः भेराक्षेत्राक्षेत्राक्षात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्राच्यात्र न्त्रम्यायदिव परि । श्रम्याय प्रभेत्र न्याय उत्यस्य परि । विषा मुश्रद्यायात्रुम्। वयायह्याचा मुश्रुदार्च्यामा यदेवाहेम्यायीदाया ग्रीयरायात्में हो अस्य द्यी क ज्ञान ज्ञान प्राप्त क ज्ञान प्राप्त क ज्ञान ज्ञान क ज्ञा वर्चे न सूना नस्या यस नसूया वर्चे न सूया न तर न र से वर्ष मानुया नुते हों २८.७क्ष.त.चंट४.भूर.ही हैंच्या.पंते.देश.यंश्वे.श्रम्भ.१४ सम्

अर्थायान्त्रात्यतिः विदानुः तद्देवः बुद्धायाः वार्शेषात्राया अर्दे रावः तद्दे त्वार्थे अत्रास्त्रवाः विः । र्ने त त्यन से न सुन सुन से न प्येन प्येन के ने स्तु न स्त्यम प्याय स्थार की की स्वाय स्त्र मालन र्नेन न्यमा हु स्रोन या त्वुदाय सर्वेम स्वास्त्रिया स्वेस मास्त्रिया वितर स्वास्त्रिया हुया है साम न्यायने केत बिर यी क्रेंत यस क्री यस मुन्यो य या बुर यी नेत कर्म बिय क्रा राहित बैद्रायान्दा वद्वेतीयम् वहुतीयार्द्वीयार्दे वास्त्रायाः क्षुप्रविष्केष्व विष्केष्व विष्केष् देवे बर बरा दर ये अर्थे व ये वेद द्वा अद । यर यर येद व्य क्रिंद या मुस्साय वे মার্ক্টরিক্তিকের মার্ক্ট্রমান্ট মার্ক্ড্রমের্কিন্। বিন্যমমান্বি ক্রুন্নের্ক্তন্ র্জন্তি हे तर्देव दर्शेयाया अट रे पहेंच हेव व प्येट त्या देश या दट ह्येव त्यया ही सह्या पार यायम् विष्याकेम् ये प्रिन्यान्या वर्षन् म्या क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य क्षेत्रम्य ८८.यर्-यः १४.४.४ श्री यदः क्रुं वययः १८. यम् ४.१.५८. द्या थाः यर् १८.५८. द्या व र्षेद्रशासुः द्रवा यदे : भेदा द्रवा या द्रवा : यश सुद्रा व : भेदा यदे : द्रव द : भेदा या दे : व दे : व दे : व द नेतिः सक्तं रह्मा नङ्ग्रमा न स्रोस्य एक्तं मालन लिया या ख्रुतिः क्रुया चेतिः क्रुया ख्रीन चित्राया नयाग्रहायम् वाद्याया व्याद्याया व्याद्याया व्याद्याया व्याद्याया व्याद्याया व्याद्याया व्याद्याया व्याद्याया व देन न्यम् सेन याम् त्यामु क्षिते सुका मते सकेन या वा त्युरा मा क्षिमा या रामसा म्रे.रर.ची.ध्रमम.मी.मी.स.चीर.चीषय.जायकर.तर.चीम.य.रीमा.मी.मी.मी.जा.ची. र्वोट्यायार्ह्यायायर त्यूरायदे वाववायव ही त्वे देव ही केवारी प्रेवायया <u> विसायार्थः स्रेदिः स्रेकाः स्रोकाः लेगा रेत्। प्रायुत्रः स्वायद्वीरः यदस्यः स्वायरायाः लेगाः</u> मीयावर्रिःसून्तुःवाःसीःरेनम्बसायरासीःसुति देनद्विःरेम्बर्गरेन्सायदेनस्तुन्यः

यक्षित्रामात्राक्त्रामबुद्दानदे चित्रामक्ष्यानाः

तर्ने प्रशास्त्र

 लेशम्बर्धरम्यम् । भुकेरिक्रम्म्बर्धिन्यविन्यविन्यम् भ्रुं केंदिः केंद्र :देद्र :धें :धीद्र :यदिः केंद्र :ग्री:क्वेंद्र या द्रद्र :या :यदि :या विवा :युद्रे :देद्र :र्ड्य :विवा : गशुरुषायाधीवार्वे । यार्ने रावा शुर्वेते केंद्रा निया हु योदायाधीवायती श्री रावा है चलेत्र मिलेम्बर सदी सर्वत्र या प्यार के नियम स्रोत् सालु मान्या है स्वर स्रो के निय चर्यर-वय्यात्मः वेयः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः चयायायाया कुः स्वीयाया हैयः ক্রামর্ক্র মৃত্র ঐর দর কর্ব মব্রমান্তর মান্তর মূর দেব ইল্মান্তর ঐর দর মধ্য ष्ठ्रीत्राया वार्षाराचार्युमाभी वन् क्वात्राची त्वित्राची त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त्वात्त वा अन्वर्धन्वस्थान्त्रेत्रम्भान्त्रेत्रम्भान्त्रम्भानत्रम् वयामञ्जर स्रोमिश्यामायदेमयान्वीयाशी । क्रियासु स्रूप्याम्यायायायाया येन्। । क्रेंन्ट्रपे नेयन्यम् येन्न वर्ष्य प्रवास्त्रम् । वियम्बर्द्यने सर्व्य वर्षा नहेंद्र दे ने मुर्थिया न तदेनया मदि नाव्य स्मानया व स्थ्य सुनु सूद्र न सम्बद्ध प्यया ययार्केन्द्रयम् योद् यर्मेद्र म्याट लुका हे मार्केवा माना माना माना स्थापन सुत्र सुत्र मुना ही यन्गाकृत् कुरायात्र्र सूरास्रवराणयाक्षेत्र प्रायास्य स्वर्गेत्र स्वर्गेत्र हे कुराययात्राव्य साधित वें। मार लेग हिन श्री सक्द दे सुसा वर्ष्ट्व या क्रिंद श्री व्यव्य श्री द्वारा महिनासय। । यो कुनुमायर्केन महिन् श्रीत श्रीत ये सिनास। । वहिनासय गुत **यमञ्जूनयम् वित्राम्या विराम्य ।** विराम्य वित्राम्य । विराम्य वित्राम्य । वैःसुरायद्वित्या विषयावी श्रुरायान्दात्त्वन्येन वितुन्दात्त्वे विषयावीयाया यादः चयाः यादः लेयाः यीया यदे यदः याने यायाः अर्थोनः ये विदः यायाः अदि । विदः श्रीः यश्यीत्रुम्भाक्षेत्रः सामित्रिम्याय। विश्वायात्री देवे सक्त्रावहित्रः याये देवे स्थ्रितः

श्चीत्यराश्चीत्रमञ्जीत। सर्वोत् में त्युः श्चुनःश्चीत्रम्युत्यः स्वृःगुः नयः नव्दः यः स्वृः नुः नदः ने चल्रेन मनेनाय पदे लचयाया सेट खेट मी सेंट सा बुग से यय में निय पर पट पट र यवेषाळुँयायसूर्यायषा यळेँद्राया सूर्युः युः प्येदादा या महिंग्रया देः स्रीदाम्बद्धाः स्रयया स्ट्रा ये कु तुवा सर्देव वार्वे न श्रीव श्रीव से से सेवाया विदेश मारा गावि त्या श्रीव प्राप्त स्वार त्रमा विद्याम्बर्ग हिन्तामा क्रियामा क् क्रेन क्षे मर्वे न या से ते न मान्य क्रे ते प्रहेश प्रदेश साथा मुगान न सक्ते का मर्वे न स्थित स्थित र्भे केविकाक्षीत्राधीत् प्रकारिक्विकायत्रकात् । वे प्रवास्कारिक्विकायाः वे प्रवास्कारिक्विका दे'द्वा'वीर्थाक्षे'वार्वेद्'यर'स्याक्ष्याचर्डस'युद्द'वद्द्य'ग्रीर्थासदे'वस्यावसुद्दर्याया देःवः भेदः क्रेषः क्रें वेंका द्रषः मर्शेवः चः वदेवषः दर्गेषः क्री इदः यरः दुः देः रेट विरः स्टः भे वहे क्वया वर्षेट से वार्षेद चेंदि विवाय लुवाया पदे त्या सु रटा वीया रदः यः भेदः स्रीः स्रेयः यदेः स्नावयः भेदः यया सर्वोदः ये विदः द्रायाः स्रोदः यः वार्षेयः वः यम्यास्त्रेत्रास्याः क्रीत्रायस्य वितान्दरायाः सुदाल्यसायम् तासु रसामे सामे विद्याना विकेलिया योर्डे वाया याद्रा देवे द्वाव लिया पर्ति या सीत्र विकेश विकास विकेश वाया विकास विकास विकास विकास विकास चदः वाश्रुदः धोदः यथः श्रुः चः यः यक्ष्या देः श्रीदः श्रेः वें श्रीदेः वेदे चयः विषः विषः वयायदीः श्रुवयायायदीः सञ्जूवयालेया चे रायहेवा वियाचे दार्थे वा वर्षेयायदेवया यदेव यायहराव दर्गोव अर्केना मी यदेव यथा भ्रेमा सेंद्रा वेंद्र ग्राट यहरास्य वि रदायानदेवाळेषाको अधुद्दान्यर्थेदाव्यया श्रीकेष्ट्रिय्या योदावा क्षेत्राकेषा याकर हे रद वीया रद या पद प्येद से क्रिया वित्त हो वित्त हो से सिया हो से हिनाया

वयाविरान्विरावाने तदार्थेरा श्रीना ने नवा वे वारारा वा विश्वास धेव। वहर वी के संगुद्ध नेया विवास्वा होया होरा नर वहर वहा गुद्ध नेया के यादायदासुन्। वार्ष्ठवासूवावयावीयीवियासूवाचेरावासून्। यार्द्रवावेया নামতাবেল্রীন ভব: শ্রীম উ'অন মী ধবা বিমার মেনমা ক্রীমা শ্রীনামার দ্রী মামীন মা वक्री यो न संस्थान प्रति । यो न विषय वा या या प्रति । यो प्रति । यो प्रति । यो यो न विषय विषय विषय विषय विषय व ग्नेग्रायदे नग्रदान्त्रुपा योदायाययायद्या क्री क्री यया सक्ते प्रसे प्रदेश पर्दे प्रार्टे प धेन प्रमा अन्य स्मार्थ देवा में स्मार्थ स्थापित स्थापि चुर्ता । पर्नगर्भः हिन् ग्रीः अर्द्धनः दिन्दः सुमाः दर्दः यः प्रमा । पर्देशयः न्रमाः **क्रेंच्या ।**बेयःम्युर्यःहे। यद्याःद्दःयःद्दःश्रेयःमुयःस्वःश्चीःमदः वयःमीया ब्रिन् अर्वोद र्ये देन्द्रन न्यवा सेन् श्री अर्क्द्र द्या पत्र प्रस्ते पत्र वा सेवाया सेस्य स्वर्थ स्वर्थ । उद्ग्रीमात्रमास्त्रम्यमाद्वरास्त्रमास्त्रीमास्त्रीमास्त्रमास्त्रम्यास्त्रम्यास्त्रम्यास्त्रम्यास्त्रम् द्र र्शेट वी वार्डेश यदे दिवेर वदे सूवा वसूय गुरु वसा होत ग्रीश सुवस यर सर्दि द् गर्भेय वेष ५८। प्रा. वेष य तर् छेर ये गरा खुर की सूर दिर यथ य से बेर यतः ब्रायमः इत्मः त्येगमः यतमः द्योः यतः द्वाः यः द्वाः यः प्रेतः यमा अवरःव्या'र्थेश्वरद्धःयाङ्ग्यात्तरःयहे.याङ्गःवीःवुरःविष्यश्वःवीरःश्रुष्रश्वरायस्यायाःतवः चर्षयात्राचातात्रकारमञ्जूकाः क्रीस्ट्रिंग्स्ट्रिंग्स्ट्रिंग्स्ट्रिंग्स्ट्रिंग्स्ट्रिंग्स्ट्रिंग्स्ट्रिंग्स्ट्री

श्रेशश्रास्त्र विष्या स्वर्ध्व स्वर्ध्व स्वर्ध्व स्वर्ध्व स्वर्ध्व स्वर्ध्व स्वर्ध्व स्वर्ध्व स्वर्ध्व स्वर्ध्य स्वर्ध्व स्वर्ध स्वर्ध्व स्वर्ध स्वर्ध्व स्वर्वे स्वर्ध्व स्वर्व स्वर्व स्वर्ध्व स्वर्य स्वर्य स्वर्व स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वर्य स्वयः स्वयः स्वयः स्वर्य स्वयः स्वयः

यार्थेश.ताङ्ग्रेष्.ताथा.यर्चीय.तापु.क्री.यट्रेष.क्रुचा.टट.यार्बेट्या.र्ज्याया.

वर्हेर्'या

मह्र्यायात्रम् व्यास्त्रम् विष्त्रम् विष्त्रम् व्यास्त्रम् विष्त्रम् विष्त्रम्यम्यस्त्रम् विष्त्रम्यस्त्रम् विष्त्रम् विष्त्रम् विष्त्रम् विष्त्रम्यस्त्रम् विष्त्रम् विष्त्रम् विष्त्रम् विष्त्रम्यस्त्रम् विष्त्रम् विष्त्रम् विष्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम् विष्त्रम्यस्त्रम्यस्त्रम्

५८:धें चनेत् क्षेत्रा चहेन् या

स्थाक्तिस्थान्ति । विश्वान्तिस्यान्ति । विश्वान्तिस्यानि । विश्वान्तिस्यानि । विश्वान्तिस्यानि । विश्वान्तिस्यानि । विश्वान्तिस्यानि । विश्वानि । विश्वान

न्वीरकान्दायो नेकान्वीर केष्ट्रीन्य द्वीका सम्बद्धान्य निष्ट्रीय सम्बद्धान्य स्थानित केष्ट्रीते । विस्रमान्त्र स्वाप्तर सुन्तु दे किया क्षेत्र सुन्दर । दे त्या द्र क्षेत्र सुन्दर हे न स्वाप्तर । णे.वेशक्राक्र्याश्चात्रीयाहेशा दे.च्.हेर.सें.वी भग्नेंय.मृ.चीश्चात्रात्रा वियातपु.ह. च्रुंभेट्राञ्ची विचायासेट्रयदेश्च्याचाट्या विचायस्य स्थाराह्यस्य स्थार्याः या १८.८वा.४८.यधुर.अर्थ्य.कुर.कर्ग । खुरा.वार्शरसा.क्रेरा रश्चिरमा न्वायह्याकेवार्याक्षे वयायावताविवानु इयायम् सी हेवायापीवापमाने देते ह्या इस्रयाक्षीक्ष्याक्षेत्राचेत्रायदेकाव्यादे चित्तेत्रम् मून्ता यो वेयास्य हेर्ग्यायस्य शुरावतः दुष्यत्। हेवायायायो नेयाक्रियाक्री हे हे वे हिन्यो हिन्या हे वयायावतः वतः र्कुवाने नदा। वीद्याञ्जाने विविद्याविक विद्याचिक विद चक्किन् गाुन् माले न्द्रान्य स्थान् मुद्रिया सुर्नु न्या स्थाने स देश्रायाञ्चार्यान्यान्याद्वात् वावर्षादेश्वायादेनाः श्रीवास्त्रान्यादे विदा विस्तर्भ विद्रारेशायात्राचरुति चुदासुनासीस्तरम् केसारेशायाचेषाया केवारी क्रेंवायादेवायाद्वयायराञ्चरायहॅनायात्रीयावायादेवावात्रवेतावात्राह्वया नुषारेषायाम् वायाक्तुवाक्चीतिर्वरावेरावत्वाषायाने सुत्रान्ता सूत्रामुने हिन्हे सूर्येव व र्रेंश सुदिग्न द्र्या थेट्य सुति व र्येट्य सुदि द्र्या देया थया गत्या वुदिःदेरःवारःयःवारःदर्यःरुःश्रूरःव। कुःश्रूरःयेर् तः त्रुःवात्रुवारायेर् यः सूरः गर्यानुः वेद्यानुद्यानुद्याचेदायां विद्यान्त्र व्यानुव्यान्त्र विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्र विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद्यान्त्य विद

र्धेर्यासुर्द्वेत शुरुर्वया । वार दर वार वार वार दर वी । वार कें वु वायव *चुरा*या ।ने:न्दाने:व्यन्नेराञ्चदारी ।बेर्याम्युद्यायाःसूरा मनुवानुदेन्हुः यम् ज्ञान्त्राचान्यायाः त्रकरः व्यविः कुर्ने प्राचानिः व्यायो निः वान्त्राचान्त्रवायाः विवायाः विवायाः विवायाः वशुरावाविवानुः सदस्य क्रुयाप्येन् ग्रह्मन हे हिन् सूर्वायवे नवो ना स्रोनावा क्रु सेन्वा वच्यानुःश्चे वचुदः चवयायाचे व रुवा च वये व रुवे अरुदः च सूर स्नवा च ये द्राया पवर होर पारा भीव है। यर्देव हैं वाया क्वित या व्याभी क्विया यें या कर या क्षरा । व्यानेद्राक्षेत्रराक्षेत्रा । व्यरवाक्क्ष्याद्रव्यव्यक्ष्याद्वे ग्रमा स्मित्यायास्रोतास्याचनमास्री हिंदा। विषयामस्रम्भा यतर वर्चे दर क्रुं व अर्केन ने सूथ क्रुंदे द्वे व चे द्राया दे सूर यह या क्रुया क्रुंव व्रुया तर्षायदेः यर्षाः केर्रः रस्याया अकेषाः कीः कीः तस्य राष्ट्रहेषायदेः वीतः क्ष्यायदेः वीतः क्ष्याः विद्याः विद्या म्राट्य प्रत्याक्ष्याः भ्राया स्राया स्र न्गोंब अर्केन नसूब थ। कैन महारामेह मार्केश यक्ति होता से स्वीत स्व क्रम्यान्दर वियायया केया द्रोति यकेवा मधूत है। केया बस्य या उदारी केया हैन प्ये वयात्र शुरावा से दाया से त्र शुरावती रदा विविवासे के याद गेवि या से विवास से साम यर्जेशता यहूर मुर्जे, कुर्या जार्जेशता जीर मुश्यार रा। यहूर मियु रूप या ढ़ॣऀॺॱय़ॱढ़ॖॕॻऻॺॱय़ढ़ऀॱक़ॖॕॺॱढ़ॆॱॶ॒८ॱढ़ॖॕॻऻॺॱॻॖऀॱॻॾॣढ़ॱय़ॱॻऻढ़ॖऀॺॱॶॖॱॻढ़ॻऻॱय़ॱढ़ऀॻऻॱफ़ऀढ़ॱढ़ॆऻ श्चेंच द्र्येन द्रुवा महेन श्रीया क्षेंन यदे द्रया केंया इया महेया है। १ थुर द्र हेंग्रथायदे यद्या छेट हें। विषया सुर्था दर्ने या यहें द्युदे ह्यें द्र्या यहें द्युदे ह्यें द्र्या यहें द्या यहिला हेन् होन् शी क्षेत्र वर्षा यहुन स्वाप्य त्यवा पहुन होता पहिन् हिता वदःविषाः नदः। ॐषाः मदः षासुस्रायः द्योः वद्वः स्रीः श्चेदः वद्वः यदेः श्चेवः स्ववः श्चीर्यः बेरायरान्नो तन्त्र निर्मित सर्वेना नसूर या रेना चेरा पेर एत निर्मु निस्ति स्वी त्रनुत्र न्त्रों ता अर्केवा वी अर्केत्र हिन्। रेवा यदे खेत्र हत् वा स्तुस्र न्द्र खेत्र व्या स्तुस्र न्द्र खेत चक्किन्द्रस्थान्त्रस्थाः नेद्धिन्यान्यहेन्द्धियाः व्यक्षान्यस्य हिः स्थान्यस्य स्थान हर्निन्दा है होने पार्रिया प्रति प्रति हो बदायो में का या है या प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति प्रति हर्निन्या सुरामुः स्वारम् सुनायायाः सुनायाः स्वारम् स्वारम् শ্বীন'অম'র্ন্রঅ'নবি'ঊর'দর। ব্যর্শ্বীন'অম'র্ন্রঅ'নবি'ঊর'দর'দ্বিদ্রায়্ম'ন্ন' दुवा देते स्रेट दुरेवा श्रेय द्वी वावि वावि यावि यावि यावि द्वी स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान श्रेस्रश्चर्यम् साम्बीराभी क्रिया स्त्रीत्र में त्युत्र की दिन्दी त्या मासूर साम्यार । बुवाःवीः क्रुवयाः केंयाः क्षुः छवाः वाडिवाः यः वर्दे दः दो। क्रुदः ज्ञः यः यथा। क्रुवयः विः यरयाक्चियान्नवान्त्रवान्त्रेतान्त्रे। विद्यान्ताक्चियाक्चित्राक्चियाक्चित्रवान्त्रेत्रे श्रवर भ्रवा १३८। ।३४१ म्यूर राज्या । १८८ सूट देव क्री देवा श्रव व क्रिय है र क्र्या वियोगः सर्यः क्रियः क्र्यः क्रीं सुंदिर्याययः स्थात्रात्रात्रा सुंद्रात्रात्र्याः सु गुत्र तर्त्याक्षेत्रर पतित्र उत्र दे वि विवाय तर्दे द य दर्ग किया मार हेया या है स्ट्रिय र्श्चेत् यस्य नित्र पत्नित प्रमुन पर स्वित रेश निस्त्र स्वाप है। नेश व ने स्वाप निस्त्र निस्त्र निस्त्र निस्त्र योद्रायार्केषा'वार्युयाद्रया'यादी'दीद्राञ्चययायाया रेक्या होद्रार्केषा हात्र विश्वास्त्र विश्वास्त्र विश्वास्त मीया है:सूर क्रेंब यस पहन पति देव मस्य उर दे पति व दुर स्माप पर विवा हैया

डेयायासुद्यासी।

दर्गीद्र'स्ट्रिया'यासुमा'यर्द्धया'यी बिर्चासर्ह्या'यासुसा'यासुमा'यर्द्धया'यदिः क्षेत्राचीयासू इत्याहे। **५५म् यश्केष पाणास में इति सून्।** लेया याश्रुररूपाय विदेश हिंदा पुरा की विद्युर सूर्यार विदेश सूर्या कर विद्युर सूर्या कर विदेश स्था विद्युर सूर्या व वासुमान्दर्वा विक्रांस्ट्रिनीयो विक्रांस्ट्रिनीयो विक्रांस्ट्रिन् **युद्धा** लेयानर्हेन् वयास्वागाम्युयातर्क्याव तत्त्व्यासे स्तृत्वस्य स्त्राप्या ८८। रेश्वर्यस्य वर्ष्चर्रेश्वर्या श्रम्भात्रम्यस्य रवादर्भामा द्वीरावी क्यान्यामा वास्त्राम्यान्याम् बुँग्रथान्यान्ते नाउन बुँदिर विस्रयाधीन याद्वन विदार्वेन न्याना सेनाया स्यासी हुँद् हे द्र्या से विषय के व रः श्चार्येषाया भी नवेरियाया प्रवेषा वियापास्य प्राप्ति । वियापास्य प्राप्ति । वियापास्य प्रवेषाया । वियापास्य वयान बुदा स्रे देव नसूया है नसूव पर्दा । पालव प्यटा नर्देया सूव पदिया देव न योषुयायायान्यायद्यायद्यायाप्यायायायाच्यायायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्यायाच्याय येन्यायायुवात्वर्यायां सर्वेन्देन्दें सुवयासु सर्वेते । वियायान्न सुवायान्याया स्रिर-दु:यव प्येव के नर या बद्दा यक्त प्यव महिना पर पर्हें द व पर विदेश

वियायन्यायायञ्चा स्रोत्याय स्योत्त्राया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्थाप

चक्रियः योश्वरः चर्याद् मृति स्वर्धः यद्देशः यच्चितः यरः योश्वरः श्वरः विद्याद्वेतः विद्याद्वेत

ष्ट्राय प्रमानि विकास मिल्लिक मिल्लिक विकास मिल्लिक मि

बेशन्मे र्श्वेर-रम् अद्याग्धाः स्वाधाः स्व

यश्रिकाने क्रेंब यथा ग्रीका सम्मान सम्मान सम्मान मिन्य सम्मान सम्मान सम्मान यरे.क्रेय.ब्रेट.ब्री.क्रेंय्.लंशायांच्याचीय.योथ.क्यायाःग्रेट.क्रीयायाह्रं.संद्रःक्रेला.विश्वया ॲंट[,]व्य द्वित क्वु त्रे केंद्र केंद्र केंद्र केंद्र त्य दित केंद्र के मुनामह्याः स्ट्रास्यास्य हिनायान्या सह्याः सम्यः विषयः यान्यया मेर्यायन्त्रिः क्र्यातकर् १६४ क्रूयाया ययायायायार्कर् । त्रत्या ध्राया स्थ्रीय स्थ्रीय स्थ्रीय स्थ्रीय स्थ्रीय स्थ्रीय स्थ्रीय वर्ववर्षार्द्भेवःवया देवैःस्ट्रेटः दुः दवोः स्वान्धेवाः स्वेदः वीः विषाः योवः व्यव्याः वार्षावाषाः ५:रेषाः क्रीकेषाः रायदेविः वदः ५ लुवेषाः हे इयादगारः क्री दवो सः पञ्चात्रयार्क्त। ষ্ট্রিবামানস্করি:ক্রিঅানাস্থামানস্কান্দ। বেধবামান্দের্মান্ত্রী:প্রমাষ্ট্রবামানুমানারমা শ্বীবর্ম শূর্র যে বর্ম বার্ম পর্ব প্রবাস্তি পর্বির্ম স্ট্রা রাম করি প্রমান কর <u> इनः मुः बः बोनः प्रदेः वुदः कुनः वः दर्गेनः प्रदेः नृ वः वाईवाः प्रदेः बृदः नुः नङ्गः प्रदेः ब्रह्णः ।</u> नवो य हैं वार्षा सुदः नुः वर्द्वे वर्षः स्नावराधा वियाय सेन। नेरा व निरोक्त सिरा वर्षे व केर्या र यक्रियाःचीःवरःनुःसहसानुःवर्देससायदेःवनुसायदेःववाःचारसाःग्रारःहुरःहुरःसारेन्। वर्तेते विवार्क्त भी केंगा वर्षा वरम वर्षा वरम वर्षा व थाक्कुलिट केन् श्वीत्र द्यो सी देया या तयात देते सी सूतर के या लु पा पे दिन हिंदा वि कते वर्षे स्वया श्री वेषा त्रायम् द्रात्त सुया श्री वर्षे द्रात्त वर्षे द्राया दे स्वर न्वीत श्रे विवास में देवे स्वा वर्डन सदी नवी वर्डन स्वा स्वा स्वा स्वा से से सि न्नो नक्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र केला न्ना अरार्केन लाक्षेत्र नि ना ने केला ना ना ना ग्रद्भार्क्ष्रित्वयानम् व क्रिंग्स्रित्यया क्रिंग्स्रित्यया क्रिंग्स्रियः व्या कुट वी या कार देविन के सिना क्षेत्रा किना त्या या किन्ता ता कि साम किन्ता सिन्दे । स्वापन यर-दःश्रीतिः दुशः श्रीत्रशः श्रीः स्पृत्यः दुशः व्यवस्थः व्यवस्थः ५ : ७ : ५ : दुशः वदे : बिदः तहन् शः मूर्याक्षेत्रःजमान्दरः वियो क्षेत्रं येजायः कृत्वदः स्रीदः त्रीत् । यदः कृता ब्रीयः यद्देशमाः चलवा यात्रदी प्यटार्ट स्रमायन दान स्रम्पमायोगमा स्रोभा नवटा मीमा सुरा चित्र स्रोभा स्रोभा क्वित्रयो दिया के वा प्रीता दारेश विदेश वा विदेश श्री सार स्टास्टा स्टा के के क्वित चर्यायात्रीत्रसूर्वययात्रीक्षेत्रयात्रीय। क्रूयात्रेयः दतात्रसूरः चरुः त्याये मुम्बा नर्गेषासुः केषासुन् तदी नमानदी यथान्य स्त्रीव यथा समुद्रा ने क्ष्ररः हैं व तवेयायम ५ दें व तया द्वीत वेया है जवेया है म दिया है म निया में म निया में म निया में म विटा छन्यरानु र्रास्टा सेट्रा के द्वारा विद्या स्वीता के का साम के साम स्वीता के साम स्वीता के साम स्वीता स्वीता स है। विवस्ति के अर्के वम्याने वस्ति स्राम्य स्रोमा यदे देव सम्मा प्रति व स्तान याम्बिमाम्बीयायक्रयानुः व्यविषायायन्ते। शुक्रार्थेन् याप्येन् यादे व्यव्यामी याम्बि विया वीर्या सेंद्रा स्पर्य स्पर्धा तर्ने ते वर्ष तर्म वर्ष स्पर्ध स्था से स्वर्ध से इ.जया.श.प्र्याचर्षेयःक्षेयःक्षेयःपहूरातपुराधायपःश्रीजः देशातालरः यथीयात्रास्तरः। नेरः या बन् या वया पर्दुव पव वर वा शुर्या पर्कन हिन् हैं या वा शुर्या व्या रहा नवह । देवें राव दे नश्चन खून खूर बूर्न तहें ब मका मुर्डेका मते मु स्मार प्रमे तर्मुका यह का मति खूर पर तहित्यानित्रान्दरादेते प्राप्तकता साम्राप्ता विष्या सेदायमा क्षेत्री साम्राप्त स्थापन क्री:लीय:विष्राय:पट्टी:क्र्य:किय:क्री:लीय:बी:लीय:पाय। स्. ध्याय: १८ प्रत्याय:पट्टी: न्योः नक्षेत्। र्वे मध्यक्ष उन् रहेका क्षेत्र्य मधुन्य पात्र नारेन उक्ष सूक्ष्य न रहेका क्षेत्र पात्र ग्रिंग्यवग्रामी मेंग्रिंग्यया वर्षेर सेंद्र संद्यायर देखायायाय स्वाप्य सुदे धीन केषा ग्री विंचा रासू तु लेवा या सर्वेद द सीन वेन ग्री सु सित सीन लेवा वेंवाया

नुषारवषाश्चीन्वर वीषान्यायावीर स्रविष्यास्या द्वीत स्वयाविषा स्व <u>₽₹</u>5. यःरेअय्याम्बेषाचीयान्ने प्रतियद्भारत्य क्षणाचीत्रः स्त्रीत्रः स्त्रीत्रः स्त्रामिष्य दिन् स् बिया रेट्। देव ग्रह हे सूर यह या वेयाय सुया ह्या विद्याय ग्रह । । यहीय यक्षेत्रद्वरः रुटः श्रेष्ट्रायावयः यक्षेत्। । ने श्री रः यन्वा वी श्लेवः स्वा वि रुद यदः। । त्रमः केंगः नहेंदः यः ददः श्चेदः श्चेदः शेः नश्चेद। । विषः मश्दर्यः यः वृद्रः। यन्तर्कुः द्रसायदे केंबापी द्रशासी स्वासी स् चर्म्नतः परिः श्वीः स्तृताः न राजदेः स्तृतायानाः परिः रहतः । वरः देवः श्वीः चर्म्नदः याः ५ सार् सार क्ष्याः सः प्रते व्याप्ता स्थितः द्वीयाः याक्षेत्रः श्रीयाः देः स्थाः सः द्वाः सः द्वाः सः द्वाः सः द्वाः सः द मी नमून या है। भिर्मा स्थान स्थित स्थान स्थित स्थान स्थित स्थान स्थित स्थान स् सदःर्भःशुःरेवान्यान्ते। । व्यस्यान्देर्भःसः न्वान्वीयः यवाः स्पर्भः श्रीया । वासुर्यः यःभुःतुतेःतुषःवदेःवःवसूषःयःत्रषःर्केषःग्रीःश्चेषाःवद्देषःकुःतेःवसूषःयःवदेःवःलुषाषः यदे न्यार चर्चा म्बस्य उर् क्षेत्रास पर्वो स मुद्द से र वी त्याद त्यी लेवा पी द म्बी र केंबा केंबा बारा वित्व विवा की क्षेत्रा का विवार रहा। इसाय वित्व केंबार राजी बार हिंदा केंद्र म्बर्यायान्त्रेयान्तरे में सूनर्यान नर्यो स्वापान निस्त्रेयान निस्त्रेयान निस्त्रेयान निस्त्रेया स्वाप्ति । तर्ने नुषानासुरा पर्ने नानेनाषासुषा नृहा स्राप्त स्थापा । विनाम सन्तर्भाषा में दिया निर्मात में त्र स्थाय स्थाय स्थाय में मुन्निया में दिया में स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्थाय स्व.य.जुर.तपु.अष्ट्र्र.तपु.अष्ट्र्य.ज.पत्र्म् क्रैं.प्रट.यम्बन.क्रिय.लुपे क्रूम.यन्य क्रैं. कुथायदे:ब्रेवाययारेत्। यद्याव्याकुत् क्रेवावेदार्च्यायाकुयायदे सर्दितायोवः त्रमा क्रैज.चपु.सुष.जम.क्रेट्.भु.च.चपु.सचम्राःष्ट्रेज.ज.चम्रभ.वचट्र.त.लुष.

त्रवास्त्र वित्यविद्रम्म श्रीमाहित्यूम प्रविद्यास्त्र । क्रममास्य स्वास्त्र स्व वे उँदि तर्देव या सु तु लिया पीव यया देया छै प्यटा सी यव। सु यो र द्वा तर्दुव या इस्रयायालुः है द्वीया कें तदी धुः वाहिषागादी सुवसाग्वया रे ह्वेया रेद्रा वसूत सः नवो तन्त्र रेन। नवो व्य विषय तन्त्र लिय स्ट क्रून वक्ष्य य प्रमा क्षेत्र विषय व य.यथीयात्रात्त्रय.तात्रा इ.इ.क्ष्यायातपुः ध्यः शूट् यो.यक्षय.ता.याट्याः कुट्याः त्या क्रीक्रुव क लेवा प्यें र क्रु दर। वस्रव य पदि हो र वस्रव य पदि पदि य दे र विद्यारे या वया न्यकुतिः देः वः बिन् द्वार्यः यः यः वरुदः स्पेन् ः यथा नः वृः नुषः नुषः वृः व्यक्त्य्यः नृदः । यर्सेय.तपु.कूर्यायात्राष्ट्रयाया शु.सूर्या.इं.र्येयालुय.तया त्त्रया.ध्रेया.पाष्ट्रय.पाक्ये. के.चदुःर्यः रचया क्र्र्यः ययः यः चलुग्यः क्रुं यो दः चदेः र्यः स्मानय। रे. रेदेः र्देशव्याः भीवावायमृतायाय राष्ट्री सुवाया लिया रहेंग्या सुदीया महिता सिंदा रहें नि न्वीं ययते न्या हैनि रेन्। ये क्रुवें के हैंन्य हिन्य रन्वें हुट व विवि केट या बिन् इस्रम् संदेश विद्या दिवा हेत् की यन्त्रा संस्ता कुमाय सुता तु स्री यन्त्र से स रेत्। क्रुत्रःयः शुव्यः तुः व्यत्यः व्यत्यः देशः देशः व्यत्यः विष्टेशः व्या वेंट्र राया वर्ति ही नुष्या है पेंट्र विन् इस्राया या रवा विया प्राया प्रीय प्रया विन इस्राया वरः वेदःवयाप्यरः क्रुवाः ने स्वरः ब्रुवः वायाः व्याः द्वाः द्वाः द्वाः द्वाः वायाः वयसः स्वरः स्वरः वयः स्रेन्स्रेन्नः स्रूर्रः श्रेष्ट्वेन्यर। श्रेन्यशर्द्धेन्यः सम्रम्भः स्र्राम्यस्यः त्वीतःग्रीन्नरःगीयःवेयःभेतःसुरःनदेशंगिःस्न्रमयायःभेन्।यय। नेःस्रययःग्रीयावीनः

इस्रयायायस्यायाद्वरायाचुदायास्रेत्याद्यस्यायचदात्रस्यावस्यायचदाङ्गेत्यस्या नेयानेदा यदाकेषयासूर्वे विदायहर्याददायाययार्दे ययाविदासू। भ्रमाः क्रूरः मीः विष्यः भ्रम्भावस्याः यद्याः हो। अः क्रुयः द्योत् स्वारः विष्यः द्योतः विष्यः विष्यः वयाक्षेत्रात्वराञ्चा वद्यायवर्षात्वर्षात्वर्षात्वर्षात्वराष्ट्रा विद्युत्रस्य श्रीकारम्य विद्युत्रस्य ५८-५ते व८-५ अर्रे तर्शावशानस्य भेरिया रेत्। ब्रिन् इस्राया श्रीया साम्या श्री यराश्चेंर्यायञ्चर्यात्रीयात्रीत्रवात्रीत्रवा प्राप्तवात्रीय्वर्षात्रीत्रवात्रात्रीत्रवात्रात्रीत्रवात्रात्रीत् श्चितः श्चेताः श्चेदः रेराओः नेयाः वेद्या श्चेदः रेतः सदः नेयाः वेदाः रेतः राष्ट्राः स्वादः स मुँग भँ । रदः येग रूप से स्देन स्मायन सुनिय भँ ना येग रूप से से मुर्यायात्रप्रक्री म्यायायात्रया मुर्यायायात्रया मुर्यायायात्रप्रक्रीयायात्रप्रक्रीयायात्रप्रक्रीयायात्रप्रक्री डेबाधीको द्विबार्धेन्या अप्टेन्य। मर्ज्ञिकाबारम् धिमलेबानेबादी प्रमान ५८ क्क्रिन् ८ व ४८ स्वाया श्रीयाय विषय परित्र व भीवाव दिवाया या भीवाया र व धेव:ययःश्चेट:दर्शेया हेव:य:विव:य:श्चे:वर्द्ध:य:रट:वी:यव:श्ची:येव:हव:ववा: लुब्द्रचूर्याचेटा योध्यायचेट्रक्रांचेटा लयालयाक्रांक्रांचेटी क्रांच्याया हीं तर्र क्रिया वर्ण रेट या क्राक्रे के या वा होया रे या वेत परितास व या विवास ५८ क्रिक ५ मार विदेश्यक करि क्का व्यवस्था क्रिक कर का करिया মূবা'ৰ'ঠ্ক'ৰ্মূৰ'ক্ট্ৰ'অম'ৰেন্ৰম'অ'নমম'ৰ্ম্নু'বাচ়িৎ'ৰীম'ৰ'ষ্ক্ৰীৰ'মূবা'বাচ়ম'গা'নইৰি'ৰ্মুম' यः वैवार्वेदः यः प्रेदः यथा यः यः क्षद्रः वार्युयः यः यः इति वार्यः विष्या यः यः दिदः ह्यः

कुट वृष्ट् क्रीया वार खे. लाय प्यत स्थाय प्राया प्राय प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राय प्राया प्राय प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राया प्राय प्राया रेता श्रेःश्चुःर्वे श्रेष्ठ्रस्यया श्चेयः र्वे श्रेष्ट्र विषयः विषयः विषयः स्वितः स्वितः । *वि'न्वीब'य'र्क्र-अब'वेब्य'वेब्य'*हे। गुडेग'व'व्यय'वे'र्क्रेन्'स्रे'व्रेग |गुहेब'स्' अर्क्चित्राचरक्षे ने कुते ह्वा दहें व क्षेत्राच सुषा हे कुर यथा व स्ट्रा या व स्ट्रा व स्वा व स्व व शर.चन्न.च। चै.भीचा.चीन्न.केल.च.चन्नप.कू.चन्ना.लाचना.कीर। परीचा.कन्ना. क्तरःक्तरःब्रेनःख्रीतःबर्गाक्षे। यरःवर्गाग्रेनः यानाननः यरःवक्रेः वर्गानीः वस्यः य ब्रें चुर-रु बेंब है। य केसरा र्डम लिया प्रहेंया थेर सी या हर पर है प्रद्वे सर पे प्रेर तर्वा वें क्षिर कें न महिन की सूर प्राधीन प्रशासें तर्देर सूर त्या होन प्राधीन प्राधीन सु: भेरी देव हैं से केंद्रे तर्वे क्या तर्वा नगीर हैवा र ख़ावया रेया पर हो र रवें या यथ। अञ्च सान्गेर सर्वेग र्से गानिन स्मित्राय रेने यथ सुन्द्रिय स्था सीना मी वच्यानु चित्र नु खुर्या ख्रें या या विदाय ह्रवायायवन्। नेदास्ट्रेन्ट्रक्वारेश्यायवीं वर्वित्रावयायहियाया करः यायश्रद्धा नुःवायायश्रेषा विःश्लुवायायायहेवा नेःनवाःवैःनयाययेःकेयान्दः श्राभविष्यं विष्या नयाम् क्ष्यान् राज्यायाः क्ष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विष्याम् विषया वर्षु,वःशेर्। इस्राञ्चीवःर्रः व्याः द्वाः द्वाः द्वाः द्वां वर्ष्यः क्षुं के ख्वीः सः स्वा वर्षयः दव्यक्षेत्रायत्वक्ष्म्याव्यक्ष्म्याव्यक्ष्म्याव्यक्ष्म्याव्यक्ष्म्याव्यक्ष्म्याव्यक्ष्म्याव्यक्ष्म्याव्यक्ष्म्य रदाश्चायाधीत्। यरामानिद्याप्तरामानेमानेमानेमाने 'खुवाबा:विवा:पीव:या:वाबा न्या:वाहेब:वा:हवा:वहव:न्रः देश:या:बोन्। नेबाव: व्याम्बन्यार्वित्रासुः धीवाध्यम् यार्वेद्रास्रोत्रस्य स्वास्यान्द्रस्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य स्वास्य ५८ विवाप्यरमार्थी क्रिमा युमारवाप्येत वासुमाक्रीमार्भी त्वो वास्यर ये ह्यू वास्यर

क्रॅर-तृषादे साम्बना मुन्यविषाया श्रीषा यववाषा यथा द्वारा श्रीवा यदि प्रवि मृत्र रेन्'अ' द्युच'ग्राम स्ट्रेवा'य'प्पर'तसेव्य'न्'क्री'यञ्जूवा स्ट्रीवा'य'आयन्ववार्यायर'प्युद्ध'रेन्' तर्वो र र्वो र र्वे प्याप्त विवादित्य । इस विवादित्य विवादित्य विवादित्य । विवादित्य विवादित्य । विवादित्य विवादित्य । रैट व तबेवा हे हे के हे सट वा चुद तर्जे चर्मा 🏻 🍇 वा खूट तदी दट पुत रेट वा त्रवीं वास्त्री विवासित्व विवासित्य विवासित्य विवासित्य विवासित्व विवासित्व विवासित्व विवासित्व रवाः वीः श्चेन् प्राप्तरः भ्वाषा ग्चीरा प्रवादा । स्वितः क्चेन्यायमान्त्राक्षीर्ययमानेष्यम् । भीकित्यानेष्यम् वात्यायस्यानन्त्रायः क्षेत्रायाः क्षेत्रः नदः खुदः या ने त्यान् वातः वया सर्वो वास्त्रान्तः स्त्रूनयान् नदः स्त्रेन्या स्त्रीवाया सर्हि। ने भ्रानुदे से वे ख्वा भ्रान्य या अप्ता व व या या सुदा है पा से पा न्राणेंद्रा ह्वास्रतिःवस्त्रानेः स्वास्त्रान्तेः स्वास्त्राने क्वाद्रान्ते स्वास्त्रान्ते क्वाद्रान्ते स्वास्त्रान्ते स्वास्त्राने क्वाद्राने स्वास्त्राने स् म्राया अत्राप्त निवास मित्र प्राप्त को निवास निव व्ययः ७५ '५ वादः व '५वो' य । य : य : ५ वादः व : ५६व : व्यवः प्यवः चे र : व : व : <u>ॱ</u>ठक्ॱअम् नुद्वेद्रॱअॱमहिम्बरायदेॱक्वायायदेॱअह्द्रायायदायेम्बराख्यायाद्वेमाः स्तर्भात्र वित्राम् स्त्रेमाराक्ष्यास्त्र स्त्रामा स्त्राम् स्त्रीय स्त्रामा स्त्राम यश्चर्त्वादःश्चे वेषायाः व्यवस्य उत् र्त्त्र्युवार्त्वाषा क्रियातः हेवाषायदे यद्या ক্রুম'শ্রীম'শ্রের'মব্যু'রনম'ম'র্রির'ম'বেবাব'র'ঐর'ৠর'মম'মর'রম'র্মামব্যু'ন'উরি' ध्चैरस्येत्। द्वोस्ये:द्वो:यस्य क्रि.च्या:धेव:विट:व्यूर:यूट:वाच्याय:पक्का:र्यः श्ची: न्योः श्रेयाः यः केन् केन् यं वियाः येन् यः योन् ययम्। यकेन् श्रेन ययम् या योन् श्रेनः

र्ये.ज्र्र्स्य.र्ट्रं प्रत्वेर्य.य.क्रिया श्रायह्यायात्र स्रीययात्र स्रीययात्र स्रीययात्र स्रीयायात्र स्वर कें बर खेवा सु खेश दर रूप प्रवास कर केंद्र र बिट बर छुटा देवो पर खूनशा भ्रैनानइ भ्रेट्या देते स्रेट रु र्नो नस्ने तर्र न्यस्ने त ना व या श्री भ्रेया यते स्वया विभवासुरवादराष्ट्रीयासर्विदेवादरावरावर्वित। तुवासुवाद्वीयवा श्रीकें दी प्युन र्डमा प्येद प्या वर प्रवाद केंद्र वी प्रमान दिन प्रहित सामित इंशन्यात्र केंद्र द्यात द्वीय सेंद्र चारेदा वद स्टर हो द्वी चालव हो सुन्दर सुते यर प्रेम रहर विकार हिरास होता विषय विवार के वर्षेत्र साने के रासका की वर्षेत्र शुः धीदाः प्यान्ते वादाः प्रदेशाः प्रदे व्यामर्वे न सामुन्या ने साम सुन मान मान सम्मान सम्म कर्यारेत्। नर्गेवाणरास्रयास्त्र्यास्त्र्रातास्राविष्याः स्त्रेवाया स्त्रेवाया स्त्रेवाया तीयात्रान्त्री वत्रात्वयात्र्याः क्षेत्रः क्ष्युं र त्वर्त्वी क्ष्यः स्वीर त्यातः स्वीतः त्या वर्बेर् द्वेष्य है। वहिवाहेब कें वदिवेदि देव दुः सूवा दुषा होत सुवेद देव स्वेद गा केंबा वा श्चिषान्दा है सुरावदानुदारदार दर्गे विंद्वा के विवा पेट देषाया पेदायण। खेरब्युवर्द्धा क्षेत्राञ्चीद्वर्याद्वयाद्वरा वक्षीवाक्षेत्र्याविवार्येद्वराद्वर्द्द व क्रमा क्षेत्रायाया प्रस्ति त्या या क्रमा क्रमा या क्रमा त्या स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त वयायर्ने केंबा सुनायते नुषार्केन प्योव नयया सुनिया प्येन वा कु स्वया या विषया प्येन सुन

वीः सूर्वा प्रस्थाः स्ट हेर्बा कुः हेर्बिट की व्येत् प्यरः हेर्बे अया व्येः द्वायाः हेर्बे अया ब्र्रीयाची सूना नसूयाची में पिताया द्वारा । इता वर्षे क्रियया वर्गायाची त्रीयाची वर्गायाची वर्गा र्षेच.पर्रेज.शुर्च.मूर्य.ता अष्ट्रभग्न.भष्मग्न.भी.चीलच.सेष.भाउत्तु.समग्न.२२. रट.लुप्र.तर.सुर्थाया वि.स्या.यया.यय्या.तप्र.स्वा.यर्ज्या.यर्ज्या.यर्ज्या.यर्ज्या.य व्यट्या भ्रान्त्रम्या ह्याच्या द्वार्थियात्रम्यान्वियाह्या ह्यात्रम्या रदायी दासूरि या मान दे या नुन श्री यानि विदेश या या दिया या स्ति या स्ति या स्ति या स्ति या स्ति या स्ति या स् ने निर्मा म्यून निर्मा कर्ति से स्वाप स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वाप श्चेंयम। विरक्ताक्षींसेसमा देरसेसमान्यस्य स्वीरक्षी पश्चेर-रूभ-श्चेर्यया अवर-ध्वान्त्र-स-र-र्यस्य-र्वेर-स्रे-श्चिर्य्य-रूभ-रूभ-क्षेत्रयान्दरक्षेत्राने केया प्रवेशीयान क्षेत्रान क्षेत्राच्या विष्या क्षेत्राच्या क्षेत्र क्षेत्राच्या क्षेत्र क्षे য়য়য়ড়ঢ়য়ৢ৾ঢ়৻ঀঢ়৻য়ঢ়য়৸য়ঢ়৻য়য়য়ৢ৾য়য়য়ঢ়ঢ়৻য়ৢ৾য়য়৸ঀয়৻য়য়য়৻ঢ়য়য়৻য়য়য়৻ <u>चेयार्य क्षेत्राला चेत्राक्ष</u> क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्रा क्षेत्र क श्रुमिष्ठेषार्वेनायाधीत। देषात्रार्हेनाषाक्रेत्रायङ्गा वदायुदार्हेनाषायङ्गिराद्वाराक्रयाञ्ची मार्डुमा त्यमा (यर तर्देते वर 'तु 'द 'रेश ग्री विर सर्केन 'दर त्र होय 'यते 'विर 'विद 'तर्केम् या बेट्याम्हियाधीत् बिटा ५ व्येति बिटा विट्र केत् व्येति बेट्यामहियाया देत्। त व्रैट.प्रट.प्रेट्स.वर्ष्ट्र्यायाप्र.वा.क्र्या.विययाश्रेट.तया पश्चेट.क्रें.ची.क्र्ट.वीयाक्ष.वे.वी. अर्क्ट्र-त्राचन्य्रश्चाच्यात्वेषात्रज्ञीषाःश्रृहःब्रहः। दःश्र्रःश्चृतःश्चुतःश्चुतःश्चरः

वियायन्यायायञ्च स्रोत्य य वर की ल्याया सुरा

ૹ૽ૢ૾૱ૹૄૢૼ૽ૹૻ૽ૼૼૼૼૼૼૼૼૢૹ૽ૻૡ૽ૻૡ૽ૻઌૹૻૡૻૺ૱ૡ૱૽૽૱૽૽૱૱ૡ૱ૢ૽ઌ૽૽૱૱ૡ व्यातिन स्वात्रकार्स्त्रवा चारे चिरारे से कार्का त्यात से मार्थेन प्रकार्त्त्रकार में यात्रकार स्वा श्रीत्र प्रति सूत्र श्रीत्र र त्या वा ति र तद्देव त्य सूत्र य या तदे त्य र तु य सिंद श्री सूर द्या वर्गुव स्ट्रेन्द्र व्यवाह सामुद्र या स्ट्रिन्य स्था विद्यावदेव सकेंद्र या सी कवा व मति केन नु तर्केषा वा केषा वा तर्ने त्व हिष्ण तर्केष वा वा तर्ने केषा तकन वर्शन्वस्थानस्य । पर्वः हेव सस्य । स्वतः स्वतः वत्यसः सुः वर्शेयः प्रयः न्दः । सर्रेर्द्र सेस्र अस्त्र स्त्र त्या स्वर्ध विषा त्या विष्य स्तरे केर स्त्र विष्य विष्य केर ८८.क्र्य.क्रीयत्वयं यथे यथे प्रयास्त्र ह्याया क्रि.का रहा क्री. ही.क्री. <u> ५८: ४८: ब्रे</u>'बेश झ५५: वर्चे५ क्रुं ये५ :धर:या:३५:५य: यदे ख़ु:केंश क्रीं क्रेंबाया दया येया उत्रायायत् प्रतृत्रम्याकुः यात्रीः रेषायाद्रम् क्वायाळ्ययाः ग्रीः द्वीः पायरायोदायया तर्दे केंब्राया ब्रम्या उदा की ब्रियाद्या द्र्या कुतादा विस्टा केंब्राय राजन द्राया कुरा व्याः हे अदे से इस्र अधीर्याद्यमा ५८ स्र इत्या या से म्याय त्युस्र स्थान स्वार्यमा यः रद्यावा रेत्। वावयः द्दः द्वो तत्व तत्वा यदि द्वीवः स्वयः प्रयासी स्वरं वियःत्रमा यद्वेतुःवार्द्धवाःलवाःविरःयद्वेतुःवरःवयःक्र्यःञ्चाःक्रुवःदुःञ्चेवाःकुःदरःविदः यर-दुःवें रेदेवद-दु-देक्व वर् लेग धेव व दुर्श क्षेत्र केद य केद ये गहेरा है। गरुपाःर्हेरः ह्यादुणायते क्रेंयायले कुयायया क्रेंयाय विरायक्षेरायते द्याकेताया येयया वश्चेर्रः वत्रुयः यर्केर् केष् व्याप्तर्केष्ण्यः कुंर्रः। देवे श्रूवयः यः हेष र्वरः श्रूरः कुं। तकन् १६४ : न्यः केंवायाः वार्यवाः यार्केन् । तयुवाः ने कें चिन् । याते : नयेवायाः स्थायः के लिवाः स्थितः ले । वदेवःवर्श्वन्त्रस्यावदेःवःवहेत्रस्यःक्षेत्र्न्त्वत्वेत्त्वेत्त्वेत्त्व्वत्त्व्वत्त्व्वत्त्व्वत्त्व्वत्त्व यदः यसूत्र यः रेतः यो के दर्भतः सुर सुर सुर या दर्भा यसूत्र वर्धतः सुर सुर यो सुर या देत र्श्वेव यो निरं व सु नत्वा या म्राया उत् भी सु के तिया या निरं न से निरं व से निरं व स्था য়ৢ৾য়য়ৢড়৾য়৽য়৽ড়৽ঀৼ৾ঀ৽য়ৢ৾ঽ৾ৼঢ়ৢয়৽য়৾ঀ৾৽৻ড়৾য়য়ৢ৾ৼ৽ড়ৼয়৽য়ঀ৾৽য়ৢয়৽ৢয়য়য়য়য়ৼৼ यात्र न स्याना सर्वेत त्वित्र व्याचित्र हो निर्मे हो स्थाप्त त्यात्र स्थाप्त स्थाप्त हो निर्मे हो स्थाप्त हो स दरायह्यानु स्याराष्ट्रास्य स्यायावतः दरायह्यायते स्योयस्य स्वराष्ट्रस्य स्वरायाः रैवायानुवानी सुवानस्वान्द्रात्रान्द्रात्राने इयायाद्वितः हैवायायदे द्वादान्त्रुवः श्रीनी तयदः विवा यदे केन्-नु:पोन-यदे-नुभेग्रा-पुत्य-ने-रेन्। नेदे-यन-कन-दर्न-व्य-व्यन-न्-ह्नमः भ्रीन *च्चीः* रे.च.माब्रुव:श्रेर:१ व व वेर:५:व्ये.प्वर्क्रमाय:क्वांक्य:प्रह्माश:प्रह्मेंश:वेय:स्रूर्य: याने। वार्डवान्त्रत्यानुषान्त्रीयान्यायीत्राय्यायान्यन्त्रीत्वीत्रान्त्रीत्वान्त्रीत्रान्त्रीत् निदा गहेरादान्यादाङ्ग्यान्यादाङ्ग्यान्याद्वीयार्थिदाद्वीया केर्याङ्ग्यादा श्चीरायद विवास विसायित पेर्न ने केंस लेसायाद ने क्रून वा श्वर ने हमस्य स्थायोद न विसा ने याञ्चर व व द द र ञ्चव व हिष्या या या वर्षे द या सूर दुषा या या ववा व व व द द या विवान यन येन यदे स्ट्रेन नु वर्षिन नु वर्धु र क्रु। केया देन केया ग्रीका यी सुवान सेन दे केंबा केंबा प्रतिवास प्रस्तुप्रकार केंबा की सुराद्य सेंदा त्या दर्शे प्रति सुरी दे प्राप्ति प्रया यवः व्रेचित्रायां यो क्रियः प्रोवः प्राप्तः वाव्याः स्त्रीययाः स्त्रीयः विकास्त्रीयः विकास्त्रीयः विकास्त ॲट व चे व चित्र के त्र के त लुषाव लुषावे तर्दाय। अनुयव अनुयवे तर्दाय मुचार द्वरायीया यीषा स्रायर परिया शक्तिः याक्रियः पुवारे दे हो स्वार विकासी व स्वार में विकास क्षित्र । विकास क्षित्र । विकास क्षित्र । विकास क्षित्र । वतर केंबालुबान्दर यालुबान्ची विन्यय क्रुवा यन्त्वायाने यद्या भेवर यथा नेते नर्दे बा थॅर् ग्रीम्ब्राव्यान्य स्वर्ष्य रे व्यावसूत्र हे वर्षेव्याय स्वरे के साराय में व्यापन स्वराय स्वर यथा यद्वेद्वः वद्वार्क्षः दुरः यवः ग्रह्मः तुषा र्क्ष्यः विदः वेद्यः ग्रह्मः यः यन्। न्यायते के याञ्चा ने तहे वा हे त की विस्वा सुराय ता विवा व क्षेत्रा या विदा सर्केन्द्रत्या बेन्या विषया विष्या विषया विषय केंद्र हैदा वर्षेद्र द्रम्भ श्री केंद्राम हेंद्राम स्पर्दा वर्दे दे द्रम दिस ब्रीट या नर्या वर्षा सेट व हेन हिट सहया नर न्गेव पते हेव तर्ने तर् ग्रीका गरिया चलुम्बराद्युरादे। यद्वेते वराहेवा व्यवस्था स्वर्था स्वर्या स्वर्था स्वर्या स्व हेव.चार्यंत्रा ल.मक्व.विट.तर.स्व.बी.हेव.चक्चेटी वीव.स्चयरास्वर.बी.हेव.ह्य. यञ्च याञ्च व्याप्त व्याप्त व्याप्त व्याप्त विष्य व्याप्त विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य विष्य वयार्टे वर्षर हेव वायुयार्थे वाद वाद धेव लेव। दे वर्षर उव श्री वे सुवाइया वर विरायसम्बर्गारान्यम् । स्वायान्यम् अद्भूष्ट्रायाः हेन्द्राम् । स्वायान्यम् । स्वायान्यस्य गहेरः या यदें यद्वितः पश्चे हिनः श्ची हेतः श्चाया वदः दुः पत्वाया शुद्धे या विदेश्चे या पुरुषः यिष्ट्री रेते सेर र मिला स्वास्त्र स्वास्त्र र वा स योत्रियाः स्वीतः स्वेदः दुः ववः पदिः तहस्यः दुव्यः सेयः रवः रवः चीः देः सस्य रहेतः से दिरः स्वेतः याने वासुस्राचलुवासाय। ने वासुस्राची स्रीटाया दे स्मस्राची स्रीटाया है।

म्र्यायार्चेटाब्रिस्याम्डेमाप्पेराबेटावदीयार्चेस्यीत्र्यान्त्रेराचेट्रायर्चेन्य्ये नसुरायाञ्चनस्य विनारेत। ५.५८ सम्बन्धस्य होत्र पर्दे प्रस्ति स्व नेते सेट नुः क्वियायाया क्विया क्विया होता स्वाप्ता क्वियाया क्वियाया क्वियायाया होता क्वियायाया श्रेवाश्वायाधित् केटाते द्वायशहेव प्रकृत हैं कुं धित्। देवे हेव ते के त्वीव या रेवा हेब गरिया रे भेर बतर बर हेब भेर गर्या वर्षा केंग के रेता वीव क्राया कर ही हेब:<u>ह्रयानङ्</u>यासुरानलुग्रयार्थेन। ने:न्याग्रनःग्रनःधेव:बे:व। गुव:यडिव: तह्मारास्त्रेन् स्त्रीर प्रति सुन्ति विषयास्त्रीता न्यया सुव्य स्तर्मी गाुन प्रवाद विषय सुर यातरितः वाश्वेवः हे ह्यू वास्त्वा वया वस्त्रयायाते हिंद्या वार्वेतिः स्ववा द्वारायाः स्वार्यात्रा स्वार्यात्र नेतः स्ट्रेट नु ज्ञुव केव नगर भे रक्ष केव ज्ञीन तु वेद केव प्यते वेद प्य विका की स्ट्रेट नु ख़ु पञ्जाविकारमः व्यव पुर्ने प्राप्त या वावतः स्रोप्तवो क्वाया येती वर होव की वर पुर्णे प यारा देवे हे या सुराये देवे वे के भुष्टेर मासुराया देवा वहें व दे से मानाया या व क्रॅबाक्कायानमून या के दिरा मी वास्या प्रेरा चारे या बेवाबाया मत्वाबाया मेरा ५५५० नेति वर रु द्वो अर अ्नु ल्वस ग्रीका यङ्कते घर वस गिरेर या चलेस यदी रु र द्वार यर्द्राक्षेत्रक्ष्याञ्चर्याचीयायाद्या देवातह्रव हे याच्यायायायाद्याद्वा वर्ष् श्रुया अर्दे स्वाया प्रस्त प्रते हैं अदे अव्या वादा क्रिया श्रुया प्रस्त प्रस्ति हैं है दे ही यर्ता अत्युक्षक्यान्दायावरायाव्याक्षराक्षेत्रक्षेत्र्यात्र्यायार्थेषायायाने स्टिति वटानु यामिर्मियायान्त्र्रानुस्ति केटा दे सर्वस्ति निष्या यास्र स्वर्षा केत्र पक्कि। व्रीवः स्वत्याञ्च क्षिः हेवः स्यापञ्च त्राय्या वर्षः स्वतः स्याव्याः यहः स्वतः स्वावीः व्ययः स्टः हुवाःवाकोरःवःविद्वेर्यकात्रकार्डवाःक्षेत्रःत्रः धितः बेरःवसूनः यः वाधितः यरः वदिः के धिर्वाः व। हु.चू.कै.वच.म.कै.चचर.गूर.हुम.कै.मपु.हु.चू.रर.भक्म.रे.चर्य.पर्ट्रेय.वीम. थॅर चने थ सेन्य परे थे निरम्भर से निरम्भर मुनम् निरम्भर स्वामी सेन्य से सिर्मेर में सिर्मेर से सिर्मेर सिर्मेर से सिर्मेर से सिर्मेर सिर्मेर सिर्मेर से सिर्मेर सिर्मे विस्रका स्नुन् सुँग्राका सुःन्यर विदः वी स्वान्य नत्तुवाका व्यन् सुदे त्र दः वका सदः के नः यासुर रत क्षेत्रेत्रोत्रोत्राया स्वाप्य प्रत्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य स्वाप्य षाष्ट्र-१५४११४। यम् अंत्रायम् विषा पूर्य पार्यन् १३४४। क्री वर १४४१ स्था प्रायम् । चरम्बेम्बर्यस्थः स्ट्रियः च्रोधः द्वाः सदः दुः मृत्युद्धः स्वात्युवाः सुधः स्वेदः । देः श्रीव क्टर सायपर क्टर ख़्व लेवा से द प्येर्ग विदेश स्त्री वार्य र ख़्वा या हेव स्त्री वार्य र ख़्वा या हेव स्त्री वार्य र ख़्वा या हेव स्त्री वार्य र ख़्वा या होवा या स्त्री स्त्री वार्य र ख़्वा या स्त्री स्त्री या स्त्री स्त् सु:वार्केय:द:तदी:स:देंद्रशः स्त्रु:द्वा:ब्रस्थ :उद:श्रीश:वर्केद:द्रस्थ :वर्षाः स्टर:। धुनाः भ्रेतः भ्रेतः भ्रुतः नीः हेवः ध्येवः भ्रेतः ध्येवः ध नर्भेन्द्रसम्प्रमायक्षेत्रहेत्नुः भेन्द्रभेन्द्रभेन्द्रभेन्द्रभेन्द्रभेन्द्रभेन्द्रभेन्द्रभेन्द्रभ वर्तते हेव वार्याया के ते ते प्रवास्त्रावा के ते ते प्रवास्त्रावा वर्तते हेव प्रवास्त्रावा वर्तते वर्षे प्रवास्त्रावा वर्षे वरते वर्षे व श्रेयश्चर्स्नेन्स्यकेन्द्रप्रदेश्म्यवर्धाः स्त्रेन्स्येन् । देश्यक्र्यः हेन्य्वर्धः विद्या कर्रायर खूर् वया चर्ड क्रें क्रूंब यार वर्यया यद्गीयर ताया क्र्या वया विर यो क्रें बैयाय. लूर्न्यदुः विर्ययः सुवा चार्षुका उत्रा राष्ट्रायः विर्यः विर्यायः सुवा विर्यायः विरामित्रायः विरामित्रायः विराम यबग्यते अर्केन् विराधक्षं म्यापर विषय ने राष्ट्रीय में राष्ट्रीय से रा सक्र में व ना सुरा स्वर मान्य प्राप्त के निष्त स्वर स्वर से कि स्वर से कि स्वर से कि से कि स्वर से कि से कि स यार्डुमा व्यमा विद्युष्टी अदि र्स्रिमा स्रेमा मेरिस् अदि खूर विद्यु देते विद्यु नुषाने वर्षा सहयाय। ने सेव संदास्या स्वापन में हि है दि सूर्व प्राप्त ।

यार्ल्यत्वराम्बर्धाः वारेत्। यार्ने विम्यायाः द्वीत् विष्यायाः विष्यते विष्याः विष्याः श्चीरावरायाः यरमा क्वाया विरायरा रु. सृ. त्र बुरा ह्रीराया । देवे वरावमा स्रीरा वेषा यःविषाःषीःदेशःवयःययदाव्यःभितःकुःयःयेदःयथयःश्चीवःभितःयःयेद। वदीःदःख्रवेः भ्रीयर्थासु वित्र राष्ट्री स्त्री है। स्वाप्त राष्ट्री देश सर्वे स्वरास्त्र प्राप्त स्वरास स्वरास स्वरास स्वरास वेंन्।वस्रक्षःश्चेदिःकाःवसुन्।युवाःवसुन्।वर्दकाःश्चीनःविःवने।युक्।वकाःयेन्। तर्वेदि नने भ्रीन यायम विष्या अपिन यदि हेम तर्वया की विष्या माना माना प्राप्त । बिटा। ने सूरानु प्येटा चति क्षेत्र तत्तु व त्या वायर स्रकेषा या सुसाय ने व नयर त्या पर्कुण्यात्रयाञ्चीत् त्यायायी विष्ठुण्याची प्रेटाव्यान्यो तत्तुत्रायान्दान्यस्य प्रयास्य स्वात्त्र वार्ष त्त्रेत्र प्रत्येत्र प्रत्येत्र वित्यक्ष्यानु वित्यक्ष्यान् वित्यक्षयान् वित्यक्षयम् वित्यक यवियानवे न्वर वी न्यीयाविक लया क्षेत्र। यह सम्मान् स्वाया सम्मान्य सम्मान्य सम्मान्य सम्मान्य सम्मान्य सम्मान्य सुवाने मेन विनायर उनायने केंद्रि सन्नानु में निया यहा यह वार्य प्रमान कें द्वी: यादि निवेत दुत्व द्विन या यादे ना उत् द्वी विदायया वया केंया द्वी न्यातः श्रेंब्राया सहस्रान् देया नदी हो बार श्रेंब्राया स्थापा वर्षाया समस्य स्थापा स्यापा स्थापा स्यापा स्थापा स् तव्ययानवे प्रतानिक स्त्री अराप्ता मान्या क्षेत्र मान्या स्वापानिक स्त्री स्वापानिक स्त्री स्वापानिक स्वापानिक स वाक्रीयाक्कुः पीर्यायया वर्दी विविदानु वित्यानु यानु यान्याया से निया विविद्यानु विविद्य वहरत्रवासर्वेद से देन न्यवा सेन न्य ह्येन न्येद यह वहुर वाद्या रूप स्वार वाद वाद र यः भेर्नः या सम्या अन् रन्ते हो रामेर्नः देशिया क्षेत्रा त्या वर्षे सम्या वर्षे व्यापन हो सम्या वर्षे कें विदेश्वर वर दें द्वीया वर्षा कर वा वर्षा वर्षा वर्षा देता वर्षे के वर्षे के वर्षे के वर्षे व व्यायात्रयमा क्री क्रुं में क्रिया मिला क्रिया या व्याप्त स्था व्यापत स्यापत स्था व्यापत स्था व्यापत स्था व्यापत स्य यम् सुर्यायान्यायान्य । प्रत्यायान्य । प्रत्या । प्रत्य । प्रत्या । प्रत्या । प्रत्या । प्रत्या । प्रत्या । प्रत्या

ष्टियःयन्त्राःयःयञ्चः श्रीयःयवरः वीः त्रयः वाशुरः।

क्ट.प्रा. हिवाबाय वि. अक्ष्रयाय मिट. वं बाल्य ट. यदा ह्या यहिया यीषा अध्या दी यहें बाल्य दि । ক্রমান্ত্রীবামারমমানত্র দ্বিমান্সমান্তর বাবার ক্রেমান্ত্রীর বিষ্ট্রবামান্ত্রী বি न्वीं या ग्राम्य स्वरं निष्ठ के क्षे लिया विस्था विश्व विस्था विस रर. र. के. या पर्ये प्रमिटे. जा यह या दें अहू या या या प्राप्त हों में खरू. यःसूरःरेदा 'सूरातु। कें'तर्नेते'ब्रिअ'यवतःकंट'प्पट'के'ह्माकेंट'तर्नुकाक्कीक्यों वर्षे तर्दायाप्पेव' यर सर्वेद लिया ने सूर र्यं चेर सर्व मानवा वाले सुर से चेर कु विदेश है व बुवाऱ्यास्रव क्रीस्रद चेंद्र देद्या हे त्युद चब्रिव विरायस्य यात्व क्रुं धेव यवद सर्वेद स्पेद यन्दा बूदावावम् रुप्तरम् ने प्यदावम् केर्या क्षेत्र विष्य प्येत्र हो। तह्रमञ्जीर वी है। सादे र सादर वि स्ववा देर प्यर । वि सुद वा हर सी हि सुवा स्वा स योन्यम् द्वीत्रः त्व्याय्यस्यायः सेन्। विविद्यते देते या सेन्यम् सेन्यम् सेन्यम् सेन्यम् सेन्यम् सेन्यम् यः द्वान्तः चुन्ने न्त्र्वन्यः चुः र्वे त्याया ग्राटः त्युदः चः सूरः ययः दटः र्ह्वेत् वयः कुरावद्येयः हेः केंग्रान्याम्ह्याम्भ्राम्ब्रायात्रीयास्त्राम्भ्राम्भ्राम्भ्रायात्रास्त्राम्भ्राय्यास्त्राम्भ्रायात्राम्या क्षिञ्चयमञ्जूद्रकीयायम् विवायायमुद्रक्तुं सेद्रा विजयायमुद्रक्षियम् । याचेन्द्रभेत्। मायाचे के त्यावव नव नव त्वी चव त्वी द्वी त्वेत् भी के माने चे के स्थापीय व नेशः क्रुः के: ५८: श्रेः के। क्याः वियाः ५८: श्रेःविया चुः प्रवादः ५८: श्रेःपवादः। ह्येः म्बर्यान्द्रः सी म्बर्यान्दे से स्वी स्वति स्वी त्यने दार्थना सी स्वी त्या सुना स्वी प्राप्ते दा दबःवर्देरःवेजाद्दरःश्चेषेजाःवः द्याःवेद्याःविदःयय। वदःश्चेदःव्यरः वेद्वाःविदः व्यवः विदः

रुषात्रके कुं ले त्यान्तर है सारे दार्थित। दयदा से दावकी यह वार्षा होता र्डे:वेषा यरावज्रुराविदे:वर्ज्ञावावष्ठ्वाषाने:वर्ष्यावी:पर्वेषायाः भेव:परा वर्षात्रवायावाकेषात्रीत्वाव्याक्षेत्रवीषायाधित। देःश्रेवःविषावीषायक्कृताव्याक्षेत्र मु। विरायदेवावयावायरामु। वायरायावायर्थेवयावदेवामु। सूरया प्रत्रःक्रियः यद्यःक्री देयः देरःक्री श्रयः प्रक्र्यःक्री क्रयः विरःक्री न्य्यायायान्यः कु। तुन्योन्यान् स्ट्रेन्ययः वे कु। वन्येयायानवे वक्कासः पवी ययोग्रयः देग्रयः सूर्यः यम् दक्ष्यः दुः लेयः सूर्यः ते स्वरः क्रेतः दे लेगः ग्रीयः दरः ने स्युग्रयः देः तर्मित्। यानार विना वया नुया वया विना त्या तके की सेया केरी नार सुर हुया वयानी रहा। वी हुया यो वाया से स्वीया या। उदा लिया की या सारे है। यया रारे वि यान्य मान्य विष्या विष्या स्थाप स वयात्व्याचान्रवासूर्वेचायाचन्। क्यायाचह्रन्वयाने वे रेन्। ने वयार्चेर त्रशुरःकुःभेदःधयाने त्युवायायवा वर्डेवा वारःभेदः रुटः वार्डवा शुर्यादः रेटे रेट् सेट्। . वी. कॅराहे अपने ती. प्यराक्तियां ग्रीप्यर ने दिश्य प्यराप्य प्रतास्त्र प्याप्त प्रतास्त्र प्रतास प्रतास्त्र प्रतास प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त्र प्रतास्त प्रतास्त्र प्रतास्ति प्रतास्त्र प्रतास्त प्रतास्ति प्रतास्त प्रतास्ति प्रतास्ति प्रतास्त प्रतास्त प्रतास्त नुवा वासुरा यस सुरे वार्षेट : रेट वासुरा । । ववा कवास यस सुरे वार्वेट : रेट वासुरा । । ववा कवास यस सुरे वार्वेट यात्रुवाया ।वासुरयायासूरा वरार्देवीवस्तर्वराद्वरादे। सुक्तरादे। वयाःदेशस्यान्यस्यस्य उत्तरा यवित् स्तित् स्ति योजन् स्ति स्ति यास्ति यास्ति यास्ति यास्ति यास्ति यास्ति स्ति स चरायादरासर्वो प्रस्ति स्रूपेस स्र्वास स्वतः श्री त्या स्वतः स्वस्ता द्रा स्वतः स्वस्ता स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः क्रुव ले कवा या रे तिर्वित प्येन यदि त्युक्त वि वस्य या उत्तर । इत ग्रीया वस्रुप्य वि ववतः र्कटः हे त्ववेषा सदाव प्यदः हेव देरागी खुदा खुदा वहवा वया रासदा क्रुवा या प्येदा यं लेग दर। कुं वर्ष देर विरव्याययायाय दहेंगा पेर यावद लेगा पेर या या रेरा देवे स्मित्र शुः रदः वी शे र्कंदः रेवाश सर्वी वित्र स्मित्र स्विता धेत तः त्व दः सेद्रा दे र्डमालेमा स्रोत रहर मासुर प्रार्ट्से लेमा त्या रे सी प्रमीस प्रारा रहा स्रोती रहा की सामुहार प्रार्ट्स की सामु बुन् बुव व त्युव व र वे बिषाय है र देन हैं व द र हैं य द व स्वाप्त है । यह व स्वाप्त है । यह व स्वाप्त है । यह व विष्राणरायाविष्र। अरान्ध्रायाविष्ठिः सुविष्ठः विष्ठः विष्ठः व्याविष्ठः विष्ठः व ब्रिट विरायमा ग्री ख्रुदि पर्दुर सुर साथ विदेश स्वर ही विदेश पर्वे स्वर सामा विद्यालय ही । बिट विस्रमा वर्षे स्वर्धा वर्षे स्वर्धा स्वर्धा स्वर्ध स्वर्य स्वर्य स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्ध स्वर्य स्व कुलार्यायय। ज्ञानाञ्चरायरायरुयायदेगावयार्वेत्यावेटा। १रेन्टार्वेट्नु यक्यातपुरमाध्यात्या विषायायद्यायम्याद्याद्वयायायविषाश्चिमास्या विष् वै:क्षे:चनेव:य:धे:क्रेंबा:क्षे:वार्युटः। विवाःवार्युट्यःयय। वायःहे:क्षे:न्नु:बटःयः ख्रूरःश्चेनःयदेःनवरःनुःग्वुरुष्वदर। नग्वरःन्युरःक्षेतःनश्चेनःगिर्वरःकुःर्थेनःयदेः न्वर-दु-वुर्यात्रवर। यदयाक्चर्याचीः वस्य स्वर्याः वस्य स्वर्याः वस्य स्वर्याः वस्य स्वर्याः वस्य स्वर्याः वस्य यः सरेत्। वसु सेन प्रोंत् सर्वेन मी पनेत सम्या अधि सुराप में स्थान में स्थान में स्थान में स्थान में स्थान में क्चि:सर्कु:ब्रीय:वायस:क्री:स्वम। ।र्यस:त्यस:ल्या:व:ल्य-ब्रीर-क्री ।वार्यःवर: चै.चषु.श्रम.ईभ्रम.ज। ।मरम.भैम.र्थम.जम.लूज.भु.शूरी ।३४.यमिरम. यथा रदारी तर्दे दाया कुर अर्द्धत दुः चुरुष हे वाल्य त्या वार्वे दा साञ्चीत्या वर्षा स्वराद्धत यातक्यान्द्रायन्यान्द्रिन्यातह्या केंग्रायून्यायेश्वरिष्यायेन्या मुत्रायायारेत्। र्वेताप्पेत्कुावदीत्याम्गायम्बायोत्याप्पेन्ययाय्यतास्त्रेनःवीतः तक्ति सेन् क्षेता खोर्चे वेषा वित्राचा वित्राच वित्राचा वित्राचा वित्राचा वित्राचा वित्राचा वित्राचा वित्राच वित्राचा वित्राच वित्राचा वित्राचा वित्राचा वित्राचा वित्राचा वित्राचा वित्राच वित्राचा वित्राचा वित्राचा वित्राचा वित्राचा वित्राचा वित्राचा वित्राच वि थेन्द्रिः सन्देन न्वो प्रदेश्यक्षेषायाहेक् न्दर न्वो वीवाषाय वह से रे प्रक्षा क्षा

র্ক্রবাঝানঝান্ধ্রানান্ধ্রুনান্ধ্রীনান্ধানমান্ধরারী ক্রিক্রান্ধানির ক্রিক্রিক্রান্ধান্ধান্ধর ক্রিক্রান্ধান্ধান मलन क्षे देन त्या प्राप्त लेगा छोर देन क्षेत्र। क्षेत्रा महिना प्राप्त हुता क्षेत्र क् योबाया देव दि के स्मूद हिया वा रे रे पीव वदर क्रूद या छो स्नु वें या है या यहिया यीया स्वावना मस्या उद्देश स्वावन स् म्रम् अर्थः उत्तर्देशः वर्धे द्वीत्। रथः श्रीः वर्षियः वीयः वियः वर्षेतः वः म्रम् यः उत्तर्वेतः वित्। धीन् प्रतित श्री ते र प्राप्तिक विषय के प्राप्त का कार्य का का कि प्राप्त के प्रति । व प्राप्त के प्रति । व प्र यक्रिया योषा निया समारा उद् रतर्तुया यम स्त्रीत स्वापन दे या द रिया स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन स्वापन चिद्र-खुत्र-शुः शेष्ठा शेष्ठा श्री-द्र-की श्री वार्ड-ते विषय दर श्री दः हे वा स्वा विषय । यय। नुषाह्माहुःश्लेटाहेते सेसमान्दायीय विषायात् विषायात् स्वालेषाञ्चाया हुः। धोव। ने सूर केंबा तकन कृत ग्रुका यान्य प्रान्त या उत्र श्री लिय ह्यें वान्य या विश्व श्चेयाश्चरा द्वायाययायायायाद्वित्तराया यद्वेत्रपतिः वयायनेवया यर यो।यायायाया नवोः श्रुताः श्रुताः श्रुद्रः वी।ययाः योता श्रुवाः श्रुद्रः श्रीतः श्रुद्रः। नवोः तन्त्र याया वर्षेत्र वर्गा या वर्षे वर्षा या वर्षेत्र प्रविता वर्षेत्र प्रविता वर्षेत्र प्रविता वर्षेत्र प्रविता हेर्चरम्बर्भरक्रमस्थाम। द्वीवाराद्विरायाद्वियादह्वानुसाम। द्वीवेवादेः बर विकास १ ५८८ वर्ष श्री व स्त्रू स्त्री का श्री वा सुनि स्त्री । वार्डवा व्यवा विकास हिंद भ्रींरः यथाः यः देयः द्विषायः वक्कियः य। रदः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः क्षेत्रः यो स्वर्धेतः यः तत्यः पः ताः याः याः वीयः बनयः हेवा । वः यवाः वार्षदः स्रयः सर्वेदः यः व्ययः या देः वेदः वाह्रेयासुप्धीप्रदानुसाय। द्योग्येययासूद्वियायालेयाचिस्सुय। योर्हेवास्तर यश्चित श्रुमः श्रूमः श्रूमः यश्चित स्मित्रा त्यायायाया सस्मित्र । तत्या श्री प्रयास्य । त्या त्रश्राम् स्थान्त्रः स्थित्राष्ट्राच्याः स्थान्त्रः स्थान्यः स्यानः स्थान्यः स्थानः स्यानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्यानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्थानः स्यानः स्थानः स्थानः स्थानः स्यानः स्यान

केंग्रारायनेत्रिष्ठित्रायायां क्रियायात्राम् अर्थेया र्टा होन् प्येटा यदे सूर्वययायाय स्त्रीताः *चार क्विर व्याप्ताव प्रवास है या खु प्याप्त प्रवास क्विर कित्र । प्रदानी के या प्रवेश के प्राप्त विदा* दशः केंशः केंगः याँ हैना यों दशः यालदः शः यद वेंग्राशः श्रीः केंद्रः दुः द्वीदः केंशः श्रीः यादशः यनुरःश्लेप्तवो प्रति सः प्रति प्रवा वीषा सर्वेत हे श्लेषाषा प्रसुति कुथा प्रारा श्रवा प्रकारी नवा বশবাশ্বনের রবা বহুপাশ্রী বুবী স্থারমশ হর দ্বীবাশ বাহুবা দ্বি বহুমাশ দি শ্রমাশ হর । म्यायाः इत्राद्यायाः यात्रायाः यात्रायाः यात्रायाः स्यायाः स्यायायः स्यायायः स्यायायः स्यायाः स्यायः स्यायाः स्यायायः स्यायाः स्यायायः स्यायाः स्यायाः स्यायाः विर क्रेन्न में ब्रिंच विद दरा। योग्या उन क्री में प्राया मुख्या क्री क्री माना में प्राया में क्री क्री माना म अर्वोद्गः भेरित्र प्रमान् अन् प्रतित्वम् सुर मने मारुद्य की विर विस्वार सु स्क्री मित्र केन हु । पर्कृताधिताया देख्राचर्क्यायदेख्राहुत्याचहेत्वत्याक्कृतावदेवस्तर्भतायदेत यें के खुट दट हें ग्रथ यदे यद्या है द उब ययद स्थ्रुय ग्रहेश खूब खी क्षेत्र वर्ष दर विट क्रियायात्रमा नेत्रहेंबायसूबायहेंबाकी स्रुवाद्यां न्यायदे स्याप्ताति प्रवित्राप्ति । ८८.र्षेय.त.वश्वाकर्त्रः की भी रची पत्तर शहाबुर भी कू. प्रथा पत्तर हिंदा प्रवीय लर्यायदुःक्विताविष्याविष्याविष्याविष्याचे त्याचे · सूर: ५८: स्रवा देवा वी गाुव व्ययः नक्षुर्य छे त्व्युवायः क्षेत्रः व्यः स्रवायः यो विदे विदे स्रीटः र्क्याप्परामेन्यान्दा। नवदावर्ष्चिराष्ट्रवायते स्रीम्मम्यास्तरम् क्रीम्मूनाया विषया कुनः क्षेत्रे स्रोधारा सुर्वे अपने कुरा विश्व स्वाधार्य स्त्रे स्वाधार स्व यक्षियाः योषाः पञ्चीत्रायः पञ्चीयः याच्याः याचः याच्याः याच्याः याच्याः याच्याः याच्याः याच्याः याच्याः याच्या गठिमायमाळन्यदेशमन्दः क्रुन्यासु सु स्टान्य द्वीमा सी स्टिन्य न्द्रीमामा वर्षयाश्चीत्रः रेषार्केषात्रः तद्देते वृदः तुः वर्षे प्येषा श्चीदः वर्षेदः वाद्दरः। वृद्धेदः त

ઌ૽ૼ૽૾ૺ૽૽૱૱૽૽ૢ૾ૺઌૡૼ૱ૹ૾ૢ૽ૣ૽ૺ૱ૡ૽૽ૺૡૢઌ૽ૹૣ૽ૢ૽૱૽ૡ૽૽ૼઌ૽૽૱ઌ૽૽૱ૹ૽૽ૼૡ૽ૺૺૺૺૺૺ૾ૺૺૺઌ૽૽ૡ૽૽ૼૡ૽૽ૹ૽૽ૢ૽૱ૹ૽૽ૼૡ૽ૺૺૺૺૺ चुर-तु-भिन्न। कु-वेर्न-श्री-भी-रेन-कर्न। न-रेश-केश-र-त्नीर-हेग-प्रश्नानहेश-कर्न-तचेवानानवनार्कन् क्री वे ने से सम्बर्धन्य । क्रीनवराक्षीं वे ना देना है सा वही क्री ब्रि-ब्रियायक्त्यावयावयुर-स्रोधन मन्द्रात्वययान्यावस्याने प्राप्त स्त्रात्व स्त्राचीयायाय्य कर्। यदे य उत्र या श्रुका हे दिर धेर श्री भ्रेषा वायर महत्र यदे भ्रेषा वायर सुरा · व्यादर्वोद्गायरः विवार्ष्ठेवः श्रेंब्रायः प्रदा देव्यार्थः क्रुंब्रायः प्रश्लेवा विवारि विवारि विवारि विवास क्षेत्र प्येन के ता कर हेना या केत्र यह स्मृत्य या चार की या चीया यो विकास हिन् विकास है। विकास है म्रेंब्राक्त्रा र यान्वायः प्रकार्यः प्रदानम् । र यास्त्रायः प्रविव र प्रव र प्रविव र प्रव र प्रविव र प्रव र प्रविव र प्रव र प्रविव र प्रविव र प्रव र प्य र प्रव र प यावर्। र.ज.व्य.क्री.पर्ने.क्य.पहूचा.यावर.क्री.पर्ने.र.क्रीर.या.ज.क्रायाता क्र्यःक्षेत्राःस्वरः वयायत्रः स्रोत्यने वयायने प्रतिः त्ययान् त्रक्षेत्रा स्रोत्यः स्रोत्याने स्रात्ते व क्षेत्र भेरि। दे देर प्यर दे चलेत दुर अर्थेर र्थेत र्थेत देवा वीत्रा संदर्भ र भेरि रर रे क्राम अर्थेर र्थेष द्वर रेग वित्यावत्। यन रर रेते खुष र्थे वर्भूर ने सूर मी क्षेत्रिया व्यव्या कर्ना ५ म्यू प्रत्ये मानुवा व्यव्या विष्ट्रीया विष्ट्रीय विष्ट्रीय विष्ट्रीय विष्ट्रीय विष्ट्रीय विष्ट्रीय विष्ट्रीय विष्ट्रीय विष्ट वित्रास्त्रवान्तरायक्षायवित्रवावतःत्रास्त्रात्त्रात्त्र्याः क्रिन् वित्रवित्रविष्ठावस्त्रात्त्र्याः यायते या राष्ट्रियात्रया दे प्रतितातु । त्रे वितातु । त्रे वितात्री । त्रे वित क्षेत्राबार्स्य, प्रक्षेत्रित् ते प्रचे रहेब त्वा प्रदेशित की प्रचे प्रचारी विवाद र तुवा बार का प्रचार की तव्यानरः वैवा डेबा ५८। दे सूर नर्डे न ५८ द्वेत यय दे पर वार नर्डे वु हे विद

वियायन्यायायञ्चा स्रोत्याय स्योत्त्राया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्याप्ताया स्थाप

नर्के, लेजार्य प्रकारा प्रकृत मार्थिय विद्या प्रकार में मार्थिय विद्या प्रकार में मार्थिय विद्या प्रकार में मार्थिय विद्या प्रकृत में मार्थिय के प्रकार में मार्थिय के प्रकृत में मार्थिय के प्रकार में मार्थिय में मार् केव में र प्येरका सुप्तर्श्वे न। श्वें व ग्वें र ग्वें र ग्वें र श्वें श्वें श्वें र श यसयोग्नान्त्राचित्रः वित्रवित्रा है नर्द्ध्यः यहमान्त्रान्त्रान्त्रा के मान्त्रकी के व र्वेताः प्रकृताः वर्षेत्रा वर्षेतः कृषः वर्षेतः हो। वर्षः क्रीयः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः वर्षः अःश्कुतिःमिदः अः इअः २। नगातः नश्कुतः प्रतेः अत्रः अः तृग्वायः नश्कुतः । हेः नर्ड्वः विदः श्र्यात्राता पूर्यायार्था स्त्राच्या स्त्राचित्र स्त्राच्या स्त्राच स्त्राच स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच्या स्त्राच स्त् इस्रायान्या गुरुषाद्वेदार्वेदार्वेदार्वेदात्रम्यान्तेस्या गुरुषाद्वेदादहेवास्यासेन् न्नीया तार्थरानुष्रात्रम् वर्षेत्रप्रहेत्यक्षिम् क्षेत्रप्रहेत्यक्षिम् क्षेत्रप्रहेत्यक्षिम् क्षेत्रप्रहेत्यक्षिम् हेवा चकुँ ५ पायदेव सामकुँ ५ कुँ मा स्थापका है सुरामकेंका पायति । पर्वे परि सुनाका तर्व ने क्षेत्र न्येग्रय प्राप्त प्रक्य प्रति प्रकृति न्य क्षेत्र त्या की ल्या वर्षेत् क्षेत्र न् याश्रीरमायरातु लेमायर्थे या प्राप्त क्षेत्र त्या क्षेत्र स्वार या क्षेत्र हो सह्या प्राप्त मार्थ ह्रियाया:श्री **翌大・翌夕、い**

भ्रथायवदः द्र्युवः प्यद्याः कुर्त्वाः द्वायः हो। यतः भ्रुदः द्वायः यद्वायः यद्वायः द्वायः द्वायः य्वाय। यवः विश्वयः यद्वायः यद्वायः यद्वायः यद्वाय। यवः विश्वयः यदः यदः यदः द्वायः यद्वायः यद्वाय। यवः विश्वयः यदः यदः यदः द्वायः यद्वाय। यवः विश्वयः यदः यदः यदः यदः यद्वायः यद्वाय। यवः विश्वयः यदः यदः यदः यदः यद्वायः यद्वाय। यवः विश्वयः यदः यदः यदः यदः यदः यद्वायः यद्वाय। यवः यद्वायः यदः यदः यदः यदः यदः यद्वायः यद्वाय।। यवः यद्वायः यदः यदः यदः यदः यद्वायः यद्वायः यद्वाय।। व्यव्ययः यदः यदः यदः यदः यदः यद्वायः यद्वायः यद्वाय।। व्यव्ययः विश्वयः यदः यदः यदः यद्वायः यद्वायः

डेश्याचने नाड्य छी लिट वी क्रेंब्र यात्रा क्षेत्र नाव क्षेत्र वि वि क्षेत्र में क्षेत्र नाव क्षेत्र वि वि वि क्षेत्र में क्षेत्र नाव क्षेत्र क्षेत्र